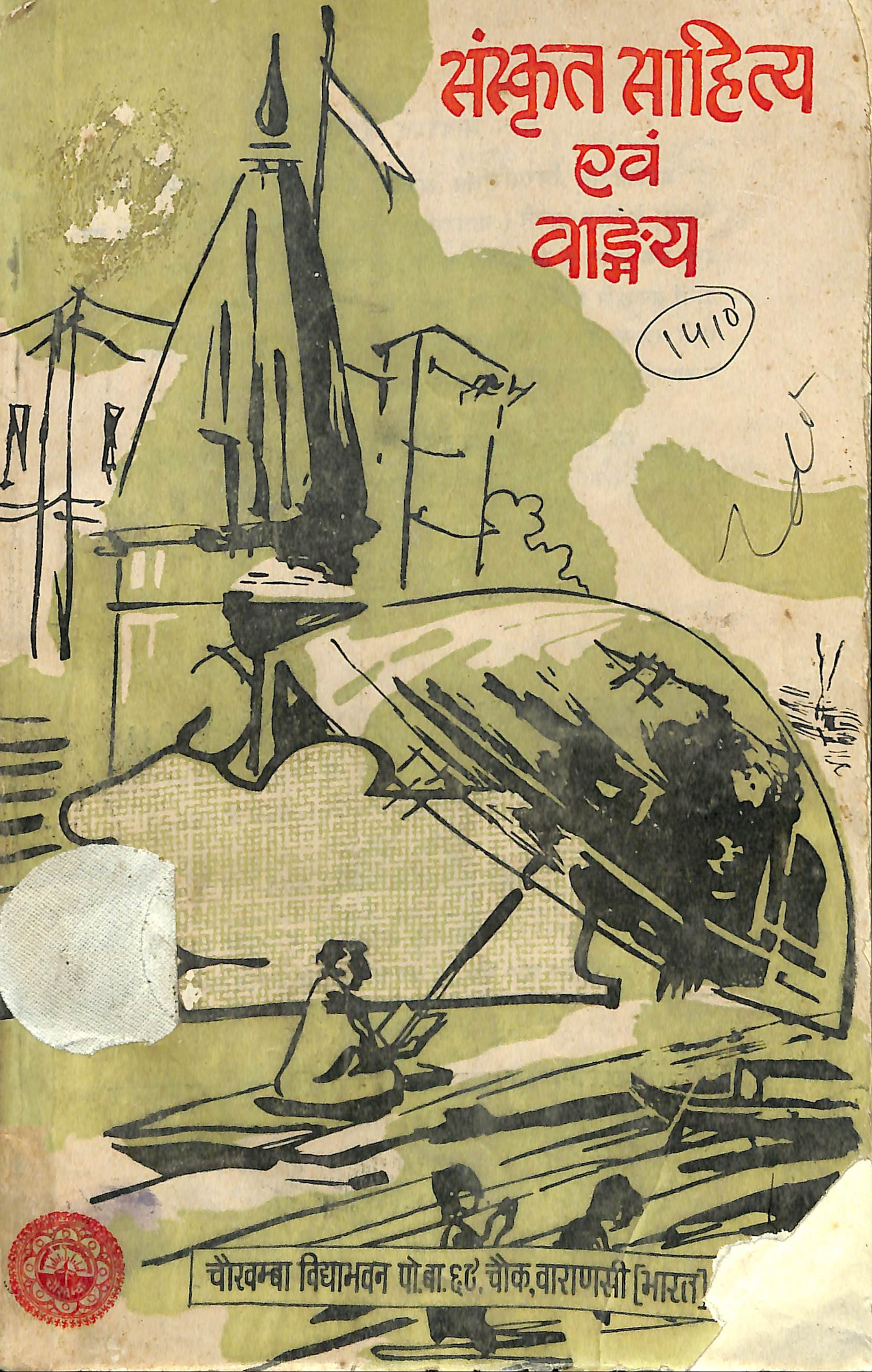
संस्कृत साहित्य एवं वाङ्मय



चौखम्बा विद्याभवन पो.बा. ६९, चौक, वाराणसी [भारत]

—: आवश्यक सूचना :—

आपकी यह चिरपरिचित प्राचीन संस्था जो पहले चौक, चित्रा सिनेमा के ठीक सामने (बनारस स्टेट बैंक भवन में) स्थित थी, अब वह इसी बैंक भवन के ठीक पीछे स्थानांतरित हो गई है। इस बैंक भवन के दोनों तरफ से गली में होकर दुकान में जाने का रास्ता है। आप अपने सभी पत्र-व्यवहार में पूरा-पूरा पता लिखने की कृपा करें तथा अपने वाराणसी आगमन पर इसी मार्ग-दर्शन का सहारा लें—

चौखम्बा विद्याभवन

(भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के प्रकाशक व विक्रेता)

चौक (बनारस स्टेट बैंक भवन के पीछे),

पो० बा० नं० ६९

वाराणसी–२२१००१

❀ ❀ ❀

CHOWKHAMBA VIDYABHAWAN

Oriental Booksellers & Publishers

CHOWK (Behind The Benares State Bank Building)

P. Box No. 69

VARANASI-221001

नोट—कृपया आप अपने सभी पत्र-व्यवहार में पूरा-पूरा पता लिखने के साथ पो० बा० नं० ६९ का भी उल्लेख अवश्य करें।

अन्य प्राप्तिस्थान—

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

(भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के प्रकाशक व पुस्तक-विक्रेता)

के. ३७/११७ गोपालमन्दिर लेन, पो० बा० नं० १२९

वाराणसी–२२१००१

॥ श्रीः ॥

तार: चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी   दूरध्वनि : { ६३०७६ दुकान
५५३५७ निवास

CATALOGUE No. 4

संस्कृत साहित्य और वाङ्मय

(सूचीपत्र संख्या ४)

१९८०

चौखम्बा विद्याभवन
चौक (बनारस स्टेट बैंक भवन के पीछे)
पो.बा.नं. ६९, वाराणसी-221001

निवेदन

(१) कृपया अपने प्रत्येक पत्रव्यवहार में **संस्कृत साहित्य और वाङ्मय संख्या ४** का उल्लेख अवश्य करने का कष्ट करें।

(२) इस सूचीपत्र में पुस्तकों के वर्तमान प्रचिलित मूल्य दिये गये हैं, फिर भी कदाचित् प्रकाशकों द्वारा समय-समय पर पुस्तकों के मूल्य में परिवर्तन होते रहने से आपके आर्डर की पुस्तकें भेजते समय नवीन निर्धारित मूल्य चार्ज किया जायगा।

(३) लेखक प्रणेता एवं प्रकाशकों से निवेदन है कि वे अपनी नवीन

भेजते रहें।

ज्ञापन कर

बिक्री की

आवश्यकता-

कृत वाङ्मय

च्चकोटि के

क, होमियो-

ग्रन्थों का

सामान्य संस्कृतसेवी एवं भारतीय विद्याविद्
विद्वानों की सेवा में—

महानुभाव !

'चौखम्बा विद्याभवन' ने अपने प्रकाशनों के द्वारा संस्कृत-साहित्य एवं भारतीय विद्या की जो आज तक अपूर्व सेवा की है, वह सर्वविदित है। इसके अन्तर्गत संस्कृत वाङ्मय की सभी शाखाओं पर आकर-ग्रन्थों के अतिरिक्त उपयोगी एवं लोकप्रिय ग्रन्थों का भी प्रकाशन हुआ है, जिससे देश-विदेश के पण्डितों ने पर्याप्त लाभ उठाकर इस संस्था को गौरवान्वित किया है। हमारा उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक साहित्य की महान् कृतियों का प्रकाशन कर संस्कृत की अमर रचनाओं का रसास्वादन कराना है। हम इस महान् सारस्वत अनुष्ठान में अनवरत संलग्न हैं और इस संस्था की प्रतिष्ठा एवं गौरव के अनुरूप विविध प्रकार के प्रकाशनों के द्वारा देववाणी का भंडार भरने के लिए कृत-संकल्प हैं। हमें विश्वास है कि आप महानुभावों के प्रोत्साहन से हम अपनी पूर्वपरम्परा को सुरक्षित एवं संवर्धित करने में पूर्वापेक्षा अधिक शक्ति से जुटे रहेंगे।

व्यवस्थापक

चौखम्बा विद्याभवन

॥ श्री; ॥

चौखम्बा विद्याभवन

द्वारा प्रकाशित एवं प्रचारित ग्रन्थों की

विषयानुक्रमणिका

॥ श्रीः ॥

चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी के प्रकाशन

(भारतवर्ष के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में निर्धारित महत्वपूर्ण एवं छात्रोपयोगी परीक्षापाठ्य एवं परीक्षोपयोगी संस्कृत-ग्रन्थों का विवरण)

विद्याभवन संस्कृत ग्रन्थमाला

१ **वेदान्तसारः (वेदान्तः)**। सदानन्द। 'भावबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। श्री रामशरण त्रिपाठी शास्त्री — ५-००

२ **वासवदत्ता (गद्यकाव्यम्)**। महाकवि सुबन्धु। 'चपला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। पं० शङ्करदेव शास्त्री — ८-००

३-५ **संस्कृतालोकः (व्याकरणम्)**। पं० रालबालक शास्त्री। १-३ किरण — ३-००

६ **तर्कामृतम् (न्यायः)**। श्री जगदीश भट्टाचार्य। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र — २-००

७ **दशरूपकम् (अलंकारः)**। धनञ्जयकृतम्। धनिककृत 'अवलोक' संस्कृत टीका एवं 'चन्द्रकला' हिन्दी टीका सहित। डॉ० भोलाशङ्कर व्यास — १६-००

८ **शिशुपालवधम् (काव्यम्)**। महाकवि माघ। मल्लिनाथकृत 'सर्वङ्कषा' संस्कृत टीका एवं 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित। पं० हरगोविन्द शास्त्री १-६ सर्ग १०-०० सम्पूर्ण — २५-००

९ **संस्कृत स्वयंशिक्षक प्रभा (व्याकरणम्)**। गौरीशंकर शास्त्री — २-००

१० **महावीरचरितम् (नाटकम्)**। महाकवि भवभूति। 'प्रकाश' सं० हि० टीका सहित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र — १२-५०

११ **रसगङ्गाधरः (अलंकारः)**। पण्डितराज जगन्नाथ। आचार्य बदरीनाथ कृत 'चन्द्रिका' संस्कृत टीका एवं आचार्य मदनमोहन झा कृत हिन्दी टीका सहित। १-३ भाग सम्पूर्ण १००-००। प्रथमाननपर्यन्त प्रथम भाग — २०-००
द्वितीयानन का उत्प्रेक्षानिरूपणान्त द्वितीय भाग — ४०-००
अतिशयोक्त्यलङ्कारादिसमाप्तिपर्यन्त तृतीय भाग — ४०-००

१२ **कर्पूरमंजरी (नाटकम्)**। राजशेखर। 'मकरन्द' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। श्रीरामकुमार आचार्य — ५-००

१३ **संस्कृत वाङ्मय परिचय (साहित्येतिहासः)**। मधुसूदन प्रसाद मिश्र — ३-००

१४ **प्रबोधचन्द्रोदयम् (नाटकम्)**। श्रीकृष्णमिश्र। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र — ७-००

१५ **काव्यप्रकाशः (अलंकारः)**। आचार्य मम्मट। 'शशिकला' हिन्दी टीका सहित। डॉ० सत्यव्रत सिंह। सम्पूर्ण — २५-००

१६ **ऋतुसंहारम् (काव्यम्)**। महाकवि कालिदास। 'प्रभा' हिन्दी टीका सहित। श्री केदारनाथ शर्मा — १-००

१७ **पञ्चतन्त्रम्** । श्रीविष्णुशर्मा । 'सरला' हिन्दी टीका । श्रीगोकुलदास गुप्त १५–००
मित्रभेद [प्रथम तन्त्र] ४–०० मित्रसम्प्राप्ति [द्वितीय तन्त्र] २–५०
काकोलूकीय [तृतीय तन्त्र] २–५० लब्धप्रणाश [चतुर्थ तन्त्र] २–००
अपरीक्षितकारक [पञ्चम तन्त्र] श्रीकृष्णमणित्रिपाठी कृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या ३–५०

१८ **प्रियदर्शिका (नाटकम्)** । श्रीहर्ष । 'प्रकाश' संस्कृत–हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र ५–००

१९ **अहिबलचक्रम् (ज्यौतिषम्)** । सान्वय 'शिशुतोषिणी' हिन्दी टीका सहित । पं० श्री विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी १–५०

२० **प्रसन्नराघवम् (नाटकम्)** । महाकवि जयदेव । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मी' १२–००

२१ **भोजप्रबन्धः (काव्यम्)** । वल्लालसेन । 'राज्यश्री' हिन्दी टीका सहित । पं० केदारनाथ शर्मा । डॉ० भोलाशङ्करव्यास सम्पादित ५–००

२२ **लघुमञ्जूषारहस्यम् (व्याकरणम्)** । [वै० सि० लघुमञ्जूषा-प्रश्नोत्तरी] स्वामी रामेश्वर पुरी २–००

२३ **काव्यप्रबंधः (काव्यम्)** । पं० बालकृष्णभट्ट शास्त्री ४–००

२४ **कुवलयानन्दः (अलंकारः)** । अप्पयदीक्षित । 'अलंकारसुरभि' हिन्दी टीका । डॉ० भोलाशंकर व्यास २०–००

२५ **अमृतमन्थन अथवा जीवन का दिव्यपक्ष (वेदान्तः)** । भाषा । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री ८–००

२६ **चम्पूरामायणम् (चम्पू)** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र । बालकाण्ड ५–००, सुन्दरकाण्ड ५–०० सम्पूर्ण १५–००

२७ **संस्कृतपाठमाला (व्याकरणम्)** । पं० राहुल सांकृत्यायन । प्रथम भाग २–००
द्वितीय भाग २–०० तृतीय भाग २–०० चतुर्थ भाग २–०० पंचम भाग २–००
सम्पूर्ण १–५ भाग १०–००

२८ **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम्** । मूलमात्र । सम्पा० पं० शिवरामशर्मा वशिष्ठ ३०–००

२९ **साहित्यदर्पणम् (अलंकारः)** । विश्वनाथकविराज । 'शशिकला' हिन्दी टीका सहित । डॉ० सत्यव्रत सिंह १–६ परिच्छेद २४–००
७–१० परिच्छेद १२–०० सम्पूर्ण ३५–००

३० **चन्द्रालोकरहस्यम् (अलंकारः)** । [चन्द्रालोक-प्रश्नोत्तरी] । जे० एल० मानवल्ली तथा जी० ए० वेताल ४–००

३१ **चम्पूभारतम् (चम्पूः)** । अनन्तभट्ट । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र २०–००

३२ **आदर्श-हिन्दी-संस्कृत-कोशः (कोशः)** । डॉ० रामस्वरूप शास्त्री । द्वितीय संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण १९७९ ई० ५०–००

३३ **वाग्भटालङ्कारः (अलङ्कारः)** । सिंहदेवगणि विरचित संस्कृत व्याख्या । डॉ० सत्यव्रतसिंह कृत 'शशिकला' हिन्दी टीका सहित ४–००

३४ **श्रुतबोधः (छन्दः)** । महाकवि कालिदास । सान्वय 'विमला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । श्री कनकलाल ठक्कुर एवं ब्रह्मशङ्कर मिश्र १–००

३५ **पंचरात्रम् (नाटकम्)** । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र ५–००

३६ **हर्षचरितम् (गद्यकाव्यम्)** । महाकवि बाणभट्ट । श्री शङ्कर कवि विरचित 'सङ्केत' टीका । आचार्य जगन्नाथ पाठक कृत हिन्दी टीका सहित । १–२ उच्छ्वास ६–०० सम्पूर्ण १८–००

३७ **काव्यादर्शः (अलंकारः)** । महाकवि दण्डी । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र १६—००
३८ **कृषकाणां नागपाशः (नाटकम्)** । पं० श्री भगीरथप्रसाद त्रिपाठी १—००
३९ **प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् (नाटकम्)** । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० श्री कपिलदेव गिरि ५—००
४० **कथा-संवर्तिका (गद्यकाव्यम्)** । पं० श्री भगीरथप्रसाद त्रिपाठी १—००
४१ **बृहत्संहिता (ज्यौतिषम्)** । वराह मिहिर । 'विमला' हिन्दी टीका सहित । पं० श्री अच्युतानन्द झा ३०—००
४२ **संस्कृतव्याकरणम् (व्याकरणम्)** । पं० श्री रामचन्द्र झा ८—००
४३ **नृसिंहचम्पूः (चम्पूः)** । श्रीसूर्य । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित डॉ० सूर्यकान्त शास्त्री ५—००
४४ **अभिनव-बृहज्ज्यौतिषसारः (ज्यौतिषम्)** । हिन्दी टीका सहित । श्री वासुदेव गुप्त १०—००
४५ **ऋग्वेदभाष्यभूमिका (वेदः)** । सायणाचार्य । हिन्दी टीका सहित । आचार्य जगन्नाथ पाठक ५—००
४६ **चारुदत्तम् (नाटकम्)** । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य श्री कपिलदेव गिरि ५—००
४७ **अनर्घराघवम् (नाटकम्)** । मुरारि कवि । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र २०—००
४८ **छन्दोविंशतिका (छन्दः)** । 'विमला' हिन्दी टीका । पं० रामचन्द्र झा ०—७५
४९ **संस्कृतसाहित्येतिहासः (साहित्येतिहासः)** । आचार्य रामचन्द्र मिश्र १२—५०
५० **कर्णभारम् (नाटकम्)** । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० श्री रामजी मिश्र २—००
५१ **दूतघटोत्कचम् (नाटकम्)** । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० श्री रामजी मिश्र २—००
५२ **दूतवाक्यम् (नाटकम्)** । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० श्री रामजी मिश्र २—००
५३ **मध्यमव्यायोगः (नाटकम्)** । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० श्री रामजी मिश्र २—५०
५४ **कौमुदी-कथा-कल्लोलिनी (व्याकरणम्)** । प्रो० रामशरण शास्त्री शीघ्रप्राप्य
५५ **गाथासप्तशती (काव्यम्)** । शालिवाहन हाल । हिन्दी टीका सहित । श्री नर्मदेश्वर चतुर्वेदी १०—००
५६ **बालचरितम् (नाटकम्)** । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० श्री रामजी मिश्र ५—००
५७ **निरुक्तम् (वेदः)** । यास्क । १–७ अध्याय । हिन्दी टीका सहित । डॉ० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' । (नवीन संशोधित संस्करण) १६—००
५८ **अभिज्ञानशाकुन्तलम् (नाटकम्)** । महाकवि कालिदास । हिन्दी टीका सहित । श्री देवदत्त शास्त्री । चतुर्थ अंक २—५०
५९ **प्राकृतपुष्करिणी (काव्यम्)** । हिन्दी अनुवाद युक्त । डॉ० जगदीशचन्द्रजैन ३—५०
६० **सिद्धान्तकौमुदी (व्याकरणम्)** । भट्टोजिदीक्षित । **कारकप्रकरणम्** हिन्दी टीका सहित । डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय ३—५०
६१ **वैराग्यशतकम् (वेदान्तः)** । भर्तृहरि । हिन्दी टीका सहित । जगन्नाथ शास्त्री होशिंग तथा राधेलाल त्रिवेदी २—५०

६२ **लीलावती (ज्यौतिषम्)**। भास्कराचार्य। सोपपत्तिक-सोदाहरण 'तत्त्वप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० श्री लखनलाल झा १०-००

६३ **संस्कृत व्याकरण की उपक्रमणिका (व्याकरणम्)**। स्व० ईश्वरचन्द्र विद्यासागर। हिन्दी टीका सहित। अनुवादक-श्री गोपालचन्द्र वेदान्तशास्त्री ४-००

६४ **कादम्बरी-शुकनासोपदेशः (गद्यकाव्यम्)**। महाकवि बाणभट्ट। 'उत्तमा' एवं 'मालती' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० रमाकान्त झा तथा पं० हरिहर झा ५-००

६५ **कादम्बरी-महाश्वेतावृत्तान्तः (गद्यकाव्यम्)**। महाकवि बाणभट्ट। हिन्दी टीका सहित। श्री प्रद्युम्न पाण्डेय १०-००

६६ **नवसाहसाङ्कचरितम् (काव्यम्)**। आचार्य परिमलपद्मगुप्त। हिन्दी टीका सहित। श्री जितेन्द्रचन्द्र शास्त्री २५-००

६७ **शृङ्गारशतकम् (काव्यम्)**। भर्तृहरि। हिन्दी व्याख्या तथा पद्यानुवाद सहित। जगन्नाथ शास्त्री होसिंग तथा राधेलाल त्रिवेदी २-५०

६८ **संस्कृतव्याकरणोदयः (व्याकरणम्)**। डॉ० जयमन्त मिश्र ८-००

६९ **सुभद्राहरणम् (नाटकम्)**। माधवभट्ट। 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित। आचार्य त्रिनाथ शर्मा २-००

७० **कौषीतकिब्राह्मणपर्यालोचनम्** अथवा **कौषीतकिब्राह्मण आचार-विचाराः (वेदः)**। डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री ५-००

७१ **अलंकारपीयूषः (अलंकारः)**। हिन्दी टीका युक्त। डॉ० गङ्गासागर राय ३-००

७२ **संस्कृत-व्याकरण-कौमुदी (व्याकरणम्)**। स्व० ईश्वरचन्द्र विद्यासागर। हिन्दी टीका सहित। पं० गोपालचन्द्र वेदान्तशास्त्री। प्रथम भाग ४-००
द्वितीय भाग ४-०० तृतीय भाग ५-०० चतुर्थ भाग ४-०० सम्पूर्ण १७-००

७३ **अविमारकम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र ५-००

७४ **न्यायकुसुमाञ्जलिः (न्यायः)**। श्री उदयनाचार्य। हरिदास भट्टाचार्य कृत 'हरिदासी' संस्कृत टीका एवं 'कुसुमाञ्जलिपरिमल' हिन्दी टीका सहित। हिन्दी व्याख्याकार—आचार्य श्री विश्वेश्वरसिद्धान्त शिरोमणि २०-००

७५ **कौटिलीयअर्थशास्त्रम् (अर्थशास्त्रम्)**। हिन्दी टीका सहित। श्री वाचस्पति गैरोला [उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत] ५०-००

७६ **अभिषेकनाटकम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र ५-००

७७ **चाणक्यसूत्रम् (नीतिः)**। हिन्दी टीका सहित। श्री वाचस्पति गैरोला १-००

७८ **उत्कीर्णलेखपञ्चकम् (गद्यकाव्यम्)**। 'रमा' हिन्दी टीका सहित। श्री हरिहर झा एवं रमाकान्त झा ५-००

७९ **अभिलेखमाला (गद्यकाव्यम्)**। 'रमा' हिन्दी टीका सहित। श्री हरिहर झा एवं रमाकान्त झा ८-००

८० **सिद्धान्तकौमुदी-वैदिकीप्रक्रिया (व्याकरणम्)**। हिन्दी व्याख्या सहित। डॉ० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' ७-००

८१ **पारिजातहरणचम्पूः (चम्पूकाव्यम्)**। महाकवि शेषश्रीकृष्ण। सान्वय 'श्रद्धा' हिन्दी टीका सहित। आचार्य त्रिनाथ शर्मा ५-००

८२ **बुद्धचरितम् (काव्यम्)**। अश्वघोष। हिन्दी टीका सहित। महन्त श्री रामचन्द्रदास शास्त्री प्रथम भाग [सर्ग १-१४] ५-००
द्वितीय भाग [सर्ग १५-२८] ६-०० सम्पूर्ण ११-००

८३ हर्षचरितम् (गद्यकाव्यम्) । पञ्चमोच्छ्वास । महाकवि बाणभट्ट ।
'सुधा' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । श्री शिवनाथ शर्मा पाण्डेय ५-००

८४ चन्द्रप्रभचरितम् (गद्यकाव्यम्) । म० म० आशुकवि शङ्करलाल ।
'पौर्णमासी' संस्कृत व्याख्या, परिशिष्ट नोट्स सहित ८-००

८५ संस्कृतप्रकाशः (व्याकरणम्) । श्री कुबेरनाथ द्विवेदी ५-००

८६ किरातार्जुनीयम् (काव्यम्) । महाकवि भारवि । 'सुधा' संस्कृत-हिन्दी
टीका सहित । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय १३वाँ सर्ग २-५०

८७ लटकमेलकम् (नाटकम्) । कवि शङ्करधर । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित ।
पं० श्री कपिलदेव गिरि २-००

८८ ऊरुभंगम् (नाटकम्) । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका ।
पं० श्री कपिलदेव गिरि २-००

८९ वैदिक-सूक्तपञ्चकम् (वेदः) । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित ।
आचार्य मधुसूदनप्रसाद मिश्र १-००

९० लघुसारस्वतव्याकरणम् (व्याकरणम्) । श्री अनुभूतिस्वरूपाचार्य ।
पं० श्री गणेशदत्तमिश्र सम्पादित १-००

९१ लघुसिद्धान्तचन्द्रिका (व्याकरणम्) । श्रीरामशर्मा ।
पं० श्री गणेशदत्त मिश्र सम्पादित १-६०

९२ चारुचर्या (नीतिः) । महाकवि क्षेमेन्द्र । 'प्रकाश' हिन्दी टीका ।
श्री पं० देवदत्त शास्त्री १-५०

९३ ज्यौतिषप्रश्न-फल-गणना (ज्यौतिषम्) । 'विमला' हिन्दी टीका
सहित । पं० श्री दयाशंकर उपाध्याय २-००

९४ वीरोत्साहवर्धनम् (काव्यम्) । पं० श्री सुरेशचन्द्र त्रिपाठी १-००

९५ तर्कसंग्रहरहस्यम् । (न्यायः) । [तर्कसंग्रह-प्रश्नोत्तरी] ।
आचार्य श्री कीर्त्यानन्द झा १-००

९६ सौगन्धिकाहरणम् (नाटकम्) । श्रीविश्वनाथ । 'प्रकाश' हिन्दी
टीका सहित । पं० श्री कपिलदेव गिरि ३-००

९७ ध्वन्यालोकः (अलंकारः) । आनन्दवर्द्धनाचार्य । अभिनवगुप्तकृत
'लोचन' संस्कृत टीका एवं 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । हिन्दी व्याख्याकार-
आचार्य जगन्नाथ पाठक । प्रथम उद्योत १०-००, १-२ उद्योत २०-०० सम्पूर्ण ३५-००

९८ विश्वगुणादर्शचम्पूः (चम्पूकाव्यम्) । श्रीवेंकटाध्वरी । बालकृष्ण
शास्त्री कृत 'पदार्थचन्द्रिका' संस्कृत टीका तथा श्रीजयशङ्कर कृत
सान्वय 'प्रभा' हिन्दी टीका सहित । सुरेन्द्रनाथ शास्त्री सम्पादित २५-००

९९ हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् (वेदः) । सायणभाष्य सहित । 'प्रकाश' हिन्दी
टीका । डॉ० उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' ४-००

१०० वेदान्तपरिभाषा (वेदान्तः) । श्रीधर्मराजाध्वरीन्द्र । 'प्रकाश' हिन्दी
टीका सहित । डॉ० गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर । नवीन परिवर्द्धित संस्करण २०-००

१०१ मानसागरी (ज्यौतिषम्) । 'सुबोधिनी' हिन्दी टीका सहित ।
श्री मधुकान्त झा २०-००

१०२ वैदिक-सूक्त-मञ्जरी (वेदः) । पदपाठ, हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या सहित ।
सम्पादक-डॉ० रामकृष्ण शास्त्री ४-००

१०३ हास्यार्णवप्रहसनम् (नाटकम्) । जगदीश्वर भट्टाचार्य । 'प्रभा'
हिन्दी टीका सहित । ईश्वरप्रसाद चतुर्वेदी ४-००

१०४ संस्कृत-भाषाविज्ञानम् (व्याकरणम्) । चक्रवर्ती श्रीरामाधीन चतुर्वेदी १०-००

१०५ **कुमारसंभवम् (काव्यम्)** । महाकवि कालिदास । मल्लिनाथ कृत 'सञ्जीवनी' तथा 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । प्रद्युम्नपाण्डेय । सम्पूर्ण १५-००
१०६ **सूर्यशतकम् (काव्यम्)** । मयूरभट्ट । 'कला' हिन्दी टीका, विस्तृत भूमिकादि सहित । श्री रमाकान्त त्रिपाठी ५-००
१०७ **प्रमेयरत्नमाला (जैन)** । लघुअनन्तवीर्य [आचार्य माणिक्यनन्दी कृत 'परीक्षामुख' सूत्र पर टीका] । 'चिन्तामणि' व्याख्या सहित । श्री हीरालाल शास्त्री जैन २५-००
१०८ **पाणिनीयनाटकम् (नाटकम्)** । श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' ५-००
१०९ **अभिधानचिन्तामणिः (कोशः)** । हेमचन्द्राचार्य । 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या, विमर्श सहित । पं० हरगोविन्द शास्त्री ३५-००
११० **रसगंगाधरहृदयम् (अलंकारः)** । [रसगंगाधर-प्रश्नोत्तरी] श्री ज्ञानचन्द्र त्यागी ४-००
१११ **मेघदूतम् (काव्यम्)** । महाकवि कालिदास । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मी' १०-००
११२ **नीलकण्ठविजयचम्पूः (चम्पूकाव्यम्)** । नीलकण्ठ दीक्षित । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र ६-००
११३ **सर्वदर्शनसंग्रहः (दर्शनम्)** । माधवाचार्य । हिन्दी टीका सहित श्री उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' ५०-००
११४ **भारतकथा (काव्यम्)** । म० म० गङ्गाधर शास्त्री । 'बोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० सनत्कुमार शुक्ल २-००
११५ **शब्दधातुरूपसंग्रहः (व्याकरणम्)** । सम्पादक—पं० रामचन्द्र झा १-००
११६ **अमृतोदयम् (नाटकम्)** । गोकुलनाथ । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र १०-००
११७ **निबन्धप्रकाशः (व्याकरणम्)** । आचार्य कृष्णकुमार अवस्थी ५-००
११८ **औचित्यविचारचर्चा (अलंकारः)** । क्षेमेन्द्र । 'प्रभा' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य श्री ब्रजमोहन झा १०-००
११९ **रामाभ्युदययात्रा (काव्यम्)** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० श्रीरुद्रप्रसाद अवस्थी ७-००
१२० **कृष्णस्यशान्तिप्रयासः (काव्यम्)** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० बालकेश्वर प्रसाद मिश्र ४-००
१२१ **काव्यमीमांसा (अलंकारः)** । राजेशेखर । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । डॉ० गङ्गासागर राय १८-००
१२२ **संस्कृतरचना (व्याकरणम्)** । ['स्टूडेण्ट गाइड टू संस्कृत कम्पोजिशन' आप्टे रचित का हिन्दी रूपांतर] अनु० डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय १२-००
१२३ **देववाणी प्रवेशिका (व्याकरणम्)** । श्री अनसूयाप्रसाद भट्ट ।
प्रथम भाग १-५० द्वितीय भाग २-०० तृतीय भाग १-५०
चतुर्थ भाग २-५० पंचम भाग ३-५० सम्पूर्ण ११-००
१२४ **ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्यम् (वेदान्तः)** । श्रीशङ्कराचार्य । 'ब्रह्मतत्त्वविमर्शिनी' हिन्दी टीका सहित । स्वामी श्री हनुमानदास षट्शास्त्री
प्रथम भाग [१-२ अध्याय] ३०-००, द्वितीय भाग [३-४ अध्याय] २०-००
१२५ **विद्धशालभञ्जिका (नाटकम्)** । राजशेखर । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । रमाकान्त त्रिपाठी ५-००

१२६ **चण्डकौशिकम् (नाटकम्)** । आर्यक्षेमेश्वर । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । श्री जगदीश मिश्र ७–००

१२७ **आर्यासप्तशती (काव्यम्)** । गोवर्द्धनाचार्य विरचित संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी २५–००

१२८ **राघवपाण्डवीयम् (काव्यम्)** । पण्डित कविराज । 'सुबोधिनी' तथा 'सरला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० दामोदर झा २५–००

१२९ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता (वेदः)** । 'प्रकाश' नामक टिप्पणी सहित । सम्पादक—दौलतराम गौड़ वेदाचार्य १०–००

१३० **प्राकृतप्रबोधः (व्याकरणम्)** । डॉ० नेमिचन्द शास्त्री १६–००

१३१ **लघुसिद्धान्तकौमुदी (व्याकरणम्)** । श्रीवरदराजाचार्य । वैज्ञानिक, विवेचनात्मक 'माहेश्वरी' हिन्दी टीका सहित । श्री महेशसिंह कुशवाहा [उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत] प्रथम खण्ड : व्याख्या भाग सम्पूर्ण ३५–००
द्वितीय खण्ड : परिशिष्टात्मक रूपसिद्धि भाग २०–००

१३२ **परमतत्त्वमीमांसा (दर्शनम्)** । विद्याभूषण श्रीकृष्ण जोशी ७–००

१३३ **नन्दिकेश्वरकाशिका (व्याकरणम्)** । उपमन्युकृत टीका सहित ०–५०

१३४ **आश्चर्यचूडामणिः (नाटकम्)** । महाकवि शक्तिभद्र विरचित । 'रमा' 'मालती' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० श्री रमाकान्त झा ८–००

१३५ **मत्तविलासप्रहसनम् (नाटकम्)** । श्री महेन्द्रविक्रम वर्म कृत । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । श्री कपिलदेव गिरि २–००

१३६ **काव्यालङ्कारः (अलंकारः)** । महाकवि रुद्रट विरचित । नमिसाधु कृत संस्कृत टीका तथा 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । पं० रामदेव शुक्ल २०–००

१३७ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (वेदान्तः)** । शङ्कराचार्य । 'ब्रह्मतत्त्वप्रकाशिका' हिन्दी टीका सहित । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि । चतुःसूत्री ८–००

१३८ **व्याकरणमहाभाष्यम् (व्याकरणम्)** । महर्षि पतञ्जलि विरचित । 'प्रदीप' (कैयट) संस्कृत टीका एवं 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित आचार्य मधुसूदन प्रसाद मिश्र । पस्पशाह्निकम् ५–००, १–५ आह्निक २०–००

१३९ **विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः विंशतिकारिका-वृत्तिश्च (बौद्ध)** । आचार्य वसुबन्धु । हिन्दी टीका सहित । डॉ० महेश तिवारी १०–००

१४० **प्रबन्धरत्नाकरः (निबन्धः)** । डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल ३०–००

१४१ **नारीजागरणनाटकम् (नाटकम्)** । श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' ५–००

१४२ **सूक्तिमञ्जरी (काव्यम्)** । हिन्दीटीका सहित । आचार्य बलदेव उपाध्याय १०–००

१४३ **समयमातृका (काव्यम्)** । महाकवि क्षेमेन्द्र । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । डॉ० रमाशङ्कर त्रिपाठी ५–००

१४४ **वेतालपञ्चविंशतिः (गद्यकाव्यम्)** । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । पं० श्री दामोदर झा १५–००

१४५ **कादम्बरीकथासारः (गद्यकाव्यम्)** । हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या सहित सम्पादक—श्री बलराम सदाशिव अग्निहोत्री १५–००

१४६ **किरातार्जुनीयम् । (काव्यम्)** । महाकवि भारवि । 'प्रबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । प्रो० समीर शर्मा प्रथम सर्ग ३–००

१४७ **कठोपनिषद् (उपनिषद्)** । 'शांकरभाष्य' 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । सुरेन्द्रदेव शास्त्री । प्रथमाध्याय २–५० सम्पूर्ण ५–००

१४८ **सहृदयानन्दम् (काव्यम्)** । महाकवि कृष्णानन्द प्रणीत । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । पं० वाचस्पति द्विवेदी ८–००

१४९ संस्कृत-प्रथम-पाठमाला (व्याकरणम्) । डॉ० जे० आर० बेलन्टाइन । हिन्दी अनुवाद सहित । अनु० उमेशचन्द्र पाण्डेय ३-००
१५० धम्मपदं (बौद्ध) । सटिप्पण 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित श्री कन्छेदीलाल गुप्त ७-००
१५१ जवाहरलालनेहरू-विजय-नाटकम् (नाटकम्) । हिन्दी टीका सहित । श्री रमाकान्तमिश्र ४-००
१५२ युधिष्ठिरविजयम् (काव्यम्) । महाकवि श्री वासुदेव । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । प्रो० व्रजेशचन्द्र श्रीवास्तव २०-००
१५३ कारकदर्शनम् (व्याकरणम्) । [सिद्धान्तकौमुदी का कारक भाग] हिन्दी टीका सहित । डॉ० कलानाथ झा ५-००
१५४ बृहदवकहडाचक्रम् (ज्यौतिषम्) । 'बालबोधिनी' हिन्दी टीका सहित । पं० अवधविहारी अग्निहोत्री २-००
१५५ ब्रह्मसूत्रः (वेदान्तः) । 'सुषमा' हिन्दीटीका । स्वामीहनुमानदास षट्शास्त्री १०-००
१५६ टालस्टाय-कथासप्तकम् (गद्यकाव्यम्) । संस्कृत टीका सहित । भगीरथप्रसाद त्रिपाठी 'वागीशशास्त्री' ५-००
१५७ वेद-सञ्चयनम् (वेदः) । हिन्दी टीका सहित । डॉ० यदुनन्दन मिश्र ८-००
१५८ सांख्यकारिका (सांख्य) । ईश्वरकृष्ण । 'गौडपादभाष्य' सहित । 'गौडपादभाष्यभाववर्णिनी' सं० हि० टीका युक्त । पं० ज्वालाप्रसाद गौड़ ४-५०
१५९ मेघदूतम् (काव्यम्) । कालिदास । [पद्यानुवाद] पं० सुधाकर मिश्र एवं [भाषानुवाद] आचार्य श्री शेषराज शर्मा १०-००
१६० कादम्बरी-कथामुखम् (गद्यकाव्यम्) । बाणभट्ट । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । प्रो० समीर शर्मा ६-००
१६१ मुद्राराक्षसम् (नाटकम्) । विशाखदत्त । संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या सहित । श्री जगदीशचन्द्र मिश्र १५-००
१६२ नीतिवाक्यामृतम् (जैन) । हिन्दी टीका सहित । रामचन्द्र मालवीय १२-५०
१६३ ऋग्वेदसंहिता (वेदः) । प्रथम अध्याय, सूक्त १-१९ । सस्वर, संहितापाठ, पदपाठ, सायणभाष्य, स्कन्दभाष्य, हिन्दी व्याख्या, तथा हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद । सम्पा० डॉ० उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' २५-००
१६४ अनुवादरत्नाकरः (व्याकरणम्) । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी २०-००
१६५ अभिधावृत्तिमातृका (काव्यम्) । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी १०-००
१६६ शब्दव्यापारविचारः (अलंकारः) । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ४-००
१६७ शुक्लयजुर्वेदसंहिता (वेदः) । पदपाठ-उव्वट-महीधरभाष्यसंवलिता 'तत्वबोधिनी' हिन्दी व्याख्या सहित । डॉ० रामकृष्ण शास्त्री यंत्रस्थ

भास-नाटक-चक्रम् । (महाकवि भास के सम्पूर्ण नाटकों का सङ्कलन)

आचार्य बलदेव उपाध्याय सम्पादित 'महाकविभास' नामक सुविस्तृत भूमिकादि विभूषित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । १-२ भाग सम्पूर्ण ५०-००

भर्तृहरिशतकत्रयम् । (नीतिशतक, शृंगारशतक, वैराग्यशतक)

सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या पद्यानुवाद सहित ।

मूल के साथ हिन्दी भावानुवाद, हिन्दी पद्यानुवाद भी प्रकाशित किया गया है । संस्कृत न जानने वाले व्यक्ति भी ग्रन्थों के मूल भावों को हृदयङ्गम कर आनन्द के भागी हो सकते हैं । ७-५०

विद्याभवन राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला

१	**बौद्ध-दर्शन-मीमांसा** (दर्शन) । पं० बलदेव उपाध्याय	३०-००
२	**सदाचार सोपान** । पं० रामबालक शास्त्री	१-००
३	**महाकवियों की अमर रचनाएँ** (जीवनी) । चक्रधर शर्मा	५-००
४	**संस्कृत-कवि-दर्शन** । डाक्टर भोलाशंकर व्यास	१५-००
५	**पथचिह्न** । शान्तिप्रिय द्विवेदी	३-००
६	**भारतीय इतिहास** । श्री रामस्वरूप	२-००
७	**भारत का भूगोल** । श्री रामस्वरूप	१-५०
८	**नागरिक शास्त्र** । पं० हनुमान प्रसाद शर्मा	१-००
९	**गोस्वामी तुलसीदास** । पं० सीताराम चतुर्वेदी	६-००
१०	**भारतीय व्रतोत्सव** । आचार्य श्री पुरुषोत्तम चतुर्वेदी	६-००
११	**हमारे आधुनिक कवि और उनकी कविताएँ** । व्यथित हृदय	६-००
१२	**हिन्दू संस्कार** । डाक्टर राजबली पाण्डेय । नवीन संशोधित तृतीय संस्करण	३०-००
१३	**काव्याङ्ग निर्णय** । जङ्गबहादुर मिश्र 'रञ्जन'	यन्त्रस्थ
१४	**कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन** । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल	२५-००
१५	**भक्ति का विकास** । डॉ० मुंशीराम शर्मा	३०-००
१६	**जीवन दर्शन** । डाक्टर मुंशीराम शर्मा	३-००
१७	**साहित्य और सिद्धान्त** । श्यामलाकान्त वर्मा	यन्त्रस्थ
१८	**ऐतिहासिक उपन्यासों में कल्पना और सत्य** । श्री बी० एम० चिन्तामणि	५-००
१९	**अक्षर अमर रहें** (निबन्ध संग्रह) । वाचस्पति गैरोला	७-००
२०	**मराठी का भक्ति साहित्य** । प्रो० भी० गो० देशपाण्डे	२०-००
२१	**भक्तितरङ्गिणी** । डाक्टर मुन्शीराम शर्मा	५-००
२२	**मंदाकिनी** । डाक्टर देवर्षि सनाढ्य	२-५०
२३	**भारतीय भाषा विज्ञान** । पं० किशोरीदास वाजपेयी शास्त्री	यन्त्रस्थ
२४	**सावित्री सत्यवान्** । पं० राजनारायण शुक्ल	३-००
२५	**विक्रमादित्य** । (संवत् प्रवर्तक) डॉ० राजबली पाण्डेय	२०-००
२६	**हिन्दुओं की प्रबुद्ध रचनाएँ** । थि० गोल्डस्टकर । अनु० सुश्री रमा शास्त्री	५-००
२७	**असामान्य मनोविज्ञान** । डाक्टर रामकुमार राय	यन्त्रस्थ
२८	**संस्कृत साहित्य का इतिहास** (बृहत् संस्करण) । श्री वाचस्पति गैरोला	३५-००
२९	**संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास** । श्री वाचस्पति गैरोला	३०-००
३०	**कलाविलासिनी वासवदत्ता** । श्री देवदत्त शास्त्री	५-००
३१	**चिन्तन के नये चरण** । श्री देवदत्त शास्त्री	१२-००
३२	**प्राकृत व्याकरण** । आचार्य श्री मधुसूदनप्रसाद मिश्र	१०-००
३३	**रसराज** । महाकवि मतिराममिश्र प्रणीत । आचार्य रामजी मिश्र रचित सुबोध व्याख्या समालोचना सहित	१५-००
३४	**प्राचीन भारतीय मिट्टी के बर्तन** । डाक्टर राय गोविन्दचन्द	२०-००
३५	**हिन्दी के पौराणिक नाटक** । डाक्टर देवर्षि सनाढ्य	२०-००
३६	**सब धर्मों की बुनियादी एकता** । डाक्टर भगवानदास	२५-००
३७	**वैदिक व्याकरण** । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय	४-००
३८	**अवन्ति कुमारियाँ** । श्री देवदत्त शास्त्री	३-००
३९	**मानक हिन्दी व्याकरण** । श्री रामचन्द्र वर्मा	५-००

४० **वैदिक माइथोलाजी** । (वैदिक पुराकथाशास्त्र) । प्रो० ए० मैकडोनल ।
हिन्दी रूपान्तरकार—डाक्टर रामकुमार राय यन्त्रस्थ
४१ **महाकवि कालिदास** । डाक्टर रमाशंकर तिवारी (देवपुरस्कार से पुरस्कृत) २५-००
४२ **प्राकृत साहित्य का इतिहास** । डाक्टर जगदीशचन्द्र जैन ४०-००
४३ **मार्कण्डेयपुराण : एक अध्ययन** । आचार्य बदरीनाथ शुक्ल ८-००
४४ **चारुचर्या** । महाकवि क्षेमेन्द्र । हिन्दी टीका सहित । देवदत्त शास्त्री ३-००
४५ **पौराणिक कथाएँ** । श्री हृदयराम शर्मा ५-००
४६ **वैदिक इण्डेक्स** । (वैदिक नामों और विषयों की व्याख्यात्मक-अनुसूची)
मैक्डोनेल और कीथ । अनु० डाक्टर रामकुमार राय । १-२ भाग ७५-००
४७ **कालिदास : एक अनुशीलन** । श्री देवदत्त शास्त्री ५-००
४८ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** । आर्थर मैक्डोनल । हिन्दी अनुवाद सहित ।
श्री चारुचन्द्र शास्त्री । द्वितीय भाग—यन्त्रस्थ प्रथम भाग १५-००
४९ **हिन्दी और मराठी का निर्गुण सन्त काव्य** । डॉ० प्रभाकर माचवे २५-००
५० **पाणिनीयकालीन भारतवर्ष** । (पाणिनीय कृत अष्टाध्यायी का
सांस्कृतिक अध्ययन) । डाक्टर वासुदेवशरण अग्रवाल ३५-००
५१ **कौटिलीय अर्थशास्त्र** । (शोधपूर्ण हिन्दी रूपान्तर) श्रीवाचस्पति गैरोला ४०-००
५२ **दिनकर की उर्वशी** । (समीक्षात्मक अनुशीलन) डाक्टर रमाशंकर तिवारी ६-००
५३ **भारतीय साहित्य की रूपरेखा** । डाक्टर भोलाशंकर व्यास १५-००
५४ **परिक्रमा** । स्व० श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ४-००
५५ **लौकिक संस्कृत साहित्य** । ए० बी० कीथ । अनुवादक-श्री चारुचन्द्र शास्त्री १०-००
५६ **स्मृति के हस्ताक्षर** । श्री देवदत्त शास्त्री ७-००
५७ **काव्यचिन्ता** । डाक्टर रमाशंकर तिवारी ८-००
५८ **भारतीय इतिहास का परिचय** । डाक्टर राजबली पाण्डेय २८-००
५९ **विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान** । डॉ० सी० जी० युङ्ग । अरविन्द वसावड़ा २-००
६० **मध्यकालीन साहित्य में अवतारवाद** । डॉ० कपिलदेव पाण्डेय ।
भूमिका लेखक-डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी ६०-००
६१ **वैदिक निबन्धावली** । डॉ० मुंशीराम शर्मा ७-५०
६२ **आचार्य हेमचन्द्र और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन** ।
डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री २५-००
६३ **संस्कृत सुकवि समीक्षा** । आचार्य बलदेव उपाध्याय ४०-००
६४ **व्यावहारिक मनोविज्ञान** । डॉ० रामकुमार राय १५-००
६५ **व्यावहारिक मनोविज्ञान की रूपरेखा** । डॉ० रामकुमार राय १०-००
६६ **वैदिक आख्यान** । डॉ० गंगासागर राय ३-००
६७ **मूल-संस्कृत-उद्धरण** । (ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट्स) ले०-प्रो० जे० मूइर ।
अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय । १-५ भाग सम्पूर्ण २००-००
६८ **प्राचीन भारत में अपराध और दंड** । डॉ० हरिहरनाथ त्रिपाठी १०-००
६९ **चित्र और चिन्तन** । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ५-००
७० **प्रयोगवादी काव्यधारा : तथोक्त नई कविता** । डॉ० रमाशंकर तिवारी
भूमिका ले०—श्री लक्ष्मीनारायण सुधांशु २५-००
७१ **प्रतिभादर्शन** । (भाषातत्त्वशास्त्र) । आचार्य हरिशंकर जोशी ३५-००
७२ **काव्यात्म मीमांसा** । डॉ० जयमन्त मिश्र २५-००
७३ **महाकवि भास : एक अध्ययन** । आचार्य बलदेव उपाध्याय ५-००
७४ **अभिनव निबन्धावली** । श्री श्यामलाकान्त वर्मा १०-००

११२ वेदार्थ-चन्द्रिका (वैदिक)। डॉ० मुन्शीराम शर्मा १०-००
११३ भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त। डॉ०राजवंश सहाय 'हीरा' २५-००
११४ लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास। श्री गौरीनाथ शास्त्री।
अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय १०-००
११५ मधुपर्क (काव्य)। श्री देवीरत्न अवस्थी 'करील' १२-५०
११६ दक्षिण भारत (आरम्भ से प्राचीन राजवंशों के पतन तक)।
डॉ० बलराम श्रीवास्तव। नवीन परिवर्द्धित संस्करण शीघ्रप्राप्य
११७ कवियों की लोकदृष्टि (संस्कृत साहित्य के कुछ रससिद्ध कवियों के चिरन्तन साहित्य का परिमन्थन)। श्री शिवशंकर त्रिपाठी १०-००
११८ न्याय-परिचय। म० म० फणिभूषण तर्कवागीश। अनु० किशोरनाथ झा २०-००
११९ महर्षि वेदव्यास (एक ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पर्यालोचन)।
पं० उमाशंकर दीक्षित ४-५०
१२० जवाहरलाल नेहरू विजयनाटक। श्री रमाकांत मिश्र २-००
१२१ साहित्यशास्त्रीय तत्त्वों का आधुनिक समालोचनात्मक अध्ययन।
श्री मधुसूदन शास्त्री १५-००
१२२ वाग्विज्ञान (भाषाशास्त्र)। आचार्य पं० श्री सीताराम चतुर्वेदी ४०-००
१२३ भारतीय दर्शन में चेतना का स्वरूप। डॉ० श्रीकृष्ण सक्सेना १५-००
१२४ बौद्ध-न्याय। ले०-एफ० टी० शर्बाट्स्की। अनुवादक-डॉ० रामकुमार राय ४०-००
१२५ मध्य भारतीय भाषा चयन। डॉ० वीरमणि उपाध्याय ८-००
१२६ पौराणिक आख्यान। डॉ० गंगासागर राय ३-००
१२७ अभिज्ञानशाकुन्तल : एक अध्ययन। श्री काशीनाथ द्विवेदी ६-००
१२८ संस्कृत नाट्य सिद्धान्त। डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी १५-००
१२९ पल्लव इतिहास और उसकी आधार सामग्री। डॉ० बलराम श्रीवास्तव १०-००
१३० सुलभ ज्यौतिष ज्ञान (ज्यौतिष)। दैवज्ञ वासुदेव सदाशिव खानखोजे २०-००
१३१ सुदामाचरित। नरोत्तमदास। 'बालबोधिनी' व्याख्या सहित १-००
१३२ पुराण की लोक भारती। डॉ० जयशंकर त्रिपाठी ३-००
१३३ अलंकार मीमांसा। डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' ६-००
१३४ निबन्ध पारिजात। (हिन्दी साहित्यिक निबन्ध)। रजनीकांत लाहरी ७-००
१३५ हिंसा या अहिंसा। (हिन्दी नाटक)। सेठ गोविन्ददास ४-००
१३६ अपभ्रंश साहित्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ। डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' ५-००
१३७ वैदिक वाङ्मय का इतिहास। श्री रमाकांत शास्त्री ५-००
१३८ मुहूर्त पारिजात : ज्यौतिष कल्पद्रुम। पं० सोहनलाल व्यास
सम्पादक—पं० सीताराम झा २०-००
१३९ भारत और एशिया के अन्य देश। श्रीमती सुदर्शना सिंहल १५-००
१४० सद्धर्मचन्द्रिका (वेदान्त)। स्वामी श्री हनुमानदासजी षट्शास्त्री ४-००
१४१ गरीबी या अमीरी अथवा श्रम या उत्तराधिकार (हिन्दी नाटक)।
सेठ गोविन्ददास ४-००
१४२ विचारचन्द्रोदय (वेदान्त)। पीताम्बरी भा० टी०। स्वामी हनुमानदास ५-००
१४३ व्यञ्जना : सिद्धि और परम्परा। डॉ० कृष्णकुमार शर्मा १२-००
१४४ संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास। (प्रश्नोत्तर रूप में)।
डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी २-००
१४५ बघेलखण्ड के संस्कृत काव्य। डॉ० राजीवलोचन अग्निहोत्री ३०-००

चौखम्बा राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला

१ **स्वतन्त्र कलाशास्त्र**। डॉ० कान्तिचन्द्र पाण्डेय।
प्रथम भाग (भारतीय) ५०-०० द्वितीय भाग (पाश्चात्य) ५०-००
२ **विष्णुपुराण का भारत**। डॉ० सर्वानन्द पाठक २५-००
३ **वैदिक योगसूत्र**। श्री हरिशङ्कर जोशी २५-००
४ **शृङ्गाररस का शास्त्रीय विवेचन**। डॉ० इन्द्रपाल सिंह। (आचार्य भरत से भानुदत्त के ग्रंथों में आये हुए शृंगाररस का एकत्रीकरण) १५-००
५ **वैशेषिक दर्शन : एक अध्ययन**। श्री नारायण मिश्र २०-००
६ **काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी**। डॉ० भँवरलाल जोशी २५-००
७ **संस्कृत साहित्य में नीति का उद्‌गम एवं विकास**।
डॉ० प्रभाकर नारायण कवठेकर ३०-००
८ **संस्कृत महाकाव्य की परम्परा**। (कालिदास से श्रीहर्ष तक)।
डॉ० केशवराव मुसलगाँवकर ३०-००
९ **भारतीय संगीत का इतिहास**। (वैदिक काल से गुप्त काल तक)।
डॉ० शरच्चन्द्र श्रीधर परांजपे ४०-००
१० **प्राचीन भारतीय मूर्तिविज्ञान**। डॉ० वासुदेव उपाध्याय ४५-००
११ **साहित्यानुशासनम्**। आचार्य सीताराम चतुर्वेदी ४०-००
१२ **अलंकारानुशीलन**। डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' ३०-००
१३ **अलंकारशास्त्र की परम्परा**। डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' १२-५०
१४ **सौन्दरानन्द : साहित्यिक एवं दार्शनिक गवेषणा**।
डॉ० ब्रह्मचारी ब्रजमोहन पाण्डेय 'नलिन' १५-००
१५ **शक्तिभाष्य का अध्ययन** (तंत्र)। डॉ० श्रीमती सुशीला 'कमलेश' ३०-००
१६ **संस्कृत-साहित्य-कोशः**। डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' ५०-००
१७ **भाषाविश्लेषण**। डॉ० मोतीलाल गुप्त १५-००
१८ **भारतीय संस्कृति की झलक**। डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी यन्त्रस्थ

●

काशी मिथिला ग्रन्थमाला

१ **वाजसनेयिनां संक्षिप्ताह्निकम्**। संग्रहकर्ता—उग्रानंदशर्मा। मैथिली टीका ०-५०
२ **छान्दोगानां संक्षिप्ताह्निकम्**। पं० उग्रानंद शर्मा। मैथिली टीका ०-५०
३ **छान्दोगानां सन्ध्यातर्पणपद्धति**। संग्रहकर्ता-उग्रानंद शर्मा ०-२५
४ **वाजसनेयिनां सन्ध्यातर्पणपद्धतिः वैतरणीदानादिपरिशिष्ट सहित**। ०-२५
५ **षडङ्गशतरूद्रियपद्धतिः**। यंत्रस्थ
६ **वाजसनेयिनां छान्दोगानाम् च आभ्युदयिकश्राद्धपद्धतिः**।
जूटिकाबन्धनमातृकापूजासहिता। पं० रामचन्द्र झा। मैथिली टीका ०-५०
७ **सूर्यादिद्वादशस्तवीस्तोत्रम् अन्नपूर्णादिस्तोत्रसहितम्**। ०-३०
८ **मिथिलादेशीया कथा सहिता श्रीसत्यनारायणपूजापद्धतिः**। रामचन्द्र झा यंत्रस्थ
९ **मिथिलादेशीया कथा सहिता श्रीसत्यनारायणपूजापद्धतिः**। रामचन्द्र झा १-००
१० **छान्दोगानाम् एकोद्दिष्टपद्धतिः**। 'इन्दुमती' मैथिली टीका। रामचन्द्र झा ०-४०
११ **वाजसनेयिनाम् एकोद्दिष्टपद्धतिः**। 'इन्दुमती' मैथिली टीका। रामचन्द्र झा ०-७५
१२ **वाजसनेयिनां पार्वणपद्धतिः**। 'इन्दुमती' मैथिली टीका। रामचन्द्र झा ०-५०
१३ **छान्दोगानां पार्वणपद्धतिः**। 'इन्दुमती' मैथिली टीका। रामचन्द्र झा ०-५०
१४ **वाजसनेयिनां विवाहपद्धतिः**। 'इन्दुमती' मैथिली टीका। रामचन्द्र झा ५-००

१५ **छान्दोगानां विवाहपद्धतिः**। 'इन्दुमती' मैथिली टीका। रामचन्द्र झा ५-००
१६ **वाजसनेयिनाम् उपनयनपद्धतिः**। 'इन्दुमती' मैथिली टीका। रामचन्द्र झा ५-००
१७ **छान्दोगानाम् उपनयनपद्धतिः**। 'इन्दुमती' मैथिली टीका। रामचन्द्र झा ५-००
१८ **प्रतिहारषष्ठी (विवस्वत् षष्ठी)**। व्रतकथापद्धतिः। पं० रामचन्द्र झा ०-१५
१९ **आह्निकपञ्चदेवपूजापद्धतिः**। पं० रामचन्द्र झा ०-१०
२० **वर्षकृत्यम्। श्रीरुद्रधर विरचित**। 'मैथिली' टीका सहित। सम्पा०—रामचन्द्र झा। प्रथम भाग १५-००, द्वितीय भाग १५-००, सम्पूर्ण ३०-००
२१ **कूपोत्सर्गपद्धतिः**। ०-४०, २२ **गृहोत्सर्गपद्धतिः**। ०-४०
२३ **एकादशी व्रतोद्यापनपद्धतिः**। 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित। रामचन्द्र झा ०-७५
२४ **आकाशदीप-तुलसी-कार्तिकोद्यापनत्रयपद्धतिः**। पं० रामचन्द्र झा ०-५०
२५ **दुर्गापूजाश्यामापूजापद्धतिः**। 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित। रामचन्द्र झा ५-००
२६ **पितृकर्म-निर्णयः**। संग्रहकर्त्ता-श्रीत्रिलोकनाथ मिश्र। रामचन्द्र झा ५-००
२७ **मैथिलीसाम्प्रदायिक दुर्गासप्तशती**। सम्पादक--कनकलाल ठक्कुर २-५०
२८ **भाद्रशुक्लचतुर्थी-चन्द्रपूजा-चन्द्रव्रत कथा सहित**। श्री रामचन्द्र झा ०-२५
२९ **सिद्धविनायक चतुर्थी-व्रत-कथा**। सम्पादक : पं० रामचन्द्र झा ०-३०
३० **हरितालिका-व्रतपूजा-कथा**। सम्पादक : पं० रामचन्द्र झा ०-२५
३१ **वाजसनेयिनां श्राद्धपद्धतिः**। म० म० श्रीदत्तानुसारिणी कुमारकर्तृक श्राद्धपद्धति सहित। म० म० श्री वाचस्पति मिश्र। श्रीरामचन्द्र झा ८-००
३२ **छान्दोगानां श्राद्धपद्धतिः**। श्री दत्तानुसारिणी कुमारकर्तृक श्राद्धपद्धति सहित। श्रीवाचस्पतिमिश्र कृत 'इन्दुमती' मैथिली टीका। रामचन्द्र झा सम्पादित यन्त्रस्थ
३३ **तिथिनिर्णयः**। १-२५, ३४ **छान्दोगानां नामकरण**। ५-००

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

चौखम्बा राष्ट्रभारती ग्रन्थमाला

१ **साहित्यालोक**। [आई० ए०, बी० ए० तथा बी० ए० आनर्स के छात्रों हेतु पाठ्यक्रमानुसार] डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' ७-५०
२ **तुलसीदास की दोहावली का विवेचनात्मक अध्ययन**। श्रीगौरीशंकरमिश्र २०-००
३ **लोलिम्बराज और उनकी कृतियाँ : एक अध्ययन। (ग्रन्थावली सहित)** डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, एम० ए०, पी-एच्० डी० २५-००
४ **विचार और विवेचन**। निबन्ध-संग्रह। डॉ० वामन केशव लेले १५-००

चौखम्बा आयुर्विज्ञान ग्रन्थमाला

१ **आयुर्वेदीय रोगों का वर्गीकरण**। डॉ० रमानाथ द्विवेदी एवं डॉ० गुरुदीपसिंह ६-००
२ **एलोपैथिक की पेटेन्ट औषधियाँ**। (एलोपैथिक पेटेण्ट मेडिसिन) डॉ० शिवनाथ खन्ना २०-००
३ **'सचित्र' कैंसर डायग्नोसिस तथा चिकित्सा**। डॉ० प्रियकुमार चौबे १००-००
४ **'सचित्र' प्रसूति-तन्त्र**। डॉ० शिवनाथ खन्ना ४०-००
५ **सरस दोष-धातु-मल-विज्ञान**। डॉ० बसन्त कुमार श्रीमाल १०-००
६ **मां और शिशु (सचित्र)**। डॉ० प्रियम्वदा तिवारी ५-००

चौखम्बा सुरभारती स्टडीज

१ **काव्यालङ्कारकारिका** (अभिनवं काव्यशास्त्रम्)। रचयिता—डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी। संस्कृत वृत्ति एवं आंग्लानुवाद सहित ३०-००

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला

१ **पुराणपर्यालोचनम् (पुराण)** । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ।
प्रथम : गवेषणात्मक भाग ३०–०० द्वितीय : समीक्षात्मक भाग २०–००

२ **रघुवंशमहाकाव्यम् (काव्यम्)** । महाकविकालिदास । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । आचार्य शेषराजशर्मा 'रेग्मीः' । प्रथमः सर्गः २–२५

३ **लघुसिद्धान्तकौमुदी (व्याकरणम्)** । श्रीवरदाचार्य । 'शिवाख्य' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेता । श्री गोमतीप्रसाद शास्त्री ७–००

४ **हितोपदेश-मित्रलाभः (नीतिः)** । अश्लीलांशवर्जितः । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतः । आचार्य शेषराजशर्मा 'रेग्मीः' ५–५०

५ **तर्कसंग्रहः (न्याय)** । श्रीमदन्नम्भट्ट । पदकृत्यटीकासहितो हिन्यभाषाऽनुवादद्वितीयोपेतश्च । आचार्य श्रीशेषराजशर्मा 'रेग्मीः' २–५०

६ **तर्कसंग्रहः** । हिन्दी व्याख्या सहित । आचार्य श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मीः' १–२५

७ **कुमारसम्भव-महाकाव्यम्** । 'विमला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी । १–२ सर्ग ४–०० तृतीय सर्ग २–०० चतुर्थ सर्ग २–०० पञ्चम सर्ग २–५०

८ **भक्तिरत्नावली (वेदान्तः)** । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी १५–००

९ **रघुवंशमहाकाव्यम्** । 'विमला' 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी । द्वितीयसर्ग २–२५, तृतीयसर्ग २–२५, चतुर्थसर्ग २–०० पञ्चमसर्ग २–०० ६-७ सर्ग ४–००, १३-१४ सर्ग ४–००, पृथक्-पृथक् प्रत्येक सर्ग २–००

१० **नीतिशतकम् (नीतिः)** । श्रीभर्तृहरि । 'विमला'-संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ३–००

११ **अलङ्कार–सार–मञ्जरी (अलङ्कारः)** । सान्वय विस्तृत हिन्दीव्याख्या सहित । सम्पादक—म० म० पण्डितराज श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' २–००

१२ **बृहद्वास्तुमाला (ज्यौतिषम्)** । स्व० पं० श्रीरामनिहोर द्विवेदी १२–००

१३ **नैषधमहाकाव्यम् (काव्यम्)** । श्रीहर्ष । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । आचार्य श्रीशेषराजशर्मा 'रेग्मीः' प्रथम सर्ग ५–००
१–३ सर्ग १०–०० १–५ सर्ग १५–०० १–९ सर्ग २५–००

१४ **औचित्य-जीवनम् (दर्शनम्)** । हिन्दी टीका सहित । मायाप्रसाद त्रिपाठी ४–००

१५ **पञ्चतन्त्र-अपरीक्षितकारकम्** । श्रीविष्णुशर्मा । परीक्षोपयोगि 'विमला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ३–५०

१६ **युग पुराण** । हिन्दी टीका सहित । पं० श्री कृष्णमणि त्रिपाठी २–५०

१७ **भट्टिमहाकाव्यम् (काव्यम्)** । 'काव्यमर्मविमर्शिकाख्य' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेतम् । म० म० पण्डितराज श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' । नवीन संशोधित संस्करण । १–४ सर्ग ७–००, ५–८ सर्ग ८–०० १४–२२ सर्ग ८–००

१८ **सांख्यकारिका (सांख्य)** । श्रीईश्वरकृष्ण । 'सांख्यप्रकाश' नामक परीक्षोपयोगि संस्कृत-हिन्दी व्याख्यायुक्त । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ५–००

१९ **सवृत्तिरष्टाध्यायीसूत्रपाठ (व्याकरणम्)** । श्रीमत्पाणिनिमुनि । सम्पादक—म० म० पण्डितराज श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' ३–००

२० **किरातार्जुनीयम् (काव्यम्)** । 'विजया' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । श्री ब्रह्मानन्द त्रिपाठी । द्वितीय सर्ग १–५० चतुर्थ सर्ग २–०० ३–६ सर्ग ६–००

२१ **स्वप्नवासवदत्तम् (नाटकम्)** । महाकवि भास । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । आचार्य श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मीः' ७–००

२२ **दशकुमार–पूर्वपीठिका** । श्रीकृष्णमणित्रिपाठीकृत 'विमला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्या ४–००

२३ **काव्यमीमांसा (अलङ्कारः)** । राजशेखर । परीक्षोपयोगि 'विमला–सुधा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी । १–५ अध्याय ३–५०

२४ **प्रस्तावरत्नाकरः (निबन्धः)** । वाराणसी, बिहार आदि की पूर्व एवं उत्तरमध्यमा परीक्षोपयोगि संस्कृत निबन्ध संग्रह । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ६–००

२५ **शिशुपालवधम्** । श्रीरामजीलाल शर्मा कृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या । प्रथम सर्ग २–५० द्वितीय सर्ग ३–००, तृतीय सर्ग २–५०, चतुर्थ सर्ग २–५०, १–४ सर्ग १०–००

२६ **मूलरामायणम्** । श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी कृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित १–७५

२७ **पालि-पल्लविनी** । (अवध विश्वविद्यालय के एम० ए० (हिन्दी) प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम पर आधारित संकलन) । कुमारी मुकुलरानी त्रिपाठी । ५–००

२८ **प्रतिमानाटकम् (नाटकम्)** । महाकविभास । 'विमला' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेतम् । आचार्य जगदीशचन्द्र मिश्र ७–००

२९ **चन्द्रालोकः (अलङ्कारः)** । जयदेवकवि । 'विमला'-'सुधा'-संस्कृत-हिन्दी-व्याख्याद्वयोपेतः । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी । पञ्चम मयूख ४–००, सम्पूर्ण ८–००

३० **काव्यदीपिका** । 'सुधा'-'विमला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेता । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी । अष्टमशिखा २–५०, सम्पूर्ण ७–००

३१ **रत्नावली-नाटिका (नाटकम्)** । श्रीहर्ष । 'सुधा'-संस्कृत-हिन्दीटीकाद्वयोपेता । पं० परमेश्वरदीन पाण्डेय एम० ए०, साहित्याचार्य ६–००

३२ **नाट्यशास्त्र** । १–२ अध्याय । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या । श्रीसत्यप्रकाश शर्मा ४–००

३३ **अनुवाद-चन्द्रिका** । (अभिनव संस्करण) । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ८–००

३४ **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** । 'बालप्रिया' विस्तृत हिन्दी व्याख्या सहित । डॉ० गजाननशास्त्री 'मुसलगाँवकर' १०–००

३५ **प्रौढमनोरमा** । सशब्दरत्न । 'बालप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकारः—श्री द्वारिकाप्रसाद द्विवेदी । (पञ्चसन्ध्यन्त) १२–००

३६ **छन्दोमञ्जरी** । 'सुषमा'-'सफला'-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या । ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ५–००

३७ **लोलिम्बराज-ग्रन्थावली** । सम्पादक—डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ५–००

३८ **सीताचरितम्** । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या । रचयिता—डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी १०–००, १५–००

३९ **(वैयाकरणनिकाये) स्फोटवादविवेचनम्** । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी २–५०

४० **रघुवंशमहाकाव्यम्** । मल्लिनाथ कृत **'सञ्जीविनी'** तथा श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी कृत 'चन्द्रकला' हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पूर्ण २५–००

४१ **कादम्बरी** । बाणभट्ट । श्रीशेषराजशर्मा 'रेग्मी' कृत 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या । पूर्वार्द्ध शीघ्रप्राप्य, कथामुखपर्यन्त १०–००

४२ **व्यक्तिविवेकः** । राजानकमहिमभट्ट । राजानक रुय्यक कृत 'व्यक्तिविवेक-व्याख्यान' युक्त । डॉ० ब्रह्मानन्दत्रिपाठीकृत हिन्दी व्याख्या सहित । प्र० विमर्श ८–००

४३ **व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः** । संस्कृत । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ५–००

४४ **अर्थसंग्रहः** । लौगाक्षिभास्कर । रामेश्वरयोगिकृत 'मीमांसार्थसंग्रहकौमुदी' संस्कृत व्याख्या तथा डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र कृत 'प्रकाशिका' हिन्दी व्याख्या सहित १५–००

४५ **मालविकाग्निमित्रम्** । संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । डॉ० रमाशंकर पाण्डेय १०–००

४६ **सिद्धान्तकौमुदी** । 'बालमनोरमा'-व्याख्यासमलङ्कृता । श्रीगोपालदत्त पाण्डेय कृत वैज्ञानिक, विवेचनात्मक 'दीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित । कारकान्त भाग ४५–००

४७ **सिद्धान्तकौमुदी-बालमनोरमा** । रूपसिद्धि–पंक्तिलेखन प्रकार एवं छात्रोपयोगी विविध परिशिष्टादि युक्त । श्रीगोपालदत्त पाण्डेय । कारकान्त प्रथमो भागः १४–००

॥ श्रीः ॥

संस्कृत साहित्य और वाङ्मय

व्याकरण-ग्रन्थाः

+१ **अनुवाद चन्द्रिका** । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
[संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सक्षम, अनुवाद करने की सरलतमविधि से परिपूर्ण, छात्र तथा प्रौढों के लिये समानरूप से उपयोगी, कक्षा ८ से बी० ए० तक के पाठ्यक्रम की दृष्टि से लिखी गयी, अनुवादोपयोगी प्रसिद्ध शब्द एवं धातु रूपों से समृद्ध व्याकरण के पारिभाषिक शब्दों के विश्लेषण से युक्त, छात्रों से कहाँ-कहाँ त्रुटियाँ होती हैं, उन-उन अंशों को उदाहरण के रूप में देकर उनको सावधान करानेवाली और अथ से इति तक ध्यानपूर्वक पढ़ लेने के पश्चात् अन्य ग्रन्थ की आवश्यकता न पड़ने का विश्वास दिलाने वाली यह पुस्तक परीक्षा की दृष्टि से लिखी गयी है । आशा एवं विश्वास है कि अनुवाद सीखने के इच्छुक इससे पूर्ण लाभान्वित होंगे ।] ८—००

२ **अनुवाद चन्द्रिका** । लोकमणि जोशी ३—००

३ **(बृहत्) अनुवाद चन्द्रिका** । चक्रधर 'हंस' नौटियाल शास्त्री २२—००

*४ **(बृहत्) अनुवाद रत्नाकर** । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी
[इस संस्करण के सांगोपांग अध्ययन से छात्रों को संस्कृत व्याकरण का पूर्ण ज्ञान होगा और लघुकौमुदी या सिद्धान्तकौमुदी के गद्य-पद्यों का अनुवाद सहज में करने लगेंगे । इसमें व्यावहारिक शब्द-कोषों का संग्रह भी कर दिया है, जो अधिक उपयोगी है ।] [वि. सं. १६४] २०—००

५ **अपभ्रंश प्रवेश** । डॉ० विपिन बिहारी त्रिवेदी ६—७५

६ **अपभ्रंश व्याकरण** । हेमचन्द्र । अनुवादक—शालिग्राम उपाध्याय १०—००

*७ **अभिनव निबन्धावलि** । श्री श्यामलाकान्त वर्मा
[इसमें लगभग १०० परीक्षोपयोगी हिन्दी निबन्धों का संग्रह किया गया है । छात्रों के लिये इसी प्रकार के वर्गीकरण की आवश्यकता थी । भाषा, शैली, कौशल आदि सभी दृष्टियों से इसकी उत्तमता स्वीकृत की गई है ।] नवीन संस्क० १९७७ [वि. रा. ७४] १०—००

८ **अभिनव प्राकृत-व्याकरण** । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री २५—००

९ **अर्थप्रकाशिका** । राधारमण पाण्डेय १५—००

१० **अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन** । डॉ० कपिलदेव द्विवेदी १५—००

११ **अव्ययार्थनिबन्धम्** । १०—००

१२ **अष्टाध्यायी (भाष्य)** । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु कृत हिन्दी टीका सहित । १–३ भाग ६०—००
प्रथम भाग २४—००, द्वितीय भाग १६—००, तृतीय भाग २०—००

+१३ **अष्टाध्यायीसूत्रपाठः** । पाणिनिमुनि । सम्पा० श्रीगोपालशास्त्री दर्शनकेशरी ३—००

१४ **अष्टाध्यायीसूत्रपाठः** । 'आभा' नामक भाषा वृत्त्युपपत्ति हिन्दी वृत्ति युत पाणिनीय-शिक्षा-गणपाठ-लिंगानुशासन सहित । वृत्तिकार—श्रीनारायण मिश्र १५—००

१५ **अष्टाध्यायीशब्दानुक्रमणिका** । श्रीधरशास्त्री पाठक ४०-००
*१६ **आचार्य हेमचन्द्र और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन** । नेमिचन्द्र शास्त्री । [शब्दानुशासन सम्बन्धी हैम की विशेषताओं, उपलब्धियों और अभावों पर प्रकाश डाला गया है तथा पाणिनि एवं पाणिनि से भिन्न अन्य अनेक वैयाकरणों के साथ अनेक दृष्टियों से उनकी तुलना की गयी है ।] [वि. रा. ६२] २५-००
१७ **आदर्श प्रस्तावरत्नमाला** । विश्वनाथ शास्त्री ८-००
१८ **आशुबोध-व्याकरणम्** । तारानाथ तर्कवाचस्पति १०-००
१९ **उणादिकोषः** । दयानन्द सरस्वती कृत व्याख्या सहित १०-००
२० **उणादिकोषः** । दयानन्द सरस्वती कृत व्याख्या २-४०
२१ **उणादिसूत्रम्** । उज्ज्वलदत्तवृत्तिसहितम् ८-००
२२ **उपसर्गवर्ग** । महादेवभट्टाचार्य । सम्पा० अमरनाथ पाण्डेय ३-००
२३ **उपसर्गार्थ चन्द्रिका** । चारुदेव शास्त्री । १-२ भाग ६०-००
२४ **ऋजुपाणिनीयम्** । श्रीगोपालशास्त्री दर्शनकेशरी १-००
२५ **कच्चायन व्याकरण (पालिव्याकरण)** । हिन्दी टीका सहित २५-००
२६ **कविकल्पद्रुमः** । बोपदेव कृत । गजानन वासुदेव पलसुले कृत व्याख्या सहित ६-००
२७ **कविकल्पद्रुमः** । बोपदव कृत । सटीक १०-००
२८ **कातंत्रव्याकरणविमर्श** । डॉ० जाह्नवीप्रसाद द्विवेदी ४०-००
*२९ **कारकदर्शनम्** । (सिद्धान्तकौमुदी-कारणप्रकरण) हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—डॉ० कलानाथ झा । [इसकी छात्रोपयोगी व्याख्या काशिका, तत्त्वबोधिनी, बालमनोरमा तथा महाभाष्य आदि टीकाओं पर आधारित है । ग्रन्थ के प्रतिपाद्य विषय को अधिक स्पष्ट किया गया है ।] [वि. सं. १५३] ५-००
३० **कारकसम्बन्धोद्योतः** । रभसनन्दिनी प्रणीत । सम्पादक-डा० हरिप्रसाद शास्त्री १-७५
३१ **काशकृत्स्नधातुव्याख्यानम्** । सम्पा० युधिष्ठिर मीमांसक ८-००
३२ **काशकृत्स्न-व्याकरणम्** । युधिष्ठिर मीमांसक ३-००
३३ **काशिका** । डॉ० आर्येन्द्र शर्मा सम्पादित । १-३ भाग ८०-००
३४ **काशिका** । प्रथम अध्याय । व्याख्याकार—ठा० वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी एवं हेमलता अग्रवाल ६-००
३५ **काशिकावृत्तिः** । काशिकाविवरणपञ्जिका, पदमञ्जरीव्याख्यासहित । १-६ भाग २४०-००
३६ **काशिकावृत्तिः** । पाणिनिविरचितव्याकरणसूत्राणांवृत्तिः वामनजयादित्यविनिर्मित । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग ५०-००
३७ **काशिकावृत्ति-वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्योः-तुलनात्मकअध्ययनम्** । महेशदत्तशर्मा २२-००
३८ **काशिका का समालोचनात्मक अध्ययन** । डॉ० रघुवीर वेदालंकार ७०-००
३९ **काशिकास्थ-वैयाकरणकारिकासंग्रहः** । हिन्दी-व्याख्या सहित । धर्मानन्द शास्त्री १-२०
४० **कृदन्तरूपमाला** । श्री श० रामसुब्रह्मण्य शास्त्री । १-५ भाग ५०-००
४१ **कोविदानन्दः** । आशाधरभट्ट विरचित । स्वोपज्ञ कादम्बिनी व्याख्या सहित १-५०
४२ **कोविदानन्दः** । आशाधरभट्ट विरचित । स्वोपज्ञकादम्बिनी व्याख्या एवं 'दीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित । डा० ब्रह्ममित्र अवस्थी १५-००
*४३ **कौमुदी-कथा-कल्लोलिनी** । आचार्य रामशरण शास्त्री [इसमें रोचक गद्य-कथानकों में सिद्धान्त-कौमुदी के 'इको यणचि' सूत्र से लेकर उत्तर कृदन्त के अन्तिम सूत्र तक के प्रायः सभी उदाहरणों को देकर कथासाहित्य की एक नवीन विधि का यह अनूठा प्रयोग है ।] [वि. सं. ५४] यन्त्रस्थ
४४ **गणकारिका** । सम्पादक—सी० डी० दलाल ७-००

४५ **गणपाठः ।** ०–७५
४६ **गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् ।** (पण्डित पछार) । महाकवि अम्बिकादत्त व्यास ३–००
४७ **ज्ञापकसंग्रहः ।** नागेशभट्ट । एन० एस० रामानुजताताचार्य कृत विवृति सहित १७–००
४८ **चन्द्र संस्कृत व्याकरण ।** नेमिचन्द्र शास्त्री १६–००
४९ **चान्द्रव्याकरणम् ।** चन्द्रगोमिन् कृत । १–२ भाग २७–००
५० **चान्द्रव्याकरणम् ।** चन्द्रगोमिन् कृत । सम्पादक—वेचनदास जीवराव दोषी ७–००
५१ **चान्द्रव्याकरणवृत्तेः समालोचनात्मकअध्ययनम् ।** डॉ० हर्षनाथ मिश्र १२–००
५२ **चित्र निबन्धावली ।** रघुनाथ शर्मा १०–००
५३ **जैनेन्द्रव्याकरणम् ।** श्री अभयनन्दिसूरि कृत वृत्ति सहित १०–००
५४ **तद्धितान्तकेचनशब्दाः ।** भागीरथप्रसाद त्रिपाठी ५–००
५५ **दुरूह शिक्षा ।** अप्पयदीक्षित । सम्पा०–सुब्रह्मण्य शास्त्री ५–००
*५६ **देववाणी प्रवेशिका ।** पं० अनसूयाप्रसाद भट्ट । १–५ भाग सम्पूर्ण
[बालक, बालिकाओं की रुचि और संस्कृत को व्यवहार भाषा के क्षेत्र में लाने के उद्देश्य को ध्यान में रखकर प्रस्तुत पुस्तक कक्षा एक से पाँच के लिये पाँच भागों में पृथक्-पृथक् तैयार की गयी है । जिससे प्रारम्भिक अनुवाद का भी सामान्य ज्ञान प्राप्त हो जाता है और परिशिष्ट में दिया गया बालकोपयोगी 'सूक्तिसंग्रह' उन्हें सदाचारी बनने की प्रेरणा देता है ।] [वि. सं. १२३] प्रथम भाग १–५०, द्वि० भाग २–००
तृतीय भाग १–५०, चतुर्थ भाग २–५०, पंचम भाग ३–५० । १–५ भाग ११–००
५७ **दैवम् ।** देवकृत । शुक मुनि विरचित पुरुषकाराख्यवार्तिकोपेतम् । सटिप्पण ८–००
५८ **धातुपाठः ।** पाणिनिमुनिविरचित । सटिप्पण १–००
५९ **धातुरूपकौमुदी ।** भगवानशरण भारद्वाज ४–७५
६० **धातुरूपमञ्जरी ।** टिप्पणी सहित ४–००
६१ **धातुरूपादर्श ।** तारानाथ तर्कवाचस्पति ८–००
*६२ **नन्दिकेश्वरकाशिका ।** उपमन्यु कृत टीका सहित [वि. सं. १३३] ०–५०
६३ **निदानसूत्रम् ।** पतञ्जलि कृत । सव्याख्या । सम्पा० के० एन० भटनागर ६०–००
६४ **निबन्धकुसुमाञ्जलिः ।** जयमन्त मिश्र ३–५०
*६५ **निबन्ध पारिजात ।** डा० रजनीकान्त लहरी
[इस पुस्तक में संकलित निबन्ध साहित्य के विविध वादों और रूपविधाओं को स्पष्ट करने के उद्देश्य से लिखे गये हैं ।] [वि. रा. १३४] ७–००
*६६ **निबन्धप्रकाशः ।** पं० कृष्णकुमार अवस्थी
[वाराणसी की पूर्वमध्यमा द्वितीयखण्ड के अनिवार्य प्रथमपत्र में संस्कृत निबन्ध के लिए स्वीकृत] [वि. सं. ११७] ५–००
६७ **निबन्ध-सुधा ।** श्री कपिलदेव त्रिपाठी ३–००
*६८ **निबन्ध-सौरभ ।** (प्रथम परीक्षोपयोगी) श्रीबाबूलाल मिश्र
[इसमें बिहार–वाराणसी उभय प्रथम परीक्षोपयोगी लघुकाय हिन्दी निबन्ध अत्यन्त सरल भाषा और ये ऋजु शैली में लिखे गये हैं ।] [वि. रा. ७८] २–००
६९ **निबन्धादर्शः ।** म० म० श्री गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी ५–००
७० **न्यासकल्पलता ।** (पाणिनिसूत्रन्यासशास्त्रार्थः) ३–००
७१ **न्यास-पर्यालोचन** (शोध-प्रबन्ध) । श्रीभीमसेन शास्त्री १००–००
७२ **पतञ्जलिकालीन भारत ।** डॉ० प्रभुदयाल अग्निहोत्री ११–५०
७३ **पथ्यास्वस्ति ।** मधुसूदनशर्मा प्रणीत ६–००
७४ **परमलघुकला ।** (प्रश्नोत्तरी) ३–००
७५ **परमलघुमञ्जूषा ।** 'अर्थदीपिका' टीका एवं हिन्दी टीका । श्री अलखदेव शर्मा १०–००

७६ **परमलघुमञ्जूषा** । कालिकाप्रसाद शुक्ल कृत 'ज्योत्स्ना' व्याख्या सहित १०-५०
७७ **परिभाषासंग्रह** । के० वी० अभ्यङ्कर सम्पादित ३५-००
७८ **परिभाषेन्दुप्रकाश** । पं० शुकदेव झा २-५०
७९ **परिभाषेन्दु प्रश्नपञ्जिका** । श्री राजनारायण शास्त्री १-५०
८० **परिभाषेन्दुशेखरः** । वेणीमाधव शास्त्री कृत 'बृहद्शास्त्रार्थकला' टीका सहित १०-००
८१ **परिभाषेन्दुशेखरः** । भैरवीत्यपराख्यया परिभाषा विवृत्या च तत्वप्रकाशिकया व्याख्यया समन्विता । पं० लक्ष्मण शर्मा ३०-००
८२ **परिभाषेन्दुशेखरः** । वासुदेवशास्त्री अभ्यङ्कर कृत तत्त्वादर्श व्याख्या । डॉ० किलहर्न कृत आंग्लानुवाद सहित । १-२ भाग ५०-००
८३ **परिभाषेन्दुशेखरः** । नागेशगूढ़ार्थदीपिका व्याख्या सहित । पेरि वेंकटेश्वर शास्त्री ३५-००
८४ **परिभाषेन्दुशेखरः** । हैमवती व्याख्या युक्त । कालिकाप्रसाद शुक्ल ४९-००
८५ **परिभाषेन्दुशेखरः** । गदा टीका २०-००
८६ **परिभाषेन्दुदीपिका** । हरिशङ्कर झा १-५०
८७ **परिष्कारदर्पणः** । शास्त्रार्थकला सहित । वेणीमाधव शास्त्री कृत सटिप्पण ६-००
*८८ **पाणिनिकालीन भारतवर्ष** । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल
[महर्षि पाणिनि विरचित संस्कृत-व्याकरण के सूत्रों के आधार पर उस काल के भारतीय जीवन और संस्कृति का विस्तृत प्रामाणिक अध्ययन है । अष्टाध्यायी के भूले हुए शब्दों को यहाँ नये अर्थों के साथ समझाने का प्रयास किया गया है ।]
द्वितीय संस्करण [वि. रा. ५०] ३५-००
८९ **पाणिनीयसूत्रव्याख्या (सोदाहरणश्लोकाः)** । वीरराघवाचार्यकृत । १-२ भाग १०-००
९० **पाणिनीय के उत्तराधिकारी** । डॉ० उदयनारायण तिवारी १५-००
९१ **पाणिनीय-धातुपाठ-समीक्षा** । डॉ० भागीरथप्रसाद त्रिपाठी (वागीशशास्त्री) १८-५०
९२ **पाणिनीय-परिचय** । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल ४-५०
९३ **पाणिनीयप्रबोधः** । श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' ४-५०
९४ **पाणिनीयव्याकरण का अनुशीलन** । डॉ० रमाशंकर भट्टाचार्य २५-००
९५ **पाणिनीयव्याकरणवादरत्नम्** । श्रीसूर्यनारायणशुक्ल कृत । न्यायपरिष्कारप्रकरण १-२ भाग १०-००
९६ **पाणिनीयव्याकरणे प्रमाण समीक्षा (शोधग्रन्थ)** । डॉ० रामप्रसाद त्रिपाठी २६-२५
९७ **पाणिनीयशब्दानुशासनम्** । **अष्टाध्यायी सूत्रपाठ** ४-००
९८ **पाणिनीयशिक्षा** । सूर्यनारायणशुक्ल कृत 'प्रदीप' व्याख्या सहित १-२५
९९ **पाणिनीशिक्षायाः शिक्षान्तरैः समीक्षा** । डॉ० मधुकर फाटक ७-५०
१०० **पाणिनीयसिद्धान्तकौमुदी** । हिन्दी टीका सहित । मथुराप्रसाद दीक्षित । प्र० भा० ३-५०
+१०१ **पालि-पल्लविनी** (अवध विश्वविद्यालय के एम० ए० (हिन्दी) प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम पर आधारित संकलन) । कु० मुकुलरानी त्रिपाठी । भू० ले०-डॉ० रमाशंकर तिवारी ५-००
१०२ **पालि प्रकाश** । प्रो० रामगोपाल गुप्त ७-५०
१०३ **पालि प्रवेशिका** । कोमलचन्द्र जैन ६-५०
१०४ **पालि मोग्गलायन व्याकरण** । भदन्त आनन्द कौशल्यायन ६-००
१०५ **पालिव्याकरण** । भिक्षुधर्मरक्षित ३-५०
१०६ **पूर्वपक्षावली** । सुपरिष्कृता १-००
१०७ **प्रक्रियाकौमुदी** । प्रकाश टीका सहित । प्रथम भाग ५२-००, द्वितीय भाग ६७-००
१०८ **प्रक्रियाकौमुदी** । विठ्ठलाचार्य कृत 'प्रसाद' टीका सहित । १-२ भाग ४५-००
१०९ **प्रक्रियाकौमुदीविमर्शः** । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र ८-००

११० **प्रक्रियासर्वस्वम्** । नारायणभट्ट कृत-'प्रकाशिका'-साम्ब शिवशास्त्री कृत 'संचिता' व्याख्या सहित । १-४ भाग २४-५०
*१११ **प्रथमा शब्द-धातुरूपसंग्रहः** । (वाराणसी की प्रथमा परीक्षा-पाठ्य स्वीकृत शब्द-धातुरूपों का संग्रह) । सम्पादक—पं० रामचन्द्र झा [वि. सं० ११५] १-००
११२ **प्रबन्धपारिजातः** । प्रो० रामचन्द्र मिश्र ५-००
११३ **प्रबन्धप्रकाशः** । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री । १-२ भाग २२-००
*११४ **प्रबन्धरत्नाकरः** । (शास्त्री, आचार्य, बी० ए०, एम० ए० आदि परीक्षोपयोगी शताधिक निबन्धों का संग्रह) । डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल
[विद्यार्थियों की सहायतार्थ के लिए आवश्यकतानुसार निबन्ध-ग्रन्थ सुलभ नहीं हैं । इस अभाव की पूर्ति के लिए विद्वान् लेखक ने प्रबन्धों का यह संग्रह प्रस्तुत किया हैं, जिसमें प्राचीन एवं नवीन सुललित भाषा में सभी विषयसम्बन्धी लिखित सौ से ऊपर निबन्ध हैं । इस ग्रन्थ से सभी उच्च कक्षाओं के परीक्षार्थी विशेष लाभान्वित होंगे ।] [वि. सं. १४०] ३०-००
११५ **प्रबन्धामृतम्** । आचार्य रमाकान्त ठाकुर १-७५
११६ **प्रबोधचन्द्रिका** । मोतीलाल जोशी २-५०
११७ **प्रयोगशास्त्रार्थकला** । वेणीमाधव शास्त्री कृत ०-६०
११८ **प्रशस्तिकाशिका** । बालकृष्ण त्रिपाठी कृत ७-००
११९ **प्रस्तावतरङ्गिणी (निबन्धोपयोगी ग्रन्थ)** । चारुदेव शास्त्री ८-००
*१२० **प्रस्तावरत्नाकरः** । [उच्चतरमाध्यमिक (इण्टर)-विशारद-स्नातक-शास्त्रिपरीक्षासु निर्धारित विविधविषय-निबन्धसंवलितः] डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १६-००
१२१ **प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका हिन्दी साहित्य पर प्रभाव** । रामसिंह तोमर २०-००
१२२ **प्राकृतकल्पतरुः** । रामशर्मा कृत । मनमोहन घोष सम्पादित १०-००
१२३ **प्राकृतचन्द्रिका** । सम्पा० श्री प्रभाकर झा एवं संशोधक—डॉ० सुभद्र झा १५-००
१२४ **प्राकृतप्रकाशः** । 'संजीविनी', 'सुबोधिनी', 'मनोरमा' एवं 'प्राकृतमञ्जरी' नामक संस्कृत टीका तथा हिन्दी टीका सहित । सम्पा० बलदेव उपाध्याय । ३७-७५
१२५ **प्राकृतप्रकाशः** । 'मनोरमा' 'चन्द्रिका' संस्कृत-हिन्दी टीका २५-००
१२६ **प्राकृतप्रकाशः** । रामपाणिवाद कृत वृत्ति सहित १०-००
*१२७ **प्राकृतप्रबोध** । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री
[हिन्दी माध्यम से प्राकृत व्याकरण के ज्ञान के लिए सर्वाङ्गपूर्ण यह संस्करण प्रस्तुत किया गया है । अनुवाद और निबन्ध के लिए सर्वोत्तम ग्रन्थ है ।] [वि. सं. १३०] १६-००
१२८ **प्राकृतप्रवेशिका** । कोमलचन्द्र जैन ६-५०
१२९ **प्राकृत-भाषा** । बेचर दास १-५०
१३० **प्राकृत भाषाओं का व्याकरण** । रिचर्डपिशल । अनु० डॉ० हेमचन्द्र जोशी २०-००
१३१ **प्राकृतमणिदीपः** । अप्पयदीक्षित प्रणीत व्याख्या सहित ७-५०
१३२ **प्राकृतमार्गोपदेशिका** । बेचरदास । भाषा १०-००
*१३३ **प्राकृतव्याकरण (हिन्दी)** । आचार्य मधुसूदनप्रसाद मिश्र,
[लेखक ने महाराष्ट्री, मागधी, शौरसेनी, पैशाची, अपभ्रंश आदि प्राकृत के सभी अवान्तर भेदों का अत्यन्त सुबोधरूप से प्रतिपादन करके एक बहुत बड़ी कमी को पूर्ण किया है ।] [वि. रा. ३२] १०-००
१३४ **प्राकृतव्याकरणम्** । हेमचन्द्राचार्य । भाषानुवाद सहित । १-२ भाग २५-००
१३५ **प्राकृतव्याकरणवृत्तिः** । त्रिविक्रमदेवनिर्मित । सपरिशिष्ट २५-००
१३६ **प्राकृतविमर्श** । डॉ० सरयूप्रसाद अग्रवाल १६-००

१३७ **प्राकृतशब्दानुशासनम्** । सम्पा० परशुराम शर्मा १२-००
१३८ **प्राकृतसर्वस्वम्** । मार्कण्डेय विरचित । सम्पादक—कृष्णचन्द्र आचार्य २०-००
१३९ **प्राकृतानन्दः** । रघुनाथ कवि विरचित ४-२५
१४० **प्रारम्भिकपाणिनीयः** । विश्वनाथ शास्त्री २-००
१४१ **प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी** । कपिलदेव द्विवेदी ३-००
142 A Practical Grammar of the Sanskrit Language.
By Monior Williams. M. A., D. C. L. 50-00
*१४३ **(प्रौढ़) अनुवाद रत्नाकर** । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी [वि. सं. १६४] २०-००
१४४ **प्रौढमनोरमा-शब्दरत्न-प्रश्नोत्तरावली तथा व्याकरणशास्त्री प्रश्नावली** ।
राजनारायण शास्त्री कृत । १–२ भाग ४-२५
+१४५ **प्रौढमनोरमा—सशब्दरत्न** । 'बालप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेता ।
व्याख्याकारः—श्री द्वारिकाप्रसाद द्विवेदी । पञ्चसन्ध्यन्त १५-००
१४६ **प्रौढमनोरमा** । भट्टोजिदीक्षितविरचित । बृहच्छब्दरत्न-लघुशब्दरत्न व्याख्या
सहित । सम्पादक—डॉ० सीताराम शास्त्री । प्रथम भाग ३०-००
१४७ **प्रौढमनोरमा** । शब्दरत्नसहित । तत्पुरुषादि-तिङन्तसन्नन्तप्रक्रियापर्यन्त ५०-००
१४८ **प्रौढमनोरमा** । हरिदीक्षितविरचित । सम्पा० वेंकटेशलक्ष्मण जोशी ।
पञ्चसंधि–प्रथम भाग ३०-००
१४९ **प्रौढमनोरमा-शब्दरत्नयोः विचारभेदानां युक्तायुक्तत्व समीक्षा** ।
डॉ० सुधीर नारायण ठक्कुर ११-००
१५० **फक्किकाप्रश्नोत्तरी** । परीक्षोपयुक्त । पंक्तिव्याख्यानरूप ग्रन्थ ३-००
१५१ **फक्किकामर्मवृत्तिः** । हरिशङ्कर झा १-२५
१५२ **फक्किकारत्नमंजूषा** । परीक्षोपयुक्त । कनकलाल ठाकुर कृत । प्रथम भाग ४-००
१५३ **फक्किकासरलार्थः** । सदाशिव शास्त्री कृत 'प्रभा' टिप्पणी सहित ३-००
१५४ **बटुतोषिणी** । हरिशङ्कर झा १-५०
१५५ **बनारस-प्रथमा-सोत्तरा-प्रश्नावली** । ५-००
१५६ **बाल-निबन्धादर्श** । विश्वनाथ शास्त्री १-५०
१५७ **बालमनोरमा-भ्रान्ति-दिग्दर्शन** । वैद्य भीमसेन शास्त्री ३-००
१५८ **बालशिक्षा** । ठक्कुर संग्राम सिंह विरचित । **कातंत्रव्याकरण सूत्रपाठः** ।
सर्ववर्माचार्य प्रणीत ७-२५
१५९ **बिहार-सोत्तरा-प्रथमा-प्रश्नावली** । ३-००
+१६० **भट्टिमहाकाव्यम्** । 'काव्य-मर्मविमर्शिकाख्य'-संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् ।
श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' । संशोधित परिवर्द्धित संस्करण । १–४ सर्ग ७-००
५–८ सर्ग ८-०० १४–२२ सर्ग ८-००
१६१ **भागवृत्ति-संकलनम्** । भर्तृहरिकृत । युधिष्ठिर मीमांसक संकलित ३-००
+१६२ **भारत में संस्कृत की अनिवार्यता क्यों ?** डॉ० भागीरथप्रसाद त्रिपाठी । (उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत) [संस्कृत भारत की आत्मा, प्राण, प्रज्ञा, जीवनदर्शन, दृष्टि और कलेवर है । संस्कृत भारतीयसंस्कृति का सर्वस्व है । भारतीयसंस्कृति और प्राचीन इतिहास का मर्म जानने हेतु संस्कृत पढ़ना प्रत्येक भारतीय का अनिवार्य कर्तव्य है । संस्कृत पढ़े विना भारतीय नागरिक सच्चा भारतीय कहलाने का अधिकारी नहीं है । जन भाषाओं के संवर्द्धन और स्वरूपरक्षण के लिए, अपने देश की भौगोलिक सीमाओं की वास्तविकता जानने के लिए संस्कृत का पढ़ना अनिवार्य है । विद्वान् रचयिता ने इस पुस्तक में यह बतलाया है कि संस्कृत में ज्ञान-विज्ञान का अथाह भण्डार पड़ा है । विदेशियों के आक्रमण के पूर्व तक संस्कृत

जनजीवन से पूर्णतः जुड़ी हुई थी। सम्प्रति इस वैज्ञानिक युग में संस्कृत को जीवन से कैसे जोड़ा जाय ? क्या प्राचीन ज्ञान-विज्ञान को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से जोड़ा जा सकता है ? इत्यादि पहलुओं पर भी इस ग्रन्थ में विचार किया गया है। यह इस विषय का प्रथम ग्रन्थ है। इसकी भाषा तथा शैली आकर्षक है। प्रत्येक भारतीय के घर में इसका रहना अनिवार्य है।] ५-००

१६३ **भारती प्रवेशिका**। सुभद्र झा—सत्यांशुमोहन मुखोपाध्याय २-००

१६४ **भाषा**। मूल लेखक-ब्लूम फील्ड। अनु० विश्वनाथ प्रसाद २०-००

१६५ **भाषा विज्ञान**। मैक्समूलर। अनु० उदयनारायण तिवारी १७-५०

१६६ **भाषा विज्ञान की भारतीय परम्परा और पाणिनी**। डॉ० रामदेव त्रिपाठी ३१-००

१६७ **भाषावृत्तिः**। पुरुषोत्तमदेव। स्वामी द्वारिकादास सम्पादित ३५-००

१६८ **भाषाशास्त्र प्रवेशिनी**। ५-००

१६९ **भूषणसारचन्द्रिका**। हरिशङ्कर झा १-५०

१७० **भूषणसारप्रकाशः**। शुकदेव झा ३-००

+१७१ **मध्यसिद्धान्तकौमुदी**। 'बालप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेता। व्याख्याकारः—पं० श्रीद्वारिकाप्रसाद द्विवेदी शीघ्रप्राप्य

१७२ **मध्यसिद्धान्तकौमुदी**। संस्कृत-हिन्दी व्याख्यासहित। पं० रामचन्द्र झा २०-००

१७३ **मध्यसिद्धान्तकौमुदी**। 'प्रभाकरी' संस्कृत-हिन्दी टीका १७-५०

१७४ **मध्यसिद्धान्तकौमुदी (प्रश्नोत्तरी)**। रामगोविन्द शुक्ल ५-००

१७५ **मध्यकौमुदीरहस्यम्**। (मध्यकौमुदी-प्रश्नोत्तरी) ४-००

१७६ **मनोरमारत्नप्रकाश**। पं० शुकदेव झा ३-००

१७७ **मनोरमारत्नविवेक**। हरिशङ्कर झा २-००

१७८ **मनोरमाशब्दरत्न-प्रश्नोत्तरावली**। पं० राजनारायणशास्त्री। १-२ भाग ४-२५

१७९ **माधवीयधातुवृत्तिः**। सायणाचार्य कृत ४०-००

*१८० **मानक हिन्दी व्याकरण**। आचार्य रामचन्द्र वर्मा [इसमें अनेक शब्दभेदों की बिलकुल नई प्रकार की व्याख्या दी गई है; और विषय-विभाजन भी बहुत-कुछ नये ढङ्ग से किया गया है। [वि. रा. ३९] ५-००

१८१ **मुग्धबोधव्याकरणम्**। दुर्गादास-रामतर्कवागीश कृत व्याख्या सहित १६-००

१८२ **मुखभूषणम्**। डॉ० के० कन्जुन्नी राजा सम्पादित ५-००

१८३ **रचनानुवादकौमुदी**। कपिलदेव द्विवेदी ७-५०

१८४ **राष्ट्रभाषा सरल हिन्दी व्याकरण**। पं० केदारनाथ शर्मा २-००

१८५ **रूपचन्द्रिका**। सम्पादक—पं० रामचन्द्र झा १०-००

१८६ **रूपमाला**। विमलसूरि कृत। हिन्दी टीका सहित। १-४ भाग १३-५०

१८७ **रूपावतारः**। धर्मकीर्ति प्रणीत। १-२ भाग १५-००

१८८ **लकारार्थनिर्णयः**। सटीक। बङ्गलानुवाद सहित ३-००

१८९ **लघुकाशिका**। सुदर्शनाचार्यत्रिपाठी। प्रथम भाग १९-२५, द्वितीय भाग १९-००

१९० **लघुजूटिका**। (अभिनव परिभाषेन्दुशेखर परिष्कृत) २-००

१९१ **लघुनिबन्धमणिमाला**। श्रुतिकान्त विरचित १-५०

१९२ **लघुप्रबन्धसंग्रहः**। १९-५०

१९३ **लघुशब्देन्दुशेखरः**। गुरुप्रसादाभिख्यया समलंकृत। पेरि वेंकटेश्वरशास्त्री सम्पादित १-२ भाग ७५-००

१९४ **लघुशब्देन्दुशेखरः**। नागेशभट्टकृत। श्रीखुद्दीझाकृत नपदान्तपर्यन्त नागेशोक्तिप्रकाश टीका सहित ५-००

१९५ **लघुशब्देन्दुशेखरः** । म० म० श्री नित्यानन्दपन्त पर्वतीय कृत 'शेखरदीपक' टीका सहित । पंचसन्धिप्रकरण १५-००

१९६ **लघुशब्देन्दुकला** । (शब्देन्दुशेखर-प्रश्नोत्तरी) ४-००

१९७ **लघुशब्देन्दुप्रकाश** । पं० शुकदेव झा ३-००

*१९८ **लघुसारस्वतव्याकरणम्** । सं० गणेशदत्त मिश्र
[विद्वान् लेखक ने बड़े कौशल से इस पुस्तक का सम्पादन किया है । बीच-बीच में उपयोगी ज्ञातव्य सामग्री हिन्दी में भी दी गई है ।] [वि. सं. ९०] १-००

+१९९ **लघुसिद्धान्तकौमुदी** । 'शिवाख्य' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ।
[प्रस्तुत संस्करण में अत्यन्त सरल तथा सारगर्भ टीका-टिप्पणी और हिन्दी अनुवाद आदि से दुरूह व्याकरण विषय को अत्यन्त सुगम एवं छात्रोपयोगी बनाया गया है ।] व्याख्याकार—श्री गोमतीप्रसाद शास्त्री (नवीन संस्करण) ७-००

*२०० **लघुसिद्धान्तकौमुदी** । महेशसिंह कुशवाहा कृत विवेचनात्मक 'माहेश्वरी' हिन्दी व्याख्यासहित । (उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत) । १-२ भाग ५५-००

प्रथम खण्ड : व्याख्या भाग

[पुस्तक की व्याख्या बहुत ही सुबोध और आधुनिक शैली में प्रस्तुत की गई है । कहीं भी पुरानी पण्डिताऊ शैली का प्रयोग नहीं हुआ है । सबसे बड़ी विशेषता यह है कि व्याख्या में वृत्ति का अर्थ न देकर सूत्र का अर्थ दिया गया है । प्रत्येक सूत्र का विभक्ति-निर्देश कर पहले शब्दार्थ दिया गया है और फिर अनुवृत्ति देकर उसका भावार्थ । अन्त में उपयुक्त उदाहरण देकर उस अर्थ को पुष्ट किया गया है । सूत्र में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दों और प्रत्याहारों को भी स्पष्ट और प्रचलित शब्दों में प्रकट किया गया है । अनेकों आलोचनात्मक और विवेचनात्मक टिप्पणियाँ दी गयी हैं जो कि सूक्ष्म से सूक्ष्म विषयों को स्पष्ट कर देती हैं । व्याख्या सरल होने के साथ ही प्रामाणिक भी है, क्योंकि उसका आधार वृत्ति न होकर महाभाष्य, काशिका आदि आर्षग्रन्थ है ।] [वि. सं. १३१] ३५-००

द्वितीय खण्ड : रूपसिद्धि भाग

[इस ग्रन्थ में विद्वान् लेखक ने "लघुसिद्धान्तकौमुदी" में प्रयुक्त रूपों की अकारादिक्रम से साधनिका दी है । छात्रों को बोध कराने के लिये प्रत्येक रूप की सिद्धि में शास्त्रीय दृष्टिकोण अपनाया गया है । साधनिका में पूर्ण वैज्ञानिक पद्धति अपनाने के कारण दुरूहता कहीं भी नहीं आने पाई है । रूपसिद्धि में सूत्रों का क्रम सोपान की भाँति लक्ष्यसिद्धि तक पहुँचाने में सहायक हो, अपनी उपादेयता को सिद्ध करता है । केवल स्थूल रूप में लक्ष्यसिद्धि को इङ्गित करना प्रस्तुत पुस्तक का उद्देश्य नहीं है, अपितु रूपों की सिद्धि में अभीष्ट सतर्कता वरती गई है, जिस कारण उत्सर्ग, अपवाद, विप्रतिषेध, अन्तरङ्ग आदि नियमों का यथास्थान उल्लेख एवं उपयोग कर प्रत्येक शब्द की सिद्धि सूक्ष्मता के साथ की गई है । साधनिका में शास्त्रीय-क्रम का यथोक्त निर्वाह होने के कारण आरम्भ से अन्त तक पाणिनि द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया की यथार्थता का अवबोध सहज ही हो जाता है । किसी भी रूप की सिद्धि में कोई बात छोड़ी नहीं गई है । साधारण से साधारण विषय का भी समावेश निर्दिष्ट स्थान पर ही है । छात्रों को व्युत्पन्न बनाने एवं परीक्षा हेतु उचित दिग्दर्शन कराने के लिये यह ग्रन्थ अपूर्व सिद्ध होगा, इसमें कोई सन्देह नहीं है । स्वच्छता और शुद्धता के साथ प्रकाशित यह ग्रन्थ व्याकरण की दुरूहता को दूर करने में सर्वथा सिद्ध होगा ।] [वि. सं. १३१] २०-००

२०१ **लघुसिद्धान्तकौमुदी** । विश्लेषणात्मक 'भैमी' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकारः- वैद्य भीमसेन शास्त्री प्रथम भाग २०-००, द्वितीय भाग २५-०० तृतीय भाग यंत्रस्थ

२०२ **लघुसिद्धान्तकौमुदी** । 'सुधा' संस्कृत टीका युक्त १५-००

२०३ **लघुसिद्धान्तचन्द्रिका** । सं० गणेशदत्त मिश्र [वि. सं. ९१]
[संस्कृत भाषा के तिङन्त भाग के व्याकरण का ज्ञान अल्पवयस्क बालकों को बहुत थोड़े परिश्रम से ही हो जाय, यही पुस्तक के संकलन का उद्देश्य है ।] १-००

२०४ **लघुकौमुदी-सोत्तरा-प्रयोगसूची** । प्रयोगार्थ सहित, इन्दुमती टिप्पणी १-५०

२०५ **लघुकौमुदी-सोत्तरा-प्रश्नावली** । पं० रामचन्द्र झा ५-००

२०६ **लिङ्गवचनविचारः** । दीनबन्धु झा कृत ४-००

२०७ **लिङ्गानुशासनम्** । वामन कृत । स्वोपज्ञवृत्ति सहित ३-००, ४-००

२०८ **लिङ्गानुशासनम्** । दुर्गासिंह कृत ८-००

२०९ **लिङ्गानुशासनवर्ग** । मुकुन्द शर्मा १२-००

२१० **लिङ्गानुशासनवृत्तिः** । पाणिनि । सुदर्शनदेव आचार्य १-२५

२११ **लिट् और लुङ् लकार की रूपबोधक विधि** । राजा गोविन्दलाल वंशीलाल २-००

२१२ **लौकिकन्यायशास्त्रार्थकला तथा कूटशास्त्रार्थकला** । वेणीमाधवशास्त्री १-५०

२१३ **वाक्यपदीयम्** । ब्रह्मकाण्ड । सूर्यनारायणशुक्ल कृत संस्कृत, रामगोविन्द शुक्ल कृत हिन्दी टीका, श्रीरुद्रप्रसाद अवस्थी कृत परिशिष्ट सहित १५-००

२१४ **वाक्यपदीयम्** । 'प्रकाश' व्याख्या, रघुनाथशर्मणा विरचित अम्बाकर्त्री व्याख्या ।
प्रथम काण्ड २६-५० द्वितीय काण्ड यंत्रस्थ तृतीय काण्ड-प्रथम भाग २५-००
द्वितीय भाग १०७-००, तृतीय भाग ६५-५०

२१५ **वाक्यपदीयम्** । वृत्ति वृषभदेव कृत पद्धति सहित । के० ए० सुब्रह्मण्य अय्यर सम्पादित । प्रथम भाग २५-००, द्वितीय भाग ४०-००, तृ० भाग-प्रथम खण्ड २५-००

२१६ **वाक्यपदीयम्** । भर्तृहरि कृत । काशीनाथ वासुदेव अभ्यङ्कर एवं विष्णु प्रभाकर लिमये सम्पादित । सम्पूर्ण २५-००

२१७ **वाक्यपदीय** । ब्रह्मकाण्ड । डॉ० सत्यकाम वर्मा १५-००

२१८ **वाक्यपदीय सम्बन्धसमुद्देश हेलराजीय व्याख्या के प्रकाश में एक विवेचनात्मक अध्ययन** । वीरेन्द्र शर्मा ५०-००

२१९ **वाक्य-विन्यास का सैद्धान्तिक पक्ष** । चोम्सकी । अनुवादक-रमानाथ सहाय १४-००

२२० **वाग्व्यवहारादर्श** । चारुदेव शास्त्री १६-००

२२१ **वेदाङ्गप्रकाशः** । नामिक १-३०, कारकीय ०-७५, सामासिक ०-७५
आख्यातिक ७-००, सौवर ०-५०, पारिभाषिक १-००, अव्ययार्थ ०-३५
धातुपाठ १-००, वर्णोच्चारण शिक्षा ०-५०, स्त्रैणतद्धित २-५०
सन्धिविषय ३-००, उणादिकोश ७-००, गणपाठ ०-७५

२२२ **(हिन्दी) वैदिक व्याकरण** । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय
[बी. ए. तथा एम. ए. परीक्षाओं के पाठ्याक्रमानुसार नवनिर्मित इस ग्रंथ में वेद का सुबोध व्याकरण, स्वरचिह्न, पद-पाठ आदि के विषय में समाधान तथा क्रिया रूपों का एक लघुकोश भी प्रकाशित किया गया है ।] [वि. रा. ३७] ४-००

२२३ **वैदिकव्याकरण** । डा० रामगोपाल । प्रथम भाग २६-०० द्वितीय भाग २८-००

२२४ **वैदिकव्याकरण** । मैक्डोनल । अनुवादक—सत्यव्रत शास्त्री २५-००

२२५ **वैयाकरणभूषणसारः** । प्रभा-दर्पण-व्याख्योपेतः । श्रीसभापति शर्मोपाध्याय ३५-००

२२६ **वैयाकरणभूषणसारः** । 'सरला' 'सुबोधनी' व्याख्याद्वयोपेतः ६-००

२२७ **वैयाकरणभूषणसारः** । तत्त्वदर्शिनी टीका युक्त । परिष्कर्ता—सूर्यनारायण शास्त्री ४५-००

२२८ **वैयाकरणभूषणसारः** । धात्वर्थनिर्णयान्त । विस्तृत प्राञ्जल हिन्दी 'भैमी' भाष्य सहित । वैद्य भीमसेन शास्त्री २०-००

२२९ **वैयाकरणसिद्धान्तकारिका** । कौण्डभट्टविरचित–वैयाकरणभूषण व्याख्या सहित ५-००

२३० **वैयाकरणसिद्धान्तमंजूषा** । नागेशभट्ट । सम्पा० कालिकाप्रसाद शुक्ल ३६-००

२३१ **वैयाकरणसिद्धान्तलघुमंजूषा** । रत्नप्रभाव्याख्योपेता । सभापतिशर्मोपाध्याय ३०-००

*२३२ **वै० सि० लघुमंजूषारहस्यम्** । (वै० सि० लघुमंजूषा-प्रश्नोत्तरी)
[इसमें ग्रंथ के दुरूहांशों को ऐसे सरल शब्दों में लिखा गया है कि विद्यार्थियों को ग्रंथ का आशय शीघ्र ही समझ में आ जाय ।] [वि. सं. २२] २-००

२३३ **व्याकरणकारिका** । हरिपददत्त विरचित । १-३ भाग १३०-००

२३४ **व्याकरणचन्द्रोदय** । पं० चारुदेवशास्त्री । सम्पूर्ण १-५ भाग १४५-५०

२३५ **व्याकरणदर्शन पीठिका** । रामाज्ञा पाण्डेय ४-००

२३६ **व्याकरणदीपिका** । (पाणिनीयसूत्रवृत्तिः) ओंरभट्टकृत ५०-००

*२३७ **व्याकरणमहाभाष्यम्** । सप्रदीप–'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । आचार्य युधिष्ठिर मीमांसक सम्पादित ।
[महाभाष्य सरल संस्कृत भाषा का सर्वोच्च निदर्शन होते हुये भी आशय की दृष्टि से गंभीर ग्रन्थ है । प्रस्तुत संस्करण में भाषान्तर करते हुये भी भाष्याशय को सुस्पष्ट करने का सर्वत्र प्रयास किया गया है । पूर्वापर-संगति तथा भाष्यकार के अभिप्राय के स्पष्टीकरण के लिये प्रदीप (कैयट) संस्कृत व्याख्या सहित महाभाष्य की विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या की गई है । क्लिष्ट पदों का सुविस्तृत अर्थनिर्देश तथा विग्रह भी दिया गया है । अतः यह संस्करण विशेष रूप से उपयोगी है । ग्रन्थगत कोई भी अभिप्राय अविदित नहीं रह जाता । संस्कृत व्याकरण के छात्रों तथा अध्यापकों के हित की दृष्टि से महाभाष्य का यह संस्करण सर्वोत्तम है ।
[वि. सं. १३८] **प्रथम आह्निक (पस्पशाह्निक)** ५-००, १-५ आह्निक २०-००

२३८ **व्याकरणमहाभाष्य (पातञ्जल)** । प्रदीप-उद्योत-तत्त्वालोकटीकात्रय । नवाह्निकम् ३५-००

२३९ **व्याकरणमहाभाष्यम्** । पातञ्जल । 'प्रदीप' 'उद्योत' तथा पायगुण्डे कृत छाया सहित । प्रथम भाग (नवाह्निक) २५-००, तृतीय भाग (विधिप्रकरणरूपम्) १५-००
चतुर्थ भाग (४-५ अध्याय) २०-००, पञ्चम भाग (स्थानेविधिरूपं) २०-००

२४० **व्याकरणमहाभाष्यम्** । सम्पादक—युधिष्ठिर मीमांसक । भाषा टीका ।
द्वितीय भाग (नवाह्निक से आगे) २५-००, तृतीय भाग (द्वितीय अध्याय) २५-००

२४१ **व्याकरणमहाभाष्य** । नवाह्निक । हिन्दी टीका सहित । चारुदेव शास्त्री २०-००

२४२ **व्याकरणमहाभाष्य** । १-३ आह्निक । हिन्दी टीका सहित । चारुदेव शास्त्री ६-००

२४३ **व्याकरणमहाभाष्य** । 'प्रदीप' 'उद्योत' व्याख्या सहित । सम्पूर्ण १-५ भाग २१५-००

२४४ **व्याकरणमहाभाष्य** । कैय्यट कृत 'प्रदीप' अन्नम्भट कृत 'प्रदोपोद्योत' टीका सहित । नवाह्निक का द्वितीय भाग ९-००

२४५ **व्याकरणमहाभाष्य** । एफ० कीलहर्न सम्पादित । सटिप्पण । १-३ भाग सम्पूर्ण १००-००

२४६ **व्याकरणमहाभाष्य** । नवाह्निकम् । कीलहर्न संस्करण । मूलमात्र । सम्पादक—के० वी० अभ्यङ्कर १०-००

२४७ **व्याकरणमहाभाष्य टीका** । भर्तृहरि विरचित । सम्पा० वी० स्वामिनाथन् । प्रथम भाग । (१-४ अह्निक) ७-००

२४८ **(व्याकरण) महाभाष्य कुञ्जिका** । हरिशङ्कर झा २-००

२४९ **(व्याकरण) महाभाष्य दीपिका** । (नवाह्निक प्रश्नोत्तरी) ३-००

२५० **(व्याकरण) महाभाष्यादर्शः** । शुकदेव झा ३-००

२५१ **व्याकरणमहाभाष्य शब्दानुक्रमणिका** । श्रीधर शास्त्री पाठक सम्पादित ६०-००

२५२ **व्याकरणवार्तिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन** । देवपति मिश्र १०-००
*२५३ **व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास** । श्रीरमाकान्त मिश्र
[वैदिक काल से लेकर व्याकरणशास्त्र का इतिहास क्रमशः पूर्वपाणिनि-काल, त्रिमुनि-काल, व्याख्या-काल और प्रक्रिया-काल के क्रम से सुव्यवस्थित रूप में वर्णित है। प्रायः सभी सम्प्रदायों का वर्णन इसके अन्तर्गत हो गया है। अत्युपयोगी संस्करण है।] [वि. रा. १०६] ६-००
+२५४ **व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः** । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
[प्रस्तुत ग्रन्थ पाँच आननों में विभक्त है। अभीतक संस्कृत भाषा में लिखा गया परीक्षोपयोगी 'व्याकरणशास्त्र का इतिहास' उपलब्ध नहीं था। यह हमारा प्रथम प्रयास है कि विद्वान् लेखक द्वारा इसकी प्रसादगुणपूर्ण संस्कृत भाषा में रचना कराकर छात्रों को उपलब्ध कराया गया है।] ५-००
२५५ **व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधिः** । श्रीविश्वेश्वरसूरिविरचितः । १-३५ खण्ड १२५-००
२५६ **व्यासशिक्षा** । तैजसाख्यया । सर्वलक्षणमञ्जरी सहित । सम्पादक-पट्टाभिराम शास्त्री १८-००
२५७ **व्युत्पत्तिप्रदर्शनं-गूढाशुद्धिप्रदर्शनम्** । पं० महादेव उपाध्याय १-७५
२५८ **व्युत्पत्तिवादः** । वेणीमाधव शास्त्री कृत शास्त्रार्थकला टीका सहित। १०-००
२५९ **व्युत्पत्तिवादतर्पणः** । (व्युत्पत्तिवाद-प्रश्नोत्तरी) उग्रानन्द झा २-००
२६० **शक्तिवादः** । गदाधरभट्टाचार्य । हरिनाथतर्कसिद्धान्तभट्टाचार्यकृतटीकासहित १५-००
२६१ **शक्तिवादः** । सुदर्शनाचार्य कृत आदर्श टीका ६-७५
२६२ **शब्ददर्शन** । रामस्वरूप शास्त्री ८-००
*२६३ **शब्द-धातुरूपसंग्रह** । सम्पादक—रामचन्द्र झा [वि. सं. ११५] १-००
२६४ **शब्दमञ्जरी** । ३-००
२६५ **शब्दरूपकौमुदी** । भगवानशरण भारद्वाज १-७५
२६६ **शब्दरूपादर्शः** । २-५०
२६७ **शब्द-विमर्श** । डॉ० अमरनाथ पाण्डेय १६-००
*२६८ **शब्दव्यापारविचार** । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी [वि. सं. १६६] ४-००
२६९ **शब्दानुशासनम्** । आचार्य मलयगिरि विरचित । स्वोपज्ञवृत्तियुक्त ।
सम्पा० बेचरदास जीवराव दोषी ३०-००
२७० **शब्दार्थरत्नम्** । तारानाथतर्कवाचस्पति २-५०
२७१ **शब्देन्दुसुधा** । हरिशंकर झा २-००
२७२ **शाकटायनव्याकरणम्** । यक्षवर्म कृत टीका सहित । शम्भुनाथ त्रिपाठी सम्पादित ४०-००
२७३ **शिक्षासूत्राणि** । आपिशलि-पाणिनि-चन्द्रगोमिकृत १-५०
२७४ **शिशुतोषिणी** । हरिशङ्कर झा ०-७५
२७५ **संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन** । भोलाशङ्कर व्यास १०-००
२७६ **संस्कृतगद्यमञ्जरी** । चन्द्रशेखर पाण्डेय ४-००
२७७ **संस्कृत निबन्ध-नवनीतम्** । डॉ० पारसनाथ द्विवेदी ७-५०
२७८ **संस्कृत निबन्धकौमुदी** । डॉ० बाबूराम त्रिपाठी ४-००
२७९ **संस्कृत निबन्धदर्शिका** । ४-००
२८० **संस्कृत निबन्धमणि** । चिरञ्जीव मिश्र ४-५०
२८१ **संस्कृत निबन्धमाला** । चिरञ्जीव मिश्र । प्रथम भाग ३-००
२८२ **संस्कृत निबन्धमाला** । डॉ० गणेशदत्त शर्मा । द्वितीय भाग ५-००
२८३ **संस्कृत निबन्धरत्नाकर** । डॉ० शिवप्रसाद शास्त्री १५-००
२८४ **संस्कृत निबन्धशतकम्** । डॉ० कपिलदेव द्विवेदी १५-००
२८५ **संस्कृत निबन्धाञ्जलि** । डॉ० रामकृष्णाचार्य १२-००

२८६ **संस्कृत निबन्धावली ।** डॉ० रामजी उपाध्याय १२–५०
२८७ **संस्कृत पठनपाठन की अनुभूत सरलतम विधि ।** ब्रह्मदत्त । १–२ खण्ड १५–००
*२८८ **संस्कृत-पाठमाला ।** महापण्डित राहुल सांकृत्यायन । [सुगमतापूर्वक भाषा को अधिकृत करने के लिए लेखक ने बालक-बालिकाओं के मानसिक स्तर का ध्यान रखते हुए पांच भागों में इस पुस्तक की रचना की है ।] [वि. सं. २७]
प्रथम भाग २–००, द्वितीय भाग २–००, तृतीय भाग २–००
चतुर्थ भाग २–००, पंचम भाग २–००, १–५ भाग १०–००
२८९ **संस्कृत-पाठमाला ।** सातवलेकर कृत । १–२४ भाग ३६–००
*२९० **संस्कृतप्रकाश ।** श्री कुबेरनाथ द्विवेदी
[प्रस्तुत पुस्तक इलाहाबाद बोर्ड द्वारा हाईस्कूल एवं इण्टर परीक्षा में निर्धारित संस्कृत व्याकरण की परीक्षोपयोगी पाठ्य ग्रन्थ है ।] [वि. सं. ८५] ५–००
*२९१ **संस्कृत प्रथम पाठमाला ।** वैलन्टाइन । अनु० श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय
[संस्कृत व्याकरण और रचना का प्रारम्भिक ज्ञान इसमें सुविचारित वैज्ञानिक विधि से गुम्फित है ।] [वि. सं. १४९] ३–००
२९२ **संस्कृत बालादर्शः ।** २–०० **संस्कृत प्रथमादर्शः** २–२५
संस्कृत द्वितीयादर्शः २–५० **संस्कृत तृतीयादर्शः** ३–००
*२९३ **संस्कृतरचना ।** आप्टे का हिन्दी रूपान्तर । अनु० डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय
[शुद्ध एवं मुहावरेदार संस्कृत बोलने और लिखने की क्षमता अनायास प्राप्त करने में यह पुस्तक बेजोड़ है ।] [वि. सं. १२२] १२–००
२९४ **संस्कृत रचनानुवाद प्रभा ।** डॉ० श्रीनिवास शास्त्री ६–००
२९५ **संस्कृतरचनानुवादशिक्षकः ।** आचार्य विश्वेश्वरसिद्धान्त शिरोमणि ३–५०
२९६ **संस्कृतरचनाप्रकाशः ।** प्रो० रमाकान्त द्विवेदी ४–००
२९७ **संस्कृत वाक्य प्रबोध ।** १–२५
*२९८ **संस्कृतव्याकरणम् ।** पं० रामचन्द्र झा । रचनानुवादखण्ड, निबन्धखण्ड सहित ।
[व्याकरण, अनुवाद तथा परीक्षोपयोगी सरल संस्कृत निबन्ध के लिए यह सर्वोत्तम पुस्तक है ।] [वि. सं. ४२] ८–००
२९९ **संस्कृत व्याकरण ।** ह्विटने । अनु० मुनीश्वर झा । सम्पूर्ण १–२ भाग ३०–००
३०० **संस्कृतव्याकरणम् ।** डॉ० बाबूराम त्रिपाठी १८–००
३०१ **संस्कृतव्याकरणम् ।** विश्वम्भरनाथ द्विवेदी १५–००
३०२ **संस्कृत व्याकरण का इतिहास ।** १–२ भाग २५–००
३०३ **संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास ।** सत्यकाम वर्मा ३०–००
*३०४ **संस्कृत व्याकरण की उपक्रमणिका ।** ईश्वरचन्द्र विद्यासागर
अनुवादक : गोपालचन्द्र शास्त्री । [घर बैठे सरल रूप में संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त करने के लिये यह पुस्तक अद्वितीय है ।] [वि. सं. ६३] ४–००
*३०५ **संस्कृत-व्याकरण-कौमुदी ।** ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ।
अनुवादक : गोपालचन्द्र शास्त्री । [सांगोपांग संस्कृत रचनानुवाद के लिये यह ग्रन्थ अद्वितीय है ।] [वि. सं. ७२] प्रथम भाग ४–००, द्वितीय भाग ४–००
तृतीय भाग ५–००, चतुर्थ भाग ४–००, १–४ भाग सम्पूर्ण १७–००
३०६ **संस्कृत व्याकरण चन्द्रिका ।** पारसनाथ द्विवेदी ५–५०
३०७ **संस्कृत व्याकरण ज्योत्स्ना ।** अमरनाथ पाण्डेय ८–००
३०८ **संस्कृत व्याकरण दर्शन ।** डॉ० रामसुरेश त्रिपाठी ५०–००
३०९ **संस्कृतव्याकरणप्रबोध ।** १–२ भाग । महाप्रभुलाल गोस्वामी ८–००
३१० **संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका ।** बाबूराम सक्सेना ६–००

३११ **संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका** । मैक्डोनल । अनुवादक—कपिलदेव द्विवेदी १२–००
३१२ **संस्कृत व्याकरण में गणपाठ की परम्परा और आचार्य पाणिनि** । श्री कपिलदेव द्विवेदी १०–००
३१३ **संस्कृत व्याकरण रचना तथा अन्य निबन्ध** । रामजी उपाध्याय ८–००, १२–००
३१४ **संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास** । युधिष्ठिर मीमांसक । १–३ भाग ६०–००
*३१५ **संस्कृतव्याकरणोदयः** । डॉ० जयमन्तमिश्र । [वि. सं. ६८] ८–००
३१६ **संस्कृत-शिक्षण** । रामसकल पाण्डेय ७–५०
३१७ **संस्कृत-शिक्षण की नवीन योजना** । डॉ० धर्मेन्द्र नाथ २५–००
३१८ **संस्कृत-शिक्षण-पद्धति** । सीताराम चतुर्वेदी १०–००
३१९ **संस्कृत शिक्षा** । कपिलदेव द्विवेदी । १–५ भाग १०–७५
३२० **(बृहत्) संस्कृत-शिक्षा-वाटिका** । २–४ भाग ४–००
३२१ **संस्कृत-स्वयं-शिक्षक** । सातवलेकर कृत । १–२ भाग ११–००
*३२२ **संस्कृत-स्वयं-शिक्षकप्रभा** । गौरीशंकर शास्त्री
[प्रारम्भिक हिन्दी स्कूलों में छोटे-छोटे बच्चों को संस्कृत पढ़ने-पढ़ाने की कठिनाई को दूर करने के लिये यह पुस्तक लिखी गई है ।] [वि. सं. ९] २–००
*३२३ **संस्कृतालोकः** । रामबालक शास्त्री । १–३ किरण
[शास्त्री जी बालकों को संस्कृत-भाषा का ज्ञान कराने के हेतु संस्कृतालोक की ३ किरणों को मूर्त रूप दिया है ।] [वि. सं. ३–५] १–३ किरण ३–००
३२४ **सज्जनेन्द्रप्रयोगकल्पद्रुमः** । धर्माधिकारी कृष्णपण्डित कृत ६–००
३२५ **सन्धिचन्द्रिका** । कारक, समास, तिङन्त, व्युत्पत्तिप्रदर्शन सहित ३–००
३२६ **सन्धि-समास-मञ्जूषा** । मथुराप्रसाद दीक्षित २–००
३२७ **समासचक्रम्** । ब्रह्मदत्त मिश्र कृत टिप्पणी सहित ०–७५
३२८ **समासदर्पण** । ०–५०
३२९ **सरल संस्कृतव्याकरण** । सत्यांशु मोहन मुखोपाध्याय २–००
३३० **सादृश्यशास्त्रार्थकला** । ल:कर्मशास्त्रार्थकला ०–५०
३३१ **सारस्वत दर्शन** । सरस्वती प्रसाद चतुर्वेदी ५०–००
३३२ **सारस्वतव्याकरणम्** । चन्द्रकीर्तिनाम्नी सुबोधिका टीका मनोरमा विवृत्ति तथा सटीक लिङ्गानुशासन सहित । पूर्वार्द्ध १५–००, उत्तरार्द्ध १५–०० । सम्पूर्ण ३०–००
३३३ **सारस्वतव्याकरणम्** । 'बालबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका । पूर्वार्द्ध ४–००
३३४ **सिद्धान्तकौमुदी** । मूलमात्र ११–००, १२–००
+३३५ **सिद्धान्तकौमुदी** । 'बालमनोरमा' एवं 'दीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित । (सर्वश्रेष्ठ अभिनव संस्करण) व्याख्याकार—श्री गोपालदत्त पाण्डेय
[श्रीयुत भट्टोजिदीक्षित प्रणीत सिद्धान्तकौमुदी का प्रस्तुत अभिनव संस्करण एक महत्त्वपूर्ण प्रकाशन है । पाणिनि की अष्टाध्यायी पर भट्टोजिदीक्षित ने प्रक्रियोपयोगी सूत्रों का चयन कर प्रकरण-विभाग का समावेश करते हुए "सिद्धान्तकौमुदी" नामक वृत्ति-ग्रन्थ लिखा । कौमुदी का मूल आधार अष्टाध्यायी के सूत्र हैं । इसकी अनेक टीकाओं में वासुदेव दीक्षित विरचित "बालमनोरमा" बहुत प्रसिद्ध एवम् उपयोगी है। वर्तमान समय में हिन्दी राष्ट्रभाषा होने के कारण संस्कृत के ग्रन्थरत्नों का हिन्दी में मौलिक व्याख्यान अपेक्षित है । व्याख्याकार ने व्याकरण की वैज्ञानिकता को दृष्टिगत कर 'दीपिका' व्याख्या द्वारा विषय को बोधगम्य बनाया है । साधनिका (रूपसिद्धि) करते समय प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को तत्सम्बन्धी सूत्रों द्वारा स्पष्ट करने का (गणित के समान हल करने का) प्रयास किया है । सूत्रार्थ करते समय अनुवृत्ति-क्रम, विभक्ति-विपर्यय, शब्दों की यौगिकसिद्धि, परिभाषाओं का ज्ञापन आदि प्रकारों की

उपयोगिता पर भी यथेष्ट बल दिया गया है। प्रस्तुत संस्करण की सहायता से छात्र मूल ग्रन्थ की उपयोगिता को समझ व्याकरण-शास्त्र की व्यावहारिकता को जानने में समर्थ होंगे। केवल छात्रवर्ग ही इससे उपकृत नहीं होगा अपितु शोध-कर्ताओं के लिये भी इसमें प्रचुर सामग्री उपलब्ध होगी।] कारकान्तः प्रथमो भागः ४५–००
शेषभाग शीघ्रप्राप्य

*३३६ **सिद्धान्तकौमुदी बालमनोरमाटीका**। सम्पादक—श्रीगोपालदत्त पाण्डेय
[बालमनोरमा टीका सहित "सिद्धान्तकौमुदी" का अभिनव संस्करण प्रस्तुत करते हुए बड़े हर्ष का अनुभव हो रहा है। प्रस्तुत संस्करण में शुद्धता के साथ सम्पादन किये जाने के अतिरिक्त मूल ग्रन्थों से प्रथित-सिद्धान्तों के उद्धरण यथास्थान टिप्पणी के रूप में समाविष्ट किए गए हैं। इससे बालमनोरमा टीका की उपयोगिता और बढ़ गई है। ग्रन्थ के अन्त में परिशिष्ट रूप में सूत्र, वार्तिक तथा परिभाषा एवं गणपाठ सूची के अतिरिक्त रूपसिद्धि प्रकार तथा पंक्ति-लेखनादि का समावेश किया गया है। छात्रों की अध्ययन सम्बन्धी कठिनाइयों को दूर करने में यह संस्करण सर्वथा उपयोगी सिद्ध होगा। परिशिष्ट के अन्त में अनेकों वर्षों के प्रश्नपत्रों का भी समावेश कर दिया है। शेष भाग शीघ्रप्राप्य कारकान्त १४–००

*३३७ **सिद्धान्तकौमुदी-बालमनोरमाटीका**। प्रथम भाग १०–५०, द्वितीय भाग १०–५०
तृतीय भाग ८–५०, चतुर्थ भाग १०–५०, सम्पूर्ण ४०–००

३३८ **सिद्धान्तकौमुदी**। 'बालमनोरमा' 'तत्वबोधिनी' टीका सहित। श्रीगिरिधर शर्मा एवं परमेश्वरानन्द सम्पादित। १–४ भाग अजिल्द ४८–०० सजिल्द ६४–००

३३९ **सिद्धान्तकौमुदी**। तत्वबोधिनी टीका। सटिप्पण ३०–००

३४० **सिद्धान्तकौमुदी**। सविमर्श हिन्दी टीका सहित। श्री बालकृष्ण पञ्चोली
कारकान्त प्रथम भाग १५–००, समासादि-द्विरुक्तान्त द्वितीय भाग १५–००
भ्वादिचुराद्यन्त तृतीय भाग १५–००, ण्यन्तादि-कृदन्तान्त चतुर्थ भाग २०–००

३४१ **सिद्धान्तकौमुदी**। पं० गोपालशास्त्री नेने कृत 'सरला' टीका सहित। स्त्रीप्रत्ययान्त ३–००

३४२ **सिद्धान्तकौमुदी**। 'इन्दुमती' टीका। परीक्षोपयोगी परिशिष्ट भूमिकादि सहित।
पं० रामचन्द्र झा प्रथम भाग ६–००, द्वितीय भाग ८–००

*३४३ **सिद्धान्तकौमुदी-कारकप्रकरणम्**। उमेशचन्द्र पाण्डेय। हिन्दी व्याख्या
[इसमें काशिका के आधार पर सूत्रों की हिन्दी व्याख्या तथा प्रयोगों की साधनिका भी आधुनिक सरल सुबोध हिन्दी भाषा में दी गई है।] [वि. सं. ६०] ३–५०

*३४४ **सिद्धान्तकौमुदी-वैदिकीप्रक्रिया**। हिन्दी व्याख्या सहित। श्रीउमाशंकरशर्मा 'ऋषि'
[व्याख्या में समासविग्रह, व्युत्पत्ति, प्रयोगों की साधनिका तथा परीक्षोपयोगी विवरण भी दिये गए हैं।] [वि. सं. ८०] ७–००

३४५ **सिद्धान्तकौमुदी**। पंक्तिपदार्थविवरणरूपा भावबोधिनी ५–००

३४६ **सिद्धान्तकौमुदी**। शैषिकादि-द्विरुक्तान्ततद्धित-प्रयोगसूची १–००

३४७ **सिद्धान्तकौमुदी**। भ्वाद्यादिचुरादिगणान्तप्रयोगसूची। अमृता टिप्पणी १–५०

३४८ **सिद्धान्तकौमुदी-सोत्तरा-प्रश्नावली**। पं० रामचन्द्र झा। १–२ भाग ८–००

३४९ **सिद्धान्तकौमुदी-सोत्तरा-प्रश्नावली**। सम्पा० रामगोविन्द शुक्ल। १–४ भाग १७–००

३५० **सिद्धान्तकौमुदी-सोत्तरा-प्रयोगसूची**। इन्दुमती टिप्पणी सहित। १–५ भाग ८–२५

३५१ **सिद्धान्तकौमुदी-प्रयोगसूची**। जितेन्द्रियाचार्य। भाषा टीका १–४ भाग ६–५०

३५२ **सिद्धान्तकौमुदी-स्वरवैदिकप्रक्रिया-प्रयोगसूची**। पं० केशवमिश्र शास्त्री ०–७५

३५३ **सिद्धान्तकौमुदी-स्वरवैदिक प्रश्नोत्तरी**। पं० विश्वेश्वर झा ३–५०

३५४ **सिद्धान्तचन्द्रिका**। रामाश्रमप्रणीत। बालबोधिनी टीका सहित। सम्पूर्ण १–२ भाग ६–५०

३५५ सिद्धान्तचन्द्रिका । सुबोधिनी-तत्त्वदीपिका टीका पूर्वार्द्ध १५-००, उत्तरार्द्ध १५-००
३५६ सुबोध संस्कृत भाषा विज्ञान । (प्रश्नोत्तर) जयकिशन प्रसाद २-५०
३५७ सूत्रशैली और अपभ्रंश व्याकरण । डॉ० परममित्र शास्त्री १२-००
३५८ स्फोटदर्शन । रङ्गनाथ पाठक १०-००
३५९ स्फोटनिर्णयः । कौण्डभट्ट विरचित । आंग्लानुवाद सहित । सम्पा० एस. डी. जोशी २५-००
३६० स्फोटवादः । नागेशकृत । वी० कृष्णमाचार्य २०-००
+३६१ स्फोटवादविवेचनम् । डॉ० कृष्णमणि त्रिपाठी २-५०
३६२ स्फोटसिद्धिः । मण्डनमिश्र । आंग्लानुवाद सहित । के० ए० सुब्रह्मण्य अय्यर १५-००
३६३ स्वरप्रक्रिया । रामचन्द्रपण्डितविरचिता स्वोपज्ञव्याख्ययासहिता २५-००
३६४ स्वरप्रक्रिया प्रकाश । डॉ० वामदेव मिश्र ६-००
३६५ स्मालर संस्कृत ग्रामर (हिन्दी) । एम० आर० काले ६-००
३६६ हायर संस्कृत ग्रामर (अंग्रेजी) । एम० आर० काले १२-५०, १८-००
३६७ हायर संस्कृत ग्रामर । एम० आर० काले । अनुवादक—डॉ० कपिलदेव द्विवेदी १२-००
३६८ हिन्दी ध्वनिकी और ध्वनिमी । रमेशचन्द्र मेहरोत्रा २५-००

न्याय-ग्रन्थाः

१ अनुमानचिन्तामणि । कौण्डभट्टकृत 'दीधिति' टीका सहित । १-२ भाग १५-००
२ अनुमानदीधितिप्रसारिणी । कृष्णदास सार्वभौम कृत । १-३ भाग २-२५
३ आरम्भवादः । आचार्य बदरीनाथ शुक्ल २-००
४ उद्योतकर न्यायवार्तिक : एक अध्ययन । डॉ० दयाशङ्कर शास्त्री ४०-००
५ कारकचक्रम् । माधवी टीका-प्रदीप टिप्पणी सहित २-००
+६ कारिकावली-मुक्तावली । 'बालप्रिया' विस्तृत हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकार—श्रीगजाननशास्त्री मुसलगाँवकर । प्रत्यक्षखण्डान्त
[विश्वविख्यात श्रीविश्वनाथपञ्चानन भट्टाचार्य विरचित 'न्यायसिद्धान्तमुक्तावली' ग्रन्थ के महत्त्व से संस्कृत-छात्र से लेकर दिग्गज विद्वान् तक कोई भी अपरिचित नहीं है । दर्शनादि सभी शास्त्रों में प्रवेश पाने के हेतु इस ग्रन्थ के अध्ययन की परम आवश्यकता होती है, किन्तु न्यायशास्त्र की दुरूहता और अध्यापकों की विलक्षण अध्यापन शैली के कारण छात्रवर्ग इस ग्रन्थ के अध्ययन से जी चुराने लगता है, किन्तु अभिनव प्रकाशित 'बालप्रिया' व्याख्या के अध्ययन से छात्रवर्ग को अब कोई भय का कारण नहीं रह गया । इस व्याख्या के द्वारा न्याय-वैशेषिकशास्त्र के पद-पदार्थों को खूब अच्छी तरह से समझाया गया है । इस व्याख्या के अध्ययन एवं चिन्तन करने से दिनकरी, रामरुद्री जैसी महत्त्वपूर्ण प्रामाणिक दुरवगाह व्याख्याओं को छात्रगण सरलता से समझ सकते हैं । इस 'बालप्रिया' व्याख्या में मुक्तावली का रहस्य, मूलपङ्क्ति का अर्थ तथा तत्सम्बन्धित कितनी ही ऊपरी बातों को बताया गया है, जिनके समझ लेने से न्याय तथा अन्य शास्त्रों में प्रवेश पा लेना सरल हो जाता है । यह पुस्तक संस्कृत छात्र और विद्वान् दोनों के लिये संग्राह्य है । १२-५०
७ कारिकावली-मुक्तावली । 'मयूख' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । प्रत्यक्षखण्ड ६-००
अनुमान-शब्दखण्ड ८-००
८ कारिकावली-मुक्तावली । शब्दखण्डः । भाषाटीका सहित ४-००
९ कारिकावली-मुक्तावली-दिनकरी-रामरुद्री । पण्डितराज-श्रीराजेश्वरशास्त्रि-प्रपूरित–रामरुद्री–तरङ्गिणी-दिनकरीभ्यां संवलिता ४०-००
१० का० मुक्तावली-तत्त्वालोकः । श्री रुद्रधर झा शर्मा २-००
११ केवलान्वयिप्रकरणम् । दीधिति–जागदीशी–नारायणीटीकासमन्वितम् ४-००

१२ **क्रोडपत्रसंग्रहः** । श्रीकालीशङ्करप्रणीतानि अनुमानजागदीशी-अनुमानगादाधरी-क्रोडपत्राणि । जागदीशीक्रोडपत्रम् समाप्त । गादाधरीक्रोडपत्रम् ५-८ खण्ड २५-००
१३ **गणकारिका** । आचार्य भासर्वज्ञ विरचित ७-००
१४ **गादाधरी** । (अनुमानचिन्तामणितद्व्याख्याशिरोमणिकृतदीधितिगर्भिता) सम्पादक—श्री कीर्त्यानन्द झा । सिद्धान्तलक्षणप्रकरणान्त ३०-००, सम्पूर्ण २००-००
१५ **गादाधरी-अवयवप्रकरणम्** । ज्वालाप्रसाद गौड़ कृत संस्कृत टीका सहित १५-००
१६ **गादाधरीसव्यभिचारप्रकरणम्** । वामाचरणभट्टाचार्य कृत व्याख्या सहित ६०-००
१७ **गादाधरी-सामान्यनिरुक्तिः** । चन्द्रकला-विलासिनीटीकाद्वयोपेता १०-००
१८ **गादाधरी- सामान्यनिरुक्तिः** । गङ्गेशोपाध्याय । दीधिति-गादाधरी-बलदेवी विमलाप्रभा टीकायुत २०-००
१९ **गादाधरी-सामान्यनिरुक्तिः** । शिरोमणि गदाधर कृत विवृत्तद्वय तथा टीका-अन्वय-वादार्थ सहित ८-००
२० **जा० अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः** । 'लक्ष्मी' व्याख्या सहित । दत्तात्रेय शास्त्री १०-००
२१ **जागदीशी अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः** । वामाचरणभट्टाचार्य कृत 'मनोरमा' टीका १०-००
२२ **जा० व्यधिकरणम्** । स्वामिरामप्रपन्नाचार्यकृतदीपिकाटीकोपेतम् १२-००
२३ **जा० व्याप्तिपञ्चकं सिंहव्याघ्रलक्षणम्** । पं० श्यामसुन्दर झा ३-००
२४ **जा० सामान्यलक्षणाप्रकरणम्** । काशिकानन्दी व्याख्या सहित ८-००
२५ **जा० सिद्धान्तलक्षणम्** । 'लक्ष्मी' व्याख्या विभूषित २०-००
२६ **जागदीशी-सिंहव्याघ्रलक्षणम्** । वामाचरणभट्टाचार्य कृत व्याख्या सहित ५-००
२७ **तत्त्वचिन्तामणिः** । टीकाद्वयोपेतम् । एन० एस० रामानुजाचार्य । प्रत्यक्षखण्ड ३७-००
२८ **तत्त्वचिन्तामणिः** । गङ्गेशोपाध्यायविरचित । 'आलोक'-'दर्पण' व्याख्याद्वय । प्रत्यक्षखण्डे प्रामाण्यवादः १२-००
२९ **तत्त्वचिन्तामणिः** । तत्त्वचिन्तामणिरहस्य-व्याख्यायुत । मंगलवादान्तः । सम्पा० पं० बदरीनाथ शुक्ल १५-००
३० **तत्त्वप्रभावली** । कृष्णवल्लभाचार्यसम्पादिता ५०-००
३१ **तर्ककुतूहल** । विश्वेश्वरपाण्डेय । सम्पादक—जनार्दनशास्त्री पाण्डेय ७-००
३२ **तर्कताण्डवम्** । व्यासतीर्थ कृत । राघवेन्द्रतीर्थ कृत न्यायदीप व्याख्या । २-४ भाग ७-७५
३३ **तर्कभाषा** । केशवमिश्र प्रणीत । मूल १-००
३४ **तर्कभाषा** । मूलमात्र । कुलकर्णी सम्पादित २-५०
३५ **तर्कभाषा** । डॉ० गङ्गानाथ झा कृत आंग्लानुवाद सहित ६-००
३६ **तर्कभाषा** । चिन्नंभट्ट विरचित व्याख्या सहित १०-००
३७ **तर्कभाषा** । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि कृत हिन्दी व्याख्या सहित १६-००
३८ **तर्कभाषा** । अचार्य बदरीनाथशुक्ल कृत हिन्दी टीका १०-००
३९ **तर्कभाषा** । हिन्दी व्याख्या, परीक्षोपयोगी नोट्स सहित । डॉ० श्रीनिवासशास्त्री १२-००
४० **तर्कभाषा** । 'तत्त्वालोक' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ८-००
४१ **तर्कभाषा** । (प्रश्नोत्तर, हिन्दी व्याख्या सहित) । राधेश्याम शर्मा २-००
४२ **तर्कभाषारहस्यम्** । (तर्कभाषा प्रश्नोत्तरी) ०-५०
४३ **तर्कशास्त्र-ज्ञान की आकारिका** । वर्नार्ड बोसाके । अनुवादक—सिन्हा २४-००
+४४ **तर्कसंग्रहः** । प्रथमा परीक्षोपयोगी हिन्दी टीका सहित । श्रीशेषराजशर्मा रेग्मी १-२५
+४५ **तर्कसंग्रहः** । 'सपदकृत्य'-चन्द्रकला हिन्दी टीका सहित । [पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष अनिवार्य प्रथमपत्र में निर्धारित] आचार्य श्रीशेषराज शर्मा रेग्मी २-५०
४६ **तर्कसंग्रहः** । प्राचीनतम नौ टीकाओं से विभूषित १०-००
४७ **तर्कसंग्रहः** । 'न्यायबोधिनी' व्याख्या । केदारनाथ त्रिपाठी ४-२५

४८ **तर्कसंग्रहः** । स्वकृत दीपिका, गोवर्धन कृत न्यायबोधिनी, अठवले कृत नोट्स वोडस कृत आंग्लानुवाद सहित । पुसलकर कृत संशोधित परिवर्द्धित ३०-००
४९ **तर्कसंग्रहः** । दीपिका हिन्दी टीका सहित २-००
५० **तर्कसंग्रहः** । 'दीपिका' व दीपिका की हिन्दी टीका । आनन्द झा १२-५०
५१ **तर्कसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित । दयानन्द भार्गव १०-००
५२ **तर्कसंग्रहः** । 'न्यायबोधिनी'-'पदकृत्य'-'विरला' सं० टीका एवं 'इन्दुमती' हिन्दीटीका ३-००
५३ **तर्कसंग्रहः** । एस० एन० शास्त्री सम्पादित १५-००
५४ **तर्कसंग्रहः** । कृष्णकल्याणमणि विरचित फक्किकादीपिका व्याख्या सहित ३-००
५५ **तर्कसंग्रहः** । सिद्धान्तचन्द्रोदय व्याख्या सहित ३-००
५६ **तर्कसंग्रहतारोदय** । एस० एन० शास्त्री सम्पादित १०-००
*५७ **तर्कसंग्रह-रहस्यम्** । (तर्कसंग्रह-प्रश्नोत्तरी) श्री कीर्त्यानन्द झा [वि. सं. ९५]
[इस पुस्तिका में 'न्यायबोधिनी' 'पदकृत्य' तथा 'दीपिका' आदि के प्रश्नोत्तर लिखे गये हैं । परीक्षा की दृष्टि से प्रश्नोत्तरों पर ध्यान दिया गया है ।] १-००
*५८ **तर्कामृत** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, 'परीक्षासेतु' नामक परिशिष्ट सहित
[इस पुस्तक की ऐसी सरल संस्कृत-हिन्दी व्याख्या की गई है कि छात्र स्वयं इसका अध्ययन कर परीक्षा में सफलता प्राप्त कर लेंगे ।] [वि. सं. ६] २-००
५९ **त्रितलावच्छेदकतावादः** । शशिनाथ झा विरचिता ४-००
६० **द्वादशारनयचक्रम्** । मल्लवादिसूरिविरचित । 'न्यायागमानुसारिणी' व्याख्या १६-००
६१ **'न च' रत्नमालिका** । शास्त्रशर्मा विरचित । स्वोपज्ञ नूतनालोक व्याख्या सहित ६-५०
*६२ **न्यायकुसुमाञ्जलि** । हरिदासी टीका सहित । हिन्दी व्याख्याकार—
आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि
[विद्वान् व्याख्याकार ने शास्त्रार्थ के दुरूह स्थलों पर विमर्श में इतना सुविस्तृत और गंभीर विवेचन किया है कि यह व्याख्या हिन्दी में न्यायकुसुमाञ्जलि की एक स्वतन्त्र मौलिक रचना बन गई है ।] [वि. सं. ७४] २०-००
६३ **न्यायकुसुमाञ्जलिः** । भाषानुवाद सहित । सम्पा० पं० दुर्गाधर झा ५६-५०
६४ **न्यायकुसुमाञ्जलिः** । 'आमोद' 'विवेक' 'बोधिनी' एवं 'परिमल' व्याख्या सहित । सम्पा० महाप्रभुलाल गोस्वामी ३५-००
६५ **न्यायकोश** । म० म० भीमाचार्य झलकीकर । अभ्यङ्कर सम्पादित १४०-००
६६ **न्यायकौस्तुभः** । महादेवपुणतामकर विरचित । अनुमानखण्ड-द्वितीय भाग १०-००
६७ **न्यायदर्शन** । (वात्स्यायनभाष्य) हिन्दी टीका सहित । पं० ढुण्डिराज शास्त्री २५-००
६८ **न्यायदर्शन** । वात्स्यायनभाष्य । गङ्गानाथ झा प्रणीत खद्योत टीका ४०-००
६९ **न्यायदर्शनम्** । वात्स्यायनभाष्य । विश्वनाथवृत्तिसमेत १०-००
७० **न्यायदर्शनम्** । वात्स्यायनभाष्य, उद्योतकरवार्तिक, तात्पर्य टीका सहित । सम्पा० अनन्तलाल ठाकुर । प्रथम भाग २५-००
७१ **न्यायदर्शन-विद्योदयभाष्य** । उदयवीर शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ३०-००
७२ **न्यायदर्शनम्** । श्रीरामशर्मा कृत हिन्दी टीका सहित ५-७५
७३ **न्यायनिबन्धावली** । रूपनाथ झा सम्पादित ८-००
*७४ **न्याय-परिचय** । म० म० फणिभूषण तर्कवागीश । अनु० श्रीकिशोरनाथ झा
[लेखक ने गहन अध्ययन के पश्चात् ऐतिहासिक, दार्शनिक तथा मनोवैज्ञानिक अध्ययन की विभिन्न विचारधाराओं पर यथेष्ट विचार करके यह ग्रन्थ प्रस्तुत किया है । न्यायशास्त्र के प्रामाणिक इतिहास के परिचय के लिये यह ग्रन्थ अद्वितीय है ।] [वि. रा. ११८] २०-००

७५ **न्यायपरिशिष्टम्** । उदयनाचार्य । 'वामेश्वरध्वजपञ्जिका' संस्कृत व्याख्या सहित । डॉ० एस० एन० रामदेशिक सम्पादित २९-००
७६ **न्यायप्रकाश** । (न्यायशास्त्र) स्वामी चिद्घनानन्द कृत । भाषा ४५-००
७७ **न्यायबिन्दुः** । बौद्धाचार्य श्रीधर्मकीर्तिप्रणीत । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १०-००
७८ **न्यायबिन्दुः** । धर्मकीर्ति । हिन्दी अनुवाद मात्र । अनु० गोविन्दचन्द्र पाण्डेय ८-००
७९ **न्यायबिन्दुः** । धर्मकीर्ति । धर्मोत्तर तथा विनीतदेव टीकायुक्त । द्वारिकादास शास्त्री सम्पादित २०-००, २५-००
८० **न्याय बिन्दुटीका** । भाषानुवाद-व्याख्यात्मक टिप्पणी । डॉ० श्रीनिवास शास्त्री १७-००
८१ **न्यायबिन्दु-सूची** । संस्कृत-तिब्बती । सतीशचन्द्र विद्याभूषण संकलित २-००
८२ **न्यायभूषण** । श्रीभासर्वज्ञप्रणीतस्वोपज्ञव्याख्यानं । स्वामी योगिन्द्रानन्द २०-००
८३ **न्यायमञ्जरी** । जयन्तभट्ट कृत । टिप्पणी समेत ३५-००
८४ **न्यायमञ्जरी** । "त्रिपानीन्यायसौर" । सम्पा० के० एस० वरदाचार्य । प्रथम भाग ५२-५०
८५ **न्यायमञ्जरी-ग्रन्थिभङ्गः** । चन्द्रधर कृत । नगीन जी० शाह सम्पादित । प्रथम आह्निक ५०-००
८६ **न्यायरत्नम्** । मणिकण्ठमिश्रकृतम् । नृसिंहयज्वकृत 'द्युतिमालिका' टीका १०-००
८७ **न्यायलीलावती** । श्रीभगीरथठक्कर कृत 'विवृत्ति' सनाथेन श्री वर्धमानोपाध्याय कृत 'प्रकाशेन' समुद्भासिता, श्री शङ्करमिश्र रचित 'कण्ठाभरणेन' च समन्विता ५०-००
८८ **न्यायलीलावती** । श्रीमद्वल्लभाचार्य प्रणीत । मूलमात्र ४-००
८९ **न्यायशास्त्रार्थकला** । पं० वेणीमाधव शास्त्री २-००
९० **न्यायशास्त्रीय ईश्वरवाद (बौद्धदर्शन की पृष्ठ-भूमि में)** । डॉ० किशोरनाथ झा ३५-००
९१ **न्यायसारः** । आचार्य भासर्वज्ञ कृत । न्यायसारपदपञ्जिका व्याख्या सहित ८-००
९२ **न्यायसारः** । भासर्वज्ञ कृत । न्यायमुक्तावली व्याख्या आनन्दानुभवाचार्य कृत न्यायकलानिधि व्याख्या सहित १८-००
९३ **न्यायसारविचारः** । उमारमण झा २१-००
९४ **न्यायसिद्धान्तमञ्जरी** । जानकीनाथ विरचित । यादवाचार्य कृत व्याख्या सहित १०-००
+९५ **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** । विश्वनाथपञ्चाननविरचित । श्रीगजाननशास्त्री मुसलगाँवकर कृत 'बालप्रिया' विस्तृत हिन्दी व्याख्या सहित । प्रत्यक्षखण्ड १२-५०
९६ **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रश्नोत्तरी)** । श्री विश्वनाथ शास्त्री २-००
९७ **न्यायोक्तिकोषः** । छविनाथ मिश्र ४०-००
९८ **पदवाक्यरत्नाकरः** । यदुनाथमिश्र रचित गूढार्थदीपिका व्याख्या सहित २५-००
९९ **पदार्थशास्त्र** । श्री आनन्द झा न्यायाचार्य । भाषा ८-००
१०० **पदार्थीयदिव्यचक्षु** । उमापति उपाध्याय विरचित २-५०
१०१ **प्रमाणप्रमोदः** । चित्रधरमिश्रविरचित । सम्पा० श्रीमती उज्ज्वला शर्मा ७-५०
१०२ **प्रमाणमञ्जरी** । सर्वदेवविरचिता ०-५०
१०३ **प्रमाणमञ्जरी** । सर्वदेवविरचिता । बलभद्रमिश्र-अद्वयारण्ययोगि-वामनभट्टविरचिता व्याख्यात्रयसमन्विता ६-००
१०४ **प्रमाणान्तर्भावः** । सम्पा० यतीन्द्रचन्द्र न्यायाचार्य १६-००
१०५ **प्रमेयकमलमार्तण्डः** । प्रभाचन्द्राचार्य प्रणीत ३०-००
१०६ **प्रामाण्यवादः** । गदाधरभट्टाचार्य कृत ५-५०
१०७ **प्रामाण्यवाद-दीपिका** । श्री वामाचरण भट्टाचार्य विरचित १-५०
१०८ **भारतीय न्यायशास्त्र : एक अध्ययन** । डॉ० ब्रह्ममिश्र अवस्थी २५-००
१०९ **मणिकणः** । आंग्लानुवाद सहित १०-००
११० **माथुरी-तर्कप्रकरणम्** । वामाचरणभट्टाचार्य विरचित 'विवृत्ति' सहित २-००

१११ **माथुरी-पञ्चलक्षणी** । व्याप्तिपञ्चकम् । श्रीलोकनाथशास्त्री कृत सरला टीका ७–५०
११२ **लक्षणमाला** । उदयनाचार्य कृत । शशिनाथ झा कृत व्याख्या सहित ३–००
११३ **वादवारिधिः** । श्रीगदाधरभट्टाचार्यादिविपश्चिद्वरैर्विरचितः प्रत्यक्षानुमानशब्दपरिशिष्टाख्यकल्लोलचतुष्टयात्मकः । १–३ खण्ड २०–००
११४ **विषयतावादः** । श्रीढुण्ढिराजशास्त्रीकृतटिप्पणीसमेतः १–५०
११५ **विधिस्वरूपविचारः** । गदाधरभट्टाचार्य । यादवेन्द्रनाथराय कृत विधिबोधिनी टीका १०–००
११६ **व्याप्तिपञ्चकम्** । माथुरी-जागदीशी-गादाधरी टीका सहित ४–००
११७ **व्युत्पत्तिवादः** । शशिनाथ झा कृत 'अर्थदीपिका' टीका एवं धर्मदत्त (बच्चा झा) कृत 'गूढार्थतत्वालोक' २५–००
११८ **व्युत्पत्तिवादः** । बच्चा झा प्रणीत 'गूढ़ार्थतत्त्वालोक' बृहत्तम भूमिकादि सहित ४५–००
११९ **व्युत्पत्तिवादः** । श्री वेणीमाधवशास्त्री रचित 'शास्त्रार्थकला' टीका सहित १०–००
१२० **व्युत्पत्तिवादः** । पं० शिवदत्तकृतव्याख्या । सम्पा० ज्वालाप्रसाद गौड़ १५–००
१२१ **व्युत्पत्तिवादतरणिः** । (व्युत्पत्तिवाद-प्रश्नोत्तरी) उग्रानन्द झा १–२५
१२२ **व्युत्पत्तिवाद कुञ्जिका** । गौरीनाथ पाठक १–५०
१२३ **शक्तिवादः** । पं० श्री हरिनाथतर्कसिद्धान्तभट्टाचार्य विरचित विवृत्ति सहित १५–००
१२४ **शब्दबोधविमर्शः** । डॉ० बदरीनाथ सिंह १५–००
१२५ **शब्दशक्तिप्रकाशिका** । श्रीजगदीशतर्कालंकारविनिर्मिता । श्रीकृष्णकान्तविद्यावागीशकृतकृष्णकान्तिटीकया, श्रीमद्रामभद्रसिद्धान्तवागीशविरचितया प्रबोधिनीटीकया च समलंकृता । सटिप्पणा ४०–००
१२६ **शाब्दतरङ्गिणी** । के० सुब्रह्मण्यशास्त्री ६–००
१२७ **गौतमीयसूत्रप्रकासः** । केशवमिश्र प्रणीत । सम्पा० डॉ० किशोरनाथ झा २४–००

सांख्य-ग्रन्थाः

१ **तत्वसमाससूत्रम्** । भावागणेशकृत । तत्वयाथर्थ्यदीपन टीका सहित २–००
२ **महाभारत और पुराणों में सांख्यदर्शन** । डा० रामसुरेश पाण्डेय ५०–००
*३ **सांख्यकारिका** । ईश्वरकृष्ण । गौड़पादभाष्यसहित । 'भाष्यभाववर्णिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्यायुक्त । व्याख्याकार—पं० ज्वालाप्रसाद गौड़
[सांख्यकारिका के ऊपर 'गौड़पादभाष्य' सर्वोपरि व्याख्या मानी जाती है । परन्तु भावगर्भित जटिल होने के कारण कोमल मति परीक्षार्थी छात्रों के लिये वह दुरूह प्रतीत होता था । अतः लेखक ने गौड़पादभाष्य सहित सांख्यकारिका की सान्वय सरल सुबोध-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की है ।] [वि. सं. १३८] ४–५०
+४ **सांख्यकारिका** । संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ५–००
५ **सांख्यकारिका** । माठरवृत्ति सहित । सम्पादक—विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी १५–००
६ **सांख्यकारिका** । डा० ब्रजमोहन चतुर्वेदी १६–००
७ **सांख्यकारिका** । प्रश्नोत्तर, हिन्दी व्याख्या, टिप्पणी सहित २–००
८ **सांख्यकारिका** । टी० जी० मैंकर सम्पादित आंग्लानुवाद सहित २०–००
९ **सांख्यतत्त्वकौमुदी** । ज्योतिष्मती व्याख्या, हिन्दी अनुवाद सहित १५–००, २५–००
१० **सांख्यतत्त्वकौमुदी** । 'तत्त्वप्रकाश' हिन्दी व्याख्यासहित । श्रीगजाननशास्त्री २०–००
११ **सांख्यतत्त्वकौमुदी** । 'सारबोधिनी' व्याख्यायुक्त १५–००
१२ **सांख्यतत्त्वकौमुदी** । डॉ० गङ्गानाथ झा कृत आंग्लानुवाद सहित २०–००
१३ **सांख्यतत्त्वप्रदीप** । डॉ० अमलधारी सिंह ६–००
१४ **सांख्यदर्शन** । श्रीरामशर्माआचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ५–७५
१५ **सांख्यदर्शन** । स्वामी ब्रह्ममुनि कृत भाषा-भाष्य सहित ४–००

१६ **सांख्यदर्शन**। विज्ञानभिक्षुभाष्य हिन्दी टीका सहित। सम्पा० रामशंकर २०-००, २५-००
१७ **सांख्यदर्शनम्**। विज्ञानभिक्षु कृत सांख्यप्रवचनभाष्य ८-००
१८ **सांख्यदर्शनम्**। महादेववेदान्ति नागेशभट्टकृतटीकाद्वय। जनार्दनशास्त्री पाण्डेय १५-००
१९ **सांख्यदर्शनम्-विद्योदयभाष्य**। हिन्दी टीका सहित। उदयवीर शास्त्री २०-००
२० **सांख्यदर्शन का इतिहास**। उदयवीर शास्त्री ५०-००
२१ **सांख्यदर्शन का सांख्यार्य्य भाष्य**। भाष्यकार—'आर्यमुनि' २०-००
२२ **सांख्ययोगकोशः**। केदारनाथ त्रिपाठी ५-२५
*२३ **सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार**। श्री हरिशंकर जोशी
[इस ग्रन्थ में आदिकाल से लेकर विज्ञानभिक्षु के काल तक सभी आचार्यों तथा उल्लिखित ग्रन्थों का समालोचनापूर्ण इतिहास, दर्शनों के मूलस्रोत का विशद विवेचन आदि महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रामाणिक विचार देखने को मिलेंगे। लेखक का दावा ग्रन्थ के नाम से ही स्पष्ट है।] [वि. रा. ८५] २५-००
२४ **सांख्यसंग्रहः**। षिमानन्द [क्षेमेन्द्र] विरचित साख्यतत्त्वविवेचन, वैकुण्ठयतिशिष्य कविराजयति प्रणीत सांख्यतत्वप्रदीप आदि ९ ग्रन्थों का संग्रह १५-००
२५ **सांख्यसार**। विज्ञानभिक्षु विरचित ४-५०, ८-००
२६ **सांख्यसिद्धान्त**। (हिन्दी) उदयवीर शास्त्री २४-००
२७ **सांख्यसूत्रम्**। अनिरुद्धवृत्ति सहित ४-००
२८ **सांख्यसूत्रम्**। अनिरुद्धवृत्ति। प्रमथनाथतर्कभूषण कृत विस्तृत टीका सहित ८-००

मीमांसा-ग्रन्थाः

१ **अङ्गत्वनिरुक्तिः**। (मीमांसादर्शनेऽङ्गाङ्गऽङ्गाङ्गिभावविमर्शकः श्रीमन्मुरारि मिश्रविरचितप्रबन्धः) १२-५०
२ **अधिकरणकौमुदी**। श्री देवनाथठक्कुर कृत ६-००
३ **अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्तिः**। वासुदेवदीक्षितविरचित। सम्पादक— श्रीपट्टाभिरामशास्त्री। १-४ भाग सम्पूर्ण १०६-००
४ **अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्तिः**। कुप्पूस्वामि सम्पादित प्र०अ० अधिकरण '१६ सू० ३८' २५-००
+५ **अर्थसंग्रहः**। 'मीमांसार्थसंग्रहकौमुदी' तथा 'प्रकाशिका' हिन्दी व्याख्योपेतः। डॉ० श्री कामेश्वरनाथ मिश्र
[अर्थसंग्रह मीमांसादर्शन के जिज्ञासुओं के लिये एक अत्यन्त उपयोगी ग्रन्थ है। इसीलिये यह विभिन्न विश्वविद्यालयों की विभिन्न कक्षाओं में पाठ्यग्रन्थ के रूप में निर्धारित है। मीमांसादर्शन की दुरूहता के कारण उपयोगी होने पर भी इस ग्रन्थ के विषयों को हृदयङ्गम कर पाना कठिन है। ग्रन्थ के पाठ भी अनेक स्थलों पर विवादास्पद हैं। विद्यार्थियों तथा जिज्ञासुओं के हितार्थ इस ग्रन्थ के मूल का हिन्दी में सरल अनुवाद करके सम्बद्ध विषय तथा दुरूह पंक्तियों का स्पष्टीकरण 'प्रकाशिका' नाम की हिन्दी व्याख्या में कर दिया गया है। विषय को स्पष्ट करने के लिये अनेक रेखाचित्र भी यथास्थान सन्निविष्ट हैं। मूल ग्रन्थ का पाठ संशोधन प्राचीन पाण्डुलिपियों के आधार पर किया है। प्रतिपाद्य विषय की व्याख्या अनेक मौलिक तथा टीका ग्रन्थों के आधार पर सप्रमाण की गई है। संस्कृत के छात्रों के लिये रामेश्वर शिवयोगी की संस्कृत व्याख्या 'कौमुदी' भी दी गयी है। हिन्दी व्याख्या की भाषा इतनी सरल एवं सरस है कि छात्रों को विषय समझने में रञ्चमात्र भी कठिनाई नहीं होगी। भूमिका में ग्रन्थ, ग्रन्थकार आदि के विषय में तथा अन्त में ग्रन्थ में उद्धृत मन्त्रों की सूची, पारिभाषिक शब्दानुक्रमणी आदि सामग्री देकर ग्रन्थ को और भी अधिक उपयोगी बनाया गया है।] १५-००
६ **अर्थसंग्रहः**। 'मीमांसार्थसंग्रहकौमुदी' तथा 'दीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित ५-००

७ **अर्थसंग्रहः** । डॉ० जी० थीबो कृत आंग्लानुवाद सहित २०-००
८ **उपक्रम-पराक्रम** । अप्पयदीक्षित । सम्पा० ए० सुब्रह्मण्य शास्त्री १२-००
९ **कर्ममीमांसादर्शनम्** । संस्कृत भाष्य एवं सूत्रार्थ सहित ३-००
१० **कर्ममीमांसादर्शनम्** । भारद्वाज विरचित । हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग ९-२५
११ **ज्ञानमीमांसा** । भाषा । दयाकृष्ण ४-५०
१२ **जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः** । मीमांसादर्शनस्य अधिकरणमाला २४-००
१३ **तन्त्ररत्नम्** । पार्थसारथिमिश्र कृत । तृतीत-चतुर्थ भाग १८-५०
१४ **तन्त्रसिद्धान्तरत्नावली** । म० म० चिन्नस्वामि शास्त्री कृत ४-००
१५ **तत्त्वबिन्दुः** । वाचस्पति मिश्र । सम्पा० पं० ए० सुब्रह्मण्य शास्त्री १२-००
१६ **तौतातितमततिलकम्** । भवदेव विरचित । तृतीय भाग २-७५
१७ **न्यायरत्नमाला** । श्रीमत्पार्थसारथिमिश्र कृता । सुब्रह्मण्य शास्त्री सम्पादित १५-००
१८ **न्यायसुधा** । श्रीमद्भट्टसोमेश्वरकृता तन्त्रवार्तिक व्याख्या । १-१६ खण्ड १००-००
१९ **पूर्वमीमांसाधिकरणकौमुदी** । रामकृष्णभट्टाचार्य विरचित ६-००
२० **प्रकरणपञ्चिका** । शालिकनाथमिश्रविरचित । जयपुरीनारायणभट्ट कृत न्यायसिद्धि व्याख्या सहित । सम्पा० ए० सुब्रह्मण्य शास्त्री २५-००
२१ **प्रमाणलक्षणम्** । सर्वज्ञात्म महामुनि विरचित १०-००
२२ **बृहती** । प्रभाकरमिश्रविरचित (शाबरभाष्य व्याख्या) म० म० शालिकनाथ मिश्र कृत 'ऋजुविमला' व्याख्याद्वययुता २५-००
२३ **बृहती** (प्रथमाध्यायस्य द्वितीय पादात् द्वादश अध्याय पर्यन्तः) ७०-००
२४ **भाट्टचिन्तामणिः** । म० म० श्रीगागाभट्टविरचित १५-००
२५ **भाट्टतन्त्ररहस्यम्** । खण्डदेव कृत । सम्पा० पं० ए० सुब्रह्मण्य शास्त्री १०-००
२६ **भाट्टदीपिका** । खण्डदेव कृत । प्रभावली सहिता । निवीतान्त भाग १५-००
२७ **भाट्टभाषाप्रकाशः** । श्रीनारायणतीर्थमुनि विरचित ०-६०
२८ **मानमेयोदयः** । नारायणद्वयीप्रणीतः । स्वामी योगीन्द्रानन्द कृत हिन्दी व्याख्या १५-००
२९ **मानमेयोदयः** । आंग्लानुवाद सहित । सम्पा० सी० कुन्हन राजा ३०-००
३० **मीमांसाकोशः** । केवलानन्द सरस्वती सम्पादित । ३-७ भाग २७०-००
३१ **मीमांसाकौस्तुभः** । (मीमांसासूत्रोपरिकाचन विस्तृत टीका) श्री खण्डदेव १००-००
+३२ **मीमांसादर्शन-शाबरभाष्य** । तर्कपाद । हिन्दीव्याख्या सहित । डॉ० उमाशंकरशर्मा 'ऋषि'
[मीमांसादर्शन के तर्कपाद (प्रथमाध्याय के प्रथम पाद) का दार्शनिक क्षेत्र में बहुत सम्मान है क्योंकि वेद के प्रामाण्य के साथ शब्दार्थ का स्वरूप इसमें विवेचित हुआ है । प्रस्तुत संस्करण शाबरभाष्य के प्रत्यक्षर अनुवाद तथा दुरूह स्थलों की हिन्दी व्याख्या से परिपूर्ण है । आरम्भ में प्रायः ८० पृष्ठों की सर्वांगपूर्ण भूमिका में व्याख्याकार ने मीमांसादर्शन के इतिहास मुख्य विवेचन विषयों तथा तर्कपाद में आये हुए सिद्धान्तों की सम्यक् विवेचना की है । शीघ्रप्रकाश्य !
३३ **मीमांसादर्शनम्** । तन्त्रवार्तिकव्याख्या-शाबरभाष्यसमेतम् । १-७ भाग १८७-२५
३४ **मीमांसादर्शनम्** । श्रीरामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ७-००
३५ **मीमांसादर्शनम्** । मीमांसार्य्यभाष्य । भाष्यकार-आर्यमुनि । प्रथम ५०-००, द्वितीय ४०-००
३६ **मीमांसादर्शनविमर्शः** । डॉ० वाचस्पति उपाध्याय २०-००
३७ **मीमांसानुक्रमणिका** । श्रीमण्डनमिश्रकृता । म० म० गङ्गनाथ झा रचित 'मीमांसामण्डनेन' मण्डिता ३०-००
३८ **मीमांसान्यायप्रकाशः** । आपदेवी । मूलमात्र २-००, २-२५
३९ **मीमांसान्यायप्रकाशः** । आपदेवी । सम्पादक—वासुदेवशास्त्री अभ्यङ्कर ३०-००
४० **मीमांसापरिभाषा** । कृष्णयज्वकृत । हिन्दी टीका सहित २-५०

४१ **मीमांसारसपल्लवम्** । इन्द्रपतिप्रणीत । सम्पा० डॉ० किशोरनाथ झा ५-००
४२ **मीमांसाशाबरभाष्यम्** । आर्षमतविमर्शिन्या-हिन्दीव्याख्यासहितम् । युधिष्ठिर मीमांसक । प्रथम भाग ३०-००, द्वितीय भाग २४-००
४३ **मीमांसाश्लोकवार्तिकम्** । कुमारिलभट्टप्रणीतः । पार्थसारथिमिश्र कृत 'न्यायरत्नाकर' व्याख्या सहित । सम्पादक—रामशास्त्री तैलङ्ग । १-३ खण्ड १५-००
४४ **विधिविवेकः** । मण्डनमिश्र । वाचस्पतिमिश्र प्रणीत 'न्यायकणिका' सहित । डॉ० महाप्रभुलाल गोस्वामी ३०-००
४५ **विधिरसायनम्** । अप्पयदीक्षित । सुब्रह्मण्यशास्त्री सम्पादित ९-००
४६ **वेदप्रकाशः** । श्रीसत्यज्ञानानन्दतीर्थविरचित ६-००
४७ **शास्त्रदीपिका** । प्रथम भाग—तर्कपाद । हिन्दी टीका सहित । डॉ० किशोर दास जी ४०-००
४८ **शास्त्रदीपिका** । आचार्य ए० सुब्रह्मण्यशास्त्री सम्पादित । द्वितीय भाग १५-००
४९ **श्लोकवार्तिकम्** । कुमारिलभट्ट कृत । पार्थसारथि मिश्र कृत 'न्यायरत्नाकर' व्याख्या सहित । स्वामी द्वारिकादास शास्त्री सम्पादित ६०-००
५० **सङ्कर्ष-काण्ड-सूत्राणि** । जैमिनीमुनिप्रणीत । के० वी० शर्मा सम्पादित १०-००
51 Mimansa Jurispredenee (Sources of Hindu Law) By. A. S. Natraj Ayyer 4-00
52 Shabarabhashya. English Translation. By M. M. Dr. Ganganath Jha. 1-8 vols. 265-00

योग-ग्रन्थाः

१ **गोरक्षनाथचरित** । डॉ० चमनलाल गौतम ३-००
२ **गोरक्षपद्धतिः** । गोरखनाथ विरचित । हिन्दी टीका सहित १-५०
३ **गोरक्षसंहिता** । पं० जनार्दन पाण्डेय सम्पादित । १-२ भाग ८४-१०
४ **गोरक्षसंहिता** । विस्तृत हिन्दी व्याख्या सहित । डॉ० चमनलाल गौतम ३-२५
५ **गोरक्षसिद्धान्तसंग्रहः** । श्री जनार्दन पाण्डेय १०-५०
६ **घेरण्डसंहिता** । भाषानुवाद । स्वामी जी महाराज, दतिया ४-००
७ **घेरण्डसंहिता** । हिन्दी टीका सहित । डॉ० चमनलाल गौतम ३-७५
८ **ध्यानयोगप्रकाश** । लक्ष्मणानन्द स्वामी कृत हिन्दी टीका ९-००
९ **पातञ्जलयोगसूत्राणि** । व्यासभाष्य सहित । मूलमात्र २०-००
१० **पातञ्जलयोगदर्शनम्-व्यासभाष्य** । वाचस्पति वृत्ति ९-००
११ **पातञ्जलयोगदर्शन-व्यासभाष्य** । विज्ञानभिक्षु कृत योगवार्तिक व्याख्या सहित १२-००
१२ **पातञ्जलयोगसूत्र-व्यासभाष्य** । हिन्दी टीका सहित । डा० सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव २१-००
१३ **पातञ्जलयोगदर्शन-व्यासभाष्य** । हरिहरानन्द कृत भाष्य तथा हिन्दी अनुवाद सहित । अनुवादक—रमाशङ्कर भट्टाचार्य २०-००
१४ **पातञ्जलयोगदर्शन-व्यासभाष्य** । ब्रह्मलीनमुनि विरचित हिन्दी विवृत्ति २०-००
१५ **पातञ्जलयोगदर्शनम्-भोजवृत्ति** । ४-००
१६ **पातञ्जलयोगदर्शनम्** । भोजवृत्ति । हिन्दी व्याख्यासहित । व्याख्याकार—डॉ०श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी शीघ्रप्राप्य
१७ **पातञ्जलयोगदर्शन** । भोजवृत्ति । हिन्दी टीका सहित १५-००
१८ **पातञ्जलयोगदर्शन** । मणिप्रभाख्यटीकायुत । (कलकत्ता) ५-००
१९ **पातञ्जलयोगदर्शन** । श्रीरामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ६-५०
२० **पातञ्जलयोगदर्शन** । विद्योदयभाष्य । उदयवीरशास्त्री ३०-००
२१ **पातञ्जलयोगदर्शन** । स्वामी विष्णुतीर्थ कृत हिन्दी टीका सहित २-५०

२२ **पातञ्जलयोगदर्शन विवेक**। स्वामी विवेकानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित १-३०
२३ **पातञ्जलयोग प्रवेश**। डा० दीवान गोकुलचन्द्र कपूर कृत अनुवाद सहित ५-००
२४ **पातञ्जलयोगसूत्र**। व्याख्याकारों की दृष्टि से पातञ्जलयोगसूत्र का समीक्षात्मक अध्ययन (शोधप्रबन्ध)। डा० कुमारी विमला कर्णाटक ६५-००
२५ **पातञ्जलयोगशास्त्र : एक अध्ययन**। डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी ४०-००
२६ **पातञ्जलयोग पर बौद्धधर्म का प्रभाव**। ब्रह्ममित्र अवस्थी १५-००
२७ **ब्रह्मविद्या**। स्वामी कृष्णानन्द। भाषा ७-००
२८ **योगदर्शन**। अनन्त पण्डित कृत वृत्ति सहित २-५०
२९ **योगदर्शन समीक्षा**। पं० श्री कृष्णमणि त्रिपाठी कृत हिन्दी टीका १-२५
३० **योगप्रदीपिका**। स्वात्माराम योगीन्द्र रचित। ब्रह्मचारी याज्ञवल्क्य प्रणीत आर्ष भाषा-भाष्य ३-५०
३१ **योगसूत्रम्**। योगसूत्रप्रदीपिका व्याख्या सहित। सटिप्पण २-५०
३२ **योगसूत्रम्**। योग का आधुनिक अध्ययन। कृपाशंकर अवस्थी। हिन्दी ८-००
अंग्रेजी ८-००

*३३ **वैदिकयोगसूत्र**। श्रीहरिशङ्कर जोशी
[प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषद-पुराणादि में विकीर्ण तथा व्याप्त योग-दर्शन का विवेचन किया गया है सोमयोग, अग्नियोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं मिलेगा ही नहीं। अकाट्य तर्कों तथा युक्तियों के साथ आकर-ग्रन्थों के वचन भी प्रमाणत्वेन उपन्यस्त हैं।] [चौ. रा. ३] २५-००
३४ **शिवयोगदीपिका**। सदाशिव योगीश्वर विरचित। मूलमात्र ३-००
३५ **शिवसंहिता**। हिन्दी टीका सहित। डॉ० चमनलाल गौतम ३-००
३६ **शिवस्वरोदय**। भाषा टीका। डॉ० चमनलाल गौतम ३-५०
३७ **सांख्ययोगदर्शन**। म० म० उमेश मिश्र ५-००
*३८ **सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार**। श्री हरिशंकर जोशी [वि. रा. ८५] २५-००
३९ **हठयोगप्रदीपिका**। भाषा टीका। डॉ० चमनलाल गौतम ४-२५
40 Gherand Samhita. English Translation, Srisa Chandra Basu 25-00
41 Hathayogapradipika. English Translation. Pancham Singh 25-00
42 Hathayogapradipika. Swatmananda Yogindra. With 'Jyotsna' Commentary by Brahmananda & English Translation 26-00
43 Patanjali's Yogasutras. With the Commentary of Vyasa & Gloss of Vachaspti Mishra. Translated by Rama Prasad 65-00
44 Shiva Samhita. English Translation. Srisa Chandra Basu 25-00

योग-ग्रन्थ (भाषा)

१ **अध्यात्मयोग और चित्तविकिलन**। वेङ्कटेश्वर शर्मा ७-५०
२ **अध्यात्म विकास**। भाषा। स्वामी विष्णुतीर्थ ३-००
३ **अनासक्तियोग : मोक्ष की पगदण्डी**। ब्रह्मचारी जगन्नाथ पथिक १०-००
४ **अष्टाङ्गयोगरहस्य**। डॉ० चमनलाल गौतम ५-७५
५ **अष्टाङ्गयोगसिद्धि**। डा० चमनलाल गौतम ५-७५
६ **आत्म-प्रबोध**। स्वामी विष्णुतीर्थ। १-२ भाग ५-५०
७ **आत्म-विज्ञान**। स्वा० योगेश्वरानन्द सरस्वती १८-००
८ **आसन**। सातवलेकर ६-००

९ **कुण्डलिनीयोगतत्त्व** । दीवानचन्द कपूर ३-००
१० **चक्र कुण्डलिनी और शास्त्रोक्त अनुभव** । पंडया बैजनाथ १-८०
११ **जीवनयोग** । विमला ठकार १०-००
१२ **ध्यानसम्प्रदाय** । डॉ० भरतसिंह उपाध्याय १५-००
१३ **निर्गुणब्रह्म** । स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वती १२-००
१४ **प्राणतत्त्व** । स्वामी विष्णुतीर्थ २-५०
१५ **प्राणविज्ञान** । स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वतो २५-००
१६ **प्राणायाम के असाधारण प्रयोग** । चमनलाल गौतम ५-७५
१७ **प्राणायाम मीमांसा** । ठाकुर विजय बहादुर सिंह ३-००
१८ **बहिरङ्गयोग** । स्वामी व्यासदेव १८-००
१९ **ब्रह्मविज्ञान** । स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वती २०-००
२० **ब्रह्मचर्य्य की प्रचण्ड शक्ति** । चमनलाल गौतम ३-००
२१ **भक्तियोग** । डॉ० चमनलाल गौतम ५-७५
२२ **भक्ति सागर** । स्वामी चरणदास २५-००
२३ **मानसिक शक्ति के चमत्कार** । सत्यकाम विद्यालङ्कार ६-००
२४ **मुद्राएँ एवं उपचार** । भद्रशील शर्मा ३-००
२५ **योग और पुरुषत्त्व** । दाऊदयाल गुप्त ५-७५
२६ **योग और महिलायें** । दाऊदयाल गुप्त ५-७५
२७ **योग और यौवन** । दाऊदयाल गुप्त ५-७५
२८ **योग के आसन** । सातवलेकर ६-००
२९ **योग के चमत्कार** । डा० भगवान शरण भारद्वाज ४-५०
३० **योगदर्शन** । डा० सम्पूर्णानन्द ७-००
३१ **योग मनोविज्ञान** । डा० शान्तिप्रकाश आत्रेय ३०-००
३२ **योग मनोविज्ञान की रूपरेखा** । शान्ति प्रकाश आत्रेय ३-५०
३३ **योगवासिष्ठसार** । डॉ० क्षितीशचन्द्र चक्रवर्ती ५-००
३४ **योगविज्ञान** । प्रथम भाग । अज्ञातकर्तृक ३-००
३५ **योग विभूति** । स्वामी शिवोमतीर्थ २-५०
३६ **योग विराम** । स्वामी शिवोमतीर्थ २-५०
३७ **योग साधना** । डॉ० चमनलाल गौतम ४-७५
३८ **योग साधना की तैयारी** । सातवलेकर ४-००
३९ **यौगिक सहस्रधारा** । बालमुकुन्द पालीवाल ३-००
४० **वैदिक योग परिचय** । स्वामी विष्णुतीर्थ ५-००
४१ **शक्तिपात** । (कुण्डलिनी महायोग) स्वामी विष्णुतीर्थ । १-२ भाग ४-५०
४२ **सरल योगासन** । धर्मचन्द्र सरावगी ४-००
४३ **साधन चन्द्रिका** । स्वामी दयानन्द १-७५
४४ **साधन पथ** । स्वामी शिवोमतीर्थ १-८०
४५ **साधन संकेत** । स्वामी विष्णुतीर्थ १-००
४६ **साधना** । रवीन्द्रनाथ ठाकुर ५-००
४७ **सिद्धान्त-रहस्य** । स्वामी जी महाराज (दतिया) २-००
४८ **सुगम साधन मार्ग** । स्वामी शिवानन्द १०-००
४९ **सूर्यनमस्कार** । सातवलेकर ३-००
५० **स्वरोदय विज्ञान** । स्वामी जी महाराज (दतिया) २-००
५१ **हिप्नोटिज्म : सम्मोहन विज्ञान** । डॉ० चमनलाल गौतम ५-५०

५२ **हिमालय का योगी** । स्वामी योगेश्वरानन्द १०-००

वैशेषिक-ग्रन्थाः

१ **कणादगौतमीयम् 'पदार्थानुमानम्'** । विश्वनाथ शास्त्री । हिन्दी टीका सहित ८-००
२ **दशपदार्थी** । डॉ० उमारमण झा कृत व्याख्या सहित १३-५०
३ **न्यायसिद्धान्ततत्वामृतम्** । श्रीनिवास कृत २-५०
४ **पदार्थरत्नमञ्जूषा** । कृष्णमिश्र विरचित । मुनि जिनविजय सम्पादित ३-७५
५ **प्रशस्तपादभाष्यम् (पदार्थधर्मसंग्रहरूपम्)** श्रीधरभट्ट प्रणीत 'न्यायकन्दली' व्याख्या । पं० दुर्गाधर झा कृत हिन्दी अनुवाद सहित ६८-००
६ **मानमनोहरः** । स्वामी योगीन्द्रानन्द । हिन्दी टीका सहित १२-००
७ **लक्षणराजिः** । तिप्पभट्टकृत । लघुन्यायवादात्रयः २-००
८ **लक्षणावली** । उदयनार्य कृत । भट्टकेशव कृत 'प्रकाश' व्याख्या सहित २-७५
९ **वैशेषिकदर्शन** । (उपस्कार सहित) पं० ढुण्ढिराजशास्त्री कृत हिन्दी व्याख्या ३५-००
१० **वैशेषिकदर्शन** । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । प्रो० नारायण मिश्र ४-००
११ **वैशेषिकदर्शन** । विद्योदयभाष्य । पं० उदयवीर शास्त्री २५-००
१२ **वैशेषिकदर्शन** । अविज्ञातकर्तृक प्राचीन व्याख्या सहित ६-५०
१३ **वैशेषिकदर्शन** । श्रीरामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ६-२५
१४ **वैशेषिकदर्शन** । शङ्करमिश्रकृतोपस्काराख्य व्याख्या सहित १०-००
*१५ **वैशेषिकदर्शन : एक अध्ययन** । प्रो० नारायण मिश्र
[भारतीय दर्शनों में वैशेषिकदर्शन का स्थान बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। परन्तु नव्य-न्याय के उद्भव के पश्चात् यह दर्शन उपेक्षित-सा रहा है। अतः आज इस दर्शन के तथ्यों का विवरण अत्यावश्यक है। इसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए "वैशेषिक दर्शन : एक अध्ययन" ग्रन्थ का सम्पादन हुआ है। न्याय-वैशेषिक दर्शन के मर्म को समझने के लिए यह ग्रन्थ अत्यन्त उपादेय है।] [चौ. रा. ५] २०-००
१६ **वैशेषिकदर्शन : तुलनात्मक अध्ययन** । बद्रीनाथ सिंह १५-००

दर्शन-संग्रहः

१ **अनुभववाद** । यशदेव शल्य ५-५०
२ **अमरीकी दर्शन और दार्शनिक** । जोसेफ एलब्लौ । अनु० राधेश्याम शर्मा १०-००
३ **अमरीकी दर्शन का इतिहास** । ओमप्रकाश दीपक ८-५०
४ **अपोहसिद्धि** । रत्नकीर्तिविरचित । अनुवादक एवं व्याख्याकार-गोविन्दचन्द्र पाण्डेय ४-००
५ **अरविन्ददर्शनम्** । सत्यप्रकाश सिंह २०-००
६ **आज का भारतीयदर्शन** । डॉ० राधाकृष्णन् १५-००
७ **आधुनिक तर्कशास्त्र की भूमिका** । डॉ० संकठाप्रसाद सिंह १२-००
८ **आधुनिक भारतीय चिन्तन** । डॉ० विश्वनाथ नरवणे १९-००
९ **आधुनिक युग में धर्म** । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् १०-००
+१० **औचित्य-जीवनम्** । मायाप्रसाद त्रिपाठी ५-००
११ **काण्ट का दर्शन** । संगमलाल पाण्डेय १०-००
१२ **काण्ट का नीतिदर्शन** । डॉ० छायाराम १०-००
१३ **काश्मीर शैवदर्शन** । बलजिन्नाथ पंडित शास्त्री । संस्कृत ३०-००
*१४ **काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी** । भँवरलाल जोशी
[इस ग्रन्थ में लेखक ने काश्मीर शैवदर्शन के अति गूढ़ सिद्धान्तों का स्वच्छ गंभीर व्याख्यात्मक शैली में विवेचन करने के पश्चात् 'कामायनी' के अन्तर में व्यापक रूप से

अनुस्यूत दार्शनिक विचारधारा का मौलिक दृष्टि से सांगोपांग अन्वेषण प्रस्तुत किया है। कामायनी में काश्मीर शैवदर्शन के अन्वेषण सम्बन्धी लेखक के निष्कर्ष अत्यन्त गम्भीर और तर्क-सम्मत हैं] [चौ० रा० ६] २५-००

१५ **ग्रीक दर्शन** । जॉन वर्नेट १६-००
१६ **ग्रीक और मध्ययुगीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास** । जगदीश सहाय १२-५०
१७ **चार्वाकदर्शन** । आनन्द झा १२-००
•१८ **चार्वाकदर्शन की शास्त्रीय समीक्षा** । डॉ० सर्वानन्द पाठक
[चार्वाकदर्शन पर यह सर्वप्रथम अनुसंधानात्मक ग्रन्थ है जो प्रत्येक विश्वविद्यालय के एम. ए. परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यक है।] [वि. रा. ७६] २०-००
१९ **जीवन की आध्यात्मिक दृष्टि** । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् १३-५०
२० **जैन-बौद्ध-धर्म और दर्शन** । डॉ० राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी १२-५०
२१ **तर्क एवं दर्शन का विवेचन** । लुडविंग विटिगस्टाइन । अनुवादक—राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ६-००
२२ **तत्त्वप्रकाशः** । तात्पर्यदीपिका टीका सहित । डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र ३०-००
२३ **दयानन्द दर्शन** । डॉ० वेदप्रकाश गुप्त ३०-००
२४ **दर्शन अनुचिन्तन** । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी ४-५०
२५ **दर्शन और चिन्तन** । पं० सुखलाल संघवी ७-००
२६ **दर्शन का प्रयोजन** । डॉ० भगवानदास ४-५०
२७ **दर्शन की कहानी** । विलड्यूरेण्ट । अनुवादक—कैलाशनारायण चौधरी १५-००
२८ **दर्शन के उपयोग** । इरविन एडमन । सम्पा० चार्ल्स फ्रैंक्ल ४-५०
२९ **दर्शन के प्रकार** । हाकिंग । अनु० रमेशचन्द्र शर्मा १६-००
३० **दर्शन के सौ वर्ष** । जॉन पैसमोर । अनु० शर्मा शास्त्री १५-००
३१ **दर्शन पद्धति पर वार्ता** । डेकार्ट । अनु० सुरेन्द्र चतुर्वेदी ६-००
३२ **दर्शनशास्त्र का परिचय** । जार्ज टामस ह्वाइट पैट्रिक २०-००
३३ **दर्शनसंग्रह** । डॉ० दीवानचन्द ६-५०
३४ **दार्शनिक विश्लेषण : अनुभववादी परिप्रेक्ष्य की रचना** । यशदेव शल्य १२-००
३५ **धर्म-दर्शन** । डॉ० लक्ष्मीनिधि शर्मा २५-००
३६ **धर्म-दर्शन** । डॉ० रामनारायण व्यास १२-००
३७ **धर्म और दर्शन** । विष्णुदेव उपाध्याय २५-००
३८ **निरीश्वरवाद : भारतीय एवं पाश्चात्य** । डॉ० याकुब मसीह १०-४०
३९ **नीति विज्ञान के मूल सिद्धान्त** । लक्ष्मी सक्सेना १०-००
४० **परमाणु दर्शन** । जगदीशाचार्य ४-००
४१ **पश्चिमी दर्शन** । डॉ० दीवानचन्द्र ४-००
४२ **पाश्चात्य आधुनिक दर्शन की समीक्षात्मक व्याख्या** । डॉ० याकुब मसीह १२-००
४३ **पाश्चात्य दर्शन** । बेकन से काण्ट तक । अशोक कुमार वर्मा ७-००
४४ **पाश्चात्य दर्शन** । चन्द्रधर शर्मा १०-००
४५ **ब्रैडले का दर्शन** । लक्ष्मी सक्सेना १२-५०
४६ **भारतीय दर्शन** । डॉ० उमाशंकरशर्मा 'ऋषि'
[भारतीय दर्शन पर अनेक ग्रन्थों के होने पर भी इस पुस्तक का अपना महत्व है। प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों के आधार पर लिखे हुए होने पर भी इसमें आधुनिक समीक्षा-पद्धति का चमत्कार है। दर्शन के मूल पदार्थों का विवेचन इसमें बहुत ही गंभीरता के साथ किया गया है। वैदिक दर्शन से आरंभ करके आधुनिक कालतक के दार्शनिकों के विचार का गहन मन्थन इसमें हुआ है। पुस्तक पांच खंडों में विभक्त है—वैदिक

दर्शन, नास्तिक दर्शन, षड् दर्शन, आगम तंत्र तथा आधुनिक दर्शन । पुस्तक समान रूप से विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्त्ताओं तथा सामान्य जिज्ञासुओं के लिए उपयोगी है ।] शीघ्रप्राप्य

४७ **भारतीय दर्शन** । वाचस्पति गैरोला १४–००
४८ **भारतीय दर्शन** । बलदेव उपाध्याय ३५–००
४९ **भारतीय दर्शन** । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् । १–२ खण्ड १००–००
५० **भारतीय दर्शन** । डॉ० उमेश मिश्र ८–००
५१ **भारतीय दर्शन** । डॉ० देवराज २५–००
५२ **भारतीय दर्शन** । दत्त तथा चटर्जी १८–००
५३ **भारतीय दर्शन** । डॉ० रामकृष्ण आचार्य एवं डा० बाबूराम त्रिपाठी १२–००
५४ **भारतीय दर्शन** । विक्रमादित्य सिंह १२–५०
५५ **भारतीय दर्शन** । बद्रीनाथ सिंह १२–००
५६ **भारतीय दर्शन (प्रश्नोत्तर रूप में)** । प्रो० राधेश्याम शर्मा २–५०
५७ **भारतीय दर्शन का इतिहास** । सुरेन्द्रनाथ दास गुप्त । प्रथम भाग २०–००
द्वितीय भाग २०–००, तृतीय भाग १८–००, चतुर्थ भाग १६–००, पञ्चमभाग १०–००
१–५ भाग सम्पूर्ण ८४–००
५८ **भारतीय दर्शन की रूपरेखा** । एम० हरियन्ना । अनु० डॉ० गोवर्धनभट्ट— २०–००
श्रीमतीमञ्जुगुप्त—सुखवीर चौधरी ६–००
५९ **भारतीय दर्शन की रूपरेखा** । संगमलाल पाण्डेय १५–००, २५–००
६० **भारतीय दर्शन की रूपरेखा** । हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा २५–००
६१ **भारतीय दर्शन के जीवन्त प्रश्न** । संगमलाल पाण्डेय ५०–००
६२ **भारतीय दर्शन, परम्परा और आदि ग्रन्थ** । डॉ० हरवंशलाल शर्मा ३५–००
६३ **भारतीय दर्शन परम्परा** । डॉ० हरवंशलाल शर्मा ६–००
६४ **भारतीय दर्शन प्रकाश** । (प्रश्नोत्तर में) प्रो० राधेश्याम शर्मा २५–००
६५ **भारतीय दर्शन में अनुमान** । डॉ० ब्रजनारायण शर्मा
*६६ **भारतीय दर्शन में चेतना का स्वरूप** । डॉ० श्रीकृष्णसक्सेना
[डॉ० सक्सेना की Nature of Conciousness in Hindu Philosophy नामक अंग्रेजी पुस्तक भारतीय दर्शन शास्त्र के अनुरागियों में विशेष प्रसिद्धि प्राप्त कर चुकी है; उसी महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ का हिन्दी रूपान्तर पाठकों के सामने प्रस्तुत किया गया है ।] [वि. रा. १२३] २५–००
५०–००
६७ **भारतीय दर्शन में प्रामाण्यवाद** । शारदा गाँधी १२–००
६८ **भारतीय दर्शन में मोक्ष चिन्तन** । डॉ० अशोक कुमार लाट ३–००
६९ **भारतीय दर्शन शास्त्र** । (न्याय-वैशेषिक) धर्मेन्द्र शास्त्री १२–००
७० **भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास** । डॉ० हरिदत्त शास्त्री १०–००
७१ **भारतीय दर्शन-शास्त्र की भूमिका** । रामचन्द्र पाण्डेय । ५–००
७२ **भारतीय दर्शनों का समन्वय** । डॉ० आदित्यनाथ झा ३५–००
७३ **भारतीय धर्म और दर्शन** । बलदेव उपाध्याय ४–००
७४ **भारतीय विचारधारा** । मधुकर २०–००
७५ **भारतीय सौन्दर्य-शास्त्र की भूमिका** । फ़तहसिंह ५–००
७६ **यूरोपीय दर्शन** । डॉ० बी० एन० सिंह ३–५०
७७ **यूरोपीय दर्शन** । रामावतार शर्मा १४–००
७८ **राजनीति और दर्शन** । विश्वनाथप्रसाद शर्मा ९–००
७९ **राधाकृष्णन् का विश्वदर्शन** । शान्ति जोशी

८० **विज्ञान का दर्शन** । डॉ० अजितकुमार सिन्हा ९-००
८१ **विश्वधर्मदर्शन** । साँवलिया बिहारीलाल वर्मा २२-००
८२ **विषय और आत्मा** । यशदेव शल्य २०-००
८३ **वैज्ञानिक दर्शन का उदय** । हैन्स राइखेन बाख । अनु० अनन्तमराल शास्त्री १२-००
८४ **वैदिकदर्शन** । डॉ० फतह सिंह ९-००
८५ **वैष्णव-शैवधर्म और दर्शन** । डॉ० राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी १२-५०
८६ **वैष्णव साधना और सिद्धान्त : हिन्दी साहित्य पर उसका प्रभाव** ।
डॉ० भुवनेश्वरनाथ मिश्र 'माधव' १६-००
८७ **शक्ति-तत्त्व-दर्शन** । पं० रामप्रसाद शर्मा ५०-००
८८ **शाक्तदर्शनम्** । हयग्रीव विरचित । काशीनाथ वासुदेव अभ्यङ्कर कृत
संस्कृत व्याख्या सहित १०-००
८९ **शान्तिदर्शनम्** । श्री द्विजेन्द्रलाल शर्मा पुरकायस्थ ४-५०
९० **शिवतत्व-दर्शन** । पं० रामप्रसाद शर्मा ५०-००
९१ **षड्दर्शनरहस्य** । रङ्गनाथ पाठक ५-००
९२ **समकालीन धर्म-दर्शन** । डॉ० याकुब मसीह १६-७५
९३ **समकालीन पाश्चात्य दर्शन** । लक्ष्मी सक्सेना १६-००
९४ **समकालीन भारतीय दर्शन** । लक्ष्मी सक्सेना १४-००
९५ **समकालीन भारतीय दर्शन** । के० सच्चिदानन्द मूर्ति १२-००
*९६ **सर्वदर्शनसंग्रहः** । उमाशङ्करशर्मा 'ऋषि' कृत विशद हिन्दी व्याख्या,
भूमिकादि विभूषित (अभिनव संस्करण) [वि. सं. ११३]

इस संस्करण की विशेषताएँ—

१. मूल का अनुसरण करते हुए सरल साहित्यिक हिन्दी भाषा में अनुवाद तथा विस्तृत व्याख्या ।
२. शास्त्रार्थ-स्थलों पर समस्याओं की पृष्ठ-भूमि दिखाकर उनकी सर्वाङ्गपूर्ण विवेचना तथा बीच-बीच में सारांश-कथन ।
३. ऐतिहासिक टिप्पणियाँ ।
४. प्रत्येक दर्शन का विषयानुसार अनुच्छेदों में विभाजन ।
५. हिन्दी भूमिका में लेखक के समयादि पर विचार और सभी दर्शनों का संक्षिप्त पर्यालोचन ।
६. अंग्रेजी भूमिका में दर्शनों के तारतम्य का, ग्रन्थ की शैली का तथा दर्शनों की विषयवस्तु का विवेचन ।
७. परिशिष्टों में दर्शन-सम्बन्धी अत्युपयोगी शोधपूर्ण सामग्री का संकलन । ५०-००

९७ **सर्वदर्शनसंग्रहः** । माधवाचार्य प्रणीत । मूलमात्र १५-००
९८ **सर्वात्मदर्शन—देवरहा तत्व चिन्तन** । डॉ० हरवंशलाल शर्मा १०-००
*९९ **सांख्य-योगदर्शन का जीर्णोद्धार** । श्री हरिशंकर जोशी [वि. रा. ८५] २५-००
१०० **साधुदर्शन तथा सत्प्रसङ्ग** । म० म० डॉ० गोपीनाथकविराज । १-२ भाग २०-००
१०१ **हेगेल और ब्रेडले का प्रत्ययवाद** । डॉ० याकुब मसीह १४-५०
102 Massage of Shankara. by Shanti Joshi 20-00

वेदान्त-ग्रन्थाः

१ **अथातोब्रह्म** । ललितकृष्ण गोस्वामी १५-००
२ **अद्वैतवेदान्त** । डॉ० राममूर्ति शर्मा । भाषा ३७-००
३ **अद्वैतवेदान्त में तत्व और ज्ञान** । डॉ० उर्मिला शर्मा ३०-००

४ **अद्वैतवेदान्तरक्षणम्** । मधुसूदन सरस्वती । हिन्दी अनुवाद सहित ।
स्वामी योगीन्द्रानन्द गिरि २५-००

५ **अद्वैतसिद्धिः** । बालबोधिन्याख्यया व्याख्ययोद्भासिता । योगेन्द्रनाथ वागची ।
१-२ भाग ८०-००

६ **अद्वैतसिद्धिः** । न्यायामृतसमन्विता । आलोचनात्मक विस्तृत हिन्दी व्याख्या सहित ।
स्वामी योगीन्द्रानन्द । प्रथम भाग ४०-००, द्वितीय भाग ३६-००, १-२ भाग ७६-००

७ **अद्वैतामोदः** । वासुदेवशास्त्री प्रणीत १८-७५

८ **अध्यात्मभागवतसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ८-००

९ **अनुभवानन्दलहरी** । केशवानन्द यति कृत । सम्पा० के० पी० शर्मा ५-००

*१० **अमृत-मन्थन अथवा जीवन का दिव्य पक्ष** । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री
[सुबोध हिन्दी अनुवाद के साथ रोचक छन्दों में निर्मित । छात्र, अध्यापक, गृहस्थ, साधु सबके लिए उपयोगी ।] [वि० सं० २५] ८-००

११ **अष्टावक्रसंहिता** । विस्तृत व्याख्या सहित ४-००

१२ **आचार्यशङ्कर : ब्रह्मवाद** । डॉ० रामस्वरूपसिंह 'नौखला' २०-००

१३ **आत्मबोधः** । शङ्कराचार्य कृत । स्वामी निखिलानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ८-००

१४ **आत्मानात्मविवेक-आत्मबोधश्च** । जगदीशचन्द्र मिश्र कृत संस्कृत हिन्दी टीका ५-००

१५ **आभोगः** । वाचस्पति मिश्र कृत भामती की टीका, कल्पतरु की व्याख्या ।
लक्ष्मीनृसिंह विरचित २०-००

१६ **उपदेशसाहस्री** । हिन्दी अनुवाद सहित । चमनलाल गौतम ५-७५

१७ **उपदेशसाहस्री** । भगवदाचार्य विरचित सव्याख्या १०-००

१८ **उपदेशसाहस्री** । आनन्दगिरि व्याख्या सहित । सम्पा० सुब्रह्मण्यशास्त्री ३०-००

१९ **उपेयनामविवेक । ब्रह्मयोगि उपनिषत्** । सम्पादक—वी० राघवन् ४-५०

+२० **औचित्यजीवनम्** । मायाप्रसाद त्रिपाठी । हिन्दी टीका सहित । ४-००

२१ **कायपरिशुद्धिः** । अभ्यङ्कर वासुदेवशास्त्री प्रणीत २-५०

२२ **हिन्दी खण्डनखण्डखाद्य** । हिन्दी व्याख्याकार—श्रीहनुमानदास षट्शास्त्री ३५-००

२३ **खण्डनखण्डखाद्यम्** । 'विद्यासागरीय' संस्कृत टीका । स्वामी योगीन्द्रानन्द कृत
हिन्दी टीका सहित ५०-००

२४ **चर्पट-पञ्जरिका** । स्वामी योगानन्द २-५०

२५ **चित्सुखी** । श्रीचित्सुखाचार्य कृत नयनप्रसादिनी व्याख्या, भाषानुवाद सहित २४-००

२६ **चित्सुखीरहस्यम्** । (प्रथम परिच्छेद-चित्सुखी प्रश्नोत्तरी) श्रीरामेश्वरपुरी २-००

२७ **जीवनज्योतिः** । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री १६-००

*२८ **जीवनदर्शन** । डॉ० मुंशीराम शर्मा
[जीवन क्या है ? वह कैसे विकसित होता है तथा उन्नत बनता है ? जीवन पथ में कैसे-कैसे मोड़ आते हैं आदि आदि । 'जीवनदर्शन' पढ़कर आप जीवन का वास्तविक मूल्याङ्कन कर सकेंगे ।] [वि. रा. १६] ३-००

२९ **जीवन्मुक्तिविवेकः** । श्रीमद्विद्यारण्यविरचितः । मूलमात्र १०-००

३० **तत्वदीपनम्** । श्रीअखण्डानन्दमुनिकृतम् (पञ्चपादिकाविवरणस्यव्याख्यानम्) ५०-००

३१ **तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या भावबोधः** । रघूत्तमपति कृत १५-००

३२ **तत्वसन्दर्भः (षट्सन्दर्भे)** । जीवगोस्वामीविरचिताव्याख्याद्वयोपेता २-००

३३ **त्रिदण्डमतविभेदनी** । श्रीशङ्कराश्रम स्वामी ३-००

३४ **त्रिपुरारहस्य-ज्ञानखण्डम्** । हिन्दी व्याख्या सहित । स्वामी सनातनदेवजी १६-००

३५ **त्रिपुरारहस्य-ज्ञानखण्डम्** । श्रीनिवासबुधविरचित तात्पर्यदीपिका व्याख्या ९-००

३६ **देवीमीमांसादर्शनम्** । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग ८-५०

३७	**नारदभक्तिदर्शनम्** । स्वामी काशिकानन्द । १–२ भाग	६–००
३८	**नैष्कर्म्यसिद्धिः** । सुरेश्वराचार्य । सच्चिदानन्देन्द्र प्रणीत 'क्लेशापहारिण्याख्यया' स्वरूपानन्दमुनीन्द्र कृत 'न्यायप्रकाशिका' व्याख्या सहित	१५–००
३९	**न्यायचन्द्रिका** । आनन्दपूर्णमुनीन्द्रप्रणीत । स्वरूपानन्दमुनीन्द्र कृत 'न्यायप्रकाशिका' व्याख्या सहित	१८–७५
४०	**न्यायभास्करखण्डनम्-मध्यचन्द्रिकाखण्डनम्** । श्रीराम सुब्रह्मण्य शास्त्री	६–००
४१	**न्यायरक्षामणि** । अप्पयदीक्षित । सम्पादक—एस० आर० कृष्णमूर्ति शास्त्री	२०–००
४२	**न्यायरत्नदीपावलिः** । आनन्दानुभवविरचित । आनन्दज्ञान विरचित वेदान्तविवेक व्याख्या समेत	११–२५
४३	**पञ्चदशी** । पीताम्बरजी कृत हिन्दी टीका सहित	१०–००
४४	**पञ्चदशी** । रामकृष्ण व्याख्या–मोडकव्याख्या युक्त । योगीन्द्रानन्द कृत हिन्दी टीका	शीघ्रप्राप्य
४५	**पञ्चदशी** । रामकृष्ण व्याख्या सहित	१२–००
४६	**पञ्चदशी-प्रश्नोत्तरी** । स्वामी हरप्रकाश	२–५०
४७	**पञ्चपादिकाप्रस्थानम्** । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती	५–००
४८	**पञ्चीकरणम्** । शङ्कराचार्य । नारायणेन्द्र सरस्वती कृत वार्तिक–सुरेश्वराचार्य कृत पञ्चीकरण वार्तिक युक्त । सम्पा० ए० सुब्रह्मण्य शास्त्री	८–००
*४९	**परमतत्त्वमीमांसा (मतिप्रशिक्षशास्त्रम्)** । विद्याभूषण श्रीकृष्णजोशी [पाश्चात्य आध्यात्मिक दर्शन तथा दार्शनिकों का एकत्र क्रमबद्ध वर्णन प्राप्त करने के लिये संस्कृत में लिखा गया यह नवीन ग्रन्थ है ।] [वि. सं. १३२]	७–००
५०	**पुरुषार्थचतुष्टयः** । श्रीप्रेमवल्लभ त्रिपाठी । हिन्दी व्याख्या सहित	१५–००
५१	**पुरुषार्थसुधानिधिः** । सायणाचार्य विरचित । टी० चन्द्रशेखरन् सम्पादित	१४–००
५२	**पूर्णप्रज्ञादर्शनम्** । अनन्ततीर्थ कृत मध्वभाष्य सहित	५–००
५३	**प्रकरणपञ्चकम्** । हिन्दी टीका सहित	१–००
५४	**प्रज्ञानन्दप्रकाशः** । भावार्थकौमुदी टीका, हिन्दी अनुवाद सहित	८–००
५५	**प्रणवकल्पः** । (स्कन्दपुराणान्तर्गत) श्रीगदाधरेन्द्रसरस्वतीप्रणीतप्रणवकल्पप्रकाशाख्याभाष्यसमलंकृत	६–००
५६	**प्रत्यक्तत्वचिन्तामणिः** । सदानन्द कृत । स्वोपज्ञ व्याख्या । १–२ भाग	१०–००
५७	**प्रेमपत्तनम्** । सव्याख्या	३–००
५८	**बोधसारः** । श्रीनरहरिकृत । तच्छिष्यपण्डितश्रीदिवाकरकृतटीकयासहितश्च	७५–००
५९	**बोधसारः** । नरहरिकृत । हिन्दी टीका सहित	२०–००
६०	**बोधैक्यसिद्धिः** । अच्युतराय प्रणीत । अद्वैतात्मप्रबोधव्याख्या । प्रथम भाग	१०–००
६१	**ब्रह्मविनय** । मधुसूदन ओझा	५–००
६२	**ब्रह्मविद्यारहस्यविवृतिः** । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती	२–५०
६३	**ब्रह्मसिद्धान्तः** । मधुसूदन ओझा विरचित । गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी रचित सिद्धान्तप्रकाशिनी व्याख्या सहित	१२–००
६४	**ब्रह्मसिद्धिव्याख्या** । आनन्दपूर्णमुनि विरचित भावशुद्धि, चित्सुखमुनि विरचित अभिप्रायप्रकाशिका व्याख्याद्वय सहित	२४–००
*६५	**ब्रह्मसूत्रम्** । 'सुषमा' हिन्दी व्याख्या सहित । स्वामी हनुमानदासजी षट्शास्त्री [सम्पूर्ण शांकरभाष्य का गूढ़तत्त्व इस हिन्दी व्याख्यान् में प्रतिफलित हो उठा है । संस्कृत की ससन्दर्भ वेदान्त-सूक्तियाँ पदे-पदे अनुस्यूत हैं । भाषा बड़ी सरल और प्रवाहपूर्ण है ।] [वि. सं. १५५]	१०–००
६६	**ब्रह्मसूत्र** । विद्यानन्दवृत्तिः । स्वामी विद्यानन्द गिरि	७–५०
६७	**ब्रह्मसूत्र** । स्वामी विश्वेश्वरानन्द कृत आंग्लानुवादसहित	९–००

वेदान्त-ग्रन्थाः

६८ **ब्रह्मसूत्रदीपिका** । श्रीमच्छङ्करानन्दभगवद्विरचित तथा तत्वानुसन्धानम् १२—००
श्रीमहादेवानन्दसरस्वतीप्रणीतम् ३५—००

६९ **ब्रह्मसूत्रप्रमुखभाष्यपञ्चकसमीक्षणम्** । श्रीरामशरणशास्त्री ३०—००

७० **ब्रह्मसूत्रभाष्य** । स्वामी गम्भीरानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ७—९०

७१ **ब्रह्मसूत्रभाष्यार्थरत्नमाला** । सुब्रह्मण्य प्रणीत ३०—००

७२ **ब्रह्मसूत्र-विद्योदयभाष्यम्** । उदयवीर शास्त्री १—००

७३ **ब्रह्मसूत्रवृत्तिः** । 'अद्वैतमञ्जरी' व्याख्या सहित ४—७५

७४ **ब्रह्मसूत्रवृत्तिः** । हरिदीक्षितविरचित ७—००

७५ **ब्रह्मसूत्रवृत्ति-मिताक्षरा** । अन्नंभट्ट कृत ९—००

७६ **ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्यम्** । भामती तथा हिन्दी व्याख्या । चतुःसूची

*७७ **ब्रह्मसूत्र-शांकरभाष्यम्** । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि कृत सविमर्श 'ब्रह्मतत्त्वप्रकाशिका' हिन्दी व्याख्या सहित । चतुःसूत्र्यन्त
[अनेक विश्वविद्यालयों में पाठ्य स्वीकृत इस चतुःसूत्र्यन्त भाग की सर्वबोधगम्य व्याख्या की शिक्षाधिकारी विद्वानों ने मुक्तकण्ठ से प्रशंसा की है, जो एकदम नवीन तथा परीक्षोपयोगी है ।] [वि. सं. १३७] ८—००

७८ **ब्रह्मसूत्र-शांकरभाष्यम्** । वाचस्पतिमिश्र कृत भामती, रामानन्द सरस्वती कृत रत्नप्रभा, डॉ० महाप्रभुलाल गोस्वामी कृत 'पुष्पलता' हिन्दी अनुवाद तथा 'कुसुमलता' व्याख्यान समन्वित । प्रथम खण्ड ३१—००

*७९ **ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्यम्** । 'ब्रह्मतत्त्वविमर्शिनी' हिन्दी व्याख्या सहित ।
व्याख्याकार—स्वामी हनुमानदास षट्शास्त्री ।
[ग्रन्थ लगाने के लिये यह सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है । छात्र, अध्यापक, जिज्ञासु, मुमुक्षु सभी वर्ग के व्यक्तियों के लिये अत्यन्त उपयोगी है । विश्वविद्यालयीय परीक्षार्थियों के लिए डॉ० वीरमणि प्रसाद उपाध्याय विरचित प्राच्य-पाश्चात्त्यउभयमत-समन्वयात्मक सुविशद इसकी भूमिका मात्र ही पर्याप्त है ।] [वि. सं. १२४] सम्पूर्ण १-२ भाग ५०—००
प्रथम भाग (१-२ अध्याय) ३०—००, द्वितीय भाग (३-४ अध्याय) २०—००

८० **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य** । अद्वैतानन्दस्वामिपादकृत ब्रह्मविद्याभरण युक्त । प्रथमखण्ड १००—००

८१ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य** । लक्ष्मीनाथ झा कृत 'प्रकाश'-'विकास' व्याख्या । चतुःसूत्री ७—००

८२ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य** । भाषानुवाद । अनुवादक—शङ्करलाल कौशल्य (भोलेबाबा) १२—००

८३ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य** । चतुःसूत्री । आंग्लानुवाद सहित । सम्पा० पं० हरदत्तशर्मा १०—००

८४ **ब्रह्मसूत्राणि** । आनन्दगिरि व्याख्या शाङ्करभाष्य समेत । द्वितीय भाग मात्र ११—२५

८५ **ब्रह्मसूत्राणि** । ब्रह्मामृतवर्षिणी । शङ्करानन्द कृत दीपिका सहित ८—५०

८६ **ब्रह्मसूत्रों के वैष्णव भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन** । डॉ० रामकृष्ण आचार्य १०—००

*८७ **ब्रह्मसूत्रों पर प्रणीत शक्ति-भाष्य का अध्ययन** ।
लेखिका—डॉ० श्रीमती सुशीला 'कमलेश' [चौ० रा० १५] ३०—००

८८ **ब्रह्मास्तुतम्** । श्रीमज्जयकृष्ण ब्रह्मतीर्थ ६—००

८९ **बृहदारण्यकवार्तिकसारः** । हरिहरकृपालु कृत हिन्दी अनुवाद । १-२ भाग ४०—००

९० **बृहदारण्यकवार्तिकसारः** । विद्यारण्यस्वामिविरचित ४५—००

*९१ **भक्ति का विकास** । डॉ० मुंशीराम शर्मा । संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण
[परमपुरुषार्थ रूप में प्राप्य 'भगवत्' और 'भक्ति' तत्त्व के विषय में जितना कुछ जानना आवश्यक है वह सब इस ग्रन्थ में उपनिबद्ध है ।] [वि. रा. १५] ५०—००

*९२ **भक्ति-तरङ्गिणी** । डॉ० मुंशीराम शर्मा [वि. रा. २१]
[भक्ति-भाव से ओत-प्रोत वेद मन्त्रों का सरस हिन्दी गीतों में अनुवाद । भक्ति-तरङ्गिणी अध्यात्म-पथ के यात्रियों के लिये अनुपम सम्बल सिद्ध होगी] ५—००

९३ **भक्तिदर्शन** । सवार्तिक । काशिकानन्दजी । प्रथम भाग ३-००, द्वितीय भाग ३-००
९४ **भक्तियोग** । स्वामी स्वतन्त्रानन्दजी महाराज ६-००
+९५ **भक्तिरत्नावली** । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी । (उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत) [भक्तिरत्नावली, श्रीमद्भागवत के भक्ति परक श्लोकों का संकलन है । भक्ति मार्गियों के लिए यह ग्रन्थ सर्वाधिक उपादेय एवं महत्त्वपूर्ण है । यह विभिन्न विश्वविद्यालयों में शास्त्री तथा आचार्य कक्षाओं में पाठ्यग्रन्थ के रूप में निर्धारित है । अतएव छात्रों की आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुये, विद्वान् प्राध्यापक डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ने भक्तिरत्नावली की सरलतम संस्कृत-हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की है । पुस्तक के प्रारम्भ में भक्ति विषयक एक विवेचनात्मक विस्तृत भूमिका भी दी गयी है । इससे पुस्तक की उपयोगिता निःसन्देह बढ़ गयी है । १५-००
९६ **भक्तिरसामृतसिन्धु** । रूपगोस्वामीकृत । 'दीपिका' हिन्दी टीका सहित । आचार्य विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि २५-००
९७ **भक्तिरसामृतसिन्धु** । रूपगोस्वामी । हिन्दी अनुवाद सहित १५-००
९८ **भक्तिरसायनम्** । स्वोपज्ञ टीका हिन्दी टीका सहित ७-००
९९ **भामती** । जीवानन्द विद्यासागर सम्पादित १२-००
१०० **भामती प्रस्थान तथा विवरण प्रस्थान का तुलनात्मक अध्ययन** । डॉ० सत्यदेव शास्त्री ४५-००
१०१ **भेदधिक्कारः** । नृसिंहाश्रममुनिकृत । श्रीनारायणशर्मकृत व्याख्या सहित । तथा **उपक्रम-पराक्रम** । अप्पय दीक्षित कृत ८-००
१०२ **मिताक्षरा** । गौडपादाचार्यकृत माण्डूक्यकारिका व्याख्या ४-००
१०३ **मूलविद्यानिरासः** । (शंकरहृदय) सुब्रह्मण्य शास्त्री २-८५
१०४ **मूलविद्या-भाष्यवार्तिकविरूद्धा** । एस० विट्ठल शास्त्री ६-००
१०५ **योगवाशिष्ठ (संक्षिप्त)** । हिन्दी टीका सहित । श्रीरामशर्मा । १-२ भाग २५-००
१०६ **योगवाशिष्ठ** । भाषा मात्र । १-२ भाग ८५-००
१०७ **योगवाशिष्ठः** । आनन्दबोधेन्द्रसरस्वती कृत संस्कृत टीका । प्रथम भाग ४०-००
१०८ **योगवाशिष्ठः** । हिन्दी टीका सहित । पञ्चम भाग १२-००
१०९ **योगवाशिष्ठसार** । क्षितीशचन्द्र चक्रवर्ती ५-००
११० **लघुयोगवाशिष्ठः** । आत्मसुखविरचित । वाशिष्ठचन्द्रिका व्याख्या सहित २०-००
१११ **लघुयोगवाशिष्ठ** । के० नारायण स्वामी अय्यर कृत आंग्लानुवाद सहित ३५-००
११२ **लघुवाक्यवृत्तिः** । शंकराचार्य कृत 'पुष्पाञ्जलि' संस्कृत टीका सहित ०-७५
११३ **वाक्यवृत्तिः** । शंकराचार्य कृत । हिन्दी टीका सहित २-००
११४ **वाक्यवृत्तिः** । विश्वेश्वर विरचित टीका समेत ४-००
११५ **वाक्यसुधा** । स्वामी योगानन्द कृत हिन्दी टीका, विवेचन सहित २-५०
११६ **विवरणादिप्रस्थानविमर्शः** । पं० वीरमणिप्रसाद उपाध्याय रचित १-५०
११७ **विवरणोपन्यासः** । श्रीरामानन्दसरस्वतीविरचितः विवरणतात्पर्यस्य व्याख्यानम् तथा **'वाक्यसुधा'** श्रीशंकराचार्य विरचिता श्री ब्रह्मानन्दभारती कृत व्याख्या सहित १२-००
११८ **विवेकचूडामणिः** । श्रीशंकराचार्यकृत । आंग्लानुवाद सहित । अनुवादक-मोहिन एम० चटर्जी ६-३०
११९ **विवेकचूडामणिः** । श्रीशङ्कराचार्य प्रणीत १-५०
१२० **विवेकचूडामणिः** । स्वामी माधवानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ६-००
१२१ **विद्यावैजयन्तीनिबन्धमाला (दार्शनिकनिबन्ध)** । केदारनाथ ओझा । संस्कृत टीका प्रथम भाग ३८-००

१२२ **विशुद्धवेदान्तपरिभाषा** । श्रीसच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती २-५०
१२३ **विशुद्धवेदान्तसारः** । श्रीसच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती २-००
१२४ **वेदस्तुतिः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । राममूर्त्तिशास्त्री ३-००
१२५ **वेदान्तकल्पलतिका** । मधुसूदनसरस्वती विरचित । आर० डी० करमरकर कृत आंग्लानुवाद सहित १०-००
१२६ **वेदान्त का विकास और स्वरूप** । डॉ० महेन्द्र शेखावत ५-५०
१२७ **वेदान्तकौमुदी** । डॉ० राधेश्याम चतुर्वेदी कृत 'भावदीपिका' 'ज्ञानदीपिका' संस्कृत व्याख्या सहित । सम्पा० सिद्धेश्वर भट्टाचार्य ८०-००
१२८ **वेदान्ततत्वविवेकः** । नृसिंहाश्रम विरचित । 'तत्वविवेकदोपन' व्याख्या सहित १८-७५
१२९ **वेदान्तदर्शनम्** । श्रीरामानन्दसरस्वती कृत ब्रह्मामृतवर्षिणी नामक विस्तृत सूत्रार्थनिर्णायिका टीका सहित २५-००
१३० **वेदान्तदर्शन** । डॉ० पालडायसन । सम्पा० संगमलाल पाण्डेय १५-००
१३१ **वेदान्तदर्शन** । श्रीरामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ६-२५
१३२ **वेदान्तदर्शन का इतिहास** । पं० उदयवीर शास्त्री १०-००
*१३३ **वेदान्तपरिभाषा** । व्याख्याकार—श्रीगजाननशास्त्री मुसलगाँवकर [वि. सं. १००] [पहले मूल ग्रन्थ को लगाकर बाद में शंका-समाधान पुरःसर वेदान्त के मार्मिक सिद्धान्तों, क्लिष्ट अंशों तथा मत-मतान्तरों पर सरल शब्दों में व्यापक प्रकाश डाला गया है । पाण्डित्यपूर्ण विशद भूमिका भी छात्रों के लिए परम उपादेय है ।] २०-००
१३४ **वेदान्तपरिभाषा** । शिवदत्त कृत 'अर्थदीपिका' टीका सहित ५-००
१३५ **वेदान्तपरिभाषा** । आंग्लानुवाद सहित । सम्पादक—एस० सूर्यनारायण शास्त्री २०-००
१३६ **वेदान्तपरिभाषा** । स्वामी माधवानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ६-००
१३७ **वेदान्तपरिभाषा-रहस्यम्** । स्वामी श्री रामेश्वरपुरी २-५०
१३८ **वेदान्तप्रक्रियाप्रत्यभिज्ञा** । श्रीसच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती १८-००
१३९ **वेदान्तप्रबोध** । स्वामी सत्यबोधाश्रम प्रणीत हिन्दी टीका सहित २-००
१४० **वेदान्तरत्नाकरः** । स्वामी विष्णुदेवानन्दगिरि स्वामी चैतन्यदेवगिरि कृत भाषा टीका ३-००
१४१ **वेदान्त विद्वद्गोष्ठी** । श्री सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती ३-५०
*१४२ **वेदान्तसारः** । श्रीरामशरणशास्त्रीकृत 'भावबोधिनी'-संस्कृत हिन्दीव्याख्या सहित [इस अभिनव संस्करण की व्याख्या में अज्ञान (माया), अध्यारोप, तत्त्वमसि, अहं ब्रह्मास्मि इत्यादि स्थल इतने विस्तार एवं सरलतापूर्वक लिखे गये हैं कि साधारण से साधारण छात्र के लिये भी यह ग्रन्थ अत्यन्त सुबोध हृदयंगम करने योग्य हो गया है ।] [वि. सं. १] ५-००
१४३ **वेदान्तसारः** । 'सुबोधिनी' विद्वन्मनोरञ्जनी । कर्णेल जी० ए० जेकब रचित नोट्स एवं टिप्पणी २०-००
१४४ **वेदान्तसारः** । डॉ० सन्तनारायण श्रीवास्तव १०-००
१४५ **वेदान्तसारः** । सदानन्द । 'विवेक' हिन्दी व्याख्या एवं रामतीर्थ कृत विद्वन्मनोरञ्जनी संस्कृत व्याख्या युक्त । सम्पा० राममूर्त्ति शर्मा ३५-००
१४६ **वेदान्तसारः** । स्वामी निखिलानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ३-७५
१४७ **वेदान्तसारः** । प्रश्नोत्तर, व्याख्या सहित । प्रो० राधेश्याम वर्मा २-००
१४८ **वेदान्तसिद्धान्तकल्पवल्ली** । सदाशिवेन्द्र सरस्वती । 'केसरवल्ली' व्याख्या तथा हिन्दी टीका सहित २-००
१४९ **वेदान्तसिद्धान्तकुसुमाञ्जलिः** । जयमङ्गलाचार्य । स्वामी काशिकानन्द सम्पादित ५-००
१५० **वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावली** । प्रकाशानन्द कृत विस्तृत व्याख्या १०-००

१५१ **वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावली**। प्रकाशानन्दयति विरचित। आर्थर वेनिस कृत सटिप्पण आंग्लानुवाद सहित २५-००
१५२ **वेदान्तसूत्रमुक्तावली**। ब्रह्मानन्द सरस्वती विरचित ४-४०
*१५३ **वेदान्तसूत्रों पर आधारित शक्ति-भाष्य का अध्ययन**। डॉ० श्रीमती शुशीला कमलेश [चौ. रा. १५] २५-००
१५४ **वेदान्तस्तोत्रसंग्रह**। शंकराचार्य। हिन्दी टीका सहित १-५०
१५५ **वैयासिकन्यायमाला**। भारततीर्थ मुनि प्रणीत ५-००
१५६ **वैयासिकन्यायमाला**। भारततीर्थमुनिप्रणीत। स्वामी सत्यानन्द सरस्वती कृत भाषानुवाद टिप्पणी सहित ८-००
१५७ **वैराग्यमार्तण्ड**। स्वामी आत्मानन्दजी १२-००
*१५८ **वैराग्यशतकम्**। श्रीभर्तृहरिविरचित। हिन्दी व्याख्या सहित ३-००
१५९ **वैराग्यशतकम्**। हरिदास वैद्य कृत हिन्दी टीका सहित १२-००
१६० **वैराग्यशतक**। स्वामी माधवानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित २-५०
१६१ **शङ्करदिग्विजयः**। माधवाचार्य विरचित। हिन्दी अनुवाद-सटिप्पण-विवेचनात्मक भूमिकादि सहित। अनुवादक—पं० बलदेव उपाध्याय २०-००
१६२ **शङ्करदिग्विजयः**। व्यासाचल विरचित ९-१२
१६३ **शङ्करदिग्विजयः**। सत्यानन्द सरस्वती ४-००
१६४ **शङ्करदिग्विजय (संक्षिप्त)**। स्वामी काशिकानन्दजी ३-००
१६५ **शङ्कराचार्य : उनके मायावाद तथा अन्य सिद्धान्तों का आलोचनात्मक अध्ययन**। राममूर्ति शर्मा २५-००
१६६ **शतश्लोकी**। शंकराचार्य कृत। श्रीमदानन्दगिर्याचार्य कृत टीका सहित ८-००
१६७ **शांकरपादभूषणम्**। रघुनाथसूरि विरचित। १-२ भाग १५-७०
१६८ **शाङ्कर-वेदान्त-प्रक्रिया**। सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती ३-५०
१६९ **शाङ्कर-वेदान्तमीमांसाभाष्यम्**। सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती ५-००
१७० **शाण्डिल्यभक्तिसूत्रम्**। सम्पादक—डॉ० कृष्णमणि त्रिपाठी ४-००
१७१ **शिवस्तुतिः**। संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १-००
१७२ **शुद्धशाङ्करप्रक्रियाभास्करः**। सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती। १-३ भाग २-००
१७३ **शैवपरिभाषा**। शिवाग्र योगीन्द्र प्रणीत ३-७५
१७४ **श्रीप्रभुदेववचनामृतः**। (वीरशैवसिद्धान्त) अनुवादक—शिवकुमारदेव १८-००
१७५ **श्रीभगवत्पादशंकराचार्य**। ए० कुप्पूस्वामी। आंग्लानुवाद ३५-००
१७६ **श्रीमद्भागवतसारस्तोत्रम् अथवा श्रीकृष्णकर्णरसायनम्**। हिन्दी टीका सहित। स्वामी काशिकानन्दजी ४-००
१७७ **श्रीलक्ष्मीनारायणसंहिता**। कृष्णद्वैपायनव्यासप्रणीत। सम्पादक—स्वामी कृष्णवल्लभाचार्य। १-५ जिल्द में २२०-००
१७८ **श्रुतिसारसमुद्धरणम्**। तोटकाचार्य। 'तत्वदीपिका' व्याख्या सहित १-६०
१७९ **श्रुतिसारसमुद्धरणम् अथवा तोटकम्**। स्वामी विद्यानन्द गिरि विरचित गिरिसम्भूतरत्न विभूषितम् ३-००
१८० **संक्षेपशारीरकम्**। स्वामी योगीन्द्रानन्द कृत हिन्दी टीका सहित २०-००
१८१ **सनत्सुजातीयदर्शनम्**। संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ३-५०
१८२ **सर्ववेदान्तसारसंग्रहः**। पं० श्यामसुन्दर झा रचित २-००
१८३ **सर्ववेदान्तसिद्धान्तसारसंग्रह**। शंकराचार्य। स्वामी सत्यानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका २-५०

१८४ **सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः** । गोरक्षनाथ । श्रीमती कल्याणीमल्लिक सम्पादित १२-००
१८५ **सिद्धान्तदर्शनम्** । विश्वदेवाचार्य विरचित निरञ्जनभाष्य समेत १०-००
१८६ **सिद्धान्तबिन्दुः** । गौडब्रह्मानन्द कृत न्यायरत्नावली युक्त २०-००, २५-००
१८७ **सिद्धान्तबिन्दुः** । मधुसूदन सरस्वती । वासुदेवशास्त्री अभ्यङ्कर कृत व्याख्या सहित १५-००
१८८ **सिद्धान्तलेशसंग्रहः** । अप्पयदीक्षित कृत । विस्तृत व्याख्या सहित ३०-००
१८९ **सुगमा** । शांकरीयाध्यायभाष्य की नवीन व्याख्या १०-२५
१९० **सूतसंहिता** । श्रीविद्यारण्यप्रणीत । तात्पर्यदीपिका सहित । १-३ भाग २१-६५
१९१ **सूत्रभाष्यार्थतत्वविवेचिनी** । १-३ भाग १०-२५
१९२ **स्वराज्यसिद्धिः** । हिन्दी टीका सहित २-५०
१९३ **स्वानुभवादर्शः** । माधवाश्रमविरचित । स्वकृतटीकाविभूषितश्च तथा
अनुभूतिलेशः । वामनपण्डित विरचित १२-००
१९४ **हरिहराद्वैतभूषणम्** । बोधेन्द्रसरस्वती कृत कारिका सहित ६-६५

वेदान्त-विशिष्टाद्वैत-ग्रन्थाः

१ **अधिकरणसारावलिः** । वेंकटनाथ वेदान्तदेशिक विरचित । श्रीवरदगुरु प्रणीत 'अधिकरणचिन्तामणि'-वीरराघवाचार्य कृत 'सारार्थरत्नप्रभा' व्याख्याद्वय सहित ५५-००
२ **आगमप्रामाण्यम्** । यामुनाचार्यस्वामी प्रणीत ३-००
३ **आगमप्रामाण्यम्** । संस्कृत एवं आंग्ल टीका । डॉ० एम० नरसिंहमाचारी १८-००
४ **आह्निक** । गोपालदेशिकप्रयोगमाला सहित ६-००
५ **चतुश्लोकीभाष्यम्-स्तोत्ररत्नभाष्य-गद्यत्रयभाष्यञ्च** । वीरराघवाचार्य ५-५०
६ **तत्वत्रय** । लोकाचार्य । आंग्लानुवाद सहित । सम्पा० ब्रह्ममित्र अवस्थी- १२-००
७ **तत्वमुक्ताकलापः** । वेदान्ताचार्यविरचितसर्वार्थसिद्धिर्नामवृत्तिः श्रीवीरराघवाचार्य सम्पादित ५५-००
८ **तत्वमुक्ताकलापः** । वेदान्ताचार्य विरचित । सर्वार्थसिद्धि-आनन्ददायिनी व्याख्याद्वय । २-४ भाग १९-७५
९ **तत्वसारः** । रत्नसारणी व्याख्या सहित ६-००
१० **तत्वसारः** । वीरराघवाचार्य कृत वात्स्यवरिवस्या व्याख्या सहित ८-००
११ **नयद्युमणिः** । मेघानन्दसूरि विरचित ९-७५
१२ **न्यायपरिशुद्धिः** । वीरराघवाचार्य विरचित न्यायतत्वप्रकाशिका सहित २५-००
१३ **न्यायसिद्धाञ्जनम्** । वेदान्तदेशिक । नीलमेघाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित २५-००
१४ **न्यायसिद्धाञ्जनम्** । 'रत्नपेटिका' रंगरामानुजभाष्यद्वय ३५-००
१५ **यतीन्द्रमतदीपिका** । वासुदेवशास्त्रीकृत 'प्रकाश' व्याख्या सहित ८-००
१६ **रक्षाग्रन्थाः** । वेंकटनाथ वेदान्तदेशिक विरचित । निक्षेपरक्षा-सच्चरित्ररक्षा-पाञ्चरात्ररक्षा-गीतार्थसंग्रहरक्षाः । सटिप्पण १०-००
१७ **रामानुज-वेदान्तसारः** । सटिप्पण 'अधिकरणसारावली' सहित ५-००
१८ **रामानुज-वेदान्तसार** । आंग्लानुवाद । कृष्णमाचार्य सम्पादित २०-००
१९ **वेदान्तकारिकावलि** । बुच्चि वेंकटाचार्य कृत । कृष्णमाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित ८-००
२० **वेदान्तकुसुमाञ्जलिः** । श्रीकेशवदास ७-००
२१ **वेदान्तदीपः** । श्रीभगवद्रामानुजाचार्यविरचित । ब्रह्मसूत्रव्याख्या २०-००
२२ **वेदार्थसंग्रहः** । रामानुज कृत । आंग्लभूमिका-आंग्लानुवाद सहित २०-००
२३ **श्रीभाष्यम्** । भाष्यदर्पण टीका सहित । १-२ भाग सम्पूर्ण ३०-००
२४ **श्रीभाष्यम्** । वेदान्ताचार्य । **तत्वटीकाशतदूषणी च** । श्रीवीरराघवाचार्य ४५-००

२५ **श्रीभाष्यम्।** वेदान्तदीप-वेदान्तसार। रामानुज कृत। सुदर्शनसूरिकृत श्रुतिप्रकाशिका, वेदान्तदेशिक कृत अधिकरणसारावली, महादेशिक कृत गूढार्थसंग्रह व्याख्या सहित। जिज्ञासाधिकरण १-१-१ पर्यन्त ५५-००
२६ **श्रीभाष्यम्।** रामानुजविरचित। आंग्लानुवाद टिप्पण्यादि सहित। आर० डी० करमरकर सम्पादित। १-२ भाग दुष्प्राप्य
२७ **श्रीभाष्य।** ललितकृष्ण गोस्वामी कृत हिन्दी टीका सहित ३१-००
२८ **श्रीभाष्यप्रकाशिका।** श्रीनिवासाचार्य विरचित ६-५०
२९ **श्रीभाष्यवार्तिकं यतीन्द्रमतदीपिका च।** श्रीनिवासाचार्य कृता तथा **सकलाचार्यमतसंग्रहश्च** १२-००
३० **श्रुतितात्पर्यनिर्णयः।** श्रीकृष्णवल्लभाचार्य कृत १०-००
३१ **सिद्धान्तसिद्धाञ्जनम्।** कृष्णानन्द सरस्वती विरचित। भास्करदीक्षितप्रणीत 'रत्नतूलिका' व्याख्या सहित। प्रथम भाग १८-७५
३२ **सिद्धित्रयम्।** यामुनाचार्यकृत। वीरराघवाचार्यविरचित 'गूढ़प्रकाश' टिप्पणी, आंग्लानुवाद सहित १२-५०
३३ **सेश्वरमीमांसा-मीमांसापादुका।** 'मीमांसापादुकापरित्राणम्' 'सूक्ष्मार्थ' टीका-'सत्पथ-सञ्चारद्वय' व्याख्या सहित १०-००

वेदान्त-विशिष्टाद्वैत-ग्रन्थाः (श्रीरामानन्द-सम्प्रदाय)

१ **अध्यासध्वंसलेशः।** श्रीकीलदेवाचार्यप्रणीतः। तात्पर्यचन्द्रिका टीका युक्त। टीकाकार—श्री रामानन्दाचार्य योगीन्द्र १८-००
२ **आर्षस्तवं श्रीरामस्तोत्रम्।** संस्कृत-हिन्दी भाष्य। श्री वज्राङ्गाचार्य १-००
३ **ईशाद्यष्टोपनिषद्** (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य-तैत्तिरीय-ऐतरेयोपनिषद्)। श्रीरामानन्दाचार्य प्रणीत आनन्दभाष्य सहित ६-००
४ **खण्डनोद्धारः।** श्रीवाचस्पतिमिश्र। रामानन्दाचार्य कृत दीपिका टीका सहित १५-००
५ **छान्दोग्योपनिषद्।** श्रीरामानन्दाचार्य कृत आनन्दभाष्य सहित ५-००
६ **बृहदारण्यकोपनिषद्।** श्रीरामानन्दाचार्य कृत आनन्दभाष्य सहित ६-००
७ **भारतपारिजातम् (महात्मागाँधिचरितम्)।** १-३ भाग १८-००
८ **वेदरहस्यम्।** बोधायन पुरुषोत्तमाचार्य संगृहीत। रहस्यमार्तण्डभाष्यसहित। श्रीरामप्रपन्नाचार्य कृत मार्तण्डभाष्यदीपिका १२-००
९ **व्यधिकरण जागदीशी।** श्रीरामानन्दाचार्य कृत दीपिका टीका सहित १२-००
१० **श्रीबोधायनमतादर्शः।** श्रीपूर्णानन्दाचार्य प्रणीत ६-००
११ **श्रीभगवद्गुणदर्पणम्।** श्रीमधुराचायप्रणीत। श्रीरामप्रपन्नाचार्यकृत गूढ़ार्थ-बोधिनी टीका १-५०
१२ **श्रीभगवन्नामकौमुदी।** श्रीलक्ष्मीधर विरचित। श्रीकीलदेवाचार्यप्रणीत अध्यास-ध्वंसलेशः—श्रीमदनन्ताचार्यप्रणीत सिद्धान्तदीपकः—श्रीरामप्रपन्नाचार्य विरचित किरणावली सहित ३-००
१३ **श्रीरामदोलिकाशयनाऽष्टकम्।** श्रीरामेश्वरानन्दाचार्य कृत तात्पर्यदीपिकाख्यया युक्त ३-००
१४ **श्रीसम्प्रदायदिग्दर्शन।** अवधेशदासजी रामायणी ३-००
१५ **श्रौतार्थसंग्रहः।** श्री अनुभवानन्दाचार्य प्रणीत ०-५०

वेदान्त-द्वैताद्वैत-ग्रन्थाः

१ **द्वैतवेदान्त का तात्विक अनुशीलन।** डॉ० कृष्णकान्त चतुर्वेदी २५-००
२ **ब्रह्ममीमांसाभाष्यम्।** (वेदान्तपारिजातसौरभनामकं व्याख्यानम्) ६-००

३ **ब्रह्मसूत्रवृत्तिः** । श्रीदेवाचार्यप्रणीत 'सिद्धान्तजाह्नवी', श्रीसुन्दरभट्टविरचित 'सिद्धान्त-सेतु' व्याख्या तथा श्री गिरिधरप्रपन्न रचित **लघुमंजूषा** युक्ता दशश्लोकी च १२-००
४ **वेदान्तरत्नमंजूषा** । श्री पुरुषोत्तमाचार्यविरचिता तथा **वेदान्ततत्त्वबोधः** १२-००
५ **वेदान्तसिद्धान्तसंग्रहः** । श्रुतिसिद्धान्तापरनामकः तथा **वेदान्तकारिकावली** । पण्डित श्रीपुरुषोत्तमप्रसादकृता । अध्यातमसुधातरंगिणी टीका सहिता २०-००
६ **श्रीनिम्बार्कभाष्य** । ललितकृष्ण गोस्वामी कृत हिन्दी टीका सहित १५-००
७ **श्रीमध्वभाष्य** । ललितकृष्ण गोस्वामी कृत हिन्दी टीका सहित १५-००
८ **श्रुत्यन्तकल्पवल्ली** । श्रीमत्पुरुषोत्तमप्रसादविरचितः १२-००
९ **श्रुत्यन्तसुरद्रुमः** । श्रीमत्पुरुषोत्तमप्रसाद विरचित तथा श्रीव्रजेश्वरप्रसाद कृता श्रुतिसिद्धान्तमञ्जरी च १८-००

वेदान्त-शुद्धाद्वैत (वल्लभ-सम्प्रदाय) ग्रन्थाः

१ **अष्टछाप** । कण्ठमणि शास्त्री ३-००
२ **अष्टछाप** । (प्राचीन वार्ता साहित्य–द्वितीयभाग) कण्ठमणिशास्त्री सम्पादित ८-००
३ **अष्टछाप और वल्लभ-सम्प्रदाय** । डॉ० दीनदयाल गुप्त । १-२ भाग ६०-००
४ **अष्टछाप का सांस्कृतिक मूल्यांकन** । डॉ० मायारानी टण्डन ५०-००
५ **अष्टछाप परिचय** । सम्पा० प्रभुदयाल मीतल १५-००
६ **अनन्याश्रय अने असमर्पितत्याग** । (गुजराती) द्वारकादास पुरुषोत्तमदास परीख १-००
७ **कविवर परमानन्ददास और वल्लभ-सम्प्रदाय** । डॉ० गोवर्धननाथ शुक्ल २०-००
८ **कांकरोली दिग्दर्शन** । कण्ठमणि शास्त्री सम्पादित । गुजराती १-००, हिन्दी १-५०
९ **केनोपनिषद्** । मनस्विनी व्याख्या । श्रीबालकृष्ण शास्त्री ६-००
१० **खट-ऋतु मार्तण्ड** । भट्ट श्रीकृष्णलालाजी १-५०
११ **गूढार्थदीपिका** । धनपतिसूरिकृता । श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धस्थ रासपञ्चाध्यायी व्याख्या, भ्रमरगीतव्याख्या तथा जगन्नाथसुधिविनिर्मिता 'रसव्याख्या' च २४-००
१२ **गोस्वामी हरिरायजी और उनका ब्रजभाषा साहित्य** । ४०-००
१३ **गोस्वामी हरिराय जी का पद-साहित्य** । सम्पादक—प्रभुदयाल मीतल १५-००
१४ **ग्वाल कवि** । (जीवन-वृत्तान्त-ग्रंथ-परिचय-काव्य-संकलन) प्रभुदयाल मीतल ९-००
१५ **चन्द्रसखी का जीवन और साहित्य** । प्रभुदयाल मीतल १५-००
१६ **चैतन्य मत और ब्रज साहित्य** । प्रभुदयाल मीतल २०-००
१७ **चैतन्य महाप्रभु** । अमृतलाल नागर ११-००
१८ **चौरासी वैष्णव की वार्ता** । (सरल ब्रजभाषा में) ६-७५
१९ **जगतानन्द** । कवि जगतानन्द कृत ५-००
२० **तत्वार्थदीपनिबन्धः** । वल्लभाचार्य कृत 'प्रकाश' संस्कृत टीका तथा 'स्नेहप्रपूरणी' हिन्दी व्याख्या सहित । श्रीकेदारनाथ मिश्र २०-००
२१ **परमानन्द सागर** । सम्पा० डॉ० गोवर्धननाथ शुक्ल २०-००
२२ **पुष्टिमार्ग** । (गुजराती) द्वारकादास पुरुषोत्तमदास परीख ३-००
२३ **पुष्टिमार्गीय वचनामृत साहित्य तात्विक अनुशीलन** । शकुन्तला ४०-००
२४ **पुष्टिमार्गीय वैष्णवो नुं आह्निक** । (गुजराती) १-२५
२५ **पुष्टिमार्गीयस्तोत्ररत्नाकर** । ११७ स्तोत्र-ग्रन्थाः २-००
२६ **प्रमेयरत्नार्णव** । हिन्दी अनुवाद सहित । श्री केदारनाथ मिश्र १२-००
२७ **प्रस्थानरत्नाकरः** । गोस्वामी श्री पुरुषोत्तमजी महाराज विरचित २४-००
२८ **प्राचीन वार्ता रहस्य** । तीसरा भाग मात्र ८-००
२९ **ब्रज और ब्रजयात्रा** । सम्पा० सेठ गोविन्ददास रामनारायण अग्रवाल ५-५०

३० **ब्रज का सांस्कृतिक इतिहास** । प्रभुदयाल मीतल ५०-००
३१ **ब्रज की कलाओं का इतिहास** । प्रभुदयाल मीतल १५०-००
३२ **ब्रजभाषा साहित्य का ऋतु सौन्दर्य** । प्रभुदयाल मीतल १२-००
३३ **ब्रजस्थ वल्लभ-सम्प्रदाय का इतिहास** । प्रभुदयाल मीतल १५-००
३४ **ब्रज साहित्य का इतिहास** । डॉ० सत्येन्द्र ३०-००
३५ **ब्रह्मवादसंग्रहः** । हिन्दी-भाषानुवाद सहित ५-००
३६ **ब्रह्म-सूत्रवृत्तिः-मरीचका** । (अणुभाष्यानुसारि) श्री ब्रजनाथभट्ट कृत । सम्पादक—रत्नगोपालभट्ट १-२ भाग १२-००
३७ **भक्तिहंस** । श्रीविट्ठलनाथस्वामिविरचित । हिन्दी अनुवाद सहित १६-००
३८ **भक्ति हेतु निर्णय** । विट्ठलेश्वर प्रभुचरण विरचित । प्रो० रघुनाथ कृत विवृत्ति । सम्पा० केदारनाथ मिश्र १६-००
३९ **मञ्जरी-पञ्चक पर एक दृष्टिनिक्षेप** । कण्ठमणि शास्त्री १-५०
४० **महाप्रभु श्रीमद्वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग** । सीताराम चतुर्वेदी ६-००
४१ **रसिकरसाल** । कुमारमणि शास्त्री प्रणीत ४-००
४२ **रासपञ्चाध्यायी-श्रीसुबोधिनी** । हिन्दीटीका सहित । जगन्नाथचतुर्वेदी (मुनमुनजी) ३५-००
४३ **रासलीला : एक परिचय** । सेठ गोविन्ददास रामनारायण अग्रवाल सम्पादित २-५०
४४ **वार्ता साहित्य : एक अध्ययन** । डॉ० हरिहरनाथ टण्डन १५-००
४५ **वार्ता-साहित्य-मीमांसा** । द्वारकादास पुरुषोत्तमदास परीख (गुजराती) १-५०
४६ **शुद्धाद्वैतमार्तण्डः** । गोस्वामी गिरिधरजी महाराज विरचित । श्रीरामकृष्ण भट्ट विरचित प्रकाश व्याख्या सहित । **प्रमेयरत्नार्णवः** लालभट्ट उपनाम श्री बालकृष्ण भट्ट विरचित तथा श्री हरिराय विरचित **ब्रह्मवादः** सहित ५-००
४७ **वैष्णव सम्प्रदायों का साहित्य और सिद्धान्त** । आचार्य बलदेव उपाध्याय ३०-००
४८ **श्रीकृष्णचरित** । सुदर्शन सिंह । प्रथम भाग १०-००
४९ **श्रीतृतीयगृहकीर्तनप्रणालिका** । गोस्वामी श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज ५-००
५० **श्रीद्वारिकाधीश की प्राकट्य वार्त्ता** । गोस्वामी श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज १०-०
५१ **श्रीवल्लभाचार्य के दर्शन का यथार्थ स्वरूप** । गो० श्याम १६-००
५२ **श्रीविद्वन्मण्डनम्** । श्रीविट्ठलनाथदीक्षितकृतम् । गोस्वामी श्री पुरुषोत्तमजी महाराज कृत सुवर्णसूत्र व्याख्या सहित १५-००
५३ **श्री सर्वोत्तम स्तोत्र** । संस्कृत-गुजराती १-५०
५४ **श्रीसुबोधिनी** । श्रीवल्लभाचार्यविनिर्मिता । श्रीमद्भागवतस्य दशमस्कन्धजन्मप्रकरणे प्रथमाध्यायन्तं व्याख्या । गोस्वामिश्रीविट्ठलनाथदीक्षित विरचित टिप्पणी तथा गोस्वामिश्रीपुरुषोत्तमजी महाराज विरचित 'प्रकाश' व्याख्या १५-००
५५ **सूरदास की वार्ता** । प्रभुदयाल मीतल ४-५०
५६ **सूरदास और मदनमोहन जीवनी और पदावली** । प्रभुदयाल मीतल ६-००
५७ **सूर-रामचरित्र** । प्रभुदयाल मीतल ४-५०
५८ **सूरसागर के सौ रत्न** । प्रभुदयाल मीतल ६-००
५९ **स्वामी हरिदास की जीवनी और वाणी तथा अष्टाचार्यों एवं भक्त कवियों की जीवन रचनायें** । प्रभुदयाल मीतल ९-००
६० **स्वामी हरिदास जी की वाणी** । प्रभुदयाल मीतल २-५०

माध्ववेदान्त-ग्रन्थाः

१ **निम्बार्कव्रतनिर्णयः** । पं० धनीराम विरचित २-००

२ **निम्बार्कसम्प्रदाय और उसके कृष्णभक्त हिन्दी कवि ।** डॉ० नारायणदत्त शर्मा
प्रथम भाग—सिद्धान्त खण्ड १२–००
३ **निम्बार्काचार्य और उनका सम्प्रदाय ।** उमाशंकर दीक्षित २५–००
४ **ब्रह्मसूत्रभाष्यम् ।** माध्वाचार्य कृत । जयतीर्थ–व्यासतीर्थ–राघवेन्द्रतीर्थ टीका सहित ।
चतुर्थभाग मात्र ४–३७
५ **वादावली ।** जयतीर्थ विरचित । आंग्लानुवाद सहित १५–००
६ **श्रीमाध्ववेदान्त (पूर्णप्रज्ञभाष्य) ।** माध्वाचार्य । प्रस्तोता—आचार्य
ललितकृष्ण गोस्वामी १५–००
७ **सूत्रार्थामृतलहरी ।** कृष्णावधूत पण्डित विरचित ३–२५
८ **हिन्दी कृष्ण-भक्ति काव्य पर श्रीमद्भागवत का प्रभाव ।** डॉ० विश्वनाथ १२–००
9 Philosophy of Nimbarka. By Madan Mohan Agrawal 40–00

वेदान्त-ग्रन्थ (भाषा)

१ **अद्वैतवेदान्त ।** डॉ० राममूर्ति शर्मा ३७–००
२ **अध्यात्मयोग और चित्त विकलन ।** व्यंकटेश्वर शर्मा ७–५०
३ **अध्यात्म विकास ।** स्वामीविष्णुतीर्थ ३–००
*४ **अमृतमन्थन ।** (जीवन का दिव्यपक्ष) । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री [वि० सं० २५] ८–००
५ **अमृतानुभव ।** सन्तज्ञानेश्वर महाराज । अनुवादक—द्वारकादास गुप्त २–५०
६ **आधुनिक चिन्तन में वेदान्त ।** महेन्द्र शेखावत ७–५०
७ **आत्मदर्शन ।** तपोमूर्ति स्वामी ओंकारानन्द गिरि ४–००
८ **आत्मप्रबोध ।** स्वामी विष्णुतीर्थ । १–२ भाग ५–५०
९ **आत्मविकास ।** आनन्दकुमार १०–००
१० **आभास और सत् ।** एफ० एच० ब्रेडले । अनु० डॉ० फतहसिंह ११–००
११ **इन्द्रशक्ति का विकास ।** सातवलेकर ०–७५
१२ **ईश्वर का साक्षात्कार ।** सातवलेकर ३–००
१३ **कौशल्य-गीतावलिः ।** पं० शंकरलाल कौशल्य २–००
१४ **गुरुपरम्परा ।** शिवोम प्रकाश २–००
१५ **ज्ञानमीमांसा परिचय ।** ए० डी० वूजले ७–००
१६ **ज्ञानमीमांसा ।** दयाकृष्ण ४–५०
१७ **ज्ञान और सत् ।** यशदेव शल्य ७–५०
१८ **ज्ञान-वैराग्य छन्दावली ।** भोलेबाबा कृत ५–००
१९ **चरित्रनिर्माण ।** सत्यकाम विद्यालंकार ६–००
२० **जीवनज्योति ।** डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री १६–००
*२१ **जीवनदर्शन ।** डॉ० मुंशीराम शर्मा
[जीवन क्या है ? वह कैसे विकसित होता है तथा उन्नत बनता है ? जीवनपथ में कैसे-कैसे मोड़ आते हैं आदि आदि । 'जीवनदर्शन' पढ़कर आप जीवन का वास्तविक मूल्याङ्कन कर सकेंगे ।] [वि. रा. १६] ३–००
२२ **तत्त्वज्ञान ।** डॉ० दीवानचन्द ५–००
२३ **तत्त्वज्ञान ।** महात्मा आनन्द स्वामी ७–००
२४ **तत्त्वमीमांसा ।** ए० ई० टेलर । अनु० सुधीन्द्र वर्मा ८–००
२५ **दासबोध ।** भाषा । अनु० श्री राजकुमार भारतीय ९–००
२६ **पक्षपात रहित अनुभव प्रकाश ।** विशुद्धानन्द कालीकमली वाले २४–००

२७ **पञ्चीकरण** । श्रीरामविरचित । जयकृष्ण कृत व्याख्या । गुजराती से हिन्दी अनुवाद । चमनलाल गौतम ३-००
२८ **पारसमणि** । (पारस भाग का हिन्दी अनुवाद) स्वामी आत्मानन्द ८-००
२९ **पूजातत्त्व** । म० म० गोपीनाथ कविराज ४-००
३० **पूजातत्व** । गोपीनाथ कविराज । आंग्लानुवाद सहित १२-००
३१ **प्रथम और अन्तिम मुक्ति** । जे० कृष्णमूर्ति । अनुवादक—दयालशरण वर्मा २०-००
३२ **प्राणतत्त्व** । स्वामी विष्णुतीर्थ १-५०
*३३ **भक्ति का विकास** । डॉ० मुंशीराम शर्मा
[परमपुरुषार्थ रूप में प्राप्य 'भगवत्' और 'भक्ति' तत्त्व के विषय में जितना कुछ जानना आवश्यक है वह सब इस ग्रन्थ में उपनिबद्ध है ।] [वि. रा. १५] ५०-००
*३४ **भक्तितरङ्गिणी** । डॉ० मुंशीराम शर्मा [वि. रा. २१]
[भक्तिभाव से ओत-प्रोत वेद मन्त्रों का सरस हिन्दी गीतों में अनुवाद । भक्तितरङ्गिणी अध्यात्म-पथ के यात्रियों के लिये अनुपम सम्बल सिद्ध होगी ।] ५-००
३५ **भक्तिसार** । स्वामी चरणदास विरचित ४०-००
३६ **महावाक्य** । परमहंस स्वामी योगानन्द २-५०
*३७ **विचारचन्द्रोदय** । भाषा । हनुमानदास जी षट्शास्त्री
[श्री पीताम्बर पण्डित विरचित षोडश कलाओं से पूर्ण यह ग्रन्थ भावुक महात्माओं के लिये परम हितकर है ।] [वि. रा. १४२] ५-००
३८ **विचारसागर** । निगमानन्द परमहंस १५-००
३९ **विचारसागर (वेदान्ततत्वविचार)** । सप्रमाण । स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती ६-००
४० **विचारसागर** । निश्चलदास रचित । पीताम्बरी टिप्पणी । भाषाकार—डॉ० चमनलाल गौतम ११-००
४१ **वृत्तिप्रभाकर** । निश्चलदास कृत हिन्दी अनुवाद सहित । सम्पा० डॉ० चमनलाल गौतम ७-५०
४२ **वेदान्त छन्दावली** । १-५ भाग ८-२५
४३ **वेदान्तदीपिका** । स्वामी योगानन्द (आलूवाले बाबा) ५-००
४४ **वेदान्तरहस्य** । स्वामी योगानन्द २-००
४५ **वेदान्त रत्नावली** । १-००
४६ **वृत्तिप्रभाकर** । स्वामी श्रीआत्मानन्दजी मुनि ९-००
४७ **शङ्कराचार्य** । आचार्य बलदेव उपाध्याय २५-००
४८ **शङ्कराचार्य का आचार-दर्शन** । डॉ० रामानन्द तिवारी ७-००
*४९ **शक्तिभाष्य का अध्ययन** । डॉ० श्रीमती सुशीला कमलेश ३०-००
५० **श्रीनारायण-उपदेशामृत** । शिवोमप्रकाश ब्रह्मचारी २-५०
५१ **श्रुति की टेर** । भोला ०-७५
५२ **सत्यार्थप्रकाश** । स्वामी दयानन्द सरस्वती । सम्पा० युधिष्ठिर मीमांसक ६-००
*५३ **सद्धर्मचन्द्रिका** । स्वामी हनुमानदासजी षट्शास्त्री [वि. रा. १४०] ४-००

स्वामीरामतीर्थ साहित्य

१ **अन्तरात्मा** ।	३-००	६ **धर्मतत्व** ।	३-००
२ **अरण्यसम्वाद** ।	३-००	७ **भक्तियोग रहस्य** ।	३-००
३ **आत्मसाक्षात्कार की कसौटी** ।	३-००	८ **भगवत-ज्ञान के विचित्र रहस्य** । बाबा नगीना सिंह	३-००
४ **आत्मानुभव** ।	४-००		
५ **जगजीत प्रज्ञा** ।	१-००	९ **भारतमाता** ।	३-००

१० रामजीवन कथा । १८-००
११ रामपत्र । ३-८०
१२ रामवर्षा । प्रथमभाग (भजनावली) ४-००
१३ रामवर्षा । द्वितीयभाग (भजनावली) ६-२५
१४ रामहृदय । ३-००
१५ विश्वानुभूति । ४-००
१६ वेदानुवचन । ७-००
१७ वेदान्त शिखर से । ३-००
१८ व्यावहारिक वेदान्त । ३-००
१९ सफलता का रहस्य । ३-००
२० सुलह की जङ्ग-गङ्गा-तरङ्ग । ७-००

श्रीरामकृष्ण-विवेकानन्द-साहित्य

१ आचार्यशंकर । स्वामीअपूर्वानन्द ५-५०
२ आत्मतत्त्व । २-५०
३ आत्मानुभूति तथा उसके मार्ग । ४-००
४ ईशदूत ईसा । ०-७५
५ कवितावली । ३-००
६ कर्मयोग । ३-००
७ गीतातत्त्व । स्वामी शारदानन्द ४-१०
८ ज्ञानयोग । ६-००
९ ज्ञानयोग पर प्रवचन । १-२५
१० चिन्तनीय बातें । २-१०
११ जाति, संस्कृति और समाजवाद । ३-००
१२ देववाणी (उच्च आध्यात्मिक उपदेश) । ५-५०
१३ धर्मतत्त्व । २-००
१४ धर्मप्रसंग में स्वामी शिवानन्द । अपूर्वानन्द । १-२ भाग ११-५०
१५ धर्मरहस्य । २-२०
१६ धर्मविज्ञान । २-५०
१७ धर्मवेदान्त । ४-००
१८ नारदभक्तिसूत्र । १-२०
१९ पत्रावली । १-२ भाग । प्रथम ७-००
द्वितीय ६-००
२० परमार्थ प्रसंग । स्वामीविरजानन्द ३-७५
२१ परिव्राजक (मेरी भ्रमण कहानी) । २-००
२२ पवहारी बाबा । ०-८०
२३ प्राच्य और पाश्चात्य । ३-००
२४ प्रेमयोग । ३-००
२५ भक्तियोग । ३-००
२६ भगवान् बुद्ध का संसार को सन्देश । ४-१०
२७ भगवान् श्रीकृष्ण और भगवद्गीता । ३-७०
२८ भगवान् रामकृष्ण, धर्म तथा संघ । २-४०
२९ भारत का ऐतिहासिक क्रमविकास एवं अन्य प्रबन्ध । २-२५
३० भारत में विवेकानन्द । १०-००
३१ भारत में शक्तिपूजा । स्वामी शारदानन्द ३-००
३२ भारतीय नारी । २-७०
३३ मन की शक्तियाँ तथा जीवन गठन की साधनाएँ । ०-८५
३४ मरणोत्तर जीवन । १-००
३५ महापुरुषों की जीवन गाथाएँ । ३-००
३६ माँ शारदा । स्वामी अपूर्वानन्द ८-००
३७ मेरे गुरुदेव । १-६०
३८ राजयोग । ६-००
३९ रामकृष्ण-संघ : आदर्श और इतिहास । स्वामी तेजसानन्द कृत २-००
४० वर्तमान भारत । १-२०
४१ व्यावहारिक जीवन में वेदान्त । २-००
४२ विविध प्रसङ्ग । ३-२५
४३ विवेकानन्दचरित । सत्येन्द्रनाथ मजूमदार कृत १०-००
४४ विवेकानन्दजी की कथाएँ । २-८०
४५ विवेकानन्दजी के सङ्ग में । ७-२०
४६ विवेकानन्दजी के सान्निध्य में । २-२५
४७ विवेकानन्दसंचयन । विवेकानन्दजी का लेख, व्याख्यान, पत्र आदि का संग्रह १४-००
४८ वेदान्त-सिद्धान्त और व्यवहार । स्वामी शारदानन्द ०-७५
४९ शिकागो वक्तृता । १-००
५० शिक्षा । १-२५
५१ शिवानन्द-स्मृति संग्रह । स्वामी अपूर्वानन्द द्वारा संकलित । प्रथम ७-५०
द्वितीय ८-५०, तृतीय १०-००

५२ श्रीरामकृष्ण और श्री माँ।
स्वामी अपूर्वानन्द कृत ६–००
५३ श्रीरामकृष्ण उपदेश। १–००
५४ श्रीरामकृष्ण भक्तमालिका।
१-२ भाग। प्रथम ८–५०, द्वितीय १०–००
५५ श्रीरामकृष्णलीलाप्रसंग। स्वामी
शारदानन्द कृत सुविस्तृत। १–३ खण्ड
प्रथम खण्ड १६–००, द्वितीय खण्ड ११–००
तृतीय खण्ड ९–००
५६ श्रीरामकृष्णलीलामृत।
(जीवनचरित) १–२ भाग। १७–००
५७ श्रीरामकृष्णवचनामृत। १–३ भाग।
प्र० ९–००, द्वि० ११–५०, तृ० १०–००
५८ सरलराजयोग। ०–८०
५९ साधुनागमहाशय। ३–२५
६० सार्वलौकिक नीति तथा
सदाचार। २–२०
६१ स्वाधीन भारत! जय हो! २–००
६२ स्वामी विवेकानन्द जी से
वार्तालाप। ४–५०
६३ हमारा भारत। ०–७५
६४ हिन्दू-धर्म। ३–८०
६५ हिन्दू-धर्म के पक्ष। ०–७५
६६ विवेकानन्द साहित्य।
१–१० भाग १५०–००

(पाकेट-साईज-पुस्तकें)

१ ईसामसीह की वाणी। १–००
२ गुरु नानक की वाणी। १–००
३ भगवान बुद्ध की वाणी। १–००
४ भगवान श्रीकृष्ण की वाणी। १–००
५ मुहम्मद पैगम्बर की वाणी। १–००
६ मेरा जीवन तथा ध्येय।
(स्वामी विवेकानन्द) १–००
७ मेरी समर नीति।
(स्वामी विवेकानन्द) १–००
८ विवेकानन्द--राष्ट्र को आह्वान। ०–८०
९ विवेकानन्दजी के उद्गार। १–००
१० शक्तिदायी विचार।
(स्वामी विवेकानन्द) १–००
११ श्रीरामकृष्णदेव की वाणी। १–००
१२ श्रीरामचन्द्र की वाणी। १–००
१३ श्रीशंकराचार्य की वाणी। १–००
१४ श्रीशारदादेवी की वाणी। १–००
१५ सूक्तियाँ एवं सुभाषित। १–५०

श्री अरविन्द साहित्य

१ गीता प्रबन्ध। १७–७०
२ दिव्यजीवन। प्रथम १३–००
द्वितीय ११–८०, तृतीय २०–००
३ नाटक और कहानियाँ १–२ भाग ४४–००
प्रथम २०–००, द्वितीय २२–००
४ पूर्व जन्म और क्रम विकास। १८–२५
५ भारतीय संस्कृति के आधार। १३–००
६ मानव एकता का आदर्श। १३–२५
७ मानवचक्र। १२–५०
८ योग समन्वय। १–२ भाग ३०–५५
९ वेदरहस्य। १–२ भाग ३७–००
१० श्री अरविन्द : अपने विषय में। १८–००
११ श्री अरविन्द : श्रीमाताजी के
विषय में। १८–००
१२ श्री अरविन्द की बंगला
रचनाएँ। १८–००
१३ श्री अरविन्द के पत्र। प्रथम १७–९५
द्वितीय २५–००, तृतीय ३०–००
१४ श्री अरविन्द साहित्य संग्रह।
१–२१ खण्ड सम्पूर्ण ३४०–००
१५ श्री अरविन्द जन्मशती
विशेषाङ्क (प्रज्ञा)।
सम्पादक—डॉ० रत्नशङ्कर मिश्र १०–००

स्वामी अखण्डानन्द साहित्य

१ अपरोक्षाभूति प्रवचन। ६–००
२ आत्मबोध। ३–००
३ ईशावास्य प्रवचन। ४–००
४ कठोपनिषद् प्रवचन।
प्रथम भाग ९–००, द्वितीय भाग १२–००
५ कपिलोपदेश। ३–७५

६ कर्मयोग । (तृतीय अध्याय) ६-००
७ गीता दर्शन । १-२ भाग १०-५०
८ गोपियों के पाँच प्रेम गीत । ०-४०
९ ज्ञान निर्झर । ०-९०
१० ज्ञान-विज्ञान योग । (स० अ०) ६-००
११ ध्यानयोग । (षष्ठ अध्याय) ६-००
१२ नारदभक्तिदर्शन । ९-००
१३ ब्रह्मसूत्र-प्रवचन । १-३ भाग ३०-००
१४ ब्रह्मज्ञान और उनकी साधना । (त्रयोदश अ०) ९-७५
१५ भक्तियोग । (द्वादश अ०) ६-००
१६ भक्तिसर्वस्व । ७-५०
१७ भागवत विचार-दोहन । ३-००
१८ माधुर्य-मञ्जूषा । ३-००
१९ माधुर्य-मयंक । सनातनदेव ३-००
२० माधुर्य-लहरी । (सनातनदेवजी) २-००
२१ मानवजीवन और भागवतधर्म । ४-५०
२२ माण्डूक्य-प्रवचन । (आगम-प्रकरण) १२-००
२३ माण्डूक्य-प्रवचन । (वैतथ्य-प्रकरण) ७-५०
२४ माण्डूक्य-प्रवचन । (अद्वैत-प्रकरण) ४-५०
२५ मुण्डक-सुधा । ३-७५
२६ राम-शताब्दी-स्मृति । २०-००
२७ विभूतियोग । (दशम अ०) ५-२५
२८ विवेक कीजिये । १-२ भाग १४-५०
२९ वेणुगीत । ३-००
३० व्यवहार और परमार्थ । ३-७५
३१ श्रीभक्तिरसायनम् । संस्कृत १२-००
३२ श्री भक्तिरसायन-प्रपा । (संस्कृत) ३-००
३३ श्रीमद्भागवत-रहस्य । ३-७५
३४ सांख्ययोग । (द्वि० अध्याय) ९-७५
३५ साधना और ब्रह्मानुभूति । ५-२५

स्वामी महेशानन्दगिरि साहित्य

१ ईशावास्योपनिषद् । १-५०
२ कठोपनिषद् । प्रथम भाग २०-००
३ गीता प्रवेश । १५-००
४ दश-शान्तयः । (वैदिक सम्प्रदायान्तर्गत) भाषा टीका ३-००
५ मानवता की ओर । १५-००
६ मानसोल्लास माधुरी । २०-००
७ व्यक्तित्व का विकास । ५-००
८ श्वेताश्वतर-उपनिषद् । २०-००
९ साधन संग्राम । १-२ २५-००
१० स्तुतिकदम्बः । २-५०
11 Jivan Yajna. 12-00
12 Our Dharma. [illegible].00

आचार्य श्री रजनीश साहित्य

१ ईशावास्योपनिषद् । १५-००
२ कृष्ण : मेरी दृष्टि में । ४०-००
३ गहरे पानी पैठ । ५-००
४ गीतादर्शन । पुष्प १-२ ३०-००
५ गीतादर्शन । पुष्प ४ ३०-००
६ गीतादर्शन । पुष्प ५ १२-००
७ गीतादर्शन । पुष्प ६ ३०-००
८ गीतादर्शन । पुष्प ८ २५-००
९ गीतादर्शन । पुष्प ९ २५-००
१० गीतादर्शन । पुष्प ११ ३-००
११ घाट भुलाना बाट बिनु । १२-००
१२ जिन खोजा तिन पाइया । ४०-००
१३ ज्यों की त्यों धरि दीन्ही चदरिया । ५-००
१४ ताओ उपनिषद् । १-२ भाग ८०-००
१५ निर्वाण उपनिषद् । [illegible]५-००
१६ पद घुंघरु बाँध । ८-००
१७ पाथेय । ३५-००
१८ प्रभु की पगडण्डियाँ । ६-००
१९ प्रभु के फूल । ५-००
२० प्रेम है द्वार प्रभु का । १२-००
२१ भगवान, मार्ग और मैं । ८-००
२२ महावीर परिचय और वाणी [illegible]०-००
२३ महावीर : मेरी दृष्टि में । [illegible]०-००
२४ महावीर वाणी । १-२ भाग [illegible]०-००
२५ मिट्टी के दिये । ५-००
२६ मुल्ला नसरुद्दीन । ५-००
२७ मैं कहता आँखन देखी । [illegible]-००
२८ मैं कौन हूँ ? ६-००
२९ मैं मृत्यु सिखाता हूँ । [illegible]०-००

३० शिवसूत्र । २५-००, ५०-००
३१ समुन्द समाना बूँद में । ९-००
३२ सम्भावनाओं की आहट । ८-००
३३ सम्भोग से समाधि की ओर । ६-००
३४ साधना पथ । ५-००
३५ सूली ऊपर सेज पिया की । ७-००

स्वामी करपात्रीजी के ग्रन्थ

१ अहमर्थ और परमार्थसार । ६-००
२ चातुर्वर्ण्य-संस्कृति-विमर्श । प्रथम भाग ३-००
३ धर्मकृत्योपयोगी-तिथ्यादि-निर्णयः कुम्भपर्वनिर्णयश्च । ०-५०
४ पूँजीवाद–समाजवाद और रामराज्य । ५-००
५ भक्तिरसार्णवः । ५-००
६ रामायणमीमांसा । ४०-००
७ विचार-पीयूष । २२-००
८ विदेशयात्रा : शास्त्रीयपक्ष । २-००
९ वेद का स्वरूप और प्रामाण्य । १-२ भाग ७-५०
१० वेदस्वरूपविमर्श । ७-००
११ वेदार्थपारिजात । १६०-००
१२ संकीर्तन मीमांसा और वर्णाश्रम मर्यादा । २-५०
१३ संघर्ष और शान्ति । ४-००

श्रीमद्भगवद्गीता

१ **गीता और विज्ञान** । मान्धातासिंह गहमरी ३०-००
२ **गीता कथा** । श्रीरामशर्मा आचार्य ६-००
३ **गीता का अद्भुत सन्देश** । श्री विष्णुदयाल १५-००
४ **गीता का तात्त्विक विवेचन** । भास्करानन्द लोहनी १३-००
५ **गीता का व्यवहार दर्शन** । सेठ रामगोपाल ७-००
६ **गीतातत्त्व** । स्वामी शारदानन्द कृत ३-५०
७ **गीतातत्त्वप्रदीप** । (विभूतियोग) सिद्धिनाथ मेहरोत्रा ८-००
८ **गीतातत्त्वामृत** । स्वामी विष्णुतीर्थजी १२-००, १३-५०
९ **गीतादर्पण** । अर्थात् श्रीभगवद्गीता पर श्री रामेश्वरानन्दी अनुभवार्थदीपक भाषा-भाष्य । स्वामी आत्मानन्द मुनि ७-५०
१० **गीताप्रवचन : गीताव्याख्यानमाला** । गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी । १-३ भाग ३४-५०
११ **गीताप्रवचन** । विनोबाभावे । संस्कृत ४-००, हिन्दी ७-००
१२ **गीता-प्रवेश** । हिन्दी । महेशानन्द गिरि १५-००
१३ **गीताभाष्य नवाम्बरा** । एस० एन० शास्त्री १५-००
१४ **गीतामन्दाकिनी** । स्वामी गङ्गेश्वरानन्द उदासीन १०-००
१५ **गीताऽमृत** । शिवकुमार मिश्र 'मयूर' ४-००
१६ **गीताऽमृत** । कृष्णदत्त पालीवाल ४-००
१७ **गीताऽमृतम्** । सम्पा० सत्यनारायण पाण्डेय १-५०
१८ **गीतारहस्य** । लोकमान्यतिलकप्रणीत । हिन्दी ३२-००, अंग्रेजी ३२-००
१९ **गीताविश्वकोश** । सांवलिया बिहारीलाल वर्मा । १-२ भाग ३२-००
२० **गीताशास्त्रार्थ विवेक** । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती ३-००
२१ **गीतोपदेश** । (गीतावाणी का हिन्दी) अनिलवरण राय कृत ३-००
२२ **ज्ञानेश्वरी-भगवद्गीता** । हिन्दी अनुवाद । भारतीय योगी १०-००
२३ **भगवद्गीता** । 'शांकरभाष्य'-'आनन्दगिरि'-'नीलकण्ठी'-'भाष्योत्कर्षदीपिका-'श्रीधरी' (सुबोधिनी)-'अभिनवगुप्त'-'मधुसूदनी' (गूढ़ार्थदीपिका) 'गूढ़ार्थतत्वालोक' अष्टटीकोपेता १५० ००

२४ **भगवद्गीता** । मधुसूदनी संस्कृत व्याख्या, हिन्दी अनुवाद सहित । अनु० हरिहरकृपालु । १–२ भाग ५०–००
२५ **भगवद्गीता** । अद्वैतांकुरा व्याख्या सहित ४–१०
२६ **भगवद्गीता** । पैशाचभाष्योपेता ३–००
२७ **भगवद्गीता** । राजानकरामकवि प्रणीत सर्वतोभद्र व्याख्यायुत ५–६२
२८ **भगवद्गीता** । आनन्दगिरि–शांकरभाष्यव्याख्याद्वयोपेता ११–६०
२९ **भगवद्गीता** । शाङ्करभाष्य समेत १२–००, १०–००
३० **भगवद्गीता** । स्वामी आनन्दगिरि कृत हिन्दी टीका सहित १२–६०
३१ **भगवद्गीता** । सानुवाद शंकरानन्दी व्याख्या सहित २०–००
३२ **भगवद्गीता** । श्रीधरस्वामी कृत सुबोधिनी टीका सहित २०–००
३३ **भगवद्गीता** । तात्पर्यचन्द्रिका टीका रामानुजभाष्य सहित १४–१०
३४ **भगवद्गीता-रामानुजभाष्य** । तात्पर्यचन्द्रिका टीका सहित ३५–००
३५ **भगवद्गीता** । (गीतामृतमञ्जूषा) स्वामीभगवतानन्द सरस्वती । १–१८ भाग १००–००
३६ **भगवद्गीता** । अमृतवर्षिणीटीका । अमृतं सरियाराम भरणोत । १–४ भाग ८०–००
३७ **भगवद्गीता** । रामकण्ठाचार्य व्याख्या सहित (मद्रास) ६–५०
३८ **भगवद्गीता** । काश्मीरपाठानुसारिणी । मूल एवं आंग्लभूमिका सहित । सम्पा० एस० एन० तदपत्रीकर ३–००
३९ **भगवद्गीता** । डॉ० एस० के० वेलवलकर सम्पादित १५–००
४० **भगवद्गीता** । डॉ० एस० के० वेलवलकर संशोधित । डॉ० वासुदेव अग्रवाल कृत हिन्दी अनुवाद ५–००
४१ **भगवद्गीता** । डॉ० एस० एन० वेलवलकर कृत आंग्लानुवाद सहित १२–००
४२ **भगवद्गीता** । भगवदाशयानुसारणाभिधान-भाष्य सहित । भास्कराचार्य विरचित । डॉ० सुभद्रोपाध्याय सम्पादित । १–९ अध्याय ५–५०
४३ **भगवद्गीता** । गीतार्थचन्द्रिका । स्वामी दयानन्द कृत ३–००
४४ **भगवद्गीता** । अन्वय तथा हिन्दी व्याख्या । सीतारामदास कृत १०–००
४५ **भगवद्गीता** । ज्ञानेश्वरी—हिन्दी १५–००
४६ **भगवद्गीता** । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् । अनुवादक—विराज ३८–००
४७ **भगवद्गीता** । सत्यव्रत सिद्धान्तालङ्कार कृत धारावाही हिन्दी अनुवाद सहित ४०–००
४८ **भगवद्गीता** । भाषा । हरिराम भार्गव ५–००

विविध गीता

१ **अष्टावक्रगीता** । हिन्दी टीका ६–००
२ **ईश्वरगीता** । हिन्दी टीका १–५०
३ **उत्तरगीता** । गौड़पादाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित १–००
४ **उत्तरगीता** । गौडपादाचार्य विरचित व्याख्या आंग्लानुवाद सहित ५–००
५ **उद्धवगीता** । स्वामी माधवानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ७–५०
६ **गणेशगीता** । मूलमात्र १–००
७ **गणेशगीता** । नीलकण्ठी व्याख्या सहित ३–७५
८ **गाँधिगीता** । श्रीनिवास शास्त्री विरचित ३–७५
९ **गोपीगीता** । सव्याख्या १–००
१० **धीशगीता** । हिन्दी टीका सहित १–५०
११ **पञ्चदशीगीता** । यतीन्द्रमोहन चट्टोपाध्याय कृत आंग्लानुवाद सहित ३०–००
१२ **पाण्डवगीता** । मूलमात्र ०–२५

१३ **रामगीता** । हिन्दी अनुवाद ३-००
१४ **रामगीता** । भाषानुवाद सहित । क्षितीशचन्द्र चक्रवर्ती १-२५
१५ **विष्णुगीता** । भाषानुवाद सहित २-००
१६ **शक्तिगीता** । भाषानुवाद सहित २-००
१७ **शम्भुगीता** । भाषानुवाद सहित २-००
१८ **शिवगीता** । मूलमात्र १-००
१९ **शिवगीता** । पद्मपुराणान्तर्गत । हिन्दी व्याख्या । स्वामी ईश्वरानन्दगिरि ५-००
२० **श्रीगुरुगीता** । भाषानुवाद सटिप्पण १-२५
२१ **श्रीरामकृष्णगीता** । त्र्यम्बक भण्डारकर ८-००
२२ **संन्यासगीता** । भाषानुवाद सहित २-००
२३ **सप्तशतीगीता** । भाषानुवाद सहित ३-००
२४ **सूर्यगीता** । हिन्दी अनुवाद सहित १-५०

उपनिषद्-ग्रन्थाः

१ **अष्टादश उपनिषदः** । अर्थव्याकरणबोधक टिप्पणी सहित । लिमये वाडेकर सम्पादित । प्रथम खण्ड ४०-००
२ **अष्टाविंशत्युपनिषद्** । मूलमात्र ५-००
३ **अष्टोत्तरशतोपनिषद्** । हिन्दी टीका सहित । श्रीरामशर्मा आचार्य । १-३ भाग ३१-५०
४ **आथर्वणोपनिषद्** । नारायणवृत्ति सहित ८-००
५ **ईश-केन-कठोपनिषद्** । 'अर्थप्रकाश' व्याख्या सहित १-९०
६ **ईशादिदशोपनिषद्** । शांकरभाष्य ३०-००
७ **ईशादिद्वादशोपनिषद्** । स्वा० विद्यानन्दगिरि कृत विद्यानन्दी मिताक्षरा हिन्दी टीका १५-००
८ **ईशावास्यप्रवचनसुधा** । स्वामी विद्यानन्दगिरि ४-००
९ **ईशावास्य रहस्य** । सत्यदेव शास्त्री २-५०
१० **ईशावास्योपनिषद्** । शांकरभाष्य-आनन्दगिरी टीका १-९०
११ **ईशावास्योपनिषद्** । शांकरभाष्यसमन्विता । भाष्यार्थदीपिका हिन्दी व्याख्या ५-००
१२ **ईशावास्योपनिषद्** । शां० भा०-आ० गिरि तथा हिन्दी टीका । स्वामी काशिकानन्द ६-००
१३ **ईशावास्योपनिषद्** । शांकरभाष्य युक्त ०-७५
१४ **ईशावास्योपनिषद्** । शांकरभाष्य-भाषानुवाद । मधुबाला शर्मा २-००
१५ **ईशावास्योपनिषद्** । कूरनारायण प्रणीत 'प्रकाशिका'-श्रीधरशास्त्रि कृत 'बालबोधिनी' व्याख्या सहित २-५०
१६ **ईशावास्योपनिषद्** । बालकृष्ण शास्त्री कृत 'मनस्विनी' व्याख्या सहित १-५०
१७ **ईशावास्योपनिषद्** । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित २-००
१८ **ईशोपनिषद्** । सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित ५-००
१९ **ईशावास्योपनिषद्भाष्य** । आचार्यभाष्य-तात्पर्य सहित ५-००
२० **ईशोपनिषद्** । आंग्लानुवाद व्याख्या सहित १०-००
२१ **उपनिषद् (५२)** । भोलेबाबा कृत हिन्दी टीका सहित ५-००
२२ **उपनिषद्** । रङ्गरामानुजभाष्य । प्रथमभाग (केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य एवं श्वेताश्वेतरोपनिषद्) २०-००
२३ **उपनिषद्** । रङ्गरामानुजभाष्य । द्वितीयभाग (तैत्तिरीय-ऐतरेय-छान्दोग्योपनिषद्) २५-००
२४ **उपनिषद् उद्धार कोष** । सम्पा० विश्वबन्धु ३०-००
२५ **उपनिषद् चिन्तन** । देवदत्त शास्त्री ४-००
२६ **उपनिषद् तत्व निर्णय** । अनन्तानन्द सरस्वती संगृहीत १-५०

२७ **उपनिषद् दर्शन का रचनात्मक सर्वेक्षण** । रामचन्द्र द० रानाडे १० ००
२८ **उपनिषद् मन्त्रवाक्य महाकोष** । (२२३ उपनिषदों का कोष) १२० ००
२९ **उपनिषद् मन्दाकिनी** । देवदत्तशास्त्री ७-००
३० **उपनिषद् रहस्य** । भाषा । चमनलाल गौतम ६-५०
३१ **उपनिषद् वाणी** । स्वामी विष्णुतीर्थ जी ७-००
३२ **उपनिषद् वैयाकरण पदसूची** । विशवन्धु सम्पादित ८५-००
३३ **उपनिषद् संग्रह** । (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य-ऐतरेय-तैत्तिरीय-छान्दोग्योपनिषद्) जयदेव विद्यालंकार सम्पादित ७-००
३४ **उपनिषदां-समुच्चय** । शङ्करानन्द नारायण विरचित 'दीपिका' संवलित १२-५०
३५ **उपनिषदों की कहानियाँ** । इलाचन्द्र जोशी १०-००
३६ **उपनिषदों की कहानियाँ** । रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री । १-२ भाग ९-००
३७ **उपनिषदों की भूमिका** । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् १०-००
३८ **उपनिषदों में काव्यतत्व** । डॉ० के० के० धवन ५०-००
३९ **एकादशोपनिषद्** । अमरदास कृत उपनिषन्मणिप्रभा-मिताक्षरा-दीपिका सहित १५-००
४० **ऐतरेयोपनिषद्** । शांकरभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युक्त २-५०
४१ **ऐतरेयोपनिषद्** । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित २-००
*४२ **(हिन्दी) कठोपनिषद्** । शाङ्करभाष्य 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकार—सुरेन्द्रदेव शास्त्री । [वि. सं. १४७]
[हिन्दी व्याख्या में एक-एक पद पर विषद व्याख्यान प्रस्तुत करके पश्चात् भावार्थ अलग से सुस्पष्ट किया गया है । भाषा एवं शैली अत्यन्त सुबोध है । पाण्डित्यपूर्ण भूमिका तथा 'नोट्स' आदि परीक्षार्थी के लिये बहुत उपयोगी है ।] ५-००
४३ **कठोपनिषद्** । संस्कृत-हिन्दी टीका । महेशानन्द गिरि । प्रथम भाग २०-००
४४ **कठोपनिषद्** । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ३-००
४५ **काठकोपनिषद्** । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या सहित ८-००
४६ **काठकोपनिषद्** । शाङ्करभाष्य । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती ४-००
४७ **केनोपनिषद्** । शांकर-रामानुजभाष्य—श्रीधरशास्त्री प्रणीत व्याख्या सहित ५-००
४८ **केनोपनिषद्** । शाङ्करभाष्य हिन्दी टीका सहित । डॉ० सुमन शर्मा । सम्पा० डॉ० कृष्णलाल ६-००
४९ **केनोपनिषद्** । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या सहित १-९०
५० **केनोपनिषद्** । मन्त्र-पदच्छेद-अन्वय शब्द-शब्दार्थ-भावार्थ-व्याख्या एवं आंग्लानुवाद सहित । अनुवादक—आहिताग्नि यमुनाप्रसाद त्रिपाठी १०-००
५१ **केनोपनिषद्भाष्यम्** । शांकरभाष्य-सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत टिप्पणी सहित २-५०
५२ **कौषितकीब्राह्मणोपनिषद्** । शङ्करानन्द कृत दीपिका टीका । काबेल कृत आंग्लानुवाद सहित ३५-००
५३ **छान्दोग्योपनिषद्** । शांकरभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या सहित १५-००
५४ **छान्दोग्योपनिषद्** । श्रीरामशर्मा कृत हिन्दी अनुवाद सहित ४-००
५५ **छान्दोग्योपनिषद्** । स्वामी स्वाहानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित १५-००
५६ **छान्दोग्योपनिषद्** । शांकरभाष्य । आंग्लानुवाद सहित । म० म० डॉ० गङ्गानाथझा १६-००
५७ **तैत्तिरीय भाष्यार्थ विमर्शिनी** । शांकरभाष्य आनन्दवल्ली-भृगुवल्ली सहित १०-००
५८ **तैत्तिरीय भाष्यार्थ विमर्शिनी** । शांकरभाष्य-शिक्षावल्ली २-५०
५९ **तैत्तिरीयोपनिषद्** । शांकरभाष्य हिन्दी अनुवाद सहित । सम्पा० चुन्नीलाल शुक्ल ४-००
६० **तैत्तिरीयोपनिषद्** । शांकरभाष्य-आनन्दगिरिव्याख्यायुत ८-००
६१ **तैत्तिरीयोपनिषद्** । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ३-००

६२ **तैत्तिरीयोपनिषद् भाष्यवार्तिक** । सुरेश्वराचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । राधेश्याम शर्मा २०-००
६३ **तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यवार्तिकम्** । सुरेश्वराचार्य कृत आनन्दगिरि व्याख्या १४-००
६४ **दशोपनिषद्** । मूलमात्र ३-७५
६५ **दशोपनिषद्** । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित । १-२ भाग ३०-००
६६ **द्वादशोपनिषद्** । विद्यानन्दी-मिताक्षरासमलंकृत । स्वामी विद्यानन्द गिरि १५-००
६७ **न्यायकल्पलतिका** । बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यवार्तिक व्याख्या । आनन्दपूर्णमुनीन्द्र विरचित । प्रथम भाग १७-००, द्वितीय भाग ५८-००
६८ **नृसिंहतापनी (अथर्ववेदीयोपनिषद्)** । शांकरभाष्य ८-००
६९ **नृसिंहपूर्वोत्तरतापनीयोपनिषद्** । सव्याख्या ३-२५
७० **प्रश्नोपनिषद्** । शांकरभाष्य-आनन्दगिरि १-९०
७१ **प्रश्नोपनिषद्** । प्रकाशभाष्य सहित । स्वामीजी महाराज (दतिया) १-००
७२ **प्रश्नोपनिषद्** । स्वामी स्वाहानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित १-५०
७३ **ब्रह्मोद्योपनिषद् : प्रश्नोत्तरोपनिषद्** । स्वामी वेदान्ततीर्थजी २-००
७४ **बृहदारण्यकोपनिषद्** । शांकरभाष्य-आनन्दगिरि टीका सहित ३५-००
७५ **बृहदारण्यकोपनिषद्** । श्रीरामशर्मा कृत हिन्दी अनुवाद सहित ४-००
७६ **बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यवार्तिकम्** । सुरेश्वराचार्य कृत आनन्दगिरि व्याख्या ६-००
७७ **बृहदारण्यकोपनिषद्** । शांकरभाष्य-माधवानन्दकृत आंग्लानुवाद २५-००
७८ **महानारायणोपनिषद्** । दीपिका व्याख्या सहित २-००
७९ **महानारायणोपनिषद्** । स्वामी विमलानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ६-००
८० **माण्डूक्यरहस्यविवृत्तिः** । गौड़पादकारिका व्याख्या । सच्चिदानन्देन्द्रसरस्वती संयमि १५-००
८१ **माण्डूक्योपनिषद्** । शांकरभाष्य-आनन्दगिरि टीका सहित १५-००
८२ **माण्डूक्योपनिषद्** । गौड़पादकारिका । शांकरभाष्य–आनन्दगिरि–विद्यानन्दी–मिताक्षरा । हिन्दी अनुवाद सहित १२-००
८३ **माण्डूक्योपनिषद् (अथर्ववेदीय)** । गौड़पादकारिका सहित । शांकरभाष्य-विद्यानन्दी मिताक्षरा । हिन्दी टीका सहित ६-००
८४ **माण्डूक्योपनिषद्** । सान्वय हिन्दी व्याख्या आंग्लानुवाद सहित । सम्पा० आहिताग्नि यमुनाप्रसाद त्रिपाठी ६-००
८५ **माण्डूक्योपनिषद्** । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित २-००
८६ **मुण्डकोपनिषद्** । शांकरभाष्य-आनन्दगिरि १-९०
८७ **मुण्डकोपनिषद्** । शांकरभाष्य । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत सभाष्य ३-२५
८८ **मुण्डकोपनिषद्** । शांकरभाष्य । श्रीधरशास्त्री प्रणीत 'बालबोधिनी' व्याख्या सहित २-५०
८९ **याज्ञिक्युपनिषद् विवरणम्** । पुरुषोत्तम तीर्थ कृत ४-००
९० **योगोपनिषद्** । सम्पादक—पं० अ० महादेव शास्त्री ३०-००
९१ **शाक्तोपनिषद्** । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (८ उपनिषद्) ८-००
९२ **शैवोपनिषद्** । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (१५ उपनिषद्) १२-००
९३ **श्वेताश्वेतरोपनिषद्** । शांकरभाष्य-शंकरानन्दीविवरण सहित ६-२५
९४ **श्वेताश्वेतरोपनिषद्** । महेशानन्दगिरि २०-००
९५ **श्वेताश्वेतरोपनिषद्** । प्राचीन पाँच टीकाओं के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित हिन्दी टीका सहित । डॉ० तुलसीराम शर्मा १२-५०, १८-००
९६ **श्रुतिसिद्धान्तसारसंग्रहः** । अष्टोत्तरशतोपनिषद्सारसंग्रह ९-००
९७ **सन्यासोपनिषद्** । ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित (१७ उपनिषद्) १६-००
९८ **सामान्यवेदान्तोपनिषद्** । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (२४ उपनिषद्) २०-००

वैदिक-ग्रन्थाः

१ **अग्निदेवतामन्त्रमाला** । प्रथम भाग (श्री अरविन्द कृत 'हिम्स टू दि मिस्टिक फायर' का संस्कृत अनुवाद) ३०-००
२ **अग्निदेवतामन्त्रसंग्रहः** । सातवलेकर सम्पादित ६-००
३ **अथर्व-प्रातिशाख्यम्** । डॉ० सूर्यकान्त शास्त्री १८०-००
४ **अथर्व-प्रातिशाख्यम्** । आंग्लानुवाद सहित । डब्ल्यू० डी० ह्विट्ने सम्पादित ४०-००
५ **अथर्ववेदः** । (शौनकीयः) पदपाठ-सायणभाष्य-पाठभेद-टिप्पणी सहित । १-४ भाग (५ जिल्द में) ३००-००
६ **अथर्ववेदः** । वेदार्थबोधिनी हिन्दी व्याख्या । व्याख्याकार—डॉ० रामकृष्ण शास्त्री । सम्पा० विश्वनाथ शास्त्री । प्रथमखण्ड १-१० काण्ड ३०-००
७ **अथर्ववेद एवं गोपथब्राह्मण** । एम० प्लूम फील्ड का हिन्दी रूपान्तर । अनुवादक—डॉ० सूर्यकान्त शास्त्री ३५-००
८ **अथर्ववेद-परिशिष्ट** । जार्ज मेलवील बोलिङ्ग जूलियस वौन नेजेलिन सम्पादित । डॉ० रामकुमार राय कृत हिन्दी नोट्स ७५-००
९ **अथर्ववेदभाष्यम्** । सायणभाष्यमनुसृत्यसनातनभाष्योपेतः । पं० माधवाचार्य । १-३ खण्ड । प्रथम २५-००, द्वितीय ४०-००, तृतीय भाग ३६-००
१० **अथर्ववेदऋषिदेवता छन्दोऽनुक्रमणिका** । विश्वबन्धु सम्पादित १५-००
११ **अथर्ववेद : एक साहित्यिक अध्ययन** । डॉ० मातृदत्त द्विवेदी ३०-००
१२ **अथर्ववेद की अनुक्रमणिका** । २-००
१३ **अथर्ववेद पदपाठानुक्रमणी** । (अकारादि वर्णक्रमानुसारिणी) ३६-००
१४ **अथर्ववेद में सांस्कृतिक तत्त्व** । डॉ० आर० सी० मिश्र १०-००
१५ **अथर्ववेद-वैयाकरण-पदसूची** । विश्वबन्धु सम्पादित ८५-००
१६ **अथर्ववेदसंहिता** । मूलमात्र । सजिल्द २०-००
१७ **अथर्ववेदसंहिता** । जयदेवविद्यालङ्कार कृत भाषाभाष्य सहित । १-४ भाग ६४-००
१८ **अथर्ववेदसंहिता** । सातवलेकर कृत सुबोध हिन्दीभाष्य सहित । १-५ भाग १५०-००
१९ **अथर्ववेदसंहिता** । सायणभाष्यावलम्बी सरल हिन्दी भाषार्थ सहित । श्रीरामशर्मा आचार्य । १-२ भाग १९-००
२० **अथर्ववेदसंहिता** । मूलमात्र । सम्पा० पं० वेणीरामशर्मा गौड़ । प्रथम खण्ड १-१० काण्डपर्यन्त २०-००
२१ **अथर्ववेदीय ज्योतिषम्** । (काश्यप-प्रजापति सम्वाद) हिन्दी टीका सहित १-००
२२ **अथर्ववेदीयबृहत्सर्वानुक्रमणिका** । विश्वबन्धु सम्पादित १८-००
२३ **अथर्ववेदे शान्तिपुष्टिकर्माणि** । डॉ० माया मालवीया ८-००
२४ **अदितिः आदित्याश्च मन्त्रसंग्रह** । हिन्दी टीका सहित । सातवलेकर सम्पादित ३-००
२५ **अवेस्ता** । एर्वट मा० फा० कांगा० । एन० एस० सोनटके सम्पादित । १-३ भाग १२५-००
२६ **अश्विनौदेवतामन्त्रसंग्रह** । हिन्दी टीका सहित । सातवलेकर सम्पादित ५-००
२७ **अस्य वायस्य सूक्तम्** । सायण-आत्मानन्द भाष्य सहित १२-००
२८ **आपस्तम्बगृह्यसूत्रम्** । 'अनाकुला' 'तात्पर्यदर्शन' व्याख्याद्वय । उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित ४०-००
२९ **आपस्तम्बशुल्वसूत्रम्** । कन्दर्पिस्वामी—करविन्द-सुरन्दरराज कृत व्याख्या ३-५०
३० **आपस्तम्बश्रौतसूत्रम्** । धूर्तस्वामिभाष्योपेतं रामाग्निचिद्वृत्तिसहितम् । (१-३ सम्पुटानि १-१० प्रश्नाः) २८-००

३१ **आश्वलायनगृह्यसूत्रम्**। नारायण संस्कृत टीका। आंग्लानुवाद सहित। डॉ० नरेन्द्रनाथ शर्मा ५०-००
३२ **आश्वलायनगृह्यसूत्रम्**। नारायणप्रणीतवृत्तिः गृह्यपरिशिष्टम्, कुमारिलभट्ट विरचित गृह्यकारिका च १५-००
३३ **आश्वलायनश्रौतसूत्रम्**। सिद्धान्तभाष्य। द्वितीय भाग ४-००
३४ **आश्वलायनसूत्रप्रयोगदीपिका**। भट्टमञ्जनाचार्य विरचित १२-००
३५ **आर्षेयकल्पः**। वरदराज कृत व्याख्या सहित १००-००
३६ **आर्षेयब्राह्मण**। सायणभाष्य सहित। डॉ० वी० आर० शर्मा १८-५०
३७ **उग्ररथशान्तिप्रयोगः**। ६-००
३८ **उदकशान्तिः**। आपस्तम्बीय। प्रयोग सहित १-५०
३९ **उषादेवता**। हिन्दी टीका सहित। सातवलेकर सम्पादित ४-००
४० **उषादेवतामंत्रसंग्रहः**। सातवलेकर सम्पादित १-७५
४१ **उहगानम्-उह्यगानम्**। पं० ए० एम० रामनाथदीक्षित ६०-००
४२ **ऋक्तंत्रम् : सामप्रातिशाख्यम्**। 'ऋक्तन्त्रविवृत्ति' तथा 'सामवेदसर्वानुक्रमणि' टीका सहित। डॉ० सूर्यकान्त ४०-००
४३ **ऋक्सूक्तचयनम्**। डॉ० कमलाप्रसाद सिंह। डॉ० वीरेन्द्रकुमार वर्मा ६-००
४४ **ऋक्सूक्तवैजयन्ती**। १०८ सूक्तों का हिन्दी अनुवाद। सम्पादक—वेलणकर, पराड़कर, जोशी ४०-००
४५ **ऋक्सूक्तशती**। पदपाठ। एच० डी० वेलङ्कर कृत आंग्लानुवाद सहित २७-००
४६ **ऋक्सूक्तसंग्रहः**। सायणभाष्यानुसारी-पिटर्सन की हिन्दी व संस्कृत व्याख्या १५-००
४७ **ऋक्सूक्तसमुच्चयः**। डॉ० रामकृष्ण आचार्य १५-००
४८ **ऋक्सूक्तसुधाकर**। व्याख्याकार—डॉ० कृष्णकुमार १५-००
४९ **ऋगर्थसारः**। दिनकरभट्ट कृत। आर्येन्द्र शर्मा-के० सीतारामैय्या सम्पादित। प्रथम भाग ४-००
५० **ऋग्भाष्यसंग्रहः**। सायण-स्कन्दस्वामि-वेंकटमाधवभाष्य-आंग्लानुवाद सहित १५-००
५१ **ऋग्वेदः**। पदपाठ। स्कन्दस्वामि कृत उद्गीथभाष्य, वेंकटमाधव कृत व्याख्या सायणभाष्यानुसारिणीमुद्गलीयवृत्ति सहित। विश्वबन्धु सम्पादित। १-८ भाग ४८०-००
५२ **ऋग्वेदः**। रामगोविन्द कृत हिन्दी अनुवाद मात्र २०-००
५३ **ऋग्वेद ऋषिदेवता छन्दोऽनुक्रमणी**। सम्पा० विश्वबन्धु १०-००
५४ **ऋग्वेदकवि-विमर्शः**। डॉ० मधुकर गो० माईमकर ३-००
५५ **ऋग्वेदकाल में पारिवारिक सम्बन्ध**। डॉ० एस० आर० शास्त्री ४१-२५
५६ **ऋग्वेद की अनुक्रमणिका**। १-५०
५७ **ऋग्वेद के अग्निसूक्त**। २-००
५८ **ऋग्वेदचयनिका**। डॉ० सिद्धनाथ शुक्ल २०-००
५९ **ऋग्वेदपदपाठानुक्रमणिका**। विश्वबन्धु सम्पादित ६०-००
६० **ऋग्वेद पर एक ऐतिहासिक दृष्टि**। विश्वेश्वरनाथ रेउ १५-००
६१ **ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्**। उव्वट-महीधरभाष्य। डॉ० एस० भट्टाचार्य सम्पादित ७२-००
६२ **ऋग्वेदप्रातिशाख्य : एक परिशीलन**। डॉ० वी० के० वर्मा ४५-००
६३ **ऋग्वेदभाषाभाष्य**। युधिष्ठिरमीमांसक कृत (ऋषिदयानन्दभाष्य का) अनुवाद सहित। १-३ भाग (म० १, सूक्त १-१०५ पर्यन्त) ८५-००
*६४ **(हिन्दी) ऋग्वेदभाष्यभूमिका**। सायणाचार्य विरचित। हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार-आचार्य जगन्नाथ पाठक
[परीक्षा की दृष्टि से सारे तथ्यों को पूर्णरूप से हिन्दी में विवेचन करके समझाया

गया है और साथ ही सायणाचार्य के जीवन तथा साहित्य पर भी विचार किया गया है।] [वि. स. ४५] ५-००

६५ **ऋग्वेदभाष्यभूमिका** । दयानन्द सरस्वती कृत टीका सहित १५-००

६६ **ऋग्वेदमन्त्रानुक्रमणिका** । विश्वबन्धु सम्पादित २०-००

६७ **ऋग्वेदमन्त्राणां वर्णानुक्रमः** । ३-००

६८ **ऋग्वेदमन्त्राणां वर्णानुक्रम सूची** । १-५०

६९ **ऋग्वेद में दार्शनिक तत्त्व** । डॉ० गणेशदत्त शर्मा ३०-००

७० **ऋग्वेदसंहिता** । मूलमात्र । सातवलेकर सम्पादित २५-००

७१ **ऋग्वेदसंहिता** । (पदपाठ सहित) डॉ० मैक्समूलर सम्पादित । १-२ भाग १००-००

७२ **ऋग्वेदसंहिता** । हिन्दी भाषार्थ सहित । श्रीरामशर्मा आचार्य । १-४ भाग ३८-००

७३ **ऋग्वेदसंहिता** । जयदेव विद्यालङ्कार कृत भाषाभाष्य सहित । १-६ भाग ९६-००

७४ **ऋग्वेदसंहिता** । सायणभाष्य सहित । १-५ भाग । पूना संस्करण ५०८-००

*७५ **ऋग्वेदसंहिता** । (प्रथम अध्याय, सूक्त १-१९) सस्वर, संहितापाठ, पदपाठ, सायणभाष्य तथा स्कन्दभाष्य के महत्त्वपूर्ण अंश, हिन्दी व्याख्या, हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद सहित । सम्पादक—डॉ० उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' [वि. सं. १६३] २५-००

७६ **ऋग्वेदसंहिता** । उद्गीथाचार्य प्रणीत भाष्य सहित (दशम मण्डल) ५-००

७७ **ऋग्वेदसंहिता** । सातवलेकर कृत सुबोध हिन्दी भाष्य सहित ।
षष्ठ मण्डल—**भारद्वाजऋषि का दर्शन** २५-००

७८ **ऋग्वेदसंहिता** । सातवलेकर कृत सुबोध हिन्दी भाष्य सहित ।
सप्तम मण्डम—**वशिष्ठऋषि का दर्शन** २५-००

७९ **ऋग्वेदसंहिता** । मूल, आंग्लानुवाद सहित । एच० एच० विल्सन सम्पादित ।
१-६ भाग ३६०-००

८० **ऋग्वेद सुबोधभाष्य** । सातवलेकर कृत । १-८ मण्डल १-३ भाग १५०-००

८१ **ऋग्वेद सर्वानुक्रमणी** । महर्षिकात्यायन कृत । उमेशचन्द्र शर्मा सम्पादित २०-००

८२ **ऋग्वेद-सूक्त-विकास** । ऋग्वेद के विचार, विकास और विलास । ह० रा० दिवाकर २४-००

८३ **ऋग्वेदेऽलङ्काराः** । डॉ० प्रह्लादकुमार ७५-००

८४ **ऐतरेयब्राह्मणम्** । सायणभाष्यसमेतम् । १-२ भाग । प्रथम भाग यंत्रस्थ, द्वि० भाग ३५-००

८५ **ऐतरेयब्राह्मणपर्यालोचनम् अथवा ऐतरेयब्राह्मणआचार-विचारः** ।
डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री ३-००

८६ **ऐतरेयालोचन** । सत्यव्रत सामाश्रमी सम्पादित २-२५

*८७ **ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट** । (मूल-संस्कृत-उद्धरण) प्रो० जे० मूइर कृत । सम्पादक एवं हिन्दी अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय । १-५ भाग सम्पूर्ण २००-००

इस संस्करण की विशेषता—

भाग १ : हिन्दू जातियों की उत्पत्ति-सम्बन्धी पौराणिक विवरणों से सम्बद्ध मूल संस्कृत उद्धरणों का संकलन, उनका हिन्दी अनुवाद तथा यह विवेचन कि वैदिक काल में भी जातिवाद का अस्तित्व था अथवा नहीं।

भाग २ : इस तथ्य की विवेचना करते हुए कि हिन्दू जाति के लोग हिमालय के उस पार से आये तथा योरोपीय जाति की पश्चिमी शाखा से सम्बद्ध थे, अथवा नहीं, इस विषय पर मूल-संस्कृत-उद्धरणों का संग्रह तथा उनका हिन्दी अनुवाद।

भाग ३ : ऋग्वेद सूक्तों के संग्रह के ठीक पूर्व अथवा उसके पश्चात के भारतीय कृतिकारों के वेदों की उत्पत्ति, विभाजन, प्रेरणा-स्रोत और अधिकारिकता को व्यक्त करने वाले मूल-संस्कृत-उद्धरणों का संग्रह तथा हिन्दी अनुवाद।

भाग ४ : वैदिक सूक्तों, ब्राह्मण-ग्रन्थों तथा इतिहास-पुराण में मिलने वाले ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र और अम्बिका आदि देवी-देवताओं से सम्बद्ध-मूल-संस्कृत-उद्धरणों का हिन्दी अनुवाद सहित संग्रह तथा यह विवेचन कि देवी-देवताओं सम्बन्धी आरम्भिक धारणायें बाद की कृतियों में किस प्रकार उत्तरोत्तर परिवर्तित होती गई।

भाग ५ : वैदिक कालीन भारतीयों के सृष्टिरचना, पुराकथाशास्त्रीय और धार्मिक विचारों तथा जीवन और रीति-रिवाजों को व्यक्त करने वाले सानुवाद मूल संस्कृत उद्धरणों का संग्रह तथा उनकी विवेचना। [वि. रा. ६७]

८८ **कनकावली**। नारायणाचार्य विरचित २-५०

८९ **कपिष्ठलकठसंहिता**। (कृष्णयजुर्वेदीय) डॉ० रघुवीर ४८-००

९० **कात्यायनशुल्वसूत्रम्**। आंग्लानुवाद सहित। ए० डी० खादिलकर सम्पादित ४५-००

९१ **कात्यायनश्रौतसूत्रम्**। कर्क-महीधरभाष्यसहित। डॉ० ए० वेबर सम्पादित ५०-००

९२ **कात्यायनश्रौतसूत्रम्**। श्रीकर्काचार्य विरचित कर्कभाष्य सहित।
द्वितीय भाग १२-२६ अध्याय मात्र २०-००

९३ **कौथुमगृह्यसूत्रम्**। भूमिका-नोट्स सहित ९-००

९४ **कौषितकी ब्राह्मण आरण्यक विषय कोष**। १०-००

*९५ **कौषितकीब्राह्मणपर्यालोचनम् अथवा कौषितकीब्राह्मणआचारविचारः**।
डॉ० मङ्गलदेवशास्त्री सम्पादित [वि. सं. ७०] ५-००

९६ **कौशिकसूत्रम् (अथर्ववेद)**। दरील-केशव संस्कृत व्याख्या सहित।
सम्पादक—ब्लूम फोल्ड ३०-००

९७ **क्या प्राचीन आर्य लोग मांसाहारी थे ?** सत्यानन्द शास्त्री १-००

९८ **क्या वेद में इतिहास है ?** पं० जयदेव शर्मा ४-००

९९ **क्षुद्रकल्पसूत्रम्**। मसक गार्ग्य कृत। श्रीनिवास कृत भाष्य ४२-००

१०० **खादिरगृह्यसूत्रम्**। रूद्रस्कन्दीयवृत्ति, हिन्दी टीका सहित १०-००

१०१ **गणपत्यथर्वशीर्षम्**। मूलमात्र ०-३०

१०२ **गणेशाथर्वशीर्षम्**। सभाष्य ३-७५

१०३ **गोज्ञानकोषः**। (गौ के विषय में वेद-मंत्रों के वचनों का संग्रह) सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद। द्वितीय भाग १०-००

१०४ **गोपथब्राह्मणम्**। क्षेमकरण त्रिवेदी कृत भाष्य सहित। सम्पा० श्रीप्रज्ञादेवी ४०-००

१०५ **गोभिलगृह्यकर्मप्रकाशिका**। भाषा टीका १०-००

१०६ **गृह्यसूत्रसंग्रहः**। श्रीरामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी अनुवाद सहित १०-००

१०७ **चतुर्वेदमीमांसा**। डॉ० मुंशीराम शर्मा २०-००

१०८ **चतुर्वेदवैयाकरण-पदसूची**। विश्वबन्धु सम्पादित। १-२ भाग १५०-००

१०९ **चतुर्वेदसूक्त-सुधाकर**। डॉ० कृष्णकुमार १५-००

११० **चरणव्यूहः**। महर्षि शौनकप्रणीतः। महिदासकृत भाष्य। उमेशचन्द्र शर्मा सम्पा० १५-००

१११ **चारायणीयमंत्रार्षाध्यायः**। यजुर्वेदीय। मूलमात्र ४-००

११२ **छन्दस्तवीवाक्**। वासुदेवशरण अग्रवाल कृत आंग्लानुवाद सहित १-५०

११३ **छन्दोदर्शनः**। मूल एवं आंग्ल टीका सहित। ऋषि दैवरात सम्पादित ४५-००

११४ **जैमिनीय-आर्षेय-उपनिषद्-ब्राह्मण**। सम्पादक—डॉ० बी० आर० शर्मा २४-००

११५ **जैमिनीय सामगानम्**। भगवज्जैमिनिप्रणीतम्। सम्पादक-विभूतिभूषण भट्टाचार्य ४५-००

११६ **जैमिनीयोपनिषद्ब्राह्मणम्**। सामवेदीय ६-००

११७ **तैत्तिरीयमन्त्रकोश**। १-२ भाग ५-५०

११८ **तैत्तिरीयसंहिता**। कृष्णयजुर्वेदीय। सायणभाष्य-पदपाठ सहित। १-८ भाग १२८-२५

११९ **तैत्तिरीयसंहिता** । सायणभाष्य । भट्टभास्कर कृत व्याख्या । १–२ भाग ८५–००
१२० **तैत्तिरीयसंहिता पदानुक्रमणिका** । परशुराम शास्त्री सम्पादित । प्रथम भाग १०–००
१२१ **तैत्तिरीयसंहिता-वैयाकरण-पदसूची** । विश्वबन्धु सम्पादित ८५–००
१२२ **दण्डक** । शुक्लयजुर्वेदीय १–५०
१२३ **दशशान्तिः** । संस्कृत-हिन्दी टीका । महेशानन्द गिरि ३–००
१२४ **दैवताध्याय-संहितोपनिषद्-वंश-ब्राह्मणानि** । सव्याख्यानि । डॉ० बे० रामचन्द्रशर्मणा सम्पादितानि १२–००
१२५ **दैवतसंहिता** । (चारों वेदों का देवतानुसार मन्त्र-संग्रह) सातवलेकर सम्पादित ३०–००
१२६ **दैवम्** । देवकृत । शुकमुनिविरचितपुरुषकाराख्यवार्तिकोपेतम् । सटिप्पण ८–००
१२७ **द्राह्यायणगृह्यसूत्रम्** । रुद्रस्कन्दवृत्ति–हिन्दी टीका सहित १०–००
१२८ **नयगेयशाखानुक्रमणी** । सीताराम सहगल सम्पादित ३०–००
१२९ **नारदीय शिक्षा** । (सामवेदीय) भट्ट शोभाकर कृत संस्कृत व्याख्या सहित १–५०
१३० **निघण्टु : निरुक्त** । मूल तथा हिन्दी अनुवाद । लक्ष्मणस्वरूप शास्त्री । अनुवादक—सत्यभूषण योगी ३५–००
१३१ **निदानसूत्रम्** । के० एम० भटनागर ४०–००, ६०–००
१३२ **निरुक्तम्** । श्री छज्जुराम शास्त्री कृत संस्कृत टीका, श्री भागीरथ शास्त्री कृत हिन्दी अनुवाद सहित ४०–००
*१३३ **निरुक्त** । १–७ अध्याय । विवेचनात्मक बृहत् हिन्दी व्याख्या, भूमिकादि सहित । व्याख्याकार—डॉ० उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि'
[इस परीक्षोपयोगी संस्करण का अनुवाद शब्दशः किया गया है तथा वैदिक मन्त्रों के अन्वय और शब्दार्थ के साथ अर्थ दिये गये हैं । यथास्थल अनुसन्धानात्मक टिप्पणियाँ और सर्वांगपूर्ण भूमिका दी गयी है ।] [वि. सं. ५७] १६–००
१३४ **निरुक्तम्** । दुर्गाचार्य कृत वृत्ति सहित । द्वितीय भाग मात्र (भण्डारकर) २५–००
१३५ **निरुक्तम्** । ब्रह्मलीनमुनि । हिन्दी टीका सहित । १–३ भाग ५०–००
१३६ **निरुक्तम्** । प्रथम भाग (निघण्टु व निरुक्त) वी० के० रजवाडे सम्पादित १००–००
१३७ **निरुक्त (प्रश्नोत्तर रूप में)** । त्रिवेणीदत्त त्रिपाठी–चुन्नीलाल शुक्ल ४–००
१३८ **निरुक्तभाष्य** । वेदार्थदीपक । भाष्यकार—चन्द्रमणि विद्यालङ्कार पालिरत्न । १–२ भाग ६०–००
१३९ **निरुक्तमीमांसा** । शिवनारायण शास्त्री २५–००
१४० **निरुक्तसम्मर्शः** । स्वामी ब्रह्ममुनि कृत शैल्यनुसारि विवेचनात्मक भाष्य सहित २०–००
१४१ **निरुक्त-समुच्चयः** । वररुचिप्रणीत । सम्पादक—युधिष्ठिर मीमांसक ६–००
१४२ **नीतिमञ्जरी** । सभाष्य । श्री द्याद्विवेदि विरचिता । भूमिका टिप्पणी सहित १०–००
१४३ **न्यू वैदिक सिलेक्शन** । अन्वय-सायणभाष्य-शब्दा०–आंग्लानुवाद, नोट्स सहित । तैलंग तथा चौबे । प्रथम भाग १०–०० . द्वितीय भाग १८–००
१४४ **पञ्चविधिसूत्रम् तथा मात्रालक्षणम्** । सटीक । सम्पादक–डॉ० वी० आर० शर्मा ७–००
१४५ **पञ्चसूक्तम्** । 'सिद्धान्तदीपिका' संस्कृत-हिन्दी टीका २–००
१४६ **पथ्यास्वस्ति** । श्रीमधुसूदनशर्मा प्रणीत ६–००
१४७ **पादविधानम्** । शौनक कृत १–५०
१४८ **पुष्पसूत्रम्** । (सामप्रातिशाख्यं) पुष्पर्षिप्रणीत । श्रीमदजातशत्रुकृतभाष्य २०–००
१४९ **पुरुषसूक्तभाष्यम्** । रङ्गनाथमुनि कृत ०–७५
१५० **प्रतिहारसूत्रम्** । (सामवेदस्य श्रौतसूत्रान्तर्गतं) श्री वरदराजकृत दशतय्या समन्वित । सम्पा० डॉ० वी० आर० शर्मा २५–००

१८८ **वेद प्रामाण्य मीमांसा** । स्वामी करपात्री जी १-००
१८९ **वेदपुष्पाञ्जलिः** । सत्यकाम विद्यालंकार १४-००
१९० **वेदमंत्रों के प्रकाश में** । डॉ० सम्पूर्णानन्द १-५०
१९१ **वेद महाविज्ञान** । पन्नालाल परिहार १२-००
१९२ **वेद में अध्यात्म विद्या** । पन्नालाल परिहार ६-५०
१९३ **वेदरत्नाकर** । देवव्रत शर्मा १-५०
१९४ **वेदरश्मि** । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल ५-००
१९५ **वेद विज्ञान मीमांसा** । वेणीरामशर्मा गौड़ १-२५
१९६ **वेदशास्त्रसंग्रहः** । (साहित्यरत्नकोषे प्रथम खण्ड) । विश्वबन्धु सम्पादित १५-००
*१९७ **वेदसंचयनम्** । हिन्दी टीका सहित । डॉ० यदुनन्दन मिश्र
[सायणभाष्य सहित सटिप्पण हिन्दी व्याख्या विभूषित, गोरखपुर विश्वविद्यालय के बी० ए० परीक्षा के लिये निर्धारित । ५० पृष्ठों की समीक्षात्मक भूमिका छात्रों के लिये पर्याप्त उपयोगी है] [वि. सं० १५७] ८-००
१९८ **वेदसमुल्लास** । वेद मंत्रों की संस्कृत-हिन्दी एवं अंग्रेजी में टीका । सत्यभूषण योगी १४-००
१९९ **वेदसार** । विश्वबन्धु । हिन्दी टीका सहित ६-००
२०० **वेद स्वरूप विमर्श** । स्वामी करपात्री जी ७-००
२०१ **वेदार्थकल्पलता** । महर्षि दैवरात १२५-००
*२०२ **वेदार्थचन्द्रिका** । डॉ० मुन्शीराम शर्मा [वि. रा. ११२]
[प्रस्तुत ग्रंथ के २५ भावपूर्ण निबन्धों में कुछ प्रमुख प्रकाशदाता वेदमन्त्रों की यथार्थ हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है । लेखक वेद के मर्मज्ञ हैं । इसके भाव, भाषा, शैली आदि देखकर आप मुग्ध हो जायेंगे । एक बार अवश्य पढ़ें ।] १०-००
२०३ **वेदार्थपारिजातः** । स्वामी करपात्रीजी । हिन्दी अनुवाद सहित । १-२ भाग १८०-००
२०४ **वेदार्थप्रवेशिका** । डॉ० सम्पूर्णानन्द २-५०
२०५ **वेदेऽश्विनौ** । डॉ० तृ० कृ० कृष्णस्वामी (अय्यर) शर्मा २०-००
२०६ **वेदों का स्वरूप** । डॉ० विश्वमित्र २०-००
२०७ **वेदों की वर्णन शैलियाँ** । डॉ० रामनाथ वेदालंकार ५०-००
२०८ **वेदों में भारतीय संस्कृति** । आद्यादत्त ठाकुर १०-००
२०९ **वेदों में अध्यात्म-विद्या** । ६-५०
२१० **वैखानसस्मार्तसूत्र** । डॉ० कैलण्ड ३-७५
२११ **वैखानसश्रौतसूत्र** । मूलमात्र । डॉ० कैलण्ड सम्पादित ७-५०
२१२ **वैखानसश्रौतसूत्र (अथर्ववेदीय)** । सोमादित्यविरचित आक्षेपानुविधि व्याख्या ३०-००
*२१३ **वैदिक आख्यान** । डॉ० गङ्गासागर राय
[इस पुस्तक में जीवन को सुगठित एवं समुन्नत बनाने वाले प्रेरणाप्रद वैदिक आख्यानों का गुम्फन इतनी सरस भाषा एवं शैली में किया गया है कि एक ही बैठक में बिना पुस्तक समाप्त किये जी नहीं मानता ।] [वि. रा. ६६] ३-००
*२१४ **वैदिक इण्डेक्स** । (वैदिक-कोष) मैकडोनेल और कीथ । (हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय । १-२ भाग सम्पूर्ण
[इसमें सन्दर्भ संकेत संख्यायें तथा फुटनोट में उनकी व्यवस्था का क्रम वही किया गया है जैसा कि मूल ग्रन्थ में है । इस अवस्था के कारण जो निःसन्देह अत्यन्त कठिन और कहीं-कहीं असम्भव सा कार्य था, अनुवाद की उपयोगिता और विषय-व्यवस्था की प्रामाणिकता अत्यन्त बढ़ गई है ।] [वि. रा. ४६] ७५-००
२१५ **वैदिक इतिहास विमर्श** । वैद्यनाथ शास्त्री ९-००
२१६ **वैदिक उपदेश** । स्वामी जी महाराज (दतिया) ५-००

२१७ **वैदिक कोष** । डॉ० सूर्यकान्त २२-५०
२१८ **वैदिक दर्शन** । डॉ० फतह सिंह १०-००
*२१९ **वैदिक निबन्धावली** । डॉ० मुन्शीराम शर्मा
[इस निबन्ध संग्रह में वेदों की एक स्वल्प झाँकी प्रस्तुत करने वाले २५ निबन्ध हैं। ये निबन्ध उच्च कक्षा के विद्यार्थियों, शोध-छात्रों एवं जनसाधारण वेदप्रेमियों के लिए अत्यन्त लाभप्रद हैं] [वि. रा. ६१] ७-५०
२२० **वैदिकपदानुक्रमकोषः** । विश्वबन्धु सम्पादित । १-१६ भाग १६००-००
*२२१ **वैदिक माइथोलॉजी** । (वैदिक पुराकथाशास्त्र) प्रो० ए० ए० मैकडोनल । (हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय । नवीन संस्करण [वि. रा. ४०]
[यह ग्रन्थ वेद की आत्मा का भासमान प्रदीप है। वैदिक देवताओं का रहस्य जानना यदि अभीष्ट हो तो इस ग्रन्थरत्न को अवश्य पढ़कर लाभ उठाइये ।] शीघ्रप्राप्य
*२२२ **वैदिक युग के भारतीय आभूषण** । डॉ० रायगोविन्दचन्द
[वैदिक युग में मनुष्य कौन-कौन से आभूषण किस प्रकार धारण करता था, किस आभूषण के कितने भेदोपभेद या प्रकार थे, आदि का प्रामाणिक तथा सूक्ष्म विवेचन प्रस्तुत ग्रन्थ का विषय है ।] [वि. रा. ८४] २५-००
*२२३ **वैदिक योगसूत्र** । श्री हरिशंकर जोशी
[प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषद-पुराणादि में विकीर्ण तथा व्याप्त योगदर्शन का विवेचन किया गया है। सोमयोग, अग्नियोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं मिलेगा ही नहीं । अकाट्य तर्कों तथा युक्तियों के साथ आकर-ग्रन्थों के वचन भी प्रमाणत्वेन उपन्यस्त हैं ।] [चौ. रा. ३] २५-००
२२४ **वैदिक राजनीतिशास्त्र** । डॉ० विश्वनाथ प्रसाद वर्मा १३-५०
*२२५ **वैदिक वाङ्मय का इतिहास** । डॉ० रमाकान्त शास्त्री [वि. रा. १३७] ५-००
२२६ **वैदिक वाङ्मय का इतिहास** । भगवद्दत्त । सम्पादक—सत्यश्रवा ।
प्रथम भाग ६०-००, द्वितीय भाग ५५-००
२२७ **वैदिक वाङ्मय में प्रयुक्त विविध स्वराङ्कन प्रकार** । सम्पा० युधिष्ठिरमीमांसक ३-००
२२८ **वैदिक वाङ्मय में भाषा चिन्तन** । एस० एन० शास्त्री २५-००
२२९ **वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति** । गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी १३-००
२३० **वैदिक विश्वदर्शन** । हरिशंकर जोशी । १-४ भाग ४९-००
*२३१ **(हिन्दी) वैदिक व्याकरण** । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय
[बी० ए० तथा एम० ए० परीक्षाओं के पाठ्यक्रमानुसार नवनिर्मित इस पुस्तक में वेद का सुबोध व्याकरण, स्वरचिह्न, पद-पाठ आदि के विषय में समाधान तथा क्रियारूपों का कोश भी प्रकाशित किया गया है] [वि. रा. ३७] ४-००
२३२ **वैदिक व्याकरण** । डॉ० रामगोपाल । १-२ भाग ५४-००
२३३ **वैदिक व्याकरण** । मैक्डोनैल । अनु० सत्यव्रत शास्त्री २५-००
२३४ **वैदिक व्याख्यानमाला** । ११-४० व्याख्या । २-४ भाग ३०-००
२३५ **वैदिक व्याख्यान विवेचन** । रामगोपाल ३०-००
२३६ **वैदिक-शब्दार्थ-पारिजातः** । सम्पा० विश्वबन्धु ६-००
२३७ **वैदिक संस्कृति के तत्त्व** । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री ५-००
२३८ **वैदिक एवं वेदान्त साहित्य की रूपरेखा** । डॉ० रामेश्वर प्रसाद मिश्र ५-००
२३९ **वैदिक साहित्य** । पं० रामगोविन्द त्रिवेदी १०-००
२४० **वैदिक साहित्य और संस्कृति** । बलदेव उपाध्याय २०-००
२४१ **वैदिक साहित्य का इतिहास** । (प्रश्नोत्तर) राजकिशोर सिंह ५-००

*२४२ **वैदिक साहित्य की रूपरेखा** । प्रो० हंसराज अग्रवाल
[इस पुस्तक में वैदिक साहित्य के आदि से अन्त तक की प्रत्येक महत्त्वपूर्ण अङ्गों की जानकारी संक्षेप में करा दी गई है। इसके अध्ययन से छात्रों को सर्वांगपूर्ण वैदिक साहित्य की महत्त्वपूर्ण बातों का आवश्यक ज्ञान हो जायगा।] [वि. रा. ८७] २-००

२४३ **वैदिकसिद्धान्तमीमांसा** । युधिष्ठिर मीमांसक । प्रथम भाग ३०-००

*२४४ **वैदिकसूक्तपञ्चकम्** । 'प्रकाश' हिन्दीव्याख्योपेतम् । सम्पा० एवं अनुवादक—आचार्य श्री मधुसूदन प्रसाद मिश्र । (१. वाचस्पतिसूक्तं, २. कृषिसूक्तं, ३. सहृदयता-सूक्तं, ४. शुद्धिसूक्तं, ५. निर्भयतासूक्तम्) [वि. सं. ८९] १-००

*२४५ **वैदिकसूक्तमञ्जरी** । विस्तृत हिन्दी व्याख्यान, अंग्रेजी अनुवाद सहित ।
डॉ० रामकृष्णशास्त्री अनुदित
[विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रम के अनुसार प्रस्तुत पुस्तक में ऋग्वेद तथा शुक्लयजुर्वेद के सूक्तों का संकलन है।] [वि. सं. १०२] ४-००

२४६ **वैदिकसूक्तावलिः** । डॉ० विश्वनाथ भट्टाचार्य—रामगोपाल मिश्र सम्पादित १-७५

२४७ **वैदिकी** । डॉ० मुंशीराम शर्मा ६०-००

२४८ **व्रात्यकाण्ड (अथर्ववेदान्तर्गत)** । भाष्य तथा भाषानुवाद । डॉ० सम्पूर्णानन्द ३-५०

२४९ **व्यासशिक्षा** । श्रीसूर्यनारायणसूरावधानिविरचित । सम्पा० पट्टाभिरामशास्त्री १८-००

२५० **शतपथब्राह्मणम्** । सायणभाष्य सहित । १-५ भाग सम्पूर्ण ७५०-००

२५१ **शतपथब्राह्मणम्** । सायणभाष्य सहित । प्रथम खण्ड ४५-००

२५२ **शतपथब्राह्मणम्** । हिन्दी अनुवाद सहित । सम्पा० डॉ० चमनलाल गौतम १२-००

२५३ **शांख्यायनारण्यकम्** । ऋग्वेदान्तर्गत १-२५

२५४ **शांख्यायनब्राह्मणम्** । ऋग्वेदान्तर्गत । सम्पा० हरिनारायण भट्टाचार्य ८-००

२५५ **शिक्षादिवेदाङ्गचतुष्टय** । (शिक्षा-ज्योतिष-छन्द-निघण्टुः) १-५०

२५६ **शिक्षासूत्राणि** । आपिशलि–पाणिनि–चन्द्रगोमि विरचित १-५०

२५७ **शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम्** । आंग्लानुवाद सहित । श्रीमती इन्दु रस्तोगी १५-००

२५८ **शुक्लयजुर्वेद-प्रातिशाख्यम्** । उव्वट कृत भाष्य सहित । (जीर्ण) १०-००

२५९ **शुक्लयजुर्वेद-प्रातिशाख्यम् अथवा वाजसनेयि-प्रातिशाख्यम्** ।
भाष्यद्वयसहित । टीकाकार—डॉ० वीरेन्द्रकुमार वर्मा ६५-००

२६० **शुक्लयजुर्वेदीयकाण्वसंहिता** । सायणभाष्य सहित । उत्तरविंशति २२-००

२६१ **शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी** । मूलमात्र १-२५

२६२ **शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी** । 'रुद्रप्रिया' हिन्दी टीका सहित ।
सम्पादक—सरयू प्रसाद शास्त्री ३-५०

२६३ **शुक्लयजुर्वेदवाजसनेयिसंहिता** । (माध्यन्दिनकाण्वशाखा) महीधरभाष्य सहित ।
डॉ० ए० वेबर सम्पादित ५०-००

*२६४ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । सम्पा० श्री दौलतरामगौड़ वेदाचार्य
[प्रस्तुत संस्करण सम्पूर्ण शुक्लयजुर्वेद का ३२ पेजी छोटा गुटका संस्करण है। वेद-मन्त्र सभी सस्वर दिए गए हैं। प्रसिद्ध कर्मकाण्डी वैदिक विद्वान् ने आवश्यक स्थलों पर 'प्रकाश' नामक टिप्पणी भी दी है।] [वि. सं. १२९] १०-००

२६५ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । उव्वट–महीधरभाष्य ५०-००, ७०-००

२६६ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । पदपाठ–उव्वट–महीधरभाष्यसंवलित 'तत्वबोधिनी' हिन्दी व्याख्या सहित । डॉ० रामकृष्ण शास्त्री [वि. सं. १६७] यन्त्रस्थ

२६७ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । मूलमात्र । सातवलेकर सम्पादित ८-००, १२-००

२६८ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । मूलमात्र । पत्रात्मक । बम्बई—१५-०० काशी २०-००

२६९ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । सरल हिन्दी भावार्थ सहित । श्रीरामशर्मा आचार्य ९–५०
२७० **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । जयदेव विद्यालङ्कार कृत भाषा-भाष्य सहित । १–२ भाग २४–००
२७१ **शुल्वसूत्रम्** । श्रीकर्कभाष्य-महीधरवृत्ति सहित ३–००
२७२ **श्रीसूत्रम्** । ०–५०
२७३ **श्रीसूक्तम्** । विद्यारण्य-पृथ्वीधर-श्रीकण्ठाचार्यभाष्यत्रय ३–००
२७४ **श्रौतकोषः** । वापट सी० दातार, डी० वी० नाने०, सी० जी० काशीकर सम्पादित । १–५ भाग २४०–००, संस्कृत १–२ भाग १००–००, अंग्रेजी १–३ भाग १४०–००
२७५ **श्रौतपाठः** । प्रथम भाग । सम्पा० प्रो० वी० भट्टाचार्य । १–३ खण्ड १५–००
२७६ **षडङ्गरुद्री** । पूर्वोत्तराङ्गपूजाविधि युक्त १–५०
२७७ **षडविंशब्राह्मणम्** । सायणभाष्य सहित । डॉ० वी० आर० वर्मा सम्पादित २०–००
२७८ **सत्याषाढश्रौतसूत्रम्** । गोपीनाथभट्टविरचितवैजयन्त्या-ज्योत्स्नाव्याख्यया च समेतम । १–१० भाग ५३–३५
२७९ **सन्ध्यादर्पण** । देवीदत्त जोशी कृत हिन्दी टीका सहित ४–००
२८० **सन्ध्याभाष्यम्** । श्यामनारायण चतुर्वेदी १०–००
२८१ **सांख्यायनगृह्यसंग्रहः** । पं० वासुदेवकृत । कौषीतकिगृह्यसूत्राणि ६–००
२८२ **सामतन्त्रम्** । (सामवेदीयं प्रातिशाख्यम्) । ए० एम० रामनाथ दीक्षित २०–००
२८३ **सामविधानब्राह्मणम्** । वे० रामचन्द्र शर्मा सम्पादित १५ ००
२८४ **सामवेदसंहिता** । मूलमात्र ८–००, १२–००
२८५ **सामवेदसंहिता** । हिन्दी भावार्थ सहित । श्रीरामशर्मा आचार्य ८–५०
२८६ **सामवेदसंहिता** । जयदेव विद्यालङ्कार कृत भाषा-भाष्य सहित २०–००
२८७ **सामवेदसंहिता अनुक्रमणिका** । १–००
२८८ **सामवेद-रुद्रजपविधिः** । सचित्र । संहिता-पदपाठ, हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद सहित । सम्पा० आचार्य ऋषिशंकर अग्निहोत्री ४–००
२८९ **सामवेदार्षेयदीपः** । भट्टभास्कराध्वरीन्द्रप्रणीत । डॉ० वे० रामचन्द्र शर्मा १३–५०
२९० **सामवेदीय-त्रिकाल-सन्ध्यातर्पणप्रयोगः** । ०–२५
२९१ **सामवेदीय रुद्रजपविधिः** । पञ्चवक्त्रपूजन-लघुरुद्रविधानयुत २–००
२९२ **सामवेदीयसुबोधिनीपद्धतिः** । श्रीशुक्लविश्रामात्मज-श्रीशिवरामविरचित २०–००
२९३ **स्वाध्याय सन्दीप** । स्वामी वेदान्ततीर्थजी १०–००
२९४ **स्वाध्याय सन्दोह** । स्वामी वेदानन्द १५–००
२९५ **हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्** । सायणभाष्य सहित । 'प्रकाश' हिन्दी टीका । व्याख्याकार—डॉ० उमाशंकरशर्मा 'ऋषि' [वि. सं. ९९] ४–००
296 Hymns from the Rigveda. Piterson. Ist Series 20–00
2nd Series 15–00
297 Hymns of the Atharvaveda. By. T. H. Griffith. 85–00
298 Hymns of the Rigveda. By. T. H. Griffith. In 2 Vols 100–00
299 Hymns of the Samaveda. By. T. H. Griffith 50–00
300 Text of the White Yajurveda. By T. H. Griffith 50–00

कर्मकाण्ड-ग्रन्थाः

१ **अग्निहोत्र चन्द्रिका** । वामनशास्त्री कृत ५–३५
२ **अन्त्यकर्मदीपकः** । म० म० नित्यानन्दपन्तपर्वतीयविरचितः १०–००
३ **अन्त्येष्टि संस्कार विधि** । माधवाचार्य २–००
४ **आचारभूषणम्** । त्र्यम्बक कृत ८–१५

५ आचारेन्दुः । त्र्यम्बक कृत ३–७५
६ आधानपद्धतिः । वामनशास्त्री कृत ३–७५
७ आपस्तम्बगृह्यसूत्रम् । श्रीहरदत्तप्रणीत अनाकुला, श्रीसुदर्शनाचार्य प्रणीत तात्पर्यदर्शन संस्कृत व्याख्या तथा सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या युक्त ४०–००
८ आरतिकल्पद्रुमः । लघुरुद्रपद्धति सहित २–२५
९ उपनयनपद्धतिः । वायुनन्दन मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित ४–००
१० उपनयनपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित ३–००
११ उपनयनपद्धतिः । (माध्यन्दिनशाखीय) । हिन्दी मन्त्रार्थ सहित । वेणीरामशर्मा गौड़ ५–००
१२ ऋग्वेदोक्तनित्यविधिः । ३–००
१३ एकोदिष्टश्राद्धपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित १–८०
१४ औध्र्वदेहिककर्मपद्धतिः । अमृतवर्षिणी टिप्पणी सहित ६–००
१५ कर्मठगुरुः । मुकुन्दवल्लभ ९–००
१६ कर्मकाण्डप्रकाशिका । १–००
१७ कर्मकाण्डप्रदीपः । दशकर्मादिपद्धति । जनार्दनशास्त्री पाण्डेय १५–००
१८ कातियेष्टिदीपकः । (दर्शपौर्णमासपद्धतिः) म० म० पं० श्रीनित्यानन्दपन्तपर्वतीय ८–००
१९ कुण्डमण्डपसिद्धिः । हिन्दी टीका सहित १–८०
२० कूपाराममीमांसा । (बृहत्कूपारामपद्धतिः) हिन्दी टीका सहित १–२५
*२१ कूपोत्सर्गपद्धतिः । [मि. २१] ०–५०
२२ कृतितत्त्वसंग्रहः । रचयिता—दैवज्ञ पं० तूफानी शर्मा १२–००
२३ कृत्यसागरः । रत्नपाणि विरचित । सम्पादक—महाप्रभुलाल गोस्वामी २८–००
२४ कौथुमगृह्यम् । भूमिका नोट्स सहित ९–००
२५ गयाश्राद्धपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित १–२०
२६ ग्रहशान्तिः ग्रहप्रयोगः । दौलतरामगौड़ । हिन्दी टीका सहित १६–००
२७ गृहस्थरत्नाकरः । चण्डेश्वरठक्कुर कृत ५–२५
२८ गृह्यसूत्रसंग्रहः । हिन्दी टीका सहित १०–००
*२९ गृहोत्सर्गपद्धतिः । [मि. २२] ०–५०
३० गोभिलगृह्यकर्मप्रकाशिका । भाषा टीका १०–००
३१ गौडीयश्राद्धप्रकाशः । चतुर्थीलाल विरचित । पत्राकार ३०–००
३२ तुलसीपूजापद्धतिः । ०–२५
३३ तुलादानपद्धतिः । तारानाथतर्कवाचस्पति विरचित १६–००
३४ त्रिकालसन्ध्या । ऋग्वेदीय ०–५०
३५ दन्त्योष्ठविधिः । अथर्ववेदीय ५–००
३६ दर्शपूर्णमासप्रकाशः । वामनशास्त्री कृत १२–५०
३७ दानचन्द्रिका । दिवाकर कृत । मूलमात्र १–६५
३८ दानदीपिका । हिन्दी टीका सहित १–००
३९ दीक्षातत्त्वमीमांसा । हिन्दी टीका सहित ३–५०
४० दीक्षाप्रकाशिका । विष्णुभट्टप्रणीत २–००
४१ दुर्गापूजनपद्धति । वेणीरामशर्मा गौड़ ५–००
४२ दुर्गापूजा । दौलतरामगौड़ विरचित ८–००
*४३ दुर्गापूजा-श्यामापूजापद्धतिः । (शारदीय) [मि. २५] ५–००
४४ नारायणबलिप्रयोगः । 'विष्णुप्रिया' हिन्दी व्याख्या सहित १–२५
४५ नित्यकर्मप्रयोगमाला । चतुर्थीलाल विरचित ६–००

४६ **नित्यनैमित्तिककर्मसमुच्चयः** । शुक्लयजुर्वेदीय १२-००
४७ **नित्यकर्मपद्धतिः** । सम्पा० माताप्रसाद द्विवेदी १-५०
४८ **नित्यकर्मप्रकाशः** । भवानीशंकर त्रिवेदी ४-००
४९ **नित्यकर्मविधिः** । हिन्दी टीका सहित ४-५०
५० **नित्याचारपद्धतिः** । विद्याकर वाजपेयी कृत ५-२५
५१ **नित्याचारप्रदीपः** । नृसिंह वाजपेयी कृत १२-७५
५२ **पञ्चदानपद्धतिः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत १-५०
५३ **पञ्चमङ्गलम्** । ०-७५
५४ **पञ्चमहायज्ञविधिः** । आर्यसमाजी १-००, सनातनी १-००
५५ **पञ्चरत्नविवाहपद्धतिः** । फलाहारी शर्मा ४-५०
५६ **पञ्चाङ्गपद्धतिः** । पं० वायुनन्दन मिश्र १-५०
५७ **पश्वालम्भमीमांसा** । वामनशास्त्री कृत १-२५
५८ **पार्वणश्राद्धप्रयोगः** । हिन्दी टीका सहित ०-९०
*५९ **पितृकर्मनिर्णयः** । (संग्रह निबन्ध) श्री त्रिलोकनाथ मिश्र कृत [मि. २६] ५-००
६० **पितृकर्मपद्धतिः** । विशालमणिशर्मा उपाध्याय ६-५०
६१ **पितृभक्तिः** । म० म० दत्तोपाध्याय विरचित १०-००
६२ **पुरश्चरणपद्धतिः** । योगीन्द्रकृष्ण दौर्गादत्ति शास्त्री कृत १-५०
६३ **प्रेतमञ्जरी** । हिन्दी टीका सहित । सुदामा मिश्र शास्त्री ६-००
६४ **पौरोहित्यकर्मसारः** । पं० रमाकान्त शर्मा । १-३ भाग दो जिल्दों में ६-००
६५ **प्रायश्चितप्रकाशः** । चतुर्थीलाल कृत २-६५
६६ **प्रायश्चितप्रदीप-कृत्यप्रदीप-शुद्धिप्रदीप** । आचार्य कृष्णमणि प्रणीत ६-००
६७ **प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः** । नागोजीभट्ट कृत । कुण्डार्क-केशव कृत व्याख्या सहित ३-१५
६८ **बृहद्ब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चयः** । संग्रहमखषोडशसंस्काराद्यनेकविषयसहितः । शास्त्रीदुर्गाशङ्कर कृत टिप्पणी सहित १८-००
६९ **मङ्गलमूर्तिगणेश** । माधवाचार्य ३-००
७० **मण्डपकुण्डसिद्धिः** । विट्ठलदीक्षित विरचित । पदार्थमञ्जूषा गुर्जरभाषानुवाद संस्कृत व्याख्या सहित १०-००
७१ **महालक्ष्मीपूजापद्धतिः** । सर्वदेवपूजाविधान-पूजनमीमांसा । हिन्दीटीका सहित २-५०
७२ **मूलशान्तिपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित २-५०
७३ **मूर्तिपूजाविज्ञान** । माधवाचार्य शास्त्री १-००
७४ **यज्ञतत्त्व-हवनविधि सहित** । २-००
७५ **यज्ञमीमांसा** । पं० वेणीरामशर्मा गौड़ २५-००
७६ **रामनवमीव्रतपूजापद्धतिः** । जानकीनवमीपूजा सहित ०-४०
७७ **रामार्चापद्धतिः** । (श्रीशिवसंहितोक्त) पं० गुलाब झा सम्पादित ०-६०
७८ **लक्ष्मीपूजनप्रयोगः** । यजुर्वेदीय । पत्राकार १-५०
७९ **वर्षकृत्यदीपकः** । (कालनिर्णयव्रतोद्यापन सहित) महामहोपाध्याय श्रीनित्यानन्दपन्तपर्वतीयकृत । द्वितीय परिवर्द्धित संस्करण २०-००
८० **वर्षक्रियाकौमुदी** । गोविन्दानन्दकविकंकणाचार्य कृत ५-२५
८१ **वाशिष्ठीहवनपद्धतिः** । भाषा टीका । वायुनन्दन मिश्र कृत ४-००
८२ **वाशिष्ठीहवनपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित । पं० श्री विश्वनाथ शास्त्री २-००
८३ **वास्तुपूजापद्धतिः** । गृहे-गृध्रादिपतनशान्तिपद्धतिः-गृहप्रवेशपद्धतिश्च २-००
८४ **विधानमाला** । नृसिंहभट्ट कृत ७-८०
८५ **विवाहचन्द्रिका** । षोडशसंस्कार सहित ३-५०

८६ **विवाहपद्धतिः** । पं० वायुनन्दनमिश्र प्रणीत हिन्दी टीका सहित ३-००
८७ **विवाहपद्धतिः** (माध्यन्दिनशाखीय) । श्री वेणीरामशर्मा गौड़ कृत
हिन्दी मन्त्रार्थ सहित ३-००
८८ **विवाहपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित ४-००
८९ **विवाहविज्ञान** । श्रीकण्ठशास्त्री ०-६५
९० **विवाहविज्ञान या विवाहपद्धतिः** । अमृतसरियाराम भरणोत । हिन्दीटीका सहित ६-००
*९१ **विश्वकर्मार्चापद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित । पं० रामचन्द्र झा १-००
९२ **विश्वकर्मापूजापद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित ०-९०
९३ **विष्णुयागपद्धतिः** । नवग्रहमखसहित । भालचन्द जगन्नाथ द्विवेदी ५-५०
९४ **वेदोक्त-पुराणोक्त-सर्वदेवपूजाप्रयोगः** । श्री दुर्गाशंकर शास्त्री ५-००
९५ **वैवाहपद्यावली** । हिन्दी टीका सहित २-२५
९६ **शान्तिकल्पद्रुमः** । वास्तुशान्ति सहित ३-२५
९७ **शान्तिप्रकाशः** । चतुर्थीलाल विरचित १८-००
९८ **शिखा और यज्ञोपवीत** । वेणीरामशर्मा गौड़ २-५०
९९ **शिवार्चनपद्धतिः** । राधागोपाल शास्त्री २-००
१०० **शिवार्चनपद्धति** । शिवदत्तमिश्र कृत हिन्दी टीका ६-००
१०१ **शिलान्यासपद्धतिः** । देहलीन्यासपद्धति । पं० वायुनन्दम मिश्र कृत ३-००
१०२ **शुक्लयजुर्वेदीय सन्ध्योपासनविधिः** । (देवर्षि-पितृतर्पण सहित)
प० उमेशमिश्र गौड़ ०-७५
१०३ **श्राद्धकल्पः** । दत्तोपाध्याय विरचित । अशोक चटर्जी सम्पादित १९-००
१०४ **श्राद्धकल्पलता** । श्रीनन्दपण्डितप्रणीत २०-००
१०५ **श्राद्धकौमुदी** । सूतकनिर्णय सहित ४-२५
१०६ **श्राद्धक्रियाकौमुदी** । गोविन्दानन्द कविकङ्कणाचार्यकृत ५-२५
१०७ **श्राद्धचन्द्रिका** । भारद्वाजदिवाकरभट्टनिर्मित १०-००
१०८ **श्राद्धपद्धतिः** । (वाजसनेयिनां) म० म० वाचस्पतिमिश्रकृत । [मि. ३१] ८-००
१०९ **श्राद्धप्रयोगदीपिका** । पं० गोपालशास्त्री नेने कृत संशोधित एवं परिष्कृत २-००
११० **श्राद्धमञ्जरी** । वापुभट्ट विरचित ३-७५
१११ **श्राद्धविवेकः** । वायुनन्दन प्रणीत । भाषा टीका सहित २०-००
११२ **श्रावणीकृत्यम्-उपाकर्मोत्सर्जनप्रयोगः** । (यजुर्वेदीय) जनार्दन शास्त्री पाण्डेय ४-००
११३ **षोडशसंस्कारविधिः** । (सनातनी) गङ्गाप्रसादशास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ८-००
११४ **संक्षिप्तदीक्षापद्धतिः** । तुलादानपद्धति सहित ०-४०
११५ **सन्ध्याभाष्यम्** । श्यामनारायण चतुर्वेदी १०-००
११६ **सन्यासपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित २-५०
११७ **संस्कारगणपतिः** । श्रीमद्याज्ञिकप्रवरश्रीमद्रामकृष्णप्रणीतः । पारस्करगृह्यसूत्रस्याति
विस्तृतव्याख्यानस्वरूपः ६०००-
११८ **संस्कारदीपकः** । म० म० श्रीनित्यानन्दपन्तपर्वतीयकृत । प्रथम भाग १०-००
द्वितीय भाग १५-००, तृतीय भाग यन्त्रस्थ १-२ भाग २५-००
११९ **संस्कारदीपकः** । म० म० हर्षनाथ झा रचित । सम्पा० दुर्गाधर झा ७-००
१२० **संस्कारपद्धतिः** । ईश्वरीदत्त शर्मा ६-००
१२१ **संस्काररत्नमाला** । (गोपीनाथभट्टीया) । १-२ खण्ड ८-००
१२२ **संस्काररत्नमाला** । भट्ट गोपीनाथ दीक्षित कृत । १-२ भाग २३-२०
१२३ **संस्कारविधिः** । स्वामीदयानन्द प्रणीत ३-००
१२४ **संस्कारसमुच्चयः** । सरस्वती भाष्य सहित । मदनमोहन विद्यासागर सम्पादित १५-००

१२५ **सकामशिवपूजन विधान** । हिन्दी टीका सहित १-००
१२६ **सत्संग यज्ञ विधि** । धर्मेन्द्र शिवहरे ०-५०
१२७ **सनातन संस्कार विधि** । माधवाचार्य १०-००
१२८ **सर्वदेवप्रतिष्ठामयूखः** । प्रभुविद्याप्रतिष्ठार्णव ३०-००
१२९ **सर्वदेवसामान्यपूजा** । १-००
१३० **सर्वपूजा** । १-००
१३१ **सामवेदीयसुबोधिनीपद्धतिः** । श्रीशुक्लविश्रामात्मज श्रीशिवरामविरचित २०-००
१३२ **स्वस्त्ययनकलशप्रतिष्ठापूजनविधिः** । ०-३०
*१३३ **हिन्दू संस्कार** । (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन) डॉ० राजबली पाण्डेय [यह ग्रन्थ हिन्दू संस्कृति के अध्ययन की दिशा में महत्त्वपूर्ण देन है । गर्भ में आने के समय से मृत्यु के समय तक और मृत्यूत्तर संस्कारों के माध्यम से उनके परवर्ती लोकोत्तर प्रयाण तक के हिन्दू जीवन को समझने के लिए यह ग्रन्थ कुञ्जी का काम देता है ।] तृतीय संशोधित संस्करण [वि. रा. १२] ३०-००

मैथिल-साम्प्रदायिक-कर्मकाण्ड-ग्रन्थाः

१ **वाजसनेयिनां संक्षिप्ताह्निकम्** । संग्रहकर्ता—उग्रानंदशर्मा । मैथिली टीका ०-५०
२ **छान्दोगानां संक्षिप्ताह्निकम्** । पं० उग्रानंद शर्मा । मैथिली टीका ०-५०
३ **छान्दोगानां सन्ध्यातर्पणपद्धति** । संग्रहकर्ता–उग्रानंद शर्मा ०-२५
४ **वाजसनेयिनां सन्ध्यातर्पणपद्धतिः वैतरणीदानादिपरिशिष्ट सहित** । ०-२५
५ **षडङ्गशतरूद्रियपद्धतिः** । यंत्रस्थ
६ **वाजसनेयिनां छान्दोगानाम् च आभ्युदयिकश्राद्धपद्धतिः । जूटिकाबन्धनमातृकापूजासहिता** । पं० रामचन्द्र झा । मैथिली टीका ०-५०
७ **सूर्यादिद्वादस्तवीस्तोत्रम् अन्नपूर्णादिस्तोत्रसहितम्** । ०-३०
८ **मिथिलादेशीया कथा सहिता श्रीसत्यनारायणपूजापद्धतिः** । रामचन्द्र झा यंत्रस्थ
९ **मिथिलादेशीया कथा सहिता श्रीसत्यनारायणपूजापद्धतिः** । रामचन्द्र झा १-००
१० **छान्दोगानाम् एकोदिष्टपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ०-४०
११ **वाजसनेयिनाम् एकोदिष्टपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ०-७५
१२ **वाजसनेयिनां पार्वणपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ०-५०
१३ **छान्दोगानां पार्वणपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ०-५०
१४ **वाजसनेयिनां विवाहपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ५-००
१५ **छान्दोगानां विवाहपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ५-००
१६ **वाजसनेयिनाम् उपनयनपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ५-००
१७ **छान्दोगानाम् उपनयनपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ५-००
१८ **प्रतिहारषष्ठी (विवस्वत् षष्ठी)** । व्रतकथापद्धतिः । पं० रामचन्द्र झा ०-१५
१९ **आह्निकपञ्चदेवपूजापद्धतिः** । पं० रामचन्द्र झा ०-१०
२० **वर्षकृत्यम्** । **श्रीरुद्रधर विरचित** । 'मैथिली' टीका सहित । सम्पा०— रामचन्द्र झा । प्रथम भाग १५-००, द्वितीय भाग १५-००, सम्पूर्ण ३०-००
२१ **कूपोत्सर्गपद्धतिः** । ०-४०, २२ **गृहोत्सर्गपद्धतिः** । ०-४०
२३ **एकादशी व्रतोद्यापनपद्धतिः** । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित । रामचन्द्र झा ०-७५
२४ **आकाशदीप-तुलसी-कार्तिकोद्यापनत्रयपद्धतिः** । पं० रामचन्द्र झा ०-५०
२५ **दुर्गापूजाश्यामापूजापद्धतिः** । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित । रामचन्द्र झा ५-००
२६ **पितृकर्म-निर्णयः** । संग्रहकर्त्ता–श्रीत्रिलोकनाथ मिश्र । रामचन्द्र झा ५-००
२७ **मैथिलीसाम्प्रदायिक दुर्गासप्तशती** । सम्पादक—कनकलाल ठक्कुर २-५०

२८	**भाद्रशुक्लचतुर्थी-चन्द्रपूजा-चन्द्रव्रत कथा सहित** । श्री रामचन्द्र झा	०–२५
२९	**सिद्धविनायक चतुर्थी-व्रत-कथा** । सम्पादक : पं० रामचन्द्र झा	०–३०
३०	**हरितालिका-व्रतपूजा-कथा** । सम्पादक : पं० रामचन्द्र झा	०–२५
३१	**वाजसनेयिनां श्राद्धपद्धतिः** । म० म० श्रीदत्तानुसारिणी कुमारकर्तृक श्राद्धपद्धति सहित । म० म० श्री वाचस्पति मिश्र । श्रीरामचन्द्र झा	८–००
३२	**छान्दोगानां श्राद्धपद्धतिः** । श्री दत्तानुसारिणी कुमारकर्तृक श्राद्धपद्धति सहित । श्रीवाचस्पतिमिश्र कृत 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा सम्पादित	यन्त्रस्थ
३३	**तिथिनिर्णयः** ।	१–२५
३४	**छान्दोगानां नामकरण** ।	५–००

धर्मशास्त्र-ग्रन्थाः

१	**आङ्गिरसस्मृतिः** । ए० एन० कृष्ण अयङ्गर सम्पादित	१२–००
२	**आचारचन्द्रिका** । स्वामीदयानन्द प्रणीत	१–००
३	**आपस्तम्बधर्मसूत्रम्** । श्रीहरदत्तमिश्रविरचितउज्ज्वलावृत्ति । डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित	४०–००
४	**आपस्तम्बधर्मसूत्रम्** । हिरण्यकेशीय व्याख्या सहित	१०–००
५	**आशौचनिर्णयः** । म० म० वाचस्पतिमिश्र प्रणीत	१–००
६	**ओंकार और शिवलिङ्ग** । मायवाचार्य शास्त्री	१–००
७	**कालमाधवकारिका** । माधवाचार्य विरचित । सविवरण	५–००
८	**काशी शास्त्रार्थ विजय** । सम्पा० श्रीकण्ठ शास्त्री	३–००
९	**कृत्यकल्पतरुः** । लक्ष्मीधर विरचित । ब्रह्मचारि काण्ड १८–००, श्राद्धकाण्ड २०–००, शुद्धिकाण्ड १५–००, व्यवहार काण्ड १–२ भाग ५१–००, व्रतकाण्ड	२२–००
१०	**गौतमधर्मसूत्राणि** । श्रीहरदत्तमिश्र कृत मिताक्षरावृत्ति तथा डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत हिन्दी अनुवाद सहित	१५–००
११	**गौतमधर्मसूत्राणि** । डॉ० वनमाला भवालकर । प्रथम भाग	३–००
१२	**गौतमप्रणीतधर्मसूत्राणि** । हरदत्त कृत मिताक्षरा वृत्ति सहित	५–६५
१३	**चतुर्वर्गचिन्तामणि** । हेमाद्रिसूरिविरचित (श्राद्धकाण्ड) । विश्वनाथ शास्त्री	४५–००
१४	**चतुर्विंशतिमतसंग्रहः** । श्रीभट्टोजिदीक्षित	१२–००
१५	**जपसंहिता** । स्वामी हरिप्रसाद 'वैदिकमुनि'	६–६५
१६	**जयसिंहकल्पद्रुमः** ।	७५–००
१७	**जात्युपधिविवेकः** । स्वामीमाधवचैतन्य भारती	२०–००
१८	**जातिवर्गों का विकास** । चार्ल्स डारविन । अनुवादक—उमाशङ्कर	१२–५०
१९	**जातिविज्ञान का आधार** । जी० आर० गेयर । अनुवादक—विनोदचन्द्र मिश्र	७–००
२०	**जातिव्यवस्था** । डॉ० नर्मदेश्वर प्रसाद । हिन्दी	१२–५०
२१	**तिथिनिर्णयः** । भट्टोजिदीक्षितविरचितः, श्रीमन्नागोजिभट्टविरचितश्च	६–००
*२२	**तिथिनिर्णयः** । रामचन्द्र झा [मि. ३३]	१–२५
२३	**त्रिंशच्छ्लोकी** । भट्टरघुनाथप्रणीत विवृत्ति समेत	५–६५
२४	**त्रिस्थलीसेतुः** । नारायणभट्टविरचित	६–९०
२५	**दत्तकचन्द्रिका** । कुबेरभट्ट प्रणीत शाङ्करी व्याख्या	५–००
२६	**दत्तकमीमांसा** । नन्दपण्डितविरचित । सव्याख्या	६–९०
२७	**दानसागर** । वल्लालसेनदेव विरचित । १–४ भाग	३०–००
२८	**दायभागः** । जीमूतवाहनप्रणीत । श्रीकृष्णतर्कालंकार कृत व्याख्या सहित (जीर्ण)	१०–००
२९	**दायभागः** । जीमूतवाहनप्रणीत । सम्पा० अ० सुब्रह्मण्य शास्त्री	१०–००

३० **दीपकलिका** । याज्ञवल्क्यस्मृति व्याख्या । शूलपाणि विरचित १०–००
३१ **द्वैतपरिशिष्टम्** । श्रीकेशवमिश्र ८–००
३२ **धर्म : तुलनात्मक दृष्टि में** । डॉ० राधाकृष्णन् १०–००
३३ **धर्म और समाज** । डॉ० राधाकृष्णन् । अनुवादक—विराज २०–००
३४ **धर्मकल्पद्रुमः** । स्वामीदयानन्द कृत । १–८ भाग ४६–००
३५ **धर्मकोशः (व्यवहारकाण्ड)** । लक्ष्मणशास्त्री सम्पादित । १–३ भाग १२०–००
३६ **धर्मकोशः (उपनिषत्काण्ड)** । लक्ष्मणशास्त्री सम्पादित । १–४ भाग २२५–००
३७ **धर्मकोशः (संस्कारकाण्ड)** । लक्ष्मणशास्त्री सम्पादित । प्रथम भाग ७०–००
३८ **धर्मकोशः (राजनीतिकाण्ड)** । लक्ष्मणशास्त्री सम्पादित । १–४ भाग २५०–००
३९ **धर्मचन्द्रिका** । स्वामी दयानन्द कृत १–७५
४० **धर्मतत्त्वनिर्णयः** । वासुदेव शास्त्री विरचित । १–२ भाग २–८५
४१ **धर्मद्वैतनिर्णयः** । शंकरभट्टविरचित १०–००
४२ **धर्मविज्ञान** । स्वामी दयानन्द कृत । हिन्दी । १–३ भाग १८–००
४३ **धर्मशास्त्र** । मन्मथनाथ दत्त कृत आंग्लानुवाद सहित ८५–००
४४ **धर्मशास्त्र का इतिहास** । डॉ० पी० वी० काणे । अनु० अर्जुनचौबे काश्यप । २–५ भाग ७३–५०
४५ **धर्मशास्त्रीयव्यवस्थापत्रसंग्रहः** । सुभद्र शर्मा सम्पादित १०–००
४६ **धर्मशास्त्रेण-मलमास-विचारः** । पं० कृष्णमाधव झा ०–५०
४७ **धर्म-शिक्षा** । लक्ष्मीधर वाजपेयी । हिन्दी २–५०
४८ **धर्मसिन्धुः** । 'सुधाविवृत्ति' सहित धर्मबोधिनी हिन्दी टीका विभूषित ४५–००
४९ **निर्णयसिन्धुः** । कमलाकरभट्टविरचित । मूलमात्र २०–००
५० **नित्याचारप्रदीपः** । नृसिंह वाजपेयी विरचित १२–७५
५१ **निर्णयसिन्धु :** । कमलाकरभट्ट । भाषा टीका । दौलतराम गौड़ १४०–००
५२ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । हरिहरभाष्य तथा हिन्दी अनुवाद सहित । पं० हरिहरशास्त्री विद्यालङ्कार । १–३ कण्डिका । सम्पूर्ण १७–००
५३ **पाराशरधर्मसंहिता** । सायणमाधव-भाष्य सहित । व्यवहारकाण्ड–द्वितीय खण्ड १५–००
५४ **पाराशरस्मृतिः** । 'सुबोधिनी' हिन्दी टीका सहित ३–००
५५ **पाराशरस्मृतिः** । माधवाचार्य कृत व्याख्या सहित । म० म० श्रीचन्द्रकान्त तर्कालङ्कार परिशोधिता । प्रथम भाग ४०–००, द्वितीय भाग ५०–००
५६ **पुरुषार्थचतुष्टय** । श्रीप्रेमवल्लभ त्रिपाठी । हिन्दी टीका सहित १५–००
५७ **पुरुषार्थचिन्तामणिः** । विष्णु रामकृष्ण अठवले । पूना संस्करण ११–२५
५८ **पौराणिक-धर्म एवं समाज** । सिद्धेश्वरी नारायण ३०–००
५९ **प्रमुख स्मृतियों का अध्ययन** । डॉ० लक्ष्मीदत्त ठाकुर ६–५०
*६० **प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड** । डॉ० हरिहरनाथ त्रिपाठी
[वैदिक काल से लेकर आजतक के एतद्विषयक सम्पूर्ण भारतीय साहित्य के पर्यालोचन के साथ ही विदेशी व्यवस्थाओं और मान्यताओं का भी परिचय इससे प्राप्त होता है । अपराधों की जो सूची प्रस्तुत की गई है वह राजनीति के छात्रों, अध्यापकों, शोध तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं के बड़े ही उपयोग की वस्तु है ।] [वि. रा. ६८] १०–००
६१ **प्राचीन भारतीय लोक-धर्म** । वासुदेवशरण अग्रवाल ४–००
६२ **प्राच्यधर्म और पाश्चात्य विचार** । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् २५–००
६३ **बालम्भट्टी** । मिताक्षरा की व्याख्या । सम्पा० गोविन्ददास २–२५
६४ **बीस स्मृतियाँ** । श्रीरामशर्मा कृत हिन्दी टीका सहित । १–२ भाग २०–००
६५ **ब्राह्मणोत्पत्तिमार्तण्डः** । हिन्दी टीका सहित ७५–००

६६	**बौधायनधर्मसूत्रम्** । श्रीगोविन्दस्वामिप्रणीतविवरणसमेतम् । हिन्दी टीका सहित	४०-००
६७	**भारतीय धर्म-व्यवस्था** । वाचस्पति गैरोला	५-००
६८	**भारतीय धर्मशास्त्रों में शूद्रों की स्थिति** । डॉ० निरूपण विद्यालंकार	३५-००
६९	**भारतीय धर्मों का इतिहास (वैष्णव-शैव और अन्य धार्मिक मत)** । रामकृष्णगोपाल भण्डारकर । अनुवादक—महेश्वरी प्रसाद	१०-००
७०	**भृगुस्मृतिः** । स्वामी माधवचैतन्य भारती	३-००
७१	**मदनमहार्णवः** । विश्वेश्वरभट्टविरचित । एम्बर कृष्णमाचार्य—एम० आर० नम्बियर सम्पादित	३०-००
७२	**मदनरत्नप्रदीपः** । मदनसिंह विरचित । दानविवेकोद्योतः । डॉ० आर्येन्द्र शर्मा सम्पादित । १-३ भाग	३६-६५
७३	**मदनरत्नप्रदीपः** । मदनसिंह प्रणीत । व्यवहार काण्ड	२५-००
७४	**मध्यकालीन धर्म-साधना** । डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी	७-५०
७५	**मनुस्मृतिः** । कुल्लूकभट्टप्रणीत मन्वर्थमुक्तावली तथा हिन्दी टीका सहित ।	३०-००
७६	**मनुस्मृतिः** । श्रीहरगोविन्दशास्त्री कृत 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका सहित । सम्पूर्ण	२०-००
+७७	**मनुस्मृतिः** । डॉ० गजाननशास्त्री कृत हिन्दी व्याख्या सहित । १-२ अध्याय	३-००
७८	**मनुस्मृतिः** । मेधातिथिभाष्य सहित । १-२ भाग	५०-००
७९	**मनुस्मृतिः** । १-२ अध्याय । कुल्लूकभट्टकृत मन्वर्थमुक्तावली-जी० बुलहर कृत आंग्लानुवाद-सत्यभूषण योगी कृत विद्याधरीभाष्य सहित	८-५०
८०	**मनुस्मृतिः** । मेधातिथि रचित 'मनुभाष्य' समेतः । सम्पा० डॉ० गङ्गानाथ झा	१२५-००
८१	**मनुस्मृतिनवनीतम्** । सम्पा० डॉ० रामजी उपाध्याय	२-००
८२	**मानव धर्मसार** । डॉ० भगवानदास	२-५०
८३	**मृत्यु रहस्य** । पं० वेणीरामशर्मा गौड़	८-००
८४	**यतिधर्मसंग्रहः** । विश्वेश्वरसरस्वतीप्रणीतः	३-५०
८५	**याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । विज्ञानेश्वरकृत 'मिताक्षरा' संस्कृत टीका । डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । आचाराध्याय ८-००, सम्पूर्ण	३०-००
८६	**याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । 'बालम्भट्टी' 'मिताक्षरा' टीका । व्यवहाराध्याय	१००-००
८७	**याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । मिताक्षरा व्याख्या सहित	१५-००
८८	**याज्ञवल्क्यस्मृतिः (दायभाग)** । सम्पा० डॉ० सत्यनारायण पाण्डेय	१-५०
८९	**राजनीतिरत्नाकरः** । चण्डेश्वर कृत । हिन्दी टीका सहित	१५-००
९०	**लेखबद्ध-शास्त्रार्थ** । माधवाचार्य शास्त्री	०-७५
९१	**वशिष्ठधर्मशास्त्रम्** ।	५-००
९२	**विधानमाला** । नृसिंहभट्टविरचित	७-८०
९३	**विभिन्न धर्मों में ईश्वर की कल्पना** । दफ्तुयार मात्रेव	१०-००
९४	**विवादचिन्तामणिः** । वाचस्पति मिश्र कृत	३-७५
९५	**विवादरत्नाकरः** । चण्डेश्वर ठक्कुर प्रणीत	६-००
९६	**विष्णुस्मृतिः** । जे० जॉली सम्पादित । नन्दपण्डित कृत वैजयन्ती टीका	३०-००
९७	**विष्णुस्मृतिः** । केशव-वैजयन्ती व्याख्या सहित । १-२ भाग	६०-००
९८	**वीरमित्रोदयः** । महामहोपाध्याय श्रीमित्रमिश्र विरचित । शुद्धिप्रकाशः समयप्रकाश २०-००, भक्तिप्रकाशः	२०-०० १२-००
९९	**वैष्णवधर्म** । परशुराम चतुर्वेदी । (हिन्दी)	१५-००
१००	**वैष्णव सम्प्रदायों का साहित्य और सिद्धान्त** । आचार्य बलदेव उपाध्याय	३०-००

१०१ **व्यवहारनिर्णयः** । वरदराजकृत ३०-००
१०२ **व्यवहारमाला** । वे० वेंकटराजशर्मणा संशोधितः ८-००
१०३ **व्यवहारविज्ञानम्** । सम्पा० हरिहर झा । प्रथम भाग ०-७५ द्वि० भाग २-००
१०४ **व्रात्यताप्रायश्चित्तनिर्णयः** । (महानलघुश्च) नागेशभट्टविरचितः ६-००
१०५ **शास्त्रचन्द्रिका** । हिन्दी १-७५
१०६ **शास्त्रार्थमहारथी** । सम्पा० शिवकुमार गोयल ४-००
१०७ **शिखा-सूत्र** । माधवाचार्य शास्त्री २-००
१०८ **शुद्धिकौमुदी** । गोविन्दानन्द कविकङ्कणाचार्य विरचित ३-७५
१०९ **शुद्धिप्रदीपः प्रायश्चितप्रदीपः कृत्यप्रदीपश्च** । कृष्णमित्रप्रणीतः ६-००
११० **श्रीगणेश** । माधवाचार्य शास्त्री ०-७५
१११ **श्रीशङ्कराचार्य का आचार दर्शन** । डॉ० रामानन्द तिवारी ७-००
११२ **षडशीतिः** । आदित्याचार्यप्रणीत । श्रीनन्दपण्डितकृत 'शुद्धिचन्द्रिका' व्याख्या १२-००
११३ **सत्यार्थप्रकाश** । स्वामी दयानन्द कृत । सूक्ष्माक्षर ६-५०, स्थूलाक्षर १५-००
११४ **सत्यार्थविवेक** । स्वामी दयानन्द विरचित ४-००
११५ **सनातनधर्म** । माधवाचार्य २-००
११६ **सनातनधर्म** । आंग्लानुवाद सहित १३-००
११७ **सनातनधर्मदीपिका** । स्वामी दयानन्द विरचित १-००
*११८ **सब धर्मों की बुनियादी एकता** । भारतरत्न डॉ० भगवानदास
[इस ग्रन्थ में संसार भर के धार्मिक मजहबों और उनके श्रेष्ठ धर्मग्रन्थों की बारीक जानकारी देते हुए यह समझाया गया है कि सब धर्मों, मजहबों का उद्देश्य भौतिक और आध्यात्मिक कल्याण पाना ही है] [वि. रा. ३६] २५-००
११९ **सम्बन्धनिर्णयः** । गोपाल न्यायपञ्चानन विरचित ३-००
१२० **सरयूपारीयब्राह्मणवंशावली** । वेणीमाधवशास्त्री ५-००
१२१ **सरस्वतीविलासः** । प्रतापरूद्र कृत । व्यवहार काण्ड ३-५०
१२२ **स्मृतिचन्द्रिका** । देवणभट्ट कृत १-५ भाग २४-३०
१२३ **स्मृतिचिन्तामणिः** । गङ्गादित्य विरचित । लूडो रोचर सम्पादित २६-००
१२४ **स्मृतितत्त्वम्** । रघुनन्दनभट्ट कृत अष्टाविंशतिस्मृतितत्त्वसंग्रह । (जीर्ण) ४०-००
१२५ **स्मृतिप्रकाशः** । वासुदेवरथविरचित । प्रथम खण्ड ०-७५
१२६ **स्मृतिमुक्ताफलः** । वैधनाथदीक्षित विरचित । १-६ खण्ड (१-५ भाग में) ५०-००
१२७ **स्मृतिशास्त्रीयोपादानम् [महाभारते]** । सुरेशचन्द्र । मूलमात्र । प्रथम भाग १५-००
१२८ **स्मृतिसारोद्धारः** । विद्वद्वरश्रीविश्वम्भरत्रिपाठिसंकलित २५-००
१२९ **स्मृत्यर्थसारः** । श्रीधराचार्य विरचित ३-१५
१३० **हमारा धर्म और उसकी वैज्ञानिक रूपरेखा** । नारायण सिंह ५-००
१३१ **हमारे पर्व और त्यौहार** । माधवाचार्य २-००
१३२ **हिन्दू और हिन्दू राष्ट्र** । माधवाचार्य २-००
१३३ **हिन्दू जाति का उत्थान और पतन** । रजनीकान्त शास्त्री १२-००
१३४ **हिन्दू धर्म की विशेषताएँ** । स्वामी सत्यदेव परिव्राजक २-००
१३५ **हिन्दू धर्मकोष** । डॉ० राजबली पाण्डेय ४५-००
१३६ **हिन्दू विधि** । गिरिजाशंकर मिश्र १७-००
१३७ **हिन्दू विवाह का संक्षिप्त इतिहास** । हरिदत्त वेदालंकार १६-००
१३८ **हिन्दू विवाह की उत्पत्ति और विकास** । डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय २०-००
१३९ **हिन्दू विवाह में कन्यादान का स्थान** । डॉ० सम्पूर्णानन्द २-००

*१४० हिन्दू संस्कार। (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन) डॉ० राजबली पाण्डेय
[यह ग्रन्थ हिन्दू संस्कृति के अध्ययन की दिशा में महत्त्वपूर्ण देन है। गर्भ में आने के समय से मृत्यु के समय तक और मृत्यूत्तर संस्कारों के माध्यम से उसके परवर्ती लोकोत्तर प्रयाण तक के हिन्दू जीवन को बतलाने के लिए यह ग्रन्थ कुञ्जी का काम देता है।] तृतीय संशोधित संस्करण [वि. रा. १२] ३०-००
१४१ हेमाद्रि-दानखण्ड। १-२ भाग (एक जिल्द में) २५-००
१४२ हैदराबाद के चार शास्त्रार्थ। माधवाचार्य २-००

मयूख-ग्रन्थाः

१ आचार मयूख। नीलकण्ठभट्ट विरचित ४-००
२ दानमयूख। ,, ,, ,, ५-००
३ नीतिमयूख। ,, ,, ,, ४-००
४ प्रतिष्ठामयूख। ,, ,, ,, । हिन्दी टीका सहित ८-००
५ प्रायश्चितमयूख। ,, ,, ,, ४-००
६ व्यवहारमयूख। ,, ,, ,, ४-००
७ व्यवहारमयूख। काणे सम्पादित २५-००
८ शुद्धिमयूख। नीलकण्ठभट्ट विरचित ४-००
९ श्राद्धमयूख। ,, ,, ,, ४-००
१० संस्कारमयूख। ,, ,, ,, ४-००
११ समयमयूख। ,, ,, ,, ४-००

स्तोत्र-व्रत-महात्म्य-ग्रन्थाः

१ अन्नपूर्णास्तोत्रम्। कवच-अष्टोत्तरशतनामावलि सहित। भाषा टीका ०-७५
२ अष्टोत्तरशतनाममालिका। ५-००
३ अर्धनारीश्वरस्तोत्रम्। अर्धनारीश्वरस्तुतिनामावली ०-७५
४ अपराजितास्तोत्रम्। ०-४०
५ अम्बाष्टकम्। ०-२५
६ आदित्यहृदयस्तोत्र। ०-५०
७ आळवन्दारस्तोत्रम्। ०-६०, ०-२५
+८ ऋषिपञ्चमी-व्रत-कथा। भाषा टीका। पूजा-उद्यापनविधिसहित। पं० दुर्गादत्त पाण्डेय १-५०
९ एकादशीमाहात्म्यम्। 'सरला' हिन्दी टीका सहित ६-००
१० कण्ठाभरण। भाषा टीका १-००
११ ककारादि कालीसहस्रनाम। १-००
१२ कालभैरवाष्टकम्। ०-४०
१३ कालीकवचम्। काली ताराध्यान सहित ०-५०
१४ गङ्गालहरी। पीयूषलहरी व्याख्या सहित १-५०
१५ गङ्गालहरी। भाषा टीका सहित ०-५०
१६ गणेशमहिम्नस्तोत्रम्। पुष्पदन्त विरचित ०-२०
१७ गणेशसहस्रनाम। भास्करराय कृत खद्योतभाष्य ३-००
१८ गायत्रीरामायणम्। ०-२०
१९ चर्पटमञ्जरी। इन्दुमती नामक भाषा टीका सहित ०-२५
२० तुलसीपूजापद्धतिः। ०-१५
२१ त्रिपुरामहिम्नस्तोत्रम्। हिन्दी टीका ३-००
२२ दकारादि दत्तात्रेयसहस्रनामावलिः। १-००

२३ **दकारादि दुर्गासहस्रनामस्तोत्रम्।** ०-७५, १-७५
२४ **दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्।** ०-२०
२५ **दत्तात्रेयसहस्रनाम।** ०-६०
२६ **दुर्गाकवचम्।** अर्गला-कीलक सहित ०-१०
२७ **दुर्गास्तोत्रसंग्रहः।** ०-५०
२८ **देवीपुष्पाञ्जलिस्तोत्रम्।** शङ्कराचार्यकृत ०-६०, ०-१०
२९ **देवीसहस्रनाम।** १-००
३० **देवीसूक्तम्।** ०-२५
३१ **देव्यपराधक्षमापनस्तोत्रम्।** ०-२५
३२ **नर्मदाष्टकम्।** ०-१०
३३ **नवग्रहस्तोत्रसंग्रहः।** ३-००
३४ **पञ्चायतन देवतानां पृथगष्टोत्तरशतनामावलिः।** १-००
३५ **पादुकासाहस्रं।** श्रीनिवासाचार्य कृत परीक्षा व्याख्या ३५-००
३६ **पुरुषोत्तमसहस्रनाम।** १-००
३७ **बगलामुखीस्तोत्रम्।**
३८ **बटुकभैरवस्तोत्रम्।** अनुष्ठानविधि सहित ०-५०
३९ **बृहत्स्तोत्ररत्नाकरः।** सम्पादक—पं० रामतेज पाण्डेय ८-००
*४० **भारतीय व्रतोत्सव।** आचार्य पुरुषोत्तमशर्मा चतुर्वेदी।
[इस पुस्तक की विशेषता यह है कि इसमें सभी व्रतोत्सवों का काल-विज्ञान एवं विधि-विज्ञान बुद्धिगम्य रूप में दिया गया है तथा शास्त्र व लोक दोनों के अनुसार विधियों की युक्तियुक्तता सिद्ध की गई है।] [वि. रा. १०] ६-००
४१ **भुवनेश्वरीमहास्तोत्रम्।** पृथ्वीधराचार्य विरचित ३-७५
४२ **महामृत्युञ्जयमानसिकपूजनम्।** ०-२०
४३ **महालक्ष्मीकवचम्।** ०-१०
४४ **महालक्ष्म्यष्टकस्तवः।** ०-१०
४५ **महालक्ष्मीस्तोत्रम्।** महालक्ष्म्यष्टक-अम्बाष्टकद्वयोपेतम् ०-७५, १-५०
४६ **महिम्नस्तोत्रम्।** शिवताण्डवस्तोत्रञ्च। मूल ०-५०
४७ **महिम्नस्तोत्रम्।** 'मधुसूदनी'-संस्कृतटीकासहितम् १-००
४८ **मृतसञ्जीविनीजपविधि-महामृत्युञ्जयजपस्तोत्रादि युत** ०-२५
४९ **रामपट्टाभिषेकः।** ०-५०
५० **रामरक्षास्तोत्रम्।** ०-३०, ०-१५
५१ **रामस्तोत्रम्।** ०-३०
५२ **ललितासहस्रनाम।** ५-००
५३ **विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्।** सचित्र ०-७५, ०-१५
५४ **विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्।** केदारनाथ जैतली कृत हिन्दी टीका १२-००
५५ **विष्णुसहस्रनाम।** विनोबा भावे १०-००
५६ **विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्।** हिन्दी टीका सहित। १-४ भाग ५०-००
५७ **शनिस्तोत्रम्।** दशरथकृत कृष्णाष्टकयुत ०-१५
५८ **शिवमहिम्नस्तोत्रम्।** ०-३०
*५९ **हिन्दी शिवमहिम्नस्तोत्र।** हिन्दीपद्यानुवाद सहित।
[प्रस्तुत संस्करण में मूल की हिन्दी व्याख्या तथा छन्दोबद्ध हिन्दी अनुवाद भी दिया गया है। श्लोक का पूरा भाव-वैभव इस अनुवाद में उतर आया है। अवश्य अवलोकनीय संस्करण है] [वि. रा. ९८] १-२५

६० शिवसहस्रनामावलिः । २–००
६१ शिवस्तोत्रम् । शिवकवच सहित ०–५०
६२ शीतलाष्टकम् । ०–०५
६३ श्रीगोपालसहस्रनामस्तोत्रम् । ०–५०
६४ श्रीलक्ष्मीनारायणहृदयम् । ०–५०
६५ श्रीशिवकर्णामृतस्तोत्रम् । सम्पादक—पं० जगन्नाथ शर्मा १–५०
६६ श्रीशिवस्तोत्रावली । श्रीमदुत्पलदेवाचार्यविरचित । श्रीक्षेमराजाचार्य-निर्मितविवृतिसमेत । काश्मीरी स्वामी श्री राजानक लक्ष्मण कृत हिन्दी टीका २०–००
६७ संस्कृते पञ्चदेवतास्तोत्राणि । सुरेन्द्रनारायण त्रिपाठी ५०–००
६८ सत्यनारायणव्रतकथा । 'विष्णुप्रिया' हिन्दी टीका सहित १–५०
६९ सन्तानगोपालस्तोत्रम् । ०–५०, ०–२५
७० सिद्धसरस्वतीस्तोत्रम् । (गणेशस्तवराजस्तोत्रम्, सरस्वतीस्तोत्रम्, सरस्वत्यष्टकम्, सरस्वतीकवचम्, देव्यपराधक्षमापनस्तोत्रम्, कालभैरवाष्टकम्) प्रत्यक्षफलोपयोगी । ०–७५, ०–२५
*७१ सूर्यशतकम् । 'कला' हिन्दी टीका सहित [वि. सं. १७६]
[अत्यन्त सरल तथा व्यवस्थित हिन्दी भाषा में व्याख्या तथा टिप्पणियों में पौराणिक अन्तःकथाएँ आदि विषय स्पष्ट किए गए हैं । विचारपूर्ण विशद भूमिका में भी कवि तथा काव्य से सम्बन्धित गवेषणापूर्ण अनल्प सामग्री प्रस्तुत की गई है ।] ५–००
७२ सूर्यसहस्रनामावलिः । २–००
७३ सूर्यादिद्वादशस्तवीस्तोत्रं-अन्नपूर्णादिस्तोत्र सहित ०–३०
७४ स्तोत्र-भारती कण्ठहार । १–२ भाग ३०–५०
७५ स्तोत्रसमुच्चय । सम्पा० परमेश्वर ऐयर । १–२ भाग ५०–००
७६ स्तोत्रार्णवः । सम्पा० टी० चन्द्रशेखर २०–३०

तन्त्रादि-आगम-ग्रन्थाः

१ अक्षयवट । सम्पा० शीतलाप्रसाद मिश्र ०–५०
२ अखण्ड महायोग । पं० गोपीनाथ कविराज । अनु० एस० एन० खण्डेलवाल १०–००
३ अघोर विद्या सिद्धि । राजेश दीक्षित १२–००
४ अघोरी का उपदेश । ०–५०
५ अध्यात्मचर्चा । १–५०
६ अष्टसिद्धि । राजेश दीक्षित १२–००
७ अहिर्बुध्न्यसंहिता (पञ्चरात्रागमान्तर्गता) । १–२ भाग ५०–००
८ आगम रहस्य । सरयूप्रसाद द्विवेदी । १–२ भाग २७–००
९ आनन्दलहरी । 'चन्द्रिका' व्याख्या सहित ३–००
१० आनन्दलहरी । श्यामानन्द नाथ । हिन्दी टीका सहित २–२५
११ इन्द्रजाल अर्थात् कौतुकरत्नभाण्डागार । (बृहद) हिन्दी ६–००
१२ उच्छवगीताञ्जलिः । २–५०
१३ उपदेश मुक्तावली । (भजनमाला) पं० रमादत्त शुक्ल । द्वितीय भाग ५–००
चतुर्थ भाग (दोहावली) ०–७५
१४ उपासना महाविज्ञान । डॉ० चमनलाल गौतम ९–००
१५ कङ्कालमालिनी-तंत्र । पं० रमादत्त शुक्ल ३–००
१६ ओंकार सिद्धि । डॉ० चमनलाल गौतम ५–७५
१७ कर्पूरस्तव । 'दीपिका' 'परिमल' टीका समन्वित २–००

१८ **कर्पूरस्तवः** । महाकाल प्रणीत । 'रुचिरा' व्याख्या सहित ८-००
१९ **कर्पूरस्तवस्तोत्र** । पं० काशीनाथ झा कृत भाषा टीका सहित १-५०
२० **कमला नित्यार्चन** । भद्रशील शर्मा ३-००
२१ **कामधेनु-तंत्र** । सम्पा० भद्रशील शर्मा ४-००
२२ **कामाख्या सिद्धि** । १२-००
२३ **कामाक्षा-मंत्र (बृहद्)** । ६-००
२४ **काली उपासना** । राजेश दीक्षित ८-२५
२५ **कालीकर्पूरस्तवः** । सविधि । सम्पा० पुण्यशील शर्मा १-५०
२६ **कालीतंत्रम्** । सम्पा० भद्रशील शर्मा । भाषा टीका सहित ३-००
२७ **काली नित्यार्चनम्** । पं० रमादत्त शुक्ल । अर्गला, कील, कवच आदि स्तोत्र सहित ५-००
२८ **काली सिद्धि** । चमनलाल गौतम ५-००
२९ **काशी की सारस्वत साधना** । डॉ० गोपीनाथ कविराज २-५०
३० **कुलार्णव-तंत्र** । प्रथमोल्लास । हिन्दी टीका सहित ०-७५
३१ **कुलार्णव-तंत्र** । जॉन वूड्रफ कृत आंग्लानुवाद सहित २५-००
३२ **कृष्ण उपासना** । राजेश दीक्षित ८-२५
३३ **कौलकीर्तन** । श्री सत्यान्वेषी १-२५
३४ **कौलावली निर्णय** । रमादत्त शुक्ल । हिन्दी मात्र ५-००
३५ **क्रमदीक्षापूर्वक पूर्णाभिषेक** । पं० रमादत्त शुक्ल ३-००
३६ **क्रियोड्डीशतंत्रम्** । हिन्दी टीका सहित १-९०
३७ **क्या रामचरित मानस तंत्र है ?** एक देशी नरेश ९-००
३८ **खण्डप्रशस्तिः** । हनुमत्कवि । दशावतारस्तोत्र । श्री कीका पण्डित प्रणीत 'पञ्ज्या' पं० विनय सागर गुम्फित 'सुबोधिनी' टीका सहित ७-००
३९ **गणेश उपासना** । राजेश दीक्षित ८-२५
४० **गणेश सिद्धि** । सम्पा० डॉ० चमनलाल गौतम ९-००
४१ **गायत्री और चरित्र निर्माण** । सम्पादक—चमनलाल गौतम ३-५०
४२ **गायत्री की उच्च साधनाएँ** । चमनलाल गौतम ४-००
४३ **गायत्री उपासना** । राजेश दीक्षित ८-२५
४४ **(स्त्रियाँ) गायत्री उपासना क्यों करें ?** चमनलाल गौतम २-५०
४५ **गायत्री का अर्थ चिन्तन** । चमनलाल गौतम ३-५०
४६ **गायत्री का मन्त्रार्थ** । श्रीरामशर्मा आचार्य ३-००
४७ **गायत्री चित्रावली** । ३-००
४८ **गायत्री-तंत्र** । सम्पा० डॉ० चमनलाल गौतम ५-७५
४९ **गायत्रीतन्त्रम्** । श्रीमच्छङ्करमुखविनिःसृतम् । गायत्री-शापोद्धार-गायत्रीकवच-दशमहाविद्यास्तोत्रैः संभूषितम् । हिन्दी टीका सहित ५-००
५० **गायत्रीतत्त्वविमर्शः** । श्यामानन्द नाथ २-००
५१ **गायत्रीपुरश्चरणम्** । मूलमात्र ०-५०
५२ **गायत्री पुरश्चरण विधान** । अमोलचन्द्र शुक्ल ३-००
५३ **गायत्री पूजा पद्धति** । श्री विभाकराचार्य संगृहीत १-००
५४ **गायत्री महाविज्ञान** । श्रीरामशर्मा आचार्य कृत । १-३ भाग १८-००
५५ **गायत्री-यज्ञ-विधान** । श्रीरामशर्मा आचार्य । १-२ भाग ६-००
५६ **गायत्री योग** । सम्पा० डॉ० चमनलाल गौतम ६-००
५७ **गायत्री रत्नावली** । भा० टी० । चमनलाल गौतम ३-००

५८ **गायत्री सहस्रनाम** । भा० टी० । चमनलाल गौतम १-२५
५९ **(चौबीस) गायत्री साधना** । चमनलाल गौतम २-५०
६० **(सरल) गायत्री साधना** । चमनलाल गौतम ३-५०
६१ **गायत्री साधना के चमत्कार** । चमनलाल गौतम ३-००
६२ **गायत्री सिद्धि** । सम्पा० डॉ० चमनलाल गौतम ६-००
६३ **गुप्त-साधना-तंत्र** । पुण्यशील शर्मा २-५०
६४ **गुह्यमन्त्र और उनका विनियोग** । डॉ० कृष्णलाल ४०-००
६५ **गुह्यसमाजतंत्रम्** । (तथागतगुह्यक) । सम्पा० शीतांशुशेखर बागची १०-००, १२-५०
६६ **गुह्यसमाज-तंत्र** । सम्पादक—बी० भट्टाचार्य २४-००
६७ **गौतमीयतंत्रम्** । सम्पा० पं० बदरीनाथ झा १६-००
६८ **ज्ञानसंकलिनी-तंत्र** । सम्पादक—भद्रशील शर्मा ३-००
६९ **ज्ञानार्णवतंत्र** । ईश्वर प्रोक्त ८-००
७० **चण्डिकामाहात्म्य** । शिवाधार शुक्ल १-००
७१ **चण्डी-चरितावली** । भद्रशील शर्मा ०-७५
७२ **चिद्-विलासः (श्रीविद्यारहस्यम्)** । स्वामीजी महाराज दतिया ५-००
७३ **छिन्नमस्तानित्यार्चनम्** । पञ्चाङ्ग सहित । स्वामीजी महाराज दतिया ६-००
७४ **जपसूत्र** । प्रथम खण्ड । स्वामी प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती । अनु० कु० प्रेमलता शर्मा २०-००
७५ **जयाख्यसंहिता (पञ्चरात्रागम)** । कृष्णमाचार्य सम्पादित ५०-००
७६ **तंत्र और संत** । डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी ४५-००
७७ **तंत्रकौमुदी** । म० म० देवनाथ ठाकुर कृत ८-००
७८ **तंत्रविज्ञान** । पं० श्रीरामशर्मा आचार्य एवं डॉ० चमनलाल गौतम ६-००
७९ **तंत्रमहाविज्ञान** । हिन्दी टीका सहित । डॉ० चमनलाल गौतम । १-२ भाग २२-००
८० **तंत्र महाविद्या** । पं० श्रीरामशर्मा आचार्य एवं डॉ० चमनलाल गौतम ६-००
८१ **तंत्रमहासाधना** । डॉ० चमनलाल गौतम कृत हिन्दी अनुवाद सहित १०-००
८२ **तंत्रमहासिद्धि** । पं० श्रीरामशर्मा आचार्य एवं डॉ० चमनलाल गौतम ६-००
८३ **तंत्ररहस्य** । पं० श्रीरामशर्मा आचार्य एवं डॉ० चमनलाल गौतम ६-००
८४ **तंत्रशक्ति** । रुद्रदेव त्रिपाठी ८-००
८५ **तंत्रसंग्रहः** । म० म० गोपीनाथ कविराज सम्पादित । १-२ भाग ३३-००
८६ **तंत्र सिद्धान्त और साधना** । देवदत्त शास्त्री २५-००
८७ **तंत्रसिद्धि** । राजेश दीक्षित १२-००
८८ **तंत्राविधान अथवा तंत्रशास्त्र का कोष** । मूल सानुवाद अंग्रेजी । अनु०-डॉ० रामकुमार राय ५०-००
८९ **(संक्षिप्त) तंत्राह्निकम्** । रजेमिश्र विरचित ४-५०
९० **तांत्रिक-पञ्चांग** । स्वामीजी महाराज दतिया ४-००
९१ **तांत्रिक-साधनविधि** । राजेश दीक्षित १२-००
९२ **तांत्रिक साहित्य** । म० म० गोपीनाथ कविराज ३०-००
९३ **तारा नित्यार्चन** । पं० रमादत्त शुक्ल ४-००
९४ **तारापुर का महामानव** । भद्रशील शर्मा १-००
९५ **ताराहस्यम्** । सटिप्पणी 'विद्या' हिन्दी व्याख्या सहित ५-००
९६ **तारास्तवमञ्जरी** । रमादत्त शुक्ल ३-००
९७ **तारास्वरूपतत्त्वम्** । श्यामानन्द नाथ ३-००
९८ **तारिणीपारिजातः** । विद्वदुपाध्याय प्रणीत ४-००

९९ **त्रिपुरारहस्यम् (ज्ञानखण्डम्)** । श्रीनिवासबुध विरचित 'तात्पर्यदीपिका' व्याख्या सहित । सम्पा० म० म० गोपीनाथ कविराज ९—००
१०० **त्रिपुरारहस्यम् (ज्ञानखण्डम्)** । 'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित । स्वामी सनातनदेवजी महाराज १६—००
१०१ **त्रिपुरासारसमुच्चयतंत्रम्** । जीर्ण ४—००
१०२ **दत्तात्रयतंत्रम्** । हिन्दी टीका सहित ६—००
१०३ **दुर्गा-उपासना** । राजेश दीक्षित ८—२५
१०४ **दुर्गाकल्पद्रुम** । सप्तशती पाठ सहित ६—००
१०५ **दुर्गानित्यार्चनम्** । भद्रशील शर्मा ३—००
१०६ **दुर्गापञ्चाङ्गम्** । सम्पा० मातृप्रसाद पाण्डेय २—००
१०७ **दुर्गापुष्पाञ्जलिः** । दुर्गाप्रसाद द्विवेदी प्रणीत । गङ्गाधर द्विवेदी कृत व्याख्या सहित । म० म० गोपीनाथ कविराज सम्पादित ४—२५
*१०८ **दुर्गापूजा-श्यामापूजापद्धतिः (शारदीय)** । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित । सम्पा० पं० रामचन्द्र झा ५—००
१०९ **दुर्गासप्तशती** । हिन्दी टीका सहित । पं० शिवदत्त मिश्र शास्त्री ८—००
११० **दुर्गासप्तशती** । मूलमात्र (गुटका) ४—००
१११ **दुर्गासप्तशती** । स्थूलाक्षर । (बम्बई) पत्रात्मक ८—००, सजिल्द १०—००
*११२ **दुर्गासप्तशती** । (मैथिल साम्प्रदायिक) । मूल । कनकलाल ठक्कुर सम्पादित २—५०
११३ **दुर्गासप्तशती** । 'सर्वमङ्गला' हिन्दी व्याख्या । पं० हरेकान्त मिश्र शास्त्री ८—००
११४ **दुर्गासप्तशती का आध्यात्मिक रहस्य** । काशीनाथ झा ४—००
११५ **दुर्गास्तवमञ्जरी** । हिन्दी टीका सहित । भद्रशील शर्मा ३—००
११६ **देवरहस्य** । डॉ० चमनलाल गौतम ९—००
११७ **देवात्मशक्ति (कुण्डलिनी)** । स्वामी विष्णुतीर्थ कृत आंग्लानुवाद १४—००
११८ **देवीमाहात्म्य** । स्वामी जगदीश्वरानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ३—५०
११९ **धन प्राप्ति के प्रयोग** । भद्रशील शर्मा १—५०
१२० **धर्म मार्ग पर** । पं० नेमधर शर्मा ४—००
१२१ **नारदीयसंहिता** । पञ्चरात्रागमान्तर्गत । सम्पा० राघवप्रसाद चौधरी २४—००
१२२ **नित्याषोडशिकार्णवः** । शिवानन्द कृत 'ऋजुविमर्शिनी' एवं 'पार्थरत्नावली' टीका युक्त २५—००
१२३ **नित्याषोडशिकार्णवः** । (वामकेश्वरतन्त्रान्तर्गतः) श्री भास्कररायोन्नीत सेतुबन्धाख्य-व्याख्या सहित । सम्पादक—काशीनाथ वासुदेव अभ्यङ्कर ३५—००
१२४ **नित्योत्सवः** । उमानन्दनाथ कृत । ए० महादेव शास्त्रि सम्पादित ४५—००
१२५ **पञ्चमकार तथा भावत्रय** । पं० देवीप्रसाद घिल्डियाल ६—००
१२६ **पञ्चस्तवी** । ०—५०
१२७ **परमार्थसारः** । अभिनव गुप्त । प्रभा देवी कृत भाषा टीका सहित ४—००
१२८ **परशुरामतंत्रम्** । सम्पा० भद्रशील शर्मा १—५०
१२९ **पुरश्चरणम्** । सूर्यप्रकाश गोस्वामी रचित १—००
१३० **पुरश्चरणपद्धतिः** । योगीन्द्र कृष्ण दौर्गादत्ति शास्त्री । हिन्दी टीका सहित २—००
१३१ **पूजा रहस्य** । चमनलाल गौतम ५—७५
१३२ **प्रत्यङ्गिरापञ्चांगम्** । २—६५
१३३ **प्रत्यभिज्ञारहस्यम् (शाक्तदर्शन)** । षट्त्रिंशतत्वसन्दोहः । हिन्दी टीका सहित १—५०
१३४ **प्रत्यभिज्ञाहृदयम्** । राजानकक्षेमराजाचार्यविरचितम् । सविमर्श हिन्दी व्याख्या सहित । प्रो० शिवशंकर अवस्थी १२—००

१३५ **प्रत्यभिज्ञाहृदयम्।** डॉ० विमलाप्रसाद त्रिपाठी १३-००
१३६ **प्रत्यभिज्ञाहृदयम्।** जयदेव सिंह कृत हिन्दी अनुवाद सहित १२-००
१३७ **बगलानित्यार्चनम्।** स्वामीजी महाराज दतिया ३-००
१३८ **बगलामुखीरहस्यम्।** स्वामीजी महाराज दतिया १०-००
१३९ **बगलामुखी सिद्धि।** डॉ० चमनलाल गौतम सम्पादित ५-७५
१४० **बालानित्यार्चनम्।** भद्रशील शर्मा ६-००
१४१ **बालास्तवमञ्जरी।** भद्रशील शर्मा ६-००
१४२ **भगवतीगीता।** पद्यानुवाद व्याख्या सहित। हरिशास्त्री दाधीच ५-००
१४३ **भारत में प्रतीक पूजा का आरम्भ और विकास।** सांवलिया बिहारीलाल वर्मा ११-००
१४४ **भारतीय संस्कृति और साधना।** म० म० गोपीनाथ कविराज। प्रथम भाग ३५-००
१४५ **भुवनेश्वरीनित्यार्चनम्।** पं० योगीन्द्र कृष्ण ४-००
१४६ **भुवनेश्वरीस्तवमञ्जरी।** भद्रशील शर्मा ३-००
१४७ **भैरवीचक्रपूजन।** पं० रमादत्त शुक्ल २-००
*१४८ **मंत्र और मातृकाओं का रहस्य।** डॉ० शिवशङ्कर अवस्थी
[प्रस्तुत ग्रन्थ में व्याकरणागम्, सूतादिसंहिताओं, पुराणवचनों तथा रहस्यमयी स्मृतियों का प्रमाणार्थ उपयोग हुआ है। अहन्ता, कामकला, कुण्डलिनी, परा-पश्यन्ती आदि वाग्भेद, ओङ्कार तथा तद्‌गत आकार, उकार, मकार, बिन्दु, अर्द्धचन्द्र, रोधिनी, नाद, नादान्त, शक्ति आदि कलाओं, पूर्णा या परा प्रकृति एवं तदन्तर्गत पर पुरुष, अपर पुरुष, पर काल, अपर काल, पर प्रकृति, अपर प्रकृति तथा प्रतिभा आदि तत्त्वों की व्यापक चर्चा इसमें द्रष्टव्य है। वर्णों का वैज्ञानिक एवं दार्शनिक विवरण, मन्त्रों के स्वरूप तथा शक्ति का तलस्पर्शी विवेचन इस ग्रन्थ की विशेषता है। हिन्दी भाषा का यह सर्वप्रथम ग्रन्थ है जिसमें तन्त्र जैसे दुरूह विषय का व्यवस्थित और बोधगम्य वर्णन देखने को मिलेगा] [वि. रा. ९५] २५-००
१४९ **मंत्रकौमुदी।** देवनाथ ठाकुर ६-००
१५० **मंत्रमहाविज्ञान।** हिन्दी अनुवाद सहित। डॉ० चमनलाल गौतम। १-४ भाग ३४-००
१५१ **मंत्रमहोदधि।** जगन्नाथ शर्मा १५-००
१५२ **मंत्रयोग।** हिन्दी अनुवाद सहित। डॉ० चमनलाल गौतम ८-००
१५३ **मंत्रयोगसंहिता।** मूल एवं आंग्लानुवाद। अनु० डॉ० रामकुमार राय ३५-००
१५४ **मंत्रलोक।** माधवाचार्य ३-००
१५५ **मंत्रशक्ति।** डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी ६-००
१५६ **मंत्रशक्ति के अद्‌भुत चमत्कार।** डॉ० चमनलाल गौतम ४-००
१५७ **मंत्र शक्ति से कामना सिद्धि।** डॉ० चमनलाल गौतम ६-००
१५८ **मंत्रशक्ति से रोग निवारण।** डॉ० चमनलाल गौतम ६-००
१५९ **मंत्रशक्ति से विपत्ति निवारण।** डॉ० चमनलाल गौतम ६-००
१६० **मंत्रसागर।** डॉ० रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी 'निर्णय' १६-००
१६१ **मन्त्रसिद्धि।** राजेश दीक्षित १२-००
१६२ **मन्त्रसिद्धि का उपाय।** भद्रशील शर्मा २-००
१६३ **मन्त्रात्मक सप्तशती।** पं० रमादत्त शुक्ल। १-२ भाग १८-००
१६४ **मनोकामना सिद्धि।** राजेश दीक्षित १२-००
१६५ **महाकालसंहिता।** डॉ० किशोरनाथ झा सम्पादित। कामकला खण्ड ३०-००
गुह्यकली खण्ड—प्रथम भाग ७०-००, द्वितीय भाग ६०-००
१६६ **महाचीनाचार-सार-तन्त्र।** नर्मदेश्वरप्रसाद उपाध्याय २-००

*२०५ शक्ति भाष्य का अध्ययन । डॉ० श्रीमती सुशीला 'कमलेश' ।
[प्रस्तुत ग्रन्थ संस्कृत दर्शन शास्त्र की वह अमूल्य निधि है जिसने सृष्टि के आदि काल से पूजा-पद्धति में प्रचलित शक्तिमत-परंपरा को सुसम्बद्ध दर्शन का रूप प्रदान करके एक बहुत बड़े अभाव की पूर्ति की है । विदुषी लेखिका ने प्रस्तुत ग्रन्थ में शक्तिमत को अपनी लौकिक प्रतिभा के द्वारा दर्शनों की परम्परा में एक गौरवपूर्ण उच्चतम स्थान देने का अथक प्रयास किया है । जिज्ञासुओं को इससे अधिक लाभ होगा ।] [चौ० रा० १८] ३०-००

२०६ शक्तिसङ्गमतन्त्रम् । चतुर्थ भाग । छिन्नमस्ता खण्ड ४०-००

२०७ शाक्तदर्शन । पं० कालीचरण पंत ३-००

२०८ शाक्तदर्शन । चक्रेश्वर भट्टाचार्य (संस्कृत) २०-००

२०९ शाक्त धर्म क्या है ? देवीदत्त शुक्ल ३-००

२१० शाक्तप्रमोदः । दशमहाविद्या । मूलमात्र ३०-००

२११ शाक्तानन्द तरङ्गिणी । हिन्दी टीका सहित । रमादत्त शुक्ल ३-५०

२१२ शारदातिलक । सरल हिन्दी अनुवाद सहित । डॉ० चमनलाल गौतम २०-००

२१३ शारदातिलकतन्त्र । जीर्ण २-००

२१४ शावरमन्त्रसिद्धि । चमनलाल गौतम ३-७५

२१५ शिव उपासना । राजेश दीक्षित ८-२५

२१६ शिवरहस्य । डॉ० चमनलाल गौतम । १-२ भाग ११-५०

२१७ शिवसूत्र भक्तिसूत्रश्च । अन्वयार्थबोधिनी वृत्ति सहित १-५०

२१८ शिवसूत्रस्पन्दकारिका । अन्वयार्थबोधिनी वृत्ति सहित । हिन्दी टीका १-५०

२१९ शिवस्वरोदयः । राजेश दीक्षित । भाषा टीका सहित ४-५०

२२० शैव परिभाषा । शिवाग्रयोगीन्द्र कृत ३-७५

२२१ श्रीकल्पद्रुम । गुप्तावतार बाबा मोतीलाल जी । प्रथम भाग ३-००

२२२ श्री श्रीकालीकल्पतरु । पं० रमादत्त शुक्ल १५-००

२२३ श्रीप्रश्नसंहिता । श्रीमती सीतापद्मनाभन सम्पादित ६-००

२२४ श्री श्रीगुरुतन्त्रम् । हिन्दी अनुवाद सहित । श्रीबलदेव प्रसाद मिश्र २-५०

२२५ श्रीपाञ्चरात्ररक्षा । वेदान्तदेशिक । सम्पा० एम० दुरैस्वामी आयंगर तथा टी० वेणुगोपालाचार्य २०-००

२२६ श्रीनाथादिगुरुत्रयम् । बाबा मोतीलाल ३-५०

२२७ श्रीमहात्रिपुरसुन्दरीपूजापद्धति । स्वामीजी महाराज दतिया ३-००

२२८ श्रीवनदुर्गा । दयाशङ्कर उपाध्याय कृत २-००

२२९ श्रीविद्या-वरिवस्या । स्वामी करपात्रीजी ८-००

२३० श्रीषोडशीनित्यार्चनम् । भद्रशील शर्मा ४-००

२३१ श्यामासपर्यावासना । श्यामानन्द नाथ ४-५०

२३२ सन्तान-सुख प्राप्ति के प्रयोग । भद्रशील शर्मा १-५०

२३३ सनत्कुमारसंहिता । पं० वी० कृष्णमाचार्य सम्पादित ४०-००

२३४ सप्तविंशतिरहस्यम् । स्वामीजी महाराज दतिया ७-००

२३५ सप्तशतीतत्त्व । पं० रमादत्त शुक्ल ६-००

२३६ सप्तशती मीमांसा । रमादत्त शुक्ल २-५०

२३७ सप्तशतीरहस्यम् । श्यामानन्द नाथ २-५०

२३८ सरस्वती उपासना । राजेश दीक्षित ८-२५

२३९ सांख्यायनतन्त्रम् । गोस्वामी श्रीलक्ष्मीनारायण दीक्षित सम्पादित ४-००

२४० सात्वततन्त्रम् । (वैष्णवतन्त्रम्) सम्पा० अनन्तशास्त्री फड़के १०-००

२४१ **साधक का सम्वाद**। (शाक्त धर्म की जानकारी रोचक ढङ्ग से कराती है)। देवीदत्त शुक्ल ४–५०
२४२ **साधनमाला**। विनयतोषभट्टाचार्य सम्पादित। १–२ भाग ९०–००
२४३ **साधन-सम्पदा**। नारायणदत्त रावल २–५०
२४४ **सारस्वत कुण्डलिनी महायोग (शक्तिपात-शास्त्र)** डॉ० जे० सी० भारतीय ४८–००
२४५ **सावित्रीप्रकाश**। अथवा गायत्री (गुरु) मंत्र व्याख्या। स्वामी वेदान्ततीर्थ २–००
२४६ **सिद्धान्त रहस्य अर्थात् सिद्धान्तरत्नमणिमाला**। स्वामीजी महाराज दतिया २–००
२४७ **सिंह-सिद्धान्त-सिन्धुः**। गोस्वामी श्री शिवानन्द भट्ट प्रणीत। सम्पा० गोस्वामी लक्ष्मीनारायण दीक्षित। प्रथम भाग ११–५०, द्वितीय भाग १६–७५
२४८ **सौन्दर्यलहरी**। लक्ष्मीधरा–सौभाग्यवर्धनी–अरुणामोदिनी–आनन्दगिरीया–तात्पर्यदीपिनी–पदार्थचन्द्रिका–डिण्डिमभाष्य–गोपालसुन्दरी–आनन्दलहरी–व्याख्यासमलंकृता। आंग्लानुवाद टिप्पणी-द्रविडानुवाद–द्रविड हिन्दी पद्यानुवाद–द्रविडांग्लभाषागतप्रयोगयंत्रपूजाविधिसंयुता। ए० कुप्पूस्वामी सम्पादित ८०–००
२४९ **सौन्दर्यलहरी**। लक्ष्मीधर व्याख्या–भावनोपनिषद्–भाष्कररायभाष्यसहित ८–००
२५० **सौन्दर्यलहरी**। हिन्दी अनुवाद तथा श्रीविद्यातत्वकुण्डलिनीरहस्य सहित १०–००
२५१ **सौन्दर्यलहरीपरपर्यायम् आनन्दलहरीस्तोत्रम्**। शङ्कराचार्यविरचितम्। श्रीरामकविकृत डिण्डिमभाष्यम्–नरसिंहस्वामी कृत गोपालसुन्दरीटीकासहितम् ७–००
२५२ **सौन्दर्यलहरी**। (प्रत्येक श्लोक की टीका और व्याख्या के साथ-साथ उसके यंत्र-मंत्रात्मक प्रयोग का हिन्दी में प्रथम प्रकाशन)बाबा मोतीलाल जी ५–५०
२५३ **सौन्दर्यलहरी**। पद्यानुवाद सहित। बलवीर सिंह फौजदार २–००
२५४ **सौन्दर्यलहरी**। पद्यानुवाद सहित २–००
२५५ **सौन्दर्यलहरी**। मूल, आंग्लानुवाद। अनु० पं० एस० सुब्रह्मण्य शास्त्री एवं टी० आर० निवास आयंगर ११–५०
२५६ **हनुमान उपासना**। रामकृष्ण दास 'रसिक' ८–२५
२५७ **हनुमत् सिद्धि**। चमनलाल गौतम ६–५०
२५८ **हिन्दुओं की पोथी**। देवीदत्त शुक्ल ३–००

Sir John Woodroffe (Arthur Avalon)

1 Principles of Tantra. 2 Vols. 80–00
2 Sakti & Sakta, 40–00
3 The Great Liberation, 1971 In the press
4 Introduction to Tantra Shastra, 1973 10–00
5 Ishopanishad, The Wave of Bliss, The Greatness of Shiva, 1971 10–00
6 Tantraraja Tantra, Kamakalavilasa, 1971 10–00
7 The Serpent Power, 1973 30–00
8 The World as Power 1973 30–00
9 The Garland of Letters 15–00

अष्टादश-महापुराण-ग्रन्थाः

१ **अग्निपुराणम् (१)**। मूलमात्र। सम्पा० आचार्य बलदेव उपाध्याय ३०–००
२ **अग्निपुराण**। (संक्षिप्त) हिन्दी अनुवाद सहित। श्रीरामशर्मा आचार्य। १–२ भाग २२–००
३ **अग्निपुराण का काव्यशास्त्रीय भाग**। डॉ० रामलाल शर्मा ७–००
४ **अग्निपुराण-विषयानुक्रमणी**। प्रणेता—रामशङ्कर भट्टाचार्य १०–००

५ **कूर्मपुराणम् (२)** । हिन्दी अनुवाद सहित । (काशीराज ट्रस्ट) ५०-००
६ **कूर्मपुराणम्** । (संक्षिप्त) हिन्दी अनुवाद । श्रीरामशर्मा आचार्य । १-२ खण्ड २२-००
७ **कूर्मपुराणम्** । (पाठ-समीक्षात्मकसंस्करणम्) सम्पा० आनन्दस्वरूप गुप्त १२५-००
८ **कूर्ममहापुराणम्** । मूलमात्र ३०-००
९ **गरुड़पुराणम् (३)** । मूलमात्र । सम्पा० श्रीरामशङ्कर भट्टाचार्य १५-००
१० **गरुड़पुराणम्** । (संक्षिप्त) हिन्दी अनुवाद । श्रीरामशर्मा आचार्य । १-२ भाग २२-००
११ **गरुड़पुराणम्** । १६ अध्याय । हिन्दी टीका सहित । पत्राकार ८-००
१२ **गरुड़पुराणम्** । सारोद्धार । संस्कृत टीका सहित ५-००
१३ **गरुड़पुराण** । प्रेतकल्प । भाषा टीका ५-००
१४ **गरुड़पुराण की आलोचना** । गङ्गाप्रसाद ०-५०
१५ **नारदपुराण (४)** । (संक्षिप्त) हिन्दी अनुवाद । श्रीरामशर्मा आचार्य । १-२ भाग २२-००
१६ **पद्मपुराणम् (५)** । मूलमात्र । १-४ भाग ३७-५५
१७ **पद्मपुराण** । (संक्षिप्त) हिन्दी अनुवाद सहित । श्रीरामशर्मा आचार्य । १-२ भाग २२-००
१८ **पुराण-कथाकौमुदी** । पं० रघुनाथदत्त बन्धु १५-००
१९ **पुराण की लोकभारती** । डॉ० जयशंकर त्रिपाठी [वि. रा. १३२] ३-००
२० **पुराणदिग्दर्शनम्** । माधवाचार्य शास्त्री विरचित । १-२ भाग १७-००
२१ **पुराणपञ्चलक्षणम्** । डब्ल्यू किरफेल । डॉ० सूर्यकान्त कृत देवनागरी रूपान्तर तथा भूमिका का आंग्लानुवाद यंत्रस्थ
२२ **पुराणपरिशीलन** । म० म० गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी २०-००
+२३ **पुराणपर्यालोचनम्** । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी । १-२ भाग

[भारतीय वाङ्मय में पुराण साहित्य का महत्त्वपूर्ण स्थान है । पुराणों के बिना वेदों का उपबृंहण सम्भव नहीं है । परन्तु समस्त पुराणों का अध्ययन सामान्य पाठक के लिए सहज सम्भव नहीं है । अतः सम्पू० सं० विश्वविद्यालय, पुराणेतिहास विभाग के भूतपूर्व प्राध्यापक तथा अध्यक्ष डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ने अनेक वर्षों के अध्ययन-अध्यापन एवं निर्वचन से प्राप्त अनुभव के आधार पर उपर्युक्त महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ का लेखन सरलतम संस्कृत भाषा में किया है । प्रस्तुत पुस्तक में पुराणों के लोकोपयोगी विषयों का मनौवैज्ञानिक तर्कसङ्गत एवं हृदयस्पर्शी विवेचन निबद्ध कर विद्वान् लेखक ने पुराण जगत् को एक नवीन कृति भेंट की है । पुराणों पर की गयी शङ्काओं का भी समाधान दिया गया है । विषय-प्रतिपादन की श्रेष्ठता के साथ ही इसकी भाषा अत्यन्त सरल एवं सुबोध है । यह ग्रन्थ पुराण साहित्य के अध्येताओं एवं शोध छात्रों के लिए विशेष रूप से संग्रहणीय है ।] [चौ. सु. १]

प्रथम : गवेषणात्मक भाग ३०-००
द्वितीय : समीक्षात्मक भाग २०-००

*२४ **पुराणविमर्श** । आचार्य बलदेव उपाध्याय । (उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत)

[इसमें ऐतिहासिक पद्धति में पुराण की आलोचना विद्यमान है, साथ ही साथ परम्परा पद्धति से पुराणविषयक मननीय सामग्री भी सङ्कलित है । पुराण के अनुशीलन में यह एक नवीन दृष्टिकोण को अग्रसर करता है, जो एकदम नवीन तथा पूर्णतया विश्लेषणात्मक है ।] (नवीन संस्करण १९७९) [वि. रा. ८०] ५०-००

२५ **पुराणविषयानुक्रमणी** । (राजनीतिक) राजबली पाण्डेय । प्रथम भाग १५-००
*२६ **पौराणिक आख्यान** । डॉ० गङ्गासागर राय

[आख्यान या कहानी जनता के मनोरंजन के साधन हैं । पौराणिक कथानक उपदेशप्रद तथा रोचक होने के कारण विद्वज्जन से लेकर पामर जन तक को आकृष्ट करता है । घर-घर में पौराणिक शिक्षाप्रद कथाओं का प्रसार हो, इसी उद्देश्य से राष्ट्रभाषा

में यह पुस्तक लिखी गयी है। कथावाचक पौराणिक व्यासों के लिये तो यह पुस्तक अद्वितीय है।] [वि. रा. १२६] ३-००

२७ **पुराणविषयसमनुक्रमणिका** । यशपाल टण्डन सम्पादित १०-००

२८ **पुराणों की अमर कहानियाँ** । रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री । भाग १, ३, ५ ९-००

*२९ **पौराणिक कथाएँ** । श्री हृदयराम शर्मा । (पुराणों में बिखरे हुए ७४ चरित्र नायकों का अपूर्व कथा-संग्रह)
[उदात्त चरित्रों से परिपूर्ण लगभग ७४ पौराणिक कथाओं को लोकरुचि के अनुकूल रूप देकर यह ग्रन्थ सम्पादित किया गया है। आबाल-वृद्ध सभी को इसमें पर्याप्त रुचिपूर्ण कहानी कहने-सुनने की प्रवृत्ति तुष्ट होकर उत्कृष्ट मनोरञ्जन भी होगा।] [वि. रा. ४७] ५-००

३० **पौराणिक धर्म एवं समाज** । (हिन्दी) डॉ० एस० एन० राय ४०-००

३१ **ब्रह्मपुराणम् (६)** । संस्कृत मूल एवं हिन्दी अनुवाद सहित । तारणीश झा १००-००

३२ **ब्रह्मपुराण** । (संक्षिप्त) हिन्दी अनुवाद सहित । श्रीरामशर्मा आचार्य । १-२ भाग २२-००

३३ **ब्रह्मवैवर्तपुराणम् (७)** । मूलमात्र । सजिल्द । १-२ भाग । पूना १७-९०

३४ **ब्रह्मवैवर्तपुराणम्** । मूलमात्र । १-२ भाग ४५-००

३५ **ब्रह्मवैवर्तपुराण** । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्मा कृत हिन्दी अनुवाद सहित । १-२ भाग २२-००

३६ **ब्रह्माण्डपुराणम् (८)** । मूलमात्र २४-००, ३६-००

३७ **भविष्यपुराणम् (९)** । मूलमात्र दुष्प्राप्य

३८ **भविष्यपुराण** । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्मा कृत हिन्दी अनुवाद सहित । १-२ भाग २२-००

३९ **भागवतकथा** । (साप्ताहिक) राममूर्ति शास्त्री । १-२ भाग ५०-००

४० **भागवतकथा** । संक्षेपकर्त्ता—सूरजमल मेहता ५-५०

४१ **भागवत-दर्शन** । डॉ० हरिवंशलाल शर्मा १२-००

४२ **भागवत-धर्म** । हरिभाऊ उपाध्याय । १-२ भाग १७-००

४३ **मत्स्यपुराणम् (१०)** । मूलमात्र २५-००

४४ **मत्स्यपुराण** । भाषा । अनुवादक—रामप्रताप त्रिपाठी ४०-००

४५ **मत्स्यपुराण** । हिन्दी अनुवाद सहित । श्रीरामशर्मा आचार्य । १-२ भाग २२-००

४६ **मार्कण्डेयपुराणम् (११)** । मूलमात्र २०-००

४७ **मार्कण्डेयपुराण** । (संक्षिप्त) हिन्दी अनुवाद सहित । श्रीरामशर्मा । १-२ भाग २२-००

*४८ **मार्कण्डेयपुराण : एक अध्ययन** । आचाय बदरीनाथ शुक्ल
[इस ग्रन्थ में अध्यायक्रम से मार्कण्डेयपुराण का सम्पूर्ण कथा सूत्र पूर्ण सुरक्षित रखा गया है; कथा की परम्परा में कहीं भी त्रुटि नहीं आने पाई है। कथावाचक और अनुसंधानकर्त्ता दोनों के लिए यह ग्रन्थ समान उपयोगी है।] [वि. रा. ४३] ८-००

४९ **मार्कण्डेयपुराण : एक सांस्कृतिक अध्ययन** । वासुदेवशरण अग्रवाल १२-००

५० **लिङ्गपुराणम् (१२)** । मूलमात्र । जीर्ण २२-००

५१ **लिङ्गपुराण** । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्मा कृत हिन्दी अनुवाद सहित । १-२ भाग २२-००

५२ **वामनपुराणम् (१३)** । मूल एवं हिन्दी अनुवाद सहित (काशीराजट्रस्ट) ५०-००

५३ **वामनपुराणम्** । (पाठ-समीक्षात्मकसंस्करणम्) सम्पा० आनन्दस्वरूप गुप्त १२५-००

५४ **वामनपुराण** । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्मा कृत हिन्दी अनुवाद सहित । १-२ भाग २२-००

५५ **वाराहपुराण (१४)** । मूलमात्र दुष्प्राप्य

५६ **वाराहपुराण** । (संक्षिप्त) हिन्दी अनुवाद सहित । चमनलाल गौतम । १-२ भाग २२-००

५७ **विष्णुपुराणम्** । भाषा टीका सहित ७-००

५८ **विष्णुपुराण** । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्मा आचार्य कृत हिन्दीटीका सहित । १-२ भाग २२-००

५९ **विष्णुधर्मोत्तरपुराणम्** । (चित्रसूत्रम्) डॉ० अशोक शास्त्री ७-२५

*६० **विष्णुपुराण का भारत**। डॉ० सर्वानन्द पाठक
[प्रस्तुत ग्रन्थ में विष्णुपुराण के आधार पर भौगोलिक आधार, समाजव्यवस्था, राजनीतिक संस्थान, शिक्षा-साहित्य, संग्रामनीति, आर्थिकदशा, धर्म आदि विषयों पर प्रामाणिक रूप से तत्कालीन भारत की जीवन्त झाँकी प्रस्तुत की गई है। ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से इसका प्रमुख महत्त्व है।] [चौ. रा. २] २५-००
६१ **वैष्णवमहापुराणम् (१५)**। मूलमात्र दुष्प्राप्य
६२ **शिवमहापुराण (१६)**। मूलमात्र। पत्राकार ७५-००
६३ **शिवपुराण**। (संक्षिप्त) हिन्दी टीका सहित। श्रीरामशर्मा आचार्य। १-२ भाग २२-००
६४ **शिवपुराण**। भाषा। पं० प्यारेलाल रूग्गू ४०-००
६५ **शिवपुराण की दार्शनिक तथा धार्मिक समालोचना**। डा० रामशङ्कर त्रिपाठी ३०-००
६६ **श्रीमद्भागवतम् (१७)**। मूलमात्र। गुटका २५-००
६७ **श्रीमद्भागवतम्**। चूर्णिका संस्कृत व्याख्या सहित ८०-००
६८ **श्रीमद्भागवतम्**। अन्वितार्थप्रकाशिका टीका सहित। पत्रात्मक १००-००
६९ **श्रीमद्भागवतम्**। लाला शालिग्राम कृत हिन्दी टीका। पत्राकार २५०-००
७० **श्रीमद्भागवतम्**। 'सरस्वती' भाषा टीका दृष्टान्त सहित। पत्राकार १५०-००
७१ **श्रीमद्भागवतम्**। एकादशस्कन्ध। हिन्दी टीका सहित। १-२ भाग ७-००
७२ **स्कन्दपुराण**। (संक्षिप्त) हिन्दी अनुवाद सहित। श्रीरामशर्मा आचार्य। १-२ भाग २२-००
७३ **सुखसागर**। (भागवत) सरल भाषा। स्थूलाक्षर। सचित्र ४२-००
74 Agnipurana-Eng. Trans. By Manmathnath Datt. 2 Vols. 100-00
75 Agnipurana : A Study. Dr. S. D. Gyani 50-00
76 The Bhagavata Purana. English Translation in 5 Vols 250-00
77 A critical study of the Bhagwatpurana. By Dr. T. S. Rukmani 50-00
78 Garudapurana. English Translation. Manmathnath Datt 75-00
79 Garudapurana : English Translation By. J. L. Shastri. in 3 Vols 150-00
80 Kurmapurana. Text with English Translation 80-00
81 Lingapurana. English Translation. in 2 Vols. 100-00
82 Nilamatapurana. English Translation. By Veda Kumari. in 2 Vols 48-00
83 Puranic Encyclopaedia. Sri V. Mani 300-00
84 The Purana Text of the Dynestics of the Kali Age. By. F. E. Pargitor 50-00
85 Shivapurana. English Translation. Ed. By. J. L. Shastri. in 4 Vols. 200-00
86 Studies in the Puranic Records of the Hindu Rites and Customs. By R. C. Hazra 55-00
87 Studies in Skanda Purana. By A. B. L. Awasthi. in 2 Vols 140-00
88 Vamanapurana. English Translation. By S. M. Mukhopadhyaya 80-00
89 Vishnupurana. English Trans. By Manmathnath Datt 75-00
90 Vishnudharmottarapurana. English Translation. Vol. III Part I-II 80-00

उपपुराणम्

१ **आत्मपुराण** । सम्पा० डॉ० चमनलाल गौतम १०-५०
२ **कल्किपुराणम्** । सम्पा० डॉ० अशोक चटर्जी १८-००
३ **कल्किपुराणम्** । हिन्दी अनुवाद सहित ५-७५
४ **कालिकापुराणम्** । सम्पा० विश्वनारायण शास्त्री । आचार्य बलदेव उपाध्याय संशोधित ४०-००
५ **कालिकापुराण** । हिन्दी अनुवाद सहित । डॉ० चमनलाल गौतम । १-२ भाग २२-००
६ **गणेशपुराण** । पं० जगन्नाथ शर्मा १२-००
७ **देवीपुराणम्** । मूलमात्र ४०-००
८ **देवीभागवतम्** । मूलमात्र । गुटका १६-००
९ **देवीभागवतम्** । हिन्दी टीका सहित । पत्राकार २००-००
१० **देवीभागवतम्** । (संक्षिप्त) हिन्दी अनुवाद सहित । श्रीरामशर्मा । १-२ भाग २२-००
११ **बृहद्धर्मपुराणम्** । हरप्रसादशास्त्री सम्पादित ७५-००
१२ **बृहन्नारदीयपुराणम्** । ऋषिकेष शास्त्री सम्पादित । सटिप्पण ७५-००
१३ **मल्लपुराणम्** । अज्ञातकर्तृक । भोगीलाल जे० सन्देशरा—रमणलाल नागरजी मेहता सम्पादित १५-००
१४ **युगपुराणम्** । भाषा टीका । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी [चौ. सु. १६] २-५०
१५ **वायुपुराण** । भाषा । अनुवादक—रामप्रताप त्रिपाठी २४-००
१६ **सूर्यपुराण** । हिन्दी अनुवाद सहित । डॉ० चमनलाल गौतम १०-५०
१७ **सौरपुराणम्** । व्यास विरचित । मूलमात्र ५-६५
१८ **हरिवंशपुराणम्** । नीलकंठी संस्कृत टीका सहित ८०-००
१९ **हरिवंशपुराण** । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग २२-००
*२० **हरिवंशपुराण का सांस्कृतिक विवेचन** । श्रीमती वीणापाणि पाण्डेय ४-५०
21 History of the Purana's. By A. B. L. Awasthi 30-00

भारतादि-इतिहास-ग्रन्थाः

१ **अध्यात्मरामायणम्** । रामेश्वरभट्ट कृत हिन्दी टीका सहित । पत्राकार २२-५०
२ **आनन्दरामायणम्** । हिन्दी टीका सहित । सजिल्द ४०-००
३ **इतिहास-पुराण का अनुशीलन** । रामशंकर भट्टाचार्य १६-००
४ **गर्गसंहिता** । भाषाटीका । पत्राकार ४५-००
५ **गर्गसंहिता** । श्री विभूतिभूषण भट्टाचार्य सम्पादित । प्रथम भाग १०-००
६ **जैमिनीयाश्वमेधः** । मूलमात्र ४०-००
७ **पुराणेतिहाससंग्रह** । (साहित्यरत्नकोश का द्वितीय खण्ड) । सम्पादक—एस० के० दे एवं आर० सी० हाजरा १०-००
८ **भक्तमाल** । संस्कृत । पत्राकार ७-५०
९ **भारतीयव्रतम्** । अनु० वी० एस० वेंकटराघवाचार्य १९-००
१० **भुशुण्डिरामायणम्** । पूर्वखण्ड । सम्पा० भगवतीप्रसाद सिंह १००-००
११ **महाभारतम्** । नीलकण्ठी संस्कृत टीका सहित । आदिपर्व ६०-००, विराट पर्व ३०-०० अनुशासन-आश्वमेधिक-आश्रमवासिक-मौसल-महाप्रस्थानिक-स्वर्गारोहण-पर्व आदि (एक जिल्द में) नेट ७५-००
१२ **महाभारतम्** । हरिवंश सहित । नीलकण्ठी संस्कृत टीका । सम्पूर्ण
१३ **महाभारतम्** । शोधपूर्णसंस्करण । (पूना) १-२२ जिल्द में सम्पूर्ण १६००-००

१४ **महाभारतम्** । मूल तथा हिन्दी अनुवाद सहित । सातवलेकर सम्पादित । आदिपर्व २५–०० सभापर्व १५–००, आरण्यपर्व १–२ भाग ३२–५०, विराटपर्व ७–५०, उद्योग पर्व २०–००, भीष्मपर्व १६–२५, द्रोणपर्व २५–००, कर्णपर्व १२–५०, शल्य पर्व १०–००, सौप्तिक पर्व ५–००, शान्तिपर्व ३७–५०, अनुशासन पर्व २२–५० आश्वमेधिक से स्वर्गारोहण पर्व तक (एक में) २२–५०, सम्पूर्ण २५०–००

१५ **महाभारतम्** । हिन्दी टीका सहित । सभापर्व १५–००

१६ **महाभारत** । भाषा । सचित्र ४६–००

१७ **महाभारत** । भाषा । डॉ० चमनलाल गौतम ८–००

१८ **महाभारत** । सबलसिंह चौहान कृत २४–००

१९ **महाभारत और रामायण में प्रकृति** । १०–२५

२० **महाभारत-कथा** । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । अनु० सोमसुन्दरम् १०–००

२१ **महाभारतकालीन समाज** । सुखमय भट्टाचार्य यंत्रस्थ

२२ **महाभारतकालीन राज्य-व्यवस्था** । डॉ० रघुवीर शास्त्री ४०–००

२३ **महाभारतकोश** । डॉ० रामकुमार राय । १–२ भाग ७०–००

२४ **महाभारत तथा पुराणों के तीर्थों का आलोचनात्मक अध्ययन** । डॉ० सरयूप्रसाद गुप्त १५–००

२५ **महाभारत में धर्म** । शकुन्तला रानी ४०–००

२६ **महाभारत में नारी** । डॉ० वनमाला भवालकर ४०–००

२७ **महाभारत में लोक कल्याण की राजकीय योजनाएँ** । डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र २०–००

२८ **महाभारतेस्मृतिशास्त्रियोपादानम्** । डॉ० एस० सी० बनर्जी १५–००

२९ **रसिक प्रकाश भक्तमाल** । युगल प्रिया शरण ३–००

३० **रामाश्वमेधः** । हिन्दी टीका सहित ३७–५०

*३१ **वाल्मीकिरामायणम्** । मूलमात्र । पं० शिवरामशर्मा वशिष्ठ सम्पादित । गुटका [रामायण पूजाक्रम, स्मार्त, वैष्णव तथा माध्व संप्रदाय, रामायण पठनोक्रम, नवाह्नपारायणक्रम, कुशलवगीतक्रम, गायत्रीरामायण, वेदोक्तराममन्त्र, रामतारकषडक्षरमन्त्र, श्रीसीता-लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न-आञ्जनेय मन्त्र, रामसाक्षात्प्रकारप्रद मन्त्र, रामहृदय, रामायण माहात्म्य, रामदर्शनादि विविध परिशिष्ट विभूषित [वि. सं. २८] ३०–००

३२ **वाल्मीकिरामायणम्** । तिलक–रामायणशिरोमणि–भूषणव्याख्यात्रयोपेतम् । १–७ भाग सम्पूर्ण । प्राचीन संस्करण जीर्ण कागज १७०–००

३३ **वाल्मीकिरामायणम्** । गोविन्दराजीय (भूषण)–रामानुजी–तनिश्लोकी–माहेश्वरतीर्थीय व्याख्याचतुष्टय । पत्रात्मक ७५०–००

३४ **वाल्मीकिरामायणम्** । १–७ भाग । डॉ० पी० एल० वैद्य सम्पादित [बड़ोदा] ९२५–००

३५ **वाल्मीकिरामायणम्** । ज्वालाप्रसादमिश्रकृत पीयूषधारा हिन्दी टीका । पत्रात्मक १२०–००

३६ **वाल्मीकिरामायणम्** । सातवलेकरकृत हिन्दी टीका सहित । (१–९ जिल्द) १८०–००
बालकाण्ड २०–००, अयोध्याकाण्ड १–२ भाग ४०–००, अरण्यकाण्ड २०–००
किष्किन्धाकाण्ड २०–००, सुन्दरकाण्ड २०–००, युद्धकाण्ड १–२ भाग ४०–००
उत्तरकाण्ड २०–००

३७ **वाल्मीकिरामायणम्** । श्रीमाधवयोगिकृत अमृतकतक व्याख्यायुत । बालकाण्ड ६–८७
अयोध्याकाण्ड १–२ भाग २१–५०, अरण्यकाण्ड १३–१०

३८ **वाल्मीकिरामायणम्** । सुन्दरकाण्डम् । मूलमात्र ६–००

३९ **वाल्मीकीयरामायणकोश** । डॉ० रामकुमार राय ३०-००
४० **वाल्मीकिरामायण पदसूची** । गोविन्दलाल हरगोविन्द सम्पादित । १-२ भाग ४५-००
४१ **संक्षिप्तवाल्मीकिरामायणम्** । भागवतप्रसाद सिंह १०-००
४२ **हरिवंश पुराण** । श्रीरामशर्मा कृत हिन्दी अनुवाद सहित । १-२ भाग २२-००
४३ **हरिवंश पुराण का सांस्कृतिक विवेचन** । श्रीमती वीणापाणि पाण्डे ४-५०
44 The Mahabharata. English Translation Pratapchandra Rai. in 12 Vols. Each Vol. 95-00
45 The Valmiki Ramayana. English Translation. By Makhanlal Sen 120-00

भुवनवाणी ट्रस्ट, लखनऊ द्वारा प्रकाशित अनमोल पुस्तकें—

(सभी ग्रन्थों में मूलपाठ तदवत् उच्चारणों सहित नागरी लिपि में और अनुवाद हिन्दी में है ।)

१ **महाभारत (मलयालम)** ४०-००
२ **कृत्तिवास रामायण** (आदि, अयोध्या, अरण्य, किष्किन्धा, सुन्दर) (बंगला) २५-००
३ **कृत्तिवास (लंकाकाण्ड)** १५-००
४ **रामावतारचरित (कश्मीरी)** २०-००
५ **ज़ादे सफ़र (अरबी)** १२-००
६ **सिर्रे अक्बर (फ़ारसी)** २०-००
७ **शरीफ़ज़ाद (उर्दू)** ५-००
८ **श्रीजपुजी-सुखमनी साहब** ५-००
९ **श्रीराम विजय (मराठी)** ४५-००
१० **तिरुक्कुरल (तमिल)** २०-००
११ **भानुभक्त रामायण (नेपाली)** २०-००

ज्यौतिष-ग्रन्थाः

१ **अङ्कगणित-बीजगणितम्** । प्रथमोभागः २-१०
२ **(सरल) अङ्क ज्यौतिष** । श्रीभारतीय योगी ४-५०
३ **(बृहत) अंक ज्योतिष विज्ञान** । राजेश दीक्षित १२-००
४ **अङ्क विद्या** । राजेश दीक्षित १२-००
५ **अङ्क विद्या** । गोपेशकुमार ओझा ५-००
६ **अङ्क और आप** । पं० आर० एस० एस० राजस्थानी ३-००
७ **अखण्ड त्रिकालज्ञ ज्यौतिष** । (सहायक भृगुसंहिता पद्धति) भगवानदास मीतल ६-००
८ **अखण्ड भाग्योदय दर्पण** । धनोपार्जन चमत्कार । भगवानदास मीतल ४-००
९ **अङ्गविज्जा** । पुव्वायरियविरइया । सम्पा० मुनिपुण्यविजय २१-००
१० **अर्घमार्तण्ड** । (तेजीमन्दी का अनुभूत ग्रन्थ) मुकुन्दवल्लभ १२-००
११ **अथर्ववेदाङ्ग ज्यौतिषम्** । भाषानुवाद सहित २-००
१२ **अनिष्ट ग्रह : कारण और निवारण** । जगन्नाथ भसीन ८-००
१३ **अर्वाचीनज्योतिर्विज्ञानम्** । रमानाथ सहाय विरचित १३-००
*१४ **अहिबलचक्रम्** । सान्वय 'शिशुतोषिणी' हिन्दी टीका सहित [इस चक्र के द्वारा भूमि में गड़े धन तथा हड्डी आदि दूषित पदार्थों का ज्ञान होता है ।] सम्पादक—ज्यो० आ० विन्ध्येश्वरी प्रसाद [वि. सं. १९] १-५०
१५ **आप और आपकी राशि** । केवल आनन्द ६-००
१६ **आपका भविष्य** । राजेश दीक्षित १८-००
१७ **आपका हाथ** । राजेश दीक्षित १५-००
१८ **उकरा** । सावजूसयूसक्कुता । विभूतिभूषण भट्टाचार्य सम्पादित २९-००
१९ **उडुदायप्रदीप-लघुपाराशरीभाष्य** । मुकुन्दवल्लभ ६-००
२० **उत्तरकालामृत** । जगन्नाथ भसीन १२-००
२१ **एक दिन में ज्यौतिषी** । १-२ भाग २-००

६१ **चिन्ताहरण अभिनव प्रश्नोत्तरी** । राजेश दीक्षित १२-००
६२ **चुने हुए ज्योतिष योग** । जगन्नाथ भसीन ६-००
+६३ **जन्मकुण्डली पत्र** । (वेल-बूटेदार) सैकड़ा १२-५०, प्रत्येक पत्र ०-१५
६४ **जन्मपत्रदीपकः** । सोदाहरण सटिप्पण टीका सहित ३-५०
६५ **जन्मपत्री-रचना** । डॉ० नारायणदत्त श्रीमाली ४-००
६६ **जयपायड निमित्तशास्त्र** । पूर्वाचार्य विरचित संस्कृत व्याख्या सहित ६-६०
६७ **जातकक्रोड** । १-५०
६८ **जातकचन्द्रिका** । हिन्दी टीका सहित २-००
६९ **जातकदीपक** । बालमुकुन्द त्रिपाठी ३५-००
७० **जातकपरिजातः** । 'सुधाशालिनी' 'विमला' संस्कृत टीका । मातृकाप्रसाद पाण्डेय ५०-००
७१ **जातकादेशमार्ग (चन्द्रिका)** । गोपेशकुमार ओझा १०-००
७२ **जातकाभरणम्** । पं० अच्युतानन्द झा कृत 'विमला' हिन्दी टीका सहित १४-००
७३ **जातकालङ्कारः** । 'भावबोधिनी' हिन्दी टीका सहित ४-००
७४ **जैमिनीयपद्यामृतम्** । मूल कन्दली वृत्ति सहित ३-००
७५ **जैमिनीयसूत्रम्** । पं० अच्युतानन्द झा कृत 'विमला' हिन्दी टीका सहित ६-००
७६ **जैमिनीयसूत्रम्** । सोदाहरण सोपपत्तिक-'तत्वादर्श'-संस्कृत-हिन्दी टीका ५-००
७७ **ज्योतिष और आर्थिक समस्याएँ** । भारतीय योगी ३-२
७८ **ज्योतिष और ग्रहपीडा निवारण** । पं० राजशेखर दैवज्ञ ४-२
७९ **ज्योतिष और जन्मलग्न** । भारतीय योगी ३-५
८० **ज्योतिष और रत्न** । गोविन्दशास्त्री ४-०
८१ **ज्योतिष और रोग** । जगन्नाथ भसीन ६-०
*८२ **ज्योतिष कल्पद्रुम : मुहूर्तपारिजात** । पण्डित सोहनलाल व्यास
सम्पादक—पं० सीताराम झा ज्योतिषाचार्य २०-०
८३ **ज्योतिष की पहुँच** । फ्रेड हॉयल । अनु० डॉ० गोरखप्रसाद १०-०
८४ **ज्योतिष चन्द्रिका** । गङ्गाप्रसाद कृत हिन्दी टीका सहित १-१
८५ **ज्योतिष जगत्** । दुर्गादत्त शर्मा २-५
८६ **ज्योतिषदर्पणः** । अवकहडाचक्र सहित सोदाहरण हिन्दी टीका ३-०
८७ **ज्योतिष प्रबोध** । भाषा टीका । पं० गणेशदत्त पाठक ३-०
*८८ **ज्योतिष-प्रश्नफल-गणना** । (ज्योतिश्चक्रम्-राशिचक्रम्) 'विमला'
हिन्दी व्याख्योपेता । श्रीदयाशङ्कर उपाध्याय [वि. सं. ९३.] २-०
८९ **ज्योतिष योग दीपिका** । डॉ० नारायण दत्त श्रीमाली ४-०
९० **ज्यौतिष-योग-रत्नाकर** । पं० राजशेखर दैवज्ञ ५-२
९१ **ज्योतिष रत्नमाला** । श्रीपति भट्ट कृत । मराठी टीका सहित १२-०
९२ **ज्यौतिष रत्नमाला** । श्रीपति भट्ट कृत । जातककर्मपद्धति-धीकोटिदकरण-तत्वप्रदीप-
जातक-परिशिष्ट सहिता । सम्पा० बिहारीलाल शर्मा वाशिष्ठ ३६-
९३ **ज्योतिष रहस्य** । जगजीवनदास गुप्त । गणितखण्ड ५-०० फलित खण्ड १२-०
९४ **ज्योतिर्विज्ञानम्** । धूलिपाल अर्क सोमयाजी विरचित ९-०
९५ **ज्योतिष विज्ञान** । विशुद्धानन्द गौड़ १२-
९६ **ज्योतिष शास्त्र में स्वर विज्ञान का महत्त्व** । केदारदत्त जोशी ३-०
९७ **ज्योतिष शिक्षा-सचित्र** । बी० एल० ठाकुर । प्रारम्भिकज्ञान प्रथमखण्ड ९-०
फलितखण्ड १-३ भाग ८४-००, गणित खण्ड १-२ भाग ३५-०० वर्षफल खण्ड २५-०
प्रश्नज्ञान खण्ड २५-०० मुहूर्त्तखण्ड १६-००, सम्पूर्ण १९४-
९८ **ज्योतिषसर्वसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ६-

९९ **ज्योतिषसिद्धान्तसंग्रहः**। तत्र सोमसिद्धान्तः ब्रह्मसिद्धान्तः पितामहसिद्धान्तः वृद्धवशिष्ठसिद्धान्तश्च १२-००
१०० **ताजिकनीलकण्ठी**। संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। सम्पा० पं० गङ्गाधर मिश्र १५-००
१०१ **ताजिकनीलकण्ठी**। 'गूढार्थप्रकाशिका' भाषा टीका सहित। पं० सीताराम झा १५-००
१०२ **ताजिकनीलकण्ठी**। वासुदेव गुप्त कृत हिन्दी टीका सहित १३-००
१०३ **तिथिचिन्तामणिः**। गणेश दैवज्ञ कृत। विश्वनाथ कृत व्याख्या, विष्णुदैवज्ञ कृत 'सुबोधिनी' व्याख्या सहित ५-००
१०४ **त्रिकोणमिति**। राजेन्द्रस्वरूप गुप्त ६-००
१०५ **त्रिकोणमिति**। शुकदेव पाण्डेय ६-००
१०६ **त्रिफला (ज्योतिष)**। गोपेशकुमार ओझा ८-००
१०७ **दशाफलदर्पण**। चन्द्रशेखर गोपालजी ठक्कर (गुजराती) ३-००
१०८ **दशाफलरहस्य**। जगन्नाथ भसीन १०-००
१०९ **दशाफलविचार**। जगजीवनदास १०-००
११० **दृग्गणितम्**। परमेश्वर कृत। सम्पा० के० वी० शर्मा ८-००
१११ **दैवज्ञाभरणम्**। श्रीनिवासशास्त्री ६-२५
११२ **द्वादश ग्रहफलादेश विज्ञान**। पं० राजशेखर ९-००
११३ **धराचक्रः**। सुबोधिनी हिन्दी टीका सहित ०-५०
११४ **धराभ्रमम्**। पं० सुधाकर द्विवेदी विरचित। सव्याख्या ०-५५
११५ **नरपतिजयचर्या**। श्रीगणेशदत्त पाठक कृत सुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी व्याख्या २०-००
+११६ **नाडिदत्तपञ्चविंशतिका**। हिन्दी टीका सहित। डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १-००
११७ **पञ्चवर्षीय भविष्यवाणी**। भारतीय योगी ५-००
११८ **पञ्चसिद्धान्तिका**। वाराहमिहिरविरचिता। सुधाकर द्विवेदी कृत संस्कृत व्याख्या तथा जी० थीबो कृत आंग्लानुवादेन च सहिता। तथ्यामेव सम्पादिता ५०-००
११९ **पञ्चाङ्गमञ्जूषा**। हिन्दी टीका सहित १-००
१२० **पञ्चाङ्गविज्ञानम्**। हिन्दी टीका सहित २-००
१२१ **पत्रीमार्गप्रदीपिका**। वर्षदीपक। हिन्दी टीका सहित ५-००
१२२ **पद्मकोषः**। 'भावबोधिनी' सरल हिन्दी टीका सहित ०-७५
१२३ **परबलयक्षेत्रम्**। श्रीमुरलीधरठक्कुरकृतम्। प्रश्नपत्रसहितम् १-००
१२४ **पाश्चात्यज्योतिष**। जगन्नाथ भसीन ६-००
१२५ **प्रतापोदय सरल ज्योतिष-विज्ञान**। पं० मदनमोहन जैन १-५०
१२६ **प्रतिभाबोधकम्**। श्रीगङ्गाधरमिश्रकृत टीका सहित १-८०
१२७ **प्रश्नचन्द्रप्रकाश**। चन्द्रदत्त पन्त ७-००
१२८ **प्रश्नज्योतिष विज्ञान**। भारतीय योगी ५-००
१२९ **प्रश्नप्रकाश**। पं० राजाराम ०-८०
१३० **प्रश्नप्रकाशः**। देवकीनन्दन शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित २-५०
१३१ **प्रश्नभूषणम्**। 'विमला' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी टीका ३-५०
१३२ **प्रश्नमार्ग (फलित)**। आंग्ल-हिन्दी टीका सहित २५-००
१३३ **प्रश्न-सिन्धु**। सीताराम गुप्त कृत भाषा टीका २-००
१३४ **प्रश्नाङ्कचूडामणिः ध्वजादिप्रश्नगणनाश्च**। ०-५०
१३५ **प्रस्तारचक्रम्**। श्रीशिवप्रणीत। कमला हिन्दी टीका सहित ०-३०
१३६ **प्राचीन भारतीय गणित**। डॉ० बी० एल० उपाध्याय ३०-००
१३७ **प्रारम्भिक ज्योतिष विज्ञान**। पं० राजशेखर ७-००
१३८ **फलदीपिका**। हिन्दी अनुवाद सहित। गोपेशकुमार ओझा २२-००

१३९ **फलित और आप** । आनन्दस्वरूप अग्रवाल । भाषा २-००
१४० **फलित ज्यौतिष विज्ञान** । भारतीय योगी ३-५०
१४१ **फलितमार्त्तण्ड** । मुकुन्दवल्लभ १६-००
१४२ **बालबोधज्यौतिषसारसमुच्चयः** । शास्त्री यज्ञदत्त दुर्गाशङ्कर ठक्कर १०-००
१४३ **बीजगणितम्** । बीजनवाङ्कुर व्याख्या सहित ३-७५
१४४ **बुधविचार** । ह० ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर ५-००
१४५ **बृहज्जातक** । 'विमला' हिन्दी टीका सहित १०-००
*१४६ **बृहज्ज्यौत्तिषसारः** । हिन्दी टीका, विशेष विवरण, विविध प्रकार के चक्र, सारणी आदि से सुसज्जित फलित का अभिनव ग्रन्थ । सम्पा० श्री वासुदेव गुप्त
[यह पुस्तक फलित ज्योतिष के दृष्ट, अदृष्ट दोनों अङ्गों की पूर्ण और सम्यक् विवेचना एवं हिन्दी टीका से संयुक्त होने के कारण अत्यन्त ही उपादेय है । विविध प्रकार के चक्रों, सारणियों आदि के दे देने से यह पुस्तक ज्योतिष शास्त्र के सामान्य ज्ञान रखने वालों एवं प्रत्येक गृहस्थों के लिए संग्रहणीय है ।] [वि. सं. ४४] १०-००
१४७ **बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम्** । 'सुधा' हिन्दी टीका सहित । देवचन्द्र झा ३५-००
*१४८ **बृहदवकहडाचक्रम्** । 'बालबोधिनी' हिन्दी टीका सहित । डॉ० कलानाथ झा
[सुसंपादन करके इसकी अत्यन्त सरल सुबोध परीक्षोपयोगी व्याख्या प्रस्तुत की गई है ।] [वि. सं. १५४] २-००
१४९ **बृहद्यवनजातकम्** । मीनराज कृत । डेविड पिंगरे सम्पादित । १-२ भाग १५८-००
*१५० **बृहत्संहिता** । पं० श्री अच्युतानन्द झा कृत नवीनोदाहरणोपपत्ति युक्त 'विमला' हिन्दी टीका सहित
[इस व्याख्या द्वारा ग्रन्थ की दुरूह ग्रंथियों का वस्तुतः सम्यक् समुन्मोचन बन पड़ा है । हिन्दी व्याख्या के साथ-साथ वराहमिहिराचार्य की उक्ति का ग्रन्थान्तर से समन्वय करने का भी भगीरथ प्रयत्न किया गया है, जो महत्त्वपूर्व विषय है ।]
[वि. सं. ४१] ३०-००
१५१ **बृहत्संहिता** । वाराहमिहिर विरचित । भट्टोत्पल विवृत्ति सहित ।
सम्पा० अवधबिहारी त्रिपाठी । प्रथम भाग १८-०० द्वितीय भाग २०-००
+१५२ **बृहद्वास्तुमाला** । रामनिहोरद्विवेदी कृत । हिन्दी टीका सहित [चौ. सु. १२] १२-००
१५३ **बृहद् विमानशास्त्र** । भारद्वाज प्रणीत । जी० आर० जोशयेर १५०-००
१५४ **बृहत्-होडाचक्रविवरणम्** । हिन्दी टीका सहित । पं० मुरलीधर ठक्कुर १-००
१५५ **ब्रह्मसिद्धान्त** । मधुसूदनओझाविरचित । गिरिधरशर्माचतुर्वेदी कृत व्याख्या १२-००
१५६ **ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः** । ब्रह्मगुप्ताचार्य । संस्कृत-हिन्दीटीका-वासना-विज्ञानभाष्य सोपपत्ति सहित । १-४ भाग ३००-००
१५७ **भविष्यफलभास्करः** । हिन्दी टीका सहित ५-२५
१५८ **भाग्य और आकृति विज्ञान** । भारतीय योगी ३-२५
१५९ **भाग्य रेखाएँ** । भारतीय योगी ३-५०
१६० **भाग्य-रेखानिरूपणम्** । फूलकुमार शर्मा प्रणीत १-५०
१६१ **भारतीय कुण्डली विज्ञान** । हिन्दी । मीठालाल ओझा १२-००
१६२ **भारतीय ज्यौतिष** । नेमिचन्द्रशास्त्री कृत । हिन्दी २०-००
१६३ **भारतीय ज्यौतिष** । शङ्कर बालकृष्ण दीक्षित । अनु० शिवनाथ झारखण्डी ८-००
१६४ **भारतीय ज्योतिष, अङ्क विद्या, हस्तरेखाएँ व लॉटरी** । राजेश दीक्षित ८-२५
१६५ **भारतीय ज्यौतिष का इतिहास** । डॉ० गोरखप्रसाद ६-००
१६६ **भारतीय लग्नसारिणी** । गोपेशकुमार ओझा ८-००
१६७ **भावकुतूहलम्** । जीवनाथ मिश्र कृत । जीर्ण २-००

१६८ **भावकुतूहलम्** । सान्वय हिन्दी टीका सहित १३-००
१६९ **भावदीपिका** । भास्कराचार्य कृत । गौरीशंकर कपूर । भाषा ६-००
१७० **भावप्रकाशः** । जीवनाथ दैवज्ञ प्रणीत । पं० पुष्पलाल झा कृत हिन्दी व्याख्या २-५०
१७१ **भावफलाध्यायः** । [लोमेशोक्त-भृगुसंहितोक्त-युग्मसंस्करण) सुबोधिनी-विमला-हिन्दीटीकाविभूषितम् ०-७५
१७२ **भावविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ४-५०
१७३ **भावार्थरत्नाकर** । रामानुजाचार्य । जगन्नाथ भसीन कृत हिन्दी टीका सहित ८-००
१७४ **भावेशविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ५-००
१७५ **भुवनदीपक** । विज्ञानभाष्य । शुकदेव चतुर्वेदी ८-००
१७६ **भृगुप्रश्नशिरोमणि** । रामगोपाल शास्त्री १२-००
१७७ **भृगुसूक्प्रश्नदीपिका** । रामगोपाल शास्त्री १२-००
१७८ **भृगुसंहितापद्धति** । भगवानदास मीतल १५-००
१७९ **भृगुसंहिता फलितप्रकाश** । राजेश दीक्षित ५१-००
१८० **मङ्गलविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ५-००
१८१ **मस्तक रेखा** । राजेश दीक्षित ८-२५
१८२ **महादशाविज्ञान** । पं० राजशेखर ५-७५
१८३ **महाभास्करीयम्** । गोविन्दभाष्य तथा परमेश्वर कृत व्याख्या सहित ११-००
१८४ **महिलायें और ज्यौतिष** । परमानन्द शर्मा । भाषा ६-००
*१८५ **मानसागरी** । 'सुबोधिनी' हिन्दी व्याख्या, उपपत्ति, विशेष विवरणादि सहित । सम्पा० मधुकान्त झा
[अपनी व्याख्या में इन्होंने जातक का फलादेश तथा जन्मपत्र-निर्माणविधि का सांगोपांग सोदाहण, सोपपत्तिक विवरण दे दिया है जिससे यह संस्करण साधारण विद्वान् के लिए भी सुगम और संग्रहणीय हो गया है ।] [वि. सं. १०१] २०-००
१८६ **मुखाकृति विज्ञान** । गोचर शर्मा ४-००
१८७ **मुहूर्तकल्पद्रुमः** । विट्ठलदीक्षितविरचित २-००
+१८८ **मुहूर्तचिन्तामणिः** । 'मणिप्रदीप' नामक हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकारः—श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी शीघ्रप्राप्य
१८९ **मुहूर्तचिन्तामणिः** । मणिप्रभा हिन्दी टीका सहित । सम्पा० कपिलेश्वर शास्त्री १०-००
१९० **मुहूर्तज्योतिषविज्ञान** । पं० राजशेखर ४-५०
*१९१ **मुहूर्तपारिजात : ज्यौतिषकल्पद्रुमः** । पं० सोहनलाल व्यास । [वि. रा. १३८]
सम्पादक–पं० सीताराम झा
[हिन्दी भाषा के माध्यम से साधारण पढ़े लिखे को भी शुभ मुहूर्तों का ज्ञान कराने के लिये यह ग्रन्थ अद्वितीय है । ज्यौतिषशास्त्र के विद्वान् श्री पं० सीताराम झा जी ने इस ग्रन्थ का सम्पादन कर सोने में सुगन्धि भर दी है ।] २०-००
१९२ **मुहूर्त्तमार्तण्डः** । सान्वय-मार्तण्डप्रकाशिका व्याख्योपपत्ति-हिन्दी उदाहरण १२-००
१९३ **मूकप्रश्नविचार** । शुकदेव चतुर्वेदी ८-००
१९४ **मेलापकविवेचन** । पं० सीताराम झा ०-५०
१९५ **यन्त्रराज** । (यन्त्रशिरोमणि) महेन्द्र विरचित । सव्याख्या ४-००
१९६ **यन्त्रराजरचना** । जयसिंहदेव कृत । सम्पा० केदारनाथ ज्योतिर्विद् १-७५
१९७ **योग-विचार** । ह० ने० काटवे । अनु० ल० दा० नवरे । १-७ भाग २०-५०
१९८ **योगिनीजातकम्** । सोदाहरण 'विमला' हिन्दी टीका सहित ०-७५
१९९ **रतन ज्योतिष और राशि-दर्पण** । डॉ० नारायणदत्त श्रीमाली ३-००
२०० **रत्न और आपका भाग्य** । राजेश दीक्षित १५-००

२०१ **रत्नगर्भाचक्रम्** । 'हरिप्रिया' हिन्दीटीकोदाहरणसंवलित १-००
२०२ **रत्नज्यौतिषविज्ञान** । पं० राजशेखर ६-२५
२०३ **रत्नदीपिका रत्नशास्त्रम्** । चण्डेश्वर-बुधभट्टाभ्यां विनिर्मितम् २-२५
२०४ **रत्नपरिचय** । जगन्नाथ भसीन ६-००
२०५ **रत्नपरीक्षादि-सप्त-ग्रन्थसंग्रहः** । ठक्कुर-फेरू विरचित ९-२५
२०६ **रत्नप्रदीप** । डॉ० गौरीशंकर कपूर २५-००
२०७ **रत्नविज्ञान** । (Gemology) डॉ० राधाकृष्ण पराशर २०-००
२०८ **रत्नविज्ञान** । पुरुषोत्तमदास स्वामी २०-००
२०९ **रमलगुलजार** । हिन्दी ६-००
२१० **रमलनवरत्नम्** । विमला हिन्दी टीका । पं० अच्युतानन्द झा ७-००
२११ **रमल-प्रश्नोत्तरी** । दीवान रामचन्द्र कपूर ५-००
२१२ **रमलरहस्य** । मूलमात्र १३-५०
२१३ **रविविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ४-००
२१४ **रविसिद्धान्तमञ्जरी** । मथुरानाथ शर्मा विरचित ०-७५
२१५ **राशि ज्योतिष विज्ञान** । भारतीय योगी ३-५०
२१६ **राश्यभिधानकल्पलता** । मुकुन्दवल्लभ ५-००
२१७ **राहु-केतु-ग्रहण विचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरपुरकर ६-००
२१८ **रेखागणितम्** । एकादश-द्वादशाध्यायौ ३-००
२१९ **रेखागणित-षष्ठाध्याय-परिभाषारूप-पञ्चमाध्यायसहितः** ।
सम्पा०-पं० मुरलीधर ठक्कुर ०-७५
२२० **रोग, मृत्यु और ज्यौतिष** । पं० राजशेखर दैवज्ञ ४-७५
२२१ **लग्नचन्द्रप्रकाश** । चन्द्रदत्त पन्त २५-००, ३६-००
२२२ **लग्नचन्द्रिका** । हिन्दी टीका सहित १०-००
२२३ **लग्नप्रदीपः** । हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग ०-४०
२२४ **लग्नरत्नाकरः** । (बृहल्लग्नजातकम्) शिशुबोधिनी हिन्दी टीका सहित १-५०
२२५ **लग्नवाराही** । वाराहमिहिरकृता । तत्त्वप्रकाशिका हिन्दी टीका सहित ०-३०
२२६ **लघुजातकम्** । वाराहमिहिर । भट्टोत्पल कृत संस्कृत टीका । वासुदेव कृत
हिन्दी टीका सहित ४-००
२२७ **लघुपाराशरी-मध्यपाराशरी** । सोदाहरण-सुबोधिनी-संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३-००
२२८ **लघुपाराशरीसिद्धान्त** । मेजर खोत ४०-००
२२९ **लघुभास्करीयः** । भास्कराचार्य विरचित । परमेश्वर प्रणीत व्याख्या सहित २-५०
२३० **लघुमानसम्** । मुञ्जालाचार्य विरचित । परमेश्वर कृत व्याख्या सहित १-००
२३१ **लघुसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ७-००
*२३२ **लीलावती** । नवीन वैज्ञानिक 'तत्त्वप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दीव्याख्या, उपपत्ति,
उदाहरण, परिशिष्ट सहित । व्याख्याकारः—श्रीलखणलाल झा
[प्रकरण के अन्त में परिशिष्ट देकर नवीन गणित का भी तुलनात्मक विवेचन किया गया है तथा परीक्षा में आने वाले द्रष्टव्य विषयों को तोड़-मरोड़ करके प्रश्नोत्तर के रूप में 'अभ्यासार्थ प्रश्न' के नाम से लिख दिया गया है । छात्रों के आधुनिक अध्ययन तथा अध्यापकों के अध्यापन सौकर्य की दृष्टि से यह अभिनव सर्वोत्तम संस्करण है]
[वि. सं. ६२] १०-००
२३३ **लीलावती** । शंकरनारायण कृत क्रियाक्रमकर्माख्यया व्याख्यायुत ७०-००
२३४ **लीलावती** । बुद्धिविलासिनी लीलावती विवरण व्याख्या सहित । १-२ भाग ६-००
२३५ **लीलावती** । दामोदर मिश्र कृत वासना सहित १४-००

-२३६ **लोकविजययन्त्र** । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री १०-००
-२३७ **लौहगोलखण्डनम्** । रङ्गनाथ दैवज्ञ विरचित तथा **लोहगोलसमर्थनम्** ।
गदाधर दैवज्ञ विरचित । मीठालाल हिम्मतलाल ओझा सम्पादित २-००
२३८ **वटेश्वरसिद्धान्तः** । वटेश्वराचार्य । संस्कृत-हिन्दी-विज्ञानभाष्योपपत्ति सहित ५०-००
-२३९ **वनमाला** । दैवज्ञ श्रीजीवनाथझा विरचित । सान्वय 'अमृतधारा' हिन्दी टीका १-००
२४० **वर-वधूनक्षत्रमेलापक** । पं० श्रीनिवास शास्त्री । हिन्दी ८-००
२४१ **वर-वधूरेखामेलापक** । सीताराम गुप्त ३-५०
२४२ **वर्षचन्द्रप्रकाश** । चन्द्रदत्त पन्त २-००
२४३ **वर्षफल कैसे बनाएँ ?** भारतीय योगी ३-५०
२४४ **वास्तवचन्द्रश्रृङ्गोन्नतिसाधनम्** । संस्कृत टीका सहित ३-५०
-+२४५ **(बृहत्) वास्तुमाला** । पं० रामनिहोर द्विवेदी संगृहीत, हिन्दी
भाषानुवाद, टिप्पणी समलंकृत [चौ. सु. १२.] १२-००
२४६ **वास्तुरत्नाकरः** । (अहिबलचक्र सहित) विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी १२-००
२४७ **वास्तुरत्नावली** । सोदाहरण सुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ४-००
२४८ **विद्यामाधवीयम्** । मुहूर्तदीपिका-सहित । तृतीय सम्पुट ११-१५ अध्याय १-८७
२४९ **विमण्डलवक्रविचारः** । दयानाथ झा विरचित २-००
२५० **विवाहपटल** । १-५०
२५१ **विंशोत्तरी दशा साधन** । सम्पा० सत्यानन्द २-००
२५२ **विश्व के भाग्यवानों की कुण्डलियाँ** । भगवानदास मीतल ४-०
२५३ **विश्वहितम्** । मथुरानाथ शर्मा विरचित १-५०
२५४ **वृत्तविवेचनम्** । दुर्गासहाय कृत ६-००
२५५ **वेदाङ्गज्यौतिषम्** । आर० रामशास्त्रिकृतदीपिका व्याख्या-आंग्लानुवाद सहित १-५०
२५६ **वैदिक साहित्य में शकुन एवं अद्भुत घटनाएँ** । डॉ० कृष्णलाल शर्मा २५-००
-+२५७ **व्यवहार-रत्नम्** । 'तारा'ऽभिधानया-हिन्दीव्याख्ययासंवलितम् ।
डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ४-००
२५८ **व्यापारिक तेजी-मंदी-चांस अर्थात् व्यापार अनुभव** । पं० सीताराम शास्त्री ६-००
२५९ **व्यावहारिक ज्योतिषतत्त्व** । 'तत्त्वप्रभा' हिन्दी व्याख्या । पं० लखणलाल झा १२-००
२६० **शकुन ज्योतिष विज्ञान** । भारतीय योगी ३-५०
२६१ **शकुनप्रदीपः** । लावण्यशर्मा विरचित १-००
२६२ **शनिविचार** । ह० नें० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ४-००
२६३ **शरीर-लक्षण विज्ञान** । राजेश दीक्षित १५-००
२६४ **शरीरसर्वाङ्गलक्षणम्** । भगवानदास मीतल २-५०
२६५ **शिवजातकः** । श्रीशिवनिर्मित । शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित ०-३०
२६६ **शिवसंहिता** । सम्पा० सीताराम एडवोकेट ५-००
-+२६७ **शिशुबोधः** । सान्वय-'चन्द्रिका'-भाषाटीकासमन्वितः । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १-५०
२६८ **शीघ्रबोधः** । 'सरला' व्याख्या । पं० अनूप मिश्र ३-००
२६९ **शुक्रविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ४-००
२७० **शुभाशुभग्रहनिर्णयविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ५-००
२७१ **षट्पञ्चाशिका** । भट्टोत्पलकृत संस्कृत टीका 'विभा' हिन्दी टीका सहित १-००
२७२ **सप्त-ऋषि-नाड़ी** । जगन्नाथ भसीन । आंग्लभाषा में १५-००
२७३ **सम्राटसिद्धान्तः सिद्धान्तसारकौस्तुभ** । जगन्नाथ विरचित । १-६ भाग ४८०-००
-२७४ **सरलज्योतिषशास्त्र** । राजेश दीक्षित ८-२५

२७५ **सरलत्रिकोणमितिः** । म० म० बापूदेव शास्त्री २९-००
२७६ **सरलत्रिकोणमिति** । पं० बलदेवमिश्र कृत १०-००
२७७ **सरलसुगमज्योतिष** । पं० जगन्नाथ शर्मा १५-००
२७८ **सर्वतोभद्रचक्रम्** । मीठालाल व्यास ५-५०
२७९ **सामुद्रिककुञ्जिका** । कालिकाप्रसाद कृत । हिन्दी टीका सहित ४-००
२८० **सामुद्रिकदर्पण** । कालिकाप्रसाद कृत । भाषा २-५०
२८१ **सामुद्रिकरहस्यम्** । हिन्दी टीका सहित १०-००
२८२ **सामुद्रिकशास्त्रम्** । राधाकृष्ण मिश्र कृत । हिन्दी टीका सहित ३-६०
२८३ **सामुद्रिकशास्त्र** । विश्वेश्वर दयालु ०-५०
२८४ **सारावली** । 'कान्तिमयी' हिन्दी व्याख्यासहित । डॉ० मुरलीधर चतुर्वेदी ३०-००, ४५-००
२८५ **सिद्धान्ततत्त्वविवेकः** । कमलाकरभट्टविरचित । श्रीसुधाकर द्विवेदी तथा म० म० मुरलीधर झा कृत टिप्पणी सहित ३०-००
२८६ **सिद्धान्तदर्पणम्** । गार्ग्य केरल नीलकण्ठ विरचित २-५०
२८७ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । गणिताध्यायः । मिताक्षराख्य व्याख्या सहित ६-००
२८८ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । गोलाध्यायः । मरीचि व्याख्या सहित । द्वितीय भाग ६-२५
२८९ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । गणिताध्यायः । मिताक्षराख्य व्याख्या सहित । पूर्वार्द्ध ४-७०
२९० **सिद्धान्तशिरोमणिः** । नवीन वैज्ञानिक उपपत्ति सहित । 'प्रभा' नामक वासनासमलंकृत । टीकाकार-पं० मुरलीधर ठक्कुर । स्पष्टाधिकारान्त प्रथमभाग १०-००
२९१ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । वासनाभाष्य-मारीचिभाष्य-दीपिका-शिखा संस्कृत हिन्दी टीका सहित । केदारनाथ जोशी । मध्यमाधिकारान्त ५-००
स्पष्टाधिकार-त्रिप्रश्नाधिकारात्मक २०-०० ग्रहगणिताध्यायः २०-००
२९२ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । ग्रहगणिताध्याय मध्यमाधिकारः ५-००
२९३ **सिद्धान्तसार्वभौमः** । मुनीश्वरविरचित । मीठालाल ओझा सम्पादित तृतीय भाग ३२-२०
२९४ **सुगमज्यौतिषप्रवेशिका** । गोपेशकुमार ओझा १०-००
*२९५ **सुलभज्यौतिषज्ञान** । दैवज्ञ वासुदेव सदाशिव खानखोजे
[८५ वर्षों के ख्यातिप्राप्त विद्वान् लेखक ने भारतीय ज्यौतिष-विज्ञान को इस सरलतम रूप से लिखा है कि साधारण पढ़ा-लिखा व्यक्ति भी फलित ज्यौतिष का मर्म समझ कर उसे व्यवहार में ला सकता है। लेखक की शैली अत्यन्त सरल, तर्कपूर्ण, व्यवस्थित और आडम्बरहीन है। भारत-भर के ख्यातिप्राप्त दैवज्ञों ने मुक्तकण्ठ से इसकी प्रशंसा कर अपनी-अपनी सम्मतियाँ प्रदान की हैं; जो पुस्तक में छपी है।]
[वि. रा. १३०] २०-००
२९६ **सूर्यग्रहणम्** । डॉ० कृष्णचन्द्र द्विवेदी विरचित १२-००
२९७ **सूर्यसिद्धान्त** । कपिलेश्वर शास्त्रि कृत तत्वामृतभाष्य, उपपत्ति, टिप्पणी सहित २५-००
२९८ **स्कन्दशारीरकम्** । १५-००
२९९ **स्त्रीजातकविज्ञान** । पं० राजशेखर १-५०
३०० **स्त्री-सामुद्रिक** । राजेश दीक्षित १५-००
३०१ **स्वप्न ज्योतिष विज्ञान** । भारतीय योगी ३-५०
३०२ **स्वर ज्योतिष और भाग्य** । २-००
३०३ **हनुमान् ज्योतिष** । भाषा १-५०
३०४ **हयतग्रन्थ** । ६-००
३०५ **हस्तचिह्नविज्ञान** । राजेश दीक्षित १५-००
३०६ **हस्त-रेखाएँ** । भारतीय योगी ३-५०
३०७ **हस्तरेखामहाविज्ञान** । भारतीय योगी १०-५०

३०८ **हस्तरेखाविज्ञान** । शरीर-लक्षण सहित । गोपेशकुमार ओझा २०-००
३०९ **हस्तरेखाविज्ञान** । राजेन्द्र शर्मा ४-५०
३१० **(बृहद्) हस्त-रेखाशास्त्र** । डॉ० नारायणदत्त श्रीमाली १८-००
३११ **हस्तरेखा सामुद्रिक शिक्षा** । सचित्र । एन० वी० ठाकुर २०-००
३१२ **हस्तसंजीवनम्** । गणेशदत्त जोशी । भाषा टीका सहित ५-००
३१३ **हिन्दू गणितशास्त्र का इतिहास** । अङ्कसंकेत और अङ्कगणित ।
विभूतिभूषणदत्त-अवधेशनारायण सिंह । अनुवादक—कृपाशङ्कर शुक्ल ५-००
३१४ **होराशास्त्रम्** । वाराहमिहिरकृत । अपूर्वार्थप्रदर्शिका संस्कृत व्याख्या सहित २५-००
315 Jatakachandrika or Moonlight to Astrology.
By Prof. B. Suryanarain Rao 10-00
316 Jatakaparijata. Text with English Translation.
By V. Subrahmanya Shastri. In 3 Vols. 90-00
317 The Moon's Nods and their importance in Natal
Astrology. By Georg White 5-00
318 Rahu and Ketu in Predictive Astrology.
By Manika Chand Jain 12-00

छन्दःशास्त्र-ग्रन्थाः

१ **कवि-दर्पण** । अज्ञात कर्तृक वृत्ति सहित ६-००
२ **छन्दःकौमुदी** । ०-७५
३ **छन्दोऽलङ्कारप्रकाशः** । डॉ० कृष्णकुमार विद्यालङ्कार १-५०
४ **छन्दोदर्पण** । डॉ० गौरीशङ्कर मिश्र २५-००
+५ **छन्दोमञ्जरी** । 'सुषमा' 'सफला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ८-००
६ **छन्दोनुशासन** । हेमचन्द्र सूरि । सम्पा० ह० दा० वेलणकर १४-४०
*७ **छन्दोविंशतिका** । विमला हिन्दी टीका सहित । [वि. सं. ४८]
[वाराणसी तथा विहार की प्रथमा परीक्षा निर्धारित छन्दोविषयक ग्रन्थ ।] ०-७५
८ **जयदामन** । जयदेव छन्द-जयकीर्त्तिछन्दोनुशासन-केदारवृत्तरत्नाकर-हेमचन्द्र-
छन्दोनुशासन । वेलङ्कर सम्पादित १०-००
९ **नेमिरङ्गरत्नाकरछन्दः** । कविलावण्यसमयकृत ६-००
१० **पिङ्गलछन्दःसूत्रं** । (वैदिकच्छन्दः प्रकरणान्त) हलायुधवृत्तियुत-सटिप्पण कादम्बिनी
हिन्दी टीका सहित १-५०
११ **पिङ्गलछन्दःशास्त्रम्** । भट्टहलायुधकृतवृत्ति तथा विस्तृत टीका सहित । जीर्ण १२-००
१२ **प्राकृतपैङ्गलम्** । संस्कृतव्याख्यात्रयोपेतम् । हिन्दी टीका सहित ।
सम्पादक—डॉ० भोलाशंकर व्यास । १-२ भाग ३१-००
१३ **मात्रिक छन्दों का विकास** । डॉ० शिवानन्द प्रसाद ८-५०
१४ **वाग्वल्लभः** । दुःखभञ्जनकविकृतः । पं० देवीप्रसादकृत वरवर्णिनी टीका सहित १०-००
१५ **वाणीभूषणम्** । दामोदरमिश्र कृत २-००
१६ **वृत्तजातिसमुच्चयः** । विरहाङ्क कृत । सव्याख्या ५-२५
१७ **वृत्तमुक्तावली** । श्रीकृष्णभट्ट कृत ३-७५
१८ **वृत्तमौक्तिकम्** । भट्टचन्द्रशेखरविरचित । भट्टलक्ष्मीनाथ कृत वार्त्तिक दुष्करोद्धार-
मेघविजयमणि कृत दुर्गमबोध व्याख्या सहित १८-२५
१९ **वृत्तरत्नाकरः** । 'नारायणी' 'मणिमयी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ६-००
२० **वृत्तरत्नाकरः** । पञ्चिका व्याख्या सहित ४-००

२१ **वृत्तरत्नाकरः** । केदारभट्ट । 'तात्पर्यटीका', 'सुकविहृदयानन्दिनी', 'छन्दोवृत्तिः' एवं 'पञ्चिका' टीकायुत । सम्पा० आर्येन्द्रशर्मा तथा खाण्डेराव देशपाण्डे १६-००
२२ **वृत्तरत्नावली** । वेङ्कटेश कृत । संस्कृत व्याख्या, आंग्लानुवाद सहित ३-००
*२३ **श्रुतबोधः** । (अश्लीलांऽशवर्जितः) प्रथम परीक्षोपयोगी विमला नामक संस्कृत व्याख्या, सोदाहरण हिन्दी टीका सहित (छात्रोपयोगी संस्करण) [वि. सं. ३४] १-००
२४ **स्वयम्भूछन्दः** । स्वयम्भू कृत । एच० डी० वेलङ्कर सम्पादित ७-७५

काव्य-ग्रन्थाः

१ **अन्योक्त्यष्टकसंग्रहः** । सन्दब्ध विरचित २-००
२ **अपभ्रंश काव्यत्रयी** । सम्पा० लालचन्द भगवानदास गाँधी २४-००
*३ **अभिधावृत्तिमातृका** । मुकुलभट्ट कृत । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी [वि. सं. १६५] १०-००
४ **अभिलेखसंग्रहः** । बहादुरचन्द छाबड़ा सम्पादित ८-५०
५ **अमर-भारती** । द्विवेदी एवं नागर १६-००
६ **अमरमण्डनम्** । कृष्णसूरि विरचित ३-००
७ **अमरुशतकम्** । अमरुककविकृत । रसिकसंजीवनी संस्कृत टीका तथा श्री प्रद्युम्न पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित ५-००
८ **अमरुशतकम्** । वेमभूपाल कृत 'शृङ्गारदीपिका' व्याख्या आंग्लानुवाद सहित ८-००
९ **अमरुशतकम्** । डॉ० विद्यानिवास मिश्र ४-५०
१० **अमरुशतकलीला** । बाककन्वे प्रणीत ७-००
११ **आंग्लरोमाञ्चम् (गीतिकाव्य)** । डॉ० हरिहर त्रिवेदी एवं लक्ष्मीनारायण जोशी १५-००
१२ **आधुनिक संस्कृत काव्य** । वनमाला भवालकर सम्पादित १-५०
१३ **आर्यान्योक्तिशतकम्** । डॉ० राजेन्द्र मिश्र ३-००
१४ **आर्यासप्तशती** । पर्वतीयश्रीविश्वेश्वरपण्डितप्रणीत ग्रन्थकर्तृकृतव्याख्यासंवलित १५-००
*१५ **(हिन्दी) आर्यासप्तशती** । गोवर्धनाचार्यविरचित । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—पं० रमाकान्त त्रिपाठी
[प्रस्तुत ग्रन्थ संस्कृत में अकारादिक्रम से रचा गया अनेकविधि शृङ्गार तथा नीति-सूक्तियों का भण्डार है जिसे अन्वयमुख सरल संस्कृत-हिन्दी व्याख्याओं और विमर्श के साथ प्रकाशित किया गया है] [वि. सं. १२७] २५-००
१६ **आर्यासप्तशती** । स्वोपज्ञटीकोपेता ११-३५
१७ **इन्दिरागाँधिचरितं महाकाव्यम्** । डॉ० सत्यव्रत शास्त्री ७५-००
१८ **इन्द्रप्रस्थप्रबन्धः** । अज्ञातकर्तृक २-२५
१९ **ईश्वरविलासमहाकाव्यम्** । कृष्णभट्ट विरचित ११-५०
२० **उषानिरुद्धम्** । रामपाणिवाद कृत । सम्पूर्ण ९-००
२१ **ऋजुलघ्वी-मालतीमाधवकथा** । सम्पा० एन० ए० गोरे ५-००
२२ **ऋतम्भरा** । सम्पा० डॉ० वीरमणि प्रसाद उपाध्याय १-००
*२३ **ऋतुसंहारः** । 'प्रभा' हिन्दी टीका सहित
[इसकी हिन्दी टीका में किन-किन ऋतुओं का किस प्रकार उपभोग किया जाता है इसका सुस्पष्ट विवेचन किया गया है ।] [वि. सं. १६] १-००
२४ **ऋतुसंहारः** । महाकवि कालिदास । अनुवादक-रांगेय राघव ३०-००
*२५ **औचित्यविचारचर्चा** । महाकवि क्षेमेन्द्र कृत । 'प्रभा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पा० आचार्य व्रजमोहन शर्मा
[भाव तथा विषय के अनुरूप ही व्याख्या की भाषा अत्यन्त सरल है । बृहदाकार भूमिका में 'औचित्य' के स्वरूप आदि पर उदात्त विवेचन के साथ प्रतिष्ठापक आचार्यों

का ऐतिहासिक क्रम से परिचय, औचित्य पर पाश्चात्य आलोचकों की दृष्टि तथा क्षेमेन्द्र के जीवन और कृतित्व आदि विषयों पर पाण्डित्यपूर्ण उपयोगी विचार हैं।] [वि. सं. ११८] १०-००

२६ **कथासरित्सागर** । सोमवेदभट्टविरचित । केदारनाथशर्मा सारस्वत कृत हिन्दी टीका सहित । प्रथम २२-००, द्वितीय यन्त्रस्थ, तृतीय ३५-००

२७ **कथासरित्सागर** । सोमदेव कृत । सम्पा० जगदीशलाल शास्त्री ४०-००, ६०-००

२८ **कथासरित्सागर : एक सांस्कृतिक अध्ययन** । वाचस्पति द्विवेदी ३५-००

२९ **कथासरित्सागर तथा भारतीय संस्कृति** । डॉ० सिद्धनाथ प्रसाद ५५-००

३० **करपात्र-पूजाञ्जलिः** । रमाशङ्कर मिश्र २-००

३१ **करुणाकटाक्षलहरी** । हिन्दी टीका सहित । रसिकबिहारी जोशी २०-००

३२ **कविकण्ठाभरण** । क्षेमेन्द्र कृत हिन्दी अनुवाद सहित २-००

३३ **कविकल्पद्रुमः** । बोपदेव विरचित ६-००

३४ **कविकल्पद्रुमः** । बोपदेव । सटोक । जीर्ण १०-००

३५ **कविकौस्तुभः** । रघुनाथमनोहर प्रणीत २-००

३६ **कविरहस्यम्** । डॉ० गङ्गानाथ झा कृत । हिन्दी २-००

३७ **कवीन्द्रकल्पलता** । २-००

३८ **कामायनी** । जयशङ्करप्रसाद । संस्कृतानुवाद । अनु० भगवानदत्त शास्त्री ५-००

३९ **कालिदास के काव्य** । अनु० रामप्रताप त्रिपाठी १६-००

४० **कालिदास के सुभाषित** । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय ७-००

४१ **कालिदास-ग्रन्थावली** । सम्पादक-रेवाप्रसाद द्विवेदी । छात्र संस्करण ११-५०

४२ **कालिदास-ग्रन्थावली** । रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री २५-००

+४३ **कालिदास-ग्रन्थावली** । आचार्यसीतारामचतुर्वेदी । नवीन संशोधित चतुर्थ संस्करण ५०-००

*४४ **काव्यप्रबन्धः** । (काव्यपदार्थविवृत्ति-कविसमयादिनिरूपणात्मक) शास्त्री, आचार्य तथा बी० ए०, एम० ए० के परीक्षार्थियों के लिए अत्युत्तम निबन्ध ग्रन्थ [इस पुस्तक में काव्य, वाक्य, शब्दार्थ, तात्पर्यार्थ, शक्ति, संकेतग्रह, जातिवाद, लक्षणा, व्यंजना, ध्वनि, रस, स्थायिभावभेद, गुणालंकारभेद तथा श्लेषालंकारभेदों का निरूपण करके कवित्व का लक्षण तथा महाकवि कालिदास, भवभूति, भारवि, शूद्रक, माघ, दण्डी, बाण आदि कवियों की संक्षिप्त जीवनियों तथा उनकी कृतियों पर प्रकाश डाला गया है] [वि. सं. २३] ४-००

४५ **काव्यमञ्जूषा** । रत्नावलीगद्यकाव्य-कामकन्दलनाटक-श्री कालिकामन्दाक्रान्ता शतक-धर्माधिकारी वर्णन-श्री रेणुका स्तोत्र आदि ६-००

४६ **काव्यमालागुच्छक** । चतुर्थ गुच्छक ५-००

४७ **काव्यसंग्रहः** । (७१ काव्यों का संग्रह) १-३ भाग ।
प्रथम १६-००, द्वितीय १०-००, तृतीय १२-०० सम्पूर्ण ३८-००

४८ **किरातार्जुनीयम्** । 'घण्टापथ' 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । सम्पूर्ण ८-००

*४९ **किरातार्जुनीयम्** । 'प्रबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका । समीर शर्मा । प्रथम सर्ग [गोरखपुर विश्वविद्यालय की बी० ए० परीक्षा में निर्धारित इस प्रथम सर्ग की अत्यन्त स्पष्ट, सरल एवं सुबोध व्याख्या प्रस्तुत की गयी है । भूमिका में महाकवि भारवि का समय, पूर्ववर्ती आचार्यों की परम्परा, उसमें भारवि का स्थान, देश-काल, विषय-वस्तु आदि का मार्मिक परिचय दिया गया है । परीक्षार्थियों के लिये यह संस्करण सबसे उत्तम है ।] [वि० सं० १४६] ३-००

+५० **किरातार्जुनीयम्**। 'विजया' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, परीक्षोपयोगी टिप्पणी युक्त व्याख्याकार-डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी। द्वितीय सर्ग १–५० तृतीय सर्ग २–००
[चौ. सु. २०] ३–६ सर्ग ६–००

*५१ **किरातार्जुनीयम्**। १३वाँ सर्ग। सान्वय संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समास, व्याकरण, कोश, हिन्दी पद्य, भावार्थ सहित। व्याख्याकार—श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय
[वि. सं. ८६] २–५०

५२ **किरातार्जुनीयम्**। रामप्रताप शास्त्री। भाषा १५–००

५३ **किरातार्जुनीय : आलोचनात्मक अध्ययन**। प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल २–००

५४ **कीर्तिकौमुदी**। सोमेश्वरदेव कृत। **सुकृत संकीर्तन**। अमरसिंह ठक्कुर कृत ६–६०

५५ **कीरदूतम्**। श्रीरामगोपाल कवि कृत तथा रुद्रनाथ कृत पिकदूत सहित। सम्पा० अनन्तलाल ठाकुर १–७५

५६ **कुट्टनीमतम्**। (शम्भलीमतकाव्यम्) दामोदरगुप्तविरचित। हिन्दी टीका सहित १५–००

*५७ **कुमारसंभवम्**। मल्लिनाथ कृत सञ्जीविनी एवं 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित। हिन्दी व्याख्याकार—श्री प्रद्युम्न पाण्डेय। [वि. सं. १०५]
[इस संस्करण को पढ़कर संस्कृत का विशिष्ट ज्ञान न रखने वाले व्यक्ति भी अनुवाद की मधुरता से मूल काव्य का रसास्वादन करने में समर्थ हो सकेंगे। ग्रन्थ के आदि में महाकवि की काव्य-कलात्मक विस्तृत समीक्षा भी प्रस्तुत कर दी गई है।] सम्पूर्ण १५–००

+५८ **कुमारसम्भवम्**। 'चन्द्रकला' 'विमला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्। प्रत्येक श्लोक का अन्वय, परीक्षोपयोगि व्याख्या, समास, व्युत्पत्ति, भावार्थ, भाषार्थ आदि विविध विषयों से अलंकृत। व्याख्याकार-पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी। प्रथम सर्ग २–००
१–२ सर्ग ४–५०, द्वितीय सर्ग २–००, तृतीय सर्ग २–००
[चौ. सु. ७] चतुर्थ सर्ग २–००, पञ्चम सर्ग २–५०

५९ **कृष्णकर्णामृतम्**। मूलमात्र १–००

६० **कृष्णगीतिः**। सोमनाथ विरचित १–७५

*६१ **कृष्णस्यशान्तिप्रयासः**। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दीव्याख्याद्वयोपेतः। [वि. सं. १२०]
[श्री बालकेशवप्रसाद मिश्र विरचित इसकी संस्कृत-हिन्दी व्याख्या ससन्दर्भ प्रस्तुत की गई है। शास्त्री के विद्यार्थी अल्पायासेन स्वयं इसका अध्ययन कर सकते हैं। इसकी समालोचनात्मक भूमिका, कथासार भी छात्रों के लिए अधिक उपयोगी है।] ४–००

६२ **क्षेमकाव्यकल्पद्रुम**। पं० क्षेमधारी सिंह। सम्पा० डॉ० तेजनाथ झा ७–००

६३ **गङ्गासागरीयम्**। विष्णुदत्त शुक्ल विरचित ५–००

६४ **गउडवहो**। वाक्पति कृत। सम्पा० नरहर गोविन्द सुनू। आंग्लानुवाद सहित २५–००

*६५ **(हिन्दी) गाथासप्तशती**। हिन्दी व्याख्या सहित। श्री नर्मदेश्वर चतुर्वेदी
[पारिवारिक जीवन की तीन अनुभूतियों की झाँकी के साथ नायक-नायिकादि की चेष्टाओं और मनोभावों का विशद विवरण] [वि. सं. ५५] १०–००

६६ **(हिन्दी) गाथासप्तशती**। व्याख्याकार-डॉ० जगन्नाथ पाठक २५–००

६७ **गीतगिरीशम्**। (रागकाव्यम्) कविनृपतिरामभट्ट। सम्पा० प्रभातशास्त्री ६–००

६८ **गीतगोविन्दकाव्यम्**। श्रीजयदेवविरचितम्। हिन्दी टीका सहित ३–००

६९ **गीतगोविन्द**। विनयमोहन शर्मा कृत हिन्दी पद्यानुवाद सहित १०–००

७० **गीतपीतवसनम्**। श्यामराग कवि कृत। सम्पा० बाबू मिश्र २–००

७१ **गीतपीतवसनम्**। श्रीश्यामरागकवि। सम्पा० प्रभातशास्त्री ५–००

७२ **गीतिकादम्बरी**। अमीरचन्द्र शास्त्री २०–००

७३ **गुर्जररासावली**। ठाकोर-देसाई-मोदी सम्पादित २५–००

७४ **घटकर्परकाव्यम्**। 'मनोरमा' हिन्दी व्याख्या। आचार्य रामपाल शास्त्री १–५०

७५ घटकर्परकाव्यम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । सम्पा० उमेशचन्द्र शर्मा ५-००
७६ चक्रपाणिविजयमहाकाव्यम् । भट्टलक्ष्मीधर कृत ३-५०
७७ चमत्कारचन्द्रिका । विश्वेश्वर कवि चन्द्र प्रणीत । सम्पा० पन्दिरि सरस्वती मोहन ३६-००
*७८ चारुचर्या । महाकवि श्री क्षेमेन्द्र विरचित । मूल श्लोक तथा 'प्रकाश' हिन्दी अनुवाद सहित । व्याख्याकार—श्री देवदत्त शास्त्री [वि. सं. ९२] १-५०
*७९ चारुचर्या । (भारतीय सदाचार और शिष्टाचार) सम्पा० श्री देवदत्त शास्त्री [श्रीक्षेमेन्द्र विरचित चारुचर्या का यह हिन्दी रूपान्तर है। यह ग्रन्थ भारतीय सदाचार एवं शिष्टाचार का कोष है। मनुष्य जिन आचरणों और व्यवहारों से सामाजिक अभ्युदय प्राप्त कर जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है—उनका एकत्र समुच्चय इस पुस्तक में हैं ।] [वि. रा. ४४] ३-००
८० चित्रकाव्यकौतुकम् । रामरूपपाठक कृत । प्रेमलता शर्मा १२-००
८१ चीमनीचरितम् । नीलकण्ठ विरचित । सम्पादक-प्रभात शास्त्री ८-००
८२ चौरपञ्चाशिका । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । ब्रजेशचन्द्र श्रीवास्तव ५-००
८३ जम्बूदीव-पण्णत्ति-संगहो । पउमणंदिकओ । हिन्दी टीका सहित १६-००
८४ जवाहरतरङ्गिणी अथवा भारतरत्नशतकम् । डॉ० ए० वी० वास्नेकर ५-००
८५ जानकीहरणम् । (१-२ सर्ग) हिन्दी व्याख्याकार—डॉ० यदुनन्दन मिश्र ८-००
८६ जानकीहरणम् । प्रथमसर्ग । डॉ० बाबूराम पाण्डेय ४-००
८७ दर्पदलन । क्षेमेन्द्र । हिन्दी टीका सहित । डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी २०-००
८८ दशकण्ठवधम् । (रामचरितम्) दुर्गाप्रसादद्विवेदीविरचितम् ४-००
८९ दिग्विजयमहाकाव्यम् । मेघविजय उपाध्याय विरचित ८-००
९० देलरामकथासारः । राजानकभट्टाह्लाद विरचित १-००
९१ देवीचरितम् । कविराज ठाकुर बुधसिंह । १-२ भाग ३४-२५
९२ धम्मपदं । श्रीकन्छेदीलालगुप्त कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित [वि. सं. १५०] ७-००
९३ धर्माभ्युदयमहाकाव्यम् । वस्तुपालचरित । उदयप्रभसूरि विरचित ८-५०
९४ नन्दोपाख्यान । सम्पा० फतहसिंह १-००
९५ नलकीर्तिकौमुदी । अगस्त्य पण्डित । सम्पा० टी० वेंकटाचार्य ३०-००
९६ नल-देवदंती-रास । महीराज कृत । भोगीलाल ज० सन्देशरा सम्पादित । (गुजराती) ४-२५
९७ नलाख्यान । भालण कृत । (गुजराती) ८-००
९८ नलोपाख्यानम् । आंग्लानुवाद सहित । अनु० मोनियर विलियम्स ५०-००
९९ नलोपाख्यानम् । श्री काशीनाथ द्विवेदी कृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित ४-००
१०० नानकचन्द्रोदयमहाकाव्यम् । देवराज शर्मा विरचित । सम्पा० पं० ब्रजनाथ झा ७४-६०
१०१ नारायणीयम् । आंग्लानुवाद सहित । स्वामीतपस्यानन्द १५-००
१०२ नेहरूचरितमहाकाव्यम् । श्री ब्रह्मानन्द शुक्ल १५-००
१०३ नेहरूयशःसौरभम् । महाकाव्य । बलभद्र प्रसाद शास्त्री १५-००
+१०४ नैषधीयचरितम् । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । आचार्य शेषराजशर्मा रेग्मी । प्रथम सर्ग ५-००, १-३ सर्ग १०-००, ४-५ सर्ग ६-०० [चो. सु. १३] १-५ सर्ग १५-००, १-९ सर्ग २५-००
१०५ नैषधीयचरितम् । मल्लिनाथ कृत 'जीवातु' श्री हरगोविन्द शास्त्री कृत 'मणिप्रभा' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । सम्पूर्ण २४-००
१०६ नैषधीयचरितम् । श्रीहर्षविरचित । नारायणी व्याख्या सहित ३५-००
१०७ नैषधमहाकाव्य : आलोचनात्मक अध्ययन । प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल २-५०
१०८ नैषधीयपरिशीलन । डॉ० चण्डिकाप्रसाद शुक्ल १५-००
१०९ पद्यमाला । सम्पा० हरिशङ्कर मिश्र ५-००

११० **पद्यमुक्तावली** । श्रीकृष्णभट्ट कृत । सम्पा० मथुरानाथ शास्त्री ४-००
१११ **परमानन्दकाव्यम्** । सरदेसाई सम्पादित १८-००
११२ **परशुरामदिग्विजय महाकाव्य** । हिन्दी अनुवाद सहित । छज्जूराम शास्त्री २-००
११३ **पवनदूतम्** । धोयी कृत । हिन्दी टीका सहित १०-००, १२-००
११४ **पारिजातहरण महाकाव्य** । कविकर्णपूर विरचित ८-००
११५ **पार्वतीपरमेश्वरीयम्** । संगीतिका । श्रीमती वनमाला भवालकर १-००
११६ **पालि-प्राकृतसंग्रहः** । डॉ० प्रभुनाथ द्विवेदी कृत व्याख्या ६-००
११७ **पुष्पबाणविलासः** । कालिदास विरचित । सव्याख्या १-००
११८ **पुष्पबाणविलासम्** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका । पं० शोभनाथ शास्त्री १-००
११९ **प्रकीर्ण-प्रबन्धाः** । श्री रामावतार शर्मा विरचित ८-००
१२० **प्रतापविजयः** । ईशदत्त पाण्डेय । सम्पादक—प्रभातशास्त्री २-५०
१२१ **प्रबोधचन्द्रिका** । श्रीवैजलभूपति कृत । जगदीशलाल शास्त्री सम्पादित ३-००
१२२ **प्राचीनफागुसंग्रहः** । भोगीलाल जे० सन्देशरा १०-५०
१२३ **प्रेमरसायनम्** । श्रीविश्वनाथविरचित । सटीक २-००
१२४ **प्लवङ्गदूतम्** । प्रो० वनेश्वर पाठक ४-००
१२५ **बङ्गलादेशः** । डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल ३-००
१२६ **बल्लालचरितम्** । आनन्दभट्ट विरचित १-५०
१२७ **बापू** । एफ० सी० फ्रिटास । सम्पा० बाबूराम सक्सेना । संस्कृत भाषान्तरकार—
डॉ० किशोरनाथ झा १०-००
*१२८ **बुद्धचरितम्** । अश्वघोषकृतम् । हिन्दी अनुवाद सहित । [वि. सं. ८२]
अनुवादक—महन्तश्रीरामचन्द्रदासशास्त्री
[हिन्दी ज्ञाताओं को काव्यानन्द के साथ भगवान् बुद्ध के धार्मिक एवं करुण जीवन-चरित द्वारा शान्तरस का आनन्द भी सुलभ कराने की दृष्टि से यह संस्करण प्रस्तुत है । इसमें हिन्दी टीका प्रवाहयुक्त तथा सरल एवं सरस है ।] १-२ भाग सम्पूर्ण ११-००
१२९ **बुद्धभूषणम्** । बेलङ्कर सम्पादित ५-००
१३० **बृहत्कथाकोश** । हरिषेणाचार्य विरचित १६-००
१३१ **बोधिसत्त्वचरितम्** । सत्यव्रत शास्त्री १६-००
+१३२ **भट्टिकाव्यम्** । 'काव्यमर्मविमर्शिकाख्य' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् ।
व्याख्याकार—श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी'
[इस संस्करण की विशेषताएँ—मूल श्लोक के साथ अन्वय, संस्कृत व्याख्या, हिन्दी, समास, कोश, तद्धित, कृदन्त, तिङन्त, वाच्य परिवर्तन आदि सामग्री से सुसज्जित नवीन संशोधित संस्करण ।] [चौ. सु. १७]
१-४ सर्ग ७-००, ५-८ सर्ग ८-००, १४-२२ सर्ग ८-००
१३३ **भट्टिकाव्यम्** । जयमङ्गल-भरतमल्लिककृतटीकाद्वयोपेतः । १-३ भाग सम्पूर्ण २०-००
*१३४ **भर्तृहरिशतकत्रयम्** । सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या सहित ।
[मूल के साथ हिन्दी भावानुवाद, हिन्दी पद्यानुवाद भी प्रकाशित किया गया है । संस्कृत न जानने वाले व्यक्ति भी ग्रन्थों के मूल भावों को हृदयङ्गम कर आनन्द के भागी हो सकते हैं ।] ८-००
१३५ **भर्तृहरिशतकम्** । हरिदास वैद्य कृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग ३०-००
नीतिशतक ८-००, शृङ्गारशतक १०-००, वैराग्यशतक १२-००
१३६ **भर्तृहरिशतकम्** । (नीति-शृंगार-वैराग्य) सचित्र । हिन्दी अनुवाद सहित ।
वेंकटराव रायसम् ८०-००

*१३७ **भामिनीविलासः** । पण्डितराजजगन्नाथकृत । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित
व्याख्याकार—श्री राधेश्याम मिश्र । अन्योक्तिविलास मात्र ६-००, सम्पूर्ण २०-००

*१३८ **भारत-कथा** । रचयिता—म० म० गङ्गाधरशास्त्री । सान्वय 'बोधिनी'
संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ।
[मूलरामायण की तरह इस लघु पुस्तिका में सम्पूर्ण महाभारत की मूल कथा पूर्ण रूप से सुरक्षित है । प्रस्तुत संस्करण में छात्रों के लिये इसकी बहुत सरल संस्कृत तथा हिन्दी व्याख्या मूल के साथ प्रकाशित की गई है] [वि. सं. ११४] २-००

१३९ **भारतप्रशस्ति** । चि० कुञ्जन राजा ०-७५

१४० **भारतसन्देश** । शिवप्रसाद भारद्वाज रचित २-००

१४१ **मयूखदूतम्** । डॉ० रामाशीष पाण्डेय । हिन्दी अनुवाद सहित ३-५०

१४२ **मयूरसन्देशः** । उदय विरचित । राजा सम्पादित १०-००

१४३ **मलयमारुत** । डॉ० वी० राघवन सम्पादित । १-२ भाग १०-००

१४४ **महाकाव्यामृतम्** । डॉ० राजकिशोर सिंह १-५०

१४५ **महाभारतीयशीलनिरूपणाध्याय** । सुधा-व्याख्या १-२५

१४६ **मानसोल्लासः (अभिलषितार्थ चिन्तामणि)** । भूलोकमल्ल सोमेश्वर कृत ।
सम्पा० जी० के० गोंडेकर । प्रथम भाग १६-००, तृतीय भाग ३५-००

१४७ **मारुतिचरितम्** । आचार्य रमाशंकर मिश्र ४-००

+१४८ **मूलरामायणम्** । प्रथमपरीक्षोपयोगि संस्कृत व्याख्या, हिन्दी भाषानुवाद सहित
[चौ. सु. २६] १-७५

*१४९ **मेघदूतम्** । सान्वय 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ।
व्याख्याकार—आचार्य श्रीशेषराजशर्मा रेग्मी [वि. सं. १११]
[इस संस्करण में प्रत्येक श्लोक की—अन्वय, सरल संस्कृत व्याख्या, संस्कृत सरलार्थ, हिन्दी अनुवाद तथा टिप्पणी, इस क्रम से विशद व्याख्या दी गई है । टिप्पणी में समास-व्युत्पत्ति-कोष-अलंकार आदि का यथावश्यक निर्देश अत्युपयोगी है । उपोद्घात के ४० पृष्ठों में कालिदास के जन्म-काल-जीवन तथा रचनाओं का पुस्तक समीक्षण, तदनन्तर प्रकृत-काव्य का शास्त्रीय दृष्टि से निकर्षण, कालिदास की प्रशस्तियां, मेघदूत के सुभाषित, भौगोलिक शब्दों का संक्षिप्त विवरण, संस्कृत 'उदाहरण' में पौराणिक आधार का उद्धरण, पद्यानुक्रमणी आदि शीर्षकों के अन्तर्गत अतिशय छात्रोपयोगी सामग्री दी गई है ।] १०-००

*१५० **मेघदूतम्** । 'संस्कृत श्लोक' 'पद्यात्मक' हिन्दी टीका सहित । पं० सुधाकर मिश्र कृत
पद्यानुवाद तथा शेषराजशर्मा रेग्मी कृत हिन्दीभाषानुवाद युक्त [वि. सं. १५९] १०-००

१५१ **मेघदूतम्** । आलोचनात्मक अध्ययन । प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल ४-००

१५२ **मेघदूत** । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल १०-००

१५३ **मेघदूत** । अनु० रांगेयराघव । सचित्र ४०-००

१५४ **मेघदूतविलासः** । बाककन्वे विरचित ५-००

१५५ **मोहन मञ्जरी** । जे० वी० पल्लेवार ५-००

१५६ **यशोधरचरितमहाकाव्यम्** । वादिराज कृत । लक्ष्मण कृत व्याख्या एवं
आंग्लानुवाद सहित ५-००

१५७ **यादवाभ्युदयः** । वेदान्तदेशिकविरचित । संस्कृत टीका एवं तमिल अनुवाद ४०-००

१५८ **यादवाभ्युदयः** । वेदान्तदेशिक विरचित । अप्पयदीक्षित प्रणीत व्याख्या ।
आंग्लानुवाद नोट्स सहित । १-४ सर्ग ३-००, ९-१२ सर्ग २-००, १३-२४ सर्ग १०-५०

*१५९ **युधिष्ठिरविजयम्**। महाकवि श्रीवासुदेवविरचित। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार—प्रो० ब्रजेशचन्द्र श्रीवास्तव
[महाकवि वासुदेव विरचित इस महाकाव्य की तुलना विविधवैचित्र्य से परिपूर्ण संस्कृत साहित्य में विरल है। इस ग्रन्थ की श्रेष्ठता अपने कुछ निजी मौलिक तत्त्वों के कारण है। इसमें महाभारत के पीयूष-पयोधि को अष्टसर्गीय काव्यरूप गागर में भर देने का कार्य बहुत ही स्तुत्य है। संस्कृत साहित्य में यह एक अनूठा चित्र काव्य है, जिसमें शब्द, अर्थ तथा भावों के चित्रों की झाँकी एक साथ मिलती है। ऐसे काव्य ग्रन्थ को प्राञ्जल हिन्दी टीका के साथ प्रकाशित करने का उद्देश्य एकमात्र यही है कि सभी संस्कृत-हिन्दी प्रेमी पाठक इसका रस ग्रहण कर सकें।] [वि. सं. १५२] २०–००

+१६० **रघुवंशमहाकाव्यम्**। 'संजीविनी' संस्कृत एवं 'चन्द्रकला' हिन्दी व्याख्या सहित। हिन्दी व्याख्याकार—डॉ० कृष्णमणि त्रिपाठी। सम्पूर्ण २५–००

+१६१ **रघुवंशमहाकाव्यम्**। 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार—आचार्य पं० शेषराजशर्मा रेग्मी [चौ. सु. २] प्रथम सर्ग २–२५

+१६२ **रघुवंशमहाकाव्यम्**। 'विमला' 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, परोक्षोपयोगी टिप्पणी आदि विविध सामग्री युक्त। व्याख्याकार–श्रीकृष्णमणित्रिपाठी [चौ. सु. ९]
द्वितीय सर्ग २–२५, तृतीय सर्ग २–२५, चतुर्थ सर्ग २–००, पञ्चम सर्ग २–००
६–७ सर्ग ४–००, १३–१४ सर्ग ४–००

१६३ **रघुवंशमहाकाव्यम्**। हरदयालु सिंह (श्री हरिनाथ) कृत ब्रजभाषा पद्यानुवाद तथा राजा लक्ष्मण सिंह कृत गद्यानुवाद सहित २८–००

१६४ **रघुवंशदर्पणम्**। डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी सम्पादित ४०–००

१६५ **रघुवंश प्रश्नोत्तरी**। सम्पा० पं० रामचन्द्र झा प्रथम सर्ग २–००, २–३ सर्ग २–५०

१६६ **रम्भाशुकसम्वादः**। हिन्दी टीका सहित १–००

१६७ **रसचन्द्रिका**। मधुसूदनकवीन्द्रकृत। डॉ० एस० एन० घोषाल शास्त्री सम्पादित २६–००

१६८ **रसचन्द्रिका**। विश्वेश्वरपाण्डेयविनिर्मित २–००

*१६९ **रसराज**। कविवर मतिराम विरचित। आचार्य रामजी मिश्र रचित सरस, सरल प्रामाणिक हिन्दी व्याख्या, समालोचनादि सहित।
[हिन्दी साहित्य का यह प्राचीन अथ च क्लिष्ट लक्षणग्रन्थ है जिस पर अत्यन्त सरस, सरल तथा प्रामाणिक व्याख्या प्रस्तुत की गई है। समालोचनात्मक विस्तृत भूमिका आदि के सहित यह संस्करण साहित्यानुरागियों तथा अध्येताओं के लिये परमोपादेय है।] [वि. रा. ३३] १५–००

१७० **रसिकरमणकाव्यम्**। रघुनाथ विरचित ०–७५

१७१ **रसिकाष्टककाव्यम्**। ०–७५

१७२ **राक्षसकाव्यम्**। नूतनकिशोरकेलि व्याख्या सहित ०–४०

१७३ **राघवनैषधीयम्**। संस्कृत-हिन्दी व्याख्या। पं० रामकुबेर मालवीय ५–००

*१७४ **राघवपाण्डवीयम्**। कविराजपण्डितविरचित। सरस, सरल, विवेचनात्मक 'सुबोधिनी' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समालोचनादि सहित
व्याख्याकार—पं० दामोदर झा
[प्रस्तुत महाकाव्य के रचयिता पण्डित कविराज ने इस ग्रन्थ में पाण्डव-पक्ष का वर्णन राम-पक्ष के वर्णन से मिला कर तथा कौरव-पक्ष का वर्णन रावण-पक्ष के वर्णन से मिलाकर दोनों का समन्वय रोचक ढंग से किया है। श्लेषकाव्यों में यह महाकाव्य सर्वोपरि है। इसके काठिन्य लोक प्रसिद्ध है। सरल सुबोध राष्ट्रभाषा में अनुदित यह ग्रन्थ प्रथम बार प्रकाश में आया है। भूमिका में ग्रन्थ के रचनाकाल,

ग्रन्थकार, पात्र-परिचय आदि आदि के बारे में अभिनव विचार सामग्री प्रस्तुत की गयी है] [वि. सं. १२८] २५-००

१७५ **राघवाह्निकम्** । श्रीसोमदेवव्यास । सम्पा० बाबूलालशास्त्री । अनु० डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी १-००

१७६ **राजतरङ्गिणी** । श्रीकण्ठकौल सम्पादित । मूलमात्र । जोनराज जैन विरचित ४२-०० श्रीवर तथा शुक विरचित ४२-००

१७७ **राजतरङ्गिणी** । कल्हण कृत । विश्वबन्धु सम्पादित । १-२ भाग ८४-००

१७८ **राजतरङ्गिणी** । कल्हण कृत । भाषा । डॉ० रघुनाथ सिंह । प्रथम भाग १००-००, द्वितीय भाग यन्त्रस्थ, तृतीय भाग १००-००, चतुर्थ भाग १५०-००

१७९ **राजतरङ्गिणी** । श्रीजोनराज । प्राञ्जल हिन्दी अनुवाद तथा विस्तृत ऐतिहासिक विमर्शात्मक व्याख्या सहित । व्याख्याकार—डॉ० रघुनाथ सिंह १००-००

१८० **राजतरङ्गिणी** । श्री शुक विरचित । डॉ० रघुनाथ सिंह । भाषा टीका १००-००

१८१ **राजतरङ्गिणी** । श्रीवर कृत । डॉ० रघुनाथ सिंह । भाषा टीका । १-२ भाग २५०-००

१८२ **राजतरङ्गिणी** । कल्हण । भाषा । भाषाकार—नीलम अग्रवाल २५-००

*१८३ **राजतरङ्गिणीकोश** । डॉ० रामकुमार राय । [वि. सं. १०९] [कल्हण कृत राजतरङ्गिणी का यह कोश हिन्दी में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया गया है, इसमें राजतरङ्गिणी में आये सभी नामों एवं विषयों की ससन्दर्भ व्याख्या प्रस्तुत की गई है ।] २५-००

१८४ **राजविनोदमहाकाव्य** । उदयराज विरचित २-२५

१८५ **रामकथामञ्जरी** । सम्पा० सन्तगोकुलचन्द शास्त्री १-५०

१८६ **रामकृष्णविलोमकाव्यम्** । दैवज्ञसूर्यकविकृत । डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित । २-००

१८७ **रामगीतगोविन्दम्** । रागकाव्यम् । जयदेव । हनुमानत्रिपाठी कृत टीका संवलित । सम्पा० प्रभात शास्त्री १०-००

१८८ **रामवनगमनम्** । 'सुधा' 'इन्दुमती' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १-५०

१८९ **रामवनगमनम्** । संगीतिका । डॉ० वनमाला भवालकर १-००

१९० **रामशतकम्** । श्रीसोमेश्वरदेवकृत । 'हृदयमञ्जरी' तथा 'बालबोधिनी' टीका १५-००

१९१ **रामायणमञ्जरी** । क्षेमेन्द्र कृत । सुन्दरकाण्ड के ३८१ श्लोक तक १-७५

१९२ **रामायणमञ्जरी** । १६२-४१३ श्लोक तक । सम्पा० डॉ० सत्यनारायण एवं राधामोहन मिश्र १-५०

१९३ **रामायणसंग्रह** । बे० वरदाचार्यकृत १-५०

१९४ **रामायणसोपानम्** । रामचन्द्र शास्त्री ६-००

*१९५ **रामाभ्युदय-यात्रा** । आचार्य रुद्रप्रसाद अवस्थी कृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या युक्त । [वाराणसी की शास्त्री प्रथमखण्ड परीक्षा के अनिवार्य प्रथमपत्र में निर्धारित] [वि. सं. ११९] ७-००

१९६ **रावणवह महाकाव्य** । प्रवरसेन कृत । 'सेतुतत्वचन्द्रिका' टीका सहित ४०-००

१९७ **राष्ट्र-गीताञ्जलिः** । कपिलदेव द्विवेदी १०-००, १५-००

१९८ **रिष्टसमुच्चयः** । दुर्गदेव विरचित १०-००

१९९ **रुक्मिणीकल्याणकाव्यम्** । राजाचूडामणिदीक्षितकृत । 'मौक्तिमालिका' टीका सहित ५-००

२०० **रुक्मिणीहरणं महाकाव्यम्** । काशीनाथशर्मा द्विवेदी विरचित २५-००

२०१ **ललितविस्तरः** । वैद्योपाह्व श्रीपरशुरामशर्मा सम्पादित १२-५०

२०२ **लीलावई** । कोऊहल विरइया । संस्कृत वृत्ति सहित २५-००

२०३ **लेनिनामृतम्** । (संस्कृत) हिन्दी टीका सहित । पद्मशास्त्री १४-००
२०४ **वरदराजस्तवः** । स्वोपज्ञवृत्ति सहित । 'कृष्णा' हिन्दी व्याख्या सहित १०-००
२०५ **वसन्तविलासफागु** । सम्पा० मधुसूदन चिमनलाल मोदी ५-५०
२०६ **वाणीविलसितम्** । सम्पा० डॉ० किशोरनाथ झा एवं डॉ० जगन्नाथ पाठक १०-००
+२०७ **विक्रमाङ्कदेवचरितम्** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ।
व्याख्याकार-पं० हरगोविन्द शास्त्री प्रथम सर्ग ६-००
२०८ **विक्रमाङ्कदेवचरितम्** । विल्हण विरचित । 'रमा' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ।
१-१८ सर्ग १-३ भाग में सम्पूर्ण २२-००
२०९ **विक्रमांकदेवचरितस्य साहित्यिकसर्वेक्षणम्** । डॉ० प्रियतमचन्द्र शास्त्री ३०-००
*२१० **वीरोत्साह-वर्धनम्** । पं० सुरेन्द्रचन्द्र त्रिपाठी [वि. सं. ९४]
[भारत-सीमा पर चीनी आक्रमण के प्रसङ्ग पर छात्रों तथा सैनिकों में उत्साह एवं वीर भावों के उद्‌बोधन के लिये संस्कृत पद्यों में लिखी यह पुस्तिका अनुपम है ।] १-००
*२११ **वैराग्यशतकम्** । भर्तृहरिविरचित । सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या एवं हिन्दी पद्यानुवाद सहित [वि. सं. ६१] ३-००
२१२ **व्यवहारविज्ञानम्** । हरिहर झा सम्पादित । १-२ भाग ७-००
२१३ **शङ्करीसंगीतम्** । कवि श्रीजयनारायण प्रणीत १-२५
२१४ **शतकत्रयादिसुभाषितसंग्रहः** । कौशाम्बी सम्पादित १२-५०
२१५ **शिवकथामृतं महाकाव्यम्** । म० म० पं० छज्जूराम शास्त्री ।
प्रकाशशास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित १६-००
२१६ **शिवतत्त्वरत्नाकरः** । केलदिवसवभूपालविरचित । १-२ भाग ४९-७५
२१७ **शिवपरिणयः** । कृष्णराजानक कृत । मुकुन्दराम शास्त्री कृत संस्कृत छाया युत ७-२५
२१८ **शिवोऽहम्** । श्री १००८ नारायण स्वामी और उनका काव्य ६०-००
*२१९ **शिशुपालवधम्** । (माघकाव्यम्) मल्लिनाथ कृत 'सर्वङ्कषा' व्याख्या
श्री हरगोविन्दशास्त्री कृत 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित ।
[इस ग्रन्थ में अनेकार्थक श्लोक अधिक हैं जो परीक्षा में पूछे जाते हैं; विविध प्रकार से उनकी व्याख्या कर दी गयी है और विमर्श में उन ग्रन्थियों को और भी खोल दिया गया है । ग्रन्थ में आई हुई पौराणिक कथायें, प्रत्येक सर्ग के संक्षिप्त कथासार, महाकवि के इतिवृत्ति तथा काव्य-महाकाव्यादि के लक्षण भेद आदि से सुसज्जित यह संस्करण मौलिक संस्करण के रूप में हो गया है ।] [वि. सं. ८]
१-६ सर्ग १०-००, सम्पूर्ण २५-००
+२२० **शिशुपालवधम्** । 'बालबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ।
व्याख्याकार—श्री रामजीलाल शर्मा [चौ. सु. २५]
[इस संस्करण में प्रत्येक श्लोक का सन्दर्भ, अन्वय, सरल संस्कृत व्याख्या समास, व्याकरण, कोश, अलङ्कार, छन्दादि का स्पष्ट विवेचन करते हुए विशद व्याख्या दी गई है । टिप्पणी में—संदिग्ध एवं शास्त्रार्थ के स्थलों का विशद विवेचन, पौराणिक कथाओं का स्पष्ट उल्लेख प्रस्तुत किया गया है । भूमिका में काव्य के प्रयोजन, कारण एवं भेदो का उल्लेख करते हुए महाकवि माघ के जीवन-चरित तथा काव्य सौष्ठव का तथा शिशुपालवधमहाकाव्य की विशेषताओं का विशद विवेचन किया गया है । आज तक शिशुपालवध पर इतनी विशद एवं स्पष्ट व्याख्या नहीं हुई है । अतः यह संस्करण छात्रों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा ।]
चतुर्थ सर्ग मात्र २-५०, १-४ सर्ग १०-००
२२१ **शिशुपालवध : आलोचनात्मक अध्ययन** । प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल २-५०
२२२ **श्रृंगारतिलकम्** । मधुसूदनशास्त्री कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १-६०

२२३ **श्रीकृष्णचरितामृतमहाकाव्यम्** । हिन्दी भाषानुवाद सहित ।
रचयिता—श्रीकृष्णप्रसाद शर्मा 'घिमिरे' ३०-००
२२४ **श्रीगान्धिचरितम्** । श्रीब्रह्मानन्दशुक्ल विरचित संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ४-००
२२५ **श्रीयुगलशतदलम्** । सत्यव्रत शर्मा 'सुजाग' शास्त्री कृत ४०-००
२२६ **श्रीरघुनाथगुणोदयमहाकाव्यम्** । नव्यचण्डीदास विरचित ।
सम्पा० डॉ० गङ्गादत्त शर्मा 'विनोद' २७-२५
२२७ **श्रीविद्याधीशविजयः** । जनार्दनसूरिकृत । शब्दार्थदीपिका-व्याख्यासमेतः ।
वाई० रङ्गाचार्य ५-००
२२८ **श्रीशान्तिनाथचरितम्** । अजित प्रमाचार्य विरचित । सम्पा० मुनि इन्द्रविजय ।
१-४ भाग ३-००
२२९ **श्रीसंस्कृतवाणीसार्तनादविज्ञापना-त्रिंशती** । स्वामी माधवचैतन्य भारतीय
कृत । श्री कृष्णानन्द ब्रह्मचारी कृत हिन्दी भावार्थ सहित १-००
२३० **श्रीहरिचरितामृतमहाकाव्य** । हरिपद्मनाभ शास्त्री । सम्पा० प्रो० टी० वेंकटाचार्य ३५-००
२३१ **श्रीहरिचरितम्** । चतुर्भुज कृत । सम्पा० शिवप्रसाद भट्टाचार्य २०-००
२३२ **श्र्यङ्ककाव्यम्** । कृष्ण कौर विरचित ५-००
२३३ **संक्षिप्त रामायण मञ्जरी** । डॉ० हरिद्वारीलाल शर्मा तथा डॉ० श्रीनिवास शास्त्री ३-५०
२३४ **सन्देशरासक** । (अपभ्रंशकाव्य) कवि अब्दुल रहमान विरचित ।
डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी सम्पादित १७-००
*२३५ **संस्कृत-काव्य-कलिका** । डॉ० आद्याप्रसादमिश्र सम्पादित
[इस पुस्तक में प्रतिज्ञायौगन्धरायण के साथ-साथ महाराज रघु तथा राजकुमार अज के परम-पालन एवं उदात्त चरित्र वर्णित हैं । इसमें उनके अलौकिक तेज, पराक्रम तथा संस्कृतिमूलक आचार आदि के भी दिव्य दर्शन होते हैं ।]
[यू. पी. इण्टर के लिए पाठ्य-स्वीकृत] १-००
२३६ **संस्कृत-काव्य-मालिका** । चिन्तामणि द्वारकानाथ देशमुख १२-००
२३७ **संस्कृत-काव्य-संग्रहः** । डॉ० विश्वनाथ भट्टाचार्य–रामगोपाल मिश्र सम्पादित २-५०
२३८ **संस्कृतगीताञ्जलिः** । १२-००
२३९ **संस्कृतरवीन्द्रम्** । सम्पा० डॉ० वे० राघव १२-५०
*२४० **संस्कृत-वाङ्मय-परिचयः** । वेद से लेकर २०वीं सदी तक के संस्कृत साहित्य के ग्रन्थों का उद्‌गम, काल, इतिहास, रचयिताओं के संक्षिप्त इति वृत्ति दिये गये हैं]
[वि. सं. १३] ३-००
२४१ **संस्कृत-सौरभम्** । (सचित्र : कक्षा ६ से ८ के लिए) पं० करुणापति त्रिपाठी
एवं डॉ० सुभाषचन्द्र तनेजा १-३ भाग ४-५०
२४२ **सत्यसिद्धिशास्त्रम्** । हरिवर्म प्रणीत । प्रथम भाग (संस्कृत) ६५-००
द्वितीय भाग (अंग्रेजी) ९२-००
२४३ **सदुक्तिकर्णामृतम्** । श्रीधरदास विरचित । आलोचनात्मक व्याख्या सहित ।
डॉ० एस० सी० बनर्जी ५०-००
२४४ **सनत्कुमारचक्रचरितमहाकाव्यम्** । श्रीजिणयालिगणि विरचित ११-५०
*२४५ **समयमातृका** । हिन्दी व्याख्याकार—प्रो० रमाशंकर तिवारी । वेश्याओं, कुट्टिनियों तथा विटों से सम्पत्ति रक्षा के हेतु लिखी गई क्षेमेन्द्र की यह कृति उपदेशात्मक हास्य-व्यङ्ग्य काव्यों में उत्तम है । मूल के साथ सुबोध हिन्दी व्याख्या तथा अपेक्षित स्थलों पर टिप्पणी भी दी गई है ।] [वि. सं. १४३] ५-००
२४६ **समुद्रसङ्गमः** । दाराशिकोह प्रणीत १२-००

२४७ **सहस्रदलमहाकाव्य** । गंगाधर मिश्र ५-००

*२४८ **सहृदयानन्दकाव्यम्** । कृष्णानन्दविरचित । श्री वाचस्पति द्विवेदी कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका युक्त [वि. सं. १४८]
[इस महाकाव्य में महाराज नल के जन्म से लेकर दमयन्ती से पुनर्मिलन तक की कथा आवद्ध है। इसकी हिन्दी व्याख्या में नवीन भावयोजना, कवित्वपूर्ण उक्तियाँ, कल्पना की प्रौढता, भाषा की प्राञ्जलता एवं सरलता पदे पदे प्रतिलक्षित है ।] ८-००

२४९ **सावित्रीचरितम्-कूपमण्डूकवृत्तिः** । आत्मारामशास्त्री प्रणीत ०-७५

+२५० **सीताचरितम्** । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी [चौ० सु० ३८] १०-००, १५-००

२५१ **सीतारामविहारकाव्यम्** । ओर्गष्टिवंशवर्धनलक्ष्मणाध्वरिकृत ५-३५

२५२ **सुकृत कीर्तिकल्लोलिन्यादि वस्तुपालप्रशस्तिसंग्रह** । ६-६०

२५३ **सुरजनचरितम्** । डॉ० चन्द्रधर शर्मा सम्पादित । हिन्दी अनुवाद सहित २०-००

२५४ **सुरथचरितम्** । (महाकाव्य) पं० क्षेमधारी सिंह शर्मा । सम्पा० तेजनाथ झा ५-००

२५५ **सुवृत्ततिलकम्** । क्षेमेन्द्र विरचित । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित ५-००

*२५६ **सूर्यशतकम्** । 'कला' हिन्दी टीका एवं विस्तृत भूमिकादि सहित
[अत्यन्त सरल तथा व्यवस्थित हिन्दी भाषा में व्याख्या तथा टिप्पणियों में पौराणिक अन्तःकथाएँ आदि विषय स्पष्ट किए गए है । विचारपूर्ण विशद भूमिका में भी कवि तथा काव्य से सम्बन्धित गवेषणापूर्ण अनल्प सामग्री प्रस्तुत की गई है ।]
[वि. सं. १०६] ५-००

२५७ **सौन्दरानन्दकाव्य** । अश्वघोषकृत । हिन्दी अनुवादक—सूर्यनारायणचौधरी १०-००

२५८ **सौन्दरानन्दकाव्यम्** । अश्वघोषकृत । सम्पा० डॉ० हरप्रसाद ३-००

२५९ **सौन्दरानन्दमहाकाव्यम्** । डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । ७-१० सर्ग ३-२५

*२६० **सौन्दरानन्द : साहित्यिक एवं दार्शनिक गवेषणा** । डॉ० ब्रह्मचारी ब्रजमोहन पाण्डेय 'नलिन' [चौ. रा. १४] १५-००

२६१ **सौमित्रसुन्दरीचरितम्** । भवानीदत्त शर्मा ३-००

२६२ **स्तुतिकुसुमाञ्जलिः** । काश्मीरकजगद्धारभट्टविरचित । 'लघुपञ्जिका' तथा 'प्रेममकरन्द' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २०-००

२६३ **स्तोत्रभारती कण्ठहार** । स्वामी श्रीभारतीकृष्णतीर्थ । प्र० भाग ५-५०, द्वि० भाग २५-००

२६४ **स्वराज्यविजयं महाकाव्यम्** । कविराज द्विजेन्द्रनाथ ४-००

२६५ **स्वामीश्रीविवेकानन्दचरितमहाकाव्यम्** । पं० श्रीत्र्यम्बक भण्डारकर कृत २०-००

२६६ **हंससन्देशः** । संस्कृत टीका सहित ४-००

२६७ **हरिचरितम्** । परमेश्वर कृत । सटीक ७-५०

२६८ **हरिहरचतुरङ्गम्** । गोदावरमिश्र प्रणीत ६-५०

269 Buddhacharitam. With English & Kannad Translation By Pt. S. Rangachar. Conto I 2-50 Canto II 2-50

270 Bhojaprabandha-Jagdish Lal Shastri 3-75

271 Meghaduta. With Katyayani Sanskrit Commentary and English Translation. By Charanatirthaji Maharaja. Purvamegha 20-00

272 Kiratarjuniyam. Text with Sanskrit Commentary & English Translation. By M. R. Kale. Cantos 1-3 12-00

273 Kumarasambhava. Text with English Translation. By M. R. Kale 12-00

274 Kumarasambhavam. With English Notes & Translation
By C. Sankar Rama Sastri. Canto I-III 6-00
275 Kumarasambhavam. With English & Kannad Translation
By Pt. S. Rangachar. Canto III 2-50, Canto VI 2-50
276 Nalopakhyana. (Mahabharat Adhyaya 50-54)
With English Translation 2-50
277 Niti and Vairagya Satakas. By M. R. Kale 6-00
278 Naishadhacarita. By K. K. Handiqui 21-00
279 Meghaduta. English Translation by H. H. Wilson 10-00
280 Meghaduta. English Translation by M. R. Kale 10-00
281 Raghuvamsha—G. R. Nandargikar 45-00
282 Raghuvansham. English Translation. By M. R. Kale
Canto 1-5 12-00
283 Raghuvanshamahakavyam. Text with English Translation.
By T. K. Ramchandra Ayyer. Canto I, II & IV. Each canto 2-00
284 Raghuvanshamahakavyam. With English Translation &
Notes. By S. Viswanathan. Cantos 10-15 in 5 Vols. 10-50
285 Raghuvansham. With English Notes & Translation.
By J. M. Ashar. Cantos 1-4 3-50. Cantos 8-9 5-00
286 Raghuvansham. With English & Gujarati Translation.
By Miss. S. S. Nandi Cantos 8-9 3-00
287 Rajatarangini of Kalhan. Edited by M. A. Stein 100-00
288 Ramacharitam. Sandhyakara Nandi. With English
Translation 32-00
289 Sri Ramadasacharitam of Kshama Rao. Text with English
Translation 6-00
290 Ritusamhara. Edited by M. R. Kale 3-50
291 Setubandha of Pravara Sen. Text with English Translation
By K. K. Handiqui 40-00

गद्यकाव्य-ग्रन्थाः

१. अभिनवकथानिकुञ्जः। सम्पा० शिवदत्तशर्मा चतुर्वेदी ५-००, ८-००

*२. अभिलेखमाला। 'रमा' हिन्दी टीका सहित। व्याख्याकार—झा-बन्धु
[इस पुस्तक में १-रुद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख, २-समुद्रगुप्त के प्रयाग स्तम्भ-लेख, ३-कुमारगुप्त के मन्दसौर शिलालेख, ४-स्कन्दगुप्त के जूनागढ़ शिलालेख, ५-पुलकेशिन द्वितीय के एहोल शिलालेख, ६-महाराजचन्द्र के मेहरौली शिलालेख, ७-महाराज यशोधर्मा के शिलालेख और ८-वीसल देव के देहली-शिवालिक शिलालेख संगृहीत हैं। इन शिलालेखों के सटिप्पण हिन्दी अनुवाद के साथ-साथ इनके ऐतिहासिक महत्त्व साहित्यिक वैशिष्ट्य का विवेचन भी प्रस्तुत किया गया है।]
संशोधित द्वितीय संस्करण [वि. सं. ७९] ८-००

*३. अवन्तिकुमारियाँ। श्री देवदत्त शास्त्री
[इस पुस्तक में तीन अवन्तिकुमारियों (अवन्तिसुन्दरी, मालविका, सरस्वती) के जीवन की मर्मस्पर्शी कहानियों के बीच लेखक ने उस युग की सांस्कृतिक, धार्मिक

एवं नैतिक स्थितियों का बड़ा ही सुन्दर गवेषणात्मक चित्र प्रस्तुत किया है।]
[वि. रा. ३८] ३-००

४ **अशोक के अभिलेख** । डॉ० राजबली पाण्डेय ७५-००, १००-००

५ **उत्कलमणि गोपबन्धुदासः (जीवनचरितम्)** । पं० व्रजबन्धु मिश्र ६-००

*६ **उत्कीर्णलेखपञ्चकम्** । 'रमा' हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकार—झा-बन्धु
[इस अभिनव संस्करण में १-रुद्रदामन का जूनागढ़-शिलालेख, २-महाराज चन्द्र का मेहरौली-स्तम्भलेख, ३-कुमारगुप्त का मन्दसौर-शिलालेख, ४-महाराज यशोधर्मा का शिलालेख और ५-वीसलदेव का देहली-शिवालिक स्तम्भलेख, इन संग्रहों का परीक्षा की दृष्टि से सटिप्पण हिन्दी अनुवाद भी किया गया है] [वि. सं. ७८] ५-००

७ **उद्भिज्ज परिषद्** । सम्पा० डॉ० कर्णसिंह २-७५

८ **उपाख्यानमञ्जरी** । (वेतालपञ्चविंशति की कथाओं का संग्रह) ३-००

९ **ऋजुलघ्वी** । (मालतीमाधव कथा) ५-००

१० **कथापञ्चकम्** । क्षमाराव कृत ३-००

११ **कथापञ्चदशी** । (कथामुक्तावली कथासार) क्षमाराव कृत कथामुक्तावली का अनुवाद १-५०

१२ **कथामुक्तावली** । क्षमाराव कृत ५-५०

१३ **कथारत्नाकर** । वाक् कन्वे । प्रथम भाग १५-००, द्वितीय २५-००, सम्पूर्ण ४०-००

*१४ **कलाविलासिनी वासवदत्ता** । देवदत्तशास्त्री
[महाराज उदयन और महारानी वासवदत्ता की कलाविलासिताओं में भोग और योग का पूर्ण समन्वय है। इसी पौराणिक विषय का राष्ट्रभाषा हिन्दी में विशद् विवेचन इस पुस्तक में किया गया है।] [वि. रा. ३०] ५-००

+१५ **कादम्बरी** । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । आचार्य शेषराजशर्मा रेग्मी

संस्कृत-साहित्यमें पद्यकाव्यकी अपेक्षा गद्यकाव्यकी विप्लता है। इसका कारण उसके वर्णनके निर्वाहमें काठिन्य प्रतीत होता है। क्योंकि पद्यकाव्यमें कुछ न्यूनता प्रतीत होनेपर छन्द आदिकी परतन्त्रताका बहाना किया जा सकता है, परन्तु गद्यकाव्यमें यह बात नहीं है। "ओजः समासभूयस्त्वमेतद्‌गद्यस्य जीवितम्" इस नियमके अनुसार उसकी रचनामें अत्यन्त निपुणताकी आवश्यकता है। अत एव "गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति" इस उक्तिके अनुसार गद्य कवियोंकी योग्यता जाँचनेकी कसौटी मानी जाती है। गद्यकाव्यके दो भेद हैं कथा और आख्यायिका। संस्कृतमें सुबन्धुकी वासवदत्ता, दण्डीका दशकुमारचरित और बाणभट्टकी कादम्बरी गद्यसाहित्यमें बहुत प्रसिद्ध हैं।

कादम्बरीमें कथानककी दृष्टिसे, अलङ्कारोंकी दृष्टिसे, वर्णनीय विषयोंकी व्यापकतासे, शास्त्रीय-पाण्डित्यसे किसी भी दृष्टिसे निरीक्षण करनेपर भी लोकोत्तरता सर्वजनसम्मत है। इसका स्थान विश्वके गद्यकाव्यमें असाधारण है। क्या भावपक्ष, क्या कलापक्ष, क्या लोकचरित्र, क्या शास्त्रीयतत्त्व, क्या अन्तर्जगत्, क्या बाह्यजगत् कविने अपनी सूक्ष्मदृष्टिसे समस्तविषयोंका आँकलन कर अपनी लेखनीसे कादम्बरीको उद्भासित किया है। इसकी भाषा, शैली, वर्णनकी मधुरता और व्यापकताके कारण ही "कादम्बरीरसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते" यह कहना बहुत समुचित है। श्लेष, परिसंख्या, उत्प्रेक्षा और विरोधाभास आदि अनेक अलङ्कार यथास्थान संनिविष्ट होकर इसकी शोभा बढ़ा रहे हैं। इन सब विषयोंकी उपस्थितिसे "बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्" यह बात सबको माननी ही पड़ती है। इसमें राजा शूद्रक, उनकी सभा, चाण्डालकन्या, शुक, विन्ध्याटवी, अगस्त्याश्रम, प्रभात, मृगया, जाबालि, सन्ध्या, रात्रि, उज्जयिनी, राजा तारापीड, उनके पुत्र चन्द्रापीड आदि अनेक वर्णनीय विषय सजीव और अत्यन्त रोचक हैं। महाश्वेताकी पतिपरायणता, कादम्बरी और चन्द्रापीडका प्रणय, शुकनास-का उपदेश इत्यादि अगणित प्रसङ्ग सहृदय पाठकोंको नितान्त आनन्दित और आकृष्ट करते

हैं। कादम्बरीके उत्तरभागके रचयिता बाणभट्टके पुत्रकी "कादम्बरीरसमरेण समस्त एव, मत्तो न किंचिदपि चेतयते जनीऽयम् ।" यह उक्ति बिलकुल सत्य है।

दुःखके साथ कहना पड़ता है इस कथारत्नकी संस्कृत टीका बहुत अल्पसंख्यामें दृष्टिगोचर है, अतएव हमने इसमें छात्रजनोंकी कठिनताको दूर करनेके लिए प्राचीन और नवीन दोनों पद्धतियोंसे उद्भासित चन्द्रकलाटीकासे सुसज्जित कर राष्ट्रभाषा हिन्दीमें सुबोध अनुवादके साथ प्रकाशित किया है। हम आशा करते हैं, टीकाकारके अन्यग्रन्थोंकी चन्द्रकलाके समान कादम्बरीकी अचिरोदिता यह चन्द्रकला भी चन्द्रकलाके समान होकर छात्रोंके प्रयासरूप तापका निवारण करेगी साथ-साथ सहृदय विद्वज्जनोंको आह्लादित करेगी।

पूर्वार्द्ध—शीघ्रप्राप्य कथामुख १०-००

१६ **कादम्बरी।** 'चन्द्रकला' 'विद्योतिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका। पं० कृष्णमोहन शास्त्री सम्पादित। पूर्वार्द्ध ३०-००, उत्तरार्द्ध २०-००

१७ **कादम्बरी।** पूर्वार्द्ध। भानुचन्द्र कृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित २०-००, ३०-००

*१८ **कादम्बरी : कथामुख।** संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। प्रो० समीर शर्मा
[कादम्बरी कथामुख का प्रस्तुत संस्करण विश्वविद्यालयों के छात्रों की कठिनाइयों को ध्यान में रखकर मूल के प्रतिपद की व्याख्या सरल संस्कृत-हिन्दी में की गयी है। कठिन पारिभाषिक शब्दों के अर्थ तथा समासविग्रह टिप्पणी (विमर्श) में समझाया गया है। अन्त में प्रमुख कथाओं का सार संक्षेप में देकर भूमिका में परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्त्वपूर्ण प्रश्न तथा उनके उत्तर भी दिये गये हैं। इस प्रकार यह अभिनव संस्करण छात्रों के लिये अधिक उपयोगी हो गया है] [वि० सं० १६०] ६-००

*१९ **कादम्बरी : महाश्वेतावृत्तान्त।** व्याख्याकार—प्रद्युम्न पाण्डेय
[विभिन्न विश्वविद्यालयों की बी० ए० परीक्षा में निर्धारित इस पुस्तक में कादम्बरी के महाश्वेतावृत्तान्त भाग की अत्यन्त स्पष्ट, सरस एवं सुबोध सटिप्पणी हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है।] [वि. सं. ६५] १०-००

*२० **कादम्बरी : शुकनासोपदेश।** सान्वय संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक परीक्षोपयोगि भूमिकादि सहित। व्याख्याकर—झा-बन्धु
[इसमें समस्त शब्दों का विग्रह, अत्यन्त सरल संस्कृत में उसकी व्याख्या तथा प्राञ्जल एवं मुहावरेदार हिन्दी में अनुवाद किया गया है।] [वि. सं. ६४] ५-००

*२१ **कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन।** डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल
[यह ग्रन्थ सम्पूर्ण कादम्बरी का व्यवस्थित आलोचनात्मक हिन्दी रूपान्तर है। कादम्बरी के विषय में इस एक ग्रन्थ को लेकर आप अन्य किसी ग्रन्थ की अपेक्षा नहीं रखेंगे। साहित्य-प्रेमियों को इस ग्रन्थ का अवश्य संग्रह करना चाहिए।]
[वि. रा. १४] २५-००

*२२ **कादम्बरीकथासारः।** हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या, विस्तृत भूमिकादि सहित। सम्पा० एवं व्याख्याकार—डॉ० बलराम सदाशित अग्निहोत्री
[विभिन्न विश्वविद्यालयों में पाठ्यस्वीकृत इस संकलन में कादम्बरी का सम्पूर्ण कथासूत्र पूर्ण सुरक्षित रखा गया है। व्याख्यान करने में यह ध्यान रखा गया है कि विद्यार्थी उसके भावों तक पहुँच सके, साथ ही कथा की धारा भी टूटने न पाये। अंग्रेजी के छात्रों के लिए इसकी अंग्रेजी व्याख्या ही पर्याप्त है] [वि. सं. १४५] १५-००

२३ **कान्हडदेप्रबन्ध।** पद्मनाभ विरचित १२-२५

*२४ **काव्यप्रबन्धः।** (काव्यपदार्थविवृत्ति-कविसमयादिनिरूपणात्मक) शास्त्री, आचार्य एवं बी० ए०, एम० ए० हेतु परीक्षोपयोगी निबन्ध संग्रह।
[इस पुस्तक में काव्य, वाक्य, शब्दार्थ, तात्पर्यार्थ, शक्ति, संकेतग्रह, जातिवाद

लक्षणा, व्यंजना, ध्वनि, रस, स्थायिभावभेद, गुणालंकारभेद तथा श्लेषालंकारभेदों का निरूपण करके कवित्व का लक्षण तथा महाकवि कालिदास, भवभूति, भारवि, शूद्रक, माघ, दण्डी, बाण आदि कवियों की संक्षिप्त जीवनियों तथा उनकी कृतियों पर प्रकाश डाला गया है] [वि. सं. २३] ४-००

२५ **कुमारपालचरित्रसंग्रह** । जिनविजयमुनि सम्पादित १०-००

*२६ **कौमुदी-कथाकल्लोलिनी** । प्रो० रामशरण शास्त्री [वि. सं. ५४]
[इस ग्रन्थ में रोचक गद्य-कथानकों में कौमुदी के अच्संधि से उत्तरकृदन्त तक के प्रायः सभी उदाहरणों को देकर कथासाहित्य की नवीन विधि का अनूठा प्रयोग प्रस्तुत किया गया है। कथा का आधार कथासरित्सागर है। अन्त में छपे 'संस्कृत-हिन्दी-अभिधान' से प्रस्तुत ग्रन्थ अधिक उपयोगी हो गया है।] नवीन संस्करण शीघ्रप्राप्य

२७ **खरतरगच्छ बृहद्गुर्वावली** । जिनविजयमुनि सम्पादित ७-००

२८ **गणिकावृत्तसंग्रहः** । डॉ० लुडविक स्टर्नबाक संगृहीत ३५-००

२९ **गद्यचिन्तामणि** । वादीभ सिंह कृत । हिन्दी टीका सहित ३०-००

३० **चउप्पन्न महापुरिसचरियं** । सिरि सीलंकायरिय विरइयं । अमृतलाल मोहनलाल भोजक सम्पादित २१-००

३१ **चतुर्वेदिसंस्कृतरचनावलिः** । पं० गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी २५-००

*३२ **चन्द्रप्रभाचरितम्** । म० म० श्री शङ्करलाल विरचित । 'पौर्णमासी' संस्कृत व्याख्या, परिशिष्ट नोट्स सहित
[इसकी शैली दण्डी एवं बाणभट्ट की कोटि उत्कृष्ट है। अनेक परीक्षाओं में पाठ्य-स्वीकृत हो जाने के कारण इसकी सर्वबोध्य सुगम छात्रोपयोगी व्याख्या तथा नोट्स भी प्रस्तुत कर दी गयी है] [वि. सं. ८४] ८-००

३३ **चन्द्रापीडकथा** । सम्पा० वी० अनन्ताचार्य १-२५

*३४ **चारुचर्या (भारतीय सदाचार)** हिन्दी रूपान्तरकार—श्री देवदत्त शास्त्री
[श्री क्षेमेन्द्र विरचित चारुचर्या का यह हिन्दी रूपान्तर है। यह ग्रन्थ भारतीय सदाचार एवं शिष्टाचार का कोष है। मनुष्य जिस आचरणों और व्यवहारों से सामाजिक अभ्युदय प्राप्त कर जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है, उनका एक समुच्चय इस पुस्तक में है।] [वि. रा. ४४] ३-००

*३५ **चिन्तन के नये चरण** । श्री देवदत्त शास्त्री
[इस पुस्तक के निबन्धों के सभी विषय सामान्य और व्यापक होने के साथ ही साहित्यकारों एवं अनुसन्धायकों के नित्य उपयोग के हैं।] [वि. रा. ३१] १२-००

३६ **छत्रपतिसाम्राज्यम्** । शिवशङ्कर त्रिपाठी कृत ६-००

*३७ **टालस्टाय-कथासप्तकम्** । संस्कृत टिप्पणी सहित । भगीरथप्रसाद त्रिपाठी 'वागीशशास्त्री'
[जगत् विख्यात रूसी विद्वान् टालस्टाय विरचित कथासप्तक के संस्कृत में अनुदित इस ग्रन्थ के प्रकाशित होते ही उत्तर प्रदेश की सरकार ने रूपान्तरकार को पुरस्कृत किया है। इस ग्रन्थ की निम्नलिखित सातों कथायें शिक्षाप्रद और ओजवर्धक हैं—१. त्रयो योगिन्, २. ननु भवेद् विलम्बो नैवान्यः, ३. रसालविशालो गोधूमः, ४. अस्मत्तो मतिमत्तमा बालकाः, ५. कियती भूः ६. मूर्खराट् और ७. प्रश्नत्रयी। संस्कृत रूपान्तर की भाषा अत्यन्त सरल और सुबोध है] [वि. सं. १५६] ५-००

३८ **त्रिपुरदाहकथा** । आचार्य रामस्वरूप शास्त्री ५-००

३९ **दरिद्राणांहृदयम्** । श्री नारायणशास्त्री कृत १-००

४० **दशकुमारचरितम्** । विस्तृत संस्कृत टीका सहित । जीर्ण ७-००

+४१ **दशकुमारचरितम्** । पूर्वपीठिका । 'विमला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् ।
व्याख्याकार—पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी [चौ. सु. २२] ४-००
४२ **दशकुमारचरितम्** । विस्तृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । सुबोधचन्द्र पन्त १०-००
४३ **दशावतारचरितम्** । (संक्षिप्त) क्षेमेन्द्र कृत । सम्पा० जगदीश प्रसाद निगम २-००
४४ **द्वात्रिंशत्पुत्तलिकासिंहासनम्** । विस्तृत टीका सहित । जीर्ण ६-००
४५ **द्वासुपर्णा** । रामजीउपाध्याय विरचित ३-००
४६ **धर्मोपदेशमालाविवरण** । लालचन्द वी० गाँधी सम्पादित ९-७५
४७ **नलोपाख्यानसंग्रहः** । लक्ष्मणसूरिविरचित २-००
*४८ **नवसाहसाङ्कचरितम्** । परिमलपद्मगुप्त कृत । जितेन्द्रचन्द्र भारतीय कृत
हिन्दी व्याख्या । विस्तृत भूमिका सहित [वि. सं. ६६]
[इसकी सारगर्भित हिन्दी व्याख्या में ग्रन्थ के भाव, भाषा, छन्द, शैली, रस,
अलङ्कार आदि का विशद विवेचन किया गया है । सम्पूर्ण २५-००
*४९ **पञ्चतन्त्रम्** । 'सरला' हिन्दीटीकासहित । श्रीगोकुलदास गुप्त [वि. सं. १७] १५-००
मित्रभेद (प्रथम तन्त्र) ४-००, मित्रसम्प्राप्ति (द्वितीय तन्त्र) २-५०
काकोलूकीय (तृतीय तन्त्र) २-५०, लब्धप्रणाशम् (चतुर्थ तन्त्र) २-००
अपरीक्षितकारक (पञ्चम तन्त्र) श्रीकृष्णमणित्रिपाठीकृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या ३-५०
५० **पञ्चाख्यान बालावबोध** । प्रथम भाग प्रथम तंत्र २४-००
५१ **पुरातनप्रबन्धसंग्रहः** । ऐतिहासिक प्रबन्ध ८-५०
*५२ **पौराणिक कथाएँ** । श्री हृदयराम शर्मा । पुराणों में बिखरे हुए ७५ चरित्र नायकों
का अपूर्व कथा संग्रह [वि. रा. ४५]
[उदात्त चरित्रों के परिपूर्ण लगभग ७४ पौराणिक कथाओं को लोकरुचि के अनुकूल
रूप देकर यह ग्रन्थ सम्पादित किया गया है । आबाल-वृद्ध सभी को इसमें पर्याप्त
रुचिपूर्ण कहानी कहने-सुनने की प्रवृत्ति तुष्ट होकर उत्कृष्ट मनोरञ्जन भी होगा ।] ५-००
५३ **प्रकृति और काव्य** । डॉ० रघुवंश २०-००
*५४ **प्राकृतपुष्करिणी** । हिन्दी अनुवाद सहित । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन ।
[इस ग्रन्थ में ध्वन्यालोक, दशरूपक, सरस्वती कण्ठाभरण, अलङ्कारसर्वस्व, काव्य-
प्रकाश, काव्यानुशासन आदि अलङ्कार ग्रन्थों में उद्धृत प्राकृत की सर्वश्रेष्ठ चुनी हुई
५०० गाथाओं का वर्णानुक्रम से सङ्कलन है] [वि. सं. ५९] ३-५०
५५ **बृहत्कथा** । गुणाढ्य कृत । नीलम अग्रवाल कृत हिन्दी १७-५०
५६ **भारतराष्ट्ररत्नम्** । सानुवाद ८-००
५७ **भारतसंग्रहः** । लक्ष्मणसूरिविरचित २-५०
५८ **भासकथासारः** । महालिङ्ग शास्त्री प्रणीत । १ व ३ भाग ५-००
*५९ **भोजप्रबन्धः** । 'राज्यश्री' हिन्दी टीका । डॉ० भोलाशङ्कर व्यास सम्पादित
समालोचनात्मक भूमिका सहित [वि. सं. २१] ५-००
६० **म० म० महादेवशास्त्री अभिनन्दन ग्रन्थ** । सम्पा० मथुरा प्रसाद दीक्षित १५-००
*६१ **मन्दाकिनी** । डॉ० देवर्षि सनाढ्य ।
[वाल्मीकि, कालिदास, भर्तृहरि, भारवि, श्रीहर्ष, मयूर, जयदेव आदि संस्कृत
साहित्य के महान् मनीषियों की रचनाओं का हिन्दी व्याख्यात्मक परिचय पाठकों
को भारतीय साहित्य के प्रति निष्ठा की भावना उत्पन्न करेगा ।] [वि. रा. २२] २-५०
६२ **मन्दारमञ्जरी** । श्री विश्वेश्वरपाण्डेय विरचित । सव्याख्या १०-००
६३ **मन्दारमञ्जरी** । (दिग्वर्णन से देवी-गुण-वर्णनपर्यन्त) श्री कृष्णकुमार अवस्थी ३-००
६४ **राजोपदेश** । सचित्र । हंसराज अग्रवाल २-००

६५ **रामकथा** । वासुदेव विरचित ०–८०
६६ **रामविवाह** । (चित्रकाव्य) लक्ष्मण शास्त्री १–००
६७ **वर्णकसमुच्चय** । सम्पा० वी० जे० सन्देसरा । १–२ भाग २०–००
६८ **वाल्मीकिविजयः** । वैद्योपाह्व परशुराम शर्मा विरचित २–५०
*६९ **वासवदत्ता** । सुबन्धु विरचित । 'चपला' 'प्रबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका समालोचना, कवि की जीवनी आदि आधुनिक विषयों से सुसज्जित
[नवीनपद्धति के अनुकूल इसकी सरल सुबोध संस्कृत टीका में प्रति पद का पर्याय, कोश, अलंकार आदि देकर तदनुरूप हिन्दी टीका में भी पद पद का विस्तृत विवेचन किया गया है । इसकी गवेषणात्मक हिन्दी प्रस्तावना भी अध्ययन करने योग्य है । द्वितीय संस्करण] [वि. सं. २] ८–००
७० **वासवदत्ता-कथा** । सुबन्धु विरचित । सम्पा० डॉ० जयदेव मोहनलाल शुक्ल ४–५०
७१ **विक्रमाङ्काभ्युदयम्** । भूलोकमल्ल सोमेश्वर विरचित १०–००
७२ **विज्ञप्तिलेखसंग्रह** । (विज्ञप्ति त्रिवेणी–विज्ञप्ति महालेख–आनन्द प्रबन्ध लेखादि समुच्चयात्मक) प्रथम भाग १०–५०
७३ **विदुलोपाख्यानम्** । लीला-विलास संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १–५०
७४ **विद्वद्विभूति** । प्रो० श्री रामचन्द्र झा कृत १–५०
७५ **विश्रुतचरितम्** । 'बालविबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका १–२५
७६ **वीणावासवदत्तकथा** । के० वी० शर्मा सम्पादित ५–००
*७७ **वेतालपञ्चविंशतिः** । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । पं० दामोदर झा
[बहुत ही सरल तथा प्रवाहमयी प्रस्तुत व्याख्या से मूल के प्रतिपद का अर्थ समझा जा सकता है । आबाल-वृद्ध सभी को इससे पर्याप्त रुचिपूर्ण कहानी कहने सुनने की प्रवृत्ति तुष्ट होकर उत्कृष्ट मनोरंजन भी होगा । ग्रन्थ के आदि भाग से सम्पूर्ण ग्रन्थ के पचीसों कथाओं का अविकल हिन्दी रूपान्तर छापा गया है । असंस्कृतज्ञ भी राष्ट्रभाषा के माध्यम से महाराज विक्रम और वेताल के प्रश्नोत्तरात्मक संस्कृत के कथाओं के रसास्वादन से अनिर्वचनीय आनन्द को प्राप्त करेंगे ।] [वि. सं. १४४] १५–००
७८ **वेताल-पचीसी** । देईदान नाइता रचित ३–५०
७९ **शङ्करजीवनाख्यानम्** । क्षमाराव कृत २–००
८० **शङ्कर विजय** । व्यासाचल विरचित ९–१२
८१ **शकुन्तलाचरितम्** । वे० वरदाचार्य १–२५
८२ **शिवराजविजयः** । अम्बिकादत्तव्यास । वैजयन्ती हिन्दी व्याख्या । सम्पूर्ण २९–००
१–२ निश्वास ४–००, १–३ निश्वास ५–००, १–४ निश्वास ६–००
४–५ निश्वास ३–००, ५–८ निश्वास ८–०० ९–१२ निश्वास १५–००
८३ **शिवराजविजय कुञ्जिका** । पं० परमानन्द शास्त्री ४–००
८४ **शुकसप्ततिः** । 'विनोदिनी' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेता । श्रीरमाकान्त त्रिपाठी १०–००
८५ **श्रीरामकृष्णकथामृतम्** । प्रथमभाग २०–००
८६ **श्रीरामावतार प्रकीर्ण प्रबन्धावली** । प्रथमखण्ड ११–००
८७ **संस्कृत-काव्य-कथाएँ** । श्री बच्चा पाण्डेय ३–५०
८८ **संस्कृत-गद्य-कलिका** । सम्पा० डॉ० हरीन्द्रभूषण जैन २–००
८९ **संस्कृत-गद्य-पद्यसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ६–००
९० **संस्कृत-गद्य-भारती** । डॉ० हरिदत्त शास्त्री एवं राजकुमार जैन २–७५
९१ **संस्कृतगद्यमञ्जरी** । चन्द्रशेखर पाण्डेय कृत ४–००
९२ **संस्कृत-गद्य-लहरी** । श्री हरिहर झा । १–२ भाग ५–००

९३ **संसार-सागर-मन्थन** । १-२ भाग १०-००
९४ **समीक्षाशास्त्र** । श्री सीताराम चतुर्वेदी २२-००
९५ **सावित्र्युपाख्यानम्** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १-५०
९६ **सीतारावण संवादझरी** । चामराज नागराम रामशास्त्री कृत । सव्याख्या ३-७५
९७ **सूरज प्रकाश** । १-३ भाग २७-२५
९८ **स्थविरावलिचरितम्** । परिशिष्ट पर्वण । हेमचन्द्र विरचित ५-००
*९९ **स्मृति के हस्ताक्षर** । (अतिशय रोचक और प्रेरक संस्मरण) देवदत्त शास्त्री
[वि. रा. ५६] ७-००
*१०० **हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्** । सायणभाष्यसहित । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित
व्याख्याकार—उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' [वि. सं. ९९]
[इसमें मूल के बाद उसका सरल हिन्दी अनुवाद, तब सायणभाष्य और फिर विमर्शात्मक टिप्पणी भी दी गई है। ग्रंथ का कोई भी अंश ऐसा नहीं छूटा है जिसपर विवेचनात्मक प्रकाश न डाला गया हो। विशद भूमिका में शास्त्रीय विषयों तथा ग्रन्थ से सम्बन्धित पाण्डित्यपूर्ण विचार प्रदर्शित किए गए हैं।] ४-००
*१०१ **हर्षचरितम्** । बाणभट्ट कृत । 'संकेत' तथा आचार्य जगन्नाथ पाठक कृत हिन्दी टीकाद्वय, विस्तृत प्रस्तावनादि सहित । [वि. सं. ३६]
[इस संस्करण की हिन्दी व्याख्या अपने आप में इतनी पूर्ण है कि स्वतन्त्र मौलिक रचना प्रतीत होती है। ग्रन्थ की विस्तृत भूमिका भी महाकवि का वंशवर्णन, कवि की आत्मकथा, पात्रालोचन, कादम्बरी का परिचय और उससे तुलना, कथासार, आलोचना आदि विविध परीक्षोपयोगी ज्ञातव्य विषयों से विभूषित है। परिवर्धित द्वितीय संस्करण ।] १-२ उच्छ्वास ६-००, सम्पूर्ण १८-००
*१०२ **हर्षचरितम्** । (पञ्चम उच्छ्वासः) सुधा-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ।
व्याख्याकार—श्री शिवनाथ शर्मा पाण्डेय
[इसकी हिन्दी व्याख्या में ध्यान रखा गया है कि अनुवाद सरल एवं स्पष्ट हो तथा अनुच्छेद का वास्तविक स्वरूप लुप्त न होने पावे। 'विशेष' में व्याकरण एवं कोष-सम्बन्धी विषयों का तथा 'टिप्पणी' में सांस्कृतिक विषयों का भी निर्देश है। सुविशद भूमिका में परीक्षोपयोगी सभी शास्त्रीय विषयों पर व्यापक विवेचन है।]
[वि. सं. ८६] ५-००
१०३ **हर्षचरित : एक सांस्कृतिक अध्ययन** । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल ९-५०
१०४ **हर्षचरितसार** । मिराशी । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १०-००
१०५ **हितोपदेश** । सम्पूर्ण । मूलमात्र १-५०
१०६ **हितोपदेश** । 'किरणावली' हिन्दी टीका सहित १२-००
+१०७ **हितोपदेश-मित्रलाभः** । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेतः ।
व्याख्याकार—आचार्य श्रीशेषराज शर्मा 'रेग्मी' [चौ. सु. ४] ५-५०
१०८ **हितोपदेश-सुहृद्भेदः** । 'किरणावली' हिन्दी टीका सहित ३-५०
109 Chaurapanchashika of Vilhan. English Translation 6-00
110 Dashakumarcaritam. Text with English Translation.
By M. R. Kale 25-00, 50-00
111 Harshacarita. By Cowell and Thomas 12-00
112 Harshacarita–By P. V. Kane 20-00
113 Hitopadesha. Text with English Translation. M. R. Kale 12-00
114 Kadambari. Purvardha. M. R. Kale 25-00

115 Kadambari. With English Translation. P. V. Kane. Part I 20-00
116 Kadambari. Kathamukha. With Notes & English Translation. By P. V. Kane 10-00
117 Kadambari. Text with English Translation. S. Rangachar & R. Sreenivasachar. Purvaradha Part VI 2-75
118 Kadambarisangraha. English Translation. By V. Gopal Iyengar. Purvabhaga 5-00
119 Panchatantra-M. R. Kale 8-00
120 Sringaramanjarikatha. Bhojadeo. With English Translation. By Kumari Kalpalata. Ed. by K. M. Munshi 12-50
121 Sekashubhodaya of Halayudha Mishra. With English Translation. By Sukumara Sen 30-00
122 Vasavadatta : A Sanskrit Romance. By Louis H. Gray 7-50

अलङ्कारशास्त्र-ग्रन्थाः

१ **अरस्तू का काव्यशास्त्र** । डॉ० नरेन्द्र–महेन्द्र चतुर्वेदी १५-००
२ **अलङ्कारचिन्तामणि** । अजितसेन कृत । संस्कृत-हिन्दी अनुवाद सहित । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री १८-००
*३ **अलङ्कारपीयूष** । डॉ० गङ्गासागर राय
[परीक्षा में प्रष्टव्य चुने हुए ५२ अलंकारों की मार्मिक हिन्दी व्याख्या के साथ इस ग्रन्थ का सम्पादन किया गया है। संस्कृत की मध्यमा, बी० ए० तथा एम० एम० के परीक्षार्थियों के लिए यह पुस्तक अत्यन्त उपयोगी है] [वि. सं. ७१] ३-००
४ **अलङ्कारप्रकाश** । डॉ० वीरेन्द्रकुमार वर्मा १-५०
५ **अलङ्कारप्रदीपः** । श्री विश्वेश्वरपाण्डेयनिर्मित ५-००
६ **अलङ्कारमञ्जरी** । वेणीदत्त प्रणीत । सम्पा० पं० बदरीनाथ झा २-००
७ **अलङ्कारमणिहारः** । परकालस्वामी प्रणीत । चतुर्थ भाग मात्र ३-००
८ **अलङ्कारमीमांसा** । अलंकारसर्वस्व के सन्दर्भ में अलंकार सिद्धान्त का अनुसन्धान । डॉ० रामचन्द्र द्विवेदी १६-००
९ **अलङ्कारमुक्तावली** । श्रीविश्वेश्वरपाण्डेयनिर्मित ५-००
१० **अलङ्काररत्नाकरः** । शोभाकरमिश्रविरचित । देवधर सम्पादित ८-००
११ **अलङ्कारविद्योतनम्** । पं० कृष्णमाधव झा २-००
१२ **अलङ्कारशास्त्र का इतिहास** । कृष्णकुमार २५-००
१३ **अलङ्कारशेखरः** । केशवमिश्र । अनन्तराम शास्त्री कृत भूमिकादि सहित ५-००
१४ **अलङ्कारशेखरः** । केशवमिश्र । माणिक्यचन्द्रकारितः २-००
१५ **अलङ्कारसंग्रहः** । अनन्तानन्दयोगि कृत १६-००
१६ **(हिन्दी) अलङ्कारसर्वस्व** । व्याख्याकार—आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी ४०-००
१७ **अलङ्कारसर्वस्वम्** । 'संजीवनी' संस्कृत व्याख्या सहित । सम्पादिका—कुमारी स० सु० जानकी । संशोधक—डॉ० वी० राघवन ५०-००
१८ **अलङ्कारसर्वस्वम्** । 'संजीवनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ३०-००
१९ **अलङ्कारसर्वस्वम्** । सम्पा० गौरीनाथ पाठक । मूलमात्र २-००
+२० **अलङ्कारसारमञ्जरी** । म० म० पण्डित श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' कृत सान्वय परीक्षोपयोगि हिन्दी व्याख्या सहित । परिवर्द्धित द्वितीय संस्करण [चौ. सु. ११] २-००
२१ **अलङ्कारों का क्रमिक विकास** । पुरुषोत्तम चतुर्वेदी १५-००

*२२ **औचित्यविचारचर्चा**। 'प्रभा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या। ब्रजमोहन झा [वि.सं. ११८]
[भाव तथा विषय के अनुरूप ही व्याख्या की भाषा अत्यन्त सरल है। बृहदाकार भूमिका में 'औचित्य' के स्वरूप आदि पर उदात्त विवेचन के साथ प्रतिष्ठापक आचार्यों का ऐतिहासिक क्रम से परिचय, औचित्य पर पाश्चात्य आलोचकों की दृष्टि तथा क्षेमेन्द्र के जीवन और कृतित्व आदि विषयों पर पाण्डित्यपूर्ण उपयोगी विचार हैं] १०-००

*२३ **औचित्य-सम्प्रदाय का हिन्दी काव्यशास्त्र पर प्रभाव**। डॉ० चन्द्रहंस पाठक [वि. रा. ११०] ३५-००

२४ **कर्णभूषणम्**। गङ्गानन्द कविराज विरचित २-००

२५ **कविकल्पलता**। मूलमात्र ४-००

२६ **कविकल्पलता**। देवेश्वर विरचित। १-२ भाग १-५०

२७ **काव्यदर्पणः**। राजचूड़ामणि दीक्षित विरचित ६-००

+२८ **काव्यदीपिका**। 'सुधा'-'विमला'-संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेता। व्याख्याकार—डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी। अष्टमशिखा ३-००, सम्पूर्ण ७-००

२९ **काव्यपरीक्षा**। श्रीवत्सलाञ्छन विरचित। स्वोपज्ञ वृत्ति सहित ८-००

*३० **काव्यप्रकाशः**। 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या, टिप्पणी, समालोचनात्मक विस्तृत प्रस्तावनादि सहित। व्याख्याकार—डॉ० सत्यव्रत सिंह। [वि. सं. १५]
[संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी में समानरूप से इस ग्रन्थ की व्यापकता को देखकर तदनुकूल ही इसकी व्याख्या की गयी है। व्याख्या के साथ-साथ टिप्पणी (नोट्स) में वे सभी विषय दिये गये हैं जो वामनी, काव्यादर्श, धन्यालोकलोचन आदि में बिखरे पड़े हैं। परिष्कृत तृतीय शोधपूर्ण संस्करण।] सम्पूर्ण २५-००

*३१ **काव्यप्रकाशः**। 'नागेश्वरी' संस्कृत टीका सहित २५-००

*३२ **काव्यप्रकाशः**। वामनाचार्य झलकीकर प्रणीत व्याख्या सहित ३०-००

३३ **काव्यप्रकाशः**। टीकात्रय 'बालचित्तानुरञ्जनी' 'सारबोधिनी' 'काव्यप्रकाशदर्पण' ६०-००

३४ **काव्यप्रकाशः**। भट्टसोमेश्वर कृत काव्यादर्शसंकेत सहित। १-२ भाग २०-२५

३५ **काव्यप्रकाशः**। परमानन्द चक्रवर्ति प्रणीत काव्यप्रकाशविस्तारिका व्याख्या सहित। प्रथम भाग १-६ उल्लास ३८-००

३६ **काव्यप्रकाश**। दीपिका टीका युक्त। २-३ भाग। द्वितीय १-५०, तृतीय १५-००

३७ **काव्यप्रकाशः**। चण्डीदास कृत दीपिका टीका सहित। तृतीय भाग १०-००

३८ **काव्यप्रकाशखण्डनम्**। खुशफहम् सिद्धिचन्द्रगणि विरचित ४-५०

३९ **काव्यप्रकाशरहस्यम्**। (काव्यप्रकाश-प्रश्नोत्तरी) ४-००

४० **काव्यप्रकाश**। (प्रश्नोत्तर रूप में) डॉ० पारसनाथ द्विवेदी ४-००

४१ **काव्यप्रकाश-प्रकाश**। (प्रश्नोत्तर रूप में) प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल ५-००

४२ **काव्यप्रकाशविवरणम्**। गोकुलनाथोपाध्यायविरचित। पञ्चमोल्लासपर्यन्त ८-००

*४३ **(हिन्दी) काव्यमीमांसा**। 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार—डॉ० गङ्गासागर राय। प्रस्तावना-आचार्य बलदेव उपाध्याय [वि. सं. १२१]
[इस संस्करण में सटिप्पण मार्मिक हिन्दी व्याख्या की गई है। व्याख्या को अन्य सिद्धान्तों के परिवेश में उपस्थित कर तुलनात्मक तथा आलोचनात्मक रूप दिया गया है। प्रारम्भ की विस्तृत भूमिका में राजशेखर का समय पूर्ववर्ती आचार्यों की परम्परा तथा उसमें राजशेखर का स्थान, देश-काल, विषय-वस्तु आदि का मार्मिक परिचय दिया गया है। अन्त में कई परिशिष्ट भी हैं।] १८-००

+४४ **काव्यमीमांसा**। परीक्षोपयोगी 'विमला'-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार—पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी। [चौ. सु. २३] १-५ अध्याय ३-५०

४५ **काव्यमीमांसा** । सम्पा० सी० डी० दलाल १२–००
४६ **काव्यलक्षणम्** । रत्नश्रीज्ञानकृतया-रत्नश्रिया-टीकयासमलंकृतम् १५–००
४७ **काव्य-शास्त्र-दीपिका** । डॉ० विश्वनाथ भट्टाचार्य तथा रामगोविन्द मिश्र सम्पादित १–६०
४८ **काव्यशास्त्र-सन्दर्भ-संग्रहः** । डॉ० सत्यव्रत सिंह २–७५
४९ **काव्य-समीक्षा** । डॉ० विक्रमादित्य राय १२–५०
*५० **काव्याङ्गनिर्णयः** । प्रो० जङ्गबहादुर मिश्र [वि. रा. १३] यन्त्रस्थः
*५१ **काव्यादर्शः** । दण्डीविरचित । आचार्य रामचन्द्रमिश्र प्रणीत संस्कृत व्याख्या विमर्शाख्य हिन्दी भाष्य, समालोचनात्मक विस्तृत भूमिका विभूषित । [वि. सं. ३७] [सरल संस्कृत-हिन्दी भाष्य करके इसे सुबोध बनाया गया है । इस संस्करण की प्रस्तावना में लगभग ७० अलंकारशास्त्रियों का समय, रचनाएँ तथा उनकी विशेषताओं का वर्णन है । साथ ही अलंकारशास्त्र, अलंकारशब्दार्थ एवं अलंकारशास्त्र का क्रमविकास नामक प्रसंग भी प्रस्तावना में अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं ।] १६–००
*५२ **(हिन्दी) काव्यालङ्कार** । महाकवि रुद्रट विरचित । [वि. सं. १३६] [नमिसाधु कृत संस्कृतटिप्पण, सविमर्श 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या, पाण्डित्यपूर्ण ग्रन्थालोचन, अलङ्कार-समीक्षण तथा शास्त्रीय विचारों से परिपूर्ण प्रस्तावना-वक्तव्य-परिशिष्ट आदि से सुसज्जित ।] हिन्दी व्याख्याकार—श्रीरामदेव शुक्ल २०–००
५३ **काव्यालङ्कारः** । भामह विरचित । देवेन्द्रनाथ शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित ५–००
+५४ **काव्यालङ्कारकारिका** । (अभिनवं काव्यशास्त्रम्) रचयिता–डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ३०–००
५५ **काव्यालङ्कारसारसंग्रह और लघुवृत्ति की व्याख्या** । डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी १५–००
५६ **काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः** । 'कामधेनु' व्याख्या सहित 'विद्याधरी' हिन्दी टीका सहित । तृतीयाधिकरण २–०० सम्पूर्ण १०–००
५७ **काव्यालङ्कारसूत्राणि** । 'काव्यालङ्कारकामधेनु' व्याख्या । डॉ० बेचन झा १५–००
५८ **काव्येन्दुप्रकाशः** । कामराज दीक्षित प्रणीत । बाबूलाल शुक्ल शास्त्री सम्पादित १०–००
*५९ **कुवलयानन्दः** । डॉ० भोलाशङ्कर व्यास कृत 'अलङ्कारसुरभि' नामक सुविस्तृत हिन्दी व्याख्या, टिप्पणी तथा अलङ्कारशास्त्रीय इतिहासात्मक बृहद् भूमिकादि सहित [इसकी व्याख्या में शास्त्रार्थस्थलों को सुबोध बनाने की अथक चेष्टा की गई है । कुवलयानन्दकार की परिभाषाओं, भेदों तथा उदाहरणों की जहाँ-जहाँ पण्डितराज ने रसगङ्गाधर में आलोचना की है, उन-उन स्थलों पर पण्डितराज के आक्षेपों को उपन्यस्त कर ग्रन्थ को अधिक उपयोगी बनाया गया है । आरम्भ में एक विस्तृत भूमिका है जिसमें प्रायः सभी प्राचीन अलंकारशास्त्रियों के मतों का समन्वय एवं समीक्षा आदि है ।] [वि. सं. २४] २०–००
६० **कोविदानन्दः** । आशाधरभट्ट कृत । 'कादम्बिनी' संस्कृत एवं 'दीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित । डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी १६–००
+६१ **चन्द्रालोकः** । 'विमला'-'सुधा'-संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतः । व्याख्याकारः—डॉ० कृष्णमणि त्रिपाठी । पञ्चम मयूख ४–००, सम्पूर्ण ८–००
६२ **चन्द्रालोकः** । गागाभट्ट कृत 'राकागम' टीका सहित १०–००
*६३ **चन्द्रालोकरहस्यम्** । चन्द्रालोक-प्रश्नोत्तरी । अभिनव संस्करण [इसकी प्रमुख विशेषता यह है कि प्रश्न के उत्तर में अधीन विषय को संक्षिप्त रूप में लिखने की शैली और विषय का ठोस ज्ञान एक साथ ही होता चलता है ।] [वि. सं. ३०] ४–००
६४ **चमत्कारचन्द्रिका** । डॉ० पी० एस० मोहन । सम्पा० डॉ० वी० राघवन ५४–००
६५ **(हिन्दी) चित्रमीमांसा** । धरानन्द विरचित 'सुधा' टीका सहित हिन्दी व्याख्याकार—आचार्य जगदीशचन्द्र मिश्र २५–००

६६ **चित्रमीमांसा**। अप्पयदीक्षित कृत। धरानन्द कृत सुधा संस्कृत व्याख्या सहित। सम्पा० कालिकाप्रसाद शुक्ल २०-००

६७ **त्रिवेणिका**। आशाधरभट्टकृता। डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी कृत दीपिका हिन्दी व्याख्या सहित १५-००

*६८ **दशरूपकम्**। धनञ्जयविरचित। **सावलोक**। 'चन्द्रकला'-हिन्दीव्याख्योपेतम्। समालोचनात्मक प्रस्तावनादि विभूषित। व्याख्याकार—डॉ० भोलाशङ्कर व्यास [संस्कृत तथा हिन्दी दोनों व्याख्याएँ अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के अत्यधिक उपयोग की हुई हैं। विद्वान् व्याख्याकार ने शास्त्रार्थ के दुरूह स्थलों पर इतना सुविस्तृत और गम्भीर विवेचन किया है कि यह हिन्दी व्याख्या दशरूपक की एक स्वतन्त्र मौलिक रचना के रूप में परिणत हो गई है। ग्रन्थ के आरम्भ में अतिविस्तृत भूमिका देकर भारतीय नाटकों की उत्पत्ति, नाट्यशास्त्र का इतिहास तथा नाट्यशास्त्र के सिद्धान्तों को विस्तार से विश्लेषित किया गया है। यह कहना अत्युक्ति नहीं होगा कि इस रचना से हिन्दी साहित्य की भी अवश्यमेव श्रीवृद्धि हुई है। संस्कृत तथा हिन्दी के अधिकारी विद्वानों और सम्मेलन पत्रिका (प्रयाग), 'आज' (वाराणसी) तथा 'हिन्दीवाङ्मय' पत्र-पत्रिकाओं ने इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की है।]
[वि. सं. ७] २०-००

६९ **दशरूपकम्**। भट्टनृसिंह कृत लघुटीकासहितया, धनिककृतयावलोकाख्यया व्याख्या समेत। सम्पादक—टी० वेंकटाचार्य २६-००

७० **दशरूपक-तत्वदर्शनम्**। डॉ० रामजी उपाध्याय २५-००

७१ **दशरूपक : आलोचनात्मक अध्ययन**। प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल ४-००

७२ **ध्वन्याकोकः**। पं० बदरीनाथ शर्मा कृत 'दीधिति' संस्कृत व्याख्या सहित २०-००

*७३ **(हिन्दी) ध्वन्यालोक-लोचन**। 'लोचन' संस्कृत व्याख्या-'प्रकाश' विस्तृत हिन्दी टीका सहित। व्याख्याकार—आचार्य जगन्नाथ पाठक। [इस ग्रन्थ में 'ध्वन्यालोक' तथा उसकी टीका 'लोचन' का इतना सुन्दर अनुवाद दिया गया है कि छात्रों को ग्रन्थ लगाने में तनिक भी आयास नहीं होगा। गूढ ग्रन्थि और अस्पष्टता के निवारण के लिये सुविशद टिप्पणी के रूप में व्याख्यात्मक विवेचन देकर ग्रन्थाशय को सुस्पष्ट कर दिया गया है। सम्बद्ध विषयों के विचार से परिपूर्ण विशद भूमिका भी ग्रन्थ-गौरव के अनुकूल प्रस्तुत की गई है। मूल लोचन में संशोधन भी किया गया है। अपनी कोटि का यह सर्वप्रथम उपयोगी संस्करण है।] प्रथम उद्योत १०-००, प्रथम-द्वितीय उद्योत २०-००
[वि. सं. ९७] सम्पूर्ण ग्रन्थ ३५-००

७४ **ध्वन्यालोकः**। 'लोचन' 'कौमुदी' व्याख्या सहित। सम्पा० कुप्पूस्वामी शास्त्री। प्रथम उद्योत १२-००

७५ **ध्वन्यालोकः**। आलोचनात्मक अध्ययन। डॉ० पारसनाथ द्विवेदी ३-५०

७६ **ध्वन्यालोक : समीक्षात्मक अध्ययन**। डॉ० जयकिसन प्रसाद खण्डेलवाल ३-००

७७ **ध्वन्यालोकरहस्यम्**। (ध्वन्यालोक-प्रश्नोत्तरी) पं० शोभित मिश्र ३-५०

७८ **ध्वन्यालोकसारः**। श्रीपुरुषोत्तमशर्मा चतुर्वेदी ४-००

७९ **ध्वनिसम्प्रदाय और उनके सिद्धान्त**। डॉ० भोलाशङ्कर व्यास २०-००

*८० **भारतीय साहित्य की रूपरेखा**। डॉ० भोलाशङ्कर व्यास [वि. रा. ५३] [भारतीय संस्कृति तथा साहित्य की परम्परा लगभग पाँच-छः हजार वर्षों से निरन्तर प्रवहमान रूप में उपलब्ध होती है। इस संस्कृति और साहित्य की अट्टालिका के निर्माण का इतिवृत्त प्रस्तुत करना ही इस ग्रन्थ का मुख्य विषय है।] १५-००

८१ **भावप्रकाशन** । शारदातनय । यदुगिरि यतिराज स्वामी ।
सम्पादक—के० एस० रामास्वामी ४५-००

८२ **रसकौस्तुभ** । वेणीदत्त कृत । हिन्दी टीका सहित । सम्पा० डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी १५-००

*८३ **रसगङ्गाधरः** । पण्डितराज जगन्नाथ । आचार्य बदरीनाथ झा कृत 'चन्द्रिका' संस्कृत टीका एवं आचार्य मदनमोहन झा कृत हिन्दी टीका सहित ।
[ध्वन्यालोक के सफल टीकाकार जगत् प्रसिद्ध कविशेखर आचार्य बदरीनाथ झा जी की अत्यन्त सरल-सुबोध संस्कृत व्याख्या के साथ ही आचार्य मदनमोहन शास्त्री कृत आधुनिक सुविस्तृत हिन्दी व्याख्या होने से तो सोने में सुगन्धि पैदा हो गयी है । यह हिन्दी व्याख्या केवल संस्कृत छात्रों के लिए ही नहीं प्रत्युत हिन्दी-अंग्रेजी छात्रों की कठिनाइयों को विशेष ध्यान में रख कर प्रस्तुत की गयी है । इसकी समालोचनात्मक विशाल हिन्दी प्रस्तावना भी छात्रों के लिए अधिक उपादेय है ।]
प्रथममाननपर्यन्त—प्रथम भाग २०-००
द्वितीयानन का उत्प्रेक्षानिरूपणान्त—द्वितीय भाग ४०-००
अतिशयोक्त्यलङ्कारादिसमाप्तिपर्यन्त—तृतीय भाग ४०-००
[वि. सं. ११] सम्पूर्ण १-३ भाग १००-००

८४ **रसगङ्गाधरः** । 'रसचन्द्रिका' व्याख्या सहित । सम्पा० केदारनाथ ओझा ।
प्रथमानन २२-००

८५ **रसगङ्गाधर** । पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी कृत भाषा मात्र । १-३ भाग ४५-००

८६ **रसगङ्गाधर** । मराठी अनुवाद व टीका सहित । अनुवादक-प्रो० रा० व० आठवले ।
प्रथम भाग २०-००

८७ **रसगङ्गाधर : एक समीक्षात्मक अध्ययन** । कुमारी चिन्मयी माहेश्वरी २५-००

*८८ **रसगङ्गाधरहृदयम्** । श्री ज्ञानचन्द्र स्वामी एम० ए० [वि. सं. ११०]
[इस पुस्तक में रसगङ्गाधर के सभी प्रश्नोत्तरों का संक्षेप में ही ज्ञान कराया गया है जिसके अभ्यास मात्र से परीक्षार्थी परीक्षा में अनायास सफलता प्राप्त करेंगे ।] ४-००

८९ **रसगङ्गाधर-रहस्यम्** । (प्रश्नोत्तरी) । पं० मदनमोहन झा २-५०

९० **रसचन्द्रिका** । श्रीविश्वेश्वरपाण्डेयनिर्मित २-००

९१ **रसतरङ्गिणी** । भानुदत्तमिश्रप्रणीत । हिन्दी टीका सहित ९-००

९२ **रसतरङ्गिणी** । रामानन्द ठक्कुर विरचित २-२५

९३ **रसदीर्घिका** । विद्याराम विरचित २-००

९४ **रसमञ्जरी** । 'सुरभि' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित १५-००

९५ **रसरत्नप्रदीपिका** । अल्लराज विरचित ३-००

९६ **रसविलासः** । भूलोक शुक्ल कृत । श्रीमती प्रेमलता शर्मा सम्पादित ५-००

९७ **रससिद्धान्तः** । डॉ० नगेन्द्र । सम्पा० श्री अमीरचन्द शास्त्री १५-००

९८ **रस-स्वरूप-निरूपणम्** । मदनमोहन अग्रवाल २-००

९९ **रसार्णवसुधाकर** । सम्पादक—डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ८-००

१०० **रसिकजीवनम्** । पं० रामानन्दपति त्रिपाठी । सम्पा० पं० करुणापति त्रिपाठी ७-००

१०१ **(हिन्दी) वक्रोक्तिजीवित** । विमर्शाख्य हिन्दी टीका सहित । राधेश्याम मिश्र ३०-००

१०२ **वस्त्वलङ्कारदर्शनम्** । डॉ० ब्रह्मानन्द शर्मा ४-००

*१०३ **वाग्भटालङ्कारः** । सिंहदेवगणिविरचित संस्कृत टीका तथा डॉ० सत्यव्रत सिंह कृत अभिनव 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या, विस्तृत समालोचनादि सहित ।
[संस्कृत टीका के साथ विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या हो जाने से अब साहित्य-शास्त्र के जिज्ञासुओं की साहित्यविषयक जिज्ञासा इस एक ही लघुकाय ग्रन्थ से पूर्ण हो सकती है ।] [वि. सं. ३३] ५-००

१०४ **वीरतरङ्गिणी** । म० म० चित्रधरमिश्रविरचित । सम्पा० डा० त्रिलोकनाथ झा ३-००
१०५ **वृत्तिवार्तिकम्** । अप्पयदीक्षित विरचित १-००
१०६ **वृत्तिवार्तिकम्** । अप्पयदीक्षित । डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी सम्पादित तथा हिन्दी टीका सहित १५-००
१०७ **वृत्तिसमुच्चयः** । प्रथम गुच्छक । १-२ भाग ७५-००
+१०८ **व्यक्ति-विवेकः** । राजानकमहिमभट्ट । राजानकरुय्यक कृत 'व्यक्तिविवेकव्याख्यान' युक्त । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी कृत हिन्दी व्याख्या सहित । प्रथम विमर्श १०-००
१०९ **(हिन्दी) व्यक्तिविवेक** । राजानकमहिमभट्टप्रणीत । राजानक रूय्यक कृत संस्कृत टीका सहित । हिन्दी व्याख्याकार—डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ३०-००
*११० **शब्दव्यापारविचारः** । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी [वि. सं. १६६] ४-००
१११ **शब्दशक्ति** । मम्मट के काव्यप्रकाश पर आधारित । डॉ० पुरुषोत्तमदास १३-००
११२ **शिशुप्रबोधकाव्यालङ्कारः** । पुञ्जराज विरचित । सम्पादक—बी० एल० शंभोग १५-५०
११३ **शृङ्गारतिलक** । रूद्रट तथा सहृदयलीला । रूय्यक, हिन्दी टीका सहित । टीकाकार—कपिलदेव पाण्डेय १२-००
११४ **शृङ्गारप्रकाशः** । भोजदेवविरचितः । सम्पादक—जी० आर० जोशयेर । प्रथमादिचतुर्दशप्रकाशात्मकः । १-४ भाग ११०-००
११५ **शृङ्गारमञ्जरी** । अकबरशाह कृत । डॉ० वी० राघवन सम्पादित २५-००
*११६ **शृङ्गारशतकम्** । भर्तृहरिकृत । सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या, पद्यानुवाद सहित [वि. सं. ६७] २-५०
११७ **शृङ्गारसारिणी** । म० म० चित्रधरविरचित । सम्पा० डा० त्रिलोकनाथ झा ४-००
११८ **शृङ्गारहारावली** । हर्ष विरचित २-७५
११९ **संस्कृत साहित्य में शब्दालंकारः** । डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी ४०-००
•१२० **सरस्वतीकण्ठाभरणम्** । भोजदेव कृत । सटीक । जीर्ण २४-००
१२१ **सरस्वतीकण्ठाभरणम्** । भोजकृत । रत्नेश्वरमिश्र कृत 'रत्नदर्पण' संस्कृत टीका, डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र कृत हिन्दी टीका । १-२ परिच्छेद ३५-००
१२२ **सरस्वतीकण्ठाभरणम्** । भोजदेव कृत । चित्रप्रकरण १-५०
*१२३ **साहित्यदर्पणः** । विमर्शाख्य 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या, वक्तव्य, टिप्पणी, सुविस्तृत प्रस्तावना, दर्पण-समीक्षादि सहित । व्याख्याकार—डॉ० सत्यव्रत सिंह
[इसकी विमर्शाख्य विशद व्याख्या द्वारा विषय की दुरूह ग्रन्थियों का वस्तुतः सम्यक् समुन्मोचन बन पड़ा है। इसमें कहीं भी मूल की उपेक्षा हुई प्रतीत नहीं होती। आरम्भ में एक सौ पृष्ठों की विस्तृत भूमिका है जिसमें कुछ अलङ्कारों पर वैज्ञानिक शोध सम्बन्धी दृष्टिकोण, स्वरूप तथा परस्पर वैषम्य सङ्केतित है। सर्वश्रेष्ठ संस्करण]
[वि. सं. २९] १-६ परिच्छेद २४-००, ७-१० परिच्छेद १२-००, सम्पूर्ण ३५-००
१२४ **साहित्यदर्पण** । (प्रश्नोत्तर में) डॉ० जयकिशन प्रसाद ५-००
१२५ **साहित्यदर्पण** । (आलोचनात्मक) डॉ० राजकिशोर सिंह ५-००
१२६ **साहित्यदर्पण-प्रश्नोत्तरी** । देवदत्त शास्त्री ३-००
१२७ **साहित्यदर्पणादर्शः** । (साहित्यदर्पण-प्रश्नोत्तरी) ४-००
१२८ **साहित्य-निबन्धः** । आचार्य शोभितमिश्र २-००
१२९ **साहित्य-रत्नाकरः** । धर्मसूरि । 'नौका' 'मन्दर' टीकाद्वय समन्वित । १-२ भाग ३४-००
१३० **साहित्यविवेक** । वी० एन० भट्टाचार्य १२-००
*१३१ **साहित्य-शास्त्र-सार** । हंसराज अग्रवाल तथा श्रुतिकान्तजी [वि. रा. १०३] ४-५०
१३२ **साहित्य-सुधा-सिन्धु** । विश्वनाथ देवकृत । हिन्दी टीका सहित ६०-००

+१३३ साहित्यालोक। (हिन्दी)। आई० ए०, बी० ए० तथा बी० ए० आनर्स के छात्रों हेतु पाठ्यक्रमानुसार। डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' [चौ. रा. १] ७-५०

134 Dasharupakam. With 'Dasarupavaloka' Sanskrit Commentary and English commentary by Charantirth Maharaj. First Flash. 15-00

135 Kavyaprakasha (Poetic Light) R. C. Dwivedi. Vol. I (Chapter 1-6) 40-00 Vol. II (Chapter 7-10) 28-00

136 Kavyaprakasha. With 'Rasaprakasha' & English Translation. By S. N. Ghoshal Shastri. Part I (Chapter 1-5) 50-00

137 Kavyaprakasha of Mammata. Text with English Translation. By M. M. Dr. Ganganath Jha. Part II 30-00

138 Kavyaprakasha. With 'Pradipa' 'Udyota' 'Prabha' 'Sanketa' & 'Chandrika' Sanskrit Commentaries and English Translation. By Haradatta Sharma. Chapter X 10-00

139 Kavyalankara of Bhamah. With English Translation By P. V. Naganath Shastri 12-00

140 Sahityadarpana. Ed. by P. V. Kane. Chapters I-III 22-00

141 Studies on some Concepts of Alankarashastra. 25-00

142 Vakroktijivitam of Kuntaka. With English Translation. By K. Krishnamurty 40-00

सुभाषित-ग्रन्थाः

१ अन्योक्तितरङ्गिणी। मथुराप्रसाद दीक्षित २-५०

२ अन्योक्त्यष्टकसंग्रहः। प्रतिभा त्रिवेदी सम्पादित २-००

३ उक्तिरत्नाकरः। ४-७५

४ कर्णामृत प्रपा। भट्ट सोमेश्वर कृत २-२५

५ व्याससुभाषितसंग्रहः। डॉ० लुड्विक् स्टेर्नबाक् सम्पादित १५-००

६ संस्कृतसूक्तिरत्नाकरः। डॉ० रामजी उपाध्याय। हिन्दी अनुवाद सहित ४-००

७ संस्कृतसूक्तिसागरः। नारायण स्वामी कृत हिन्दी टीका सहित। सम्पा० सीताराम चतुर्वेदी २१-००

८ समयोचितपद्यरत्नमालिका। अकारादिक्रम से सुभाषित पद्यों का संग्रह १-५०

९ सुभाषितत्रिशतिः। भर्तृहरिप्रणीत। रामचन्द्र कृत व्याख्या सहित ५-००

१० सुभाषितरत्नभाण्डागारः। सहृदयहृदयाह्लादकः सूक्तिसमुच्चयः। सम्पा० नारायणराम आचार्य ८५-००

११ सुभाषितरत्नसन्दोहः। आचार्य अमितगति विरचित। हिन्दी टीका सहित। पं० बालचन्द्र सिद्धान्तशास्त्री २०-००

१२ सुभाषित सप्तशती। डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री ५-००

१३ सुभाषित-सुधानिधि—सायणप्रणीतः। डॉ० के० कृष्णमूर्ति सम्पादित १०-००

१४ सुभाषितावलिः। वल्लभदेवसंगृहीत ३०-००

१५ सुभाषितावली। रामचन्द्र मालवीय कृत हिन्दी अनुवाद सहित ४०-००

*१६ सूक्तिमञ्जरी। आचार्य बलदेव उपाध्याय
[अनेक साहित्यिक ग्रन्थ के रचयिता तथा सफल व्याख्याकार उपाध्यायजी ने इस ग्रन्थ में विशाल संस्कृत-साहित्य से सूक्तियाँ चुनकर उनकी इतनी चटपटी भाषा में

ललित हिन्दी व्याख्या की है कि संस्कृत से अनभिज्ञ भी इस ग्रन्थ के अनुशीलन से अपनी रसपिपासा शान्त कर सकता है।] [वि. सं. १४२] १०-००

१७ **सूक्तिमुक्तावली** । गोकुलनाथोपाध्याय कृत । सम्पा० भूपनारायण झा ७-५०

१८ **सूक्तिमुक्तावली** । हरिहर प्रणीत । सम्पा० रमानाथ झा ८-००

१९ **सूक्तिमुक्तावली** । भीमराज सत्यनारायण कृत हिन्दी टीका सहित १६-००

२० **सूक्तिशतकम्** । सम्पा० हरिहर झा १-२ भाग २-००

21 Mahasubhashitasangraha. Ed. by L. Sternbach. 3 Vols. 300-00

चम्पू-ग्रन्थाः

१ **कुवलयमाला** । उद्योतनसूरिविरचित । द्वितीय भाग २५-००

२ **कुवलयमाला कथा संक्षेप** । प्रथम भाग—परिशिष्टात्मक कथा-ग्रन्थ ५-५०

३ **गोपालचम्पूः** । जीवगोस्वामी कृत । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग ३५-००

४ **चन्द्रशेखर चम्पूकाव्यम्** । द्वितीय भाग मात्र । जीर्ण ७-००

*५ **चम्पूभारतम्** । (भारतचम्पू) अनन्तभट्टविरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, विस्तृत प्रस्तावनादि सहित । व्याख्याकार—आचार्य श्रीरामचन्द्रमिश्र [आचार्य रामचन्द्र मिश्रजी ने अपनी टीकाओं द्वारा इसे ऐसा सुबोध बना दिया है कि संस्कृत न जानने वाले भी समान रूप से इसका आनन्द ले सकते हैं। चम्पू साहित्य के और भी प्रमुख ज्ञातव्य विषय इस प्रकार उपनिबद्ध कर दिये गये हैं कि चम्पू का पूर्वापर देश, काल और उसकी प्रतिष्ठा अनायास ही हृदयङ्गम हो जाती है] [वि. सं. ३१] २०-००

*६ **चम्पूरामायणम्** । भोजराजविरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । आचार्य श्रीरामचन्द्र मिश्र ।
[आचार्य रामचन्द्र मिश्र की लौह लेखनी से प्रसूत छात्रोपयोगी आधुनिक विस्तृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या के साथ वह अभिनव संस्करण संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी के छात्रों के लिए समानरूप से उपादेय है। इसकी मनोवैज्ञानिक हिन्दी समालोचना तो परीक्षार्थी विद्यार्थियों के लिए सबसे अधिक उपयोगी है।] [वि. सं. २६]
बालकाण्ड ५-००, सुन्दरकाण्ड ५-००, सम्पूर्ण १५-००

७ **जोनराजचम्पूः** । कृष्णदत्त विरचित । सम्पा० डॉ० जगन्नाथ पाठक १४-००

८ **नलचम्पूः** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पूर्ण ३०-००

+९ **नलचम्पूः** । श्रीपरमेश्वरीदीन पाण्डेय कृत 'सुधा'-संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । प्रथमोच्छ्वास ५-०० १-२ उच्छ्वास ८-०० १-५ उच्छ्वास शीघ्रप्राप्य

१० **नलचम्पू : आलोचनात्मक अध्ययन** । प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल २-००

*११ **नीलकण्ठविजयचम्पूः** । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या । आचार्य रामचन्द्र मिश्र [संस्कृत काव्यानन्द हिन्दी जानने वालों को भी प्राप्त हो, इस उद्देश्य से आचार्य रामचन्द्र मिश्र ने हिन्दी व्याख्या सहित यह संस्करण प्रस्तुत किया है। व्याख्या की भाषा का गुम्फन इस कौशल के साथ किया गया है कि मूल न पढ़ने पर भी वैरस्य न उत्पन्न हो।] [वि. सं. ११२] ६-००

१२ **नीलकण्ठविजयचम्पू** । महादेव सूरि कृत 'विबुधानन्द' व्याख्या सहित १४-५०

*१३ **नृसिंहचम्पूः** । डॉ० सूर्यकान्तशास्त्री सम्पादित समालोचनात्मक भूमिका विभूषित । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित
[सरल एवं सरस संस्कृत-हिन्दी में पहली बार अनूदित इसकी विस्तृत भूमिका में सम्पूर्ण ग्रन्थ की विशद आलोचना तथा कवि का प्रामाणिक इतिवृत्त वर्णित है। यह ग्रन्थ विद्यार्थियों के लिये अधिक उपादेय है।] [वि. सं. ४३] ५-००

*१४ **पारिजातहरणचम्पूः** । शेषकृष्णविरचित । सान्वय-'श्रद्धा'-हिन्दीव्याख्योपेतः । व्याख्याकार—आचार्य त्रिनाथ शर्मा
['पारिजात-हरण' जैसे रोचक प्रसङ्ग का चम्पू-काव्यबद्ध होना ही बड़ी रसपूर्ण बात है । उस पर कुशल टीकाकार की भावानुकूल संस्कृत-हिन्दी व्याख्याओं से सर्वबोध्य होकर यह ग्रन्थ और भी उपयोगी हो गया है । व्याख्यायें अति विशद एवं सरस होने से साहित्यानुरागियों के लिये विशेष उपकारक है ।] [वि. सं. ८१] ५-००
१५ **पुरुदेवचम्पूः** । अर्हद्दास विरचित ३०-००
१६ **पूर्वभारतचम्पूः** । मानवेद प्रणीत । सटिप्पण १२-५०
१७ **यशस्तिलकचम्पूः** । सम्पा० एवं अनु० प्रो० सुखनन्दन जैन २-००
१८ **यात्राप्रबन्धः** । समरपुरुषदीक्षितविरचित ३-००
१९ **रामानुजचम्पूः** । रामानुजाचार्य कृत । सव्याख्यानम् ३-००
२० **लक्ष्मीगुणमणिमाला** । कृष्णदत्तविरचित । सम्पा० डॉ० जगन्नाथपाठक १४-००
२१ **विक्रमाङ्काभ्युदयम्** । सोमेश्वरदेव विरचित । सम्पा० मुरारीलाल नागर १०-००
*२२ **विश्वगुणादर्शचम्पूः** । श्री वेंकटाध्वरिप्रणीत । श्रीबालकृष्ण शास्त्री विरचित 'पदार्थ-चन्द्रिका' संस्कृत व्याख्या, जटाशंकर पाठक कृत सान्वय 'प्रभा'-हिन्दी व्याख्या, भूमिकादि सहित
[इस दुर्लभ ग्रन्थ में नाटकीय शैली में भूलोक-वर्णनपूर्वक भारतान्तर्गत समस्त प्रमुख नगर-नागरियों, नदियों, आश्रमों, आरण्यों, तथा विविध विषयों के अध्येताओं का अत्यन्त ललित तथा सरस वर्णन संस्कृत भाषा में उपनिबद्ध है । अनूठी कल्पनाएँ तथा उक्ति-चमत्कार इसकी प्रधान विशेषता है । छात्र-अध्यापक तथा संस्कृत न जानने वाले लोग भी इस संस्करण से विशेष उपकृत होंगे ।] [वि. सं. ९८] २५-००
२३ **वीरुपाक्षवसन्तोत्सवचम्पूः** । १०-५०
२४ **श्रीनिवासविलासचम्पूः** । धरणीधर प्रणीत व्याख्या सहित ३-००
२५ **सावित्रीपरिणयचम्पूः** । मण्डिकल वरदाचार्य विरचित १-९०
२६ **सुलोचनामाधवचम्पूः** । धर्मदत्त (बच्चा) झा कृत २८-००
27 Varadambikaparinayacampu. With English Translation. Ed. by Dr. Suryakanta 35-00
28 Champuramayanam. With English Translation. By Pt. S. Rangachar (Sundarkanda) 2-58

भाण-प्रहसन-ग्रन्थाः

१ **गौरीदिगम्बर-प्रहसनम्** । श्रीशंकरमिश्रविरचित । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । पं० श्री तारिणीश झा १-५०
*२ **मत्तविलासप्रहसनम्** । श्रीमहेन्द्रविक्रमवर्मविरचित । श्री कपिलदेव गिरि कृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित
[जिस समय जैन तथा बौद्ध-धर्म अवनति की ओर जा रहे थे और शैव-सम्प्रदाय आगे बढ़ रहा था कवि ने प्रहसनरूप में उस समय का वास्तविक चित्रण प्रस्तुत किया है । व्याख्याकार ने दुष्प्राप्य इस प्रहसन को हिन्दी व्याख्या के साथ इस तरह सम्पादित कर दिया है कि संस्कृत-हिन्दी उभय रंगमञ्च पर इसका सफल अभिनय किया जा सकता है] [वि. सं. १३५] २-००
३ **रूपकषट्कम्** । कविवत्सराज । सम्पा० चिमनलाल डी० दलाल २५-००
*४ **लटकमेलकम्** । श्री कपिलदेव गिरि कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित
[हिन्दी व्याख्या से इसकी व्यापकता और बढ़ गई है । भूमिका में नाटक का

आलोचन, कथावस्तु, तात्कालिक सामाजिक रीति-नीति आदि पर उत्तम विचार है।] [वि. सं. ८७] २-००

५ **शृङ्गारतिलकभाण**। रामभद्रदीक्षितविरचित ०-५०

६ **शृङ्गारसर्वस्वभाण**। वल्लालकविविरचित १-००

७ **हास्यचूडामणिप्रहसनम्**। आमात्यवत्सराज। सम्पा० दयाशङ्कर त्रिपाठी २-००

*८ **हास्यार्णवप्रहसनम्**। श्रीजगदीश्वरभट्टाचार्यविरचित। हिन्दी व्याख्या सहित [प्रस्तुत संस्करण में मूल के साथ विषयानुकूल सरल हिन्दी भाषा के माध्यम से हास्यरस प्रस्तुत किया गया है] [वि. सं. १०३] ४-००

नाट्य-नाटक-ग्रन्थाः

१ **अकिञ्चनकाञ्चन**। डॉ० राजेन्द्र मिश्र ३-००

*२ **अनर्घराघवम्**। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समालोचना, पात्रालोचन, कथासार, ग्रन्थकार का जीवनवृत्त नोट्स आदि से विभूषित [आचार्य रामचन्द्र मिश्र विरचित व्याख्या के साथ यह नाटक प्रकाशित किया गया है। सरलता इस व्याख्या की प्रमुख विशेषता है। भूमिका में ग्रन्थकर्त्ता का विस्तृत जीवनवृत्त, उनके ग्रंथ, उनका शास्त्रपाण्डित्य, उनका कवित्व, फिर कथासार, कथा का आधार, पात्रालोचन आदि तथा परिशिष्ट में नोट्स, नाटकीय विषय, लक्षण सहित छन्द, सूक्तियाँ आदि विषय दिए गए हैं।] [वि. सं. ४७] २०-००

३ **अभिज्ञानशाकुन्तलम्**। 'किशोरकेलि' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। प्रो० कान्तानाथशास्त्री तेलङ्ग १५-००

४ **अभिज्ञानशाकुन्तलम्**। शंकर-नरहरिकृत टीकाद्वय, सनाथी कृतं मिथिलापाठानुगम् १५-००

+५ **अभिज्ञानशाकुन्तलम्**। 'विमला'-'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्। व्याख्याकारः—डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी शीघ्रप्राप्य

*६ **अभिज्ञानशाकुन्तलम्**। (चतुर्थ अङ्क) श्रीदेवदत्तशास्त्री कृत परीक्षोपयोगी 'अनुशीलनान्वयार्थ' संस्कृत-हिन्दी टीका, विशद भूमिकादि सहित [विविध विश्वविद्यालयों में पाठ्य स्वीकृत इस चतुर्थ अङ्क की ऐसी सरल संस्कृत-हिन्दी व्याख्या कर दी गई है कि परीक्षार्थी स्वयं इस ग्रन्थ का अनुशीलन कर सकेंगे। लगभग ४० पृष्ठ की विस्तृत भूमिका में इस अङ्क का समीक्षात्मक विवेचन भी किया गया है] [वि. सं. ५८] २-५०

*७ **अभिज्ञानशाकुन्तल : एक अध्ययन**। श्रीकाशीनाथ द्विवेदी [शाकुन्तल प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में पाठ्य स्वीकृत होने से अभिज्ञान को समझने-समझाने के लिए स्वतन्त्र चिन्तन की आवश्यकता है—उसी की पूर्ति इस पुस्तक द्वारा की गई है।] [वि. रा. १२७] ६-००

८ **अभिनव नाटयशास्त्र**। सीताराम चतुर्वेदी। प्रथम भाग २५-००

९ **अभिनव रससिद्धान्त**। दशरथद्विवेदी कृत ७-५०

*१० **अभिषेकनाटकम्**। महाकविभासविरचित। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, समालोचनादि सहित। टीकाकार—आचार्य रामचन्द्र मिश्र [भास विरचित इस नाटक की कथा श्रीरामाभिषेक पर आधारित है। प्रतिपदबोधिनी इसकी संस्कृत-हिन्दी दोनों व्याख्याएँ भाव, भाषा आदि की दृष्टि से पर्याप्त समृद्ध हैं। भूमिका में नाट्यशास्त्रीय विषय सुसंगृहीत हैं।] [वि. सं. ७६] ५-००

*११ **अमृतोदयनाटकम्**। म० म० गोकुलनाथोपाध्यायविरचित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित [यह नाटक प्रत्येक दृष्टि से अधिक क्लिष्ट है। अतः सरल संस्कृत-हिन्दी व्याख्याओं

द्वारा उसके दुरूहांश को सर्वथा दूर कर दिया गया है। समीक्षण तथा परीक्षोपयोगी नोट्स आदि विषयों से सुसज्जित अभिनव सर्वश्रेष्ठ संस्करण] [वि. सं. ११६] १०-००

*१२ **अविमारकम्**। महाकविभास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, समालोचनात्मक भूमिकादि सहित। टीकाकार—आचार्य रामचन्द्र मिश्र [वि. सं. ७३]
[आचार्य रामचन्द्र मिश्र विरचित संस्कृत-हिन्दी व्याख्याओं में विषयानुकूल लालित्य तथा अधिक सरलता है। विस्तृत भूमिका तथा परिशिष्ट में नाट्यशास्त्रीय तथा सम्बद्ध ऐतिहासिक जानकारी का कोई पता नहीं छूटने पाया है। संशोधित द्वि० संस्करण ५-००

१३ **आगमाडम्बरनामरूपकम्**। जयन्तभट्ट। सम्पादक–अनन्तलाल ठाकुर ७-००

*१४ **आश्चर्यचूडामणिः**। शक्तिभद्रविरचित। आचार्य रमाकान्त झा कृत 'रमा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समालोचनादि सहित
[इसकी व्याख्या में अर्थ की स्पष्टता के लिए भावार्थ-योजना का विधान आवश्यक समझ कर दिया गया है। सविमर्श हिन्दी व्याख्या की भाषा इतनी प्रौढ और प्राञ्जल है कि उसे पढ़ने से ग्रन्थ मूल जैसा ही प्रतीत होता है। बृहत् भूमिका, कथासार, नाटकीय-सुभाषितावली आदि से सुसज्जित राष्ट्रभाषा में अनुदित यह संस्करण प्रथम बार प्रकाशित हुआ है] [वि० सं० १३४] ८-००

+१५ **उत्तररामचरितम्**। संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्। व्याख्याकारः—डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी शीघ्रप्राप्य

१६ **उत्तररामचरितम्**। 'चन्द्रकला'-'विद्योतिनी' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्। प्रो० कान्तानाथशास्त्री तेलङ्ग १५-००

१७ **उत्तररामचरितम्**। संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। सम्पा० आनन्द स्वरूप १५-००

१८ **उत्तररामचरितम्**। संस्कृत टीका, हिन्दी अनुवाद सहित। ब्रह्मानन्दशुक्ल १४-००

१९ **उत्तररामचरित : आलोचनात्मक अध्ययन**। प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल २-५०

२० **उन्मत्तराघवम्**। 'सुबोधिनी' हिन्दी टीका। आचार्य रामपाल शास्त्री २-००

२१ **उषारागोदया**। रूद्रचन्द्रदेव प्रणीत। सम्पा० बाबूलाल शुक्ल शास्त्री १०-००

*२२ **ऊरुभङ्गम्**। महाकविभास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, आलोचना, कथासार सहित। व्याख्याकार—श्रीकपिलदेवगिरि
[महाकवि भास प्रणीत नाटकीय वस्तु-योजना अत्यन्त कौशलपूर्ण है। इसकी सरल सुबोध संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, विस्तृत भूमिका, कथासार, पात्र-परिचय आदि परीक्षार्थियों के लिए अधिक उपयोगी है।] [वि० सं० ८८] २-००

२३ **कंसवधनाटकम्**। शेषकृष्णविरचित २-००

२४ **कनकलेखाकल्याणम्**। वामनभट्टबाण विरचित। सम्पा० डॉ० वी० राममूर्ति ३-५०

२५ **कर्णकुतूहलम् श्रीकृष्णलीलामृतकाव्यम्**। भोलानाथ विरचित १-५०

*२६ **कर्णभारम्**। 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या, महाकवि भास का इतिवृत्त, ग्रंथालोचन आदि विषयों से विभूषित। व्याख्याकार—रामजी मिश्र एम० ए०
[आचार्य रामचन्द्र मिश्र विरचित दोनों व्याख्याएँ बड़ी सरल और ग्रन्थ के भावानुरूप है। सुविशद भूमिका में समस्त नाटकीय विषय वर्णित हैं।] [वि. सं. ५०] २-००

२७ **कपालकुण्डलारूपकम्**। विष्णुपदभट्टाचार्यविरचितम् ३-००

*२८ **कर्पूरमञ्जरी**। आचार्य रामकुमार कृत 'मकरन्द' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, नोट्स, समालोचनात्मक प्रस्तावना सहित
[इस संस्करण में प्रतिपद की सविमर्श संस्कृत-हिन्दी व्याख्या कर दी गई है। इसकी समालोचनात्मक प्रस्तावना, कथासार तथा विविध प्रकार के परिशिष्ट तो अत्यन्त ही उपादेय है] [वि. सं. १२] ५-००

२९ **कविकालिदासम्**। नाटकम्। डॉ० वी० के० भट्टाचार्य १५-००

३० **कालिदास के नाटक** । अनु० रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री १२-००
३१ **कुन्दमालानाटकम्** । व्याख्याकार—प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल ५-५०
*३२ **कृषकाणां नागपाशः** । डा० भगीरथप्रसाद त्रिपाठी (वागीशशास्त्री) विरचित आधुनिक शिक्षाप्रद, बालकोपयोगी सरल सुबोध एकांकी नाटक [इस पुस्तक की मौलिकता ने ग्रामीणपृष्ठभूमि पर आधृत रूपक के पात्रों में जान डाल दी है। सर्जन होते ही यह रूपक इलाहाबाद रेडियो स्टेशन के रङ्गमञ्च से पुरस्कृत हो चुका है।] [वि. सं. ३८] १-००
३३ **कृष्णाभ्युदयम्** । लोकनाथभट्टप्रणीत । सम्पा० नरेन्द्रनाथ शर्मा ३-००
३४ **गङ्गादासप्रतापविलासनाटकम्** । गङ्गाधरप्रणीत । सम्पा० भोगीलाल ज०सन्देसरा १२-००
*३५ **गरीबी या अमीरी** । (हिन्दी नाटक) सेठ गोविन्ददास [वि. रा. १४१] [अफ्रीका के भारतीय मजदूरों पर अमीर अंगरेजों के अत्याचार का आंखों देखा वर्णन इस सामाजिक नाटक का मुख्य विषय है। हिन्दुस्तानी एकेडेमी द्वारा १२००) रु० का प्रथम पुरस्कार लेखक को इस पर प्राप्त हो चुका है।] ४-००
*३६ **चण्डकौशिकः** । आर्यक्षेमीश्वरविरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दीव्याख्या समालोचनादि सहित । व्याख्याकार—पं० जगदीश मिश्र [वि. सं. १२६] [संस्कृत-हिन्दी व्याख्या में जनसाधारण के अनुकूल भाषा-प्रयोग आदि में सरलता का ध्यान रखा गया है। विस्तृत भूमिका तथा परिशिष्टादि में इतिहास समीक्षा, लक्षण, आलोचन आदि विविध उपयोगी विषय दिए गए हैं। ७-००
३७ **चन्द्रकलानाटिका** । संस्कृत टीका तथा हिन्दी अनुवाद सहित । तारिणीश झा तथा शिवशङ्कर त्रिपाठी ६-००
३८ **चन्द्रलेखा** । सट्टकम् । सम्पा० डॉ० ए० एन० उपाध्याय १०-००
*३९ **चारुदत्तम्** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या विस्तृत भूमिकादि सहित । व्याख्याकार—श्रीकपिलदेव गिरि [व्याख्या अपने नाम के अनुरूप आधुनिक ढंग की है। इसकी आलोचनात्मक विस्तृत भूमिका में पात्रालोचन, व्यवस्थित कथासार आदि के साथ अन्य उपादेय विषय भी हैं] [वि. सं. ४६] ५-००
४० **चैतन्यचन्द्रोदयम्** । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र १०-००
४१ **छत्रपतिसाम्राज्यम्** । मूलशङ्कर माणिकलाल याज्ञिक । हिन्दी अनुवाद सहित ६-००
४२ **छायाशाकुन्तलम्** । जीवनलाल पारीख २-२५
*४३ **जवाहरलालनेहरू-विजय-नाटकम्** । हिन्दी टीका सहित । श्रीरमाकान्त मिश्र [पं० जवाहरलाल नेहरू पर सरल संस्कृत में लिखा गया यह नाटक अपना अलग स्थान रखता है। रङ्गमंच पर विद्यार्थियों के अभिनय के लिये यह अधिक रोचक, उपयोगी और शिक्षाप्रद है] [वि. सं. १५१] ४-००
*४४ **जवाहरलालनेहरू-विजयनाटक** । हिन्दी । श्रीरमाकान्त मिश्र [वि० रा० १२०] २-००
४५ **जीवानन्दम्** । आनन्दरायमखिप्रणीत । हिन्दी टीका सहित १०-००
४६ **जीवानन्दम्** । आनन्दरायमखिप्रणीत । मूलमात्र ३-००
४७ **जीवानन्दम्** । आनन्दरायमखिप्रणीत । संस्कृत टीका सहित ३०-००
४८ **तापसवत्सराज-नाम-नाटकम्** । सम्पा० डॉ० देवीदत्त शर्मा १०-००
४९ **दुर्गाभ्युदयनाटकम्** । छज्जूरामशास्त्री कृत । हिन्दी टीका सहित २-००
*५० **दूतघटोत्कचम्** । रामजी मिश्र विरचित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, महाकवि भास का जीवनवृत्त, ग्रन्थपर्यालोचन आदि से विभूषित [इस एकांकी की प्रथम बार संस्कृत-हिन्दी व्याख्याएँ प्रस्तुत की गई हैं। छात्रों के लिये विचारपूर्ण भूमिका मात्र ही पर्याप्त है।] [वि. सं. ५१] २-००

*५१ **दूतवाक्यम्** । रामजी मिश्र विरचित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, महाकवि भास का इतिवृत्त, समालोचनादि सहित
[अत्यन्त बोधगम्य हिन्दी एवं संस्कृत व्याख्या तथा सूक्ष्म विचारपूर्वक विशद आलोचनात्मक भूमिका से युक्त अपूव संस्करण] [वि. सं. ५२] २-००

५२ **दूताङ्गद-नाटकम्** । संस्कृत-हिन्दी टीका, कथासार सहित १-५०

५३ **धनञ्जयविजयव्यायोगः** । सव्याख्या १-५०

५४ **नरकासुरविजयव्यायोगः** । धर्मसूरिविरचित १-५०

५५ **नागानन्दम्** । मूलमात्र ३-००

५६ **नागानन्द-नाटकम्** । पं० बलदेव उपाध्याय कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ६-००

५७ **नागानन्द-नाटकम्** । 'कल्याणी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ८-००

५८ **नाटक-चन्द्रिका** । रूपगोस्वामी । हिन्दी व्याख्या सहित । बाबूलालशुक्ल १२-००

५९ **नाटकलक्षणरत्नकोशः** । श्रीसागरनन्दीप्रणीत । हिन्दी व्याख्या सहित । अनुवादक—बाबूलालशुक्ल शास्त्री २५-००

६० **नाट्यकला : प्राच्य एवं पाश्चात्य** । डॉ० सुदर्शन मिश्र ३-००

६१ **नाट्यदर्पणम्** । रामचन्द्रगुणचन्द्रविरचित । सव्याख्या ३०-००

६२ **नाट्यदर्पणम्** । आलोचनात्मक टीका सहित । डॉ० के० एच० त्रिवेदी ३०-००

६३ **नाट्यपञ्चगव्यम्** । डॉ० राजेन्द्रमिश्र २-००

६४ **नाट्यशास्त्रम्** । 'प्रदीप' हिन्दी व्याख्या । व्याख्याकारः—बाबूलालशुक्ल प्रथम भाग (१–७ अध्याय) २५-०० द्वितीय भाग (८–१८ अध्याय) ४०-००

६५ **नाट्यशास्त्रम्** । भरतमुनि । 'मधुसूदनी', 'बालक्रीडा' संस्कृत-हिन्दी टीका । आचार्य मधुसूदन शास्त्री । १–२ भाग । प्रत्येक भाग ४७-००

+६६ **नाट्यशास्त्रम्** । 'प्रसाद' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । डॉ० सत्यप्रकाश शर्मा [चौ. सु. ३२] १–२ अध्याय ४-००

६७ **नाट्यशास्त्रम्** । भोलानाथशर्मा कृत सविवरण हिन्दी अनु० सहित । अध्याय १–३ ४-५०

६८ **नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक** । धनिक की वृत्ति सहित । हजारीप्रसाद द्विवेदी—पृथ्वीनाथ द्विवेदी २२-५०

६९ **नाट्यसंस्कृतिसुधा** । डॉ० रमेशचन्द्रशुक्ल १०-००

*७० **नारीजागरणनाटकम्** । पं० श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' [वि. सं. १४१]
[प्रस्तुत नाटक स्त्री-शिक्षा के समर्थन एवं प्रयास की एक कड़ी है । इसमें इतिहास-पुराण-उपनिषद् आदि से उदात्त, मार्मिक तथा उपदेशप्रद चरित्रों का गुम्फन-कौशल लेखक के जीवनव्यापी अध्यापनानुभव का फल है । भारतीय-महिलाओं को उनके गरिमामय स्वरूप का बोध कराने के लिये लिखा गया वह सरल, सरस एवं मनोरंजक संस्कृत नाटक स्त्री-पुरुष सभी के पढ़ने योग्य है ।] ५-००

*७१ **पञ्चरात्रम्** । आचार्य श्रीरामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या विस्तृत प्रस्तावनादि सहित ।
[आचार्य रामचन्द्र मिश्र विरचित संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या ने मणिकाञ्चन संयोग कर दिया है । इसकी विस्तृत भूमिका में कथावस्तु आदि की विवेचना करके परिशिष्ट में नोट्स तथा नाटकीय विषयों पर पर्याप्त विवेचन प्रस्तुत किया गया है ।] [वि. सं. ३५] ५-००

७२ **परमार्थचिन्तनम्** । (सिद्धार्थमहाभिनिष्क्रमणरूपनाटकं) । सं० द्वारिकादास शास्त्री १-००

*७३ **पाणिनीयनाटकम्** । पं० श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' [वि. सं. १०८]
['त्रिमुनि-व्याकरणम्' इस नाटक की भित्ति है । महर्षि पाणिनि के इतिवृत्त के

माध्यम से व्याकरणशास्त्र की संक्षिप्त इतिहास ही इस नाटक द्वारा रङ्गमंच पर दर्शाया गया है। विज्ञ विद्वानों के अनेक प्रशंसा-पत्र पुस्तक में छपे हैं]। ५-००

७४ **प्रचण्डपाण्डवनाटकम्**। 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित। श्री हरिदत्त शास्त्री ३-००

*७५ **प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्**। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, आलोचनात्मक टिप्पणी तथा भूमिकादि सहित
[संस्कृत-हिन्दी व्याख्या के साथ-साथ आलोचनात्मक टिप्पणी–नोट्स, विशद भूमिका हो जाने से यह संस्करण संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी छात्रों के लिए समान रूप से उपयोगी हो गया है।] [वि. सं. ३९] ५-००

+७६ **प्रतिमानाटकम्**। 'विमला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। डॉ० जगदीशचन्द्रमिश्र [चौ. सु. २८] ७-००

*७७ **प्रबोधचन्द्रोदयम्**। आचार्य श्रीरामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स (विवरण) विस्तृत प्रस्तावनादि सहित
[आचार्य रामचन्द्र मिश्र जी विरचित सरल, सुबोध संस्कृत तथा सुललित हिन्दी टीका एवं नाटक-समीक्षा, नोट्स, नाटकीय विषय आदि से सुसज्जित यह सर्वोत्तम संस्करण है]। [वि. सं. १४] ७-००

७८ **प्रभावतीपरिणयम्**। रामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ८-००

*७९ **प्रसन्नराघवम्**। जयदेवविरचित। 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या समालोचना, नोट्स सहित। व्याख्याकार—आचार्य श्री शेषराजशर्मा रेग्मी
[आचार्य श्री शेषराजजी ने प्रतिपद की व्याख्या, समास-विग्रह, कोश, अलंकार आदि देकर इस संस्करण को अधिक सरल बना दिया है। इसकी समालोचनात्मक हिन्दी भूमिका, नोट्स तथा आधुनिक विविध परिशिष्ट तो परीक्षार्थी के लिए अधिक उपादेय है।] [वि. सं. २०] १२-००

८० **प्राचीनभाषानाटक** (मध्यकालीन संस्कृत नाटकों का संग्रह)। सम्पा० जगदीशचन्द्र माथुर ७०-००

*८१ **प्रियदर्शिका**। आचार्य श्रीरामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स (विवरण) विस्तृत प्रस्तावनादि सहित
[आधुनिक टीकाकारों में आचार्य रामचन्द्र मिश्र जी का नाम सर्वोपरि है। इस नाटक को भी आपने व्याख्या, विग्रह, समास, अलङ्कार, नोट्स आदि से अलंकृत कर दिया है।] [वि. सं. १८] ५-००

*८२ **बालचरितम्**। श्रीरामजी मिश्र विरचित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका पर्याय, समास, कोश, अलङ्कार, हिन्दी, नोट्स, हिन्दी समालोचना, महाकवि भास की जीवनी, कथासार और गवेषणापूर्ण पात्रालोचन से सुसज्जित
[सामान्य विद्यार्थियों का बुद्धिवैभव देखकर ही इसकी संस्कृत व हिन्दी टीकाएँ रची गई हैं जिनसे प्रतिपद का अर्थ स्पष्ट हो जाता है। समस्त ज्ञातव्य नाट्यशास्त्रीय विषयों का ज्ञान विशद भूमिका से ही हो जाता है।] [वि. सं. ५९] ५-००

८३ **भक्तसुदर्शननाटकम्**। मथुराप्रसाद दीक्षित २-००

८४ **भर्तृहरिनिर्वेदनाटकम्**। हरिहरोपाध्याय कृत ०-५०

८५ **भवभूतिग्रन्थावली**। अनु० रामप्रताप त्रिपाठी ४०-००

८६ **भारतविजयनाटकम्**। मथुराप्रसाद दीक्षित कृत हिन्दी टीका सहित २-५०

*८७ **भासनाटकचक्रम्**। (महाकवि भास के सम्पूर्ण नाटकों का संकलन) आचार्य बलदेव उपाध्याय सम्पादित 'महाकवि भास' नामक सुविस्तृत भूमिकादि विभूषित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। (शोधपूर्ण संस्करण)

[इस संस्करण में भास के १३ नाटकों में से प्रत्येक की अतिसरल संस्कृत तथा हिन्दी व्याख्याएँ की गई है जिनसे ग्रन्थ का कोई शब्द अविदित नहीं रह जाता। उपाध्याय जी की शताधिक पृष्ठों की शोधपूर्ण भूमिका में भास सम्बन्धी अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। इतनी अधिक उपयोगी सामग्री के साथ भास के सभी नाटकों का यह सम्मिलित संकरण प्रथम बार ही प्रकाशित हुआ है। छात्रों, अध्यापकों तथा पाठकों के लिए यह नितान्त उपयोगी संस्करण है।] [चौ. वि.] १–२ भाग ५०–००

८८ **भीमविक्रमव्यायोगः**। व्यासमोक्षादित्य विरचित। **धर्मोद्धरणम् नाम नाटकम्।** दुर्गेश्वरपण्डितविरचित। सम्पा० उमाकान्त प्रेमचन्द शाह १२–००

८९ **भूमिकन्या**। (भार्गवराम विट्ठल वरेरकर कृत 'भूमि-कन्या सीता' का संस्कृत अनुवाद) डॉ० रत्नमयी देवी दीक्षित २–५०

९० **भैरवविलासः**। (प्रेक्षाणकम्) ब्रह्मत्र-वैद्यनाथ प्रणीत। सम्पा० बाबूलाल शुक्ल ३–००

९१ **भैरवानन्दनाटकम्**। मणिक कवि प्रणीत ४–००

*९२ **मध्यमव्यायोगः**। श्रीरामजी मिश्र विरचित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, भास की जीवनी पात्रालोचन सहित।

[भास विरचित इस संस्कृत एकांकी नाटक की संस्कृत और हिन्दी दोनों व्याख्याएँ ललित भाषा में की गई है। भूमिका में सभी नाट्यशास्त्रीय एवं परीक्षा की दृष्टि से उपयोगी विषयों का समावेश है।] [वि. सं. ५३] २–५०

९३ **मलयजाकल्याणम्**। (नाटिका) वीरराघवप्रणीत। सम्पा० बाबूलाल शुक्ल १०–००

९४ **मल्लिकामारुत-प्रकरणम्**। दण्डी कृत। सटीक। जीर्ण ९–००

*९५ **महावीरचरितम्**। भवभूतिप्रणीत। आचार्य रामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दीव्याख्या-समालोचना-कथासार-नोट्स-नाटकीयादि विषय विभूषित

[संस्कृत व्याख्या में प्रतिपद का पर्याय, समास,कोश, अलंकार आदि देकर आधुनिक प्रांजल राष्ट्रभाषा हिन्दी में अनुवाद कर दिया गया है। साथ ही परिशिष्ट में हिन्दी नोट्स,नाटकीय विषय आदि देकर तथा ग्रन्थ के आरम्भ में हिन्दी समालोचना, महाकवि की जीवनी कथासार और गवेषणापूर्ण पात्रालोचन से सुसज्जित कर इस संस्करण को मौलिकता प्रदान की गयी है। द्वितीय संशोधित संकरण।] [वि. सं. १०] १२–५०

९६ **मालतीमाधवनाटकम्**। 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीका। श्री शेषराजशर्मा १२–००

+९७ **मालविकाग्निमित्रम्**। संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेतम्। डॉ० रमाशङ्कर पाण्डेय [चौ. सु. ४५] १०–००

९८ **मुदितमदालसनाटकम्**। म० म० गोकुलनाथप्रणीत। सम्पादक—डॉ० त्रिलोकनाथ झा १३–२६

*९९ **मुद्राराक्षस-नाटकम्**। संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्यात्रय सहित व्याख्याकार—श्री जगदीशचन्द्र मिश्र [वि. स. १६१] १५–००

१०० **मृच्छकटिकम्**। 'प्रबोधिनी'-'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १६–००

१०१ **मृच्छकटिकम्**। संस्कृत-हिन्दी टीका। श्रीनिवास शास्त्री १२–००

१०२ **मृच्छकटिक : आलोचनात्मक अध्ययन**। प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल २–५०

१०३ **यूथिका**। डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी २–५०

+१०४ **रत्नावली-नाटिका**। 'सुधा'-संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० परमेश्वरदीन पाण्डेय [चौ. सु. ३१] ६–००

१०५ **रत्नावलीनाटिका : अलोचनात्मक अध्ययन**। प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल २–५०

१०६ **ललितमाधवम्**। नरायणप्रणीत संस्कृत टीका। सम्पा० बाबूलाल शुक्ल २०–००

१०७ **विक्रमोर्वशीयम्**। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या। आचार्य रामचन्द्र मिश्र ८–००

१०८ **विक्रमोर्वशीयम्** । रङ्गनाथ कृत प्रकाशिका-कोणेश्वर कृत तोटकविवेक काटयवेमभूप कृत कुमारगिरिराजीय व्याख्या सहित १०-७०
१०९ **विक्रमोर्वशीयम्** । संस्कृत टीका-हिन्दी अनुवाद सहित ५-००
११० **विक्रान्तकौरवम्** । पन्नालाल जैन कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ८-००
१११ **विक्रान्तभारतम्** । डॉ० वी० आर० शास्त्री सम्पादित ४-८०
११२ **विदग्धमाधवः** । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । पं० रमाकान्त झा १२-००
*११३ **विद्धशालभञ्जिका** । राजशेखरविरचित । सटिप्पण 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक विस्तृत भूमिका सहित [वि. स. १२५]
[महाकवि राजशेखर विरचित इस नाटिका में प्रभातवर्णन, सन्ध्यावर्णन, वसन्तवर्णन तथा चन्द्रिका का वर्णन भी अत्यन्त सजीव है। इसकी हिन्दी टीका में अनावश्यक विस्तार न कर सुबोध व्याख्या प्रस्तुत की गई है। विशद भूमिका में भी ग्रन्थ के गम्भीर अध्ययन एवं शोध के परिणाम उपन्यस्त हैं।] ५-००
११४ **विद्यापरिणयम्** । आनन्दरायमखिविरचित । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र ६-००
११५ **विवेकचन्द्रोदयनाटकम्** । शिव कवि विरचित ७-००
११६ **विश्वमोहननाटकम्** । ताडपत्रीकर कृत ३-७५
११७ **वीणावासवदत्तम्** । के० वी० शर्मा विरचित १०-००
११८ **वीरप्रतापनाटकम्** । मथुराप्रसाद दीक्षित ३-००
११९ **वेणीसंहारनाटकम्** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ८-००
१२० **वेणीसंहार : आलोचनात्मक अध्ययन** । प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल २-५०
१२१ **शङ्करविजयनाटकम्** । मथुराप्रसाद दीक्षित १-००
१२२ **शङ्खपराभवव्यायोगः** । हरिहर विरचित । सम्पा० भोगीलाल ज० सन्देशरा ८-००
१२३ **श्रीगीत-गौराङ्गम्** । (गीतिनाट्यम्) डॉ० वीरेन्द्र कुमार २०-००
१२४ **शृङ्गारमञ्जरी-सट्टकम्** । विश्वेश्वर पाण्डेय भट्टाचार्य २०-००
१२५ **संकल्पसूर्योदयनाटकम्** । वेंकटनाथकृत । प्रभाविलास-प्रभावलीव्याख्याद्वय सहित । १-२ भाग ४५-००
१२६ **सङ्कल्पसूर्योदयनाटकम्** । वीरराघवाचार्य कृत संस्कृत टिप्पणी, द्राविडानुवाद युक्त ३०-००
१२७ **सत्याग्रहोदयः** । डॉ० वी० आर० शास्त्री ५-५०
१२८ **समुद्रमन्थनम्** । (समवकारः) आमात्य वत्सराज कृत । सम्पादक—प्रभात शास्त्री ५-००
१२९ **सरस्वतीनाटिका** । सदाशिव दीक्षित प्रणीत १-००
१३० **सामवतम्** । महाकवि अम्बिकादत्तव्यास कृत १०-००
१३१ **सावित्रीनाटकम्** । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी १-००
*१३२ **सुभद्राहरणम्** । माधवभट्टप्रणीत । सान्वय-'प्रकाश'-हिन्दीव्याख्योपेतम् आचार्य त्रिनाथ शर्मा [वि. रा. ६९]
[श्रीगदित महाभारतीय रोचक आख्यान के आधार पर रचा गया यह नाटक अब सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या के साथ प्रकाशित किया गया है।] २-००
१३३ **सुसंहतभारतम्** । श्री पी० रामचन्द्र रेड्डी ८-००
१३४ **सेवन्तिकापरिणयनाटकम्** । चोक्कनाथविरचितम् ४-००
*१३५ **सौगन्धिकाहरणम्** । विश्वनाथकृत । 'प्रकाश' हिन्दी टीका भूमिकादि सहित । व्याख्याकार—श्री कपिलदेव गिरि
[महाभारतीय आख्यान पर आधारित यह संस्कृत नाटक हिन्दी व्याख्या सहित प्रस्तुत है। भूमिका में कविपरिचय, कथावस्तु, पात्रालोचन तथा और भी शास्त्रीय विषयों पर विचार है।] [वि. सं. ९६] ३-००

+१३६ **स्वप्नवासवदत्तम्** । भासकृत । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मी' [चौ. सु. २१] ७–००

१३७ **हनुमन्नाटकम्** । 'विभा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित १०–००

*१३८ **हिन्दी के पौराणिक नाटक** । डॉ० देवर्षि सनाढ्य । [वि. रा. ३५]
[संस्कृत, हिन्दी, बंगला, गुजराती आदि भारतीय भाषाओं में पौराणिक नाटकों की परंपरा का इतिवृत्त इस शोध-ग्रन्थ में उपस्थित किया गया है ।] २०–००

*१३९ **हिंसा या अहिंसा** । (हिन्दी-नाटक) सेठ गोविन्ददास
[कारखानों में मजदूरों और मिल-मालिकों में कैसा सम्बन्ध होना चाहिए, यही इस क्रान्तिकारी सामाजिक नाटक का मुख्य विषय है ।] [वि. रा. १३५] ४–००

१४० **हेमलेट** । शेक्सपीयर । एस० मुखर्जी कृत संस्कृतानुवाद ६–५०

141 Abhijnanashakuntalam. With English Translation. By M. R. Kale 25–00

142 Abhijnanashakuntalam. Text with English Translation. By Monier Williams 25–00

143 Abhijnanashakuntalam. With English Translation. By C. R. Devdhar 8–00

144 Bharata's Natyamanjari. Collceted from Bharatnatyashastra. English Translation. By G. K. Bhatt 75–00

145 Bhavbhuti. By V. V. Mirashi 45–00

146 Chandakaushikam of Arya Kshemiswar. With English Translation. Ed. by Shivanidas Gupta 15–00

147 Charudatta. Text with English Translatlon. C. R. Devdhar 6–00

148 Charudattam. Text with English Translation & Notes By Prof. P. S. Sane & S. A. Upadhyaya 6–00

149 Dutaghatotkacham. Text with English Translation. By C. R. Devdhar 4–00

150 Dutavakyam. Text with English Translation. C. R. Devdhar 4–00

151 Karnabharam. Text with English Translation. By C. R. Devdhar 4–00

152 Karpuramanjari. Text with English Translation. By Sten Konow & C. R. Lauman 7–50

153 Madhyamavyayoga. Text with English Translation. By C. R. Devdhar 4–00

154 Madhyamavyayoga & Urubhangam. Text with English Translation & Notes. By J. M. Ashar 5–00

155 Malatimadhavam. Text with English Translation. By M. R. Kale 15–00

156 Malavikagnimitra Text with English Translation. By C. R. Devdhar 12–00

157 Malavikagnimitra : A critical study. By M. D. Paradkar 4–50

158 Mrichhakatikam. Text with English Translation. By M. R. Kale 20–00

159 Mudrarakshasam. Text with Hindi, English Translation & Notes. By Jagadishachandra Mishra 15-00
160 Naganandam. Text with English Translation & Notes Ed. By Dr. M. A. Karandikar & Mrs. S. Karandikar 5-50
161 Pancharatram, Text with English Translation. By C. R. Devdhar 5-00
162 Prabodhachadrodayam. Text with English Translation. By S. K. Nambiar 20-00
163 Pratijnayaugandharayanam. Text with English Translation. By C. R. Devdhar 6-00
164 Pratimanatakam. By M. R. Kale 16-00
165 Priyadarshika of Sri Harshadeva. Ed. by M. R. Kale 14-00
166 Sri Harsha's Plays (Nagananda, Ratnavali & Priyadarshika) Text with English Translalion 45-00
167 Svapnavasavadattam. With English Notes & Translation. By C. Shankararama Shastri 6-00
168 Theory of Rasa in Sanskrit Drama. By H. R. Mishra 80-00
169 Urubhangam. Text with English Translation. By C. R. Devdhar 4-00
170 Urubhangam. With English & Kannad Translation. By Pt. S. Rangachar 4-00
171 Uttararamacaritam. Text with English Translation. By P. V. Kane 12-00
172 Venisamhara of Bhattnarayana. Ed. M. R. Kale 25-00
173 Venisamhara of Bhattanarayana. English Translation. By C. Shankararam Shastri. 10-00
174 Vikramorvashiyam. Text with English Translation. By C. R. Devdhar 16-00
175 Vikramorvasiyam. By M. R. Kale 8-50
176 Yayaticharita. Text with English Translation. By C. R. Devdhar 10-00

कोष-ग्रन्थाः

१ **अनेकार्थतिलकम्** । महीप विरचित ६-००
२ **अनेकार्थध्वनिमञ्जरी** । द्विरूपकोश-एकाक्षरकोश सहित ०-५०
३ **अनेकार्थसंग्रहकोशः** । हेमचन्द्र विरचित १२-००
४ **अभिधर्मकोश** । वसुबन्धुकृत । भाष्य, स्फुटार्थ व्याख्या । १-८ कोशस्थान सम्पा० द्वारिकादास शास्त्री । १-२ भाग समाप्त, ३-४ भाग ४०-००
५ **अभिधर्मकोष** । वसुबन्धु कृत । अनु० आचार्य नरेन्द्रदेव । १-२ भाग ४५-००
६ **अभिधानचिन्तामणिः** । हेमचन्द्र कृत । 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या, विमर्श सहित । व्याख्याकार—पं० श्री हरगोविन्द शास्त्री
[प्रस्तुत कोश-ग्रन्थ सारपूर्ण विस्तृत हिन्दी टीका एवं अपूर्व कोश-कला से परिपूर्ण

है। इसकी विस्तृत भूमिका, विषयसारिणी, नव-शब्द-योजना तथा अन्तिम शब्दानुक्रमणिका अत्यन्त ही उपादेय और प्रशस्त है।] [वि. सं. १०९] ३५-००

७ **अभिधानराजेन्द्रकोशः**। विजयराजेन्द्रसूरीश्वरविरचित। (अर्धमागधी प्राकृत-संस्कृत कोश) १-७ भाग सम्पूर्ण (दुष्प्राप्य) ४०००-००

+८ **अमरकोशः**। श्रीपुरुषोत्तमदेवप्रणीत एकाक्षरकोषश्च। 'रत्नप्रभाऽऽख्य'-संस्कृत-व्याख्यया, हिन्दी टिप्पण्यादिभिश्च विभूषितः। व्याख्याकारः—डॉ० ब्रह्मानन्दत्रिपाठी (सम्पूर्ण—शीघ्रप्राप्य) प्रथम काण्ड २-००

९ **अमरकोशः**। 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका सहित। सम्पूर्ण २०-००

१० **अमरकोशः**। संक्षिप्त माहेश्वरी व्याख्या सहित १०-००

११ **अमरकोशः**। कृष्णमित्रटीकोपेतः। सम्पा० डा० सत्यदेव मिश्र। सम्पूर्ण २३-५०

१२ **अमरकोशः**। दाक्षिणात्य व्याख्योपेतः। १-२ भाग १४०-००

१३ **आख्यातचन्द्रिका-नाम-क्रियाकोशः**। श्रीभट्टमल्लविरचित १०-००

*१४ **आदर्श-हिन्दी-संस्कृत-कोश**। सम्पादक—प्रो० रामस्वरूप शास्त्री [वि. सं. ३२] [इस कोश में लगभग चालीस सहस्र हिन्दी-हिन्दुस्तानी शब्दों तथा मुहावरों के संस्कृत पर्याय दिये गये हैं। प्रत्येक शब्द का लिंगनिर्देश भी किया गया है। हिन्दी क्रिया पदों के संस्कृत धातुओं के गण, पद, सेट्, अनिट्, वेट्, णिजन्त आदि के रूप भी दिये गये हैं। सुसंस्कृत तथा परिवर्धित द्वितीय संस्करण] ५०-००

१५ **उणादिकोषः**। स्वामी दयानन्द सरस्वती। सम्पा० युधिष्ठिर मीमांसक ७-००, १०-००

१६ **उपनिषद् उद्धारकोश**। सम्पा० विश्वबन्धु ३०-००

१७ **उपनिषद्वाक्यमहाकोशः**। १५०-००

१८ **एकाक्षरनाम-कोषसंग्रह**। सम्पा० मुनि रमणीकविजय ९-००

१९ **एकार्थनामाला-द्व्यक्षरनाममाला**। सौभरी विरचित ४-००

२० **ऐतरेयब्राह्मण-आरण्यककोषः**। सम्पा० केवलानन्द सरस्वती ८-००

२१ **काश्मीरशब्दामृत**। ईश्वरकौल कृत। १-२ भाग ५-००

२२ **कोशकल्पतरुः**। विश्वनाथ कृत। मधुकरमंगेश पाटकर-के० वी० कृष्णमूर्ति शर्मा सम्पादित। १-२ भाग ५०-००

२३ **कौषीतकि-ब्राह्मण-आरण्यक-विषयकोश**। १०-००

२४ **गणितीयकोश**। (गणितीयपरिभाषा तथा गणितीयशब्दावली) डॉ० ब्रजमोहन १५-००

२५ **गो-ज्ञानकोश**। द्वितीयभाग मात्र १०-००

२६ **जैनेन्द्रसिद्धान्तकोश**। जिनेन्द्रवर्णी। १-४ भाग २१०-००

२७ **त्रिकाण्डकोषः**। 'शास्त्रार्थचन्द्रिका' टीका सहित। श्रीशीलस्कन्धमहानायकयति ७-५०

२८ **तैत्तिरीयमंत्रकोश**। ३-७५

२९ **दोहाकोश**। सिद्धसरहपाद। राहुल सांकृत्यायन कृत हिन्दी छायानुवाद सहित १३-२५

३० **धर्मकोशः**। श्रीलक्ष्मणशास्त्रीसम्पादित। व्यवहारकाण्ड १-३ भाग १२०-००
उपनिषत्काण्ड १-४ भाग २२५-०० संस्कारकाण्ड प्रथम भाग ७०-००
राजनीतिकाण्ड १-४ भाग ३५०-००

३१ **नानार्थमञ्जरी**। राघवविरचित १५-००

३२ **नानार्थरत्नमाला**। इरुगपदण्डधिनाथ विरचित १५-००

३३ **नानार्थ-संग्रहः**। सम्पा० प० बरुआ ३५-००

३४ **नाममालिका**। भोज संगृहीत ६-००

३५ **नामलिङ्गानुशासनम्**। अङ्गरेजी शब्दकोश सहित। सरदेसाई तथा पाध्ये सम्पा० १०-००

३६ **नालन्दा अद्यतन कोश**। २२-५०

३७ **नृत्यरत्नकोश**। कुम्भकर्ण प्रणीत। १-२ भाग १०-५०

३८ **न्यायकोशः** । म० म० भीमाचार्य विरचित । वासुदेवशास्त्री अभ्यङ्कर सम्पादित १४०-००
३९ **न्यायोक्तिकोशः** । छविनाथ मिश्र ४०-००
४० **पर्यायशब्दरत्न** । २१-००
४१ **पाउअकोशः** । पहराअ विरचित । सम्पा० महाप्रभुलाल गोस्वामी ४-००
४२ **पाठ्यरत्नकोश** । मेदपाठेश्वर श्री कुम्भकर्ण ग्रथित ३-५०
४३ **परसीकप्रकाशः** । विहारी कृष्णदास विरचित ५-५०
४४ **पौराणिक-कोश** । सम्पा० राणाप्रसाद शर्मा ३०-००
४५ **ब्राह्मणोद्धारकोषः** । विश्वबन्धु सम्पादित ७५-००
४६ **भारतवर्षीयप्राचीनचरित्रकोशः** । म० म० सिद्धेश्वरशास्त्री चित्राव ८०-००
४७ **भारतीय व्यवहारकोश** । (१६ भाषाओं का शब्दकोश)।
सम्पा० विश्वनाथ दिनकर नरवणे ९०-००
४८ **मङ्खकोशः** । मङ्खकोश टीकासार सहित । सम्पा० थियोडोर जखारिया ३०-००, ४०-००
४९ **महाभारत-कोश** । रचनाकार—डॉ० रामकुमार राय । १-२ भाग ७०-००
५० **मीमांसाकोषः** । केवलानन्द सरस्वती सम्पादित । २-७ भाग ३००-००
५१ **मेदिनीकोशः** । मेदनिकरविरचित ८-००
५२ **रघुकोषः** । रघुनाथदत्त बन्धु ३-००
*५३ **राजतरङ्गिणीकोशः** । डॉ० रामकुमार राय सम्पादित
[कल्हण कृत राजतरङ्गिणी का यह कोश हिन्दी में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया जा रहा है। इसमें राजतरङ्गिणी में आये सभी नामों और विषयों की ससन्दर्भ व्याख्या प्रस्तुत की गई है। साथ ही लेखक ने एक विस्तृत भूमिका में कल्हण के व्यक्तित्व और कृतित्व का विवेचन करते हुये विभिन्न विषयों, जैसे राजनीति, समाजशास्त्र, धर्म और नीति आदि से सम्बद्ध उनके विचारों को प्रस्तुत किया है। राजतरङ्गिणी में आये विभिन्न राजाओं की वंशावलियों तथा कालक्रमागत तालिकाओं का भी भूमिका में समावेश किया गया है] [वि. रा. १०९] २५-००
५४ **वस्तुरत्नकोश** । अज्ञात विद्वत्कृत । डॉ० प्रियबाला शाह ४-००
५५ **वाङ्मयार्णवः** । (संस्कृत पद्यबद्ध विश्वकोश) रामवतार शर्मा विरचित १००-००
५६ **वाचस्पत्यम्** । बृहत्संस्कृताभिधानम् । तर्कवाचस्पति श्रीतारानाथभट्टाचार्येण सङ्कलितम् । १-६ भाग सम्पूर्ण १५००-००
५७ **वाल्मीकीयरामायणकोशः** । डॉ० रामकुमार राय ३०-००
५८ **वैजयन्तीकोषः** । यादवप्रकाशाचार्य । सम्पा० हरगोविन्द शास्त्री ३५-००
*५९ **वैदिक-इण्डेक्स** । मैक्डोनेल तथा कीथ (हिन्दी रूपान्तर)
अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय । [वि. रा. ४६]
[इसमें सन्दर्भ संकेत संख्यायें तथा फुटनोट में उनकी व्याख्या का क्रम वही किया गया है जैसा कि मूल ग्रन्थ में है। इस व्याख्या के कारण जो निःसन्देह अत्यन्त कठिन और कहीं-कहीं असम्भव-सा कार्य था, अनुवाद की उपयोगिता और विषय-व्यवस्था की प्रामाणिकता अत्यन्त बढ़ गई है।] १-२ भाग ७५-००
६० **वैदिककोश** । (वैदिक विषयों एवं नामों का) डॉ० सूर्यकान्त २२-५०
६१ **वैदिकपदानुक्रमकोषः** । विश्वबन्धु सम्पादित । १-१६ भाग १६००-००
६२ **शब्दकल्पद्रुमः** । राजाराधाकान्तदेवबहादुरविरचितः । १-५ भाग ७५०-००
६३ **शब्दरत्नप्रदीप** । सम्पा० डॉ० हरिप्रसाद शास्त्री २-००
६४ **शब्दरत्नाकरः** । बाणभट्ट विरचित । सम्पा० डॉ० बेल्लिकोठ रामचन्द्र शर्मा २७-००

६५ **शब्दरत्नावली** । मथुरेश कृत । सम्पा० मनीन्द्रमोहन चौधरी ३२-००
६६ **शब्दस्तोममहानिधिः** । श्रीतारानाथतर्कवाचस्पतिविरचित १२५-००
६७ **शारदीयाख्या नाममाला** । हर्षकीर्ति विरचित । पाटकर सम्पादित ५-००
६८ **शिवकोशः** । शिवदत्तविरचित । हर्ष सम्पादित १२-००
६९ **श्रीकोषः** । (हिन्दी-संस्कृत कोष) पं० केदारनाथ शर्मा ५-००
७० **श्रौतकोशः** । वापट सी० दातार, डी० वी० नाने, सी० जी० काशीकर सम्पादित । संस्कृत-अंगरेजी सहित । १-५ भाग २४०-००
*७१ **संस्कृतसाहित्यकोश** । डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा'
[हिन्दी में संस्कृत वाङ्मय की सभी प्रमुख शाखाओं, ग्रन्थों, ग्रन्थकारों, विधाओं, प्रवृत्तियों एवं चिन्तनधाराओं तथा तत्सम्बन्धी अद्यतन अनुसन्धानों एवं गवेषणाओं का एक साथ प्रामाणिक विवरण प्राप्त करने के लिए यह अभिनव कोश एकमात्र साधन है। तीन विशाल खण्डों में पूर्ण हुआ यह कोश-ग्रन्थ अध्यापक, छात्र तथा शोधकार्यार्थी सभी के लिए अनुपम सहायक है] । [चौ. रा. १६] ५०-००
७२ **संस्कृत-हिन्दी कोश** । वी० एस० आप्टे ३०-००
७३ **सांख्ययोगकोश** । केदारनाथ त्रिपाठी ५-२५
७४ **हलायुधकोश** । हलायुधभट्टविरचित २५-००
७५ **हिन्दू-धर्म-कोष** । डॉ० राजबली पाण्डेय ४५-००
76 Dictionary of Sanskrit Grammar. By K. V. Abhyankar 50-00
77 English-Sanskrit Dictionary. Ed By Monior Williams 125-00
78 An Encyclopaediatic Dictionary of Sanskrit. Ed. by A. M. Ghatage Vol. I (Parts I-III) 425-00
79 New Catalogus Catalogorum. Vols I-IX 225-00
80 Practical Sanskrit-English Dictionary. By V. S. Apte 100-00
81 Puranic Encyclopaedia. By V. Mani 300-00
82 A Sanskrit-English Dictionary. By Carl Cappeller 65-00, 85-00
83 Sanskrit-English Dictionary. Ed. by V. S. Apte. 3 Vols. 375-00
84 Sanskrit-English Dictionary. Ed. by Monior Williams 175-00
85 Sanskrit-English Dictionary. Ed. by H. H. Wilson 150-00
86 Sanskrit-Hindi-English Dictionary. By Dr. Suryakanta 125-00
87 Student's English-Sanskrit Dictionary. V. S. Apte 20-00, 25-00
88 Student's Sanskrit-English Dictionary. V. S. Apte 30-00, 45-00
89 Student's Sanskrit-English & English-Sanskrit Dictionary. By C. J. Bhatt 20-00, 30-00
90 Tibetan-English Dictionary. By H. A. Jasohke 70-00
91 Yoga-Vedanta Dictionary. By Shivananda 6-00, 10-00

हिन्दी-कोश-ग्रन्थाः

१ **अवधी कोश** । रामाज्ञा द्विवेदी १०-००
*२ **आदर्श-हिन्दी-संस्कृत-कोश** । सम्पादक—प्रो० रामस्वरूप शास्त्री (संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण १९७९) ५०-००
३ **उर्दू-हिन्दी कोश** । सम्पा० मुहम्मद मुस्तफा खाँ 'मदाह' १८-००
४ **कहावत कोश** । भुवनेश्वरनाथ मिश्र 'माधव' एवं विक्रमादित्य मिश्र १५-००

५ कृषक जीवन सम्बन्धी ब्रजभाषा शब्दावली । डॉ० अम्बाप्रसाद 'सुमन' । १-२ भाग ४०-००
६ कृषि-कोश । डॉ० विश्वनाथप्रसाद मिश्र । १-२ भाग ९-५०
७ तुलसीरामायण शब्दसूची । डॉ० सूर्यकान्त ६०-००
८ तुलसी शब्दसागर । भोलानाथ तिवारी २०-००
९ पालि-हिन्दी कोश । भदन्तआनन्द कौसल्यायन ५०-००
१० ब्रजभाषा-सूरकोश । डॉ० दीनदयालु । १-१० भाग (दो जिल्द में) ८०-००
११ बृहद् अंग्रेजी-हिन्दी कोश । सम्पा० डॉ० हरदेव बाहरी ७०-००
१२ बृहद् हिन्दी कोश । कालिकाप्रसाद ६०-००
१३ भार्गव अंग्रेजी-हिन्दी-शब्दकोश । बड़ा ३२-००, गुटका १२-५०
१४ भार्गव हिन्दी-अंग्रेजी-शब्दकोश । बड़ा ३२-००, गुटका १२-५०
१५ भाषा-विज्ञान कोश । भोलानाथ तिवारी ३०-००
१६ भाषा शब्द-कोश । रमाशंकर शुक्ल 'रसाल' २०-००
१७ भारतीय साहित्यशास्त्र कोश । डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' ५०-००
१८ मानक अंग्रेजी-हिन्दी-शब्दकोश । डॉ० सत्यप्रकाश एवं बी० पी० मिश्र २०-००
१९ मानक हिन्दी कोश । सम्पा० रामचन्द्र वर्मा । १-५ भाग १५०-००
२० मानविकी पारिभाषिक कोश । (साहित्य-दर्शन-मनोविज्ञान खण्ड) ६०-००
२१ मानस-शब्द-सागर । बद्रीनाथ अग्रवाल २५-००
२२ लघु हिन्दी शब्दसागर । सम्पा० करुणापति त्रिपाठी ३५-००
२३ लघुत्तर हिन्दी शब्दसागर । सम्पा० करुणापति त्रिपाठी १५-००
२४ शिक्षा विज्ञान कोश । सीताराम जायसवाल ३२-००
२५ संक्षिप्त हिन्दी शब्दसागर । ४५-००
२६ साहित्यशास्त्र का पारिभाषिक शब्द कोश । राजेन्द्र द्विवेदी १२-००
२७ सूरसागर शब्दावली । २०-००
२८ हिन्दी कथा कोश । ८-००
२९ हिन्दी विश्वकोश । सम्पा० वीरेन्द्र वर्मा-भगवतशरण उपाध्याय-गोरख प्रसाद आदि । १-१२ खण्ड ४५०-००
३० हिन्दी शब्द-सागर । सम्पा० श्यामसुन्दर दास १-११ भाग ३७५-००

नीति-अर्थशास्त्र-ग्रन्थाः

१ अर्थशास्त्र-राजसिद्धान्त । योग्यमनाभाचार्य कृत । नीतिनिर्णित कौटिलीय राज-सिद्धान्त व्याख्या सहित ४-४०

*२ अपराध और दण्डशास्त्र । श्री कौशलकुमार राय [वि. रा. ८८]
[यह विषय प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में स्वीकृत है। इस पर हिन्दी में कुछ पुस्तकें निकली भी हैं परन्तु उनमें किसी में भी दण्डशास्त्र पर सामग्री उपलब्ध नहीं है। इसी कमी की पूर्ति के लिए इस पुस्तक की रचना हुई है।] १५-००

३ अभिलषितार्थचिन्तामणिः । सोमेश्वरदेव कृत । प्रथम भाग २-५०

*४ कथा-संवर्तिका । बालकोपयोगी शिक्षाप्रद लोक-कथाओं का सरल-सुबोध संस्कृत में अनुदित संग्रह
[सन्धिविरहित अति सरल तथा सारगर्भित संस्कृत में लिखी कथाओं की यह पहली पुस्तक है। कहानियाँ अपने ढङ्ग की निराली होती हुई भी नीति और शिक्षापूर्ण हैं।] १-००

५ कहावतरत्नाकर । हिन्दी-अंग्रेजी-संस्कृत १०-००

६ काण्ट का नीतिदर्शन । डॉ० छायाराम १०-००, १५-००

७ **कामन्दकीयनीतिसारः** । सव्याख्या १-२ भाग २७-००
८ **कामन्दकीयनीतिसारः** । हिन्दी टीका सहित ३-००
*९ **कौटिलीयं अर्थशास्त्रम्** । सुसंस्कृत हिन्दी व्याख्या समालोचना, पारिभाषिक संस्कृत-हिन्दी शब्दकोश सहित । व्याख्याकार—श्रीवाचस्पतिशास्त्री गैरोला
[प्रस्तुत संस्करण में इस बात पर विशेष ध्यान रखा गया है कि अनुवाद की भाषा सुगम तथा वाक्य-योजना लघु हो। मूल के प्रतिपद का अर्थ इसमें स्पष्टतया देखा जा सकता है । पाण्डित्यपूर्ण विशद् भूमिका में वैदिक युग के आदिम साम्यसंघ से लेकर दासराज्यों, गणराज्यों और उनके बाद अधिष्ठित साम्राज्यों के उदय-अस्त का ऐतिहासिक दृष्टि से समीक्षण किया गया है तथा अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नई चेतना को जन्म देने वाले और आधुनिक दृष्टि से उस पर नये सिरे से विचार करने वाले कार्ल मार्क्स, एंगल्ल और लेनिन जैसे महान्, राजनीतिज्ञों एवं धुरन्धर अर्थशास्त्रियों के सिद्धान्तों की भी समीक्षा की गई है । ग्रन्थान्त में लगभग ८०० प्रशासनिक शब्दों के अँगरेजी-हिन्दी पर्यायों का संयोजन भी है] [वि. सं. ७५] ५०-००
१० **कौटिलीयं अर्थशास्त्रम्** । सम्पा० आर० पी० कांगले । १-३ भाग १००-००
११ **कौटिलीयं अर्थशास्त्रम्** । 'जयमंगला' 'वैदिकसिद्धान्तसंरक्षिणी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । १-२ अध्याय २१-००
*१२ **कौटिल्य का अर्थशास्त्र** । (शोधपूर्ण हिन्दी रूपान्तर) रूपान्तरकार—श्रीवाचस्पतिशास्त्री गैरोला
[आलोचनात्मक मनोवैज्ञानिक विमर्श, पारिभाषिक संस्कृत-हिन्दी शब्दकोश ऐतिहासिक प्रस्तावनादि सभी विषयों से विभूषित ।] [वि. रा. ५१] ४०-००
१३ **कौटिलीय अर्थशास्त्र** । भाषा टीका सहित । सम्पा० भारतीय योगी १२-००
१४ **कौटिलीयार्थशास्त्रम्** । विष्णुगुप्तविरचित । सटिप्पण । एन० एस० वेंकटनाथाचार्य १७-५०
१५ **कौटिलीय-अर्थशास्त्रसंग्रहः नीतिसूत्राणि च** । सम्पा० एन० एस्० वेङ्कटाचार्य २-५७
१६ **कौटिल्य-कालीन भारत** । आचार्य दीपशङ्कर ६-००
१७ **चाणक्यनीतिदर्पणः** । हिन्दी टीका सहित २-००
१८ **चाणक्यनीति-शाखा-सम्प्रदाय** । सम्पा० एल० स्टर्नबक । १-४ भाग २२५-००
१९ **चाणक्यराजनीति** । एल० स्टर्नबक सम्पादित १६-००
२० **चाणक्यसप्तति:** । के० वी० शर्मा सम्पादित ८-००
*२१ **चाणक्यसूत्र** । अनुवादक—वाचस्पति गैरोला
[अर्थशास्त्र पर चाणक्य के लगभग ५०० परमोपयोगी सूत्रों का व्यवस्थित भाषानुवाद] [वि. सं. ५७] १-००
२२ **चाणक्यसूत्राणि** । श्रीरामावतार कृत हिन्दी टीका सहित २५-००
*२३ **चारुचर्या** । (भारतीय सदाचार, शिष्टाचार) । क्षेमेन्द्र कृत । हिन्दी रूपान्तरकार—पं० देवदत्त शास्त्री
[श्री क्षेमेन्द्र विरचित चारुचर्या का यह हिन्दी रूपान्तर है। यह ग्रन्थ भारतीय सदाचार एवं शिष्टाचार का कोष है। मनुष्य जिन आचरणों और व्यवहारों से सामाजिक अभ्युदय प्राप्त कर जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है, उनका एकत्र समुच्चय इस पुस्तक में है] [वि. रा. ४४] ३-००
*२४ **चारुचर्या** । महाकवि श्री क्षेमेन्द्र विरचित मूल श्लोक तथा 'प्रकाश' हिन्दी अनुवाद सहित । व्याख्याकार—पं० देवदत्त शास्त्री [वि. सं. ९२] १-५०
२५ **नीतिकल्पतरुः** । व्यासदेव क्षेमेन्द्र । वी० पी० महाजन सम्पादित १०-००
२६ **नीतिप्रवेशिका** । जे० एस० मेकेंजी । अनु० डॉ० गोवर्धनभट्ट आदि १९-००
२७ **नीतिमञ्जरी** । सभाष्या द्याद्विवेदिविरचिता । भूमिका-टिप्पणी-परिशिष्टादिभिः १०-००

*२८ **नीतिवाक्यामृतम्** । सोमदेवसूरि विरचित । हिन्दी टीका सहित ।
रामचन्द्र मालवीय १०-००
२९ **नीतिवाक्यामृत में राजनीति** । डॉ० एम० एल० शर्मा १५-००
३० **नीति विज्ञान के मूल सिद्धान्त** । लक्ष्मी सक्सेना १०-००
३१ **नीति एवं वैराग्य-शतक** । एम० आर० काले कृत आंग्लानुवाद ६-००
+३२ **नीतिशतकम्** । 'विमला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या युक्त । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
[भर्तृहरि योगीन्द्र प्रणीत इस नीतिशतक के १०० श्लोक बालक बालिकाओं को अभ्यास करा देने से निश्चय ही उनका जीवनस्तर उन्नत हो जायगा। व्याख्या अत्यन्त सरल तथा सुबोध है ।] [चौ. सु. १०] ३-००
३३ **नीतिशतकम्** । हरिदास कृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित १०-००
३४ **नीतिशास्त्र** । सुश्री शान्ति जोशी ११-५०
३५ **नीतिशास्त्र की भूमिका** । डॉ० हृदयनारायण मिश्र २२-००
३६ **नीतिशास्त्र मीमांसा** । जॉर्ज एडवर्ड मूर १३-५०
३७ **नीतिशास्त्रीय सिद्धान्त के पाँच प्रकार** । सी० डी० ब्रॉड ६-३५
*३८ **नीति-श्रृंगार-वैराग्यशतकत्रयम्** । सरलसुबोध हिन्दीव्याख्या, पद्यानुवाद सहित
[मूल के साथ हिन्दी व्याख्या तथा साथ में हिन्दी पद्यानुवाद भी किया गया है। संस्कृत न जानने वाले व्यक्ति भी ग्रन्थों को हृदयङ्गम कर सकते हैं। गद्य एवं पद्य दोनों अनुवादों की भाषा अत्यन्त सरल, ललित तथा भावों के सर्वथा अनुकूल है] ७-५०
३९ **नीतिसूत्राणि** । बृहस्पतिचाणक्यसोमदेवैर्विरचितानि २-७५
*४० **पञ्चतन्त्रम्** । श्रीविष्णुशर्मा । 'सरला' हिन्दी टीका । श्रीगोकुलदास गुप्त
[आधुनिक ढंग की व्यवस्थित इस टीका की यह विशेषता है कि केवल हिन्दी जानने वाले भी पंचतन्त्र की कथाओं में आए हुए उपदेशों तथा नीतितत्त्वों से भली भाँति अवगत हो जायँगे। यह संस्करण विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं साहित्य तथा नीति-प्रेमियों के लिए समान रूप से उपयोगी है] [वि. स. १७] सम्पूर्ण १५-००
मित्रभेद [प्रथम तन्त्र] ४-०० मित्रसम्प्राप्ति [द्वितीय तन्त्र] २-५०
काकोलूकीय [तृतीय तन्त्र] २-५० लब्धप्रणाशम् [चतुर्थ तन्त्र] २-००
अपरीक्षितकारक [पञ्चम तन्त्र] श्रीकृष्णमणित्रिपाठीकृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या ३-५०
४१ **पाश्चात्य नीतिशास्त्रम्** । विश्वेश्वरसिद्धान्त शिरोमणि विरचित ४-००
४२ **पुरुषार्थोपदेश** । भर्तृहरि विरचित । के० वी० शर्मा सम्पादित ६-००
*४३ **बार्हस्पत्य राज्य-व्यवस्था** । डॉ० राघवेन्द्र वाजपेयी
[राजनीति के प्रमुख आचार्य बृहस्पति ने राज्य-शासन तथा राज्य-प्रबन्ध के लिये जिन विधि-विधानों का आदेश दिया है, उन पर पाण्डित्यपूर्ण आलोचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत पुस्तक में दर्शनीय है। इससे वर्तमान भारतीय राज्यव्यवस्था के गुण-दोषों पर अनजाने ही पर्याप्त प्रकाश पड़ जाता है] [वि. रा. ९७] १६-००
४४ **बुद्धभूषणम्** । शम्भुरचित ५-००
४५ **भारतराष्ट्रसंघटना** । सी० कुन्हनराजा २-००
४६ **भारतीय नीति का विकास** । डॉ० राजबली पाण्डेय ५-००
४७ **भारतीय नीतिशास्त्र** । डॉ० दिवाकर पाठक ७-५०
४८ **भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास** । डॉ० भीखनलाल आत्रेय २०-००
*४९ **राजनय के सिद्धान्त और व्यवहार** । श्रीमती कृष्णाराय [वि. रा. ७५] ७-००
५० **राजनीतिरत्नाकरः** । चण्डेश्वर कृत । हिन्दी टीका सहित १५-००
५१ **विदुरनीतिः** । पदार्थविस्तृत व्याख्या सहित । सम्पा० युधिष्ठिर मीमांसक ५-५०

५२ **वैशम्पायननीतिप्रकाशिका** । सीताराम कृत तत्त्वविवृत्ति सहित ४–१२
५३ **शुक्रनीतिः** । विद्योतिनी हिन्दी व्याख्या सहित २५–००
५४ **सत्याग्रह नीतिकाव्यम्** । पं० सत्यदेव वशिष्ठ ५–००
५५ **सदाचारशास्त्र** । देवदत्त शास्त्री । प्रथम भाग ६–६५
५६ **हरिहरचतुरङ्गम्** । गोदावरी मिश्र प्रणीत ६–५०
+५७ **हितोपदेश-मित्रलाभः** । (अश्लीलांशवर्जितः) आचार्य शेषराज शर्मा रेग्मी कृत 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतः ५–५०
५८ **हितोपदेशः** । 'किरणावली' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । सम्पूर्ण १२–००
५९ **हितोपदेशः** । सटिप्पण । सम्पूर्ण १–५०
६० **हिन्दूराज्यशास्त्र** । श्री अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी ७–००
61 A Study of Hindu Criminology. By Dr. Vasudeva Upadhyaya 75–00
62 Kautilya's Political Ideas and Institutions. By Prof. Radhakrishna Choudhary. 60–00
63 Hitopadesa. Text with English Translation. By M. R. Kale 12–00

संगीत-ग्रन्थाः

१ **अप्रकाशित राग** । ज० दे० पत्की सम्पादित । १–२ भाग १५–००
२ **अभिनव गीतमञ्जरी** । कृष्णनारायण रातंजकर । द्वितीय भाग (१–२ खण्ड) १३–००
३ **आलाप-तान-अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग १०–००
४ **आवाज सुरीली कैसे करें ?** लक्ष्मीनारायण गर्ग ६–००
५ **आसावरी थाट अङ्क** । सम्पादक—लक्ष्मीनारायण गर्ग ८–००
६ **ऊँची अटरिया रङ्गभरी** । राधावल्लभ चतुर्वेदी २५–००
७ **औमापतम्** । २–२०
८ **उत्तर-भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास** । वी० एन भातखण्डे ५–००
९ **कथक नृत्य** । लक्ष्मीनारायण गर्ग २०–००
१० **कथक नृत्य** । प्रकाशनारायण ३–००
११ **कथकलि नृत्यकला** । लक्ष्मीनारायण गर्ग ८–००
१२ **कर्नाटक संगीत अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग ६–००
१३ **कलावन्तों की गायकी** । ३–५०
१४ **कल्याण थाट अङ्क** । महेशनारायण सक्सेना ८–००
१५ **कानड़ा के प्रकार** । जयसुखलाल त्रिभुवनदास शाह १६–००
१६ **काफी थाट अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग ८–००
१७ **कायदा और पेशकार** । पं० सत्यनारायण वशिष्ठ ४–५०
१८ **काव्य संगीत अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग १०–००
१९ **क्रमिकपुस्तकमालिका** । पं० विष्णुनारायण भातखण्डे । १–६ भाग १२३–००
२० **खमाज थाट अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग ८–००
२१ **खयाल अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग ८–००
२२ **खुसरो तानसेन तथा अन्य कलाकार** । सुलोचना बृहस्पति २०–००
२३ **गजल अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग १०–००
२४ **गान्धर्व संगीत प्रवेशिका** । देवकीनन्दन धवन ५–००
२५ **गिटार-मास्टर** । चिन्तामणि जैन ३–५०

२६ **चतुर्थ वर्ष प्रश्नोत्तर** । श्रीमती कमलिनी श्रीवास्तव ४-००
२७ **चित्रकाव्यकौतुकम्** । रामरूपपाठक प्रणीत । स्वोपज्ञ व्याख्या सहित । सम्पा० प्रेमलता शर्मा १२-००
२८ **जनता फिल्मी हारमोनियम-तबला-बैंजो-बाँसुरी-गाइड** । सुमनलता आर्य ६-००
२९ **ठुमरी अङ्क** । पं० ज० दे० पत्की ७-००
३० **ठुमरी गायकी** । तुलसीराम देवांगन ७-००
३१ **ठुमरी तरङ्गिणी** । राजाभैया पूँछवाले ३-००
३२ **ठुमरी-संग्रह** । गङ्गाधरराव तैलङ्ग २०-००
३३ **तबलाकौमुदी** । रामशंकर 'पागलदास' । प्रथम भाग २-५० द्वितीय भाग १२-००
३४ **तबला-वादन** । गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव ४-००
३५ **तबले पर दिल्ली और पूरब** । सत्यनारायण वशिष्ठ ९-००
३६ **तराना अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग ८-००
३७ **तानमालिका** । राजा भैया पूँछवाले ६-००
३८ **तानसंग्रह** । श्रीकृष्णनारायण रातंजकर । प्रथम भाग ८-००
३९ **ताल अङ्क** । सम्पा० प्रभुलाल गर्ग ८-००
४० **तालपरिचय** । गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव । प्रथम भाग २-५०, द्वितीय भाग ३-७५
४१ **तालप्रकाश** । १५-००
४२ **तालमार्तण्ड** । पं० सत्यनारायण वशिष्ठ १०-००
४३ **तालमालिका** । राजाभैया पूँछवाले । १-३ भाग १४-००
४४ **तुलसी संगीत मणिमाला** । वी० के० वेंकटरामानुज ६-००
४५ **तोड़ी थाट अङ्क** । ८-००
४६ **दत्तिलम्** । हिन्दी टीका सहित । कलिन्द कृत ४-००
४७ **ध्रुपद और उसका विकास** । आचार्य कैलाशचन्द्र देव बृहस्पति २२-००
४८ **ध्रुपद-धमार अङ्क** । ८-००
४९ **ध्रुपद-धमार गायन** । राजाभैया पूँछवाले । प्रथम भाग ६-००
५० **ध्वनि और संगीत** । ललितकिशोर सिंह ८-००
५१ **नलदवदन्तीरास** । महीराज कृत । भोगीलाल जे० संदेसरा सम्पादित ४-२५
५२ **निबन्ध संगीत** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग २५-००
५३ **नृत्य अङ्क** । सम्पा० श्रीगणेशप्रसाद द्विवेदी ८-००
५४ **नृत्य प्रश्नपत्र (प्रयाग सङ्गीत समिति)** । द्वितीय एवं चतुर्थ वर्ष ०-५०
५५ **नृत्यभारती** । आचार्य सुधाकर । प्रथम भाग ८-००
५६ **नृत्यरत्नकोश** । कुम्भकर्णप्रणीत । १-२ भाग १०-५०
५७ **नृत्यरत्नावली** । जयसेनापति विरचित । सम्पा० डॉ० वी० राघवन २२-००
५८ **नृत्यसंग्रहः** । अज्ञातकर्तृक १-७५
५९ **पाश्चात्य संगीत-शिक्षा** । भगवतशरण शर्मा । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग १२-००
६० **पूर्वी थाट अंक** । ८-००
६१ **प्रभाकर प्रश्नोत्तर** । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ८-००
६२ **फिल्मी शास्त्रीय गीत अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग १०-००
६३ **बाल संगीत शिक्षा** । विश्वम्भरनाथ भट्ट । १-३ भाग ७-००
६४ **बृहद्देशी** । मतङ्गमुनि । सम्पा० बालकृष्ण गर्ग १०-००
६५ **बेलाविज्ञान** । वेणीप्रसाद श्रीवास्तव १५-००
६६ **बैंजोमास्टर** । चिन्तामणि जैन ३-५०
६७ **भक्ति-सङ्गीत-अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग ८-००

६८ **भरतार्णवः** । नन्दिकेश्वर । डॉ० वाचस्पति गैरोला कृत हिन्दी टीका सहित १००-००
६९ **भातखण्डे सङ्गीत पाठमाला** । प्रथम भाग ३-००
७० **भातखण्डे सङ्गीतशास्त्र** । पं० विष्णुनारायण भातखण्डे । १-४ भाग ८४-२५
७१ **भातखण्डे स्मृति अङ्क** । १-२५
७२ **भारत के लोकनृत्य** । लक्ष्मीनारायण गर्ग १०-००
७३ **भारतीय नृत्य-कला** । केशवचन्द्र वर्मा ५-००
*७४ **भारतीय सङ्गीत का इतिहास** । श्रीशरच्चन्द्र श्रीधर परांजपे

[इस ग्रन्थ में वैदिक काल से गुप्त काल तक के भारतीय संगीत का प्रमाणबद्ध इतिहास प्रस्तुत किया गया है। संस्कृत भाषा का जो स्थान तुलनात्मक भाषा विज्ञान के अन्तर्गत है, वही स्थान भारतीय संगीत का तुलनात्मक संगीत विज्ञान में है। इसी दृष्टिकोण से भारतीय संगीत के महत्त्वपूर्ण बालखण्ड के इतिहास का उद्घाटन संस्कृत साहित्य के माध्यम से राष्ट्रभाषा में प्रस्तुत किया गया है।] [चौ. रा. ९] ४०-००

७५ **भारतीय सङ्गीत का इतिहास** । भगवतशरण शर्मा ९-००
७६ **भारतीय सङ्गीत कोष** । विमलाकान्त राय चौधरी २५-००
७७ **भैरव अङ्क** । महेशनारायण सक्सेना ८-००
७८ **भैरव थाट अङ्क** । लक्ष्मीनारायण गर्ग ८-००
७९ **भैरवी थाट अङ्क** । लक्ष्मीनारायण गर्ग ८-००
८० **मधुर चीजें** । जी० एस० पाटणकर । १-२ भाग (एक जिल्द में) ५-००
८१ **मल्हार के प्रकार** । जयसुखलाल त्रिभुवनदास शाह १३-५०
८२ **मारवा थाट अङ्क** । लक्ष्मीनारायण गर्ग ८-००
८३ **मारिफुन्नगमात** । राजा नवाबअली । १-३ भाग ३८-००
८४ **मीरा-सङ्गीत** । स० आ० महाडकर १-६५
८५ **मीरा-सङ्गीत** । सम्पा० शंकर रामचन्द्र गोलवलकर ३-००
८६ **मीरा-सङ्गीत अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग १०-००
८७ **मुसलमान और भारतीय सङ्गीत** । आचार्य बृहस्पति २०-००
८८ **मृदङ्ग अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग १०-००
८९ **मृदङ्ग-तबला-प्रभाकर** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग । १-२ भाग १०-००
९० **मेलरागमालिका** । महावैद्यनाथशिवकृत ५-००
९१ **म्यूजिक-मास्टर** । ५-००
९२ **यक्षगान** । के० शिवराम कारंत । अनुवादक—बी० वी० कारंत ६०-००
९३ **राग अने रास** । ओंकारनाथ ठाकुर १-७५
९४ **रविशंकर के आरकेस्ट्रा** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग १२-००
९५ **रवीन्द्र संगीत** । राधेश्याम पुरोहित ७-००
९६ **राग अङ्क** । विश्वम्भरनाथ भट्ट ८-००
९७ **राग कोष** । वसन्त ४-००
९८ **राग-परिचय** । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव । १-४ भाग २३-५५
९९ **राग-प्रवीण** । गणेशप्रसाद शर्मा ५-००
१०० **राग-रत्नाकर** । हिन्दी ८-४०
१०१ **राग-रागिनी अङ्क** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग १०-००
१०२ **रागविज्ञान** । पं० वी० एन० पटवर्धन । १-७ भाग ७५-००
१०३ **रागविबोधः** । सोमनाथ कृत । स्वकृत विवेक व्याख्या सहित १५-००
१०४ **राष्ट्रीय संगीत अङ्क** । सम्पा० ज० दे० पतकी ८-००

१४७ **सहगल संगीत** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग ७-००
१४८ **सितार अङ्क** । २-५०
१४९ **सितार-मार्ग** । प्रथम भाग ८-००
१५० **सितार-मालिका** । भगवतशरण शर्मा १४-००
१५१ **सितार-वादन** । सतीशचन्द्र । १-२ भाग १०-५०
१५२ **सितार-शिक्षा** । बलदाऊजी श्रीवास्तव २-००
१५३ **सितार-शिक्षा** । विश्वम्भरनाथ भट्ट ८-००
१५४ **सितार सिद्धान्त** । जगदीश नारायण पाठक । प्रथम भाग ४-००
१५५ **सूर-संगीत** । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग । १-२ भाग ९-५०
१५६ **स्वर मालिका** । पं० विष्णुनारायण भातखंडे ४-००
१५७ **स्वरमेलकलानिधिः** । विश्वम्भरनाथभट्ट कृत । हिन्दी टीका सहित ४-००
१५८ **हमारा आधुनिक संगीत** । सुशीलकुमार चौबे ११-००
१५९ **हमारे संगीत-रत्न** । लक्ष्मीनारायण गर्ग ५०-००
१६० **हरिदास अङ्क** । १-२५
१६१ **हाईस्कूल संगीतशास्त्र** । भगवतशरण शर्मा ५-५०
१६२ **हिन्दुस्तानी संगीत के रत्न** । डॉ० सुशीलकुमार चौबे १२-५०
168 Hindu Music from Various Authors. Compiled by Raja S. M. Tagore 50-00
164 Hindustani Music : Its Physics and Aesthetics. By G. H. Ranade 20-00
165 Music of Eastern India. By Sukumar Roy 45-00
166 Tandavalakshanam or The Fundamentals of Hindu Dancing. By B. V. N. Naidu, P. S. Naidu & O. V. Rangayya Pantulu 60-00
167 The Art of Kathakali. By A. C. Pandey 18-00
168 The Mirror of Gesture. (Abhinayadarpana of Nandikeswar) By Ananda Koomarswamy 30-00
169 The Weird Dance. By C. L. Nahal 12-50
170 Universal History of Music. By Raja S. M. Tagore 50-00

शिल्पशास्त्र-ग्रन्थाः

१ **काश्यपशिल्पम्** । महेश्वरोपदिष्टम् ६-००
२ **नाट्य प्रयोग शिल्प** । जशवन्त ठाकर (गुजराती) ५-००
३ **प्रतिमा-विज्ञान** । इन्दुमती मिश्र १५-००
४ **भारतीय शिल्प संहिता** । प्रभाशङ्कर ओ० सोमपुरा १२५-००
५ **रूपमण्डनम्** । सूत्रधारमण्डन विरचित । हिन्दी टीका । डॉ० बलराम श्रीवास्तव ७-००
६ **वेणुशिल्प** । उपेन्द्र महारथी ११-००
७ **समराङ्गण-सूत्रधार-वास्तुशास्त्र** । (भवननिवेश-प्रथम भाग । हिन्दी टीका वास्तुपदावली सहित) डॉ० द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल ४४-००
८ **समराङ्गण-सूत्रधारः** । भोजदेव विरचित । सम्पा० वासुदेवशरण अग्रवाल ४०-००
९ **सम्यक्सम्बुद्धभाषितं प्रतिमालक्षणम्** । सव्याख्या १-२५

कामशास्त्र-ग्रन्थाः

१ **अनङ्गरङ्ग** । कल्याणमल्लविरचित । हिन्दी टीका सहित ५-००

:कामकला । विजयबहादुर सिंह ५-५०
३ कामकुञ्ज । विजयबहादुर सिंह १०-००
४ कामकुञ्जलता । सम्पा० आचार्य ढुण्ढिराज शास्त्री ३५-००
५ हिन्दी कामसूत्र । जयमङ्गला टीका-भाषा टीका सहित । १-२ भाग १५०-००
६ कामसूत्र परिशीलन । वाचस्पति गैरोला २०-००
७ रतिमञ्जरी । हिन्दीगद्य-पद्यानुवाद सहित ०-४०
८ रतिरत्नप्रदीपिका । श्री प्रौढदेवराज विरचित १-००
९ रतिरत्नप्रदीपिका । हिन्दी टीका सहित ३-७५

बौद्ध-ग्रन्था:

१ अङ्गुत्तरनिकाय । अनु० भदन्त आनन्द कौसल्यायन । १-४ भाग ८०-००
२ अङ्गुत्तरनिकाय पालि । भिक्खु जगदीशकाश्यप सम्पादित । १-४ भाग ३०-००
३ अपोहसिद्धि । ३-००
४ अभिधम्मत्थसंगहो । अनुरुद्धाचरिय प्रणीत । भदन्त आनन्द कौसल्यायन कृत हिन्दी टीका सहित ३-००
५ अभिधम्मत्थसंगहो । अनुरुद्धाचरिय विरचित । भदन्त सुमङ्गल सामित्थेर कृत अभिधम्मत्थ विभावनी टीका सहित । भदन्त रेक्त धम्मत्थेर सम्पादित । १-२ भाग ३५-००
६ अभिधर्मकोषम् । भाष्यस्फुटार्थसहित । सम्पा० स्वामी द्वारिकादास । १-४ भाग ८०-००
७ अभिधर्मकोषभाष्यम् । वसुबन्धु प्रणीत । सम्पा० प्रो० प्रह्लाद प्रधान ४२-००
८ अभिधर्मसमुच्चयभाष्यम् । नथमल टाटिया १६-००
९ अभिधर्मदीपः । सम्पा० पद्मनाभ स० जैनी ४२-००
१० अभिसमाचारिका । डॉ० वी० जीवानन्द सम्पादित २०-००
११ अम्बट्ठ सुत्त । राहुल सांकृत्यायन । भिक्षु जगदीशसहाय काश्यप ०-५०
१२ अर्थविनिश्चयसूत्रम् । सम्पा० डॉ० एन० एच० समताणी २५-००
१३ अवदानकल्पलता । क्षेमेन्द्र विरचित । १-२ भाग ४५-००
१४ अवदानशतकम् । परशुरामशर्मणा । संस्कृत १२-००
१५ अष्टसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता । हरिभद्र विरचित आलोक व्याख्या सहित २५-००
१६ आगमशास्त्रम् । गौडपादाचार्य कृत । भदन्त आनन्द कौसल्यायन ३-००
१७ आचार्य बुद्धघोष और उनकी अट्ठकथाएँ । डॉ० शिवचरणलाल जैन १४-००
१८ आर्यशालिस्तम्बसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पादविभङ्गनिर्देशसूत्रं, प्रतीत्य-समुत्पादगाथासूत्रम् । ९-००
१९ इतिवुत्तक । भिक्षु धर्मरक्षित १-२५
२० उपसम्पदाज्ञप्ति । डॉ० बी० जिनानन्द सम्पादित ३-००
२१ कथावत्थु पालि (अभिधम्म पिटके) । सम्पादक—भिक्खु जगदीश काश्यप ७-५०
२२ कला के प्राण बुद्ध । श्री जगदीशचन्द्र १०-५०
२३ खुद्दकनिकाय । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-७ भाग (९ जिल्दों में) ६७-००
२४ खुद्दकपाठ-धम्मपद-उदान-इतिवृत्तक-सुत्तनिपात । ५-००, ७-५०
२५ गउडवहो । वाक्पति राज कृत । संस्कृत छाया-आंग्लानुवाद सहित २५-००
२६ गण्डव्यूहसूत्रम् । परशुरामशर्मा वैद्य सम्पादित २०-००
२७ गुह्यसमाजतंत्रम् । (तथागतगुह्यक) शीतांशुशेखर बागची सम्पादित १२-५०
२८ गुह्यसमाजतंत्रम् । सम्पा० वी० भट्टाचार्य २४-००
२९ चतुःशतकम् । आर्यदेव । चन्द्रकीर्ति वृत्ति । हिन्दी टीका । डॉ० भागचन्द्र जैन २५-००
३० चरियापिटक । भिक्षु धर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवाद सहित ४-००

३१ **चीनी बौद्ध-धर्म का इतिहास** । डॉ० चाउ सिआंग । आत्मन् अनुवादित १०-००
३२ **चुल्लनिद्देस पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप ७-५०
३३ **चुल्लवग्ग** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित ७-५०
३४ **जातक** । भदन्त आनन्द कौसल्यायन अनुवादित । १-६ भाग ९०-००
३५ **जातक पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-२ भाग १५-००
३६ **जातकट्ठकथा** । पठमो भागो । भिक्षु धर्मरक्षित सम्पादित । एकनिपातवण्णना १५-००
३७ **जातकमाला** । हिन्दी टीका सहित । सूर्यनारायण चौधरी १२-५०
३८ **जातकमाला : एक अध्ययन** । डॉ० कमलाकान्त मिश्र ४०-००
३९ **जातकमाला तथा सुभाषितरत्नकरण्डक कथा** । आर्यसूर कृत १२-५०
४० **जातकसंग्रहः** । तुङ्गर सम्पादित ५-००
४१ **ज्ञानश्रीमित्रनिबन्धावलि** । अनन्तलाल ठाकुर सम्पादित २५-००
४२ **तान्त्रिक बौद्ध साधना और साहित्य** । नगेन्द्रनाथ उपाध्याय १०-००
४३ **थेरगाथा** । अनु० भिक्षु धर्मरत्न ५-००
४४ **थेरीगाथाएँ** । डॉ० भरतसिंह उपाध्याय ५-००
४५ **दशभूमिकसूत्रम्** । डॉ० शीतांशुशेखर बागची सम्पादित २०-००
४६ **दिव्यावदान** । पी० एल० वैद्य सम्पादित २०-००
४७ **दीघनिकायः** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-३ भाग २२-५०
*४८ **धम्मपदं** । (शोधपूर्ण संस्करण) सटिप्पण 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या । श्रीकनछेदीलाल गुप्ता अनुवादित । टिप्पणीकार—श्री सत्कारिशर्मा वङ्गीय [वि० सं० १५०] [तुलनात्मक टिप्पणियाँ; अँगरेजी, जर्मन, लातिन, हिन्दी, बँगला आदि भाषाओं में प्रस्तुत पूर्व-पूर्व संस्करणों में उपलब्ध सामग्री का पूर्णतया विवेचन; गाथासूची, शब्दकोश आदि अनेकविध शोधपूर्ण नवीनताओं से मण्डित यह संस्करण भारतीय भाषाओं में आजतक के प्रकाशित संस्करणों में सभी दृष्टियों से सर्वोत्तम है ।] ७-००
४९ **धम्मसंगणि** । बापट कृत १५-००
५० **धम्मसंगणि पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित ७-५०
५१ **धर्मोत्तर-प्रदीपः** । दुर्वेदमिश्र कृत । सम्पा० दलसुखभाई मालवणियाँ २०-००
५२ **धातुकथा पुग्गलपञ्ञत्ति पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित ७-५०
५३ **ध्यान-सम्प्रदाय** । डॉ० भरतसिंह उपाध्याय १५-००
५४ **नवनालन्दा महाविहार शोध-ग्रन्थ** । डॉ० एस० मुखर्जी सम्पा० । १-२ भाग ३०-००
५५ **नालन्दा-देवनागरी-पालि-ग्रन्थमाला** । देवनगरी लिपि में सम्पूर्ण पालि त्रिपिटक । ४१ जिल्दों में सम्पूर्ण । साधारण सं० २०५-००, पुस्तकालय सं० ३०७-५०
५६ **निदानकथा** । हिन्दी टीका सहित । डॉ० महेश तिवारी १५-००
५७ **न्याय-प्रवेश** । हरिभद्रसूरिकृत वृत्ति—पार्श्वदेव कृत पञ्जिका सहित । प्रथम भाग २२-००
५८ **न्यायबिन्दुः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । हिन्दी टीकाकार—चन्द्रशेखर शास्त्री १०-००
५९ **न्यायशास्त्रीय ईश्वरवाद (बौद्धदर्शन की पृष्ठभूमि में)** । डॉ० किशोरनाथ झा ३५-००
६० **पञ्चप्पकरण-अट्ठकथा** । डॉ० महेशतिवारी सम्पादित । १-३ भाग २८-३७
६१ **पट्ठान पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-६ भाग ४५-००
६२ **परिवार पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित ७-५०
६३ **पाचित्तिय पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित ७-७५
६४ **पातिमोक्ख** । (भिक्खु विभङ्ग एवं भिक्खुनी विभङ्ग) हिन्दी अनुवाद सहित । डॉ० भागचन्द्र जैन २०-००
६५ **प्रातिमोक्षसूत्रम्** । आर० डी० बडेकर विरचित ३-००
६६ **पाराजिक पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित ७-५०

६७ **पालिकथाप्रकाश** । (पालिजातकावली का हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी में अनुवाद)
डॉ० नरेन्द्रदेव सिंह एवं डॉ० हरदत्त शास्त्री ३-००
६८ **पालिकोससंगहो [अभिधानप्पन्दीपिका व एकक्खर कोस]** ।
सम्पा० डॉ० भागचन्द्र जैन ३०-००
६९ **पालिजातकावलिः** । बटुकनाथशर्मा विरचित संस्कृतच्छाया सहित ६-५०
+७० **पालि-पल्लविनी** । हिन्दी टीका सहित । कु० मुकुलरानी त्रिपाठी ।
भूमिका लेखक—डॉ० रमाशंकर तिवारी ५-००
७१ **पालिपाठावलि** । मुनिजिनविजय सम्पादित ३-००
७२ **पालिप्रवेशिका** । सम्पा० डॉ० कोमलचन्द्र जैन ६-५०
७३ **पालि-प्राकृत-अपभ्रंश-संग्रह** । सम्पा० राम अवध पाण्डेय—रविनाथ मिश्र २०-००
७४ **पालिमोग्गलान व्याकरण** । भदन्त आनन्द कौसल्यायन ५-५०
७५ **पालि रीडर** । (पालिपाठ सङ्कलन) सटिप्पण । श्रीधर्मानन्द कौशाम्बी एवं
सी० वी० राजवाड़े १०-००
७६ **पालि-संग्रह** । डॉ० रामअवध पाण्डेय एवं रविनाथ मिश्र ६-५०
७७ **पालि-साहित्य का इतिहास** । भरतसिंह उपाध्याय २५-००
७८ **पालि-साहित्य का इतिहास** । राहुल सांकृत्यायन ५-००
७९ **पालि-साहित्य का इतिहास** । डॉ० भिक्षु धर्मरक्षित ६-००
८० **पालि-साहित्य का इतिहास** । राजकिशोर ३-००
८१ **प्रमाणवार्तिकभाष्यम्** । धर्मकीर्ति कृत । मनोरथनन्दि विवृत्ति युत ।
सम्पा० द्वारिकादास शास्त्री २५-००
८२ **प्रमाणवार्तिकभाष्यम्** । प्रज्ञाकरगुप्त विरचित १७-००
८३ **प्रमाणवार्तिकभाष्य कारिकार्द्धपदसूची** । पं० रूपेन्द्रकुमार ८-००
८४ **प्रमाणवार्तिकान्तर्गत स्वार्थानुमानपरिच्छेदः** । धर्मकीर्ति विरचित ।
सम्पा० दलसुखभाई मालवणिया १५-००
८५ **प्रमाणवार्तिकम् स्वार्थानुमानपरिच्छेदः** । धर्मकीर्ति कृत । स्वोपज्ञ वृत्ति
आंग्लानुवाद सहित । १-५१ कारिका । सम्पा० एस० मुखर्जी—हजुननागासाकि ४-००
८६ **प्रातिमोक्षसूत्रम्** । लोकोत्तर महासांघिकानां । सम्पा० नथमलटाटिया ५-००
८७ **प्राकृत अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य** । डॉ० एल० बी० राम 'अनन्त' ५-००
८८ **बुद्धकालीन भारतीय भूगोल** । भरतसिंह उपाध्याय २०-००
८९ **बुद्धकालीन राजगृह** । श्री अनन्तकुमार ६-००
९० **बुद्धकालीन समाज और धर्म** । डॉ० मदनमोहन सिंह १२-००
*९१ **बुद्धचरितम्** । अश्वघोषकृतम् । महन्त श्री रामचन्द्रदास शास्त्री कृत हिन्दी अनुवाद
सहित । [वि० सं० ८२] १-२ भाग । प्रथम भाग ५-००, द्वितीय भाग ६-००
९२ **बुद्धचर्या** । राहुल सांकृत्यायन ४०-००
९३ **बोधिचर्यावतार** । शान्तिदेवविरचित । प्रज्ञाकरमतिकृत पञ्जिका व्याख्या सहित १२-५०
९४ **बोधिसत्त्वचरितम्** । सत्यव्रत शास्त्री प्रणीत १६-००
९५ **बोधिसत्त्वभूमिः** । डॉ० नलिनाक्षदत्त सम्पादित ३२-००
९६ **बौद्धगान में तान्त्रिक सिद्धान्त** । जयधारी सिंह १६-००
९७ **बौद्ध तर्कभाषा** । मोक्षाकरगुप्त विरचित । अनेकान्तवाद निरास हिन्दी
अनुवाद सहित । डॉ० रघुनाथ गिरि ६-००
९८ **बौद्ध-दर्शन** । राहुल सांकृत्यायन ९-००
*९९ **बौद्धदर्शन-मीमांसा** । पं० बलदेव उपाध्याय कृत
(प्रान्तीय १०००) रु० तथा डालमिया २१००) रु० से पुरस्कृत)

बौद्ध-ग्रन्थाः

[इसमें पाँच खण्ड हैं। प्रथम खण्ड में बुद्धि के मूल धर्म का वर्णन, द्वितीय में बौद्ध-धर्म का विकास, तृतीय में वैभाषिक, सौत्रान्तिक, योगाचार तथा माध्यमिक सम्प्रदायों के गूढ़तथ्यों का सरल विवेचन, चतुर्थ में बौद्ध-न्याय, बौद्ध-योग तथा बौद्ध तन्त्रों का वर्णन एवं पंचम में बौद्धधर्म का विस्तार से उपाख्यान है।] [वि. रा. १] ३०-००

१०० **बौद्धदर्शन का विवेचन** । श्रीनिवास शास्त्री ३५-००

१०१ **बौद्ध-धर्म के विकास का इतिहास** । डॉ० गोविन्द चन्द्र पाण्डेय १२-००

१०२ **बौद्ध-धर्म और बिहार** । पं० हवलदार त्रिपाठी 'सहृदय' ८-००

१०३ **बौद्ध-धर्म दर्शन** । आचार्य नरेन्द्रदेव २५-००

*१०४ **बौद्ध-न्याय** । मूल लेखक—एफ० टी० शर्बाट्स्की । हिन्दी अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय

[ग्रन्थ दो भागों में विभक्त है, प्रथम भाग में भारतीय न्यायशास्त्र तथा उसके मध्य एशिया में प्रचार-प्रसार का विवेचन करने के बाद लेखक ने दिङ्नाग के प्रामाण्यवाद तथा प्रत्यक्ष आदि का अध्ययन प्रस्तुत किया है। द्वितीय भाग प्रमुखतः धर्मकीर्त्ति के न्यायबिन्दु तथा उस पर धर्मोत्तर की टीका का अनुवाद है। इस भाग के परिशिष्टों में तिब्बती भाषा के न्यायशास्त्रीय ग्रन्थों तथा हिन्दू नैयायिकों के बौद्ध-न्याय पर किये गये आक्षेपों से सम्बद्ध संस्कृत-न्याय ग्रन्थों के उद्धरणों का अनुवाद भी दिया गया है।] [वि. रा. १२४] प्रथम भाग ४०-००

१०५ **बौद्ध-साहित्य की सांस्कृतिक झलक** । परशुराम चतुर्वेदी ५-००

१०६ **बौद्ध सिद्धों के चर्यापद** । आचार्य परशुराम चतुर्वेदी ६-००

१०७ **बौद्धागमार्थसंग्रहः** । परशुराम शर्मा सम्पादित ३०-००

१०८ **बौद्धालङ्कारशास्त्रम्** । डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी अनुवादित १५-००

१०९ **भगवान् बुद्ध का संसार को सन्देश** । स्वामी विवेकानन्द ३-२५

११० **भक्तिमार्गीय बौद्धधर्म** । अनु० नर्मदेश्वर चतुर्वेदी ४-००

१११ **भविसयत्तकहा** । सम्पा० सी० डी० दलाल तथा पी० डी० गुणे ३६-००

११२ **भविसयत्तकहा तथा अपभ्रंश कथा काव्य** । डॉ० देवेन्द्रकुमार शास्त्री २५-००

११३ **भारत में बौद्ध-धर्म का इतिहास** । लामा तारानाथ । अनुवादक—रिगजिन लुण्डुप लामा १०-००

११४ **मज्झिमनिकाय** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-३ भाग २५-००

११५ **मज्झिमनिकाय** । राहुल सांकृत्यायन ४०-००

११६ **मध्यकालीन हिन्दी साहित्य पर बौद्ध-धर्म का प्रभाव** । डॉ० सरला त्रिगुणायत २५-००

११७ **मध्यमकशास्त्रम्** । नागार्जुन विरचित । चन्द्रकीर्ति कृत प्रसन्नपद व्याख्या १२-५०

११८ **मध्यान्तविभागभाष्यम्** । डॉ० नथमल टाटिया एवं प्रो० अनन्तलाल ठाकुर ४-००

११९ **महायानसूत्रसंग्रह** । १-२ भाग ४५-००

१२० **महायानसूत्रालंकार** । असंग विरचित । डॉ० शीतांशुशेखर वागची सम्पादित २०-००

१२१ **महावग्ग पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप ७-५०

१२२ **महावग्गो (विनयपिटक)** । मूल-पालिपाठ । १-२ भाग ७-००

१२३ **महावंस** । आनन्द कौसल्यायन कृत हिन्दी अनुवाद १०-००

१२४ **महावंसटीका** । श्रीधरवासुदेव सोहोनी सम्पादित २०-००

१२५ **महावस्तु अवदानं** । डॉ० एस० वागीच सम्पादित । प्रथम खण्ड ३५-००

१२६ **मिलिन्दपञ्हो (मिलिन्द प्रश्नः)** । मूलपालि-संकृत छाया संवलित । विभक्तिच्छेदपर्यन्त ४-००

१२७ **मिलिन्द पञ्हो** । भदन्त नागसेन । द्वारिकादास शास्त्री सम्पादित २०-००, २५-००

१२८ **मिलिन्द प्रश्न** । हिन्दी अनुवाद । भिक्षु जगदीश काश्यप १५-००

१२९ **मूलसर्वास्तिवाद विनयवस्तु** । डॉ० एस० बागची । १-२ खण्ड (सजिल्द) ६०-००

१३० **मैक्सवेबर : एक बौद्धिक व्यक्तित्व** । राइन हार्ड वेडिक्स १२-००

१३१ **यमक पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-३ भाग २२-५०

१३२ **यशोधरा** । मैथिलीशरण गुप्त ४-००

१३३ **रत्नकीर्त्तिनिबन्धावलिः** । आचार्य रत्नकीर्ति । सम्पा० प्रो० अनन्तलाल ठाकुर ११-००

१३४ **ललितविस्तरः** । पी० एल० वैद्य सम्पादित १२-५०

१३५ **वज्जालग्गम्** । रत्नदेवकृत-संस्कृतवृत्ति-संवलितम् । सम्पा० माधव वासुदेव पटवर्धनम् २१-००

१३६ **वादन्याय-प्रकरणम्** । धर्मकीर्ति विरचित । 'विपञ्चितार्थ'-'सम्बन्ध-परीक्षा' व्याख्याद्वय सहित । सम्पा० द्वारिकादास शास्त्री १५-००

१३७ **विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः** । विंशति-त्रिंशिकाभिधानप्रकरणद्वयात्मिका भाषानुवादसमुल्लसिता । अनु० डॉ० महेश तिवारी
[आचार्य वसुबन्धु विरचित यह ग्रन्थ विज्ञानवाद का आधार-ग्रन्थ है । इसमें विंशतिका (बीस कारिकाएँ) तथा त्रिंशिका (तीस कारिकाएँ) दो प्रकरण हैं । देशी विदेशी दुर्लभ पाण्डुलिपियों के आधार पर इसका शुद्ध मूलपाठ निश्चित किया गया है, तदनुसार सरल-सुबोध हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है । पाण्डित्यपूर्ण भूमिका तथा अन्त में जटिलता से रहित तथा स्पष्ट है । अधिक बोधगम्य बनाने के लिये सरल शब्दानुक्रमणिका आदि उपयोगी सामग्री भी दी गई ।] [वि. सं. १३९] १०-००

१३८ **विभङ्गपालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित ७-५०

१३९ **विंशतिकाविज्ञप्तिमात्रतासिद्धिद्वयम्** । ३९-२५

१४० **विशुद्धिमग्गो** । सम्पा० रेवतधम्म (वर्मी) १-३ भाग ९८-००

१४१ **विशुद्धिमग्ग** । सम्पा० द्वारिकादास शास्त्री ४०-००

१४२ **विशुद्धिमग्ग** । अनु० भिक्षु धर्मरक्षित १-२ भाग २७-००

१४३ **शिक्षासमुच्चयः** । शान्तिदेव विरचित १२-५०

१४४ **श्रावकभूमि** । आर्यासंग कृत । सम्पा० करुणेश शुक्ल ४५-००

१४५ **संयुक्तनिकाय** । भिक्षु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-४ भाग ३०-००

१४६ **संयुक्तनिकाय** । भिक्षु जगदीश काश्यप, त्रिपिटकाचार्य भिक्षु धर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवाद । १-२ भाग ४०-००

१४७ **सच्चसंगहो** । अनु० भदन्त आनन्द कौसल्यायन ४-००

१४८ **सत्यसिद्धिशास्त्रम्** । हरिवर्म प्रणीत द्वितीय भाग सम्पा० एन० ऐय्यर स्वामी शास्त्री
प्रथम खण्ड (संस्कृतपाठ) ६५-००; द्वितीय खण्ड (आंग्ल संस्करण) ९२-००

१४९ **सद्धम्मसङ्गहो** । धम्मकित्ति महासामीकृत । सम्पा० डॉ० महेश तिवारी ३-००

१५० **सद्धर्मपुण्डरीक** । मिश्रित संस्कृत भाषा में अनुदित । अनु० डॉ० राममोहनदास १०-५०

१५१ **सद्धर्मपुण्डरीकसूत्रम्** । परशुराम शर्मा वैद्य संशोधित १२-५०

१५२ **सद्धर्मलङ्कावतारसूत्रम्** । डॉ० पी० एल० वैद्य परिष्कृत १२-००

१५३ **समन्तपासादिका नाम विनयट्ठकथा** । बीरबलशर्मा संशोधित । १-३ भाग ४५-००

१५४ **समाधिराजसूत्रम्** । १६-००

१५५ **सम्मोहविनोदिनी नाम विभङ्गट्ठकथा** । डॉ० यू० धर्मरत्न सम्पादित १५-००

१५६ **सारतमाख्यपञ्जिका** । रत्नाकर शान्ति विरचित । सम्पा० पद्मनाथ स० जैनी ३०-००

१५७ **सासनवंसो** । डॉ० च० सिं० उपासको ६-००

१५८ **सुत्तनिपात** । भिक्षु धर्मरत्न कृत । हिन्दी १२-००

१५९ **सुत्तनिपात अट्ठकथा** । अङ्गराज चौधरी । प्रथम भाग २०-५०, द्वितीय भाग ३०-००

१६० **सुमङ्गलविलासिनी (दीघनिकाय-अट्ठकथा)**। डॉ० महेश तिवारी। प्रथम भाग १९-५०, द्वितीय भाग ३०-००
१६१ **सुवर्णप्रभाससूत्रम्**। डॉ० शीतांशुशेखर बागची सम्पादित २०-००
*१६२ **सौगतसिद्धान्तसारसंग्रहः**। (बौद्धदर्शन) डॉ० चन्द्रधर शर्मा कृत हिन्दी अनुवाद सहित ३-००
१६२ **सौगतसूत्रव्याख्यानकारिका**। कुमारिलकारिकावली। कुमारिल स्वामिपाद २-००
१६४ **सौन्दरानन्दकाव्य**। अश्वघोष कृत। डॉ० हरप्रसाद सम्पादित ३-००
१६५ **सौन्दरानन्दकाव्य**। हिन्दी टीका सहित १०-००
१६६ **स्फुटार्थाश्रीघनाचारसंग्रहटीका**। संघसेन सम्पादित ८-००
167 Bhikshuni-Vinaya. Maunal of Discipline for Buddhist Nuns. Ed. by Dr. Gustav Roth. 30-00
168 Chines Buddhism : A Volume of Sketches; Historical Descriptive and Critical. By. Rev. Joseph Edkins 75-00
169 Development of Buddhism in Uttar Pradesh. By Dr. Nalinaksha Dutt. 8-00
170 Dhammapada. With English Translation By Dr. P. L. Vaidya. 5-00
171 History and Palaeography of Mauryan Brahmi Script. By Dr. C. S. Upasax 12-00
172 An Introduction to Buddhist Esoterism. By Dr. Binoytosh Bhattacharya 60-00
173 Introduction to Pali. By Anomadarshi Barua 7-50
174 Life and Works of Buddhaghose. By B. C. Law. 35-00
175 A Manual of Buddhism. Translated form Singhales Mss. By R. Spence Hardy. 50-00
176 Mulamadhyamikakarika. Nagarjuna. Text with two Commentaries of Chandrakirti and Vidhubhushan & also with English Bengali Translation VI & VII Prakarana. 10-00

जैन-ग्रन्थाः

१ **अङ्गविज्जा**। पुव्वायरियविरइया [मणुस्सविविहचेट्ठाइणिरिक्खणदारेण भविस्साइफलणाणाविण्णाणरूपा] मुनि पुण्यविजय सम्पादित २१-००
२ **अध्यात्मकमलमार्तण्ड**। मल्ल विरचित। हिन्दी टीका सहित १-७५
३ **अपभ्रंशकथाकाव्य एवं हिन्दी प्रेमाख्यानक**। डॉ० प्रेमचन्द्र जैन २०-००
४ **अपभ्रंश काव्यत्रयी**। जिनदत्तसूरि विरचित। सम्पा० वी० जे० सन्देसरा २४-००
५ **अपभ्रंश प्रकाश**। डॉ० देवेन्द्रकुमार जैन ५-००
६ **आख्यानकमणिकोशः**। नेमिचन्द्रसूरि विरचित। आम्रदेव सूरि कृत वृत्ति सहित। सम्पा० मुनि पुण्यविजय २१-००
*७ **आचार्य हेमचन्द्राचार्य और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन**। लेखक—डॉ० नेमीचन्द्रशास्त्री
[प्रस्तुत ग्रन्थ में शब्दानुशासन सम्बन्धी हैम की विशेषताओं, उपलब्धियों और अभावों पर प्रकाश डाला है तथा पाणिनि एवं पाणिनि से भिन्न अन्य अनेक वैया-

करणों के साथ अनेक दृष्टियों से उनकी तुलना करते हुए विशद् आलोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। हैम के साथ-साथ अन्य शब्दानुशासनों का भी विवेचन यथास्थान होता चला है।] [वि. रा. ६२] २५-००

डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री

८ **आत्ममीमांसा**। दलसुख मालवणिया (हिन्दी) २-००
९ **आत्मानुशासन**। गुणभद्र कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ७-००
१० **आदिपुराण**। जिनसेनाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित। १-२ भाग ६०-००
११ **आदिपुराण में प्रतिपादित भारत**। डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री १२-००
१२ **आप्तपरीक्षा**। विद्यानन्दि विरचित। हिन्दी टीका सहित ८-००
१३ **इष्टोपदेश**। टीकात्रय एवं पद्यानुवाद सहित २-५०
१४ **उक्तिरत्नाकर**। साधुसुन्दरगणि विरचित। सम्पा० मुनि जिनविजय ५-००
१५ **उत्तरपुराण**। गुणभद्र विरचित ३०-००
१६ **उत्तराध्ययनसूत्र: एक अध्ययन**। डॉ० सुदर्शनलाल जैन २५-००
१७ **उपासकाध्ययन**। सोमदेवसूरि विरचित। हिन्दी टीका सहित ३०-००
१८ **उवासगदसाओ**। एन० ए० गोरे सम्पादित २०-००
१९ **कथाकोसु**। ३०-००
२० **कन्नडप्रान्तीय ताड़पत्रीय ग्रन्थसूची**। १३-००
२१ **करकण्डचरिउ**। मुनिकनकामर विरइउ। हिन्दी-आंग्लानुवाद सहित २०-००
२२ **कर्मप्रकृति**। हीरालाल ८-००
२३ **कविस्वयम्भू**। डॉ० सङ्कटाप्रसाद उपाध्याय १२-५०
२४ **कल्पलताविवेकः**। अज्ञातकर्तृक। सम्पा० मुरारिलाल नागर तथा हरिशङ्कर शास्त्री ३२-००
२५ **कसायपाहुड़सुत्त**। गुणधर विरचित। यतिवृषभ कृत संस्कृत एवं हीरालाल कृत हिन्दी टीका सहित २०-००
२६ **कान्हडदेप्रबन्ध**। १२-२५
२७ **कीर्तिकौमुदी महाकाव्य**। सोमेश्वर। सम्पा० मुनि जिनविजय ६-६०
२८ **कुन्द-कुन्द प्राभृत संग्रह**। हिन्दी अनुवाद सहित। सम्पा० कैलाशचन्द्र शास्त्री ६-००
२९ **कुन्दकुन्दाचार्य के तीन रत्न**। गोपालदास जीवाभाई पटेल। हिन्दी २-००
३० **कुमारपाल भूपाल चरित्र**। ५-००
३१ **कुमारपालचरित्रसंग्रह**। सम्पा० आचार्य मुनि जिनविजय १०-००
३२ **केवलज्ञानप्रश्नचूडामणिः**। हिन्दी टीका सहित ७-००
३३ **गणितसारसंग्रह**। महावीराचार्य कृत। हिन्दी अनुवाद सहित १२-००
३४ **गद्यचिन्तामणि**। वादीभसिंह कृत। हिन्दी टीका सहित ३०-००
३५ **गोम्मटसारः**। नेमिचन्द्राचार्य कृत। संस्कृत छाया हिन्दी टीका सहित। कर्मकाण्ड १७-००, जीवकाण्ड १९-००
३६ **चउपन्नमहापुरिसचरिउ**। श्रीलांगसधा। पञ्जिका संस्कृत टीका २१-००
३७ **चन्द्रप्रभचरितम्**। अमृतलाल शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित १६-००
३८ **चौलुक्य कुमारपाल**। लक्ष्मीशंकर व्यास ७-००
३९ **छक्कम्मुवएसो**। सम्पा० मधुसुदन सी० मोदी ३५-००
४० **जंबुचरियं**। गुणपाल विरइयं (प्राकृत भाषा निबद्ध) ८-५०
४१ **जम्बूस्वामिचरितम्**। राजमल्लविरचितम्। **अध्यात्मकमलमार्तण्डश्च** २५-००
४२ **जंबूदीव-पण्णत्ति संगहो**। पउमणंदिकओ। हिन्दी टीका सहित १६-००
४३ **जयपायड-निमित्त शास्त्र**। पूर्वाचार्य विरचित। सव्याख्या ६-६०

४४ जिनदत्ताख्यानद्वयम् । (प्राकृत) अमृतलाल मोहनलाल भोजक सम्पादित ३-५०
४५ जीवनदर्शन । गोपीचन्द धाड़ीवाल ३-००
४६ जीवन्धरचम्पूः । हरिचन्द विरचित । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १५-००
*४७ जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन [वि.रा.९३] ३५-००
४८ जैन आचार । डॉ० मोहनलाल मेहता ५-००
४९ जैन कला एवं स्थापत्य । सम्पा० लक्ष्मीचन्द जैन । १-३ भाग ५५०-००
५० जैन ग्रन्थ और ग्रन्थकार । सम्पा० फतेहचन्द्र बेलानी २-००
५१ जैन ग्रन्थ प्रशस्तिसंग्रह । परमानन्द जैन शास्त्री । १-२ भाग १६-५०
५२ जैन तर्कशास्त्र में अनुमान विचार : ऐतिहासिक एवं समीक्षात्मक अध्ययन । डॉ० दरबारीलाल जैन कोठिया १६-००
५३ जैन-दर्शन की रूपरेखा । डॉ० एस० गोपालन १६-००
५४ जैन-धर्म-दर्शन । डॉ० मोहलाल मेहता १०-००
५५ जैन-धर्म में अहिंसा । डॉ० वशिष्ठनारायण सिन्हा २०-००
५६ जैन न्याय । कैलाशचन्द्र शास्त्री । हिन्दी १६-००
५७ जैनन्यायखण्डखाद्यम् । आचार्य यशोविजयसूरि कृत । बदरीनाथ शुक्ल कृत विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या सहित १०-००
५८ जैन-पुस्तकप्रशस्तिसंग्रहः । आचार्य जिनविजय सम्पादित । प्रथम भाग २०-००
५९ जैन शिलालेखसंग्रह । विजयमूर्ति संगृहीत । १-५ भाग ३०-००
६० जैन सम्प्रदाय शिक्षा । पालचन्द्र विरचित । हिन्दी १५-००
६१ जैन साहित्य का इतिहास-पूर्वपीठिका । कैलाशचन्द्र शास्त्री १०-००
६२ जैन साहित्य का बृहद् इतिहास । १-६ भाग १००-००
६३ जैन सिद्धान्त सूत्र । ब्र० कु० कौशल १०-००
६४ जैनेन्द्रमहावृत्तिः । आचार्य देवनन्दि प्रणीत १८-००
६५ जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश । जिनसेन वर्णी । १-२ भाग समाप्त । ३-४ भाग १०५-००
६६ ज्ञानार्णवः । (योगप्रदीप) शुभचन्द्राचार्य विरचित । पन्नालाल बाकलीवाल कृत हिन्दी टीका सहित १२-००
६७ ज्ञानार्णव । शुभचन्द्राचार्य कृत । बालचन्द्र शास्त्री कृत हिन्दी टीका २५-००
६८ तत्त्वार्थवार्तिक (राजवार्तिक) । अकलङ्कदेव । हिन्दीसारसहित-द्वितीय भाग २०-००
६९ तत्त्वार्थसूत्र । उमास्वाति । विवेचन सहित । भाषा टीका । पं० सुखलाल संघवी १०-००
७० तत्त्वार्थसूत्रम् । भास्करानन्द विरचित सुखबोध व्याख्या सहित २-७५
७१ तत्त्वार्थाधिगमसूत्रम् । उमास्वामिकृत मूलसूत्र संस्कृत टीका । खूबचन्द्र कृत हिन्दी टीका सहित ६-००
७२ तिलकमञ्जरीसार । धनपाल विरचित । सम्पा० एन० एम० कन्सारा १२-००
७३ तीर्थकल्प । जिनप्रभसूरि विरचित ३-७५
७४ दक्षिण भारत में जैन-धर्म । कैलाशचन्द्र सिद्धान्ताचार्य ७-००
७५ दसकालियसुत्तं । सिरिसेज्जभवथेर विरचित । मुनि पुण्यविजय सम्पादित ४५-००
७६ दिग्विजयमहाकाव्यम् । मेघविजयोपाध्याय विरचित ८-००
७७ देवगढ़ की जैन कला । डॉ० भगवानचन्द्र जैन ३५-००
७८ द्वादशारनयचक्रम् । श्रीमल्लवादिसूरिकृत । सिंहसूरिप्रणीत व्याख्या सहित १६-००
७९ धर्मपरीक्षा । आचार्य अमितग । पं० बालचन्द्र जी शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित २०-००
८० धर्मबिन्दुः । हरिभद्रसूरि विरचित । मुनिचन्द्र प्रणीत व्याख्या सहित ४-००
८१ धर्मशर्माभ्युदयः । हरिचन्द्रकवि विरचित ३-००

८२ **नन्दिसूत्रचूर्णि** । नन्दीसुत्तं सिरि देववायग विरइयं । सिरि जिणदासगणि महत्तर विरइयास चुण्णी सहित । मुनि पुण्यविजय सम्पादित — १०-००

८३ **नन्दिसूत्रटीकावृत्तिः** । नन्दिसूत्रम् देववाचक विरचित । चन्द्राचार्य कृत दुर्गपद व्याख्या—अज्ञातकर्तृक विषमपदपर्याय—हरिभद्रसूरि कृत वृत्ति सहित — १५-००

८४ **नयचक्र** । माइल्ल धवल । अनु० कैलाशचन्द्र सिद्धान्तशास्त्री — २०-००

८५ **निघण्टुशेषः** । आचार्य हेमचन्द्र सूरि । श्रीवल्लभगणि विनिर्मित टीका सहित । सम्पादक—मुनि पुण्यविजय — ३०-००

८६ **नीतिवाक्यामृत में राजनीति** । डॉ० एम० एल० शर्मा — १५-००

८७ **नेमिनाह चरिउ** । हरिभद्रसूरि विरचित । सम्पा० एच० सी० भायनी एवं एम० सी० मोदी । १-२ भाग — ८०-००

८८ **नेमिनिर्वाणकाव्य** । वाग्भट्ट प्रणीत — ३-००

८९ **न्यायविनिश्चयः** । अकलङ्कदेवकृत । वादिराजकृतविवरणसहित । १-२ भाग — ५०-००

९० **न्यायावतारः** । सिद्धर्षिगणि कृत संस्कृत टीका का हिन्दी भाषानुवाद — ६-००

९१ **पउमचरिउ** । कविराज स्वयंभूदेव विरचित । (विद्याधर-अयोध्या-सुन्दर-युद्ध-उत्तरकाण्ड) । १-३ भाग — दुष्प्राप्य

९२ **पउमचरियं** । विमलसूरि विरइयं । हिन्दी अनुवाद सहित । १-२ भाग — ४०-००

९३ **पञ्चसंग्रहः** । संस्कृत व्याख्या, प्राकृत वृत्ति, हिन्दीटीका सहित । हीरालाल जैन — ३५-००

९४ **पञ्चसंग्रह** । अमितगति सूरि विरचित — ०-८१

९५ **पञ्चस्तोत्रसंग्रह** । संस्कृत व्याख्या-हिन्दी पद्यानुवाद-अन्वयार्थ-भावार्थ सहित — ३-००

९६ **पञ्चास्तिकाय** । कुन्दकुन्दाचार्य कृत । 'समयव्याख्या' 'तात्पर्यवृत्ति' नामक संस्कृत टीका तथा हेमराज पाण्डेय कृत 'बालबोधिनी' भाषा टीका के आधार पर मोहनलाल शास्त्री कृत हिन्दी अनुवाद सहित — ७-००

९७ **पद्मचरितम्** । रविषेण विरचित । १-३ भाग — ५-५०

९८ **पद्मनन्दी पञ्चविंशति** । अज्ञातकर्तृक । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित — २०-००

९९ **पद्मपुराण (जैन)** । रविषेण कृत । हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग — ७२-००

१०० **परमात्मप्रकाश-योगसार** । योगेन्दुदेव कृत । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित — १८-००

१०१ **परीक्षामुखसूत्रम्** । माणिक्यनन्दि विरचित । प्रथम खण्ड — २-००

१०२ **पासनाहचरिउ** । पासणाह चरीउ—आपरिय सिरि पउम कित्ति विरइउ । सम्पा० प्रफुल्लकुमार मोदी । हिन्दी अनुवाद-कोष-टिप्पणी सहित — २५-००

१०३ **पुण्यास्रवकथाकोशम्** । रामचन्द्र मुमुक्षु विरचित । हिन्दी टीका सहित — २०-००

१०४ **पुरातनप्रबन्धसंग्रहः** । ऐतिहासिक प्रबन्ध — ८-५०

१०५ **पुरुदेवचम्पू** । अर्हद्दास विरचित — ३०-००

१०६ **पुरुषार्थसिद्ध्युपाय** । अमृतचन्द्रसूरिकृत । नाथूराम प्रेमी कृत हिन्दी टीका — ५-००

१०७ **पुहइचंदचरियं** । शान्तिसूरि विरचित । सम्पा० मुनि श्रीरमणिक विजय — ३०-००

१०८ **प्रबन्धकोषः** । राजशेखरसूरि विरचित — ६-५०

१०९ **प्रबन्धचिन्तामणिः** । मेरुतुङ्ग विरचित — ६-५०

११० **प्रमाणमीमांसा** । संस्कृत मूल एवं आंग्लानुवाद सहित । सत्कारि मुखर्जी — १५-००

१११ **प्रमाणप्रमेयकलिका** । नरेन्द्रसेन कृत — १-५०

११२ **प्रमेयकमलमार्तण्डः** । प्रभाचन्द्राचार्य विरचित — १५-००

११३ **प्रमेयरत्नमाला** । अनन्तवीर्याचार्यप्रणीत । अनुवादक—पं० हीरालाल जैन [वि. सं. १०७] — २५-००

११४ **प्रमेयरत्नालङ्कारः** । अभिनवचारुकीर्तिपण्डिताचार्यविरचितः — ३-५०

११५ **प्रवचनसार**। कुन्दकुन्दाचार्य कृत। अमृतचन्द्राचार्य-जयसेनाचार्यविरिचितः संस्कृतव्याख्याद्वय-बालबोध हिन्दी टीका, आंग्लानुवाद सहित १५-००

११६ **प्रशमरतिप्रकरणम्**। उमास्वातिविरचित। हरिभद्रसूरि कृत संस्कृत व्याख्या-राजकुमारशास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ६-००

११७ **प्राकृत जैन कथा-साहित्य**। डॉ० जगदीशचन्द्र जैन १०-००

११८ **प्राकृत-भाषा**। डॉ० प्रबोध बेचरदास १-५०

*११९ **प्राकृत-व्याकरण**। हिन्दी। श्रीमधुसूदन प्रसाद मिश्र [वि० रा० ३२] १०-००

१२० **प्राकृतशब्दानुशासनम्**। त्रिविक्रमदेव विरचित। परशुरामशर्मा सम्पादित १०-००

१२१ **प्राकृतशब्दानुशासन**। हिन्दी अनुवाद सहित। अनु० केशव वामन आप्टे १२-००

१२२ **प्राकृतसर्वस्व**। मार्कण्डेय विरचित। सम्पा० कृष्णचन्द्र आचार्य २०-००

*१२३ **प्राकृत साहित्य का इतिहास**। डॉ० जगदीशचन्द्र जैन। [वेद से लेकर प्राचीनतम शिलालेख, नाटक, कथाग्रन्थ आदि के व्यापक समीक्षण एवं समालोचना के साथ हिन्दी में अपने विषय का प्रथम ग्रन्थ] ४०-००

१२४ **पृथ्वीचन्द्रचरित**। ३०-००

१२५ **बौद्ध और जैन आगमों में नारी जीवन**। डॉ० कोमलचन्द्र जैन १५-००

१२६ **भगवती आराधना**। आचार्य शिवार्य। 'विजयोदया' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। १-२ भाग ४०-००

१२७ **भट्टारक-सम्प्रदाय**। वी० पी० जोहरापुरकर सम्पादित ८-००

१२८ **भविसयत्तकहा तथा अपभ्रंश कथा-काव्य**। देवेन्द्र कुमार शास्त्री २५-००

१२९ **भव्यजनकण्ठाभरणम्**। अर्हद्दास विरचित। कैलाशचन्द्र अनुवादित १-२५

१३० **भारत के प्राचीन जैन तीर्थ**। डॉ० जगदीशचन्द्र जैन २-००

१३१ **भारतीय संस्कृति में जैन-धर्म का योगदान**। डॉ० हीरालाल जैन ३५-००

१३२ **भोजचरित्र**। राजवल्लभ कृत। आंग्ल प्रस्तावना, नोट्स, परिशिष्ट सहित। सम्पा० डॉ० वी० सी० एच० छावड़ा एवं एस० शङ्करनारायणन् ८-००

१३३ **मदनपराजयः**। नागदेव विरचित १२-००

१३४ **मयणपराजयचरिउ**। हरिदेव कृत। हिन्दी टीका सहित ८-००

१३५ **महापुराण**। (आदिपुराण) १-२ भाग २०-००

१३६ **महापुराण**। (उत्तरपुराण) पन्नलाल जैन सम्पादित १०-००

१३७ **महापुराणम्**। पुष्पदन्त विरचित। डॉ० पी० एल० वैद्य सम्पादित। १-३ भाग २६-००

१३८ **महाबन्धः**। भूतबलिभट्टारक विरचित। हिन्दी टीका सहित। १-७ भाग १४०-००

१३९ **महामात्य वस्तुपाल का साहित्य मण्डल और संस्कृत साहित्य में उसकी देन**। डॉ० भोगीलाल जे० सान्देसरा ४-००

१४० **महावीर-वाणी**। डॉ० भगवानदास तिवारी १८-००

१४१ **मूलशुद्धिप्रकरणम्**। देवचन्द्रसूरि सन्दृब्धवृत्ति युक्त। आचार्य प्रद्युम्नसूरि विरचित 'स्थानकानि'। प्रथम भाग २०-००

१४२ **यशस्तिलक का सांस्कृतिक अध्ययन**। डॉ० गोकुलचन्द्र जैन २०-००

१४३ **युक्त्यनुशासन**। समन्त भद्राचार्य। युगलकिशोर मुख्तार कृत हिन्दी टीका १-५०

१४४ **योगशतक**। आचार्य हरिभद्रकृत। स्वोपज्ञवृत्तिसहित। **ब्रह्मसिद्धान्तसमुच्चय** ५-००

१४५ **रत्नकरण्ड श्रावकाचार**। समन्तभद्रस्वामि विरचित ८-००

१४६ **रत्नाकरावतारिका**। रत्नप्रभसूरि कृत। १-३ भाग २६-१०

१४७ **रत्नाकरावतारिकाद्यश्लोक शतार्थी**। जिनमाणिक्य गणि विरचित। ८-००

१४८ **लीलावाईकहा**। कौहल विरचित। सम्पा० प्रो० ए० एन० उपाध्याय २५-००

१४९ **लोक-विभाग**। सिंहसूरर्षि विरचित। हिन्दी टीका सहित १०-००

१५० **वर्द्धमान चरित्र** । असगकवि कृत । पं० पन्नालाल जैन कृत हिन्दी टीका १५-००
१५१ **वसुनन्दिश्रावकाचारः** । आचार्य वसुनन्दि कृत । भाषानुवाद सहित ६-००
१५२ **विविधतीर्थकल्प** । जिनभद्रसूरि विरचित ६-५०
१५३ **विश्वतत्त्वप्रकाश** । भावसेन-त्रैविद्य विरचित । हिन्दी टीका सहित १२-००
१५४ **विशेषावश्यकभाष्य** । स्वोपज्ञवृत्ति सहित । १-२ भाग ५६-००
१५५ **शान्तिनाथचरितम्** । अजितप्रभाचार्य कृत ३-००
१५६ **शास्त्रवार्तासमुच्चय** । हरिभद्रसूरि । डॉ० कृष्णकुमार दीक्षित कृत भाषा टीका २०-००
१५७ **शृङ्गारमञ्जरीकथा** । भोजदेव विरचित १२-५०
१५८ **श्रीहरिभद्रसूरि** । (जीवनी) हीरालाल रसिकदास कापड़िया ८-५०
१५९ **षड्दर्शनसमुच्चयः** । परमहित श्रीमणिभद्रकृत लघुवृत्ति, 'दर्शनकौमुदी' हिन्दी टीका सहित । सम्पा० केदारनाथ मिश्र १५-००
१६० **षडावश्यकबालावबोधवृत्ति** । श्रीतरुणप्रभाचार्यकृत । सम्पा० प्रबोध बेचरदास ५०-००
१६१ **संस्कृत काव्य के विकास में जैन कवियों का योगदान** । नेमिचन्द्र शास्त्री ३०-००
१६२ **सन्मति-प्रकरण** । सिद्धसेन दिवाकर कृत । अनु० शान्तिलाल म० जैन ६-००
१६३ **सम्मइसुत्तं** । आचार्य सिद्धसेन विरचित । हिन्दी अनुवाद सहित । सम्पा० डॉ० देवेन्द्रकुमार शास्त्री २०-००
१६४ **सभाष्यरत्नमञ्जूषा** । छन्दःशास्त्र ३-००
१६५ **समयसारः** । कुन्दकुन्दस्वामी । आत्मख्याति-तात्पर्यवृत्ति, आत्मख्याति-भाषावचनिका सहित १६-००
१६६ **समाधितन्त्र-इष्टोपदेश** । हिन्दी टीका सहित ४-००
१६७ **सर्वार्थसिद्धिः** । हिन्दी अनुवाद सहित ३०-००
१६८ **सिद्धान्तसारसंग्रह** । नरेन्द्रसेनाचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित १२-००
१६९ **सिद्धिविनिश्चयटीका** । अकलंकदेवकृत । अनन्तवीर्य कृत टीका सहित । १-२ भाग ५५-००
१७० **सूयगडंगसुत्तं** । पंचम गणहरसूरि सुहम्म समिपायुणाणुगमं बिइय भंगं । सम्पा० मुनिपुण्यविजय । प्रथम भाग ३०-००
१७१ **स्याद्वादमंजरी** । मल्लिषेण विरचित । हेमचन्द्रसूरि निर्मित अन्ययोगव्यवच्छेद-द्वात्रिंशिकास्तवन टीका सहित । सम्पा० ए० बी० ध्रुव २५-००
१७२ **स्याद्वादमञ्जरी** । मल्लिषेण कृत । हैमचन्द्रसूरि निर्मित अन्योगव्यच्छेदद्वात्रिंशिका-स्तवन टीका सहित । सम्पा० जगदीशचन्द्र जैन १०-००
१७३ **स्याद्वादमुक्तावली अथवा जैन विशेष तर्क तथा भाव सप्ततिका** । सम्पा० सुरेश उपाध्याय ३-००
१७४ **स्वामिकार्त्तिकेयानुप्रेक्षा** । स्वामिकार्तिकेय । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १९-००
१७५ **हरिवंशपुराणम्** । आचार्य जिनसेन कृत हिन्दी टीका सहित २५-००
●१७६ **हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र** । (सचित्र) अनु० कस्तूरमल बाँठिया [वि. रा. १११] १०-००
177 Outlines of Jainism. By Dr. S. Gopalan 14-00

समालोचनात्मक-ग्रन्थाः

●१ **अक्षर अमर रहें** । निबन्ध-संग्रह । श्री वाचस्पति गैरोला
[यह निबन्ध-संग्रह संस्कृत हिन्दी के सामान्य विद्यार्थियों तथा शोधकार्यरत स्नातकों के लिये पुरातत्त्व, इतिहास, साहित्य, शोध और कला की दृष्टि से विशेष उपयोगी है ।] [वि. रा. १९] ७-००
२ **अग्निपुराण का काव्यशास्त्रीय भाग** । रामलाल वर्मा शास्त्री ७-००
३ **अनुसन्धानपद्धतिः** । डॉ० भगीरथप्रसाद त्रिपाठी ३-००

*४ **अपभ्रंश-साहित्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ।** डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा'।
[इस पुस्तक में अपभ्रंश सम्बन्धी समस्त अध्ययन का समावेश करने का प्रयास किया गया है। यह रचना सामान्य पाठकों की दृष्टि से लिखी गयी है। अद्यावधि किये गये प्रयासों का आकलन इसमें हुआ है।] [वि० रा० १६६] ५-००

५ **अप्पयदीक्षित।** डॉ० नरेन्द्रनाथ शर्मा ४-००

६ **अम्बिकादत्तव्यास की रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन।**
डॉ० कृष्णकुमार विद्यालङ्कार ३०-००

*७ **अभिज्ञानशाकुन्तल : एक अध्ययन।** श्रीकाशीनाथ द्विवेदी
[शाकुन्तल प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में पाठ्य स्वीकृत होने से अभिज्ञान को समझने-समझाने के लिये स्वतन्त्र चिन्तन की आवश्यकता है—उसी की पूर्ति इस पुस्तक द्वारा की गयी है।] [वि. रा. १२७] ६-००

८ **अभिज्ञानशाकुन्तल और पद्मपुराण।** किशोरीदास गोस्वामी १५-००

९ **अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन।** डॉ० कपिलदेव द्विवेदी १५-००

१० **अर्वाचीनं मनोविज्ञानम्।** मामराजदत्तकपिलविरचितम् १२-००

*११ **अलङ्कार-मीमांसा।** डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' [वि. रा. १३१] ६-००

*१२ **अलङ्कारशास्त्र की परम्परा।** डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा'
[इस ग्रन्थ में अद्यावधि उपलब्ध सामग्री के आधार पर भारतीय काव्यशास्त्र की रूपरेखा प्रस्तुत की गयी है और प्रत्येक आचार्यों के ग्रन्थों का पूर्ण परिचय भी दिया गया है।] [चौ. रा. १३] १२-५०

*१३ **अलङ्कारानुशीलन।** डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा'
[अलंकारों का ऐतिहासिक अनुशीलन तथा इनसे सम्बन्धित सभी शास्त्रीय विवादों का एकत्र समावेश प्रस्तुत करनेवाला हिन्दी में यह प्रथम ग्रन्थ है। इसमें लगभग ११० अलंकारों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। भूमिका में—काव्य में अलंकारों का स्थान, अन्य भारतीय काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों से उनका सम्बन्ध तथा संस्कृत के सभी प्रसिद्ध अलंकारिकों के एतद्विषयक मतों का सार आदि महत्त्वपूर्ण विषय संगृहीत हैं। सरल एवं सरस भाषा-शैली में लिखा यह अलंकारों के विषय में अभिनव प्रामाणिक ग्रन्थ है।] [चौ. रा. १२] ३०-००

*१४ **अवन्तिकुमारियाँ।** श्री देवदत्त शास्त्री
[इस पुस्तक में तीन अवन्तिकुमारियों (अवन्तिसुन्दरी, मालविका, सरस्वती) के जीवन की मर्मस्पर्शी कहानियों के बीच लेखक ने उस युग की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं नैतिक स्थितियों का बड़ा ही सुन्दर गवेषणात्मक चित्र प्रस्तुत किया है।] [वि. रा. ३८] ३-००

*१५ **असामान्य मनोविज्ञान।** डॉ० रामकुमार राय [वि. रा. २७] यंत्रस्थ

१६ **आचार्य आनन्दवर्द्धन।** डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी २२-००

१७ **आचार्य क्षेमेन्द्र।** डॉ० मनोहरलाल गौड़ ४-००

१८ **आचार्य दण्डी एवं संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास दर्शन।**
जयशंकर त्रिपाठी ३०-००

१९ **आचार्य भरत।** डॉ० शिवकरण शर्मा १०-००

२० **आचार्य मम्मट।** श्री दुण्ढिराज गोपाल सप्रे ६-००

२१ **आचार्य राजशेखर।** डॉ० श्यामा वर्मा १०-००

२२ **आचार्य विज्ञानभिक्षु और भारतीय दर्शन में उनका स्थान।**
डॉ० सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव २०-००

२३ **आचार्य सायण और माधव।** पं० बलदेव उपाध्याय १०-००

२४ **आचार्य हेमचन्द्र।** डॉ० वि० भा० मुसलगाँवकर ७-५०

*२५ **आचार्य हेमचन्द्राचार्य और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन।**
डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री
[प्रस्तुत ग्रन्थ में शब्दानुशासन सम्बन्धी हैम की विशेषताओं, उपलब्धियों और अभावों पर प्रकाश डाला गया है तथा पाणिनि एवं पाणिनि से भिन्न अन्य अनेक वैयाकरणों के साथ अनेक दृष्टियों से उनकी तुलना करते हुए विशद् आलोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। हैम के साथ-साथ अन्य शब्दानुशासनों का भी विवेचन यथास्थान होता चला है।] [वि. रा. ६२] २५-००

२६ **आधुनिक संस्कृत नाटक : नये तथ्य, नया इतिहास।** डॉ० रामजी उपाध्याय
१-२ भाग ६०-००

२७ **आधुनिक संस्कृत साहित्यानुशीलन।** डॉ० रामजी उपाध्याय ७-००

२८ **आर्य संस्कृति।** आचार्य बलदेव उपाध्याय ८-००

२९ **उपमाकालिदासस्य।** डॉ० शशिभूषणदास गुप्त ५-००

*३० **ऐतिहासिक उपन्यासों में कल्पना और सत्य।** बी० एम० चिन्तामणि
[लेखक ने इस नवीन कृति में हिन्दी के उपन्यासों, विशेषकर ऐतिहासिक उपन्यासों की बहुत सुन्दर समीक्षा प्रस्तुत की है। नयी सूझ-बूझ और गम्भीर मन्थन की परिचायक यह रचना हिन्दी के आलोचना-क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण देन है।]
[वि. रा. १८] ५-००

३१ **औचित्य विमर्श।** राममूर्ति त्रिपाठी ८-००

*३२ **औचित्य-सम्प्रदाय का हिन्दी-काव्यशास्त्र पर प्रभाव (प्रत्यक्ष तथा परोक्ष)।**
डॉ० चन्द्रहंस पाठक।
[प्राचीन और नवीन उभयविध विचारकों में औचित्य-मत के प्रभाव की चर्चा करने के हेतु इसमें व्यापक भूमिका और सन्दर्भों का उपयोग किया गया है। इसके लेखन में अथक श्रम, अध्यवसाय और असामान्य प्रतिभा का प्रयोग पद-पद देखने को मिलता है। अधिकारी विद्वानों के निर्णायक विचारों से समन्वित, उत्तम साज-सज्जा, मुद्रण आवरण आदि से युक्त यह ग्रन्थ सर्वथा संग्रहणीय है।] [वि. रा. ११०] ३५-००

*३३ **कवियों की लोकदृष्टि।** (संस्कृत साहित्य के कुछ रससिद्ध कवियों के चिरन्तन साहित्य का परिमन्थन) श्री शिवशंकर त्रिपाठी [वि० रा० ११७] १०-००

*३४ **कविवर डॉ० रामकुमार वर्मा और उनका काव्य।** प्रो० दशरथ राज
[वि. रा. ९५] ५-००

३५ **कविसमय मीमांसा।** डॉ० विष्णुस्वरूप ९-००

*३६ **(महाकवि) कालिदास।** देव पुरस्कार से पुरस्कृत। डॉ० रमाशङ्कर तिवारी
[अब तक उपलब्ध सम्पूर्ण सामग्री का विवेकपूर्ण उपयोग कर कालिदास का देश-काल तथा उनकी सौन्दर्य-भावना, प्रेम-भावना, काव्यादर्श, लोकादर्श आदि विषयों की १८ अध्यायों में प्रामाणिक विवेचना की गई है।] [वि० रा० ४१] २५-००

३७ **कालिदास।** वासुदेव विष्णु मिराशी २५-००

*३८ **कालिदास : एक अनुशीलन।** पं० देवदत्त शास्त्री
[कालिदास के जीवन, जन्मभूमि और स्थिति पर ठोस प्रमाणों सहित ऐसी नई स्थापनाएँ आपको इस ग्रन्थ में मिलेंगी जिन पर मत प्रकट करने या विचार करने की उत्सुकता आप में अवश्य उत्पन्न होगी। छात्रों के लिये अधिक उपयोगी पुस्तक है।]
[वि. रा. ४७] ५-००

३९ **कालिदास काव्ये शब्दपरिपाक।** डॉ० नित्यानन्द ५०-००

४० **कालिदास और भवभूति के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन।**
डॉ० सुरेन्द्रदेव शास्त्री २५-००

४१ **कालिदास का प्रकृति-चित्रण** । निर्मला उपाध्याय १५–००
४२ **कालिदास का भारत** । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय । १–२ भाग १६–००
४३ **कालिदास की कला और संस्कृति** । डॉ० देवीदत्त शर्मा २५–००
४४ **कालिदास की कृतियों में भौगोलिक स्थलों का प्रत्यभिज्ञान** । कैलाशनाथ द्विवेदी ३०–००
४५ **कालिदास की लालित्य-योजना** । हजारीप्रसाद द्विवेदी १२–५०
४६ **कालिदास के काव्य में ध्वनितत्व** । डॉ० मन्जुला जायसवाल ३०–००
४७ **कालिदास के सुभाषित** । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय ७–००
४८ **कालिदास दर्शन** । डॉ० शिवप्रसाद भारद्वाज । प्रथम भाग ४०–००
४९ **कालिदास : मानवशिल्पी महाकविः** । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ५–००
*५० **काव्य-चिन्ता** । डॉ० रमाशङ्कर तिवारी
[प्रस्तुत ग्रन्थ के दो खण्डों में काव्य के मूल स्वरूप तथा जीवन के साथ उसके सम्बन्ध एवं काव्य के प्रयोजन का जो मार्मिक विश्लेषण सम्पन्न हुआ है, वह सर्वथा मौलिक एवं विचारोत्तेजक है। काव्य-चिन्तन की आधुनिक परम्परा में इससे निश्चित ही परिष्कार का प्रवेश होगा ।] [वि. रा. ५७] ८–००
५१ **काव्यतत्वसमीक्षा** । डॉ० एन० एन० चौधरी २०–००
५२ **काव्यदोष : एक अनुशीलन** । डॉ० जनार्दनस्वरूप अग्रवाल ३०–००
५३ **काव्यदोषों का उद्भव और विकास** । डॉ० शम्भुदत्त झा १६–००
५४ **काव्य समीक्षा : तुलनात्मक सर्वेक्षण** । डॉ० विक्रमादित्य राय १०–००, १२–००
*५५ **काव्याङ्गनिर्णय** । डॉ० जङ्गबहादुर मिश्र 'रञ्जन' [वि. रा. १३] यंत्रस्थ
*५६ **काव्यात्म-मीमांसा** । डॉ० जयमन्त मिश्र
[काव्यात्म सम्बन्धी विचारों का आलोचनात्मक ढंग से शोधपूर्ण विश्लेषण करके रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति तथा औचित्य-तत्त्वों का विश्लेषणात्मक स्वरूप निर्देश, ऐतिहासिक क्रम से साङ्गोपाङ्ग विवेचन तथा उनके तात्त्विक रहस्यों का समुद्घाटन किया गया है । अन्त के परिशिष्टों में काव्य सम्बन्धी कतिपय अन्य विषयों का विचार किया गया है ।] [वि. रा. ७२] २५–००
*५७ **काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी** । श्री भँवरलाल जोशी [चौ. रा. ६]
[इस ग्रन्थ में लेखक ने काश्मीर शैवदर्शन के अति गूढ सिद्धान्तों का स्वच्छ गम्भीर व्याख्यात्मक शैली में विवेचन करने के पश्चात् 'कामायनी' के अन्तर् में व्यापक रूप से अनुस्यूत विचारधारा का मौलिक दृष्टि से सांगोपांग अन्वेषण प्रस्तुत किया है । कामायनी पर अबतक लिखे गये शोध-ग्रन्थों में इस कृति द्वारा पहली बार यह उद्घाटित हुआ है कि कामायनी में काश्मीर शैवदर्शन के कतिपय सिद्धान्तों की आनुषंगिक एवं फुटकल अभिव्यक्तियाँ मात्र न होकर उक्त दर्शन पर आधृत एक पूर्ण जीवन-दृष्टि ही उत्तरोत्तर विकास-क्रम में समाहित है । कामायनी में काश्मीर शैव दर्शन के अन्वेषण सम्बन्धी लेखक के निष्कर्ष अत्यन्त गम्भीर और तर्क-सम्मत हैं ।] २५–००
*५८ **कृष्णभक्ति काव्य में सखीभाव** । श्री शरणबिहारी गोस्वामी [वि. रा. १०४]
[गोपीतत्त्व और सखीतत्त्व पर गम्भीर विचार, उपास्यतत्त्व का विस्तृत विवेचन तथा सखी-सम्प्रदाय की उपासना-पद्धति का संयोजन आदि इस ग्रन्थ के प्रमुख प्रतिपाद्य विषय हैं । सखीभाव-विषयक हिन्दी-साहित्य की सामग्री का परिचय एवं समीक्षा, रस-परिपाटी का विवेचन, लगभग ५० वैष्णव सम्प्रदायाचार्यों के सदुपदेशों का सचित्र वर्णन तथा कवियों और काव्यों का परिचय समीक्षण आदि अत्यन्त सरल भाषा और शैली में विवेचित हैं । यह ग्रन्थ अत्यन्त रसपूर्ण और उपादेय है ।] ४५–००

५९ **क्षेमेन्द्र और उनका समीक्षा-सिद्धान्त** । डॉ० शिवशेखर मिश्र १०–००
६० **गद्यकार बाण** । प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल ५–००
६१ **गोरक्षनाथ (नाथ-सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में)** । डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय ३०–००
६२ **गोरखनाथ और उनका युग** । डॉ० रांगेय राघव १२–००
*६३ **गोस्वामी तुलसीदास** । आचार्य सीताराम चतुर्वेदी
[तुलसीदासजी के जन्मकाल, जन्मस्थान, जीवन की अनेक घटनाओं और उनकी रचना के विषय में पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिये यह एक ही ग्रन्थ है जिनकी ओर सामान्य समीक्षकों का ध्यान अब तक नहीं पहुँच पाया था ।] [वि. रा. ९] ६–००
६४ **गोस्वामी तुलसीदास** । शिवनन्दन सहाय वर्मा ५–५०
*६५ **चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन** ।
डॉ० छविनाथ त्रिपाठी [वि. रा. ८३]
[इसमें चम्पू-काव्य का स्थान निर्धारण, उसकी सर्वथोपयुक्त परिभाषा, गद्य-पद्य-मिश्रित काव्यों के विकास का ऐतिहासिक एवं खोजपूर्ण विवरण, २४५ चम्पू-काव्यों का सविवरण आलोचनात्मक परिचय, वर्ण्य-वस्तु और चम्पू-काव्यों के मूल स्रोतों का अन्वेषण करके उनका वर्गीकरण आदि उपयोगी सामग्री प्रस्तुत की गई है ।] २०–००
६६ **चम्पूरामायण का साहित्यिक परिशीलन** । डॉ० कु० करुणा श्रीवास्तव १३–००
*६७ **चित्र और चिन्तन** । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी
[इस पुस्तक में चित्र, जीवन के दैनिक अनुभवों के हैं, चिन्तन सामयिक परिस्थितियों, समस्या और नवनिर्माण के हैं । इसमें व्यक्ति, समाज और विश्व की धड़कन है । आप भी इसमें अपनी धड़कन पायेंगे और युग के प्राणप्रवाह से एकमेव हो जायंगे ।] [वि. रा. ६९] ५–००
६८ **चित्रनिबन्धावलिः (विविध शास्त्रीयनिबन्धानां संग्रहः)** । रघुनाथ शर्मा १०–००
*६९ **चिन्तन के नये चरण** । श्री देवदत्त शास्त्री
[भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, इतिहास, पुराण-उपनिषद्, नृत्य-नाटक, अभिनव ये पाँच पुस्तक के विषय-स्तम्भ हैं । इस पुस्तक में निबन्धों के सभी विषय सामान्य और व्यापक होने के साथ ही साहित्यकारों एवं अनुसन्धायकों के नित्य उपयोग के हैं । विद्यार्थियों को तो इन निबन्धों में नई दृष्टि, नई चेतना और अनुसन्धान के नये आयाम मिलेंगे ।] [वि. रा. ३१] १२–००
७० **चैतन्य महाप्रभु** । अमृतलाल नागर ११–००
७१ **जयदेव—आचार्य एवं नाटककार के रूप में : आलोचनात्मक अध्ययन** ।
डॉ० विनोदचन्द्र विद्यालङ्कार ३५–००
७२ **जातक कालीन भारतीय संस्कृति** । पं० मोहनलाल महतो 'वियोगी' ६–५०
७३ **जातकमाला : एक अध्ययन** । डॉ० कमलाकान्त मिश्र ४०–००
*७४ **जीवनदर्शन** । डॉ० मुंशीराम शर्मा
[जीवन क्या है ? वह कैसे विकसित होता है तथा उन्नत बनता है ? जीवनपथ में कैसे-कैसे मोड़ आते हैं आदि आदि । 'जीवनदर्शन' पढ़कर आप जीवन का वास्तविक मूल्याङ्कन कर सकेंगे ।] [वि. रा. १६] ३–००
*७५ **जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज** । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन ।
[हर्ष, शोक, विस्मयादि नाना भाव-धाराओं में अवगाहन करते हुए भारतीय समाज की जैनागम साहित्य में प्राप्त ऐतिहासिक स्थिति का, शैली और कौशल की दृष्टि से उनका वर्णन प्राप्त करने के लिये अनुपम ग्रन्थ है ।] [वि. रा. ९३] ३५–००
७६ **तान्त्रिक वाङ्मय में शाक्तदृष्टि** । म० म० गोपीनाथ कविराज ७–५०

*७७ **दक्षिण भारत** (आरम्भ से प्राचीन राजवंशों के पतन तक) डॉ० बलराम श्रीवास्तव
[इस ग्रंथ का लक्ष्य दक्षिण भारत के राजनीतिक व्यक्तित्व की समीक्षा है। इसमें प्राचीन राजवंशों के उदय और अस्त की गाथा भी बड़े ही छानबीन के साथ लिखी गयी है] नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण [वि. रा. ११६] शीघ्रप्राप्य

*७८ **दिनकर की उर्वशी**। डॉ० रमाशङ्कर तिवारी
['दिनकर' की नवीन काव्य कृति 'उर्वशी' के अत्यन्त सूक्ष्म परिशीलन, मार्मिक समीक्षात्मक अध्ययन, प्रौढ़ चिन्तन एवं अधिकारिक मीमांसा से संयुक्त संग्रहणीय ग्रंथ है।] [वि. रा. ५२] ६–००

७९ **धर्मशास्त्रीय निबन्धावलिः**। म० म० महेश ठाकुर।
सम्पा० पं० रामचन्द्र मिश्र एवं डॉ० सिद्धेश्वर भट्टाचार्य १९–००

८० **ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धान्त**। डॉ० भोलाशंकर व्यास २०–००

८१ **ध्वनि सिद्धान्त विरोधी सम्प्रदाय उनकी मान्यताएँ**। सुरेशचन्द्र पाण्डेय २५–००

*८२ **नगरीय समाजशास्त्र**। श्री कौशलकुमार राय
[प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में नगरीय समाजशास्त्र का पठन-पाठन आरम्भ हो गया है। लेकिन इस विषय पर हिन्दी में कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं थी। इसी अभाव की पूर्ति के हेतु प्रस्तुत पुस्तक की रचना की गई है।] [वि. रा. ९४] १२–००

*८३ **नागरिकशास्त्र**। पं० हनुमानप्रसाद शर्मा [वि. रा. ८] यन्त्रस्थ

८४ **नाट्यकला : प्राच्य एवं पाश्चात्य**। डॉ० सुदर्शनमिश्र ३०–००

८५ **नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक**। धनिकवृत्ति सहित।
डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं पृथ्वीनाथ द्विवेदी २२–५०

*८६ **निबन्ध पारिजात**। डॉ० रजनीकान्त लाहिड़ी
[इस पुस्तक में संकलित निबन्ध साहित्य के विविध वादों और रूपविधाओं को स्पष्ट करने के उद्देश्य से लिखे गये हैं।] [वि. रा. १३४] ७–००

*८७ **निबन्ध सौरभ**। श्रीबाबूलाल मिश्र
[इसमें बिहार-वाराणसी उभय प्रथम परीक्षोपयोगी लघुकाय हिन्दी निबन्ध अत्यन्त सरल भाषा और ऋजु शैली में लिखे गये हैं। इनसे निबन्ध के विषय में छात्रों का मार्ग अधिक प्रशस्त होगा।] [वि. रा. ७८] २–००

*८८ **न्याय-परिचय**। मूल लेखक—म० म० फणिभूषण तर्कवागीश।
हिन्दी रूपान्तरकार—डॉ० किशोरनाथ झा [वि. रा. ११८]
[विद्वान् न्यायशास्त्र का अध्ययन करते हैं किन्तु इसके अनिवर्चनीय रहस्य को कम ही विद्वान् समझ पाते हैं। विद्वान् लेखक ने गहन अध्ययन के पश्चात् ऐतिहासिक, दार्शनिक तथा मनोवैज्ञानिक अध्ययन की विभिन्न विचारधाराओं पर भी यथेष्ट विचार करके यह ग्रन्थ प्रस्तुत किया है। न्यायशास्त्र के प्रामाणिक सजीव और क्रमबद्ध इतिहास के परिचय के लिये यह ग्रन्थ अद्वितीय है।] २०–००

८९ **पञ्चमहाकाव्येषुचन्द्रः**। डॉ० वनमाला भवालकर ५–००

९० **पतञ्जलिकालीन भारत**। डॉ० प्रभुदयाल अग्निहोत्री ११–५०

*९१ **पथचिह्न**। श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी
[इसमें कृतिकार के निर्माण-संकल्प का क्रमिक विकास और उसका रूप-विन्यास अत्यन्त मनोहर और हृदयंगम हुआ है। इसकी शैली सम्पन्न, अनुरूप, भावप्रवण तथा व्यञ्जक है। प्रति पृष्ठ पर ये विशेषतायें परिलक्षित होती हैं।] [वि. रा. ५] ३–००

*९२ **परिक्रमा**। श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी [वि. रा. ५४]
[आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदीजी के शब्दों में—भारतीय साहित्य और जीवन की इस परिक्रमा में कालिदास, रवीन्द्र, पन्त, महादेवी आदि की समालोचना एवं संस्मरणों का मणिकांचन योग है। शैली प्रांजल, प्रवाहपूर्ण एवं सरस है।] ४–००

*९३ **पल्लव इतिहास और उसकी आधार सामग्री** । डॉ० बलराम श्रीवास्तव ।
[प्रस्तुत पुस्तक से आरम्भ में दक्षिण भारत के सुप्रसिद्ध पल्लव राजवंश का यशस्वी इतिहास प्रस्तुत किया गया है । तदुपरान्त पल्लवों तथा उनसे सम्बन्धित अन्य राजवंशों के शताधिक अभिलेखों पर टिप्पणी तथा उनमें से महत्त्वपूर्ण अभिलेखों के ऐतिहासिक अंश का मूलपाठ तथा हिन्दी अनुवाद किया गया है । दो परिशिष्टों में क्रमशः 'पल्लव-लिपि के विकास' तथा 'महावंश' के पल्लवों से सम्बन्धित अंश का अनुवाद प्रस्तुत किया गया है । लिपि, मुद्रा और वास्तु की रूपरेखा स्पष्ट करने के लिये अनेक चित्र और नक्शे दिये गये हैं ।] [वि. रा. १२६] १०-००

*९४ **पाणिनिकालीन भारतवर्ष** । (पाणिनि कृत अष्टाध्यायी का सांस्कृतिक अध्ययन) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल [वि. सं. ५०]
[इस ग्रन्थ में महर्षि पाणिनि विरचित संस्कृत-व्याकरण के सूत्रों के आधार पर उस काल के भारतीय जीवन और संस्कृति का विस्तृत प्रामाणिक अध्ययन है । अष्टाध्यायी के कितने ही भूले हुए शब्दों की यहाँ नये अर्थों के साथ समझाने का प्रयास किया है । ऐसे ३००० शब्दों को अकारादि-सूची ग्रन्थान्त में सन्निविष्ट है ।] ३५-००

९५ **पाणिनी के उत्तराधिकारी** । डॉ० उदयनारायण तिवारी १५-००

९६ **पुराण कथा कौमुदी** । पं० रघुनाथदत्त बन्धु १५-००

*९७ **पुराण की लोकभारती** । डॉ० जयशङ्कर त्रिपाठी
[इस पुस्तक में विद्वान् लेखक ने धार्मिक रूढ़ियों तथा पूर्वाग्रहों से युक्त होकर पुराणसाहित्य का गहन अध्ययन कर पुराण की कहानियों की आज के युग के धरातल पर रख कर परखने की चेष्टा की है ।] [वि. रा. १३२] ३-००

९८ **पुराणगत वेद विषयक सामग्री का समीक्षात्मक अध्ययन** ।
रामशंकर भट्टाचार्य २०-००

*९९ **पुरुषार्थ** । भारतरत्न डॉ० भगवानदास । शोधपूर्ण द्वितीय संस्करण
[मनीषी लेखक के आध्यात्मिक एवं चिंतन का सार इस ग्रन्थ में आज के मानव के लिये सर्वथोपयुक्त शैली में उपनिबद्ध है । इससे मानव-मात्र को श्रेयःसम्पादन के लिए यथार्थ दिशा एवं प्रेरणा प्राप्त होती है ।] [वि. रा. १०१] ३०-००

१०० **प्रकृति और काव्य** । (संस्कृत-साहित्य) रघुवंश २०-००

*१०१ **प्रतिभा-दर्शन (भाषा-तत्त्वशास्त्र)** । आचार्य हरिशंकर जोशी
[भाषा-तत्त्वशास्त्र के इस ग्रन्थ में भारतीय भाषाओं के क्रमिक युगों के प्रामाणिक विकासों के साथ-साथ अर्वाचीन भाषाओं तक के भाषातत्त्वों का विशद् विवेचन तीन बड़े भागों में किया गया है । इसकी भाषा प्राञ्जल और धारावाही है । प्रत्येक विषय को सुगम बनाने के लिये स्थान-स्थान पर चित्र और मानचित्र भी दिये गये हैं] [वि. रा. ७१] ३५-००

१०२ **प्रबोधचन्द्रोदय और उसकी हिन्दी परम्परा** । डॉ० सरोज १५-००

*१०३ **प्रयोगवादी काव्यधारा** । (तथोक्त नई कविता) । डॉ० रमाशंकर तिवारी
[प्रस्तुत ग्रन्थ में 'नई कविता' कही जानेवाली प्रयोगवादी काव्यधारा का तटस्थ एवं पूर्वग्रह-विमुक्त विस्तृत एवं प्रामाणिक विवेचन प्रथम बार प्रस्तुत किया गया है । इससे प्रयोगवादी-धारा को समझने तथा उसके प्रति समुचित एवं सन्तुलित न्याय बरतने की सम्भावनाएँ परिपुष्ट होंगी ।] [वि. रा. ७०] २५-००

१०४ **प्राकृत भाषाएँ और भारतीय संस्कृति में उनका अवदान** । एस० एम० कत्रे ६-००

१०५ **प्राकृत-भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास** ।
डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री २५-००

१०६ **प्राकृत-विमर्श** । डॉ० सरयूप्रसाद अग्रवाल १५ ००

*१०७ **प्राकृत-साहित्य का इतिहास**। डॉ० जगदीशचन्द्र जैन
[वेद से लेकर प्राचीनतम शिलालेख, प्राचीन नाटक, कथाग्रन्थ आदि के व्यापक समीक्षण और समालोचनापूर्वक अपने विषय का यह ग्रन्थ हिन्दी साहित्य में प्रथम बार अवतरित हुआ है।] [वि. रा. ४२] ४०–००

१०८ **प्राच्यभारतीयम् ऋतुविज्ञानम्**। (शोधप्रबन्धः) डॉ० धुनीराम त्रिपाठी १८–००

*१०९ **प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड**। डॉ० हरिहरनाथ त्रिपाठी
[प्रस्तुत पुस्तक में समाजशास्त्र, विधि, न्यायपालिका एवं प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति के सम्बन्ध में वैदिक काल से लेकर निबन्ध ग्रन्थों तक की सामग्री एक स्थान पर वैज्ञानिक विधि से प्रस्तुत की गई है] [वि. रा. ६८] १०–००

*११० **प्राचीन भारतीय मिट्टी के बर्तन**। डॉ० रायगोविन्दचन्द
[भारत के विभिन्न स्थानों पर खोदाई में जो भी मिट्टी के बर्तन प्राप्त हुए हैं उनके कलात्मक आकार के आधार पर भारतीय सभ्यता के विकास का आरम्भ से लेकर गुप्तकाल तक का इतिहास इस पुस्तक में वर्णित है।] [वि. रा. ३४] २०–००

*१११ **प्राचीन भारतीय मूर्ति-विज्ञान**। डॉ० वासुदेव उपाध्याय
[इसमें प्रतिमा-निर्माण के प्रत्येक पहलू पर प्रकाश डाला गया है। प्रस्तर, धातु एवं मणमूर्तियों का क्रमबद्ध ऐतिहासिक विवेचन के साथ-साथ ब्राह्मण, बौद्ध तथा जैन देवकुल का सुविस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है। मिश्रित देवप्रतिमा तथा ब्राह्मणधर्म के गौड़ देवताओं का एवं प्रतिमा सम्बन्धी तालमान का प्रामाणिक रूप में उल्लेख है। प्रामाणिक तथा ऐतिहासिक रीति से देव मूर्ति के विवरण के लिए यह ग्रन्थ पठनीय है] [चौ. रा. १०] ४५–००

११२ **प्राचीन भारतीय लिपिमाला**। डॉ० गौरीशंकर हीराचन्द ओझा १२५–००

११३ **प्राचीन भारतीय वैयाकरणों की ध्वन्यात्मक विचारों का विवेचनात्मक अध्ययन**। सिद्धेश्वर वर्मा २०–००

११४ **प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका**। रामजी उपाध्याय १००–००

११५ **प्रातिशाख्यों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दों का आलोचनात्मक अध्ययन**। डॉ० इन्द्रा २५–००

*११६ **बघेलखण्ड के संस्कृत काव्य**। डॉ० राजीवलोचन अग्निहोत्री
[यह ग्रन्थ बघेलखण्ड-जनपद (वर्तमान रीवाँ संभाग) से रचित संस्कृत काव्य-साहित्य का निचोड़ है। इस ग्रन्थ में सात अध्याय हैं। शुरू में बघेल शब्द की व्युत्पत्ति, स्थापना, विस्तार आदि देकर परिचयात्मक विवरण दिया गया है। उसके बाद बघेलखंड के यावत् उपलब्ध काव्य, महाकाव्य, नाटक तथा चम्पू ग्रन्थों का समीक्षात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। समीक्षकों के लिये यह अधिक उपयोगी है।] [वि. रा. १४५] ३०–००

११७ **बाणभट्ट का आदान-प्रदान**। अमरनाथ पाण्डेय १५–००

११८ **बाणभट्ट और उनका हर्षचरित : एक आलोचनात्मक अध्ययन**। डॉ० महेशचन्द्र भारतीय १६–००

११९ **बाणभट्ट और उनकी कादम्बरी : एक आलोचनात्मक अध्ययन**। डॉ० महेशचन्द्र भारतीय १६–००

१२० **बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन**। अमरनाथ पाण्डेय ४०–००

*१२१ **बौद्धन्याय**। एफ० टी० शेर्वात्स्की। हिन्दी अनुवाद। डॉ० रामकुमार राय
[ग्रन्थ दो भागों में है। प्र० भाग में भारतीय न्यायशास्त्र तथा उसके मध्य एशिया में प्रचार-प्रसार का विवेचन करने के बाद लेखक ने दिङ्नाग के प्रामाण्यवाद तथा प्रत्यक्ष आदि का अध्ययन प्रस्तुत किया है।] [वि. रा. १२४] ४०–००

१२२ **ब्रह्मसूत्रों के वैष्णव-भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन।** डॉ० रामकृष्ण आचार्य १०-००

१२३ **ब्राह्मण तथा बौद्ध विचारधारा का तुलनात्मक अध्ययन।**
डॉ० जगदीशदत्त दीक्षित ७५-००

*१२४ **भक्ति का विकास।** डॉ० मुन्शीराम शर्मा। नवीन संशोधित संस्करण (१९७९ ई०)
[परमपुरुषार्थरूप में प्राप्य 'भगवत्' और 'भक्ति' तत्त्व के विषय में कुछ जानना आवश्यक है वह सब इस कौशल से इस ग्रन्थ में उपनिबद्ध है कि प्रत्येक वर्ग, वर्ण एवं स्तर के मानव इसे पढ़कर तुष्ट होंगे एवं उन्हें आत्मकल्याण का सर्व-सम्मत मार्ग अनायास सुलभ होगा।] [वि. रा. १५] ६०-००

१२५ **भरत और भारतीय नाट्यकला।** डॉ० सुरेन्द्रनाथ दीक्षित ४५-००

१२६ **भवभूति।** वासुदेव विष्णु मिराशी ३०-००

१२७ **भवभूति और उनकी नाट्यकला।** डॉ० अयोध्याप्रसाद सिंह २०-००

*१२८ **भारत और एशिया के अन्य देश।** श्रीमती सुदर्शना सिंघल
[दक्षिण-पूर्व तथा उत्तर-पूर्व एशिया के देशों के साथ हमारा सांस्कृतिक संपर्क लिपि, भाषा, साहित्य, धर्म, दर्शन, राजनीति, कला आदि सभी महत्वपूर्ण स्तरोंपर विद्यमान है। इन देशों के धार्मिक विकास में भारत के प्रभूत योगदान के कारण इस क्षेत्र को विद्वानों ने बृहत् भारत का नाम दिया है। स्वतन्त्र भारत के लिये इन पड़ोसी देशों की संस्कृति और इतिहास के अध्ययन की महती आवश्यकता है। इसी आवश्यकता की पूर्ति इस पुस्तक में की गयी है।] [वि. रा. १२९] १५-००

*१२९ **भारत का भूगोल।** श्रीरामस्वरूप [वि. रा. ७] यन्त्रस्थ

१३० **भारत की आधुनिक आर्यभाषाओं का तुलनात्मक व्याकरण अनुवाद।** यन्त्रस्थ

१३१ **भारत में प्रतीक पूजा का आरम्भ और विकास।** बिहारीलाल वर्मा ११-००

+१३२ **भारत में संस्कृत की अनिवार्यता क्यों?** डॉ० भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी ५-००

१३३ **भारतस्य सांस्कृतिकनिधिः।** (संस्कृत) डॉ० रामजी उपाध्याय १५-००

*१३४ **भारतीय इतिहास।** श्रीरामस्वरूप [वि. रा. ६] यंत्रस्थ

*१३५ **भारतीय इतिहास के स्रोत सिक्के।** (ई० जे० रैपसन के 'इण्डियन' कॉएन्स' का हिन्दी अनुवाद) अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय [वि. रा. १००]
[रैपसन का प्रस्तुत ग्रन्थ भारतीय मुद्राशास्त्र के क्षेत्र में अपना एक विशिष्ट स्थान रखता है। इसके लेखक कुछ उन आरम्भिक पाश्चात्य इतिहासकारों में एक थे जिन्होंने वस्तुतः भारतीय इतिहास के अध्ययन-अनुसन्धान को यह वैज्ञानिक रूप प्रदान किया जो आज हमें उपलब्ध है। अनुवाद में मूल-ग्रन्थ के फलक ज्यों-के-त्यों छापे गये हैं जिससे इसमें कोई भी कमी नहीं रह गई है।] २०-००

*१३६ **भारतीय इतिहास परिचय।** डॉ० राजबली पाण्डेय
[इस पुस्तक में भारत का संक्षिप्त, सरल और सुबोध इतिहास प्रस्तुत किया गया है। इसमें उन्हीं घटनाओं, व्यक्तियों और विचारधाराओं का समावेश किया गया है, जिन्होंने भारतीय जीवन की परम्परा को किसी न किसी प्रकार प्रभावित किया है। यह पुस्तक केवल विदेशी इतिहासकारों का अनुकरणमात्र नहीं है। इसमें भारतीय ऐतिहासिक परम्परा का समुचित आदर के साथ उपयोग किया गया है। साथ ही, इस देश के उत्थान और पतन तथा जय और पराजय को भारतीय दृष्टि से देखने का प्रयास किया गया है।] [वि. रा. ५८] २०-००

*१३७ **भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त।** डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा'
[ग्रन्थ में रस, ध्वनि एवं अलंकार को प्रतिनिधि-सिद्धान्त मान कर उन्हीं का विवेचन किया गया है। काव्य के स्वरूप, कारण, हेतु एवं भेद शब्दशक्ति, ध्वनि, रस, गुण एवं दोषों का वर्णन प्रमुख है। दूसरे खण्ड में अलङ्कारों का

विश्लेषण, विशेषतः ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक दृष्टि से किया गया है। शब्द शक्तियों के वर्णन में शास्त्रार्थ वाले स्थानों पर तथा अभिधा, लक्षणा, व्यंजना के विषय में विस्तृत एवं निर्भ्रान्त विवेचन है। संस्कृत के मूल ग्रन्थोंके उद्धरण प्रमाणस्वरूप उपन्यस्त हैं। ग्रन्थ अपने में पूर्ण है।] [वि. रा. ११३] २५–००

*१३८ **भारतीय दर्शन में चेतना का स्वरूप**। डॉ० श्रीकृष्ण सक्सेना
[डॉ० सक्सेना की Nature of Conciousness in Hindu Philosophy नामक अंग्रेजी पुस्तक भारतीय दर्शन शास्त्र के अनुरागियों में विशेष प्रसिद्धि प्राप्त कर चुकी है; उसी महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ का हिन्दी रूपान्तर पाठकों के सामने प्रस्तुत किया गया है। वस्तुतः स्थावर जङ्गमात्मक इस विश्व में चेतना का अस्तित्व, उसका स्वरूप तथा भिन्न-भिन्न प्रकाश, दार्शनिक और वैज्ञानिक दोनों के ही सामने बहुत सी समस्याएँ रखते हैं। डॉ० सक्सेना ने अपने इस शोध-ग्रन्थ में बड़े ही सुन्दर और व्यवस्थित ढङ्ग से उसी विचार-परम्परा का विवेचन प्रस्तुत किया है। राष्ट्रभाषा प्रेमी भारतीय दर्शन के अनुरागी विद्वान् इससे अधिकाधिक लाभान्वित होंगे।] [वि. रा. १२३] १५–००

१३९ **भारतीय दर्शन में प्रामाण्यवाद**। डॉ० शारदा गाँधी ५०–००

१४० **भारतीय धर्मशास्त्र में शूद्रों की स्थिति**। डॉ० निरूपण विद्यालङ्कार २५–००

१४१ **भारतीय नाट्यपरम्परा और अभिनयदर्पण**। डॉ० वाचस्पति गौरोला २५–००

१४२ **भारतीय पुरालिपिशास्त्र**। मङ्गलनाथ सिंह २५–००

*१४३ **भारतीय प्रज्ञा**। (मॉनियर विलियम्स कृत 'इण्डियन विजडम' का हिन्दी अनुवाद) अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय
[पुस्तक में हिन्दुओं के धार्मिक, दार्शनिक और नैतिक विचारों तथा सिद्धान्तों के उदाहरणों का समालोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। साथ ही संस्कृत के प्रमुख विभागों का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करते हुए भारत की अतीत तथा वर्तमान नैतिक और बौद्धिक स्थिति का भी विवरण दिया गया है।] [वि. रा. ९२] ४०–००

*१४४ **भारतीय भाषा विज्ञान**। पं० किशोरीदास वाजपेयी [वि. रा. २३] यंत्रस्थ

१४५ **भारतीय वाङ्मय में श्रीराधा**। पं० बलदेव उपाध्याय १०–५०

१४६ **भारतीयविचारदर्शनम्**। डॉ० हरिहरनाथ त्रिपाठी। प्रथम भाग ४०–००

१४७ **भारतीयं वृत्तम्**। 'इण्डियाज पास्ट' का संस्कृतानुवाद। अनुवादक—वी० एस० वेंकटराघवाचार्य १९–००

१४८ **भारतीय संस्कृति**। डॉ० कुंवरलाल 'व्यासशिष्य' १५–००

१४९ **भारतीय संस्कृति और साधना**। म० म० गोपीनाथ कविराज। प्रथम भाग ३५–००

१५० **भारतीय संस्कृति**। सातवलेकर। अनुवादक—श्रुतिशील शर्मा १०–००

१५१ **भारतीय साहित्य**। उमेशचन्द्र पाण्डेय १८–००

१५२ **भारतीय साहित्य दर्शन**। कृष्णलाल हंस ६०–००

*१५३ **भारतीय साहित्य की रूपरेखा**। डॉ० भोलाशङ्कर व्यास
[वेदों से लेकर अब तक के समस्त भारतीय साहित्य—वैदिक, संस्कृत, पालि-प्राकृत तथा अपभ्रंश साहित्य की रूपरेखा के अतिरिक्त भारत की सभी आधुनिक भाषाओं—हिन्दी, उर्दू, बँगला, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलुगु, आदि के प्राचीन तथा अद्यतन साहित्य की गतिविधि का सुन्दर परिचय इसी एक ग्रन्थ से प्राप्त हो जाता है।] [वि. रा. ५३] १५–००

१५४ **भारतीय साहित्यशास्त्र**। बलदेव उपाध्याय। प्रथम भाग १५–००

१५५ **भारतीय साहित्यशास्त्र**। गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे १२–५०

*१५६ **भारतीय साहित्यशास्त्र और काव्यालङ्कार**। डॉ० भोलाशङ्कर व्यास

[पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के गंभीर अध्ययन के साथ ही भारतीय साहित्यशास्त्र के मूल ग्रन्थों का ठोस परिज्ञान इस ग्रन्थ में प्रतिपद लक्षित होता है। भरत से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तक तथा अरस्तू से इलियट तक सभी भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्यशास्त्रियों के प्रासंगिक मतों को कुशलतापूर्वक आत्मसात् कर प्रस्तुत किया गया है।] [वि. रा. ८९] प्रथम भाग १५-००

*१५७ **भारवि-काव्य में अर्थान्तरन्यास**। उमेशप्रसाद रस्तोगी [वि. रा. ८२]
[प्रस्तुत ग्रन्थ में भारवि के जन्मकाल, स्थान तथा काव्य का परिचय देते हुए प्रवाहपूर्ण भाषा तथा मार्मिक शैली में उनके अर्थान्तरन्यास सम्बन्धी काव्य, कवित्व तथा प्रतिभा का समुचित विवेचन तथा यथार्थ विश्लेषण किया गया है।] १२-००

*१५८ **भाषा-विश्लेषण**। डॉ० मोतीलाल गुप्त।
[भाषा के वास्तविक रूप को जानना और उसका यथातथ्य वर्णन करना इस ग्रन्थ का प्रमुख उद्देश्य है। विदेशी भाषाओं को सीखने, विदेशियों को अपनी भाषा सिखाने आदि में इसके अध्ययन से प्रचुर सहायता मिलेगी।] [चौ. रा. १७] १५-००

*१५९ **भाषाशास्त्र (वाग्विज्ञान)**। आचार्य सीताराम चतुर्वेदी
[भाषा-शास्त्र के अन्य प्रचलित ग्रन्थों से इस ग्रन्थ में तीन मुख्य विशेषताएँ हैं— १. विदेशी भाषा-वैज्ञानिकों के उन मतों का युक्ति-युक्त तर्कों के आधार पर खण्डन करके नवीन तथा पूर्णतः मौलिक सिद्धान्तों की स्थापना की गई है। २. ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर भाषाओं का विवेचन, वर्गीकरण तथा परीक्षण किया गया है। ३. भाषा और मन का घनिष्ठ सम्बन्ध स्पष्ट करके मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भाषा के विभिन्न स्वरूपों का सोदाहरण विवरण दिया गया है।] [वि. रा. १२२] ४०-००

*१६० **मधुपर्क**। श्री देवीरत्न अवस्थी 'करील'
[ब्रजभाषा के ललित पद्यों में कृष्णचरित-वर्णन के माध्यम से यह काव्य जनतन्त्र की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है तथा भारतीयों के मन में देश-प्रेम एवं वीर-भावों को उद्बुद्ध कर सकने में पूर्ण समर्थ है। यह अभिनव ललित काव्य बड़े कौशल से रचा गया है।] [वि. रा. ११५] १२-५०

*१६१ **मध्यकालीन साहित्य में अवतारवाद**। डॉ० कपिलदेव पाण्डेय।
भू० ले०—डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी।
[इस ग्रन्थ में वैदिक साहित्य से लेकर उत्तर-मध्यकालीन साहित्य तक के अवतारवादी रूपों और प्रवृत्तियों का विशद विवेचन किया गया है। एकत्र ही वेद, ब्राह्मण, उपनिषद्, महाकाव्य, पुराण, गीता, आगम तथा बौद्ध, जैन, नाथ, शैव, शाक्त, संत, सूफी, भागवत, पांचरात्र आदि साम्प्रदायिक साहित्यों के विभिन्न अवतारवादी तत्त्वों पर विस्तृत प्रकाश डाला गया है। साथ ही दशावतार, चौबीस अवतार राम, कृष्ण, अर्चा, आचार्य, भक्त आदि विविध अवतारों का भी विवेचन हुआ है। अन्त में अवतारवाद के मानवशास्त्रीय (एन्थ्रोपोलौजिकल), विचारधाराओं पर भी यथेष्ट विचार किया गया है।] [वि. रा. ६०] ६०-००

*१६२ **मध्य-भारतीय भाषा चयन**। डॉ० वीरमणिप्रसाद उपाध्याय
[नागरी लिपि में प्रथम बार प्रकाशित प्रस्तुत चयन मध्यभारतीयभाषा के तिथिक्रम और वैविध्य को ध्यान में रखकर किया गया है। एण्डर्सन के 'पालि-रीडर' तथा डॉ० कुमारसेन के 'मिडिल इण्डो-आर्यन रीडर' से इस चयन में विशेषरूप से प्रेरणा ली गयी है।] [वि. रा. १२५]

१६३ **मध्यकालीन संस्कृत नाटक**। डॉ० रामजी उपाध्याय। (पुरस्कृत) ८-००

*१६४ **मराठी का भक्ति-साहित्य**। प्रो० भी० गो० देशपाण्डे २५-००
[मराठी के भक्ति-साहित्य के विभिन्न काव्यरूपों के मूल स्रोत और विकास का

मनोवैज्ञानिक ढंग से हिन्दी में अत्यन्त प्रामाणिक एवं सटीक विवेचन प्रस्तुत किया गया है।] [वि. रा. २०] २०–००

*१६५ **महर्षि वेदव्यास : एक ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पर्यालोचन।**
पं० उमाशंकर दीक्षित
[इस पुस्तक में ज्ञान के महोदधि भगवान् वेदव्यास के सम्बन्ध में सभी पुराणों का उद्धरण देते हुए इतिवृत्तात्मक विवेचन प्रस्तुत किया गया है। पौराणिक जिज्ञासुओं के लिए ग्रन्थ अधिक उपादेय है।] [वि. रा. ११९] ४–५०

१६६ **महाकवि अश्वघोष और उनका काव्य।** डॉ० हरिदत्त शास्त्री ५–७५

१६७ **महाकविः कालिदासः।** डॉ० रामजी उपाध्याय (संस्कृत) १०–००

*१६८ **महाकवि कालिदास।** डॉ० रमाशङ्कर तिवारी (देव पुरस्कार से पुरस्कृत) [वि. रा. ४१] २५–००

*१६९ **महाकवि भवभूति।** डॉ० गङ्गासागर राय
[इस ग्रन्थ में महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व तथा कृतियों का अनूठा, साङ्गोपाङ्ग विवेचन तथा उनकी रससिद्ध-वाणी का यथार्थ मूल्याङ्कन प्रस्तुत किया गया है। अनुसन्धानपूर्ण परिशिष्ट बड़े श्रम से संकलित किये गये हैं।] [वि. रा. ७९] १०–००

१७० **महाकवि भवभूति और उनका उत्तररामचरित।** कृष्णकान्त त्रिपाठी २–७५

१७१ **महाकवि भवभूति : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।** डॉ० विमल गेरा ३५–००

१७२ **महाकवि भास।** डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री २२–००

*१७३ **महाकवि भास : एक अध्ययन।** आचार्य बलदेव उपाध्याय
[इसमें भास के नाटकों का परिचय, समीक्षण, तत्कालीन देश-काल की स्थिति आदि का सांगोपांग विवेचन किया गया है। भास के समय आदि का भी प्रामाणिक निर्णय किया गया है तथा इस सम्बन्ध में उपलब्ध विभिन्न मत-मतान्तरों की तटस्थ एवं पूर्वग्रह-विमुक्त समीक्षा प्रस्तुत की गई है।] [वि. रा. ७३] ५–००

*१७४ **महाकवि शूद्रक।** आचार्य रमाशङ्कर तिवारी [वि. रा. १०८]
[प्रस्तुत पुस्तक में शूद्रक सम्बन्धी सम्पूर्ण अध्ययन का विवेचनात्मक आलोडन कर, मृच्छकटिक के रचयिता के ऊपर पहली बार विशद् एवं प्रामाणिक प्रकाश डाला गया है। उपपादन की शैली नितांत तर्कपूर्ण एवं व्यवस्थित है तथा शूद्रक सम्बन्धी अनेक कल्पनाओं एवं मान्यताओं का संतुलित विवेचन यहाँ उपलब्ध है।] २०–००

*१७५ **महाकवियों की अमर रचनाएँ।** श्री चक्रधरशर्मा
[इस पुस्तक में संस्कृत के विख्यात् कवियों (बाणभट्ट, कालिदास, भवभूति, भारवि, माघ आदि) के जीवनवृत्त एवं उनकी प्रमुख उत्कृष्ट रचनाओं को हिन्दी में आकर्षक ढङ्ग से विन्यस्त किया गया है।] [वि. रा. ३१] ५–००

१७६ **महाभारतकालीन शिक्षा।** डॉ० नत्थूलाल गुप्त ८–००

१७७ **महाभारत में लोककल्याण की राजकीय योजनाएँ।** के० एन० मिश्र २०–००

१७८ **महिमभट्ट।** डॉ० ब्रजमोहन चतुर्वेदी ३२–००

*१७९ **मार्कण्डेय पुराण : एक अध्ययन।** आचार्य बदरीनाथ शुक्ल
[इस ग्रन्थ में अध्यायक्रम से मार्कण्डेय पुराण का सम्पूर्ण कथा-सूत्र पूर्ण सुरक्षित रखा गया है, कथा की परम्परा में कहीं भी त्रुटि नहीं आने पाई है। कथावाचक और अनुसंधानकर्त्ता दोनों के लिए यह ग्रन्थ समान उपयोगी है।] [वि. रा. ४३] ८–००

१७९ **मार्कण्डेय पुराण : एक सांस्कृतिक अध्ययन।** डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल १२–००

*१८० **मानसोल्लास (सोमेश्वरकृत) : एक सांस्कृतिक अध्ययन।**
डॉ० शिवशेखर मिश्र
[चालुक्य कुलोत्पन्न महाराज सोमेश्वर विरचित धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ मानसोल्लास के

परिशीलन माध्यम से तत्कालीन संस्कृति एवं रीति-नीति का सुस्पष्ट परिचायक ग्रन्थ।] [वि. रा. ९०] ३५-००

१८१ **युगाराध्य निराला**। पं० गङ्गाधर मिश्र २०-००

१८२ **रसगङ्गाधर : एक समीक्षात्मक अध्ययन**। कु० चिन्मयी माहेश्वरी २५-००

१८३ **रस-सिद्धान्त**। डॉ० नगेन्द्र ३०-००

१८४ **रस-सिद्धान्त के अनालोचित पक्ष**। व्रजमोहन चतुर्वेदी ४०-००

१८५ **डॉ० राजबली पाण्डेय : अभिनन्दन-ग्रन्थ**। सम्पा० सीताराम चतुर्वेदी १०१-००

१८६ **राजशेखर और उनका युग**। पाण्डेय रामेश्वरप्रसाद शर्मा १४-००

१८७ **रामायण और महाभारत में प्रकृति**। डॉ० कान्तिकिशोर भरतिया १०-२५

१८८ **रामायणकालीन संस्कृति**। शान्तिकुमार नानूराम व्यास ६-००

१८९ **रूपककार वत्सराज**। डॉ० लक्ष्मणनारायण शुक्ल ४०-००

१९० **लोचनविमर्शः**। झोपाह्व श्रीवैद्यनाथशर्मणाप्रणीतः सम्पादितश्च २३-००

*१९१ **लौकिक-संस्कृत-साहित्य**। (Classical Sanskrit Literature by A. B. Keith का हिन्दी अनुवाद) अनु०—श्रीचारुचन्द्रशास्त्री [वि. रा. ५५] १०-००

*१९२ **लौकिक-संस्कृत-साहित्य का संक्षिप्त इतिहास**। हिन्दी रूपान्तर। मूल लेखक—डॉ० गौरीशङ्कर शास्त्री [वि. रा. ११४]
[प्रस्तुत संस्करण लेखक के मूल अंग्रेजी 'A Concise History of Classical Sanskrit Literature' ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद है। अंग्रेजी संस्करण अपनी संक्षिप्त सीमा में लौकिक संस्कृत साहित्य के एक अत्यन्त व्यापक तथा यथा-तथ्य विवेचन के कारण विद्यार्थियों में अत्यन्त लोकप्रिय रहा है। इसे हिन्दीभाषी विद्यार्थियों को सुलभ बनाने के उद्देश्य से ही हिन्दी अनुवाद किया गया है।] १०-००

१९३ **वाराणसी वैभव**। पं० कुबेरनाथ शुक्ल ३५-००

*१९४ **वाग्विज्ञान**। (भाषाशास्त्र)। पं० सीताराम चतुर्वेदी
[भाषा-शास्त्र के अन्य प्रचलित ग्रन्थों से इस ग्रन्थ में तीन मुख्य विशेषताएँ हैं—
१. विदेशी भाषा-वैज्ञानिकों के उन मतों का युक्तियुक्त तर्कों के आधार पर खण्डन करके नवीन तथा पूर्णतः मौलिक सिद्धान्तों की स्थापना की गई है। २. ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर भाषाओं का विवेचन, वर्गीकरण तथा परीक्षण किया गया है। ३. भाषा और मन का घनिष्ठ सम्बन्ध स्पष्ट करने के लिए मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भाषा के विभिन्न स्वरूपों का सोदाहरण विवरण दिया गया है।] [वि. रा. १२२] ४०-००

*१९५ **विक्रमादित्य [सम्वत्-प्रवर्तक]**। डॉ० राजबली पाण्डेय
[सम्राट् विक्रमादित्य को ऐतिहासिक सिद्ध करनेवाला यह बहुत ही शोधपूर्ण प्रामाणिक ग्रन्थ है। इसमें वह सभी संगत सामग्री एकत्रित की गई है जिससे पूर्वाग्रह-रहित कोई भी पाठक अपने ढङ्ग से निष्कर्ष निकाल सकता है।] [वि. रा. २५] २०-००

+१९६ **विचार और विवेचन**। डॉ० वामन केशव लेले, एम. ए. पीएच. डी.
[प्रस्तुत पुस्तक में सङ्गृहीत तेरह निबन्धों में भामह, दण्डी, वामन, क्षेमेन्द्र आदि प्राचीन प्रसिद्ध काव्यमीमांसकों के मौलिक विचारों के सटीक परामर्श के अलावा साहित्यकारों का मौन, प्राचीन साहित्यिक वाद, क्षेमेन्द्र का उपनाम, प्राचीन शास्त्रीय ग्रन्थों की रचनाशैली, प्राचीन भारत में भाषिक तथा भावनात्मक एकात्मता की समस्या आदि अभिनव विचारों को सप्रमाण एवं मार्मिक चर्चा की गयी है। श्रेष्ठ साहित्यिक मौन द्वारा भी साहित्यसौन्दर्य का निर्माण करता है, साहित्य में वर्णित विषय समस्त जीवनस्पर्शी होते हैं, रसिक पाठकों को पसन्द्गी

ही साहित्य के सदसत्त्व के निर्णय की अन्तिम कसौटी है, भामह-वामनप्रभृति के विचार अत्यन्त सूक्ष्म एवं अद्यतन थे, प्राचीन चिन्तकों ने शास्त्रीय ग्रन्थों के निर्माण की पद्धति सुनिश्चित की थी; हमारे पूर्वजों ने राष्ट्रिय एकात्मता की समस्या भाषा तथा साहित्य के अध्ययन-अध्यापन द्वारा निराकृत की थी आदि, लेखक के कतिपय निष्कर्ष मननीय हैं। शोध-निबन्ध-लेखन की पद्धति को अपनाकर लिखे गये प्रस्तुत निबन्ध पाठक को निःसंशय उद्बोधक तथा विचारप्रवर्तक प्रतीत होंगे। प्रस्तुत संग्रह परीक्षार्थी छात्रों, जिज्ञासु पाठकों तथा विवेचक अध्येताओं के लिए समानरूप से उपयोगी है।] १५–००

१९७ **विद्यावैजयन्ती निबन्धमाला** । केदारनाथ ओझा ३८–००

*१९८ **विविधार्थ** । भारतरत्न डॉ० भगवानदास

[डॉ० साहब ने अपने जीवनकाल में ही १२ लेखों का संग्रह 'विविधार्थ' नाम से प्रकाशित कर दिया था। इन लेखों में 'बुद्धि प्रबल वा शास्त्र' लेख लगभग १०० पृष्ठों में, 'भगवद्गीता का आशय और उद्देश्य' १२५ पृष्ठों में, एवं संस्कृति सम्मेलन का अभिभाषण भी १०० पृष्ठों में समाप्त हुआ है। इसमें स्वतन्त्र ग्रन्थों जैसी प्रामाणिकता और गम्भीर विवेचनात्मक शैली है।] [वि. रा. ९०] १०–००

१९९ **विंशशताब्दिकं संस्कृतनाटकम्** । डॉ० रामजी उपाध्याय १५–००

*२०० **विष्णुपुराण का भारत** । डॉ० सर्वानन्द पाठक

[प्रस्तुत ग्रन्थ में विष्णुपुराण के आधार पर भौगोलिक आधार, समाजव्यवस्था, राजनीतिक संस्थान, शिक्षा-साहित्य, संग्रामनीति, आर्थिकदशा, धर्म आदि विषयों पर प्रामाणिकरूप से तत्कालीन भारत की जीवन्त झाँकी प्रस्तुत की गई है। ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से इसका प्रमुख महत्त्व है।] [चौ. रा. २] २५–००

*२०१ **विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान** । डॉ० सी० जी० युङ्ग । अरविन्द बसावडा

[डॉ० सी० जी० युंग के मनोविज्ञान पर लिखित इस प्रारम्भिक पुस्तक में उनकी जीवन की पृष्ठभूमि में विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों का विवेचन किया गया है।] [वि. रा. ५९] २–००

*२०२ **वेदकालीन समाज** । डॉ० शिवदत्त शर्मा

[ग्रन्थ का प्रतिपाद्य विषय है—वेदों के समय में समाज की व्यवस्था और उसकी सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक, दार्शनिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक एवं कला और मनोरञ्जन इत्यादि से सम्बन्धित स्थितियाँ क्या थीं? प्रत्येक स्थिति या आचार सप्रमाण निरूपित है।] [वि. रा. १०७] ३०–००

२०३ **वेणीसंहार की शास्त्रीय समीक्षा** । डॉ० शान्ति जैन ३५–००

*२०४ **वैदिक युग के भारतीय आभूषण** । डॉ० रायगोविन्दचन्द

[वैदिक युग में मनुष्य कौन-कौन से आभूषण किस प्रकार धारण करता था, किस आभूषण के कितने भेदोपभेद या प्रकार थे, आदि का प्रामाणिक तथा सूक्ष्म विवेचन प्रस्तुत ग्रन्थ का विषय है। प्रमाणरूप में सर्वत्र ही वैदिक ऋचाएँ तथा मन्त्र सानुवाद उद्धृत किये गये हैं।] [वि. रा. ८४] २५–००

*२०५ **वैदिक योगसूत्र** । श्री हरिशंकर जोशी ।

[प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषद-पुराणादि में विकीर्ण तथा व्याप्त योगदर्शन का विवेचन किया गया है। सोमयोग, अग्नियोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं मिलेगा ही नहीं। अकाट्य तर्कों तथा युक्तियों के साथ आकरग्रन्थों के वचन भी प्रमाणत्वेन उपन्यस्त हैं। वेदों का मुख्य प्रतिपाद्य योगदर्शन ही है, यह प्रमाणित करने के लिये वेदों के अतिप्रसिद्ध पुरुषसूक्त और अस्यवामीय सूक्त सुविशद व्याख्या सहित दिये गये हैं।] [चौ. रा. ३] २५–००

*२०६ **वैदिक वाङ्मय का इतिहास।** श्री रमाकान्त शास्त्री
[वेद क्या है, उनकी रचना कब हुई, उनके विषय क्या हैं, इन्हीं सब विषय का मर्मोद्घाटन इस पुस्तक में किया गया है। लेखक ने पूर्वाग्रह रहित होकर पाश्चात्य तथा भारतीय विद्वानों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया है।] [वि. रा. १३७] ५-००

*२०७ **वैदिक साहित्य की रूपरेखा।** प्रो० हंसराज अग्रवाल [वि. रा. ८७]
[इस पुस्तक में वैदिक साहित्य के आदि से अन्त तक की प्रत्येक महत्त्वपूर्ण अङ्ग की जानकारी पाठक को संक्षेप से करा दी गई है। इसके अध्ययन से छात्र को सर्वांगपूर्ण वैदिक साहित्य की महत्त्वपूर्ण बातों का आवश्यक ज्ञान हो जायगा।] २-००

२०८ **वैदिक साहित्य की रूपरेखा।** जोशी एवं खण्डेलवाल १०-००

२०९ **वैष्णव-धर्म।** आचार्य परशुराम चतुर्वेदी १५-००

२१० **वैष्णव साधना और सिद्धान्त : हिन्दी साहित्य पर उसका प्रभाव।** भुवनेश्वरनाथ मिश्र १६-००

*२११ **व्यञ्जना : सिद्धि और परम्परा।** डॉ० कृष्णकुमार शर्मा [वि. रा. १४३]
[प्रस्तुत निबन्ध ग्रन्थ में प्रमुख चार चरण हैं—व्यञ्जना-सिद्धि, व्यञ्जना-प्रत्याख्यान, व्यञ्जना-प्रतिष्ठा और व्यञ्जना-स्वरूप तथा भेद। हिन्दी में व्यञ्जनावृत्ति पर इस प्रकार की कोई पुस्तक नहीं है। इसमें जो कुछ कहा गया है, वह मूल ग्रन्थों के आधार पर ही है। सर्वत्र मूल अंश का उल्लेख पाद-टिप्पणी में किया गया है।] १२-००

*२१२ **व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास।** श्रीरमाकान्त मिश्र
[वैदिक-काल से लेकर व्याकरणशास्त्र का इतिहास क्रमशः पूर्वपाणिनि-काल, त्रिमुनि-काल, व्याख्या-काल और प्रक्रिया-काल के क्रम से सुव्यवस्थित रूप में वर्णित है। प्रायः सभी सम्प्रदायों का वर्णन इसके अन्तर्गत हो गया है। अत्युपयोगी संस्करण है।] [वि. रा. १०६] ६-००

+२१३ **व्याकरणशास्त्रेतिहासः।** डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
[प्रस्तुत ग्रन्थ पाँच आननों में विभक्त है। अभीतक संस्कृत भाषा में लिखा गया परीक्षोपयोगी 'व्याकरणशास्त्र का इतिहास' उपलब्ध नहीं था। यह हमारा प्रथम प्रयास है कि विद्वान् लेखक द्वारा इसकी प्रसादगुणपूर्ण संस्कृत भाषा में रचना कराकर छात्रों को उपलब्ध कराया गया है।] [चौ. सु. ४३] ५-००

*२१४ **व्यावहारिक मनोविज्ञान।** डॉ० रामकुमार राय
[बी० ए० परीक्षा के पाठ्यक्रम के अनुसार लिखित इस पुस्तक में विद्यार्थियों को आवश्यक समस्त सामग्री का व्यापक विवरण मिलेगा कि उन्हें अन्य किसी पुस्तक को देखने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। पुस्तक में अनेक चित्र, प्रत्येक अध्याय का सारांश, विभिन्न प्रकार की अनुक्रमणिकायें और सन्दर्भ-ग्रन्थ की विस्तृत सूची भी दी गई है।] [वि. रा. ६४] १५-००

*२१५ **व्यावहारिक मनोविज्ञान की रूपरेखा।** डॉ० रामकुमार राय
[यह इण्टर के नवीन पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर लिखी गई है। मनोवैज्ञानिक के सिद्धान्तों का उपयोग हुआ है। उनके नाम, सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची, प्रत्येक अध्याय के अन्त में सारांश और प्रश्नावली, अनेक चित्र और रेखाचित्र, अंग्रेजी-हिन्दी तथा हिन्दी-अंग्रेजी शब्दसूची, पृथक्-पृथक् नामों और विषयों की अनुक्रमणिका आदि को देखते हुए छात्रों के लिए यह अत्यधिक उपयोगी संस्करण है।] [वि. रा. ६५] १०-००

२१६ **शक्ति-तत्त्व-दर्शन।** पं० रामप्रसाद शर्मा ५०-००

२१७ **श्रीमन्महादेवशास्त्रि अभिनन्दनग्रन्थ।** सम्पादक-म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित ११-००

२१८ **श्रीशङ्कराचार्य।** पं० बलदेव उपाध्याय १५-००

*२१९ **शृंगाररस का शास्त्रीय विवेचन** । डॉ० इन्द्रपाल सिंह
[प्रस्तुत ग्रन्थ में आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र से आरम्भ कर भानुदत्त की रसमञ्जरी से सम्बद्ध अंशों का आकलन करते हुए शृंगार रस से सम्बन्धित रसमञ्जरी से सम्बद्ध अंशों का आकलन करते हुए शृङ्गार रस से सम्बन्धित सिद्धांतों का समीक्षात्मक एकत्रीकरण भी किया गया है। काम और शृङ्गार के व्युत्पत्तिपरक अर्थ के अनन्तर उनकी सर्वव्यापकता और अन्योन्याश्रयता का अनूठा विवेचन इस ग्रन्थ की प्रमुख विशेषता है।] [चौ. रा. ४] १५—००

२२० **संस्कृत-आलोचना** । पं० बलदेव उपाध्याय ५—५०

२२१ **संस्कृतकविजीवितम्** । मल्लादि सूर्यनारायण शास्त्री कृत । प्रथम भाग ६—००

*२२२ **संस्कृत-कवि-दर्शन** । डॉ० भोलाशङ्कर व्यास
[साहित्यिकों को बहुत दिनों से संस्कृत कवियों पर हिन्दी में सैद्धान्तिक, व्यावहारिक और समाजशास्त्रीय आलोचना का अभाव खटकता था। डॉ० व्यास ने इस अभाव की पूर्ति कर दी है। शास्त्री, आचार्य तथा बी० ए०, एम० ए० और साहित्यरत्न की परीक्षाओं में निबन्ध और इतिहास के लिये यह पुस्तक अधिक उपादेय है। द्वितीय परवर्द्धित संस्करण] [वि. रा. ४] १५—००

२२३ **संस्कृत कविता में रोमाण्टिक प्रवृत्ति** । डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा २०—००

२२४ **संस्कृत कवियों के व्यक्तित्व का विकास** । (वाल्मीकि से पण्डितराज जगन्नाथ तक) डॉ० राधावल्लभ त्रिपाठी २५—००

२२५ **संस्कृत काव्यकार** । डॉ० हरिदत्त शास्त्री १५—००

२२६ **संस्कृत काव्यधारा** । राहुल सांकृत्यायन २०—००

२२७ **संस्कृत काव्य में शकुन** । डॉ० दीपचन्द्र शर्मा २५—००

२२८ **संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास** । पी० वी० काणे । अनु० इन्द्रचन्द्रशास्त्री १५—००

२२९ **संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास** । डॉ० सुशीलकुमार डे । अनु० मायाराम शर्मा । १-२ भाग २५—००

२३० **संस्कृत के महाकवि और काव्य** । रामजी उपाध्याय एवं डॉ० रामगोपाल मिश्र ८—००

२३१ **संस्कृत के विद्वान् और पण्डित** । रामचन्द्र मालवीय ४—००

२३२ **संस्कृत नाटक** । ए० बी० कीथ । अनुवादक—डॉ० उदयभानु सिंह २०—००

२३३ **संस्कृत नाटककार** । कान्तिकिशोर भरतिया ४—५०

२३४ **संस्कृत नाटक समीक्षा** । इन्द्रपाल सिंह 'इन्द्र' १५—००

२३५ **संस्कृत नाटकालोचन (प्रश्नोत्तर रूप में)** । चुन्नीलाल शुक्ल ५—००

२३६ **संस्कृत नाटकों में समाज चित्रण** । चित्रा शर्मा १६—००

२३७ **संस्कृत नाट्यकला** । रामलखन शुक्ल १०—००

*२३८ **संस्कृत नाट्य सिद्धान्त** । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी । [वि. रा. १२८]
[प्रस्तुत प्रबन्ध में विषय विभाजन इस प्रकार है—१. रूपक ओर उसके भेद-प्रभेद, २. अर्थप्रकृति, सन्धि और सन्ध्यङ्ग, ३. नायक-नायिका भेद एवं अलंकार, ४. वृत्ति और अभिनय तथा ५. रस-भेद। यह ग्रन्थ संस्कृत, हिन्दी, अंगरेजी के छात्रों, अध्यापकों तथा साहित्य प्रेमियों के लिये समानरूप से उपयोगी है।] १५—००

२३९ **संस्कृत निबन्धादर्शः** । डॉ० राममूर्ति शर्मा २०—००

२४० **संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास** । डॉ० रामगोपाल मिश्र ५०—००

२४१ **संस्कृत भाण साहित्य की समीक्षा** । डॉ० श्रीनिवास मिश्र ४०—००

*२४२ **संस्कृत-भाषा** । मूल लेखक—टी० बरो । रूपान्तरकार—डॉ० भोलाशङ्कर व्यास
[इस पुस्तक मे अद्यतन गवेषणाओं को आत्मसात् करते हुए प्राचीन भारत-योरो-

पीय भाषा, संस्कृत तथा तत्सबंद्ध भाषाओं का अधिकारिक तुलनात्मक अनुशीलन प्रस्तुत किया गया है।] [वि. रा. ८१] ४०-००

२४३ **संस्कृत-भाषा-विज्ञानम्।** आचार्य रामाधीन चतुर्वेदी
[इस निबन्ध-ग्रन्थ में शिक्षा-प्रातिशाख्य-तन्त्र-निरुक्त आदि ग्रन्थों में आए शब्दों की उत्पत्ति के प्रकार तथा शब्द-विकृति के नियमों की विवेचना की गई है। संस्कृत भाषा में लिखा यह अपने विषय का सर्वप्रथम सफल ग्रन्थ है।] [वि. सं. १०४] १०-००

२४४ **संस्कृत-भाषा-विज्ञान।** डॉ० राजकिशोर सिंह १०-००

*२४५ **संस्कृत महाकाव्य की परम्परा।** डॉ० केशवराव मुसलगाँवकर [चौ. रा. ८]
[इस ग्रंथ के पूर्वार्ध में काव्यों के सिद्धान्तों का विवेचन करते हुए उत्तरकालीन महाकाव्यों को कृत्रिम रूप देनेवाले कारणों का उल्लेख करके रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति तथा औचित्य का विश्लेषणात्मक विवेचन करते हुए यह सिद्ध कर दिया है कि वस्तुतः काव्य की आत्मा क्या है। ग्रन्थ के उत्तरार्ध में २६ महाकाव्यों के कथानक, रसभावाभिव्यक्ति, वस्तुवर्णन, व्युत्पत्ति, अलंकार, छन्द, भाषा आदि का सुविस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। इस प्रकार यह ग्रन्थ छात्र, विद्वान् तथा संस्कृत साहित्य के जिज्ञासुओं के लिये परम उपयोगी एवं संग्राह्य है।] ३०-००

२४६ **संस्कृत ललित साहित्य का इतिहास।** डॉ० कुंवरलाल 'व्यासशिष्य' ३०-००

*२४७ **संस्कृत-वाङ्मय-परिचय।** पं० मधुसूदनप्रसाद मिश्र [वि. स. १३] ३-००

२४८ **संस्कृत-वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास।** डॉ० सूर्यकान्त २५-००

२४९ **संस्कृत वाङ्मय में त्रैगुण्य (सत्व-रज-तम-गुणों का विशद विवेचन)।** डॉ० ईश्वरीप्रसाद चतुर्वेदी २५-००

२५० **संस्कृत वाङ्मय में नेहरू।** मधुबाला १८-००

२५१ **संस्कृत शास्त्रों का इतिहास।** आचार्य बलदेव उपाध्याय २०-००

२५२ **संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास।** डॉ० सत्यनारायण पाण्डेय १०-००

२५३ **संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास।** डॉ० रामजी उपाध्याय १-२ भाग २२-००

*२५४ **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** (बृहत् संस्करण) श्रीवाचस्पति गैरोला
[आर्यों का आदि देश एवं आर्य-भाषाओं के उद्भव से लेकर उन्नीसवीं सदी तक की की सहस्राब्दियों में संस्कृत-साहित्य की जिन विभिन्न विचारवीथियों का निर्माण हुआ और राजवंशों के प्रश्रय से संस्कृत भाषा को जो गति मिली उसका भी समावेश पुस्तक में देखने को मिलेगा।] [वि. रा. २८] ४०-००

*२५५ **संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।** श्रीवाचस्पति गैरोला
[इसकी उपयोगिता एवं विशेषता को दृष्टि में रखकर ही वाराणसी, बिहार, आगरा और सागर आदि विश्वविद्यालयों ने इसे अपने पाठ्यक्रम में स्थान दिया। छात्रों और अध्येताओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नवीन संस्करण में काव्य-विधाओं को सर्वथा परिवर्द्धित एवं नवीन रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस सन्दर्भ में लगभग सौ पृष्ठों की नयी सामग्री बढ़ा दी गयी है, जिससे कि निर्धारित पाठ्यक्रम का कोई भी अंग अछूता न रहे और परीक्षाकाल में छात्रों को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थियों के लिये यह सर्वश्रेष्ठ संस्करण है।] [वि. रा. २९] ३०-००

*२५६ **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** आर्थर मैकडॉनल। अनुवादक-चारुचन्द्र शास्त्री
[मैकडॉनल प्रणीत 'हिस्ट्री आफ संस्कृत लिटरेचर' अपने विषय का सर्वमान्य तथा सर्वत्र पाठ्य स्वीकृत ग्रन्थ है। प्रस्तुत ग्रन्थ उसी का सरस अनुवाद है जो छात्रों तथा अध्यापकों के लिए नितान्त उपयोगी है।] वैदिककालपर्यन्त—प्रथम भाग १५-००
[वि. रा. ४८] द्वितीय भाग यन्त्रस्थ

*२५७ **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** (वैदिक साहित्य की रूपरेखा सहित)।
श्री हंसराज अग्रवाल
[इस पुस्तक का विषय प्रमुखतया संस्कृत साहित्य के गौरवपूर्ण इतिहास का संक्षिप्त वर्णन है। बी० ए० के छात्रों की आवश्यकता पूर्ण करने वाला और संस्कृत साहित्य के अध्ययन में उनकी सहायता करने वाला प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में यह ग्रन्थ निर्धारित है। संशोधित परिवर्धित संस्करण] [वि. रा. ८६] १२–५०

२५८ **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** पं० बलदेव उपाध्याय। १–२ भाग ५०–००

२५९ **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** सेठ कन्हैयालाल पोद्दार २४–००

२६० **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** (प्रश्नोत्तर में) डॉ० द्वारिकाप्रसाद सक्सेना ८–००

*२६१ **संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास।** कृष्णचैतन्य। अनुवादक—विनयकुमार
[इस ग्रन्थ में लेखक ने आरम्भिकतम सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आरम्भ करते हुए वैदिक साहित्य से लेकर अब तक के संस्कृत साहित्य की समीक्षा की है। प्रायः आद्योपान्त विभिन्न ग्रन्थों और लेखकों से प्रतिनिधि उद्धरण देकर विवेच्य-विषय को और सुस्पष्ट बनाने की चेष्टा की गई है। प्रत्येक अध्याय के अन्त में उससे सन्दर्भ ग्रन्थों की सूची देकर भी लेखक ने और अनुसंधान करने वालों के लिए सामग्री का संकेत कर दिया है।] [वि. रा. ७७] ३०–००

*२६२ **संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।** प्रश्नोत्तर रूप में।
डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी [गोरखपुर के बी० ए० के पाठ्यानुसार]
[गोरखपुर आदि विश्वविद्यालयों के बी० ए० प्रथम वर्ष के परीक्षार्थियों के पाठ्यक्रम में निर्धारित संस्कृत कवियों व कृतियों पर परीक्षा में टिप्पणियाँ ही लिखने को आती हैं। परीक्षार्थियों को कम पृष्ठों में अधिकाधिक सामग्री मिल सके-यही इस प्रश्नोत्तरी का उद्देश्य है। परीक्षानिर्धारित—अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, बाण आदि २२ महाकवियों व उनकी कृतियों पर प्रश्नोत्तर रूप में यह लघुत्तम पुस्तक लिखी गयी है।] [वि. रा. १४४] २–००

२६३ **संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास।** डॉ० बाबूराम त्रिपाठी १२–००

२६४ **संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियाँ।** जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल ७–५०

२६५ **संस्कृत साहित्य की रूपरेखा।** चन्द्रशेखर पाण्डेय ९–७५

२६६ **संस्कृत साहित्य चिन्तन।** डॉ० प्रभुदयाल अग्निहोत्री २०–००

२६७ **संस्कृत साहित्य में एकांकी रूपक।** डॉ० वीरबल शर्मा १४–००

*२६८ **संस्कृत साहित्य में नीतिकथा का उद्गम एवं विकास।**
डॉ० प्रभाकर नारायण कवठेकर
[पंचतन्त्र के पूर्व भारतीय नीतिकथा का उद्गम किन परिस्थितियों में हुआ, उसका वेदकालीन रूप क्या रहा होगा, जातक में लोककथा का आदान, उसके प्रसार के कारण विदेशों में उसका निर्गमन तथा महाभारत में नीतिकथा का राजनीतिक प्रश्न के निदर्शन के लिए प्रयोग आदि तथ्यों की गवेषणा इस प्रबन्ध की मुख्य विशेषता है। परिशिष्ट में सम्पूर्ण विश्व के नीति-कथा-साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है।] [चौ. रा. ७] ३०–००

२६९ **संस्कृत साहित्य में शब्दालंकार।** डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी ४०–००

*२७० **संस्कृत साहित्य में मौलिकता एवं अनुहरण।** डॉ० उमेशप्रसाद रस्तोगी
[प्रस्तुत प्रबन्ध में 'मौलिकता और अनुहरण' की दृष्टि से संस्कृत साहित्य के विशिष्ट स्थलों का अध्ययन करते हुए संस्कृत काव्यपाठकों के सम्मुख मौलिकता और अनुहरण विषयक नई वस्तु प्रस्तुत की गई है। भाषा-शैली आदि सभी विषयानुरूप हैं।] [वि. रा. ९१] १२–५०

२७१ **संस्कृत साहित्य में सादृश्यमूलक अलङ्कारों का विकास।** ब्रह्मानन्द शर्मा ३२-००

*२७२ **संस्कृतसाहित्येतिहासः।** (संस्कृत) आचार्य रामचन्द्र मिश्र [वि. स. ४९]
[वाराणसी की शास्त्री द्वितीय खण्ड के अनिवार्य द्वितीय पत्र के लिए पाठ्य स्वीकृत ग्रन्थ—इसमें वेद-वेदांग आदि से लेकर यथाक्रम काव्यकाल तथा वैशिष्ट्य विवेचन आदि विषय हैं। अतिविस्तृत विषय को संक्षिप्त करना साधारण छात्रों के लिये कष्टकर होता है। अतः संक्षेप में ही विषय का यथार्थ ज्ञान कराया गया है।] १२-५०

*२७३ **संस्कृत-सुकवि-समीक्षा।** आचार्य बलदेव उपाध्याय। नवीन संस्करण
[विक्रमपूर्व पंचम शती से लेकर वाल्मीकि, व्यास, पाणिनि, वररुचि, कालिदास, अश्वघोष, भर्तृमेण्ठ, भारवि, भवभूति, दण्डी, बाण आदि लगभग ३० कवि तथा कवयित्रियों के रूप तथा स्वरूप एवं एक सौ से अधिक पृष्ठों में 'शंकराचार्य का आलोचनात्मक विवरण' भी दिया गया है। ग्रन्थ का परिशिष्ट-कविप्रशस्तयः-कविविषय का प्राचीन आलोचनामयी सूक्तियों का एकत्र संग्रह है जो पहिली बार इस रूप में प्रस्तुत किया गया है।] [वि. रा. ६३] ४०-००

२७४ **संस्कृति का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय।** डॉ० देवीदत्त शर्मा २०-००

२७५ **सचित्र ऋषिकल्पन्यासः।** (पण्डितराजराजेश्वरशास्त्री अभिनन्दनग्रन्थ)। १००-००

२७६ **सत्यशोधनम्।** (गाँन्धी जी की आत्मकथा का संस्कृत अनुवाद)
अनुवादक—पं० होसकेरे नागप्प शास्त्री २५-००

*२७७ **सदाचार सोपान।** पं० रामबालक शास्त्री [वि. रा. २] १-००

*२७८ **सब धर्मों की बुनियादी एकता।** डॉ० भगवानदास
[इस ग्रन्थ में संसार-भर के धार्मिक मजहबों और उनके श्रेष्ठ धर्म-ग्रन्थों की बारीक जानकारी देते हुए यह समझाया गया है कि सब धर्मों-मजहबों का उद्देश्य भौतिक और आध्यात्मिक कल्याण पाना ही है।] [वि. रा. ३६] २५-००

२७९ **समन्वय।** डॉ० भगवानदास। परिवर्द्धित संस्करण ७-५०

*२८० **सावित्री-सत्यवान्।** पं० राजनारायण शुक्ल [वि. रा. २४] ३-००

*२८१ **साहित्य और सिद्धान्त।** प्रो० श्यामलाकान्त वर्मा [वि. रा. १७] यन्त्रस्थ

२८२ **सांस्कृतिक और साहित्यिक निबन्ध।** डॉ० वेदकुमारी एवं डॉ० रामप्रसाद १०-००

*२८३ **साहित्य-शास्त्र-सार।** श्री हंसराज अग्रवाल एवं श्रुतिकान्तजी
[संस्कृत के लक्षण-ग्रन्थों की तरह अत्यन्त व्यवस्थित तथा संक्षेप में साहित्य के सभी अंगों की हिन्दी में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह प्रथम ग्रन्थ है। पाण्डित्यपूर्ण विशद भूमिका भी एतद्विषयक उत्तम विचारों से पूर्ण है। अनूठा ग्रन्थ है, एकबार देखकर ही उपयोगिता समझी जा सकती है।] [वि. रा. १०३] ४-५०

*२८४ **साहित्यशास्त्रीय तत्त्वों का आधुनिक समालोचनात्मक अध्ययन।**
पं० मधुसूदन शास्त्री। [वि. रा. १२१]
[प्रस्तुत ग्रन्थ में मुख्यतः तीन पदार्थों का विवेचन है—साहित्य, उसके तत्त्व और उसका आलोचन। प्राचीन आचार्यों ने काव्य का लक्षण किया है—"शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्"। इस लक्षण का विश्लेषण सूक्ष्म दृष्टि से किया जाय तो अलंकार आदि-साहित्य के नौ तत्त्व प्राप्त होंगे। इस पुस्तक में उन नौ पदार्थों का क्रमशः आलोचन किया गया है। प्रसङ्गवश अन्य तत्त्वों का भी आलोचन इसमें है।]

*२८५ **साहित्यानुशासनम्।** आचार्य सीताराम चतुर्वेदी १५-००
[चतुर्वेदी जी भाषाशास्त्र के प्रकाण्ड विद्वान् माने जाते हैं। इनकी शताधिक मौलिक रचना से राष्ट्रभाषा समृद्ध हो चुकी है। इस ग्रन्थ में इन्होंने समस्त साहित्यिक रूपों और उपरूपों का स्पष्ट और पर्याप्त परिचय दिया है। यह ग्रंथ

सभी साहित्य-समीक्षकों, साहित्य-प्रेमियों और साहित्य-सर्जकों को समुचित सहयोग प्रदान करेगा।] [चौ. रा. ११] ४०-००

+२८६ **साहित्यालोक**। डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा'।
[इस पुस्तक में काव्य का स्वरूप, काव्य के रूप (महाकाव्य-खण्डकाव्य-मुक्तक) उपन्यास, नाटक, कहानी, आलोचना, निबन्ध, अलंकार, शब्दशक्ति, रस, गुण, दोष एवं छन्दों का वर्णन किया गया है। उच्च कक्षा के छात्रों एवं सामान्य पाठकों के लिए अनिवार्य ग्रन्थ है।] [चौ. रा. १] ७-५०

२८७ **सिद्धभारती**। सम्पादक—विश्वबन्धु ८५-००

२८८ **सुसंहतभारतम्**। पुल्लेल रामचन्द्रुड़ ४-००

*२८९ **सोमेश्वरकृत-मानसोल्लास : एक सांस्कृतिक अध्ययन**। शिवशेखर
[चालुक्य कुलोत्पन्न महाराज सोमेश्वर विरचित धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ मानसोल्लास के परिशीलन माध्यम से तत्कालीन संस्कृति एवं रीति-नीति का सुस्पष्ट परिचायक ग्रन्थ।] [वि. रा. ९९] ३५-००

*२९० **सौन्दरानन्द : साहित्यिक एवं दार्शनिक गवेषणा**। ब्रजमोहन पाण्डेय
[महाकवि अश्वघोष विरचित 'सौन्दरानन्द महाकाव्य' पर आधारित यह ग्रन्थ पटना विश्वविद्यालय की पालि एम. ए., परीक्षा के लिये प्रस्तुत अधिनिबन्ध का परिवर्द्धित रूप है। इसमें ग्रन्थकार के जीवनवृत्त, कर्तृत्व, काव्य-कथानक, भावपक्ष, कलापक्ष तथा बौद्ध-धर्मदर्शन, चरित्र-चित्रण प्रकृति-चित्रण एवं वस्तु-वर्णन आदि महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला गया है। अध्यापक,छात्र तथा बौद्धधर्म के जिज्ञासु विद्वानों के लिये यह ग्रंथ अधिक उपयोगी है।] [चौ. रा. १४] १५-००

*२९१ **स्मृति के हस्ताक्षर**। देवदत्त शास्त्री [वि. रा. ५६] ७-००

*२९२ **स्मृतियाँ और कृतियाँ**। श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी [वि. रा. १९२] ७-००

*२९३ **स्वतन्त्र-कलाशास्त्र**। डॉ० श्री कान्तिचन्द्र पाण्डेय। [चौ. रा. १]

(प्रथम भाग : भारतीय)

[व्यापक दृष्टि रखकर कला शब्द पर कितना विशद अध्ययन प्रस्तुत किया जा सकता है; यह इस एक ही ग्रन्थ को देखकर समझा जा सकता है। भारतीय मनीषी का प्रौढ़ पाण्डित्य और बहुज्ञत्व इस ग्रन्थ के एक-एक शब्द से परिलक्षित होता है। कला को विचारों की कसौटी में कस देने पर जो ज्ञान की चिनगारियाँ प्रस्फुटित हुई हैं उन्हीं का संकलन ग्रन्थ के रूप में आपके हाथों में है। यह सचमुच अपने विषय का पूरा शास्त्र ही है। एक बार देखने पर अवश्य तुष्टि होगी।] ५०-००

(द्वितीय भाग : पाश्चात्य)

[सोफ़िस्ट गोरजियास और सुकरात से लेकर क्रोचे तक के पाश्चात्य विचारकों के स्वतन्त्रकलाशास्त्रीय सिद्धान्तों का समीक्षात्मक अध्ययन करने से यह ज्ञात होता है कि इस विषय पर भारतीय और योरोपीय विद्वानों का विचार साम्य हो। इसी को प्रामाणित करने के लिये इस ग्रन्थ में १२ प्रकार के कला-सिद्धान्तों का वर्णन है—अनुकृतिवाद, अनुमतिवाद, इन्द्रियसुखवाद, शिक्षकवाद, भावशोधनवाद, आध्यात्मवाद, बुद्धिप्राधान्यवाद, भावावेगप्राधान्यवाद, लोकोत्तरानुभावकवाद, परत-स्वानुभावकतावाद तथा सूक्ष्मविकल्पनिर्विकल्पकतावाद। ग्रन्थ के प्रत्येक अध्याय के प्रारम्भ में पश्चिमी और भारतीय चिन्तकों के सिद्धान्तों की तुलना करके समानतायें प्रदर्शित की गयी हैं और अध्याय के अन्त में तुलनात्मक विवेचन का सारांश भी दिया गया है।] ५०-००

*२९४ **हमारे आधुनिक कवि और उनकी कविताएँ**। श्रीव्यथितहृदय
[इसमें सरल और सुबोध ढङ्ग से हिन्दी के उन सर्वमान्य कवियों और उनकी

कविताओं की आलोचना की गई है, जो उच्च कक्षाओं में अध्ययन के लिये सर्वत्र स्वीकृत हैं। समीक्षा और विषय-विवेचन में विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ही प्रमुख रूप से महत्त्व दिया गया है।] [वि. रा. ११] ६-००

*२९५ **हिन्दी और मराठी का निर्गुण सन्तकाव्य**। डॉ० प्रभाकर माचवे [इस ग्रन्थ में दक्षिण और उत्तर की भाषाओं के आरम्भिक भक्ति-साहित्य के साम्य विभेद पर सामाजिक, ऐतिहासिक तथा साहित्यशास्त्रविषयक मान्यताओं के परिपार्श्व में प्रामाणिक अध्ययन तथा १२वीं सदी से १५वीं सदी के भारतीय वाङ्मय का एक रेखाचित्र प्रस्तुत किया गया है। यह लेखक के १० वर्षों से अधिक के परिश्रम का निचोड़ है।] [वि. रा. ४९] २५-००

*२९६ **हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका**। डॉ० शम्भुनाथ सिंह [वि. रा. १०५] [इसमें आदिकाल से लेकर अब तक के हिन्दी काव्य के इतिहास तथा हिन्दी भाषा और साहित्य के उद्भव और विकास के सम्बन्ध में बिलकुल नये ढंग से और विस्तार से विचार किया गया है। इसमें हिन्दी साहित्य का आरम्भ आठवीं शताब्दी से माना गया है जो लेखक के गम्भीर शोधकार्य का परिणाम है।] १२-००

*२९७ **हिन्दी के पौराणिक नाटक**। डॉ० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री [वि. रा. ३५] [भारतीय पुराणों ने किस प्रकार भारतीय जन-मन को प्रभावित किया है और किस प्रकार पुराण की दिव्य कथाओं ने भारतीय मनीषी को प्रेरित किया है, इन सब का प्रामाणिक विवरण इस शोध-ग्रन्थ में उपस्थित किया गया है।] २०-००

२९८ **हिन्दी में प्रयुक्त संस्कृत शब्दों में अर्थ-परिवर्तन**। डॉ० केशवराम पाल ३०-००

*२९९ **हिन्दुओं की प्रबुद्ध रचनाएँ**। थि० गोल्डस्टकर। अनु० श्रीचारुचन्द्र शास्त्री [वैदिक काल में आर्यों की संस्कृति और सभ्यता एवं अनेक आचार, विचार कितने समुन्नत थे तथा किन उत्कृष्टतम ग्रन्थों में इसका प्रामाणिक विवरण प्राप्त होता है इसका विशुद्ध विवेचन राष्ट्रभाषा हिन्दी में प्रथम बार ही प्रकाशित किया गया है।] [वि. रा. २६] ५-००

*३०० **हिन्दू-संस्कार**। (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन) डॉ० राजबली पाण्डेय [गर्भ में आने के समय से मृत्यु के समय तक और मृत्यूत्तर संस्कारों के माध्यम से उसके परतवर्ती लोकोत्तर प्रयाण तक के हिन्दू जीवन को समझने के लिए यह ग्रन्थ कुञ्जी का काम देता है। हिन्दूओं की सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं के विविध अंगो के रहस्य इससे स्पष्ट हो जाते हैं। वेदों से प्रारम्भ कर मध्ययुगीन और किन्हीं स्थलों में आधुनिक भारतीय साहित्य के परिणाम इस ग्रन्थ में समाविष्ट हैं।] [वि. रा. १२] ३०-००

*३०१ **हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित**। (सचित्र) अनुवादक—कस्तूरमल बाँठिया [मानव-समाज, विशेषतः जैन समाज की आत्मा के निकट रहकर, किस प्रकार से उसके हित में उन्होंने अपना जीवन अर्पित कर दिया यह ग्रन्थ पढ़कर ही अंशतः जाना जा सकता है। ऐसे सिद्ध महापुरुष के प्रति समुचित सम्मान प्रकट न करने का ऋण इसे पढ़कर भी दूर किया जाय तो उचित होगा।] [वि. रा. १११] १०-००

302 Bhavabhuti. Edited by V. V. Mirashi 45-00

303 Comparative Studies in Pali-Sanskrit Alankaras. By Dr. Heramba Nath Chatterjee. Part. I 10-00

304 A Critical Study of the Sources of Kalidasa. By B. R. Yadav 45-00

305 Drama in Sanskrit Literature. By Adya Rangacharya 25-00

306 Geographical Aspect of Kalidasa's Works.
By Bimala Churn Law 15-00
307 Hindu Literature. By Elizabeth A. Rced. 70-00
308 A History of Sanskrit Literature. By A. A. Macdonell 26-00
309 History of Classical Sanskrit Literature.
By M. Krishnamachariar 80-00
310 History of Classical Sanskrit Literature. G. Shastri 15-00, 25-00
311 History of Sanskrit Poetics. By S. K. De 80-00
312 History of Sanskrit Poetics. By P. V. Kane 25-00
313 Image of Kalidasa. By L. S. Bhandare 20-00
314 Indian Culture. By S. Abid Husain 5-00
315 Introduction to Bharat's Natyashastra.
By Adya Rangacharya 12-50
316 Introduction to Comparative Philology By P. D. Gune 20-00
317 Introduction to Prakrit. By A. C. Woolner. 20-00, 30-00
318 Kalidasa : Date, Life and Works. By V. V. Mirashi 30-00
319 Kalidasa : His Style and His Time. By S. A. Sabnis 30-00
320 Language by Bloomfield 16-00
321 Linguistic Introduction to Sanskrit. By B. Ghose 25-00
322 Sanskrit Drama. By A. B. Keith 45-00
323 Sanskrit Drama : Its Origin and Decline. By Indu Shekhar 65-00
324 Sanskrit Grammar. By W. D. Whitney. 30-00
325 Sanskrit Plays. Ed. by H. W. Wells 40-00
326 The Theory of Drama in the Restoration Period.
By Sarup Singh 18-00

इतिहास-ग्रन्थाः

१ **अकबर महान** । आशीर्वादीलाल श्रीवास्तव । अनु० डॉ० भगवानदास गुप्त ।
तृतीय भाग २०-००
२ **अशोक** । राधाकुमुद मुखर्जी १५-००
३ **अशोक** । यदुनन्दन कपूर ९-००
४ **अशोक** । भण्डारकर २०-००
५ **अशोक के अभिलेख** । डॉ० राजबली पाण्डेय ७५-००, १००-००
६ **अश्वघोषकालीन भारत** । १५-००
७ **आज के संग्रहालय** । डॉ० श्रीमती ग्रेस मोर्ले । अनु० डॉ० चन्द्रमणि ८-००
८ **आधुनिक भारतीय संस्कृति** । एल० पी० शर्मा ५-५०
९ **आधुनिक भारतीय संस्कृति का इतिहास** । पी० आर० साहनी २५-००
१० **आर्यों का आदिदेश** । श्रीसम्पूर्णानन्द ६-००
११ **इतिहास पुराण का इतिहास** । डॉ० कुँवरलाल 'व्यासशिष्य' १०-००
१२ **इतिहास : स्वरूप एवं सिद्धान्त** । सम्पा० गोविन्दचन्द्र पाण्डेय १५-५०
१३ **उत्तर भारतीय अभिलेखों का सांस्कृतिक अध्ययन** । रामप्रकाश ओझा ७-७५
१४ **उत्तर भारत का सांस्कृतिक नगर : गया** । डॉ० ललिता प्रसाद विद्यार्थी ७-७५
१५ **उत्तर-वैदिक समाज एवं संस्कृति : एक अध्ययन** । डॉ० विजयबहादुर राव १५-००

१६ **ऋषिदयानन्द : आर्यसमाज की संस्कृति साहित्य को देन।** १०-००
१७ **कश्मीर।** भगवतीशरण सिंह ७-००
१८ **काश्मीरेतिहासः।** आचार्य हनुमत्प्रसाद शास्त्री १५-००
१९ **काशी का इतिहास।** डॉ० मोतीचन्द ५०-००
२० **गुप्त अभिलेख।** डॉ० वासुदेव उपाध्याय ५१-००
२१ **गुप्तकाल का सांस्कृतिक इतिहास।** भगवतशरण उपाध्याय ९-००
२२ **गुप्तकालीन अभिलेखों से ज्ञात तत्कालीन सामाजिक एवं आर्थिक दशा।**
डॉ० शिवनन्दन मिश्र ११-५०
२३ **गुप्त साम्राज्य का इतिहास।** विनोदचन्द्र पाण्डेय १०-५०
२४ **चन्द्रगुप्त मौर्य और उसका काल।** डॉ० राधाकुमुद मुखर्जी।
रूपान्तरकार—मुनीश सक्सेना ८-००
२५ **चोल और उनकी कला।** मनोरमा जौहरी ६-००
२६ **चौलुक्य कुमारपाल।** लक्ष्मीशङ्कर व्यास ७-००
२७ **दक्षिण-पूर्वी और दक्षिणी एशिया में भारतीय संस्कृति।** सत्यकेतु विद्यालङ्कार २५-००
*२८ **दक्षिण भारत का इतिहास।** डॉ० बलराम श्रीवास्तव। (परिवर्द्धित संस्करण) यंत्रस्थ
२९ **दक्षिण भारत का इतिहास।** डॉ० के० ए० नीलकण्ठ शास्त्री २१-००
३० **नगरीय भूगोल।** डॉ० उजागिर सिंह १८-००
३१ **नेपाल : देश और संस्कृति।** हरिनन्दन ठाकुर ८-५०
३२ **नेपाली साहित्य का इतिहास।** डॉ० दीनानाथ शरण २०-००
३३ **पुराभिलेख।** डॉ० शिवस्वरूप सहाय २०-००
३४ **पुरालिपि।** डॉ० शिवस्वरूप सहाय १०-००
३५ **पूर्व एशिया का संक्षिप्त इतिहास।** शैलेन्द्र प्रसाद पांथरी। १९वीं शताब्दी १४-००
२०वीं शताब्दी १६-००
३६ **प्रागैतिहासिक भारतीय चित्रकला।** डॉ० जगदीश गुप्त ७५-००
३७ **प्राचीनतम प्राच्य सभ्यता पर नया प्रकाश।** वी० गॉर्डन चाइल्ड।
अनुवादक—प्रो० राधाकृष्ण चौधरी १५-००
३८ **प्राचीन नेपाल का सांस्कृतिक और राजनैतिक इतिहास।** १०-००, १२-००
३९ **प्राचीन भारत।** रमेशचन्द्र मजुमदार। अनु० डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त १६-००
४० **प्राचीन भारत।** राधाकुमुद मुखर्जी ११-००
४१ **प्राचीन भारत (आदि से ३२० ई० तक)।** डॉ० कन्हैयाजी सिंह १२-००
४२ **प्राचीन भारत का इतिहास।** डॉ० रमाशङ्कर त्रिपाठी २०-००
४३ **प्राचीन भारत का इतिहास।** डॉ० अवध बिहारीलाल अवस्थी। प्रथम भाग
द्वितीय भाग २०-००
४४ **प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास।** डॉ० जयशङ्कर मिश्र -५०
४५ **प्राचीन भारत की कला।** डॉ० गयाचरण त्रिपाठी ७-५०
४६ **प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता।** दामोदर धर्मानन्द कोशाम्बी ०-००
४७ **प्राचीन भारत की सामाजिक संस्कृति।** डॉ० रामजी उपाध्याय २-००
४८ **प्राचीन भारत की सांग्रामिकता।** पं० रामदीन पाण्डेय -५०
४९ **प्राचीन भारत के आचार्य और उनकी उपलब्धियाँ।** डॉ० नत्थूलाल गुप्त १-००
५० **प्राचीन भारत के कलात्मक विनोद।** डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी १२-५०
५१ **प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन।** डॉ० वासुदेव उपाध्याय २०-००
५२ **प्राचीन भारतीय कला एवं संस्कृति।** डॉ० राजकिशोर सिंह १६-००
५३ **प्राचीन भारतीय मिट्टी के बर्तन।** डॉ० राय गोविन्दचन्द २०-००

५४	**प्राचीन भारतीय मूर्ति विज्ञान** । डॉ० वासुदेव उपाध्याय	४५–००
५५	**प्राचीन भारतीय मूर्ति विज्ञान** । डॉ० नी० पु० जोशी	३२–००
५६	**प्राचीन भारतीय मुद्राएँ** । डॉ० वासुदेव उपाध्याय	२५–००
५७	**प्राचीन भारतीय विधाएँ एवं कलाएँ** । डॉ० नत्थूलाल गुप्त	५०–००
५८	**प्राचीन भारतीय शासन पद्धति** । प्रो० अनन्त सदाशिव अलतेकर	२०–००
५९	**प्राचीन भारतीय संस्कृति** । वी० एन० लूनिया	२४–००
६०	**प्राचीन भारतीय सभ्यता** । डॉ० कृष्णकान्त त्रिपाठी एवं सुभद्रा त्रिपाठी	५–००
६१	**प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता** । डॉ० सत्यप्रकाश शर्मा	१२–००
६२	**प्राचीन भारतीय सामाजिक संस्थाएँ** । डॉ० अच्युतानन्द घिल्डियाल	१३–००
६३	**प्राचीन भारतीय साहित्य** । विंटरनित्ज । अनु० लाजपतराय एवं डॉ० रामचन्द्र पाण्डेय । १–२ भाग	२६–००
६४	**प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मन्दिर** । डॉ० वासुदेव उपाध्याय	२३–००
६५	**प्राचीन राजवंश और बौद्धधर्म** । डॉ० अच्युतानन्द घिल्डियाल	४८–००
६६	**प्राच्यभारतीयं ऋतुविज्ञानम्** । डॉ० धुनीराम त्रिपाठी	१८–००
६७	**प्राचीन विश्व की संस्कृतियाँ** । डॉ० राजछत्र मिश्र	८–३५
६८	**बुद्धकालीन भारतीय भूगोल** । भरतसिंह उपाध्याय	१५–००
६९	**बुद्धकालीन राजगृह** । अनन्त कुमार	६–००
७०	**बुन्देलखण्ड की प्राचीनता** । डॉ० भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी 'वागीश शास्त्री'	७–५०
७१	**बुन्देलखण्ड की संस्कृति और साहित्य** । रामचरण हयारण 'मित्र'	२२–००
७२	**भरहुत** । डॉ० रामनाथ मिश्र	९–००
७३	**भारत का इतिहास** । ईलियट एवं डाउसन । अनु० मथुरालाल शर्मा । १–८ भाग	
७४	**भारत का सांस्कृतिक इतिहास** । हरिदत्त वेदालंकार	१२–००
७५	**भारत का सांस्कृतिक इतिहास** । डॉ० राजेन्द्र पाण्डेय	१२–००
७६	**भारत का स्वर्णयुग** । पांथरी	१६–००
७७	**भारत की संस्कृति और कला** । डॉ० राधाकमल मुखर्जी	२०–००
७८	**भारत की संस्कृति का विकास** । डॉ० मथुरालाल शर्मा	६–२५
७९	**भारत की संस्कृति साधना** । डॉ० रामजी उपाध्याय	१०–००
८०	**भारत की सांस्कृतिक परम्परा** । केदारनाथ शास्त्री	३–००
८१	**भारत की सांस्कृतिक परम्परा** । श्रीमती इन्दुमती मिश्र	४–५०
८२	**भारत की सामाजिक क्रान्ति** । डॉ० रामजी उपाध्याय	३–००
८३	**भारत की सामाजिक संस्कृति** । डॉ० रामजी उपाध्याय	१२–००
८४	**भारत के प्राचीन अभिलेख** । प्रभात कुमार मजूमदार	२०–००
८५	**भारत के बौद्ध-तीर्थ** ।	२–००
८६	**भारत के महान साधक** । प्रमथनाथ भट्टाचार्य । १–४ भाग	६०–००
८७	**भारत में आर्य और अनार्य** । डॉ० सुनीति कुमार चटर्जी	२–००
८८	**भारतीय अभिलेख** । एस० एस० रागा	३०–००, ५०–००
८९	**भारतीय अभिलेख संग्रह** । फ्लीट । अनु० गिरजाशङ्कर प्रसाद मिश्र	१००–००
९०	**भारतीय आर्य भाषाएँ** । डॉ० इलाचन्द्र शास्त्री	५–००
९१	**भारतीय इतिहास का सर्वेक्षण** । के० एम० पणिकर	८–५०
९२	**भारतीय कला** । वासुदेवशरण अग्रवाल	४५–००
९३	**भारतीय कला और दर्शन** ।	१७–५०
९४	**भारतीय कला और संस्कृति** । वाचस्पति गैरोला	१७–५०
९४	**भारतीय कला का विकास** । राधाकमल मुखर्जी	२५–००

९५ **भारतीय कला के पदचिह्न** । डॉ० जगदीश गुप्त ७-००
९६ **भारतीय कला को बिहार की देन** । डॉ० विन्ध्येश्वरी प्रसाद सिंह ७-५०
९७ **भारतीय गौरव** । वासुदेव उपाध्याय ५-००
९८ **भारतीय चित्रकला और उसके मूलतत्त्व** । डॉ० रघुनन्दन प्रसाद ७५-००
९९ **भारतीय चित्रकला का संक्षिप्त इतिहास** । वाचस्पति गैरोला १२-५०
१०० **भारतीय पुरातत्व के पृष्ठ** । डॉ० शिवस्वरूप सहाय २०-००
१०१ **भारतीय पुरालिपि** । डॉ० राजबली पाण्डेय २०-००
१०२ **भारतीय पुरैतिहासिक पुरातत्त्व** । धर्मपाल अग्रवाल १५-००
१०३ **भारतीय प्रतीक विद्या** । जनार्दन मिश्र ११-००
१०४ **भारतीयवृत्तम्** । ए० ए० मेक्डोनल । अनु० श्री वे० वेंकटराघवाचार्य १९-००
१०५ **भारतीय संस्कृति** । डॉ० वी० एल० आत्रेय १-००
१०६ **भारतीय संस्कृति** । गोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' २-००
१०७ **भारतीय संस्कृति** । बलदेव प्रसाद मिश्र २-५०
१०८ **भारतीय संस्कृति** । डॉ० देवराज ४-००
१०९ **भारतीय संस्कृति** । जयकिशन प्रसाद (प्रश्नोत्तर रूप में) ४-००
११० **भारतीय संस्कृति** । डॉ० कुंवरलाल 'व्यासशिष्य' ११-००
१११ **भारतीय संस्कृति** । डॉ० राजकिशोर सिंह १२-००
११२ **भारतीय संस्कृति** । साने गुरुजी ६-००
११३ **भारतीय संस्कृति** । वात्स्यायन ७-५०
११४ **भारतीय संस्कृति** । सातवलेकर । अनु० श्रुतिशील शर्मा १०-००
११५ **भारतीय संस्कृति** । शिवदत्त ज्ञानी १२-००
११६ **भारतीय संस्कृति : गौतम से गाँधी तक** । भास्करानन्द लोहनी ६-००
११७ **भारतीय संस्कृति और अहिंसा** । धर्मानन्द कोशाम्बी ५-००
११८ **भारतीय संस्कृति और इतिहास** । स० स० चौधरी १०-००
११९ **भारतीय संस्कृति और उसका इतिहास** । सत्यकेतु विद्यालंकार १७-५०
१२० **भारतीय संस्कृति और उसकी समस्याएँ** । डॉ० पी० टी० राजू । अनु० डॉ० देवराज उपाध्याय २-००
१२१ **भारतीय संस्कृति और साधना** । म० म० गोपीनाथ कविराज । प्रथम भाग ३५-००
१२२ **भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता** । म० म० डॉ० प्रसन्न कुमार आचार्य ७-००
१२३ **भारतीय संस्कृति का इतिहास** । डॉ० नरेन्द्रदेव सिंह शास्त्री ५-००
१२४ **भारतीय संस्कृति का इतिहास** । स्कन्दकुमार ३-००
१२५ **भारतीय संस्कृति का उत्थान** । डॉ० रामजी उपाध्याय ३-७५
१२६ **भारतीय संस्कृति का प्रवाह** । डॉ० कृपाशङ्कर ८-००
१२७ **भारतीय संस्कृति का विकास** । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री । १-२ भाग २४-००
१२८ **भारतीय संस्कृति का संक्षिप्त इतिहास** । हरिदत्त वेदालंकार ५-००
१२९ **भारतीय संस्कृति की प्रागैतिहासिक पृष्ठभूमि** । डी० एच० गार्डन ९-५०
१३० **भारतीय संस्कृति के कुछ विचार** । डॉ० राधाकृष्णन् १०-००
१३१ **भारतीय संस्कृति के आधार** । एस० पी० कनल ३-००
१३२ **भारतीय संस्कृति के मूलतत्त्व** । सत्यनारायण पाण्डेय एवं डॉ० जोशी ४-५०
१३३ **भारतीय संस्कृति के विस्तार की कहानी** । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय २-५०
१३४ **भारतीय सभ्यता तथा संस्कृति का विकास** । वी० एन० लूनिया ९-००
१३५ **भारतीय सामन्तवाद** । रामशरण शर्मा ३२-००
१३६ **भूगोल की प्रकृति** । डॉ० लेखराज सिंह १०-५०

172 Brahmins through the Age : A Study of their Social, Cultural, Political, Religious and Economic Life. By Dr. R. N. Sharma 60-00
173 Bengal under Akbar and Jahangir : An Introductory Study in Social History. By Tapan Roy Chaudhury 40-00
174 China and Gandhian India. By Dr. Carsun Chaug. Ed. by Dr. Kalidas Nag 10-00
175 The Civilization and Culture of Bali. By R. Friderich 25-00
176 The Edicts of Asoka. Translated by N. A. Nikam and Richard Mekcon 4-00
177 Expansion of Indo-Aryan Culture. By Dr. B. C. Chhabra 25-00
178 Fall of the Mughal Empire by Jadunath Sarkar. Vol III 12-50
179 From the Cave and Jungles of Hindustan. By H. P. Blavatsky 45-00
180 Glories of India by P. K. Acharya 50-00
181 Group Relations in Village Community. By Iravati Karve & Y. B. Damle 20-00
182 The Harappa Culture and the West. By Dr. H. Mode 7-00
183 Historical Architecture. By H. Braun 195-00
184 Historical Phonology of Russian. By G. H. Fairbanks 10-00
185 History of Buddhism in Kashmir. By Dr. Sarla Khosla 35-00
186 History of the Rise of the Muhammadan Power in India. By Md. Kasim Firishta 10-00
187 History of Shahjahan of Delhi. By B. P. Saxena 13-50
188 A History of Tamil Language. T. P. Meenakshi Sundaran 12-00
189 Image India : Heritage of Indian Art & Crafts. By Ram Dhamija 40-00
190 India's Villages. Ed. by M. N. Srinivas 25-00
191 India as I See Her. By S. R. Sharma 8-50
192 India as Reflected in the Inscriptions of Gupta Period. By Dr. Haripada Chakravarty 65-00
193 Indian Culture : The Tradition of Non-Violence and Social Change in India. By Girish Chandra Roy 40-00
194 Indian History : A Review. By Baij Nath Puri 15-00
195 An Introduction to Archaeology. By H. D. Sankalia 3-00
196 An Introduction to Modern Indian Sculpture. By Jaya Appaswamy 65-00
197 Janpada State in Ancient India. By Sudama Mishra 45-00
198 Juvenile Delinquency and Destitution in Poona. By Mrs. G. N. Ruttonsha. 8-00
199 Kashmir : Throngh the Ages. By G. L. Kaul 22-50
200 **Kuka Movement. By Fanja Singh Bajwa** 20-00

201 Later Hindu Civilization (Based on Sanskrit Literature) A. D. 500–1200. By Ramesh Chandra Dutt 30–00
202 The Legend of Emperor Asoka in Indian & Chines Text. Translated by Dilip Kumar Biswas 30–00
203 Marwar and the Mughal Emperors (A. D. 1526–1748). By V. S. Bhargava 25–00
204 The Norris Embassy to Aurangazeb (1699–1702) by Harihar Das 40–00
205 Origins of the Early Buddhist Church Art. Adris Banerji 7–00
206 An Outline of Colloquial Kannada by William Bright 5–00
207 The Patterns of Migration and Occupation in a South Gujarat Village by I. P. Desai 15–00
208 Pleistoene Studies in the Malaprabha Basin. By R. V. Joshi 15–00
209 Political History & Institutions of the Early Turkish Empire of Delhi (1206–1290 A. D.) By Md. Aziz Ahmad 50–00
210 Rajput Architecture. By G. S. Ghurye. 48–00
211 The Republican Trends in Ancient India. By Shobha Mukerjee 40–00
212 Selections from Sanskrit Inscriptions. By D. B. Diskalkar 60–00
213 The Social Dynamics of a Growing Town and its Surrounding Area. By Iravati Karve & J. S. Ranadive 12–00
214 Social Organization, Migration and Change in a Village Community. By T. N. Valunjkar 25–00
215 Stone Age Tools : Their Techniques, Names and Probable Functions. By H. D. Sankalia 15–00
216 Studies in Ancient Indian History and Culture. By U. N. Roy 30–00
217 Studies in Asoka's Inscriptions. By Fillozat. Translated by Mrs. R. K. Menon 8–00
218 Studies in Asian History. Ed. by K. S. Lal 45–00
219 Studies in Indian History by K. M. Panikar 16–00
220 Studies in Museum and Museology in India. By D. P. Ghosh 18–50
221 Studies in Pre-History. Ed. by D. Sen & A. K. Ghosh. 75–00
222 A Short History of Chinese Art. By Sullivan 75–00
223 The Tribal Village in Bihar. By Sachchidananda 35–00
324 They Lived Like this in Ancient India. M. Neurath & John Ellis 7–50
225 Twilight of the Mughuls. By Percival Spear 55–00

पुस्तकें मँगवाने के नियम

१. डाकखाने से वी० पी० नियमानुसार ३ दिन के अन्दर छुड़ा लेनी चाहिये अन्यथा वापस हो जायगी। वी० पी० वापस आने से उसकी सारी क्षति तथा खर्चे ग्राहक को देना होगा।

२. जो ग्राहक, पुस्तकें अधिक वजन की होने से, रेल्वे पार्सल से मँगवाना चाहें उनको अपने समीप के रेल्वे स्टेशन अथवा रेल्वे लाइन का नाम भी अवश्य लिखना चाहिये और कम से कम चौथाई मूल्य आर्डर के साथ पेशगी अवश्य भेजना चाहिये, जो वी० पी० के मूल्य में कम कर दिया जाता है।

३. पुस्तकें ग्राहकों की जिम्मेदारी पर भेजी जाती हैं। हमारे यहाँ से पुस्तकें भेजने के बाद रास्ते की जोखिम का जिम्मेदार कार्यालय नहीं है।

४. प्रकाशकों के मूल्य-परिवर्तन के अनुसार पुस्तकों के मूल्य जो घटे-बढ़े होते हैं, वे ग्राहकों को बिना सूचना दिये ही माल भेजते समय चार्ज किये जाते हैं। पुस्तकें भेजने का कुल खर्च-डाकखर्च, रेलभाड़ा आदि ग्राहकों के जिम्मे होगा।

५. रेलवे रसीद पर लिखे पार्सल का वजन जाँच-परख कर ही पार्सल छुड़ावें अन्यथा पार्सल में कोई भी गड़बड़ी के लिये हमारा कोई उत्तरदायित्व न होगा।

६. वी० पी० भेजने में यदि किसी पुस्तक के मूल्य इत्यादि में अथवा और किसी प्रकार की भूल हुई हो तो भी कृपया वी० पी० छुड़ा लेवें और बीजक संख्या तथा दिनांक लिखकर भेजने की कृपा करें, भूल सुधार कर दी जायगी। वी० पी० वापस न करें अन्यथा क्षति होगी।

७. बीस रुपये से अधिक मूल्य की पुस्तकें मँगवाने वाले ग्राहकों को चतुर्थांश मूल्य पेशगी के रूप में भेजना चाहिये।

८. नोट, टिकट, चेक, पोस्टल आर्डर आदि रजिस्ट्री से भेजना चाहिये।

९. वैधानिक कार्यों के लिये वाराणसी कोर्ट मान्य होगा।

निवेदन

प्रस्तुत सूचोपत्र के अतिरिक्त हमारे यहाँ भारतवर्ष के समस्त विश्वविद्यालयों एवं शिक्षा-संस्थानों द्वारा संचालित परीक्षापाठ्य-क्रम के अनुरूप संस्कृत, हिन्दी एवं आयुर्वेद साहित्य की सभी पुस्तकें उपलब्ध होंगी। कृपया हमारे विभिन्न साहित्य के पृथक्-२ छपे अमूल्य सूचोपत्र आवश्यकतानुसार मंगाकर सेवा का अवसर प्रदान करेंगे।

X.1

❀ सर्वश्रेष्ठ अभिनव संस्करण ❀

श्रीमद्भट्टोजिविरचिता

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

'बालमनोरमा' एवं 'दीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित

व्याख्याकार—श्री गोपालदत्त पाण्डेय

(भूतपूर्व उप-शिक्षानिदेशक, उत्तरप्रदेश)

श्रीयुत भट्टोजिदीक्षित प्रणीत सिद्धान्तकौमुदी का प्रस्तुत अभिनव संस्करण एक महत्त्वपूर्ण प्रकाशन है। पाणिनि की अष्टाध्यायी पर भट्टोजिदीक्षित ने प्रक्रियोपयोगी सूत्रों का यथास्थान चयन कर प्रकरण-विभाग का समावेश करते हुए "सिद्धान्तकौमुदी" नामक वृत्तिग्रन्थ लिखा। कौमुदी का मूल आधार अष्टाध्यायी के सूत्र हैं। इसकी अनेक टीकाओं में वासुदेव दीक्षित विरचित "बालमनोरमा" बहुत प्रसिद्ध एवम् उपयोगी है। वर्तमान समय में हिन्दी राष्ट्रभाषा होने के कारण संस्कृत के ग्रन्थरत्नों का हिन्दी में मौलिक व्याख्यान अपेक्षित है। व्याख्याकार ने व्याकरण की वैज्ञानिकता को दृष्टिगत कर 'दीपिका' व्याख्या द्वारा विषय को बोधगम्य बनाया है। साधनिका (रूपसिद्धि) करते समय प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को तत्सम्बन्धी सूत्रों द्वारा स्पष्ट करने का (गणित के समान हल करने का) प्रयास किया है। सूत्रार्थ करते समय अनुवृत्ति-क्रम, विभक्ति-विपर्यय, शब्दों की यौगिकसिद्धि, परिभाषाओं का ज्ञापन आदि प्रकारों की उपयोगिता पर भी यथेष्ट बल दिया गया है। प्रस्तुत संस्करण की सहायता से छात्र मूल ग्रन्थ की उपयोगिता को समझ व्याकरण-शास्त्र की व्यावहारिकता को जानने में समर्थ होंगे। केवल छात्रवर्ग ही इससे उपकृत नहीं होगा अपितु शोधकर्ताओं के लिये भी इसमें प्रचुर सामग्री उपलब्ध होगी। कारकान्त प्रथम भाग ५०-००

शेषभाग शीघ्रप्राप्य

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

श्रीवासुदेवदीक्षितविरचित-'बालमनोरमा'-समलङ्कृता

सम्पादक—श्री गोपालदत्त पाण्डेय

बालमनोरमा टीका सहित "सिद्धान्तकौमुदी" का अभिनव संस्करण प्रस्तुत करते हुए बड़े हर्ष का अनुभव हो रहा है। प्रस्तुत संस्करण में शुद्धता के साथ सम्पादन किये जाने के अतिरिक्त मूल ग्रन्थों से प्रथित-सिद्धान्तों के उद्धरण यथास्थान टिप्पणी के रूप में समाविष्ट किए गए हैं। इससे बालमनोरमा टीका की उपयोगिता और बढ़ गई है। ग्रन्थ के अन्त में परिशिष्ट रूप में सूत्र, वार्तिक तथा परिभाषा एवं गणपाठ सूची के अतिरिक्त रूपसिद्धि प्रकार तथा पंक्ति-लेखनादि का समावेश किया गया है। छात्रों की अध्ययन सम्बन्धी कठिनाइयों को दूर करने में यह संस्करण सर्वथा उपयोगी सिद्ध होगा। परिशिष्ट के अन्त में अनेकों वर्षों के प्रश्नपत्रों का भी समावेश कर दिया है। कारकान्त भाग १४-००

शेष भाग शीघ्रप्राप्य

पुस्तक प्राप्तिस्थान—

चौखम्बा विद्याभवन, चौक, पो० बा० नं० ६९, वाराणसी २२१००१